र्केषायबुराबेर्नेषाञ्चेरार्भेष्ट्रा

१८.१. अ.५८. इर.मी ब.पश्चा

Accession No.....Shantarakshita Library
Tibetan Institute, Sarnath

हमायाया १८% मार्द्राचेरा

महर्षः तम्बर् द्ये क्षेत्राया कयः श्वेत्राके त्यह्व स्वर् क्षेत्राया महर्षः तम्बर् द्ये श्वेता या गर्वेद या व्यावेद स्वर् हे हो द्ये श्वेता तम्बर् त्या १६ त्या व्यावेद स्वर् त्या व्यावेद स्वर्थ स्वर् त्या व्यावेद स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वयः स्वर्

*

· 古天· 木丘· 顏石· 黛仁 邓· 월· 慈 ጣ 제 · 故天· 옷 ጣ · 旧丘 · 古天 · 弘 제 · 도리 · 彥ㄷ · 도리 · 顏 즉 · 미ㄷ · (및 · 욮 ጣ ·) · 주제 · 口ハ 메 때 **

변수·원드자·최·주파드자·주리·중국·P드·주자·다중국

전도·현드제·취직·장·스디자·오릿디제·디컬·필제·스디자!

희둑·ㅈ드·퓼드·겉드저, 휠, 포네ㅋ.또속·우네,너드·펀드·펀드,엉네,스크,ᇂ드·스크,퓠속·너드, (피,륄네.) 숙자.다끄러!

1988 전환 淸 3 리자 '독리자' 미축 '독도 전 ' ㅁ춫 미지 |

1988 ম্ধু ছ 3 ন্ন ন্ন স্থান ব্ল ন্ন ন্ন ন

रै⊓'ग्र≅' 1-2,000

শুক্ত বৃদ্ধ কিন্তু বিশ্ব বিশ্

द्रेय देव व र 3.20

न्यं भ्रम्भया प्रम्ना

⟨
ᢜয়'ҡӈৢ⊏'য়'ऍण'য়ৢ८'ऍ'য়ৢ८'ॐ९'য়য়ৢऽ⟩ ८९९'য়য়ৢण'ঢ়८' प्रवास प्रति प्राची म्यापापा । ३८ पत्र १ वा रिट् वेर मी मी छु । स्थाप लाक्षेद्रामाळ्यात् मुहाक्षेतातु ग्वास्य वस्य विषय् युवा देशादा पुत्रास्य वस्य पर्दे मृहैकायति वटाय अकाय विषा येव विटा केंबार मुदार दी ता सुव स्टामेवं महामुन्दा क्रियार विवास विवास निष्या मित्र मित्र क्रियार विवास करें ष्यताश्चरकर क्षेत्राक्ष र्यापृ चुटाया विषाणि वाया द्येरावा व्यराहे । स्वराहे । 《ति.ब्रेंब.क्र्याप्ततिष्णे 《ब्रिजारमयायायायायपुःश्राप्ताणे क्षात्रपुः 《प्रेचारुर ৾৾৻য়ৼ৾৾ॱঀ৾৾৾ৠঀ৽য়৾ঀৢ৾ঀ৽য়৾৻ৼয়৾৽ৼয়৽য়ঀৢয়য়৽ঢ়ৢ৽**৻**৾য়য়৽য়ঀৢৼ৽ৼঀ৽য়৽৾য়৾য়৽**৸ঢ়ৼ** बहूर् बैब्रू इंदर्सं र तपाता ही र क्ष्यार हिराम में बरात हवा हा छुट ने बरात होरे ढ़ॺॕॳॱय़॔ॱॿढ़ॕॿॱॿॖॱॸॖॻय़ॱॻॖऀॱढ़ॸॖऀॻॱॿ॓ॸॱॾॕॿॱॻॕ॔》 ॺॱक़ॿ॓ॱज़ॖॿॱॸॿढ़ॱॿॖॺॱॺक़ॿॱ मुं (प्यार म्प्रमा क्रमा क्रमा सम्बद्धा क्रमा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा स पर्सर् वस्त्र मान्य परि (रन्तर स्वाक्त बेट.परे. ९४४.७विट. थ्रियाचार, ट्येप. ईंडे ह्राबट. ये.र. वॅ.राष्ट्रायप्ट. ९के.या क्र्यारचिंद्र रें सेवा.लट.लचकरवेंट.टबा.रचट.ईश.केप.के.९सेवा.लट.क्र्यं
 حق ۲
 عنظر المنظر <न्मामुद्रेरम्पुट्रारम्बरदेवाळेवाम्याबहेत्र धवामरेप्रूणुख्रान्माने (बन्

য়ৢ৻৽ঀৣ৽৲ঀৢঢ়ৼয়৾৾৽ৢয়৽৸৽য়ঢ়ঀ৽৾৾য়ৢঀ৽ঀৢৢ৽৻৻ঢ়ৢড়য়৽ঢ়ঀৢৼ৽৲ঢ়য়৽ঢ়য়৽ঢ়৾ঀ৽ঢ়য় बु प्पण्य क्रिया ग्री रहे र सदि र सुपा सम्रत्य स्था मी य़ॱॸय़ॱक़ॖॖॺॱॻॖऀॱढ़ॣॺॸॕॖॱय़ॗॸॣॱक़ॕॺॱढ़ॻॗॖढ़ॱॸऀय़ॱॿ॒॓ॸक़ॕॐ य़ढ़ॺॱॸऀ॒ॱढ़ॗॸॱज़ॕ॔॔ढ़ॱॱ॓ **नुःबळदःश्चर्यात्रःॐ**सर्वषुदःनदःकुलःस्वसःनेप्नगदेःवन्दिःनुःनुवाहाः केप्यः **पिना-मोडेना-छेदा-**पास्या अदःरायः त्राहेस पाः स्वाराये केसार मुद् **ୢଌୖ୕୕୴୷୳୷**ଽ୷ୢ୷ୢୢଢ଼୶୵ୡୄଵୄୄ୕୕୷୳ୡ୶୶୷୲ୡ୵ୄ୕ୠ୳ୄଌ୳୷୕୵୷୕୷ୖୄ୷ୢଢ଼୷ୄୄ୴୕୶ **नेन भेर्य पर प्रवर्ष परि छि**र कॅर्यन ए र र न र स्वर स्वराहित स्वर् **८६म:ब्रैट:मेन्ये-कुंबरद्वे**टार**हण**'अविदार्थर्'र्दे गंगेवाणुट'र्थे कुंबरथरद्वेटा **८६न'**-छेन्-इतसार्द्रस्पादे स्यानुष्या हितारहिन छेन्। यात्रा साहित्स महेर्म कुषा देवा माना भाषा । तर्या महेर्म स्वर साम किराय मदे सं कु बाया अर्थे दा के दार्प पर के दा पर कि वा पर वा सं पत कु र हैं दा अदा **ब्राह्म स्टब्स ह्या ह्या ह्या ५ का प्राह्म १ का प्राह्म २दायमान्**रा**व्या**यादीमानुग्वर्षायादी हेतायागुदाचीदाळ्याताताळाचारावरीया **बद्धाः प्रमाहरादेग्डें र देवा तहना पुरा है स्वय रेहे बेहे तम् उसा** ৽**ঢ়ঢ়৾৾ঀ৽৻**ঢ়৽৸ড়ৢ৽য়৾৾ঌ৾৾৾ঀ৽য়ঢ়৾ঀ৽য়ৢঀ৽য়ৢ৾য়৽৾য়য়৽ৼঀ৽য়ঢ়৽ড়ঀ৽ঢ়৽ঀ৾ঀৢ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽ঢ়৾৾৾য় निरेषु निरेषु अळव प्यट स्नियश देशे वित् गु ही के न्य देश विरे में कुन

मुख्याक्षेत्रात्मक्षेत्रत्मक्षेत्रत्नव्यक्षक्षेत्रत्मक्षेत्रत्मक्षेत्रत्मक्षेत्रत्नव्यक्षक्षेत्रत्नव्यक्षक्षेत्रत्नव्यक्षत्मक्षेत्रत्नव्यक्षक्षेत्रत्नव्यक्षक्षेत्रत्नव्यक्षक्षेत्रत्न

Bिट. क्र्याचे हेश्या है। विटानी क्र्यार विटाराय स्टार्ट्य देवा है या है साथ লুব'য়য়ঽ'ড়ৢ৾ঀয়'৻ৼৼঀ'ঀৢ৾৾৽ৼৢৢ৾ঀ'ঀৢ৾য়'য়৾৾৽ঢ়ৢয়'ঢ়য়ৢঀ'য়য়ৢঀ'য়ঀ'য়ঀ৾ঢ়য় नेति कु 'यळव 'वे 'स्राम्य 'नेति 'मॅन्'ग्री 'सिं कु य वे 'मॅन्' खेल 'तुर कुर चुटा ह्वेल मुका हु व कर रहारहा मी कुना हेदारे प्रवास है। देखा पहेदा दका केन्-नु-केंश्रेष्ट्रीन्-खें-पुर्वेष्य स्वाहित्य केन्द्र होत्य केन्द्र महित्य होत्य होत्य होत्य होत्य होत्य होत रे.पूर्.की.पूर्वे ब.द्वेच.वीजानपु.श्री.स्थापह्रच.तीर्.तपु.स्थात्मटा। ४८.रणा ৡ৾^{৽য়৽}য়ৼ৾৾৽ৼৼৼৼয়৽য়৽য়৽য়৽য়৽ৼয়৾৽ঢ়ঽ৽য়৾৽ঢ়ঽ৾ঀ৽য়৾৽৽য়ৼ৾ঢ়৾৽ৼড়৽ ब.स्ट. २. श्रील.भी. स्थापह्र नि. तपु. श्रील. ट्रे. स्थापहार स्थापहार विकेटा ताला.... नित्र प्रत्यापद्धराष्ट्रियास्तरात्रा याञ्चा त्यारायस्यास्या मु देव त्रें वे न्यते अलाने पव रहव त्राव या हे तर देव न्या हि तर हिन पव नि हे । **ଊ**୕୷ୢୖ**ୠ୕୶୶**୵୕୵ୠ୶୕ୢୄ୷ୡ୕ୄ୲୴୕ୡ୕୳୷ୖୄୡ୕୲ୠ୕୕ୡ୕୷୲ୄ୕୵୕ୢୄୠ୕୵୕୷ଽୖଽ୵୲<u>ୄ</u>ଌୣୖ୷୕୷୷୕ୣୠ୵

มีลิาสูารุยูะล_ิมูลานาลฅลาฮิลาฮิา(ฮิลาลยูรารุนๆานลานัยลานส**ร**ู बु'पण्द'र्केश'ग्रै'वे'तहरा (मूप्पायवार नेवाम्बु'ये'विष्कु पठद'र्घ'रहस'न्यवा **४५१**कि तम्बेर एहर त्रेर जन्म की. (४६२१ मिट में या तप्रेर के साम के प्राप्त **ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ੑਜ਼**ਜ਼ੑੵ੶ੑੑੑੑਫ਼ਖ਼ੑੑ੶ਖ਼ੑੑੑੑਜ਼ੑਜ਼ਫ਼ਜ਼੶ਫ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑੑੑੑਜ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ੑਜ਼ਫ਼ਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶੶੶ รู พลส จา ผู้สานหิง ฮัสาด ยู นารนา ฮู ผารนล หาวารา ๆ เจ้านัก รู าฐกลา ฮิานา **मिन'मिठेम'छव'**म'भवा अद"रश'८५व'हेब'म् अवारिटे कें वार पुर **५८ विक्रुवर्भ ५ ५ विष्णु अर्थ विष्ण अर्थ ५ विष्य १ व ढ़ऀज़ॱज़ऀॹ**ॐॺॱढ़ॻॗॖॖॖॖॖॖॗॖॸॱॻॾॱॺॺॱॻढ़॓ॱॸॗॺॱॾ॒ॱॻॱॸॖॸॱ। ॸॖ॓ॱॸॗऀॸॱॸॗॖॎॸॺॱ **ᡨᠬ᠗ᢋᡃᡅᠵ᠃ᡗ᠍ᢛ**᠋ᠣᡭᡃᡛᠫ᠋᠂ᢅᡠᢦ᠂ᠳ᠋᠋᠆᠂ᠵ᠃ᠳ᠆᠂ᢅᢂᡝ᠈᠀ᢐ᠈ᢋ᠂ᢅᠻ᠂ᠳ᠂᠁᠃ **८६म:ब्रैट:जैन्यंकुब:ब्रेट:८६ग**'सिवद'ऍ८'र्देग'वीब:गुट:ऍ'कुब:य'ब्रेटा त्रुपाचेत्रम् स्वत्रात्रम् स्वत्रात्रात्रम् स्वत्रात्वेतात्रहण्याचेत्रात्रम् स्वत्रा महे संकुत्र देवा माना भारता वित्र माने स्वर महि संकुत्र स्वर है द मदे सं कु बाया अर्थे दा के वा पुरा के पा के वा प्राप्त के प्राप्त **ब्रह्मित्रक्षाह्याह्यक्षाह्यक्षाह्यक्षाह्यक्षाह्यस्य स्थान्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्य २दाश्रमःन्**रा**ष्ट्रा**यादी**ना**नु पार्डे पार्वा कुरायानुदानुदा क्रायस के पार्या प्रहे पार **बद्दरा** न्र्याह्सान्याँ कराविष्य हम्पानुसाने स्वाप्य हिला हम्पान्य स्वाप्य **रे.स्ट.के.स्.में ब.**ज.क.चलेचे. बंउरा स.स्.क्रंट.केचे.चा.च्.स्ट.बंब.चेंटा ৽**য়৾৾ঽ৾৾৽ড়ড়৾ৼ৾ড়**য়৻য়৾৾৾৾৾৾৾৾ৼ৽ড়৾ঀ৾৽ঢ়ৢ৾৾৽ৼ৽ড়৾য়৽য়৾৾ঽ৽য়৽য়ঢ়ঢ়৽ৼয়৽য়ড়৽ৼ৽৽ দ্**দ্দ'ণ্ট্ৰ'ৰ্দ'ন্**' ক্ৰু'অৰ্হ্ব'ন্থ'আদ্হ'লুহ'ট্ৰ'ই ক্ৰ'ইহ'হ্ব'ট্ৰ'ট্ৰ'ট্ৰ'ই नित्र कुष्म वित्र कुष्म वित्र मान्य दित्र मिन् ग्री ही किन्य दित्र मिन्त

विर.कृषाचिष्ट्रेशाचा है। विष्टाची क्ष्यारविष्टालाम्यास्याद्वेयानु ग्वहेषाद লুব'য়য়৾৻ড়ৢ৾ঀয়৻৻ৼঀ৾৾৽ঢ়ৢ৾য়ৢ৾ঀ৾৽ঢ়ৢ৾য়৾৾য়৾৽ঢ়য়ৢঀ৾৽ঢ়য়ৢ৾৾ঀ৾৽য়য়ৢ৾ঢ়৽য় देशे क्रु 'यळव' वे 'स्न्मिर 'देशे 'वॅद' 'ग्रे' 'शिं 'क्रुव' वे 'वॅद' **शे**श' सुर 'ग्रुट' है। व्य-बटाह्मान्द्रातहानाः ईन्।विष्यार्वन्यायमा व्यन्गीः न्नान्यवार्कः वित्र ह्येल के में के विकास कर के किया है के के प्राप्त के के किया में के किया में क केन्-पु-केंद्र-श्रेन्-श्रु-खुन्द्र-देवाळेवाळेर-श्रेलाकेन्-पाने-भेवा न्येर-व-र-ৡ৾[৽]য়৽৾৾য়ৼৢ৽ৼয়ৼয়৽য়৽য়৽য়৽৸৽ৼয়ৢ৽ৼয়ৢ৽য়৽য়ঢ়ৢয়৽য়৽ यदे व र्षे पुरे परिर्था है र्था 1288 वर ग्राह्म या भुष्टी प्राह्म व व राम व व राम व व राम <u>६.ड. पंभात्री ४. लट. सूर. २ जीता ब्रुवाखा केथा तथा ह्या प्रेथा हेथा</u> चुत्। देवस्र रेम पद्धेद्र हैत्सर् दर। माञ्चा द्यो स्याप्य प्रवस्य सु मु देव दिव चेत्रपरि अंशरी पव रहव तम्बर्य होते परि प्राप्त पान परि **बाद्य रः ब्रु**लाञ्च रहे दे तहार किरावा कुला प्रवास करा की किरावा किरावा किरावा किरावा किरावा किरावा किरावा किरावा **छ**ल'मेु'अश्वत'न्त्रस'गुद्द'वित्य'य'सु'तु'दी'दीपी'नु'चुर'य'रेन्। ह्वैर' यट'र्वेन्'

<u>५ 'णुच' स्रवत'तर्राक्षेत्र'चुट'चत्रद्र'। चङ्गेत्र'यः धुे'द्रः खुै'हेत्र'लः चुट'च'५८'।</u> ३८°६°वरहर्नेरप्ता पङ्गवर्याष्ट्रीर्नरक्षुरमुद्धायाक्षेत्रस्ता ३८'रल'तित्वास्त्रम्यसम्हर्मे हेरत्याद्यात्त्वात्तुत्वादुररे दुत्ताययाः वुदास्तर् भ्रायः देर प्राप्ताम् त्यस्य सम्बद्धः कृतः की प्रमु प्राप्ताम् स्रिन्द्रम्भागम् विद्यान् विद्याः हिप्तद्रम्भागस्यापार्वसम् १८ र तथात्तृत्वायाः **विदायवान्न**यकादेतायण्यायकुत्रयतेः मुर्देश धरा मुया अवता भरति द्वाया मा अवता ने प्रविद सम्भु पर अहिंद १८ रामा १८ वर्षा वर्षा विष्य वर्षा मुल'सळद्रत्स्त्रित्याय'सेद्रायस्यात्रुद्धैत्य्यास्यद्वरान्तु'र्द्ध्ययायादस्यास्याः ळॅस'सेन्'न्हेस'ग्रे'से**द**'यस'न्र'कुस'पुट'सेन्। ने'प**ं**देर'कुल'प'नहेस' यार्स्टरम्यार्ह्मायवटाम्बन्यार्वे १८ स्थार्वे स्थार्थः विषय चकु'न्र'सुक'रु'र्स'म्युक'यर'रहित्स'य'केद'यस। चग्रि'म्न्सस'**म्बर**' सत्यान्ने स्वन्यान्य प्रति मुना स्वतः विकारा दे स्वन्य देन सेटा द्यापटा सेना **च्रेंट्.टे.**क्ष्य.लेच्य.वे.ट्र.चेश्व.कुर.चुट.कुर्

ष्ट्र-हिन्द्रम् वित्र-हिन्द्र-वित्र-हिन्द्रम् वित्र-हिन्द्रम् वित्र-हिन्द्रम्

विर्'क्र्याचे त्यं ही क्र्यारविराची क्र्याचिरा में असंक्र्या से वार् न्ना कृतः म्वास्त्रम्द्रास्त्रम्था क्षा का स्वास्त्रम्था क्षा का स्वास्त्रम्था का स्वास्त्रम्था का स्वास्त्रम् कॅम्प्राच्याप्तरायाः हुरा श्चीरावाञ्चेषयाचेराचेराचेरा तुर्वेषा खुनावार्तरा कुषाकेरावदेः । भ्रम्पराधिवावत्रा कुम्मरामु द्वारम् के सिरामार्मे पुर्वापरामे व्यट्र प्रतासी क्षेत्र व्यामी प्राप्त हेर् **व्यम क्षेत्र मी क्ष्याम समाम व्यम्** व्याप्त प्राप्त प् क्रेन्य १८६८, क्रेथ्य मिट. <u>प्राप्त इंड्राइट. वेषा विषानी तारका प्राप्त</u> हुना है. जार टेखायर है देवाला ने ना लिंदा हो। केंबा त्युट ति ते ते सहना युट प्रिंत हरात्रि, सूर्या, कृषार्वेदानी, **स्याविकान्।** का लाटदःश्चर्या जन्मः द्वेरहर्न्। लालाचर्युकाचा लालाके छ। लालाचर्युका माधेवाने। तर्ने वे खेला बेर्यं माध्यायेवा लेग्याम सुराला लेग्याम सुराला लेग्याम **ॏॖॴ** येणकापराञ्चित्रायायाम्यायरास्ट्रा शार्थिते श्रेटिताप्त्राप्त्रास्य त्रष्टिलाता भूपा चा**बेटा** जीवाबा केला आ सूचा वा चार प्रचा निवा वा वा प्रचार में बा र्ह्म विष्या स्थान स्थाप स न्द्रानेस्य व्या द्वापाद्मायाची प्रमान प्रमान विवासी द्वापादा भामके प्रति श्वासाहे क्या पर्ता है 'ब्रेन्'में 'ब्रेस'मरे 'हिस'ब्रेन्'न्समा

प्रता त्रिमाने वास्त्र वास्त्

प्रसान्ता माकवा वर अवस सुराय प्रमान वर्षा मुराय प्रमान के साम के

5्'वर'हन्यान्च्यावस'हन्या () त्रीते'वर'र्धुर'म्बेति'केम्'र्वर'''' बः ५ मेरे वह भी अकद पुष्येन 'क्ट' म**५ मः ५ न ५** वर्णें ५ व्या () विदेशवास्य इनाव वाक्षेना कुट प्रशुक्ष सुपर्मित या ५८ भिरमे कर र्दे रावहवामाना में रेमाना तरिव नामाना पर्देश वु ५ में नामान चुदःरेन्यश्राशःहन्यः 🕒 🗦 ८५ै मिक्कमः द्यार्च्यः र्धनः म्बेरः मर्गेन् स्पर् मुबुद्रकेन् क्रिन्स् विस्वतानुष्यवस्र न्यार विरेश्ने स्था स्वास्य विस्तर टार्कें रदा मैसार्ने पार्विद द्यालायते देवासास्त्रा में मासा वर्षे ५'व्य ५'वा में ब्रायमा अपूर्ण प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय प्राया प तु'वे'केंब'चेु'हेनाब' ፠ ९९'ख़र'मर्नेर'षेर'म्'नठस'रे'र**न'वे'न**्चेन्स'म्'स क्षयाण्यात्राष्ट्रम्याञ्चर द्वराप्तराम् विषया स्वाप्त स्वाप्तरा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त पहुंबाधिन'यर'परि'वर'भेन'द्रंर'नेव'रु'अट'पत्र'पर्डंब'८व्यादेख'रेव्यार'प 可に、複ロ、過去、口後、「口心、口動き」のに、「「ここ」で、口ではなって、「これ、そりないれた、」 र्ना क्र्या लूर न्यं निषटा चे इवाया तार्ता देवाया क्रिया क्रिया विषया विषया विषया TIT. SEGI

8व. मैं त्र अनुवर्षात्र प्रताहर्षा विश्व विश्व

ळ्यारचिराप्तरी, समिटिराह्में योचारा चार्ता विष्या मानी चीरासी स्वारासार चिश्रमः,,दुयाम्ट्रीवश्रमः सूरसाताचित्रः तपुः कूताम्याम् वर्षाः सिंदाश्रमः भूची वि·ब्रट से प्रदेश की क्षा है ला पु **. म** मका साक्षेत्र राज है। साह प्रवासित के साह स विदर्भ विद्राणी र पार्वेदा विश्व विदर्भ प्राप्त कि विदर्भ ॐबरकुर्वेर्याक्रान्तरा, लुबरमङ्गान्देग्यः**इ**लान्विर्वे**ण्येन्यवासु**रस्हारम् भु ख्टः दृते 'तुत्राव त्राखे,क्र्यावाकाः भः विषाः भ्रष्टातान्यः देषाः पृत्रे न्त्रीः क्रीटाः **.** याञ्च^{*}ळिं नाकाकास्त्रम्याञ्चे गाुव् गुवेशः श्चिवः यस्ति हेवः विवासमाना स्रामाणी स्वासी वयाहाराधीद्रश्चापयाणुर्पात्राण्यायाया हेर् लिया ने वे ने स्पर्म ने स बर्षेट दिन नवरा स्वा विवयः स्वा उव ची श्रेव पु प्राप्त दिनेव विवयः स्वा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त रे 'झे 'पट' र्रे पार्श द रा पार्टेर 'पार्थर' में खुद 'हर्या प्राप्त हर हुँद 'केद में ५८। मुंधुवायाद्वा विनामाक्षेत्राचा व्यामानाव्या कृष्यःपानः के क्षान्यः ह्यान्यः अपः रु ग्वहेषः व कः स्वन्यः प्रतः अळवः ३८ ग्रीः न्यवः ….. याकु करामही सुनियमियाकु सामितास महासुन्य सुनायाया वदा हदा सहर मंत्राचीयात्रपृष्टेचेशायक्षर्द्रायाचीया ह्राप्तियाया ब्रियाचा विया है या ब्रियाया लाञ्चराद्यावातरहर्ने चेरान्ता द्यायातर्न्यायानात्रीयात्राच्या भू

क्र.कुल.च्र.च्राचा च्राच<mark>्यान्दात्रकर.ग्रील.षह्र.कृटा।</mark> ह्र.एव्रील.षघर.लथाना पङ्ग 'पंर'म्नावराम्सं वसामुक्षामुपास्त्रत्रकात्रेत्'मुक्षाळ्ट्रस्य स्ति वा चॅन्'ग्री'न्न' ग्रुट' न्युब्र' धरे 'खे' खें 'चें ' प्रदेश्यां श्री' स्वा विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व ॄ्वाॱङुॱरेॱॸ्गुॱॡॱ**ॕॱऴ**ळरॱॻढ़ऀॱढ़ॗॺॱऴळवॱक़ॗॱळेवॱॻॕॱॸ॒ॸॱॻ**ठॺॱ**क़ॗढ़ऀॱॻ**ऻॕॸॎॱॱॱ** ्षापङ्गा कनाकार्याङ्गापकानातुरायबुकासकाक्षेपञ्चरावाबुका ञ्चरा**ब्नाका** रदारपरातुःचुरातेग्नेवारेदायञ्चेषाष्ट्रायराठवासदातुःचुँवावेसा**गन्**स। भु '९८८'णु '८मू ८ स. हू नयः८ ह्या ने बुर ने क्या में १८ हर र पठसः न् ५४' ह्रा प्रेर'की.रविषातामी.कुर्यस्य विषयाधियायधेयातर भह्री संबर्धिया रतः वृदः वर्ष्युवः यरः ५ में न्यः ५ यः बुयः यय। यहः केदः मुवाः " विदः प्रवः स्यः णुट्ट कृत पार्ड द के तुवा हेत तर दे पायात में दें द के "पार्य स्वाया पार्य । <u> क्रुयान्तान्त्रम् अभागराम्हन्यसम्बर्धाः स्वास्त्रस्याम्याः स्वास्त्रस्याम्याः स्वास्त्रस्य</u> **वसःक्ट्रयुपःईट्यायःभुःन्हेरःईदःकेदःयरः**ॲटसःसुःन्नासःयदेःवरा न्यर अते व्वन्य द्वार के न्या के निष्ट

พิศล ชิล นาย ชูร ราย ๆ ตล นาย ๆ ลัง นาย กล ชิล นาย ซิล นาย นาย ซิล นาย ซิล นาย ซิล นาย ซิล นาย นาย ซิล นาย ซิล นาย ซิล นาย นาย ซิล นาย ซิล นาย ซิล นาย ซิล นาย นาย ซิล นาย นาย ซิล นาย ซิล นา

३८'रत्रिं अ'रू नं चेर्रित्रिं अ'रू नं चेर्रित्रिं अ'रू ने चार् ने क्ष्म के नाम के मान के मान

३४.मैज.भविदे रूपाष्ट्राचेश्वरावेशा

ラガラ' あず

মুকু ব্রুব্না (1	.).
นสูสาน สารุสานสถาน (2)
स्याचर् प्राप्ति व में प्राप्ति व मे)
ब दःमश्रेश्वर्टःसङ्ग्वर्टाःसृणुःषुवाःसःबद्दिमान्तेवःतुःकुवःद्वराद्वा	
ब्रून्य इन्रक्षण यञ्चलाय वास्य स्थान	
त्त्वुट रहुत्। सहर्पया यहुरम्हैसंता सँ मुसायते सूर् (१	()
वट्रम्थ्याम्ब्रियाम्हेद्रम्ब्रुयामुद्धाः द्वारा	3)
ब्दःम्बेब्यम्बुब्यःमः १वः र्वेषः है 'मः पर्दे 'मकुदः दुः मुक्यः दुः ।(7	
ब टः मुश्रेश्वाद्ये प्यान्यटः स्थायः हें हे खेना पारहेना हे वा पुरस्	
ଞ୍ଜା(୫:	7)
वटःमशेषःसःक्रियःमुत्रःसुः वुः द्वाः सेट्राणुषःदेः चिवेदः मृतेम् वायः यदिः	
र्रट.चर्चेष.चबैर.चष्ट्र.भष्ट्र.भेष.चे.च.चब्रट्य.चधु.क्षा(३१	3)
बापकर् पश्चित्रा कु मार कु स्मर्थ है हिते कुल र प्रथ प सुव या (11	9)
वृदःम्बेबर्द्रः कुल्यंदिः रवयाचुदः ढ्ला (11	9)7
ব্দ ব্যাম ব	3)

전'고 5 독' 미정저'다' ^전 독' 취디전' 디퀄리' 디 ···································
ब्रम्भिष्य'न्राधार्यन्'नु'श्रेरि'रिम्'या'मुर्द्र'ल्या(140)
व्दः न्येयः न्रेयः पार्चे न् ग्री 'बेरु 'दे न्या पावे दे 'ब्रें न्।(155)
ब्दःम्बेबःम्बुबःसःमॅर्-रु'कुलःमॅग्चु द ःकुलः ने म १२र्षिःम ४वःम
ନ୍ଧ୍ୟସ୍ୟ'ପରି'କ୍ୟା (156)
व्राम्बेख'य् दे 'या में 'मुख'य् ठवं 'यॅदे 'क्रूँर्(160)
वृद्यः नृषेष्ठ वृष्यः वृष्टिः प्रवृष्टिः । १ वि । प्रवृष्टिः व्यव्यव्यवि । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
व्दः न्येष पुन् पा क्रिं रे क्रुद् ब्या सं न्या गु क्रिं। (164)
वृद्यः प्रत्रेत्रः प्रत्र्यः प्रवृत्रः संस्थितः प्रत्र्यः क्षेत्रः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थिति स्याति स्थिति स्याति स्थिति स्थित
वटःम्बेबःपकुट्रपःब्र्टाय्द्वःस्रवःस्र्यायःस्रुप्पद्वस्यायःव्यवस्य
শূন্(166)
व्हः न ^{्रा} वारम् प्राप्त प्र प्राप्त
新 ^本 ······ (171)
बट्टाम्बेखायहुर्यायवायवाताविष्यहुद्दर्याच्यावाताल्याहरू
다(197) 다(대한 미리 연기취기(197)
ব্দ'ল্ নিম্ম'নত্ত'ল্ তীল্'ন'নত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত
୩୫୯୩ ଅଟ୍ଟ୍ୟଟ୍ୟୁଟ୍(272)
ব্দ ক্ষিক নহু বৃদ্ধিক কেন্দ্ৰ কিন্তু বৃদ্ধি মে ক্ৰুব শ্লী ব্
1 1 2 M 4 4 8 4 4

ৰ্দ'ন্দ্ৰীঝ'নস্ত'ন্ত্ৰ্স 'ন' র্ম্ন 'ন্ম্ৰ্'নেন্ত্ৰ'নেন্ত্ৰ'ল্ব্ৰ'ইন্'ৰ্ম'শ্ৰীৰ'
พูค รุ ซิตส ติล สุ (359)
द्रः मनेत्रः पहुः पद्धे पः क्रृंदः हेदः परः चुः ईर् प्यतः क्र्रं र। (397)
ब्राम्बेखः पर्रे 'सृप्यासु' बे 'यर ब्रायंखायंत् 'रयर व्रात्यात्या' पुवा
다렇지적·대유·취지(411)
वृद ः न विष्यः पञ्च पु ः प्राप्य व षः स्वाप्यः प्रविष्यः प्रविष्यः प्रविष्यः स्वीष्टि स्व
리유·취지(414)
वटः नविषायहु प्यतु व प्यायव व र में हि र वाया ठव कि बहर प्रेरे
新ち! ····································
व्दः न्येष्यत्वर्षे 'वकुर्'यः र्दरः सः तु 'तु सः वर्ष व 'चैष' क्रेष' व हुवस 'यदे
취지 ····································
व्दः न्येयः प्रतु प्राप्त् वृत्रं प्रते से स्पत्न याते स्पति
वदः नश्रेषः हैं भु माज हैं भ में द दु न्य द द द द द द द द द द द द द द द द द द द
वटः नश्रमः है 'भु 'है 'नहिन् 'टा ह्य 'र चु र 'है ट सहे 'चु न सब र 'चु ट'
ৰ্ভুনা(482)
씨 등 펙 '디퀄리' 펙 '커, 씨' '커 ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' '

चिष्या अर्मे दाया के 'द्या पु 'श्रेद्या प्रायम स्वर्ध प्रायम स्वर्थ प्रायम स्वर्थ प्रायम स्वर्

तहिना हेव तहेव या अवस्थे दाना पृष्ठिया नहीं । विवासिया न्द्रःशेलःलेन्शःन्सुरःपर्द्रःहेरेःहेश । त्र्नांपर्दःदेरःद्रा कुल'ब्रक'ळ्यांबाकु'बर्केष ।श्चिताया देवाकेदाम्बर्धायायावायावात्त्ता। ፠ੑਖ਼ॕॸॱॻॖऀॺ**ॱ**፠ॖॸऻढ़ॖऀॺॱऄॸॱऄॱऄॺॱॺॸॕॿॱॺॾॸॱॿॺऻॎऻॺॖॻॺॱॾॆॺॱढ़ॺॕॖॱॺॱ वत.क्षट.की.कुध्रापथा विकेष.तथ.धरातालक्ष्मी.पाउट्टेब.थह्टापड़ी। न्नानाना । गुबर्ह्ना हेवात चुन् क्रिया स्वास्त्र हुं साम । द्वा द्वा सा र्हेन्स'प्वेद'युनस'हे'केद'र्घ'भेसा । देंद'सहर'कुल'र्घ'सेस'र्पेद'क्सस' छन्'२ळला ।कॅशःगुद्र'न्द्रि'द्रशःश्चुद'येद'यम्दर'द्वर'द्वर'द्वन'न्वेन्याः। न् हेब्र खु ' के द्र ' पारे ' पुट ' से बबर ' पार्ट ' के हे ' खु । जु ' बळें हे ' हेट ' (हिट स ') हेर.के.कु.बत.लटब.ता ।श्विष्य.भधेस.५म्.त.५कु.भुटं.र्नेहेट्य.ल.५मूटं. बह्र-प्रति । मुर्ग्यमुर्ग्ना वाजात देव ४५ मु । ब्रायमा १८ विरा न्तः सुग्द्वार्यया स्वाप्तः स श्चैद'न्ट'र्मेश'स्ट्न'यहै। ।स्रह्य'क्नैस'मुट'रुप'सेसस'न्यर'प्रस्य स्र गुैब। ।बेबबरठदर्श्वेगवरबर्द्यायरपद्धर्रम्परस्या ।धरशयस्य बेरद्दिर **३**८ : स्रात्मासराक्षेप्रहेव। । भेदानु 'श्रेषु दार्श्यमा स्राप्ताना । नुसाक्षेपसा

भ्रैत्रात्म् त्यात्म त्यात्म

श्चे अहेत् 'तहेन्' हेत् 'वस्य त्यापात देत् 'के मादे 'हेंद् 'या यह या कुया ।

विमा विषा विष्या है प्राप्त है है राया राष्ट्रिय के बी है प्राप्त साम राष्ट्रिय मतःबिराविष्यारिर। वर्षायाः हिरकेषायाम्यायरः सहराष्या ८८.प्र.विट.क्य.अष्ट्रचे.दे अञ्चरायश्चिता तर.टे.पङ्करारवीया.वी.हेपचारीट भुन्याणीयान्यात्र्यान्यान्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य ळॅन्यःम्यन्यन्यःम। मुस्यःकेन्रदेयायःदेःमुस्यःग्रुःम्वयःम्बदाःह्नाःद्यः प्रचर, धर्थं वे याता है। (स्राध्र ही. प्राध्र क्षेत्राचा प्राप्त प्राची प्राप्त का वे त्राह्म वा वि म् विश्वत्र विश्व विष्य विश्व विष्य बेर्निहिन्द्र्याः हो। बर्रे हे चुर् तथा पन्नियामान्य स्थाने देशाय पुराष्ट्री । बिंबाम इस्रायर रावचेता चेता । हे सुर कु त्ये कु सर्के पावेदा । प्नी किया द्वाया ग्री प्याप्तापा 美미리 | वियासी सास्त्रिक्षणयाययावया पञ्चलापान्यस्य छेन् ग्विनावया अर्घरायय लार्झिम। अत्रूटाङ्ग्रिंशाचित्रेशालाज्ञाट्याबेटाचित्राः वाच्युवाद्यायाच्याच्यालाः न्नात्र को न्या के न्य ंबटब.मैबा □□□पिनैट.ऱ्.बर.दे.७मेघ.स.ला विमे.ळ.घर.फ.टे.रेच.७मैटा । बेबरन्ग्बरमङ्गाञ्चेबरम्बरम्बर्ग्स्।) **म**ठिमरम**ङ्**ममङ्ग्रह्मस्विरत्स्यर् ब.ल.मु.त.पेट.सैर.४ववा ।मैट.तध.यटब.४.५व.तर.मी त्रस्य विषाविषा स्याप्य स्याप्य स्याप्य । विष्ठ सः विषय स्थित । विषय स्थापित स्थित । विषय स्थापित स्थित । विषय **५६। । इ.स. १५८१ व्याप्त स्थाप स्थाप मार्च स्थाप स्था** ८िष्ट्रायन्तर्वेषान्दा । इत्रार्वेष्ट्रान्दा वैरङ्गेयवाक्षेत्रान्दा । विवयाया ढ़ॖॳग़ॣॾढ़ॳॹॸॾढ़ऻॣॱऻढ़ॻऀ॔॔ढ़ॸढ़ऻढ़ढ़ॣढ़ॣॴॴढ़ॶॴॹऻढ़ॴॣॗड़ढ़ॴॣज़ॿॴॿॶॎॶॣॗढ़ढ़ॗॴ ठुर'नेब'पर'पु| |बेब'बदब'कुब'षश'र्घ'के'शब'**ग**बुदब'**प**ब| द्ययः दृष्टः से 'मेय'ग्रै' केंग्याययम्या स्वतः सः देय'यहे 'दृद्दा हुप' श्रेटः

चॅते प इव पा भा बुग्वा वया यह का कुषा ग्री पे हिटा हे प्रदेव प्रयास में का सिया प द्रै'ब'बेद'य'वैद'र्'द्र्यरप्यायायबुन्यादया पर्द्राष्ट्रेष्'र्रे 'ठद'यहुत्यादय **१ विश्वास्त्र प्रमेश विश्वास्त्र प्रमेश विश्वास्त्र मेश विश्वास्त्र मेश विश्वास्त्र मेश विश्वास्त्र मेश विश्वास** שביקבים ליפאאי פקיקאים לדיבאיאַ ילבאית באית דיארי ווייי ५८. विष्यात्रः वेषारमा ग्रीषायत् ५ है । पहेषा विषय विषय विषय । NA'यह्ये.तर्म्यायर.वियाते। ह्यां.श्रुच्यायायह्ये.तर्में न.रिथायरथाचीयाविराह्याचीयार्टराचधारूचारी वयाविराची स्वयार्ट्चा चुन'पर हैं मापविषाती दें है नित्र प्रवर्ग पर्या स्वर्ग है निवर्ग परि सुन चतः बिटः विस्ता वे 'र्सूटः वासुस्रा ची 'र्सूटः केव 'र्घा प्रहेवा हेव' ची प्रस्त से सहेटः ইঅ'ঢ়'ৡ| नेते कु किं व कर वे ज्ञैर पढ़ी रे रम ए सुन स रे वन में सुन हुर ८८.पर्यात्रप्राप्तिहर्षे विषयायह याचेहर श्रीटाने मात्रप्राप्ति ही ब्रुलायहे सुनु पुनु या में नाय नाय नाय के करा कर के के कर कर के के कर कर के के के कर कर के के के के के के के के N'हीट'पढ़ि' रे'रप'प्ट'पठरू'पठ्ठा

নিন্তব্দেইন শ্রুনান্তব্দেইন শ্রুনান্তব্দান্ত বিলেন শ্রুলা শ্রুনান্তব্দান্ত বিলেন শ্রুলা শ্রুনান্ত বিলেন শ

स्याप्तुं स्वाप्तुं स्वाप

पत्रचायाना श्री द , र या ना स्वाया हो , अहि , इ. व्. वे. इ. व्. वे. मारा विकास. वशालबुवालवानुहार्ष्ट्वम्यावानात्ववानुग्राम्यादे विक्रात्वानात्ववानु पर्रे अ: स्व 'तन्य 'ते 'पर्वे व 'पिने व साम प्राप्त का मा सम्मान का साम प्राप्त का साम सम्मान का साम साम साम स นลิ ฆฅฆาฐพาลัการ**นๆ**ารูา**ลิกานลิ ฆฺฆาฏิ ซูาฮายูกาลิตฺฆาลิตฺฆารนลา इलकःग्रे**'कॐष्'रस्याकःस**्धुकःरसःग्**वेषकः५वटः**धुषःगे** इत्यःसरःर**धु**सः**ः** त.व.पथर.वीय.ध.विय.हे। ट्रेड.श्रेड.प्यूट.पथट.पथअ.वीय.भ्रेडिय.मा पणतः देव के पति द्वापाण्युका है। पदे पत्राणिताया द्वाया स्वाया पत्राप्ता हेन के प्याप्ता पुराक्ष्य से समाप्ता मुस्य स्थाप स क्कुं चं खाराया द्वायाया पार देवा के पार्टी देश देवा वे स्वापार क्या पार्टी के सामा यर-पु:परे-धुर। हेड्'र्टः। ब्रुटःर्टः। यहुवःक्रसःयःश्रम्सःयः**इस**स २४वन्यः माञ्चरः म्यान् भेनायः दे '८८' माय्यस्यः मुखः खुदः पाः अद्यतः **जयः** त्यः र्यायः यदयः क्रुयः क्रुपः स्वाप्यहः प्रविषाः मेः दुदः तुः **यु**ष्ययः पञ्चेतः दया व्यापितः अञ्चल विष्या परि शेवसः ठदासा सुना परि में द पुग्पर प्रसाप कर पुना 🕶 वयःन्दाराष्ट्रवादेगान्यः हिन्दान्देशस्त्रीवास्त्रात्ते व सहन्दी

 高品品
 金品
 金

हते.ब्रिट्मिश्चराप्त्रेच्याम्ययः ब्रियः म्याः विद्याः म्याः स्त्रेच्यः स्त्र

त्रिया हे द के मान सर क्षद निर क्षद कर पर पर्मित मान न में प्राप्त वस्तर कर तरहर व देवा देव व देवा व कि व हेवॱमुैं 'चिसस' मि' है प्त्र 'वे 'ह्र 'प्याप्त अ' मां 'झे 'प्याप्त 'से 'प्याप्त 'से 'प्याप्त 'से ' परेनायाम् पुराव्यामा विकारीयाम् विकारीयाम् बेस'या'या'र्यम्याप्यम्बद्धार्याहे। हेट्यम्प्यम्थान्तर्वाद्याद्वाद्याप्य बुै'ठॅ'छ्नलायापरे'न्वे'पा'न्टा। त्रिष्कं हेव'खें विसलापा हेवा दे। है सा केरे रॅंद् गीया माया पर देंद् पा देंग विदाय मिन्न साम दें र दु पहें यस मारे **चै**ल.सूपु.बटअ.**चेअ.**जी.बुटःविश्वश्व.ते.टंटः। ईंटःविश्वश्वात.कुंबे **ଘ୍.୯୬.୩.୩.୯୬.୯୯୬.୩.୩.୩.୯୬.୯୬.୯୬.୯୯.୯୬.୯୯.୯୬.୯୯.୯୯** पवेद'र्'हीर'पवेदे'पर्मर्'पर्राट्र ह्द्र्य'र्'र्'। तहेन्'हेद'में।पस्याने पर्में ५ प्राप्त स्थान ॻॖऀॱॺॎॺॺॱॻॖऀॱॸ॔ॻॸॱॸॖ॔ॱॿॖॺॱॸऀ। देॱढ़ॗॱॿॖढ़ऀॱढ़ॕॗॸॱॴॖॶॺॱॻॕॕॺॺॱॻॖऀॺॱऄॱॿॖॻॱ॔ **३**८.। कुस्त्रमञ्जूषाक्षात्रात्तर्थः विष्यात्तर्थः विष्यात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्त

ल्ट्रें अटशः क्रियाया प्रेष्टिं अट्रें भया द्रिया वृत्या प्रेष्ट्रिया प्रेष्ट्रेया वृत्या য়য়য়৽ঽঀ৽ঀৢ৽ড়ৣ৾ৢৢঢ়ৢ৻ঢ়৽ঽয়৽ঀ৾য়৽ঢ়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽ พ.ตู่ะ.โอชน.ปู.อุน.ตู่**ป.**ลีะ.อะ.งขะ.อ.ปะ.โ बूद'नर'तकर'न'दी मुद्दीर्द्दा केर्निमं निष्यम् कुर्यादे दिद विश्वरा हिया हिया हेदा की विश्वरा दे त्या विश्वरा की विश्वरा हिया हिया हिया हिया है स प्रमुट'महे'म्र्ट्स'**एक**'हर्स'या'दे'लट'द्र'हुर्'महे'हहेन्'हेद'शु'म्बस् भै**ण**'ॐ५'दे। ईंब'धुप'य'पुट'ॡप'येयय'५पवे'5्य'द। बैट'दे'४य' बुवार्चा अयस. २४ में १ वस बुवार में १ वस बुवार में मुंदर ही वर सर महारामा ह्युयामु मळें ना मी झूटायातकरायादे हो। तहिना हेदा की प्रवस्त कु सर्वे खेदा ¬ปละเมื่อ ประเพาะ เพื่อ त्रहरूप्तानुष्या के सम्बद्धान्य स्वतः स पन्ता हेन् केन सून मा अवस्ताता । तहेन प्रताकन सम्बद्धाः मॅ्याब्रेटा विषयतान्दर्भागुटाबेदायाया विष्येषाञ्चरानदेखेटा [प्रमाणिता | ब्रिमाण्युम्यार्था दे दे स्पर्या ही दे स्पर्या में स्पर्या में स्पर्या में स्पर्या में स्पर्या में □পথ.ৠ

पर्डें अर्थ्य त्रात्र अर्ड्य प्रता व्याप्त स्थाय स्था

र्। देश या बुश पुरम के व प म'देव'मु'हो। यह स'तुय'हेंद्र'वया वेववाउद'में देव'सह द'हे। यय' बरायहेबापबाकी, प्राप्त हे तथा ता है। विश्वा वा ब्रीहा वा ना है हा वा ना नहें का ना नहें का ना नहें का ना नहें का भ्रम्भावता विष्या देवा विष्या देवा विषय देवा व सद्यामुका मुँदा द सासे सका उदा भु में दा सह दार्मे। सदा हुदा सह सकादा अ ह्रवाची चुरापिटा हु स्ति। वा सुदे स्याचा सुराया चहु वा या वा वा वा विवासना मीरिहमानेवामीपाया देव निही वेमसाख्यारमान्यस्य मराञ्चलाव वा के कका ठवा कु में दाकहर में। क्या मराञ्चल कहर कहर कु पुना **अ**श्रमाद्यां विश्वविष्ट स्थान स्था **क्ष्य**'कृति बु'कळॅं'चय'शश्यायायायाया विषापु पार्वे प्रिपेष्ट्रेरायुरापवे प्राप्ते छते-नुसासामहेदायासामा सहि**ना**हेदाचीप्यसामस्याचीसा क्षेपष्ट्रमायार्ष्यप्रकृता कुप्तर्क्षेत्रवृत्तव्यक्षेत्रमाक्षेत्रकुप्त्रमापुर्वे स्वरमापुर्वे । प्रथमः मुका क्षिताया ख्रिपाया विष्याता विषयात् व म्बिन्बर्दान्द्रम् वास्त्राचा देवानु प्रति । विद्यानु विद्यानु विद्यानु विद्यानु विद्यानु विद्यानु विद्यान्त्र कॅन् में। देशम्ब रह्व प्यव स्वयं व प्यतः तहेना हेद की प्रवस्य स्वयं की साथ **ह**मामार्केन्ग्यासकालेन्। यद्वेन् कुँग्वैंसासुगरेवायाः केप्नेते से संस्थानु वर्के गा **म**डेन् लॅन्। देशेन्यीश्याव निवेप्त के के प्राप्त के के निवास के **ब**ॱहॅदामशुक्षामक्षाक्षेत्राके हिमार्केदायायकादेवेगद्वान्यात्रकात्रीः **है**८ के ब 'र्च ' है ' नु ' ह ' स्ट रे पहे प्राया के पा के दाय है पर है पहि है का कर प्राय **ॻॾॖॱॺऻढ़ॖऀॺॱ୴**ॸॱ॔ऀॿॖॺॱय़ढ़ऀॱॸॗॿॖॺॱॸॣ॓ॱॕॗॺॕॣढ़ॱॺॺॖॿॱॿॖऀॱढ़ॕॗ॔॔॔ढ़ॱॾ॓ढ़ॱय़ॕॱॕॗ॔ऄॱॿॾ॓ॸॱॗऻ **८६ न'** हेद'कु । नसस पूर्ण खुटा महे 'दि टा नसस है 'पेद' दें।

हुँ त्रास्त व्याप्त विद्या विवाय वि

नृतिः कुट् प्यान्तः। चुट कुर प्यान्तः स्वान्यः प्रान्तः। चुट क्रायः कुर प्यान्तः क

५८। <u>द</u>्व'पुट'द'दवट'मॅ'देव'पुट'म'स्र्रा [दि'ल'हीट'चदे'म'ह्रूट' ल.ड्री]]र्ह्रेट.कट.टे.लड्रला ईट.क.टे.हेट.ल.ड्रे.हेट.चेश्वरताचर.भध्री 축다'교도'저'축다'다'리 축다'피정저'합'共다'교육'전(다 열'축다'합'저문제' हेवॱঅঅॱীুঝ'**তশ্ঝা** ব্দ'ন্তুদ্'গ্ৰী'ঝিমঝ'তব্'অঅ'ন্নঝ'গ্ৰীঝ'তল্ঝ'দি षर'६वेल'हर'६ज्ञेप'दे कुट'हे प्यन्'स'न्यर'म्था ६षम्स'य'न्तिद बळॅ**न'नरु**वाधुर'बहबाकुद्र'६हेन'हेद'रु'६घुर'वाधुद्र'वर्धदे'पञ्चल'म'र्'। **ब्रा**टचैट.त.ड्र**बद.२**२.५४.४४.५५.रचेश.चधु.च्ये.पथ.वेर.तधु.चश्चेषात. म्8ेबरदेवरञ्च गुँबरत्तुद्दायर**ग्युद्धवरम्य।** पञ्चवरम्यदेशसर् पञ्चल'यावार'र्च'ल'क्रम्थ'क्र्य'र्वेद'त्वचुद'य'तदी'ह्वाल'यते'र्वा <u>ଌୢ୵୶୷୶ୢୢୠ୶ୖ୶୵୳ୡୢ୲</u>ୠୣ୵୷ୡ୕୷୷୷୷୷ୣ୷୷ୢଌ୷ୢଌ୷୷ୢୠ୷୵ୠୄ୷୷୷୷ୖୄ୵ [[א.דב.]] אבא. שַא. שַׁ אַ שַׁ יִהְ אַ חִיאַם יִאַ פּוֹ אַ יִאַרַ אַ שַּאַים לַפּֿי. त्वुदारा देवे देवारु त्रहेवाहेदान्चे विस्वसादि स्मार्दा स्मार्दा स्व पर'चु र'व सारवन्यास'या'सूप'हे र'स्टस' चुस'धे' वेस'रु चुट'प्व सार्दर्'''' ठेश'घु'पर'णुर'व्यायरका कुषापर'यर्'हे'हेव्'ठेव'र्घ' यय'ग्युरयायी देहैं।हेना-हु-चङ्गलाय-**हुना-**छुर-**सन्य-कुस-**श्रे-ब्र्युन-हेन। देहैं।हेना-हु-चङ्गला माञ्चरमान्द्रा चनावामाकेव्यायाकात्वाकाक्षराहित्त्वा देवेर्द्राह्रन यम्यानुयायेन्याये पञ्चायायन्त्राचि । देवे विष्ट्राच्या । देवे विष्ट्राच्या सूर बाह्रातालाबाक्याः के बाह्राह्मात्राच्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्य नश्लेषामासुर्यानमुरा**यत्यामुरायीषात्री** । देवे विष्णु स्वाप्तु स्वाप्तु स्वाप्तु स्वाप्तु स्वाप्तु स्वाप्तु स्वापी 5q'=भॅq':य'@ेब'चु'न'य'अ**दब'कुब**'=कु';वि'=@'र्ट्टें:'दिुंद'वर'अर्देर्<mark>ट्टे'</mark>

वि कृष्ण सम्मान्त्र स्वर्था विष्यः मुक्ता स्वर्थः कृष्ण स्वर्णः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर् अट.पथा अर.७ष्ठणायाचु त्याहरायसञ्चिरापहाम्यापादा स्वासार मुहा बर्ष्यायायायावे बद्धारा केव्याया केव्याया केव्याया केव्याया लाके लिंग्च गुपायर पठिता कुष्मियाया स्वाप्त प्राप्त क्षेत्र स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स् माद्रवसाया तर्ताचेरा गुर्देवामाया या मुलाद्रवसाय विवासी मार चे मन रु मान रे दे तार में प्रति में दे राय मिन कर में दे हैं ने कर महि से हि है कि से कि से कि से कि से कि से भु·ढ्र-:६दे:मुे:प्नण्कुंन्प्नशुक्रम्चे:क्र्रन्केदःस्क्रेक्ट्रन्द्देन्।हेदःमुःप्वन्ययः स्या युपायते विद्यानम् स्वराधिक स्वराधि म्.चेड्च. ड्य.वी तश्चलायह. ब्रुट. श्वीला श्रुचे त्रविताय वा स्थलाया हेवा मंख्या हु 'इवका गुकाप नृत्रकार्या दे 'तह वातु 'हीर हु 'पा स्ता पार्तुर स्तर मना विभामा करा दे हिरार्च ना हैना है । तर विरामर विराम है । विषय गुःदीट्रावस्यागुट्राचित्रेग मृत्रामुद्रेशस्यस्य उद्रायटारहा मधुरधत्रेव अस्य मिटा सर्वेद स्व व स्व व सर्वा मित्र हिंदा हेवा सर्वे प्रस् यापवराम्यावस्यापान्नेवार्षा नेग्लरायवापारामात्रास्यानुसायतार्माके भवा क्र्यान्यवामु । तुर्देराय बारानीया व्यायम् तुर्वे । यहेवाय हेवाय हैवाय हेवाय हेवाय हेवाय हेवाय हेवाय हैवाय हेवाय हैवाय है क्वाप्ररायम्। क्वाप्तर्वाचीग्वराञ्चाम्रेनामेनावरायम्बराम। स्टार्स्र मैबा देग्याम्द्रबबायाद्दरहेबाखाद्वरायाखुकावेगाद्दर। देवाहिंदाया हॅंद्रायर त्युर रें प्रयुप्त वया **देर प्**री प्रदेश कें ये वर्ण हैं प्रयुप्त के प्रयोग केंद्र प्रयोग के प् वसा समार्टः भूराया विश्वास्ता से.श्रायर्था से.श्रायर्था मेश.विटाक्या स्

ऄॳॺॱढ़ऀॱॻऄॗऀॖॖॖॸॱॸॖ॓**ॱ**ॻॖॸॱॡॖॻॱऄॺॺॱॸॖॻढ़ऀॱॻॷॖॻॱय़ॱॺॱढ़ढ़ॱॸॖढ़ॱॸॖॱॻॖॱॻॸॱॱॱ**ॱॱॱॱ** ८४५। विर्क्षियम्बर्द्या । विष्या विषय विषय विषय विषय विषय विषय । য়৸য়৾৾৽ঢ়ৢ৾৽ঢ়ৢ৽ঢ়য়৽ঀ৾৽ৡ৽৸ঢ়৽য়৾৽ঀয়৽ঢ়ৢয়৻ ৻য়ঀ৽ঢ়ৢঢ়৽৸ঢ়৽ঢ়য়৽ৼয়৸য়৽ मिरे'सिस्या'कुय'द्वय'पर'ञ्चर'यहर्'छेव'प्य'रिरे'हेर्'रिस्यं'प'येवस्य ठव'कुः"" **देव:२:अटरा**कुरारिवरायारहेनाप्तरा निवरायुवाप्तरा हिंद्रशुटरा দুশ্ পুশুষ্দানম শ্লুলাৰৰা এই কিংবল্লান্দ্ৰনান্দ্ৰী স্থান্দ্ৰ **क्षुप्रदेशका**र्य साम्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्रीत्य क्ष्या क्ष्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त मह्राम्यान्ति मह्राम्यान्ता तस्त्रीत । स्यान्यान्या प्रमानिका तास्त्री । स्या देनायाणु द्वा अञारु सम्मायुका कुमाव यावाया सम्याकुषा है नामी सुना सुव महे.लेब.कुब.भूरक्षित.बुब.चे.च.५२वी.चु.टु.प.वर्थन्च इंबर् प**द्धवः** परः बुबः भेग हिंदः लः ह्वं यारः त् शूरः रें 'बेबः म्बुट बः ववा वॅरः पवट नैयासु सं भु तसुल गु रुट रु कुव है। यह मिट हेया न्याय है। सु **स्तर्यो.**मोसानिराक्यागी,भक्र्यो.पे.अथन्युराचीरीरायी नेपाक्ष्या न्मते पञ्चतामाला वव प्रवाप्त पञ्चता पञ्चव प्रवास्त विकासमा दश वे 'वे 'ला ते वे व 'णेव। द्वा गीता वा क्या के वा के वा वा ते वा त **३**८। श्रेम्याच्यात्राचित्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या न्तः। ह्निःश्वेष्टकःन्तः। वृणुःश्वाःमात्रेःख्राःष्यरःष्टकःच्वाःकां काहेष्टकाः मान्यम्भारामान नामा स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्य परानुत्र में भुष्यभूव विदाय भुेन पत्र द्वा प्रेन पत्र विदाय भुद्र वा मा प्रमुल'म'मवर में रहे राज्य का मुन्द्र में विकास का मुनद्र

केद्र'मित्र सुलामित्। देरलयाण्यार द्वाणि प्रवार पुष्या स्वार कुष्य **इंटरने'न्टरन्या** सृणु युवास वेया वर्षा प्रति व्यायक वर्षा प्रति विष्या स्थाय । तर्षे विषय स्थाय । ्रु'चुद्र'नदे'क'लुन्ब'बु'ईव'हे। न्बव'र्द्रव'त्र्द्रव'लब'ग्रु'ढ्व'दे। वेन्प्य' केद'र्य'कुर' म्र'याथमा युग्य'हे केद'र्य'तहेग्'हेद'यहिदा । तहेग्'हेद' गुद्राभाम् विषया द्वा विषया गुरम् । विषया गुरम् । विषया भुरि नि पविदः क्रुंक्षणका गुका । क्रुंग्या कर्ददायर क्रुंग्या न्दा । निष्ठा स्दाना विद्या वसारक्षाचान्ता विषयास्यातहानान्ताचेशसायान्ता विवेदीनावसा מישום אינויקבין וב פלקי אול יה ובל אירו ביל ובל אירו בין ובל אירו בין ובל אירו בין ४ ह्रमयान्तर हिंग्यामान्तर। वित्रत्वाक्षयानुरत्वर विद्राप्तान्य विष् त्रात्राचराम् मेन्याचा म्यान्याचा । वित्रासुरसाद्राम् विताद्रस्य सामितः पाहे शेर् पावस्य पर हें वा । बिसाय हे वस्य वे तस्य मा सुव र स्य विषय न्नराधुनाविषाद्वायराञ्च्यायराञ्च्यायराञ्चरहे। धुनाकुँदारविराव्यस्तुद्वरायते लाम्पारतितात्रेराक्ष्र्वायते । पद्वायाञ्चवार्याचेत्राक्ष्यात्राः हेरे'पंद्रम । देश प्रस्ति याया स्वर्थ कुर दे देशस गुट देशपर हैया वर्ष

ይነ ይያ. ቋደል. ඕል. מבי. ඕል. מבי. שַבְּרִ שַׁמִּי בַּלִי שַׁמִּי מַבִּי שַּׁמִּי מַבִּי שַּׁמִּי מַבִּי שַּׁמִּי מַבִּי שַּׁמִּי מַבִּי שַּׁמִּי מַבִּי שַּׁמִּי בַּבִּי מַפַּמִי שַּׁבִּי בַּנִי מַפַּי... ይፈ. מבַע. בַּבְּי שַּׁ וֹהמִשִּׁי בַּבְי שַּׁמִּי בַּבְי מַבְּי מַבְי מַבְּי מַבְי מַבְּי מַבְּי מַבְּיּי מַבְּי מַבְּי מַבְּיּי מַבְּי מַבְּיּבְי מַבְּי מַבְּיּי מַבְּיי מַבְּיּי מַבְּיּי מַבְּיי מַבְּיּי מַבְּיּי מַבְּיי מַבְּי מַבְּיּי מַבְּיּי מַבְּיּי מַבְּיּי מַבְּיּיבְּיי

त्रिंदरबुट वैवापुरमर मुरायालया महुवार्थरम् द्वारस्व अप्यन्यादेशे वट ৰমা ৡৼ৴ঽ৴৸ৡ৸৻৸ৼ৸৻৸য়৾। য়য়৻ৡৼ৴য়য়৻ঢ়ঢ়ৼঢ়ঢ়৴ড়৻৸য়ঀ৸৻ पुः_इबःधरः**८्गःध**रेःक्षं ज्ञाने स्वर्यः कुषःर्विरःघः रहिनाःमे हे द्वार्यस्यः रुवः प्रतः स्ट सः सुरु हुवः सुरु विष्या सर्वे दः सुरु विष्या सर्वे प्रस्ति स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्व पड्र'पह्र्य'द्यातुर्व'य्यात्युट'र्दा देव'पद्यव'पद्या रे'पदेव'र्' वियामयास्यापुटार्दा [अया]िनेद्वययायात्यामुयामरावेयावया रेवा य़ॱक़॓ॱॾॣॱॾॕज़ॺॱॻॖऀॱॸ॔ॻॖऀॺॱढ़ऻॕॸॱॻॺॺॺऻॎ ॺढ़ॕॸ॔ॱय़ॱक़ॗॱढ़॓ॿॱय़॔ॱॻॖॺऻॎ ॾॗऀॿॱ य़ॱॺॗॕॖॻऻॺॱ**ऄॸॱॸॻॏॖॺॱढ़ॺऻॎ ॺॖॺॱॺॺ**ॺॱॸॸॱॻॖऀॱऄॸॱय़ॖऀॺॱढ़ॺऻॎ ॸऀढ़ॱय़ॕॱक़ॆॱ क्षु'र्क्षण्याण्चेत्रामकुत्रम्पर्दे स्वाचेत्र कुम् व्यापन्त वर्षः स्वाच्या भक्टराताचिया अध्याम्यार्थराक्ष्याययराज्यारार्थराच्या वियानियावयानियान्त्राच्यावयायुर्वाच्याच्यान्त्रेचान्या ८८.च्रापानीया विदा तरारी जिसाम हेवाम है। हेवाम हेवाम हेवाम हेवा विवास श्चर्षायाम् विष्यत्रेत्राच्याः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विपानिता हुए। देवाहिताला किला मिरियारा हिता है। यह बाकी किया हिता है। बुदबः चुदः। देहे हिदास। कुसः सुराख्यार विराख्याय वाक्षा है। सर **बे**गबहर् चुटा। रेदे हेट ल कुल सुर् र गुन चुट है। विद्या कुल सूर्ण वियामानुष्टार्द्रा देश हैटाला कुल सुर देनाय खुटा पर प्राप्त सुहा

मद्यामुक्षामुक्षयामामुद्या देष्वयाकेदानेष्यास्याम्यादेवामुद्या देष इस्यान्याव मुं हेटा सामान्य इटा संसामा मुटा मुला सु हो में या सर्वा राम्य मव्यापर विमारेया श्रवायय द्वापर प्रमापाय प्राप्त विषय विदार श्रवायाय मॅंदः नै'निहेद मिंद्र सम्य कुरा ह्या सम्य के सम्य हद की में दारा देन देस में किया हूर. दुया श्रुयामया निद्या स्थानया श्रुयाम अस्य रवता नुपानस्य अस्य माबेद्राम्याष्ट्रिद्रब्बाच्यवारुद्राणुग्नह्रुद्रमारुवालीपाद्र्णाम्यद्र्याः बॅरायटा हेर। प्रायामाञ्चर् यदि यदारु ग्यर् विरायमा हुना हे हें ने ৳ও৾৾৻ড়ৢয়৾৻য়য়য়৻৴৸৻৻ড়৾৻ঢ়৻য়ৼয়৻য়৾য়৻ড়ৄ৾ৼ৻৸ৣড়ৢ৻৸ঀ৾৾৴৸ড়৻৻ঽ৻৻ৼ৾ঀ৸৻ परःश्चित्रायभग्दान्यायाची न्यायाम्बरायदे विष्याप्यायाच्याप्याचे **षेव'र्वे। ने**'लुटा सङ्ग्रवार्ये। यहुव'र्अ'बह्याबात्नि'त्वेन्'यरे'यटानु। मुठेव'र्य'य्याया कीयार्वेटाची'र्यव प्यत्नाचितायाः क्ष्याची रावितायां मार्थाया न्रांतरपारित्वरायरः श्रुवरावयरपार्वा कत्यरपान् दुन् खुन् उवर लिट्रपञ्चर पा भव रहें। दे हिर्र स्ट्र मुक्र हिंद्र र प्रिक्र मिक्र मिक्र प्रिक्र पार्टि पारि विनापा है हिर ने स्ट्रा

मुला । धुना अप्ना विकास है प्रश्न प्रता । दे लाका मुला है पा कुना है का किया किया किया है पा कुना है का किया है पा कुना है का किया है पा कुना है का किया है किया है का किया है किय

पारहेन'र्चेत्र'हे। ना शेवल'[याचा कुल'ख']राम नेवा हैनावा दवा वास्त्र নুষ'দাৰা অহুৰ'লেন'ৰান্থানুষ'দেবিন্দ্ৰান্থৰানুষ্ৰা স্থা सदसः मुक्षःदेषः सुदः यञ्चवः या वैष्यसः वेषे भितुः भित्। सुः नुष्ठे छे स्यायविः वि.वैतातपु.र्थासी.व्राप्तायसाचेराची.पक्र्यासूटाचाडुचयाता.व्राप्ता मुलानु खुन्या लहे मु देना वा वा वा मुका मुका प्रवास के वा प्राप्त का कुरायर त्युर रे। द्याळे या यि वे चि व व वि प्वव या यर त्युर। भ्रेमा या ८मेंह्। बुब्रासिट, एकेंब्रे में जिस्बा मैंब्राम्। लट, बर्बर मेंब्रामेंबर बैयाल, [म्बाने विदु है करि क्रेट में विवादानवाक्षेत्र पान्या वर्षा क्रा देयर] ब्रुबा बेरे 'ब्रिट 'ब्रिट 'क्रें 'क्षे 'ख्रुबा'बिर 'दुवा'यरि 'टुख'ख्री विदानियय' सूराया चण्बर्यात्रद्र'हर। कुलर्मरणेरणेरबेबर्यहरङ्गरेटरला बह्बरकुर**र्**युह्बर बुबानु'यर'बदब'कुब'यर'९छुर'र्स्। बुबासुद्दावहुब'हे'बदबाकुबार्वा दे ८८४.४४.८४.१४.४५. □□□ वेदश हेवे.४५८मुध् संघरमः कीश.५८. दे'ल'स्टब'कुब'ऍद'कुटब'धुब'लुट'यङ्गब'य। न्याबेदे'विद'के'सं' <u>ୱିଂସୁପ'ଘରି'ମ୍ୟ'ଣ୍ଡା</u> ଜିମ୍ମକ୍ଷ୍ୟକ୍ଲ୍ୟ'ଈରି'ନିମ୍'ନ୍ୟ'ଘ୍ଡ'ଘ'ଣ୍ଡା कुष'सर'से 'सहर' हेस'चु 'पर'सरस' कुष'पर'२एणुर' रॅ 'बेस'ऐट' पङ्गेद'र्हे। सम्सामुस्यस्य से सहित्या वसाने दे हितु मार्वे व वु हित्य के साम बेबबायक्षेत्रचे त्यस्य प्राची समानित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष ผิงผลิราชิสาฎานรา ธิาผ้านสูานกิรรูลาสูาสูดานักสลาศุสนาศาสนา लः बट्यः कुषः वृत्रा पुतः सः वेया पुः स्वरः या स्वरः क्यावया न्याक्याया वे स्वरः

第下、四 1 四 3 可 3 1 元 3 5 7 元 3 6 1 元 4 5 1 元 3 7 元 3 7 元 3 6 1 元 4 5 1 元 3 7 元 3

प्राचनान्त्राचित्राचित्राच्याः व्याप्ताच्याः व्याप्याः व्याप्ताच्याः व्याप्ताच्याः व्याप्ताच्याः व्याप्ताच्याः व्

য়्वार्यर द्वार्य विश्वर्ष विश्वर्य विश्वर्य विश्वर्य विश्वर्य विश्वर्य विश्वर्य विश्वय्य विश्वयय विषय विश्वयय विश्वयय विषय विषय विश्वयय विषय विषय विषय विषय विषय विषय

यम्यः कुरुप्तेषः शुम्पायस्व व ब के के स्य सुरुष्ति प्राप्ता व विकास स्वाप्ता व र्ह्नेटः रेणाणी नेवायवा रेवाया के गावेरा हु । तु । ते वे त्या वारा व्याध्यान्येरावृतारेयापुग्यरासुदान्द्री देवतासुदार् नर्रःकेटः इटः रु 'यटयः कुयः है। के 'सं' है 'विर्दे 'रुयः हें र खुटयः न्या अवेदे 'विद १९ त्यतः १९ त. त्याः **९ या ते प्राप्तः भीयात् । १८ त्यायी क्ष्यामी** स्थान स्यान स्थान स्य ढ़ेश्यचु'पत्रा क्रॅ्रेट:रे**ण**'नी'नेशय:री श्रेंदर'प'नट' ग्रु'टव' शवर हर्स्याय रदापदीव से नियम रेंद्र सुद्या भेष विवादी कुल में नियम साम रहा से रहा हु र कॅ[•]5दे केट हुट हु अर्दे पर हिन्न पर सम्बद्ध के के हो। देश सुद पर हुन यादी अराबेश्वह्मप्रवाचेते हितु मूराबते रॅम् उंगामु पर क्षेत्राया वा ӑ҉**Ѫҡ**ҧ҇ѵѦ҅ҀѵӾ҈ӷҡѧҝ҃ҀҁӾ҈҉҃ҁҡѧѵҀ҈ҳҡҵҳ। ҳҁҡ҅҅҅҅ヿ҅Ҳ҃ҁҡҔ҉ҡѧҡҲ҇҅҅ヿҡӒѷӄҁӷ यान्याया प्रमाया त्र्रामाश्रेयया उदानी म्ह्रायह नामा वराया वराया वराया वराया लिट.चस्रेबी

 देग्वेदगम्भगन्याम्यस्युगः क्षुग्यदेग्यस्य म्हित्। स्वादेश्वराद्याम्यस्य स्वादेशस्य स्वा

मट नहिना है नव य है।

दे प्रवित् ग्रिन्न स्ट्रिं स्

 ปุ่า พบาริ เฮะสาบสะเดิสาบินี!
 พื่อเริ่าสะสาบารและเลิสาบินี!
 พื่อเริ่าสะสาบารและสา

मुह्मा अक्ष-विक्य-हिन्य

म्द्रम् म्द्रम् विष्या दे द्राप्त विष्य विद्राप्त विद्रापत ้น'บละ' นั่'२६द 'य'**षेष'गु'บर'गुर।** श्चीर'प**षे'**२६,र'गुथ'यॅ'केद'**यॅ' ন্**রি'শ্রম'লু'মর্ক্রী श्रृदःर्घ'बेश्च-प्राप्तुद्र'। देश्यदशः कुश्च वशः देः प्रवेष विवायः यः देवः केव्'क्रैट'मॅ'बेव्य'मुप्तर'मुर। व्यवस्यामुव्य'देव्य'विर'व्यट'मॅ'सुट'म**ङ्**व' בויתן שַּמִיבוֹ־\$ֹדִאִישַׁ־אַינּקִיקּ־אַ־אִישַּאַ־אַ־אַ־אַדּאַ־אַראַי קַיאֹק־יבאַי पद्गा कुल⁻र्यान्त्रसम्बद्धाः क्ष्रियः निष्या स्वरं कुर्याक्षेत्रस्या मालेशामुग्याया ह्युवारसाम्बेगसासुग्रक्षवायन्गसाने। वृतायदेग्यास्व मुै'बैट'रैब'केब'ण्ब'ब्ब'प्यवन्य सु'मुर'प्रि'र्वरसु। यहवामुयारिंद् इर.गोब.बथ.एतवाथ.तपु.रेपाल.पकुवाय.क्षेप.सूर.पिट पर्वेश Ðď. सुॱमृ§स'मःसु'हुत्'स्यसृ'ळेद'र्झमःतु'म5न्यसःते। वैदःते'[म्रः] यत्यामुयारमार्गम् वहवामारे प्रवाहता वे रामु पारे मुयामी मुयामी स्थान य**स्**त्। कुल'तु'र्क्षेण्य'णु'र्वद'र्य'ल। लहम'र्वल'म्वॅ्र'कुर'णुर'यर' प्रमुखान्त्रः न्यास्त्रः प्रमान्यस्य विद्याप्तः विद्याप्तस्य स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप मबिव मिविन या माव र तु मिविन या सुराप मिविन मुला सुरा मुला सुरा है मा से दारी पर्श्वितःपरःपत्रम्थःहै। यरःस्वेम्यःबेटःप्ययःहेटःत्र्यःयःव। **य**ह्वः यर प्राप्त रायते खेट प्रायम् सुरम्य स्मृत्या के सम्मित्र स्मृत्या हेर.व्याः हें ट.रेटा विषयः ग्री.केषा त्यां तकीर वि.त वि.हं ट.रेटा वि.व व्या.कवाया <u> र्</u>ट्ट- धुर- ध्वा-र्गु-र्टा चे प्य-ध्वा-प्रेश-ब्रिट-स-स्र-एट-प्यम्ब-हे। सम्यामुकाक्षेत्राम्केताम्केताम्बुद्राक्षेत्राभाष्यम् मह्नद्राहे। स्वाचे मुक्केरि म्ला

ଵୢୄୢୄୣଞ୕୷୶ୢୖୠ୕୷୕୶୷୷୶୶୷ୠ୶ଊୄ୷୷ୠୣ୶୲ୖଽୣ୷ୠୄ୵ୢୄ୕ଌ୷୕ୄ୷୷ୡ୕ୢ୷ୠ୶୕ୢ୶ୄୢୗୡ୕୵ୢୢ **ष्ट्रायाका** चेत्राचेत्राचेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या नुमा के'सं'पकुर्वि'परि'नुमानु। यहमाकुमारिमापि हिमानु'सि पद्मदा समाजेग्महुकार्या ५ के लि हुना विति हुना कुना सुना हुन **अर्गायम्बरा** मुकाने हितु गुव की का सुराम की वापत सहित के राहे वाह्य मुका चे र र पु प्रतिराद्धि दि का के र पा दे। दे व का मि हि र द का या दा दुका १ वर्षा देवा देवया महूर में निर्माण नामर भाषा है प्रयानमा वर्षा श्रेष्य व्यानी अमूय अहर है। कुरम् तम्बर वि.ता.च.ने वसातर पिट तम्बरी वायान कु'बर्के हैं 'नुता है। हैट'हे' के द'र्घर' प 5 म्या है। के 'सं प्यकु 'प' स्या प्रुप राहर लिट, पर्तेशी टुंडू, से बी बेब सार मूं, खेश, में शाम होता, में शाम देश, में शाम होता, में शाम देश, ॻॖऀॺॱढ़ॆऻ ॺॱॖॖॱऄॣॕढ़ॱॺॺॱॻॸॖॻऻ ॻक़ॗॱॻॖऀढ़ॱख़ॖॱख़ॗॸ॔ॱढ़ढ़ॱॸ॔ॸॱऻ ॻक़ॗॱॻॗऀढ़ॱ षाऱ्याञ्च स्याप्त्रे स्वाप्त्रे स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्त हैं रिर्तेश. १४ मी, भूरे रिमांश मी, दें दें दें स्थान निवास में ॱअःने'न्'में ने'में अः प्रदेश अर अँच तिमान के अप के के प्रति । में अहे अ कुँ न मुञ्जागुर प्राप्त र्वेर क्षेत्र प्राप्त प्राप्त विषय क्षेत्र प्राप्त के त्या के त्युर रहिष्य प्रेत्र मुजा रेहैं। बुलानुष्टर'5'क्ट्रांट्रेंब्रायांचेब्रहें। सम्यानुसर्वेटर्याय**रीखेन्**

लट.भट्रंसटस.मैस्तिप्रा.प्र.प्र.प्र.प्रती जिट्रतमें देमें रेने तिरापर्रेर.**पर्वेटस.** है। ब्राखान्ने प्रति प्रति मानिकामि हेन सिराय हुन प्राप्त प्रति मानिकामा सिर्मा वा । तर्यापते यह या कुषा गुरासा पह पार्ट प्रेश प्रेश प्रेर स्प्रेश मह अर्भावता वर्षा मुकार पर्याप दुवाला मुकालिर प्रमुवाया रूपा व्यम्बर्मान्यविषाः त्याचित्राः विष्यः तिष्टाः त्यम्बर्गाः नदः त्यासुवा यदः व्यन्ताः न्यादेशः बर्नायमा व्याव विष्यापित स्वर्या स्वर् महिना नी न । शुरा प सूर्व में । बिना मां । के ना दे । स्मृत् । स्मृत् । स्मृत् । स्मृत् । स्मृत् । स्मृत् पदी रमरामरारम्गमिराहराहेराहेराहेरास्याचेत्रामक्रेन्या श्रेमशमानश्चेत्रमारेः वित्रात्रां विद्यानस्वरामा वी विद्याल्या र्भमस्तित्रेद्राचेद्रास्त्रेच्याच्याप्यात्ता विस्तान्त्रात्राम् हेस्रास्त पद्मद्रायाप्तरापुन शेशवापद्मेष्ट्रायायनापुर्विरापद्मद्राया पुराक्ष्यायेशवा न्यतःतहत्रःन्यतान्तः। विष्युवःन्वेत्रव्यस्वःयःन्तःयनुव। न्यान्तः हे'लुर'मह्व'म'बी पुर'ढ्म'बेबबरम्मर'ष्मे'वेबर्हम्'र्मा' ॅ्राच्याम् १००८ तम्बर्याया प्रमाया चार्च्या स्थापाया स् श्रेयस्त्रात्राहरम् व्याप्ति क्रिया हिता वित्या पार्विपाव वा क्या तर्में रावर्षे वा बुका पुंचर त्या रहा में वा व्याप्त वा विष्य वा विषय विषय विषय विषय विषय विषय त्रमण्यायष्ट्रस्यायस्या क्ष्याक्षेत्रः**र्य्ञना**णुदारह्मेरा**र्वेदाद्म**तारह्मेरारमा तृ'प्र₹वा ।शै'स्वा'एर'पद्मव'ळेव'यर'रेवा'यर'चा ।वेव'य'प्र'र्न्गुा <u>चॅ</u>न्य केट्य पात्र कुट्य पर में न्या पात्र प्रवास क्षा पात्र प्रवास के विकासी ५ में ८ ४ १ विष्या विदेश ते स्वर्थ के त्रायते के त्रायते विष्य के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य क २मः दे। रः में सेस्रायः प्रत्यः प्रत्यः चिर्द्वः] चेरः प्रायः स्वयः चेदः प्रत्यः प्रत्यः प्रत्यः प्रत्यः प्रत्यः स्वयः चेदः प्रत्यः चिर्द्वः प्रतः प्रतः

ર્કેટ.ત્રી.ટ શુખ. त**हैन।** हेब मी प्रथय पर्ने हैं र नम र नु र मुख ब्या **८विंर-'ढ्वैन'नैस**'८दे**नस'**या ह्यूय'ङ्गु'निर्देन'मी'निर्व्य'पुर'युर-य'८दे' वै'तह्ब'तु'त्वैद'तत्व्र'र्थन्'ॲद्'य'यय। दे'क्वय'यवयःठ्र ग्रै' हेट्र त्ना केव ची पर्ड का स्वा पर्ड का स्वा पर्ड का स्वा पर खेटा कहिए हिन् **⋣ॖॱक़ॗ**ख़ॱॺॕढ़ऀॱॺॖॖॖॖॖॖॖॖज़ॺॱॴॱढ़ॺॱढ़॔॔Ҁॱॿ॓॔ॸॱढ़य़ॖख़ॱय़॒ॴॖॱॣॎॺॕॣ॔॔॔ॸॱॗऻॻॹॖ॓ॱय़ॱॺॺऻॱढ़॔॔॔॔॔ॱॿ॓॔ॸॱ ₹**ॱ**₹ጙॱ₢₡ॺॱढ़ॖढ़॓ॱॿॖऀॣॱॸॖढ़ॖॺॱढ़ॱॾॕॱॿॣॱॴॗॸढ़ॱख़॔ॸॖॱय़ॱॺॺऻ देग्यासुदानी **ॻॖ॓ॱय़ज़ॱॸॏक़ॱज़**ৡऀॺ**ॱ**ॹॖॱढ़ॸॕॸॱॸॆऻ ॿ॓ज़ॱॻढ़ॎ॓ॱढ़ॸॕॸॱख़ज़क़ॱॹॖ॓ॱॶॿॱॺॕक़ॱढ़ॺक़ॱ <u>५म८ के द मुकेर पी जनमा विषय युवा मी मर ५ ५६ द में के स्वर्षे में जिल्ला स्वर्या म</u> **ᢖᡃᡴ**མ་དུ་ཚད་བེན་ཁེ་བ་མ་ཁང་མང་ཚད་བེན་རྡོ་རུ་བཞིརི་རུ་བཞིརུ་་་ वर् र्षाव र्हे हे खर पति अर्केर् हेव पढ़ी विषयम र रापि अर्केर् हेव पुत्र <u> या पुत्रा पहें व रुदा तर् वा मुख्या उवा कर्ना यह रहे व राम है रहे वा वह व राम</u> **ल्ट.त्र्रा ब्रेन.**त.कुबे.त्र्टुं.पट्टें.त्र्वेचकाक्या ट्राड्टे.डु.पं.पापपथावथा **城く、古は、え、くられ、お、い、」はた、おた、政人、む、川、 美、美、え、口傷、い、美、美、母、、口格、** बकॅर्नेर्नेपविष्वविष्यराहर्नेर्ने रेप्तायारावर्षेत्राव्या **मयः**गुद्राबेरत्हेन्यरारादे चेनाया के ख्दान् के सम्माराहेन् द्वा पदिरे'पर'व'अर्र'कुर'रवेर'मंरे'ळ**्'उअ'रे'**ळंन्! हे'परे'हुं'गु'व्स'

सः अर्दि ने संबुद्धा निष्ट के दामा स्यापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्व देश्य स्वापित स्वापित

स्वर्ष्ट्रं चेर्र्रेर् स्वर्णा विष्यं स्वर्णा स्वर्णा

देन्द्रशः कुलः यॅर्देश्वयः द्युः केंद्रश्यदेश्चरः शः अठद्राशं केद्रायदेशकेताः स कुरिष्ट्राप्तायभूरार्स। हेरवसार्च्याहिराद्धेदार्घामन्यारुदार्थार्थवसारा देशनार्द्रवाची क्षा भी रहिंदर हिंग हो से देश है । व वर है । **ॻऀॳॱढ़ऀॱ**क़ॕऀॱॸॻॱॻॿॸॱॴॹ॔ॻॺॱॻढ़ॱॴऀ॔ऀॴॻऀढ़ॱख़ॱॺॱॺॱॶॺॱढ़ॆॱॸऻॕज़॔ॸॺॱॻॱॱॱॱ **षट्यासुःसुः**स्याययात्रद्वार्याट्यायया हित्यास्याया हित्यास्यायात्र्यास्या **ॻॐ॔ॺॱ**ख़॒ॺॱख़ॣॖॖॖॖॖॸॱॻॱॺॺ॒ढ़ॱॺॺॱॺॸॕऻ॔ढ़ॱय़ॕॱळॆॱॸ॒य़ज़ॱॸॖॱऄॸॱय़ॱॻॿॖॖज़ॺॱय़ॱॸ॓ऀॱऄॱॱ ८त्तरः मुव र स्याम् वेग्या ८ गरा पुना रहे ना विषय मुला व या गर्वे या स्वार प्राप्त भूणु'युन'न' सु'प्रक' से क्रिया ने प्रक' सु'प है। देवस ॻऀॱॹ ॱढ़ॸऀॱढ़ॺॱॴॸॱख़ॗॕॻॺॱढ़ॱऄॱॺॾ॓ॸॱढ़ॾऀॻॱॸॖॆॿॱॻऀॗॱॻॎॺॺॱॻॖॱॻॱॲॸॱॸॕऻ दे.ब.पङ्क्ष.र्षंब.एटका.वैज्ञ.बेया.त.खुंबाची.पातबेयेथा.**पथाट्र**.की.पथा..... भ्राप्तराचराचार्यकाताः स्ट्रेटकाञ्चार्याता हेवा हेवा चार्यका कुलाया रहा। ५ महे १ महे एलवायः तः श्रीयः रयः वांत्रवायः र यटः दिवा वा , स्रवः २वः यवारः द्वेषः सा विटः द्वेषः ୡୖ୶୶ୢ୵୷୵ୢୖୣ୵ୡ୕୷ୢୖୄଌୡ୕୳ୢ୷ୣ୷ୣୠ୶ଽୣୄ୵୳୶୷୷ୢୢ୷୶୵୷୷ୄ୷୷ୢ୷୷୷ **५८९,२८५,२५८,७५८,७५५,५** देव्यान्तिक्ताः स्वयः द्वारा श्रीतः या क्यायर स्वरायसः वर्षाया **८४.७८४.घ८॥.व८.७घ.४४४.८घ८.बै४.४४.याच्याय.८घट.बैस.८७४.** पर तर्दे प्रते प्रे प्रते मादाय प्रते प्रतीय विषय मार्थिय प्रतीय प्रति स्व प्रति स्व ଅଂଜ୍ୟ'ବ୍ୟା ଝି'ଟମ୍'ନ'ଖ୍ଯାଶ'ପ'ଷ୍ଟ୍ୟ'ଶ୍ୱଷ'ଫ୍ରି'**ଜ୍**ଟ'ଦ୍ରଷ'ପ୍ୟର'ଶ୍ୱିଷ'**ର**'

विपाला श्विरस्याम्बन्यान्देशयाश्विरानुग्नायाम्बन्यायक्षराया विनः हुरमुबाबईदानराबानुबानी देखुरादुर्दश्दिरपुरहरावीबादेरठावर [[र्ट्र-बेरा][वेर्र-लाम्बुबामुबा बिकामालासम्बन्धःकर्रम्थे वाकार्रम्।[[मर्ल्रा पः]]व्यःन्युत्यःर्य। अर्देर्युत्रःद्वःहेरःषुन्यःहेरान्वेनयःपरेरक्षेग्नेर <u>[[कुञ्रा]]यालामिन्रानाल्य</u>नार्ता देशहासुरी हिरासुर्वात्राह्यात्राह्यात्रात्रा वुन्य-५वः विद्याः देना व्यादः स्ति। स्वादः विद्यादे । स्वादः विद्यादः विद्यादः । **८६मा** हेन चुै म्ययस मृह मुहे सुह मो चुे या हेन जी म्ययस रे रे दा हुन र स म्बेन्यागुरुष्याया कुराकुराकुराकुराकुराकुराकुराकुराक्या विस्तरका कुर्याकुर्य बह्दानराच्याताङ्करामा देते। चुनारेकावी रावातसुलाङ्गराची वाह्या **ᠬᠬᢛᠸ**᠇ᡎᡳᡠᡘᢩᡷᢎᡳᡆᠽᢛᡄ᠇ᡎᢙᠸᠸᠷ᠌ᢦᢛ᠘ᡓ᠍᠕ᢘ᠘ᢩᡶ᠋᠖ᢆᠼ᠘ᡓᢆᢥᢩᢟᠬᢦ **क़ऀॱअ२ॅॱ৸য়ॱॻॖॸॱऻॾॖढ़ॱॸख़ॱॸऻ**ॾ॓ॻऻॺॱॸऺॻॸॱॶॗॺऻॱॺॊয়ॱढ़ॺॱॺऻय़ढ़॓ॱॺॺ॒ढ़ॱॺॖॻॱ महिःसेसस्य उद्दावस्य उद्दार्भावह्राप्त दुः प्रवृत्रा गुरुषा मृदः सः दे रह् सः दे रा नेरः क्रॅब भे में ब स**र्**ग्यर प्रस्तर्था नेते कुन रेवा दे। रायते पर्य ᠬᠳ᠋ᢆᡰᡊ᠄ᢖ᠂ᡧᡆᡃᢛᠸ᠂ᡨ᠂ᢡᢩ᠂ᠸᢅᡧ᠈ᡩ᠂ᢓᡧ᠈ᢅᡧᠸ᠈ᢩᠸᡰ᠂᠀ᢆᢏ᠄ᡓ᠈ᠽᢅ᠒᠘᠄ᢩᡩᢁᢅᡣ᠋᠘ᠮᠵᢇ᠍ कुषामाळेदार्वित्व**र्षान्यका**णुमारहिषाहेदाचु विवसामामान्यति सुमाने चे सारा **क्रे**न'स्**ग'न्गुरे**'रहे**न'**हेन'म्चै'।घसराग्री'मॉन्न'स'सर'सरि'स्रास'त्। त्युः [Pषशःरंरेर्वा ८६वानुर्वेट्ररेरो नेष्र्रेह्र्यान्वररेरे। कुलाना वृणु प्रुच मु रेरेरी चुट र्ष्ट्वेनवाद र बहे नह नासना निट रेरे। कुल में ब्रुट्यायरव, श्रुव्याप्यार, रा.री चि.श्रा [यवरा]] मूटाह्र रारी यथाश्चायवर हिर पढुंद'र्अन्रेर्दर'र्बुल'दव'वेसवाठद'चुै'र्दद'सह्दायर'पञ्चरवादी। देवे'ह्रम

धरः सर्रे हैं 'दे 'दम्पृ' पहुं 'पर 'चुर्दा देवे 'चुर्द' रेख दी श्रुप्ते 'कुर 'हैं महमा स्वाप्ति देवे स्वाप्त स्वाप्ति 'देवे

भे'सहेर्'हिष्पुंचित्रस्य स्ट्रिश्चार्यः वा स्टबाक्या इस्यायर ब्रुट सहिर ग्री पुनाया महिर वे प्रसुदि वट व मावया या हे व मावया **ॻ**ढ़ॱॺऻ॔ऀ॒ज़ॱॿऀॱॾऺॺॺॱॹॖऺ॒॔॔॔॔ॳॺॱॿॖढ़ॿॱॻऀ॔ॱॻॠज़ॎज़ॱ॔ॻऻ॓ॱक़ॗॕॿऻॱॿॗऀ॔॔ॱज़ *[[पञर*दिरःङ्गरःहैन।यदःहेन।रने।हेन।ह्युरःयः]]हॅपञरहेग्यरःपन्रार् नेॱअॱघन'रु'चु८'ॡ्य'ऄॺस'न्यत'धुद'रस'न्वेन्यर'ने। कुल'सु'कुल'चेन् **छन**' चुक वक कर्तु पुरत्ने प्राया श्री र प्राया क्षा कर्ति र प्राया स्था कर्ति र प्राया स्था कर्ति र प्राया स्था ড়ৢঀ৾৾৽ড়ৣৼ৾৾৽ৢৢ৾ৼৢ৾ৼৢ৾ৼ৾৾৽৺ৼ৾৽ৼয়৽য়৾য়৽য়ৢ৾য়৽য়য়ড়ঢ়৽ঢ়য়ড়য়৽ড়য়৽ त्रवर्त्तर्त्त्व वित्रक्षेर्त्वर्त्तर्वा वित्रवर्षः व्याद्वर्णे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वि <u> ह्व'त्र्यणीय'नम्राक्ष्यामा मिन्य'ठव'मी'येयस्य ठव'क्यय'वे'न्'न्य श्रेव'</u> यर'शें'वुश'हे। अ'र्हेटश'य'व्'पुट'ॡय'शेशश'८्यत'हिंद'ह्र'पुश'श्चेव'यर' <u>चुेन्'यर'णुर'हेन हेस'यण्ठ'ङ्कल'य'न्टा ह्यु</u>व'रस'म्बे**नन्स ঀ৾৽য়৾৾৽য়ঀ৾ঀ৽ঢ়ৢ৾ঀ৾৽ড়৾৸৽য়৾৾৽য়৸৽য়৾৽য়৾৽য়ৼ৾৽ঢ়ৼ৽ঢ়ৢ৾ৼ৽ঢ়৾ঀ** मदेग्म उदार พ.ษาป.นานไม้เกานาไปาไ ลื่นานเพลงเพลงผิง धेव'है। ৼঀয়৾৾৽ঢ়ৢ৾৽ঢ়৽ঢ়৽ঢ়৽ড়ঀ৾৽ঢ়ৢ৽য়ৢয়৽ঢ়য়য়৽য়ৢ৽য়ৣয়৽ঢ়ঽ৽ 디끼오'>>이'디 ऄऺऄऄॱढ़ढ़ॱॾऺॹॳॱढ़ॖऻ॓॔ऻक़ढ़ॻऻॱॻऀ॔॔फ़ॎ॔ऄॎ॔फ़॔ऄ॔फ़ॏ॔ॣॸऻॎ॓क़ॎख़ॕऀ॔ॸॴढ़ ब्रट.वंबालर.धु.र्वेबातर.७ब्राच्या वि.च.क्वे.ब्री.४हमी.हेव.ब्री.४बा.बा

दे'दशःश्चदःरसःम्बेगसःभै'सहेदःहिष्देषुःवस्यःसुःहदस्यः**ः** पर्डें अ'स्व' तर्बा भूणु 'बुप' यहे 'ब्ला व ब' हें ८' बेर 'पणु 'प' ८ । ৾য়ৢঀয়৻ঢ়য়ৼ৻ড়য়য়৾ঀ য়ৼ৻ড়৸ড়ৢ৾৽য়ৼ৽য়ৢঢ়৽য়৾৻৽৸ৢয়৽ঢ়ঀঢ়৽য়য়৽ঢ়৽ৼ৾৽ हैर.जय्याबिब्यानया चयाराङ्गिषाचा विश्वयानाषाब्याप्रेया विश्वयामा 쥙직'디[र्रायं राजे विवास पर पर्य अपन्व सुराद्य त्या तर तर परि देश भेषायम् प्रदेशाचरार्वेषायाः इवसालु प्यरार्वेषार्थ। देवे पुषायापयार्घाः ऀबेबासुटाम्बेबार्हे। बर्नेष्ट्रेष्ठुग्टबासबास्त्रवायाः केवार्मासवा सुप्तासु ५८ म् र्रे ५ ह्वैव स्थार्भम्यायर पुराकुता सेससा प्राप्त प्रतास सा निया रुवा मुँगर्देवा साय बुनावा सारा बुवा सवा है हिना सारी हुवा साय है व [gॅ८.ॻॖऀ४.ञ्चॅर.पञ.वूंत.पथ.वेंत.व्याचीयीटय.श्चा ट्रे.वं य.पह्य.ट्रापत. नब्रिं व व र ने व र इसराब्याया वितास्ताना केंद्रा वितासाम्या वितासाम्य वितासाम्या वितासाम्य वितासाम्या वितासाम्य व वस्तरणुटाष्ट्रिर्पर्दायानेवावस्त्रम्यस्त्रिर्म्दासुर्वायस्तरस्याव **ृ वा हे खुबा २ वा के के बादी खुबा वा है है।** हुंग्याचें ८ ख्या चेता क्या महिंदा विकाम्स्यायमा मान्या सुरामा हूंदामा ् वै'**र्ब'र्ब'र्ब**र'- य'ग्रैका **न्**व्रायम्ब'र्य'र्ट क्रिन'र्न्यव'य'र्कया हुन्।से ब्रुल'य'भेव'यव'रट'युल'पर'९णुर। ट'सु'टव'लब'९८व'वव'रेट'र्यर' बार्षव्यापा हरे १९व र्षे बार्ना चुराकुता केवबार् पार क्वव कुवार है। नुष्ट्रारमाह्मस्यान्युप्तरावधुरामसाद्वाक्रमान्सान्द्रिप्ति। प्रसाहस्यान्ध्रमा <u>ই'ন', স'ন্দান'র্টি' অই' শেষা</u> অ'র্ছের'নান্ত'নুর'স্তু'নিই'র্টিন' র্লম'ট্রির' ळॅबरग्रैप्यम्तरमङ्ग्यादेते खॅन्। अरात्दीरञ्चन्। मन्यामी वार्षेत्रस्यते पुत्रामहिन्। र वालाञ्चल प्रवाहीताञ्चलाचरानु प्रवाहर दुलायान्य । तर् भूता हेवा वर्षा चि.पषु.भष्वभभःर्श्वैरःग्री,छ्यो.र्ट्टा अघए.२.पर्वू अ.र्तय.एट्याग्रीयायश्चरया मालाबह्दामरामङ्गिराही | बेसामुः ृतिहेः ृक्षेषाख्यालामणः <u>स</u>ृत्र हेना **ढेसःन**शुप्तसः दस्य । मङ्गदःमहेःन्येष्ठेपःर्दिःशुप्तःन्यः गुदःप्तनः में स्यान्यक्तः **ॻॖऀॺॱॴ**ढ़ॕढ़ॱय़ॱॸ॒ॱ। ॻॾॣढ़ॱय़ॱख़ॖढ़ॱॸ॓ऀ॔॔ॸॱॸॖॖॱॴढ़ॺॱय़ॸॱॻॖॱय़ढ़॓ॱॺॗऀॸॱॸॖॱॸढ़॓ॱ मुं कर् प्रवित्या विषा देवापार दुवा है। रे हि हुर प्रवित्य देवा दुवा प्रवा पर्डे अ'स्व 'ति का' गुरु 'ब्रा' तह अ' पा अहं नि 'परि 'ब्रा' मुं क्षा हिन हेर ' पद्धे पुट पार्थ महिमा हु के दर्भ कर साथ क्षम महिमा सु महद रहे दर्भ ज्रुप्तरतार्द्वम् महेमा:सुरि:प्यटार्यः पक्किः ध्रेषः त्याः सम् महेमा:सुरि:प**र्वः प्रा**प्तः नुगासाया मिटाक्षार्शियाया मुद्रास्य या मुक्रान्या मुद्रास्य मित्रार सामित्रा बनमार्नुदर्गुरहर्षम्यात्रे। वदमायादारी नदमानेकाम्रहर्माह्दारद्वा ॻॖऀॱळॅॺॱसुतिॱहेवॱपलेपसःसुॱन्यस्य पतिः ऍवः ग्रुःपन्नापग्रीन् परः**लु कर।** म्बर'ञ्च'रुव'रहेव'र'रु'याव'रो पर्मामेव'पर्वेस'युव'रिन्**व'र्णु'र्वेरका बुँ**र् हर्'यरे सुरे हेर्पलेटसायरे स्प्रेची पर्मा यापीर पर्मा केर न्नर'र्य'नकु'हैव'व'री निम्मिन्यम् वर्षात्र्व'र्रम्थ'ग्रेख्यामुद्देरहेव' पदीरअ'मदे'ॲब्'मुै'पर्ग'मॅं'पमुैर्'पर'बु'बेर। पर्वे'मॅ'में'वे'वे'वे'वे'वे'वे

दे क्या दे या हे व रहे रहे मान विहास सुराम्स्राय विहास स्वापन विहास *षु*ॱळेदॱय़॔ॱऴ॒८ॴॱतस्य तर् अत्त्व त्यत्य ग्री क्रिय ग्री स्निर हेद त्ति त्या पार क्रुप्ता . हुतै देव में के कु वेता जुव अप्टा विकेट तार्या के निवासी के कि कि कि कि प**ब**,परेषालयस.ब.धे.धेताताष्या क्ष्याक्री.भेध.धेरापताच्यायाच्या यदैःधुर। ५धुनसःह्युयःधापः १षादैः५षारावेरःपुरायुवःय। केरहरानीः क्ट. वु. ही. क्ट. या. पाप्ट. प्रत्याचाट. प्रत्याचा व्यववाचु निवास निवास होते. अर्के5'हेद'क्षेत्र'खुरम्पल्यम्बेटस्रहे। पर्देश्रःह्दार्द्रत्रां(हे5'क्षेत्र'रम् **ग**वस्यायहर्ने न्हें संस्वादितस्या शिष्टिता हिन्ता शिष्टित । पदिन्यापरे हेवारी खाकुर के खाल प्राप्त का के कि प्राप्त कर के त्वीयवादी. प्राप्ता ह्या प्रताप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप वया मु मर वृष्य धुंग्र छ मुवर व प्वविषय य पुरा देवा य मा मुकर [[गुैर]] इट.पम्रिप.श्रेट.प्र.२व.प्पेट.वंश.थ.थ.इ.मे.तर.पर.र्श्वट.प्र.पंबेवेवंश.पथा

स्वरः त्यं सन्दः के स्वरं प्यान्वस्य गुंत्रं प्यान्य स्वरं प्यान्य स्वरं प्यान्य स्वरं प्यान्य स्वरं प्यान्य स्वरं प्यान्य स्वरं प्राप्त स्वरं स्

ष्पटःम्बर्द्धःम्वद्वः तहेव ररः मृ त्यसः पर्वे संस्वः तह्वा ग्रीः विद्या श्रीः **ह्**तयः महिः मुद्रेः मेदः पद्धेत्यः शुः प्रिंशः पः दे। कुः धुदेः देवः यः के अ**हः इन्दः** प'न्ना द्वेते'रेत्'यॅ'के'बेतु'झुन्यंते'ख'यॅन'केत्'यॅ'न्हेन्'द्वेते'य ঀ৽ঀ৽৸য়৾৾৽৵৻ঀ৽৻ৣয়ৼয়৽য়৾৾। ৾৽৸৽৾ঀ৽৸ৢ৸৸য়য়৽৸**ঀৢ৽**৸ঢ়ৢয়৽**ঢ়য়৽** लिवाय.श्र.धिवा.त.जा प्राच्या श्रीट. ह्वाया पारु सी तार्ष्या हेव रहिताया प्राच्या स्थापन ङ्ग८'यह्र, निष्य, श्व, यक्ष्य, कुर, मुं, क्षर, वुर, बुर, निष्य, स्वाप, स्वाप, व्याप, व्याप, व्याप, व्याप, व्याप च**लना**नी'छुना'कु'रुद'ळेद'र्य'म्बेटस'हे। म**र्डे**स'स्द'रुद्रस'ग्रीस'रम'नादस' ऻॕॖॎ॔ॸॱॻॖऀॺॱॻॿऀॸॺॱय़ढ़ऀॱॸॖॆॺॱढ़ॸऀॱॺॱय़ॕॗऀ॔ऀॻॺॱ**ऴॸॺॱय़ॱॻऻॗऄॻॱॸॖ**ॱ प**ब**्राचरसुरम्राता देशनासुटसरदसरस्य स्थर द्विर द्वा कुरम्र हुँ **ঀৣ৾**ঀ৾৶৻ঀৣ৾৽ঀৣ৾ৼড়ৣ৾৽য়ড়ৣৼ৻ঽ৻ৼ৻৴৻ঀঀ৾৾৽৻৸৵৻য়৻৸৶৻য়৻৸৸৻য়৻৸৸৻য়৻৸৸৻য়৻৸৸৻য়ঀ৾৻ড়৾৻৸৻য়ঀ৻ড়৾৻৻৻৻ য়ৢঀ৾৶৻ঀ৻৸৶৷ ঀ৾৾৾৻য়৸৻য়ৼ৾৾৾৻ঢ়৻ড়৾ঀ৶৽৻ঀ৻৾৾৾ৼৢয়৸৻ড়ৢ৶৻ঀ৾য়ৣ৻ড়৻ঢ়৾ঀঢ়৻ৠ৻^{ড়ৢ}৾ঢ়৻ **१'निहे'हिंद्'बेर**'द्रा ५सुहे'मुड्डम्'हेंर'ग्रीके'ल'देव'मेंके'कु'नेल'**ळद्रम** दे'न्}^{कृष}ंद्रद्रायस्य वस्य वस्य विष्य क्षेत्र विष्य विषय विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य **ভ**'ননম'দী স্ত্রী'খ্রিম'শ্রমিশন'বিম'দ্র'ঘথ'ঘ্রমম'ড্র'দ্বা'নম'দ্র্র'শ্র प'र्ट हैं सहै र्दि चेर र्टा देव में के एवं प्रति हैं सि है से स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप

निष्व अधिक निष्य निष्य के प्रति निष

म्बलानमा देवार्याकेरे प्रामुकासवाम्बलामा प्राप्ति म्बर्गा [(र्हेरः]]ल'ब'ह्ये पर्यापाद्दा व्याप्ट हेद'ग्री'प्ययस'यर्टस'र्**ग**र'यर'ध्रेद'स्यय। देहे'हॅद'य'यटस'ग्रुस'र्गर' पदै'न्यताता त्रॅंस'मुट'कुप'बेबब'न्यत'न्यत'न्यते'मुव'मुब'जुब'या ८९ में महेर्रहिन् हेर् कुं विस्तर द्या में एवं वा स्ति द्या में सहेर् ८६ ना हेदॱॻॖऀॱॺॎॺॺॱॻढ़ॕॺॱॿॣढ़ॱढ़ॸॣॺॱय़ॣॻॖॱॺॗॖॻॱॻढ़॓ॱढ़ॏॸॱय़ॻॹॸॏॱढ़ॱढ़ॺॱॺऄॺॱॱॱॱॱॱ म्ब्रिंशाम्बा प्रमाराङ्ग्रेशामा ब्रिटाम्बर्खारे रेहे हे शासुर पारे रेराप्यमा ममा बैट देश दुल भे बद पा सद दे। देश देश देव द में हिंद सद स कु स है। भु भारत वर्षे अटल प्रतर प्रमुद्र परि प्रीर में द्र प्रायर प्रीद प्रीयर प्रता म्बन्द्रां वा विदार्गी के सामिर वदार देश से मिला पर रहे । प्राप्त रामिर व चेद'य'त्युर'रु'बढेब। द'बर'त्यॅं'पर'त्रॅ्द'ब'ङ्गब'यहे'र्बंब'५व'दव' ब्रुवाया खेदाया चुका सका कुला सुर कुला चुेदा खुँगळला तुर हैं लावादारा। वह स <u> च्वात्त्राणुकामे मृत्राम्यायात द्वापा वितामका १वार्यका प्राप्त</u> पार्दाचुराकुपासेससार्पादे सार्चिपायसाणुदा। देग्विदान्निनेनसामितेह्र प्रमुल नेता मुका महें का यर के बुका हो। विकास मानित कुला है। प्रथा ग्रीया भी विषय प्राप्त अर्दे । यथ ग्रीट प्रणार है ता है।

चर्डम'हेब'रद्य'ग्रैस'चग्रद्ध्य'स्व'च। हर्दे'स्व'च्युर्याहेर्र्सुं बद्'हेन्'चुस'द्वर्वर्वे सेव'स्व'स्व'च्युर्याचेत्'चर'र्यगुर्द्धाः मृशुह्यास् दे•बर्नेयरप्रयाप्तर्भेवर्षेत्रत्यरण्चेयरहे•ब्रेर्डे॰ब्रेटरप्रट्रंग्वर्रेयादेग्वर्मायरा हुव निवेनस्य ५८। स्यारेसाहुस्य । प्नुरासंग्रहुत्विहेसास्वर्रा ८बःबरःश्चरःश्चितःब्नाःबयःषरःट्रायःक्वाःच्वरःष्टरःखरःख्चेतःस्वरःख्चेतः नीॱम्बेस्यान्यामी [[वेस्या]]वरायलेयसास्याः ५८३ म्बुर्यमार्थेनास्या ल. बैचे. ज. चिटे. तथ हूं, शू. टेटट थ. त. चे हुचे. चैंट. तथ। भू. टे. भुै. वै. टेट ट a8a,ब्र.चुर.पथ.टु.प.क्र.तिक.ब्र. ट्येट.ज्र.प्यम्बेर.पप्र.व्य.प्य.व्य. कर पं. खेचा तखेर सं. हे। चे. चे. चे स्यामक्षां पर्देश हिव रहे र देश ही। देर-१३व र्षेत्र-५८- छूट इत्यार्श्वेषत्र-५८० ५५ विष्टु वेद-पा-५८ । विष्टु-५८ । बे'८८। द्वे'स'प्रेव'८८। दे'व'श्रिनस'य'८८। द्वे'स'वेव'से'पकु८' য়য়য়৾৽ড়৾৾৾৽ড়৾৽ঢ়৾৽৸৽ড়য়৾ঀয়৽ঢ়৽৾৾ঢ়৽৻৸৾৾য়য়য়ঢ়য়ড়য়৽ঢ়৾য়৽ঢ়য়৽ঢ়ৢ৽ড়৸৽ঢ়ৢ৽ क्षॅ^ॱव सर्हिं चेर पण्चेस है। ृष्ठ्वीयस पड्ढेर रहिष् हेव णुः विस्वस समस उर णुः यत्यः मुयः गुः बेतः यययः उत्। मृतः यत्यः मुयः तृतः खृतः য়য়য়৽ঢ়য়য়৽য়য়৽য়ঢ়৽য়ৢয়৽য়য়৽য়য়৽য়য়য়৽য়য়য়৽য়ঢ়৽য়ঢ়৽য়ঢ়৽য়ৢয়৽ঢ়য়ৣ৸৽ ङ्गु'**न**्युअ'र्घ'श'शद'न्युअ'ङ्ग्रेर'घ'मुस'**द**स'द्रेय। ४५'ग्रीस'मुघ' यरःचित्रा सुःमञ्चरःयुग्यःग्रैकःन्यरःगसुर। य**र्ड**सःस्वः८न्यः११८'ग्रैकः रमः नुः नाव सः मरः चुसः वस। अरः रूपः बेरः दे 'द्नां मर्डे सः स्वार्याता . अव मासुकाः क्षेर पा प्रकार व का प्रवृति । मासु मा पु ग्वापार ग्रुपा हो।

दे ब्यायर् अप्तर्था मुखार्थियः विकास स्थापायम् स्थापा स्थापा स्थापा स्थापायम् स्थापा स्थापायम् स्थापायम् स्थापा

न्नान्व वान्याय बुनवाय सिरायर १६वा र्याय विवाद वा न्याय व नुष्य बुन्याया सद्रार्थना क्षेत्रार्थे स्थान विद्रार्थिता स्थान स्थान बार्चियायाक्षेण्वेरानुबार्बयानुबाबर्वेता मह्नितानुबार्वेषा सराचेता रे सराचेता हे**त्**यराचेता **ग्**रंभायरास्त्र केद्र'सॅरि'कॅस'य्यस्य ठ८्'तय**८्'या'केट्'यार**'तयुट् हेर्'यहेद्र'यरे'य'स्पापापा र्हा बेयामाराष्ट्रवाही नर्मेटार्घा है नुरहास्य करा है। खुबा दुरहा पार्वुकादाक्षां क्रम्भागी विक्रामित्र वार्या हिंदि । वार्या क्रमा विक्रमा वार्या क्रमा विक्रमा वार्या क्रमा विक्रमा वार्या क्रमा विक्रमा वार्या क्रमा वार्या क्रम वार्या क्रमा वार्या क्रमा वार्या क्रम वार्या क्रम व त्रात्रकाव्यादेशक्षेप्तम् प्राप्त विकास स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ঀড়ৢঀ৾৾৽ঀয়৻ঢ়ৢ৾৾৽ঢ়ৡ৾৾৽ঢ়ৢঀ৾৽৸৻৾৽৸৻ঢ়ৢ৻৻৸য়৻ঢ়ৢয়৾৽৸য়৾য় त्रकाके किटान वेटकार्या देखा कार्या है 'सु उसाव 'कु लाम में भेर कार कार्या है 'है ' **ग**5बर्-ुचुटरढ्नाचीरवेटरवाकोर्ने गर्नामकापर्वे रावकासके रामासहरारेरारा **নুষ্ণ**মর্ক্র্বিষ্ণ্র্

क्षेत्रकृत्यात्राद्ध्यात्रम् स्वार्थात्रात्रस्य स्वार्थात्रस्य स्वार्थात्य स्वार्थात्रस्य स्वार्थात्रस्य स्वार्थात्रस्य स्वार्थात्रस्य स्वार्थात्रस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्थात्रस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्थात्यस्य स्वार्यस्य स्वारस्य स्वार्यस्य स्वारस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्यस्य स्वार्यस्यस्य स्वार्यस्यस्य स्वार्यस्यस्यस्य स्वार्यस्यस्य स्वार

ने व सःश्रुवः मञ्जूतः यं सः रे प्याः मानसः उवः कुँ रत्न सः सुः कुँवः यः ५०ः। **दृदे पुर्वास्तराया देव या केदे कूं प्रस्वास्तर्या प्रमाना व मार्गा में मार्गा स्त्रा पर्या स्त्रा पर्या स्त्रा पर्या स्वर्या प्रमान स्वर्या प्रमान स्वर्या पर्या स्वर्या स्व** [(भेद']] ८५ मा वसा सुरस्र दे दस्य साथा दे सामा हि ५ सुर भेदा से में मा दे इसमायत्माव वार्षे पेता देवा है वार्षा वार्षा वार्षा है वार्षा है पार्वा है प द्भाकेषायत्रात्रातालयास्वराष्ट्रीत्रात्मात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् मान्मापर्के वाया इववा वत्वायर मान्गवार्केना वेषा वर्षेत्रया **चेन्:मःसेन्** चेन्:री हेन्:हेन्:हु:सर्न्:नेन्नहे:ल्याःहु:नःसेन्। हिन्:ग्रीकालु: इं चुराता वित्र हेना हेना हुना दाना वि क्षा है न हमा नि क्षा न न क्षा है म्रदः रे मान्या उदा अदा यार्पा रेदा मान्या वितासा मान्या बदः द्वान्यव्यवस्ति १६ द्वार्यवायायात्रान्यः वर्षेत्राः वर्षेताः मुक्तामुक् क्राम्प्रकाथायल्यकायाया सुक्रिक्रक्र हे पारिम्राप्र प्रकर मः इस्यः द्युना वर्षेत्रः वरत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर् र्षेत्राकु रिने १९५६ तथा महिना स्त्रीता स्त्रीता स्त्रीता स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर

८५म ह्रथालयायान्यायह्रयाम्यस्याक्षयाय्यायान्यस्याय्यायात्रायाः । १,४४५७७व्यायान्यस्यायाः भ्यायाः भयाय्यायाः विष्यायाः श्री

 ठव्रचे चुन् स्त्रा त्विन स्त्रा त्विन स्त्रा हिर्ष त्वा व्या विकाय निकार्ष त्या विकाय विक

मुःशःतर्द्दां व्याक्ष्यायायाव्यात् व्याव्यायायाव्यात् व्याप्तात् व्याव्यायायाय्यात् व्याप्तात् व्याव्यायाय्या व्याप्तात् व्यापत् व्यापत्यापत् व्यापत् व्यापत्य व्यापत् व्यापत्य व्यापत् व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्याप

देते'तुकाव'णुयात्स्वाव काळेंटायाधेते'कुगळळे'यादेव'याके'येव'तुगगा र्बदः चर्रे रेत्र र्वं तथा रदः नै या नृत्यं त्रे त्र त्रे सु हिंद् ग्रैका [किया] के १९ त्यहे इत् भ्रेचा भ्रेचा प्यस्ति हे द्वारा स्टाया द्वारा है रामु स्वार्था के स्वार्था स्राप्तवाच वार्षाची विकास प्रमाणका हित्या वेटाती। कि वा अटा पाटी अप्ति हैं से स्राप्ता ढ़ॖऀॴ.वऀट.घॴ ११८.त.वेंबे.इभ्या.व.डा ४८.वु.४८.४.५**.५५८.त.** चुेित्रपास्त्रवाच्यान्यान्यात् विस्वत्राचित्रवास्त्रां देरप्तेत्रप्तां कुेग्वस्तरा पाला पालप्यादादी वित्रिःश्वीत्राः शित्राक्षेत्रात्वे क्रिया वित्राहे त्राति वित्राहे त्राति वित्राहे त्राति वि <u> इ</u>र. त. ते. ४ ट्रे. लूब. ट्रंब. ॐट. त्या क्ष्य. ४ ट्रे. ५ त. वे. १ ८ ट्रे. ५ त. वे. १ ८ ट्रे. त. वे. १ ८ ट्रे चेत्रकृष्ण्यः सम्बन्धः । विक्रान्त्रः । विक्रान्त्रः विक्रान्त्रः विक्रान्त्रः विक्रान्त्रः विक्रान्त्रः विक्रा वय। अन्तिपर्णेयानेपानितायय अन्तिम् अर्धरावर्षत्याने स्ता Ҁ॓ॱतुॱधुन्'ऄ३ॱय़ॺॱदेॺॱदेवॱसॅ'**ळेॱॵ**ङ्क**्षे**'श'ऍ॔॔॔॔ॱ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ड़ॎख़ॺग़य़ॱ३ढ़ऀॱॺॕॗॱय़ॱढ़ड़ म'खुब'ढ़ॕऻज़ॺॱॸ॒ॸॱॡज़ॱय़ॱॿॖॎ**ॱॴॸॱय़ॱढ़ॏॴॱॸॆॸॱ**ॸॕॺॖॱॺॎॱঢ়ॖॺॱय़ॱॴॾॕॱय़ढ़ॱॺॗॆ**ॸॱ** पते भु ने पार्वे द्या यदे च्चित । तम्ब प्राप्त का क्षेत्राय पहिताय प्राप्त का क्षेत्र । या विषय विषय विषय विषय **ग**र्व प्रस्कारम्बर्ध के दे बहुव सुर प्रक्रिक मार्थे। दे हिर दश र्थेद पर्ना ठग्रायाके लाख्यायाः देवागुरावका हे प्ररामक्वी पा[(वरा] **घुवामा** ५८। ब्राचित्रीकार्टाल्याद्वावस्थास्ट्रसान्। स्रावित्रीकाम्बरह्रासा

ङ्गं छे । वेन व्याष्ट्रां प्रदेश वियायमा स्याञ्चया वर्गा महिना नेया विषाः मार्चा व्याप्ता विष्या स्थान विष्या स्थान विष्या स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स् ८१५,वीत. कुर्य. विचान्य विचान द्धारी प्रेम्प के प्रमान स्वापन स त्त्रीट क 'ने पार्विक म्लिन कामके **'ब्**र्या का केंद्र पार्ट के का पार्विक स्वर्या के का स्वर्या के का स्वर्या के का ぺ्रहेर प्राचेर के खेर प्राचेर के का त्राचेर के त ण्काके पार्वपार्व प्यर प्रतार्व का के खूट प्यर खुर है। देर स्व के कर प्रतार का वया ब्रैरा मुदाया द्वार देवा स्वार स हैक'पन्ना नक'श्चरामा क्षे'रि, निर्मुक'स्व'रि, निर्मानीमा से स्वार है। स्वार मृहेश्रास्त्रायान्दामुगळन्यहे भेतानुग्यदास्त्राक्षेरयेग्यान् णु८ वित्रायर पत्वा चीका नर्देवा के तिरा हे। वित्रा चीका वा वित्रा इट.क्ष्य.पीर.पंत्रिल.प.८ट.। श्चैब.घष्प्रथाबाह्य.श्चि.श्चि.पीट.बेलका.श्चे. त्त्रियः नः न्या विष्यः क्षेत्रः विष्यः विष्य क्षेर्रन्यायार्दा ह्युन्यसम्बन्धा पर्वुन्यस्या न्येश्वसायाः स्वित्रस्य यःत्रेत्रतःकृरंचुःर्ददःत्रह्नरः्याः त्रोते । मृद्धदःकृतःत्राक्षरः र्यम्यः यायम्यानुवान्द्रवास्वार्वात्वान्द्रवास्वान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवा
 פֿריַשָּׁירֹשִׁירִישִׁישׁירִשְּׁיבִּייִשְׁירֹשִּׁיבִישִּׁישׁיבּאַיַּשַׁיבִּאַישַּׂיבִישְּׁייִרִּבּיוּ שֵּׁפְּיִרְבִיפְּרִישִּׁישׁיבּאַזַיַּ
 ୩ଶ୍ରଧା ଖି.ମ୍ମି.ଜ.ଅନ୍ଥ୍ୟାରି.ଘଡ଼ିଥ.ଲ୍.ଧ୍ୟ.ଧ୍ୟ. नेवाने। पर्यवायान्दायर्भवायायहेन्यहेन्दुःक्षायान्दा वर्षेदायादवा है। शक्र र. हे ब. हु ट. ट. च छोषा हो केंट्र हूं स्वर है स्वर है स्वर है व स्वर है व स्वर है स

वृ. प्रसःश्ची व. प्रतिस्तानिसः प्रदेश [सूर] स्त्रा चि. स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् ने ने सर्वे व सर्वे प्राप्त नि में ना नि मार्स ना नि स्वार नि स्व

<u>ॻॖऀॱज़ढ़ॹॱज़ख़ॖॹॱढ़ॱय़ॿॖ</u>ज़ॹॱढ़ॹॱऄक़य़ॱढ़ढ़ॱॻॖऀॱॸॕढ़ॱॸॖॱॻऄ॔ॸॖॱढ़क़य़ॱज़ॺॕज़ॱॱॱॱॱ महे बैट रु पबुन्य र्सा है पुरस्य प्राप्त मुं करिनी सुमारु सम्यास **इ'इब्ब्र'कु'र्द्र्व'ब्रह्ट्र'** न्णुट'स्'नकुर'य'र्ट'म्बुर'ग्रेब'यहे सु'कर् देश। कुल[,] च्राचायल, कुल, कु. अष्ट्राचाय थ. थह्य। प्राप्टाच्याद्वाप्टाचा मर'रु'ग्रह्म। प्रमुट'स्य प्रमुश्रियामा स्थापकु खु कुव रु। दे व य श्रेव म्। ट्रे.वयापाकुःलालुलाटुःलास्यान्। ट्रे.वयात्यानन्यावय। त्रुदेः कुल'र्य'निहर्मवुर्मित अळ्ट्र'निव्यार्सिस्यकु'यहर्'र्र। दे'व्यायान्हें ता. बुचार्टा अवर. तू. श्रेर. मैर. मैश. मै. त. प्रचिश्याता मिश्रा स्वापारा स यःम्कृतःगुत्रःयद्वःस्दारत्त्रःगुःसुरिःतुःख्याय्यावःस्तायःम्बेन्तावना 로그램·플리·플리·크리리·크리 집·성스·플·활리·크리·홍리·필·투리 लराश्चराद्वराया पहुराया तुमाराता सारिया द्वराद्वराद्वराय केरे हेन द्याक्षात्रायानबुनायाक्षरातुः सुवादारान्यान्याया ्**अ'म**'क्रर'त्भें'र्देव'वर्दर'र्दे।

प्रदेश,रेचाज, क्रीय, प्रदेश, प्रदेश,

महि हेद मार था पनी। बेस बुस पसा पर्स सहद र ८ र स गी जिस दसा ॺॸॺॱॿॖॺॱॻॖऀॱहेदॱ॔।ॗ॔ॻॿॖ॔ॸॱॗऻॸ॓ॱढ़ऀॸॱ॔ॺॺॱॿॖॸॱॻढ़॓ॱहेदॱड़ॗॺॱ॔ढ़ॸॎढ़ॱ हेदः मृष्ठे अप्टेप्पकुर्णीयप्पाद्यावास्त्रम् वास्त्रस्य प्रस्पाद्यात्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् बेबामाता द्वारा प्राप्त प्रमानिक विकास मिल्ला में प्रमानिक प्रम प्रमानिक प् **ग्रुब**र्यरे 'झु' इबक' गुक्र 'हिर' हे। अर्केर 'हेर' पुक्र य' र 'झु' स्वक्र गुक् जार्यामनुवासनार्धकायके नार्के वापक्षिता विद्यापित स्वास्ता विद्यापित स्वास्ता स्वास स **बर्ळे ५** 'हे व' बे ब म्म मार्थे ५ 'दें। दे वे 'मु द ख्व 'से स्वार प्रते 'तु ब ' से व मसामुद्दाक्याक्षेत्रस्य स्वर्थात्राक्षेत्रस्य स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स **ण**वदःपः देःशः अर्केदः हेवः पुत्रः हेः अर्केदः दे। ज्ववदः प्यदः क्षेत्रं प्रुणित्रः अद्यदः **८**विच'तु'खुन्यःबॅ'ॡ'चकु'य'ह्युय'यदे'छुन्'येद'न्दर'द्रय'दे'य'यार्केट्'हेद'' पवित्याने'यळें द्रायाचे द्रार्दे। कुलायाम्बन्याचा वर्षेत्रायहे प्रवेता के म्या ण्टा ५७ मु छुन सेर खुन व स छुन सेर जी अर्के द हे र अह द दें। **৺ৼৣ৸৽৻৸ৼৼয়ৢৼ৽৸য়৽ঀৄয়ৢ৽ৼয়য়৽৸৽ৼয়য়৽ঀৼ৸ঢ়ৼ৽৾ৠ**৽৽৽য়য়য়৽ঽৼ৽৾ঢ়ৢয়৽ [पःप्रॅंट'मरे'रुष'स्। सूणु'णुर'केष'शसुट'मरे'र्देष'रु'য়ॗ्।शमरे'स्प्र'सेष् **ল**বদ'ৰ অ'অৰ্ছন'ন'ত্তিৰ'ৰ্ছা পুলু'ৰ অঅ'নন্'ন'ন্ন্ৰ' পুদ' पचेर्'गुष्मर्केर्'हेर्'मुर'म'दे। मुर'क्षप'सेसम्'र्मत'र्गत'युम'लस'म्बेरस् <u>ब्बा पर्सर्भ्रुंबसः लामुँदापते र्यसः श्री मूँटापते सुप्रांचेपसः भ्रुवासः स</u>

दं वुन् प्रम् विवासिक्षा व्याम् विराष्ट्री द्वित्तु द्वाराय विष्ट শ্বাবান্ন বিশ্বা द्रिः प्रेरः इंदः कृत्रेर हिवरः चरः प्राया सुते कुता स्रा **রুবা**-বার্থি-চথা हिरामका भुष्तित्वाराम्याम्यकुःमेवान्याम्याम्याम्या **७न।** पक्क के त्र प्रतः प्रतः प्रवास विकास विका म्ब्रुग्राह्म सत्यामुखाद्या भेटार्झेयामुहेराक्यादाप्ता हेटा र्म्यत्नाः स्वाप्तः प्राप्तः प्राप्तः विवारः श्रीतः त्राप्तः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः दं क र्टा झेव प्टायर पायुम स्चिर व या रेव पार केरे पाविंदायर हु गया व या प पर्रम स्व रत्याया इत्यापते पुरासी कुला मिक्के प्राप्त के सम्हिर सुत्र पविषानि। धेलामुलामापविष्याम्बराहि। रहारामी सकें प्राप्ति ॻॖॺॱॸॖ॓ॱॺळॅॸॱय़ॱॻॖऀॸॱॸॕऻ*ॱ*ॶॺॱॺॕॺॱॻॖऀॱक़ॆॸॱॸॖ**ॱॺॸॸॱॻॺॱॷॸॺॱ**ॺॱॿॖॸॱॻॿ॓ॸॱ पर्ट्यावयायुगावाप्यस्यायादे। ध्रेसाक्ष्याम्यस्यायादेवा बह्र-दो बळ्टायर मुन्दिं। बायर मुक्षेया दे प्रहेषा सुरबळ्टा हेव भिवा ला नृत्त्वरव्यक्ष**ा गुरुवर के देवर विवर समा क्षेत्र गु**र के स्वर विवर विवर विवर समा मर्भ अर्क प्रमेष के अस्य अके पार्य के प्रमासेय मुंद रहता दी बुन'यते'न्यट'र्ये' शुरद्व' शसार**्यकाव साह्यराजुनसामा**यवेव'यते'नुसाह्य **ढेबवःबढेः**मःपदिःसंकिष्मःसःदेश्यःबर्हेदःदेग्द्वाःस। देटःपद्मेयादे भूदे विस्तान विष्णा गर्दा स्यास्य गुरुषा व साम्या बेदे देवा साम्याम्या मार् पत्र। भुगारुटःकःपक्तुरःरुःपर्गत्रःवत्रःप्तेव निवा **गवतः**रटःरटःश्रंश्रंरुः अक्रॅंर्'त्य'अ८'र्य्यमुब्र'य्यर'चुब्र'र्वे| **नुब्र'वे'र्वे'**य| **ॐन्**बेर'ल्ले'तुब्र' ॻॱॸऻॷॺॱ፠ॖऀॿऀॱढ़ॺऻॎॿ॓ॱॸॕढ़ऀॱक़ॕ॒ॸॱॸॖॖॱॺ**ढ़ॕॱॱहॆढ़ॱ**ॿॖॺॱॺ॔ऻॎॿॺॱॿ॓ढ़ऀॱॿॖऀॶऀॱॿॕॱ

स्थान्त्र अप्तान्त्र स्थान्त्र स्था

ममाञ्जीयापदानिराधवाया भूगानश्चरावयवयामा प्रवाहरा इंस्प्यां अक्षरं रवतं तसुर कुं स्त्रेर तया । स्वरं के रतसुर विवरं पर्देवा लाबुबामा पर्नाताम्नावार्याखारायाच्या क्षेत्रावर्वराम्। पर्नाता ब्रट.चू.पश्चेर.वैट.च.षा वटबा.टविष.च.टु.४टधु.विट.४खबाब.वर्भेर.बै. ्रं ८४.भी.पाञ्च पत्र, पाञ्च ब. ८ स.पाञ्च पत्र, ८८। च च स्थापा ८ ६ स.८ ताला धुना द र्हे हे त्य अन्य या चुट छुटा येयय प्रायत इयय प्राया १ व व्यय प्राया पर्द्रमायार् म्याप्त्रम्यायां स्याप्त्रम्यायाः निराम्चेया लब.रे.पश्चर.पश्चरं के.पज्ञ.प्र.पं.पश्चरत्त्रं बेंब्य.पथा रबाचनुषान्। पर्वमास्वारत्यागुवार्ष्वमायराचबुनवान्या त्रीमरा पक्ष्यस्याया पर्वस्यात्वर्षात्यात्वे स्त्रेत्रात्वे प्रमाने प पर्टात्राचेत्राचेत्राप्तित्राः हात्रार्ट्रार्ट्रार्ट्रां प्रहेत्राचेत्रा पर्ट्रा **ॡर'८**५२^११५'ॻॖऀस'२म'म्बस'सहर'दया _ଅट'मॅ'के'घल'प्टेरेस्ट्रेट'रु**'** पंबियां व य. ट्रे.ज. में ट्रेयां सिंज. व व्यं. ट्रां प. ट्यं. पंचियं सिंज न्रात्यवास्याळेन्यान्ता र्यास्यास्यास्य स्वास्यास्य स्वास्य स्वास् मुे'म्नम्'नबस'मुब'बे'ष्ट्रन'म'५८'नठब'हे'क्चेब'यद'रु'नक्षुर र्दे। देर'बघर' **८**ष्ट्रियाची किपास्त क्षि. २ त्लाव र ८ व्रिस् र ८ ट्रा पठका प्रवास र ता झार तव र मी नैयावार स्था ক্রীলে অক্থ, নু, দ্ধ, অন, সু, দে, অসু, শ্রে, ক্রীল এ, দা, অন, সু, শ্রের প্রা विमाप्तः अकॅरायापापापु अत्रायाम् विषार्था मुलार्थाया मुणाया विषार्थाया मुणाया विषार्थाया मुणाया विषार्थाया मुणाया विषार्थाया मुणाया विषार्थाया हे[,][[बैब-रृ:]]८८.त.भुैब-बब-भूब-गुब-वुब-मब-[[८८-म:]]**६न**'म् श्लेब-हे।

यम्या कुषापर्वे वाष्ट्रवा तिन्या के या झा निमान दि । प्रते हे**वा व्यक्ता हेवा ।।।** चुँबर्द्धलर्द्धी लिबरचुंद्रश्चलर्टी चीलर्च्यर्ट्स व्यवसंख्य चीतात्तरः स्री**रुधितसः** ⋣ॖऀॱय़ॖ॓ॱऒऄ॒ॱ<u>ऄॣढ़ॕॱऄॣॴ</u>ड़ॴॱज़क़ॸॱऻ<u>ॖ</u>ॸॾॎॴय़ऀॱय़ॖऀॸॱॻढ़ॱढ़ॣॕॸॱॺॺख़ॱॸ॔ॸॱॷऀॿॱ देहे.हब.दे.बु.कु.कूचे.ता.लब.लो. टेव्हेच४.बु.चेब्ब५.**ळ४.५**८.दे.कूटे। ५८.**व.** परे नवारा हिराकी प्राचीया वराहेचा सूर्या हुया स्थाप हुया स्थाप हुया हुया स्थाप हुया स्थाप हुया स्थाप हुया हुया 5.ल्.र.त.बुचा मैंट.च.ला ट्रे.हे.केल.क्टअ.त.ल.चंबट.वं अ.क्टअ.इक.के. **ढ़ॖॱढ़ॺॺॱॻॖऀॱॺढ़ॕॸॱय़ढ़ऀॱहेवॱॺॾ॔ॸॱॸॕऻॱॱॻॖॿॱॸॹढ़ॱय़ॕॺॱढ़ॿॱॸॗऀॱॸॎॸॱख़ॖ** म**हे न्या**यादेग्हायराहर्देदावयाहर्या ह्या ह्या हिस्तु खेरया नहेना ॲंटार्टेंग दरा **ॻ्राम्टा** किर.धर.भ्री.२.धियातालिश.घषु.१.१५.५ विटस.घषु.२४४४ **ऄॗ॔ॸऻॺॱॻॿऀॸॱॸॕऻॺ**ॱॗॎ॔ॻॱॗॊॻॸॖॖॿॱॻॸॖॿॱॻॿॺऻॱॻढ़ऀॱॸॖॖॺॱॹॖऻ ऄॸॱॻॿऀॿॱ<mark>ख़ॖॿ</mark>ॱ **ঀৢ৾ঌ৽ঀৢঢ়**৾৽য়৽৻ঀয়৽য়৽ড়৽ঀৢ৾৽য়৾ঌ৾ঢ়৽ঢ়৾৾৽ঢ়৾ড়৻৾৾ড়৻৻৻৽য়ঢ়৽ঢ়৾ৼৼ৻ড়ৢ৽ঢ়৽ড়৽ **ॻऀॱॺ**ॾॕ॔ॸॱहे**ब**ॱॸॖॱॻ॒ॺॺ। नेॱॿक़ॱॸ॓ॱॿड़ॱॺड़॔ॸॱय़ॱड़॓ॱढ़॓ढ़ॱॸॗॺॱढ़॓ॱय़ॺॾॕ**ॸॱ हेद'रे'प्रेंदा** ५८'मॅ'ल'ॐपरे'**प**रीपव'ॐबर्ळे५'हेद'वेब'पुटा प्रहेब'स चुदः**ढ्य**ंकेब्'सॅदे'अकॅद्'हेब्'बे। अ'म्'क्र्'चुदःख्याहेब्'तुं'चुर'बे्बाचु'म्नेदे

सर्कें द्राहें वा व्यामा श्राहें द्रावा द्रावे वा विषये द्रावया विवादी पदे'अर्कें र 'हेव'र्षेर्। प्रुअ'य'र्पाया'प्रा' भेष'र्श्व'यार्ष' (णुै') अर्केर हेव' खरराष्ट्राश्चेत्राच्यात्र्वेत्राच्यात्र्वे पावेत्राच्यात्राह्यात्रे प्रत्यात्राह्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्र विष्याच्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे पस्तायते अर्केन हेन दी अहतानु र्षेन्यम सु हे न्यायम सहन के अर्केन हेद'लेव'पुर्र। स्'म'र्मल'सु'लव'म्मव'महे'वर्केर्'हेद'दी मूंट'हेर' न्याया हिन दे देवा दे दे वा स्था े हे या यह दे वा मुख्य है से प्राप्त कर है वा दे वा मुख्य है वा स्था मुख्य त्वापार्यस्यान्त्रेरार्द्रप्रवारम् ने स्तुवारम् केषायाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषया भ्राकेरे १२ तु न चुन प्रमान सम्बाधित सकेर में न जिल्ला मुह्य विकास मिल्ला मिल्ल रियाता. प्रयानी, प्रमूर प्रायम् र खुट . प्रयानीता की . टर्य . मुराता (सट सानिस की . . . त्वात्रायत्यापारेवा सूराविराङ्गायकूची,ये.की,त्वाप्यायप्यापुःशकूरं हेद देया मुर्ता मुल सकद हिर प्रतिस सु गुनिस परि सकें दे हेद प्रमु र गुनिस त्मं पा द्वारा गुर्मित् वस्या म्या मार्थि हेव सहि दे।

श्रेष्ठ केंद्र केंद्र

बुबारु रह 'वासुबाद 'बे 'हैं वा'रमा कुबा ५८ मा वहाँ। वालद 'यह यह साम का ना कर विवानुगम्हा वेरासुग्वामवेरार्झ्यादी विवा वामा इत्वानु केवा पर्व वासमा बरहुनार्यदेखिंदा भूरबालादाक्षातार्मा अस्तिमः भूति वर्ष्यादार् परिन्द्री सारहितातास्त्रहें तामिता स्वाप्त मानि के तामुरामु साहिता हु से का बरहर्न् बेर्क्षेट्रम् कुष्णुलाबरबेर्न्स्हरेन्द्रर्ग्न्रह्रा चर्त्रावेरेखला व'अर्कें ५'हेव' हैं 'अ'स'यर स्व व'इर्दे। अर्के ५'हेव' दे वसर दे। दुस्य न्यु अ छै सम्बाकुकान्मा पुराक्ष्याक्षेत्रकान्यताष्ठ्रवाक्ष्याक्ष्याक्ष्या रट. स्टबः क्वाप्टा इट ब्रॅट केव प्रावद्व पर वेव पा स्टिश्म विवस ठर्'न्रबंस्या क्षेर्रा त्युंर्रा न्रेंर्'क्वेर्'र्रा दे'वार्बबंस म्हेर्चेर्केर्नेत्रामहर्मित्। बुन्याधुन्यम्बद्धान्यम्बद्धान्यम् पर्वे पंतर्या ४म् मा स्थान १ वर्षे स्थान भवान्यत्ता अर्थना विषया हिना हिन्दा स्तर चुरामे अर्के राहेवा वयाया महिरायी याययाह या ग्रीर्से हे है हो माया महैं कर् महैन र मुहेन र मुहेर सं महिन से महिन हैं से से सम्मर त्र्न् अः इत्रत्रः श्रीत्रः स्त्रः स्त्र कुरामना र्रेट्राक्षाप्टा वसामिति प्रिक्षा । प्रतिस्यासु सुटायटा सर्वेटा पःशुरा |स्रवाये द्वाया क्षेत्राच्या विकामशुर्वा श्रुपाया ग्रीन्द्रेत्र'वावर्षेट्र'पापटा। इवार्पाक्रें सम्भुते वक्रेंद्र हेवादी। पिटवायाष्ट्रपा मलेव् अ:२ेण् भ्रॅं 'तुर भ्रेन। **। इस स्ट्र** अह्ट 'ग्रे' क्रेव 'नक्ष नव स्वया । रहा

मकॅर् हेब पु ग्यम गा ने मा ने स्यापुरा चयार्ट सिट यार्चे र के। वार्ने र ख्याचे रुराविरायहाला कर्कराहेव परिचेरा विवादि । प्रस्था चुपारुट्वरायास्ट्राच्याञ्चित्राके। बेयान्युत्याने। वर्षेत्रानेवानेवायाः वित्रकेष्रप्रियोष्यात्र वर्षा केष्ट्रप्रताम् वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे ८**न**८रथस्नाटारुटारुट**्नेस्रिः**ट्रर्**नेस्रिःट्रेट्नेस्रिट्स्र्स्न** स्नियःस्त्रस्यस्यायास्त्रस्य बॅंग्चकुर्'निवसंप्रते खेर'री <u>रमल'</u>स्व'त्त्रसं सुहसंकुरसंकुरसंकुरसं ट्रिन्यायिक्ष्यायाः प्रमुप्याय्यायाः प्रमुप्यायाः प्रमुप्यायाः । णुडेना द्वरार्मा नृषा प्रति द्वरायाता के बार् ग्रीट बार्गा सुरानी र्वार खुना ८८.। ८००.५४.की.४५.की.८००.४५८.२५४.५० रदः द्वे व व ले वर र प्रें द में द र दें। अव उद द्वयम थ वेद के वेप व व व व विदादह्या चुना हेरान हेरान हेरा के दार्चा वर्षा मॅंदः ५ 'पङ्गव' धा द्वाराधिव' वें। पर्य ५ वसरा ग्री' बिदार दी 'प्य ६ '५५ र पर्य प्रबुप्यंगां र्वेग्'र्प्याल्डेय्'यर प्रवयाय द्वायर र्ग्नायय पर्वे प्रवयाय विव'र्वे। 🗸

हुन यह मन् म रूप दे विष्यु विषय है विष्यु विषय है विषय . ८८ म 'ग्रे 'मु 'र 'मु य' ५८ : म्या के नायाया सं नायाया नायाया विदानु 'रेट्' या बिलाक्नी, ट्यीलार विस्ताला, प्रतीट, त्राप्त, विष्ताची विषाची विषाची विष्याची विष्याची विषया विषयी विषया विषयी व मामबुन्यान्ते । साम्यान्त्राम् साम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त **美ॱผ**ายูลานาฬีราร์| ने'रहायहै या वा ते स्वाया दा हु रहा सामुही ह्या प्राया का माबा देहैं अप्तर्रास्ट्रां में बार्षिप् में। दे बार्सिस हिमासे समाप्ता माना **लम्ब.**४.च.ट्र.टच.चूब.चभुष.४४। ट्याप.बैच.पब.चबुट्या ट्र्ड.चेट्र **कुं हुं कु** पः कुं कुं प्राची वार्ष के प्राची के प्राच त्यःस्य नामः प्रमाणः पञ्च सः प्रमाणः स्थानः स्थानिकः स्थानः स्थानिकः स्यानिकः स्थानिकः स्थानिक कुटाम्नाय छेटा र या वा कें या में या द्या मही या में दा मान कि का में या मही से प्राप्त के का में के भिष्वेशायते वर्षेत्र हेवा के पा विषा भित्। ते प्तर हे पा व प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स **ቚ**5'ने। ने'ल'भे'क्स्मप्र'हि'यद'मळेंद्र'यर ग्रेदिर्'हें।

म्राज्यात्वर्म् हे म्रान्द्रची द्वाप्यास्तरित्दा म्रान्द्रक्ष महेर्द्रिटा हुर्ने सम्बद्धान स्तर्भा चुट्र क्वा विट्र द्युन सहेर सुरम् म्दर्वस्यात्त्वरातुर्देद्रायार्सित्। देवे हेदावाबर्केद्राहेव खटा ५ ४ व वैना^{रळ}र्पारे भैवातु 'ॐवुव'ॐसी रेप्पर्वे में विष्यात्व में केर् ृ इस्तरा सु'पलर सर प्रेता देखा रूपसु पा रूप प्राप्त प्राप्त स्वर्ष षुना'नार्वात'व ब'र्स्'हे'ना८व'नी'पर'र्धुनाब'क'र्स'न्नैर्ह्डवदी'त्म्बाबासकॅट्'हेव''' वैषा'मबुग्नाय'देर। हॅ'युव्य'व्यव्ययहे'ङ्केंद्र'कुर'मञ्जूर'ङ्गे। पन्पायाची पासम्बाधराह्मासायर सरसामुसानी सेमसाठवामु रेवा चुनाव र् र्रेन् रहका के रहिरानर में न विस्कारी कुष र्रेन् रहका हिराहिन म्बुट्यायायय। हुट्यचेट्यम्याययम्बित्रक्षाहिरावस। देवस लर्पान्त्री लर्पन्तुरावला त्वेषान्त्रमान्त्रमानुराहे। द्वरा मबेन् ने द्वार मुक्त मुक्त मुक्त मिल्ला मिला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला **₿**৵ॱॻॖॣॖॖॣॖॖॣॖॣॖज़ॱज़ॱॺॣॕॱढ़ॣढ़ॱढ़ढ़ॣॕ॔॔॔॔॔॔ढ़ढ़<mark>ज़ॱय़ॱफ़ॣढ़ॱय़ढ़ॱॾॣॕढ़ॱॺढ़ॣढ़ॱॴढ़</mark> 青可·元·元·成万·科丁

ने व अप्तु ना से र में मा निव स्य है साय है

चुनः ढ्वा केषव न्यत था छुन् त्र वा विति का वाकर्ता हेद्र दे दे प्या छुन् त्र वा

ने न सर्ट र ख्रें न स्वार्थ न स्वर्थ न स्वर्थ न स्वर्य न स्वार्थ

ॅ१ अ॰५७२४६२२७७। मुद्दा क्षुं नामान्यासास्य विष्यासाक्तु । अर्ळे । व्याप्त स्वाप्त विष्यासा **६**४.त. बुचा **५८.टो** । पञ्चाहेब ७८**८४.कुय.६५.छध.**४.८८.प**बुब.**२.होब.कुय. मक्ष्यत्र प्राप्त व्याप्त व्यापत व **बेब्'बॅ'**रॅर'व्'प्व'स्व'बॅट'रु'बे'ल्लॅ 'बेर'प'ॲर'पति'हेट'व'अर्केर'ण्वस्णी'हेव **ॻॶॻॱॡ॔ॱॻय़ॗॱॻॴढ़ॱॹॻॴॹॴॎॱॱॱॷॱ**ॸ॔ॸॱॷॿॱ**ॹॱॷ**ॸॱॻढ़ॱख़ॖॱॻॖॱ**ॕॸॱय़ॱ** डदःम्डेनःमञ्जूनसःस्। हरःहर्ःबेरःमग्रेग्मःदेखा म**ड**कक्दारद्याणुः भी. १८८. अट. १ अ.त. बिम् पर द्वित्व वि त्यं वे ताति व व व व व व व व व व व व व व पर्दर्भापते हैट दे तहे द तम क्षेत्र स्वयः पर बुग्या है। पर्दर्भी रस्य प्रे ॔ॻॱॸॖ॔ॱॱॷॖॸॱॶ**ॺ**ॱॺॖॖॖॖॖॖॖॺॱ**ॹॗ**ढ़ॱॺॺॵढ़ढ़ॱक़ढ़ऀॱक़ॸॱॸॻॱॸॗॱॺॻॱॗॻॱॱॱॱ व। 🛚 ह्र'कॅ'र्नु'ख'ॸ्'रहे'ब्ल'वसाहिन्'क्ससान्वन्'साहदेव। 🛚 ५८स'णुट्' विराक्ष्याःशेयसार्मारायः से शुवाः देशायाई रामायः विराह्मस्यसादः री सृत्वाः श्रुपाः है। कुँगान्दर्धे सुरकेदर्भाष्टरमञ्चलकाका देवतर्भ देव कर् **८ल्चन्यः**तः८६वः८्वतः पुरुष्टदेश्कृत्ययः स्टार्मान्द्रद्यायः प्रदार् **ढ़ॳॱॳॎॾॹॱ**ॷऀॱऄॣॱॻऻॷढ़ॱॺॗॻऻॺॱॺॺॱऻढ़ॕॱॸॕढ़ऀॱक़ॗॴॱ**य़॔ॱज़**ऄॿॱॾ॓ॱॻऻऄढ़ॱढ़॓ॺॱय़ॸॱॱॱॱॱ मुद्राद्वा धुनाव र्हे हिरायुवाया केव संदेशवनात क्वेद के मुद्रायायायुनाव है। पर्तर्रात्रा सुर्दरा मुद्दरा चुर्मा स्रामा स्रामा स्रामा इस्याकेट्याभेन क्रियाक्षेत्र हेनाक्षेत्र कुँचाक्षेत्र क्रियाक्षेत्र विद्यास्य

पाउट्गार् केव्रार्थ त्या केव्राय्य केव्राय्य केव्राय्य केव्राय केव्राय्य केव्राय्य केव्राय्य केव्राय्य केव्राय केव्रा

त्हअन्यत्याह न्युं क्व न्युं क्षुं वै। वृत्य धुं नाय अव व्यव्याव क्ष्य क्ष्य

디자'레윤도'루٩'옷'떠드'랜드'즉[

ঀৢॱ॔॔बःऍदॱसःन्देनॱख़ॕॖॱख़ॕॖॗ॔ॻख़ॱय़ॖॸॱक़ॖॖॸॱॻॖऀॱऄऀॸॱमेॱॹॱय़ॱॻॿॖॻख़ऻ पर्व स्म मासुकारा ता क्षेट्रामासुकारी दका [[या व का]]री दका या प्रवास गुक्राणा पठन्यापिः पुरानि । पुरानि । प्रानि । पर्वे सामापि । पर्वे सामापि । पर्वे सामापि । सक्रमस्वायकॅट्राहेवामे केरमामञ्जापित में प्रमाणित स्वीतामाम्याय स्वाया केरा **पतुषः समा**पादी पात्रा विमापतुषः तु 'झुषः से पार्तु सः परः मुदः कृषः गीः से दः सं म्बेन्यान्ते। विद्युत्तानी मेदार्द्रियानहेन्द्रस्यर्द्यापदेशस्य सन्त्रानी साम उत्गुहासदसम्बुत्रा सार्वेदसमान्दा नासूरापुदानालदारदीरायानहेता वस्यारुपायाद्वाते स्रुवापुर्वात्वात्वात्वारे वस्यायाम् प्रा ८म्रेलाचर'त्वृदाचर'वृद्र'वृद्राच्वावत्राद्री यहसामुक्षावस्रवाद्र'णुहादे' क्षेत्रामह्यान्त्रा देशास्याचाराईसाह्यात्राम्यात्रीम् मुळ्याच्यात्रीम् मुर्वनाप्तर। देते कुष्पन्य पर्वे अप्यापन्त में ज्ञानिक प्राप्त के ज्ञानिक प्राप्त कि ज्ञानिक प्राप्त के जिल्ला कि ज्ञानिक प्राप्त के जिल्ला कि ज्ञानिक प्राप्त के जिल्ला कि जिल् बार्नायि क्रिंग्यास्यम् विष्ट्रिया विषया विषय वर-व-पर्व अःल्व रवर्व ग्री भु क्र- खु व्य ची जोरेर वा जवा मु चु पार्ट र प्रमु व्याप मण्यायान्वरेषाम्बुष्या देवाहुः म् प्रतिः ह्रिटार्मा केदार्मा स्वर्णाण्या स्वर् <u>ริงสุขานวิจาสนาสานานานี้ยามีหาทุกกระเบลียามูชาสินานินานานานา</u> यावायकेंदाहेवाबेमार्थेदा

हुं त्युंदे कुल सं या प्रतास सुं ला कुल स्वास सुं ला यह सा स्वास स्वास

ृष्ट्रस्याम् हिन् र्ष्य्याम् हेन् र्ष्याम् त्राच्यात

दे'दश'द्रमाथ'ङ्क'येद'इ'द'द**्रमु**ट'सॅ'चडु'**म**हेश'यदे' झु'ळद्'चखुणस'' यदे'तुबासु'यह्नद्रयात्राम्बा महामायम्।यटाकेदार्यायसुप्यकी स्टा बहरणुरसुरसुरम् विष्यम् देहर्त्यसुरम् स्वरम् सुन्यम् विष्य खुॱबेन्नायायायन्नार्न्नायुक्याद्यापळ्वाये ह्याप्याया क्वियायायक्ताः ८८.अधूब.स्.तम्बर.क्.हे.पिट पशुचा.वथा.रअस.तर.विक.स्. ट्रांबक.हट. ढ़ऀज़ॱढ़ऻॱॱॱॹॺॱॸ॔य़ॖॹॱॹॖॱढ़ऒड़ॱॻॱढ़ऀ**ज़ॱ**ॸॏॹॱढ़ॖॱॹॕॱढ़ॕॸ॔ॱॿ॓ॸॱढ़ढ़**ॱढ़ॱॸॕ**ॱ न्द्रमूहेर्च्या पुर्वे प्रमुव्यायम्बर्धाः व्या प्रमुव्या केर्रिन् चेरा बेर'मय। दे'पर'र्धुगयासुरधेदारादा माञ्चरहिर**म्**राखेनादासा[स**र'}** नाश्च अ: ५ 'च' अर्थे द । विंद् र १ 'ब' बार विष्य देव विष्य देव विषय के विष्य के विष्य के विष्य के विष्य के विष म्प्र-इया. भ्रयाचिया चेरावया हेरला है कि. हेया ह्या हेर के.

בו־װּק־פֿדן בישאישָׁק־יַשָּׁיקַנּי מבּר־פָּנִאים הַיּשִּאישָׂן הַיּשָּאישָׂן בּישָּאישָׂן בּייּשָּאי बबार्च्र विरादे १९८७ द्वार विदाया दे कुलार्य राप्ता विदाय में त्याक्षाः कुलार्यते स्वतारु पाउवाक्षां सुत्रु सुवायारे वासूता प्रवितारु प्रवाय वारा <u>ः २,विटातकाक्षेत्रपूर्वाच्याक्षेत्रपूर्वाच्याक्षेत्रपूर्वाच्याक्ष्याक्ष्याः वृत्यम् म्या</u> द्वर्थः विष्यः प्रमुद्धः प्रमान्त्रः स्वरायः अविष्यः प्रमुद्धः यस व। ब्रिट.थ.भु.च.[हुर][ब्रुब्बा.लब.चेय.तथा ट्रेय.कंटर.केप.स्.धीय.तथट. ८५्न ब८८.८४.प्री.तर्थेत.स्था ८.मैल.त्र.४.८४.५४८८. ¥ॹॺॱॼऀज़ॱॻॕॸॱ**ॻ॑**८ॱढ़ॖॺॱय़ॱৠॣॺॱॳॗ**ॻ॑**ॱय़ऀॺॱਜ਼ॴ ८ॱऻढ़ॖ॔॔८ॱॸ८ॱज़ॱॿऀज़ॱॻॣॱॿऀ**ॱ** <u> चेर देश</u> ट्रेर ट्रेस कुल प्रायह रामाया वर्ष देश प्रायक विषया प्रायम है । न्ननः पञ्चितः स्वा नेते अळवः ष्यतः में 'चः सः तः **बे**बः मुर्दे। नेते 'चर्डवः सॅं 'न्यः ॔॔॔ज़ढ़ऀज़ॱज़ऀॱ॔ॾ॓ॱॺॎक़ॱॸॖॖॱॸ॔ज़॓ॱॺॖॕ॔॔ॸॱढ़ऀ**ज़ॱज़ढ़क़ॱज़**ख़ॸॱॿ॓ॸॱय़क़ॱॸ॓ॱक़ॗॺॱॸॕढ़ऀॱॷढ़ॱॸॖॖ चार्च षायया चावयाचाष्परार्तु ग्रुवाया भेचा चुषायु पठ राम है। पह रामेवा **न**शुत्र्या देते'तुसर्सु'द्वे'श्चॅत्युष्ट्वरम्। ता.ब्रुचः पधुः^ॾषः ४ व्रुरःषा अ.जि.चे.चः ख्रु**चः** क्र्यंतमा ट्रेधः **ब्र**ेचशः ट्र्नूटशः ला ८६ अ.वंधु, श्रीट. दें बेचे ता. कुरं पूर्वु, कूथ, र्यं त्यं त्यं त्यं वि लार्चरःब्रुच्यायगर्च्यताचुराचुराळाला नरार्धुन्याचीःस्राष्ट्ररायाराज्ञेता वि.प्टु.किंटे.एट्रे.ल.पन्नजान.बंट.चें.के.च्रा हे.व.वंबंबरल.ज्बंबंबरात्र्व. <u> २व.२. त्य.२८. र्व.त.४५५ क्ष्य.४५५५ क्ष्र.२.२.५ मु.५८५५ क्ष</u> लक्ष.चेंब्र.त.त्र्.त्वचेंटी हुवा.त.क्रवे.त्र.वाकुवा तथका.चारेब.तपु.चाठुवा.

है। है पु व व मार हैं प्रते मिले व मिले व मिले हैं में प्रते उद्दानातात्रुवाद्या स्रिनान्ताकेषाक्राप्तात्रात्र्वाद्वाक्रापाया बुकामका बुद्धान्यस्यकामबुद्दार्दा अद्मिःश्चरदेवान्वान बर्केन्यासुला कुलार्विर स्रकासुरक्षेपान्ता नहुनालनान्ता हैनायन श्चेषं प्राथम देश तर रची ता त्रिया हो। हे खेश ही वीष था प्रवाद सूर राष्ट्र ता ती सा จี| วิรานธ์จาลีาตัวเลียงเพรามีราหา मैव'र्'द्रचेक'री पर्द्रद'र्बरे'स्व'र्पेरे'रेक'र्मे'केर'प्रवार्वे। देर'स्वय'कुल' नु'विमापरवायान्दा वळवाणदारावायाविवायन्मवावा देरकेरा भुक्षाणुटः ह्यरावारहें दाववा त्यापदः महिमानी केंग्यहं दार्श्वास्था प्रमानी सुर्वे नार्वे से प्रमास सिंह के स्वार्थ के प्रमान सिंह के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स कुलर्याता बुरामा वृष्ट्रमा वृष्ट्रमा वृष्ट्रमान्यस्य हिना न्या हेरवह लामा ने रावस्य मान्य र्स्यामेन मुंतरमा मुलानु ने सकद नित्ति हिन मुं हुँ तारास्त्र न्यास लाक्रेन्यासास्त्रेन् साम्सास्त्रेन्यान्यास्य

प्रमा त्रिः नामा साथः भैषा पुःप्राचः प्रमायः है। ह्रिष्ट्रा द्रा स्वा द्रा प्रमायः भैषा पुःष्ट्रा स्वा द्रा स्व प्रमायः स्व

दे•दबः^हःद्वानुःदगुदःसःमञ्ज्यान्तेषःमञ्ज्यदःदेः न्रलाहा कुलामान्याकाराकुलाख्याचित्रहास्याविष्यान्यान्या **वु**दः**द्दर्ग देग्ल**ग्वदुव**ःश्रंग्यदःरुग्यदग्याग्यया** देग्ह्यवारायद्वराया **ॸज़॓ॱॺॕॖॸॱक़ॱॸ॓ॱॸ॓ॱफ़ॕॸॱॻऄॱॸॖॖॺॱख़ॖऻ** ॻढ़ॖ॔ॿॱॺॕॱॻऻऄज़ॱक़ॖॗॺॱॾॕॱॸ॓ऀॱॸ॒ॸॱऄॱक़ॱ निर्देशक्रिक्तान्याम् विष्याच्यात्राच्या विष्यात्राच्या विष्यात्राच्या विष्या **ॻॣढ़ऀॱक़ॖऀॴय़ॕॱॸ॒ॻॸॱॸॖॱॗढ़ॸॖॖॹॱ**ॗॿॺॱक़ॗॴय़ॕढ़ऀॱक़ॱॿॖॸॖॱॻॖऀख़ॱॸॖऀॻऀॱज़ॗड़ॿॱख़ॕढ़ऀॱॱ হ,ব,৬র্ন,ন,টু,য়ৢ৸,ঢ়ৄয়ৢ৸য়য়ৄৼ,ঀয়৸ য়৾য়য়ৢ৾ঽ৻ৼঢ়ৢ৻য়ঽঀ৾ঀ৾য়ৢ৸৸য়ৢৄ৾৴৻৸৻ঽৢ৻ इनि १ वर्षे नमहार्चा प्रदेश स्था स्था स्था स्था स्था देश देश हो बार् किया र देश हो बार किया र र र र र र र र र र र र र र र र पदुवः संग्रायदादिः तुरकन्या अपायः विदायः विवायः बेरारी पर्वन्रसाथानु मुस्यापिते केता स्वाप्त मुस्यापाया देवा मुस् ने व का के रहा भुवाया ना हु ना अना मिला यह सका सरा अहे ना **विश्वाया** क्षेत्राका प्रतिराज्य अस्त्र क्षेत्र प्रतायक्षेत्र । स्वायक्षेत्र प्रतायक्षेत्र स्वायक्षेत्र स्वायक्ष **बबः** ने प्रचः स्वार्योबः तिष्ठाः हे। ने प्रवारः ब्रह्मान्य देनः के वाबः विवारे वेरः इवसःग्रीसःसहःदेग्पर्नापन्तसःमन। स्वाःग्रीहःस्वाःस्ट्रार्म्नासः चुत्राकें ते प्रम्मेश्वराष्ट्रा हेरान् हुन्। सन्। प्रमाणिता प्रमाणिता स्वरामिता स्वरामिता स्वरामिता स्वरामिता स

देते'तुबाद'क्वियाया'या'या'या'या'या बाह्य से दे द बाद मिंद स्वर्के मा या या केंद्र मास्या न्द्रश्चित्या हिंदा केदा में प्राप्त स्वापिक मास्या स्वापिक मास्या स्वापिक मास्या स्वापिक मास्या स्वापिक स्वापि भूट. क्रेम.ताल.ती.तय. तथे व्याचा विषात्र. ट्याट प्रापठ त्ये ह्या तह सी. कन्देर्यमहेन्याचेन् हिन्द्रम् देवा कु के प्यमहन्दे। नेहर के व्या हिन्दर इ भेव 'हे दे है रेयाय सु हे नव है । क्या में व प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त है । क्या है । क्या है । क्या में हैं। विद्यायम् विवादायम् व व्यथः १८ त्याँ त्या कुल प्रस्ता स्थापाय स्थाप स्थाप स्थाप हिता प्रस्ता कुल प्रस्ता कुल प्रस्ता स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स **4山.**山.朝어.紅노.ヒ.어.葡.以**知如.**24.너.Ư리去.칍.私ヒ४.単去,Ư茴と,ㅂ.나오. **४४.वे.**त.लूट्रेय.ल.वेश.के.वेशय.तीश्वत्त्रचेश.वेश.वेश.टेशचे.चेश.चेश्च लन्। विष्युन विष्युन्यः प्रस्थः यरः चिकायमा विष्युन विषयः विष्युन्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः के'ल' व्यवसंस्थितसंस्था हेर्'ल' ईंट' मुँग्बर्'र्ग्बरम्य। विर्'गुँ'र्सम्'र्स्ट्र के.प.च.ठुचे.प2ट.तर.बे.वे.पपुर एत्रुवे.लुचे.प2ट.पथा की.वचा.ची.केल. **प्यानः प्रचान्त्रा** <u> विदःसुर्भिरःयान्त्रीयान्त्रीयाञ्चर</u> इत्यायते म्हा ५५०॥ **रेदॱमॅ**ॱळेते'सुअप्यायार्श्वन्यायार्थाम्बद्धनानीःद्यात्रुक्षुकाळेदार्यायदाम्बुक्यागा

प्रहत्या हे.श्चा.पश्चरात्राचेययात्राचेह.खेथातह.एत्र्येय.टटाञ्चेयाचेहाते चुल'र्म'ङ्ख'म'लब'र्ने'ल'कुेद्र'पुक्ष'द्वाद्यसुष्टेर्म्बाचेर्'यङ्ग्यर'पुकार्क्ष। **द्ध**' विद्रायदान्य विवास यहात्री प्रति मुग्यदार्थे प्रवासी होन्यायमा साम <u>ঀ৾য়৽৸য়৽৸ড়ৢ৾৾৾৽৻৸ৼৄৼ৽ঀৢ৽য়ৼ৽৻ৢঢ়৽৸য়৽ঀৢ৻৽য়৾৽য়ৢৢঀঢ়য়৽ৢঀৢয়৽ঀয়৽৸য়য়য়৽৽৽</u> ॱॿॖॕॿॱ**य़॔ॱ**ढ़ॺॺॱॿॕॗॱॿॺॱख़ॕ॔ऻॱढ़ॸऀॱढ़ॺॺॱक़ॗॖॱॿज़ॱॻ॔ढ़ॆॱड़ऀॿॱऄॿॱॻख़ॱॿॖॗ॓ॿॱ . तव के व मा तर्दे न नु प्रेंट के का के खुन साम के मा चुट प्र या दे व का नु या तव ण्डेन्।व्यक्तिव्यक्तिक्तिःव्यक्तिक्तिःव्यक्तिक्तिःव्यक्तिक्तिक्तिःव्यक्तिःव्यक्तिःव्यक्तिःव्यक्तिःव्यक्तिःव्यक्ति ॻॖऀॱक़ॗॱॻऻॸॱक़ॗऀॺॱय़ॕॱक़ॕॺॱऄॗ॔॔॔॔ॱॻॺॣॺॱॻढ़ऀॱॻॸ॔**ॻ**ऻऄॕढ़ॱॻॺॻऻॺॱॻॺॕॸ॔ॱॺॺॺॱॸॺॱ पषु.रपाता क्रांच्या द्रवाया क्रांच्या व्यव्या तबट.ष्रकृषो,र्वे,४ष्ववाधाताःक्वी,बोरातीला <u>कू</u>षात्रयाथाऽरह्ने,ष्रवेट,कूथाःश्लेटा अटल'पन्न'अह्ट। पर्श्च-'व्यवस'ष्ट्वि-'र्-'लयनव'यर्न्न'र्क्षनव'र्श्चेल'ल' भ्राम्यक्षरम्द्रे बुद्रक्ष्यरिष्ट्रराध्येषरम् ८न्नेयापयापत्र्याप्ते मान्यायापने वा व्या छ्वापरे खेववार्से करासाम्याया ८**ष्ट्रिट्या** पश्चर्ष्वयथा (मृश्चम्पादेरे) [[वर्कर्मव्यादेव मोत्रवाहेव मोत्रवाहेव मोत्रवाहेव मोत्रवाहेव मात्रवाहेव मात्रवाहे बेदा चदमादी सम्बन्धा बचका गुरुषा वर्षा च नवा सुला दुः क्रेवा र्ह्वा **कुै**'म**र्श**न्द्रस्य प्रस्पाय प्रस्ति द्रस्य प्रस्ति । स्त्रे विष्य स्तर्

ब्रेन व बार भी क्षेत्र है। क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मुक्ष क्षेत्र मुक्ष क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मोःबर्ळे**रःम्**वसासम्बद्धसाङ्खसाङ्गारकी व्हेमानेवारियादिसा या**ञेन।** अ**ठॅन्या**न्याम्बन्न्यनुम्यायायाय**ठेया**गुमा म्हादे**गान्र** দাβকান্স'ম্মাক্র কুলুকাβন্'ড়ি'ড়েম'। ক্ষেক্ত্রকাβন্'ড়িকাম্নাচু'দাবক' भूटःबटर**ःम्ब्रलः**चरी भुःम्इन्बस्बट्बःकुवः१८८ःबश्वःधःपरिी **ग्टः** ଵୖ**୴**ୖୣ୵୲ଊ୲ୣଌ**୴**୲୵୕୕୲୶**ୡ୕୵**ୢୠ୵୲୷୲୕୕୕୕୕୶ଽ୶୕ୢୠ୕୶ୢୖୠ୵୲ଊ୲୶ଌ୕୵୕୵୕୕୲ୄୄୠ୵୳ଽୄୄୄ बेदा देखेरप्रदर्भाययप्रदेशसङ्ग्याय सम्यामुनाकेरपुरिन यरार गुरावराषा दे ' भ्रेर 'द्दाप्त मारा हेव ' येत्रा सर्हिता हिन्दे प्यत्नार्थायहे प्यरं चुरःयवावा हिन्छे प्यत्रात्रुवा विन्छे प्यत्रात्रुवा विन्छे प्यत्रा वा नन्मामी सर्केन्यम् साम्रिन्यान्ययान्य मन्त्रीहा विन्यी साम्रस्य साम्रस ५मॅ र् व होल पर अहर। वेब हो त्वाव व स्मु नेट हेरे हेट रु पबुनव सु म्बल्पहे। ऋसामालान्यसम्बेसान्नाबदाचेत्रामय। हता ८८. त्र. की. श्रम्ब. १४ व. ५१ ५४ व. ५१ व. ५४ व. ५१ 소령국·휣드저·다·영국·디제
두 도쿄·국제·필리·지·전·크·교·중지·종도· ८४८८८ पाल्य प्राप्त प्राप्त का क्षेत्र के स्थान स <u>५ नुष्यात्राम् कृषायते सुर्वत्रे नुष्यत्र से पविषय्ध्य स्वर्यः स्वरं ने प्रतः ५ न</u> श्चिरः अर्देवायायहेवायात्वरेवा अर्दे स्टेरियायात्वरेवा यद्यायायहेवाया मुरेन वेनामा केत् मानामहिन दे द्वाया हिन्दा महामान केता . ॻॖऀॱॾॖॆ८ॱढ़ॺॱॾॗऀढ़ॱ॒॔॔॔॔ॸॴॱॸॖ॓। क़ॗॱढ़ॴॱक़ॗॺॱॻॕढ़ॱॶॺॱ॔॔ॖॱॴॺऀॴॺॱॺॕ। ॺ॔ढ़ढ़ॱॺढ़ॱ

स्वा क्रियां के व्य क्षेत्र कष्त क्षेत्र क्षे

त्रिष्ण्यायात्रात्ते प्रति व व प्रति व व प्रति व प्रति व प्रति व व प्रति व व व व प्रति व व व व

८म्थानु पु दे '२ग्'पठॅ अ'स'म्द्र'विर'पठ अ'स'सु हे न्यानु कॅन्यानु अ'सूट' **हिराविरायमा उवार् प्रिमा संस्थाय है साम स्थाप है साम है वा साम ह** द्यायकारत्यापार्वे क्षायम् प्यताको पुष्या व त्यक्षित्या व त्या व त्य देते'तुबाखु' वृ'रेते'सु'षद'त्वा'प्ठॅब'पकुत'वि'तृद'यठब'य'र्ज्द'विर'ष'''' <u>न्न</u>हे चन्**न्रॅ** क्रें क्रें न्य चर्ड व्याया स्याव क्राया स्याव क्रिया स्वाप्त क्रिया स्वापत क्रिया स्वाप्त क्रिया स्वापत क्रिया स्वाप्त क्रिया स्वापत क्रिय स्वापत क्रिया स्वापत क्रिया स्वापत क्रिया स्वापत क्रिया स्वापत क्रिय स्वापत क्रिय स्वापत क्रिय स्वापत क्रिय स्वापत क्रिय स्व **৻ঀয়৽য়৾।** ঀৢ৾ঀ৽ৢঢ়ৢঀঢ়৽ঢ়য়৽ঢ়য়ৢঀ৽ঢ়ৼৢয়৽য়ৢ৽য়৽য়ৢয়৽ৠয়৽ৠঢ়য়ৢ৽ঢ়ঢ়৽ৠয় ८त्रासु चु म्द । समारत्या व सारिते सु मानिया सु सार्ता व साका प्रिया सु सा सं अ क्रिया निष्या विषय विषय कर्षेत्र के देश कर में कर महिना कर महिना कर कर कर स ॻॖऀॱऄॱठॱॻॖऀॱढ़ऺॺॺॱ心**ॱज़**ढ़ॸॱढ़ॺॱक़ॾॕॸॱढ़ॆढ़ॱॻॾऀॱॻॺॱॺॕ। ॺ॒ॺॱॷॕॱज़ढ़ढ़ॱढ़ॾढ़ॱ ढ़ऻॕॕॸॱॸॖॻॱॻढ़ॕॹॱय़ॱॾॕॣॕॸॱॸ॔ॸॱॻढ़ॺॱॿॖॻॱय़ॗऀ॔ॻऻॺॱय़ॖऀॱख़ॺॱॻॖढ़ऀॱय़ॖऀॸॱॿॱॸॱढ़ॖॱॺॸॱ बलामबुनामार्म। पर्वेमाध्य गर्माणुमानुनामारामार्गान्य पर्वे मा मार्रे वर्षा मार्ग वर्षा मुन्द्र नित्र में दे में रहे हिंदा वर्षा मार्ग वर्ष हिंदर **८६**,८५,६१,६१,५१३,४,द्वेचयाच्युप्त,यत्याचियालाच्ये म्भेगस्याः इस्याः कुर्याः प्रमास्य प्रम **बर्न**्से'निगे'निहे'र्रु'नि बॅन्स्<mark>सु</mark>'हिंद्र्य'म्बुट'निहे'तुस'सु'१६'र्घेस'हिंद्र्य'न **बु**८ॱकेव्'र्य'यत्य'कुय'ग्री'**न**्द्र'**धे**८'श'य**्न**्वय'र्दर'र्युट'वे'ट'८्ट'य8्य' **ॲ॰वेंब॰न्युट्ब॰म्ब॰ढ़्ब॰म्बेंबब्ब॰**८८॰म्ह्याबुन्ब॰८८॰८न्नवःबुनः **४८४**:तर हैंदि तालामाव कारामाट है। अटा उटा या दे प्रवाह तिवाह सम्मान **५ मुंगः म**ते खुल विस्तासके वा के या चु हो वा व साय हवा सुल में ते खु में प्राप्त राज्य स्थाप

८५'८र'रम'हु चुटा**वकारेटामं अस्वामा** कटकाएर हुनिया सहव यरः ह्युंद्रायाः इसवाणुः वर्षे**नाः २देः सुः हो।** ५नोः श्चरः के 'द्राः सुवायाणुवानेवा मॅंद्वरन्यान्या तर्नेन्याक्यायान्या हुम्यायते व्यव प्रवासी मा ळ्चा.पुषाना इषका.ग्री.षक्ष्मा.एलचाथाता.ष्ट्र.बीट.कुवे. स्.टट.1 वेबर्स्म केरमर्दर हैं नबरकेरम हैं बबर गुण्यहें नारविषया वास सूरस्ट है है **. सुर** इं रिस्तार्मर अधुरके ता इसमा गुरसक्ता गुरस्य वारा विस्तावारा विस्तावार वारा सिंह र त्याया कुै'सु'केब'स्'प्टराः सेप्रुक्षम्'प्टरास्ब्रयाः स्वयः गुः वर्षेम्'रयाम्यायः स त्वानाचार्यः । अदः पुर्वे वाया द्वावा कुष्वे वाके प्रतः स्वाया गुवार नारा में तर्तानारह्याम्बस्याकुष्यक्षम्यम्यम्यान्त्रेग्नरात्मिरार्टा कॅंबरश्चरमा वृज्यवार्षी व्यक्षमा पुरुष स्वरं स्वरं तिर्वित्रम् विष्ठा त्रां विष्ठा त्रां विष्ठा त्रां विष्ठा त इस्राण्डी स्रोहेन रहा स्रोहित इसस पुँग्सर्केम् 'युन्' र्वे र 'युंग्सुंग्ना र्वे र 'तुंग्से है है ' ह्वा 'युन्स साहस्य पुँग बळॅन्'रवन्याक्'राक्'राक्'राक्'राक्'राक्ष्रां अवसायेदार्गा विवायर्गार्गार्गा केु माद्गलराणुं वर्षेना तयन्यामा वना में तंकराना न्या क्षान्य के तिवासकेना पार्वे अया ग्री अर्के ना रायनाया या येनाया अर्वे पार्टा वियानाय स्वाया हेया ८६व । तथा मुस्त्यार्थे। अव विषय इस्या गुण्वतः वसा के पा इस्या धिव रहें। **ह.**पर्शक्ष्यंयार्तीं देशकालयाः हीयाः ४४ . ह्याः मुन्नाः मृत्याः मृत्याः प्राप्तः मृत्याः प्राप्तः स्वापाः स्वापाः ฃ҇҇ॱढ़ॱ॔ॻॿढ़ॱढ़ॖॖॖॖॖॣॸॱॺॖ॓ऀॱक़ॗऀढ़ॱक़ढ़ढ़ॱॸॕऻॺॱॴ॔ॺॖय़ॱढ़ऴढ़ॱय़ॱख़ढ़ॱक़ॕ॔॔ॸॱॶढ़ॱॺॕॗॺॱॱॱॱॱ क्रमाणी हेव र् पेव चीमा प्रतिमान है प्रविष्य

र्गु सियाने दि यह वाया । मुमा द्वा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व स्रा वार्मियानमार्थियाच्याने द्रियामद्री वार्मिन। त्रिमार्था मध्या न्तः मञ्जामा विष्या विषयः विष _{क्}बापम्चे रहेपार्क्षा विकारम्बारम्बारम् । मुग्रमा हेपारी क्वापम्चे प्रस्ति । म्बबायहृत्या व्याम्बायण्यानानानाम्बायवाम्बायन्। देश्याञ्चाम्बदा त्रहेद'त्र'हे'यर'त्विर। ग्रान्थ'वार्दित्'श्चर'रेवापविदार्दे। दे'लवाण्चेव यस'यंर्र'यक्तुन'न्न'रु'यहेरी न्विहेरन्न'स्रिन्<mark>युन'से। स'</mark>हेंब'हेरन निया विन्ययाञ्चायते स्थापनित् । स्यापना स्थापना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स RÊषा'हेब'R५वायर'ब्रु'प'५८'। हणांपर'ब्रु'परेखें'ि(५८')िथ। यथा क्रवा मिलामेट क्षानिया पहुना क्षा महिना समानिया क्षा नव्यायहवाया याञ्चित्राहित्राहित्याया नव्यायाप्रेषे हे द्रयस्त्री गुव क्रीकानगुर पा क्यापा ॐग्रुवा ॐरे प्रमा क्या क्री क्षरा खारा हुँब'र्श्चा,८६३,छे.चेन्।जथा ब.८८.४भ.त.पशू.८छे**८.८**। **खेयाताबशया** ठ८.लूट, झुंड, झुंचाब्य, एड्य, ग्रीय, येचे प्राची संबंध, सूच्य, व्य कुरास्त्र १८८१ हिं है ना निर्मा स्वाधिता विन्त्र हिर्मा त्यन्त्र स्वाधिता है है विवता देग्यतः हेग्यते गुन्न सुन्न स्वाधरावद्य यादे त्यन्य सार हत हैन लाबर्ष्ये पार्टा के सम (श्वाम) महिना [की] मुनावहर दहेवा दे म्रेन्यायमार्थिया म्रेन्यायम् स्वीत् म्रेन्या देवा देवा स्वीत् केवामा · बेत्र'मत्रा द्वाद्मत्रत्र'र्म्'मा'मा'केत्र'मृत्रुत्रा । (सत्र'द्वे'र्र्ञ्स्वेरे'्र्र्स्कृद्र'सत्र

चैंटा । इ.क्ष्य. २४. चे वे प्रति वे प्रत्य के साम्येष |मार्षेद'य'कुल'प्रते केषा'शेद'हेर| । श्रुवाद वा प्रेषे प्रतुद प्रता केद'प्रा |माद संपन्त र पार्थि है र पार्वि समुद्धाः । दे र स्वर ह र पार्वे हे र पार्वे र से 「石缸q'工」 ※四A'Bq'T'※「「下※ P'※5'到利 4~"的' た'在心'社 बुप'कु'रे'पॅरे'हे। प्रकारेरे'हे। रहेष'हेद'र्रक' हुरे'हे। हण हुरे' वस्तरं ठर वर्षा राष्ट्र र वर्षे र वर्ष ५८। ४५.वि८.कृ.८८.क्ष्याबि८.कृ। अट.२.क्ष्याच४.कृ। स्थार्वकर. ठव चै दे र दा क्यायर छे हे हु प्रति है। प्रवास का पर्वाप द्वाप तुःग्रेश कुलाचेत्रकलाम्बन्धग्रेष्ट्रा तहमास्त्रप्रम्मन्त्राणे हैं दिन। महिना भारावर केंद्र मेरि। सेना सर्म दाद मारा महिना नुष्का यर ब्र्नियाय रियाय ग्री हो पार्टा ब्रिट प्रति हो पार्टा याद याय विदेश हो ही ट्रे.पन्न.क्रेन्न.पन्न.पन्ने. एलवेशनाःश्वे.क्र्यापान्नट्रं हा (ता.)रटा क्रे. **नग**(ञ्च.त.)ेंग१४.श्रा वीत.अध८.८हू४.प.ट्र.म१४.पश्च.तक्र.तक्ने८.टे. मुेश-प्रमुश-पर्वेद-पर्।

न्वल्युद्वर्त्ञुं न्वायवेका क्रेंबरणुं कुलाकवा सहत्र्न्। तहस्र न्वलादे त्वरः ष्टुं नवः गुवः पृ रच बदः विदे विदः व वः बचः स्रिः दे व 'बुः चिदे 'बुः केवः वः चुवः यः विवः र्वे। श्चिष्ट्रसम्बन्धियायाचे वृत्ता श्चिष्ययायने प्राप्त व्याप्य स्तर्मा स्तर्मा स्तर्मा स्तर्मा स्तर्मा स्तर रह्रब्रायायाः चुवायाः क्षेवार्षे। ष्रुणावार्षे हेर्ने विषयाः सुवायाः सहवायाः प्रा दशः पत्रः प्राच्याः स्वायः स स्रवार नियान विकास में किया में किया में विकास में किया में विकास में किया में विकास में किया में किया में किया ने'नविष'मु'रन'म्थुन'रन'युग्य'रन'यार्केर'हेष' रन'मुन'रु'र्धुष्य' न्म पर्वे प्राप्त प्र प्राप्त श्री ट्रे. इञ्चरा की रहें वे. दे. दे राय श्राध्या प्रदेश ची बचे राय दे विष्टा है या मेमसार्वाद्यस्य विद्यापा विष्यं। विभागार्वा रवार्यवृत्या <u>र्</u>रिष्ट्रम्रिः सुका ह्या द का रेटिः न्युनिका ग्रीका केवला कर ग्री रे द । यह र । या प्राप्त पथ्यात्यार्थर्था पश्चराप्ताचारास्याची, र्यः मेशू, कुरापची राष्ट्रा की पार्थः पर्वेचेब्रानर, प्रथटे हैं।

त्यात्राहुरायात् अस्त्राम् व्यात्राहुरायुः अस्त्राम् अस्त्राम् व्याप्त्राहुरायाः अस्त्राम् व्याप्तात् व्यापत् व्यापत्य व्यापत्य व्यापत् व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्

ष्ठकायिः नृष्वि 'या नृष्या वार्षा क्रुप्रत्युद्रः महेराष्ट्रयासुद्रयासुद्रयास्। वार्क्षःप्रेष्ट्रये महिराम्बेना स्टामी खु भिष्णुल'ङ्कट'पर'पुक्ष'क्षं। दे'वृक्ष'पुट'कुप'सेवक'द्रपर'वशु'केव्'र्वेप'ग्रेक्ष' [[बदबाकुबा][६५:बुदबाकुवब६५:हैबाडुदारु"वबुवाबाहेग्सुयादेग्चुदानराग चुरायहे के। युपायहे सुपाव विषय छे रायर या विषय छेवा यह यस सा नेपविषर्प्तराम्याणीयाण्यात्रेयात्राच्यान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र ॻॖॱय़ॱॻॖॖॣॱॱढ़ॺॱॻॺॢऀढ़ॱय़ॱॻॖ॓ॸॣॱय़ॱॻॖॗॻॱय़ॸॱॸॹॗॸॱय़**ॸॱॻॖ॓ढ़ॱॻॖऀॺॱॻक़ॻॺॱॠ** वस्त्रमातिः द्वेदः स्वः गुदः महिना सना विदः तहिना सना सन्ति निन् हेन् हेन् हेन् हेन् हेन्। चुपावया याम्बेरयहूरामवयासुरस्चुरायरामु**राम्बेराम्बर्धा** रसःम्बेग्सःगुसःगुदा म्बुगायमा विदार्दे दास्रहे **सःबेसायःसह दास्या** ८६४.मीय.वशका.२८.५विट.घर.मुब.मीथ.घघघथ.स्। वेशका.घथा.मीटा न्द्रन्थन्। निर्मे के के के के के कि के कि कि के कि कि क <u>चै्र मुक्ष पत्र पर्या अध्यक्षेत्र प्रमाण्य मालमाम्य के स्वर्भ स्वर्भ स</u>्वेत्र **चु**'न'नबेट्याद्याचेद्र'चेयानह्यययार्था धुन्'र्टायकॅर्'याचु'नर'चेद्र' कुंबा,प्रप्राच्या, विटाकीता,श्रवश्चरात्र,श्चेव,त्तरु,कीला,त्या,पविद्वेव,ापवा, पञ्चनसःस। गुद्रानुः प्यस्यागुद्रानाद्वनायमाग्वदार्नोक्तरुवः क्वेरावेषा पञ्चममान्याः प्रमाणुयाः विषुषायाः प्रमुक्षायाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः क्यार्टः पुराक्ता सेससान्यरारायम्याय १८ व व्याप्तान्यः स्टास्या क्याप्ता <u>२चः नर्ड्साताः इस्याक्त्राताः खलाः ५ गार्ड्सात्रामाः नर्दः क्री</u>रास्याक्राताः

दे 'व ब' बट ब' कु ब' पू णु 'बु च' य' कु 'ट ब' शब' १८**५व' व ब' शॅ' पकु 'बॅट''' '** वयाकुष्वण्यो कुलायाका सम्बन्धा स्वाप्त विष्ण्यंद्र^{क्ष} त्यादेवा ह्या विष्णात्य विष्णात्य त्यादेवे के क्षणी गार् **ॿॖॴॱय़ॕॱॿॖॱ**८वॱऄ॔॔८ॱक़॓ढ़ॕ॔॔॔ॸॱॸॕऻॱॺॱॺॱॴॱॹॖॿॱॹॱॴॱॺक़ॕ॔॔॔॔ॱय़ॱढ़य़ॖॴॱ॔ॖॱफ़॔॔॔॔ॱॱॱ पादादिरासुका प्रविता प्रविता प्रविता प्रविता स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वा षयःगुःरैटःयःकुषःघं वुद्यर्यस्युद्यवहुद्यःहै। देरःकुषःघं वाद्याकुषः वुद्यर्यः प्रयाम्बर्भित्रव्यक्षः भी क्ष्युक्षः कार्यः वृष्यः वृष्टः विष्टः त्रुष्यः परिष्ठ्रवा स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः कु'वन'कुल'र्घ'ल'पुव'र्दे। देर'र्सट'प'र्ट'कुल'पुवे'ह्र'र्वे'र्स्स्रल'णुक्'हिंर्' कुल'सॅर्रे'सु'ब'भेद'र्दे। बेब'ङ्क्षुब'यबा र्रे'द'ट'न्-रःक्रुब'सर्रे'ब'रे्ट' য়ৣ৾ঀ<u>৾</u>ঀয়৾ঽৼঀয়ৼৄ৾৾ঀৼ৾ঀয়ড়ৼৄ৾ঀৼ৾ঀ৸ৼ৾ঀয়ড়ঀয়ড়ঀয়ড়ঀ **षॅर्'य**'देर'कुल'सु'साल'बु'स्'यहु'न्धुराह्य । मा देन'हिंब'या हा निर्माहर चुकायते प्रमाविष्ठा महिन्दा प्रमाविष्य प्रमाविष्य प्रमाविष्य प्रमाविष्य प्रमाविष्य प्रमाविष्य प्रमाविष्य प्रमाविष्य सॅग्चरु'न्नु'याथाथाथाषुवायन्नाक्षेत्रीयुवायतुन्। नेकार्वायरुवान्त्राये **खलानु** कुलाम् अहर् द्रि अपायु है पु कुलाम मुं उप द समा कु है रहहमा <u>५२० चुं सुलायाके वर्षे। देशे सेटालाके खुलानु प्वायके कॅश्राचु</u> हो हे र देश-दुबासुग्नुसबायाश्चेष्वायान्ते में रहावानुमार्भवा ㅁㅜ,칍쇠,쇳 देवै मुद्रादे त्या सन्तु वे त्युवा के त्युवा के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ঀৢৢৢঢ়৾৾৾ঀৢৢৢঀয়৽৻৽য়য়৽ড়ৢয়৽ড়ৢ৽ঢ়৾৾ঀ৽য়৽ড়৽য়৾৽য়৾৽য়ঢ়৽ঢ়৽ঢ়য়ঢ়৽৽৽

५८.भवेद.ता श्रूर.क्ष.त्वेद.की.वे.मी.२८.भवेद.तर.कूर्या की.८४.५४. **ॻॱॺय़ॕ**॔॔ॱॻॱॴॱक़ॻऻॺॱय़ॱऄॗॖॺॱय़ॱॳॺॱॻॖॗ॔॔॔ॱॱऄॄॱॸॖ॓ॱज़ॺॱॺॱॺॱॿॖड़ऀॱय़ॖढ़ऀॱॶॖॴॱ॔ॖॱॸॕ॔ॸ **५**८। वुःगुः५८। अन्यः५८। सुम्रायः५८। द्रायः विषयः नुस्रम् दिस्यायाचा इत्यास्याणुकान्तरम् न्स्यम् द्वापानुनाया <u>५८। ५८मा क्यमा के प्रुटायर मुनेर रें खेयाय पर रें। देरमा वे यर्र हेर</u> रु'बर्'ना व्याद्र'सुद्र'यद्भव्यायास्यायम्द्र'म् सेतु खेव वी साक्ष्याया यबुन्यायते अधुया ध्रायाम्बद्धाः व्याप्ताया स्वर्षाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर् र्ना सुलाने दे दे दे वा नी कुमाद स्प्रां महिदाय है नुवास साल स्निया पृष्टिः प्राप्त कर श्चित । स्वाप्त विष्य । स्वाप्त कर स्वाप्त कर स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप स्वाप्त पर्से सम्मान्ता इतार्चेराची र्वाराह्म मान्यार्मे मार्यार्मे मार्या याद्वस्यायुद्दाख्यात्रेसस्याद्वाते प्रमेशत्वाये हेव पु प्रमेश देव प्रमान मञ्चराष्ट्रेय र्ष्ट्र (या मि

ने द सं रह सं र प्राया मार्थे द ' दु र ' गु र प्रस्त पर्वे सं ख्रा र प्रस्त प्

न्सुटकार्का निर्दर रेककुर्मा अर्गेद प्यत्व हु हु हु सि द री यहना हना निर् द्रा चन्ना नीया महीना तमा विषय विषय हिंदा है। निर्माय विषय हिंदा ही स्था **ुन्न'न्युल'ग्रें अव'**मा रेन्'रहेव'ग्रें न्'वेटा इत्र'रुप्रें र'ग्रें र्न्ण'द्रा मर्नः तर्वाची र्वत्यस्य विष्या विष्या विषयः दे। पर्ना नैयार्य केना नियाहेयान् हेरा पहुत्य परे बुदाया प्रीति नेरा <u> बैस'मस'ञ्चरस'र्स। सरस मुस'ग्वै'पङ्गद'यासुर'यादे 'से'र्राट'से'स'पिद'या</u> म्कर्भागायानम् तः पर्देशाने व्यापायान्य प्रतानि स्थाने व्याप्त स्थाने व्यापत स्यापत स्थाने व्यापत स्थाने मालान्ने त्रुवा हे ना है सा हिता है सा कुरा है सा कुरा व सा दिन सुदा के वा में त्रा पहुंचा **ผลิ ๆ ชิ รา ๆ 5 รา บารา บารา ราคา ราคา ซี สา ผลิ ราสา ซี สา ผลิ รา ซู ซี สา ผลิ รา ซู สา ผลิ ราสา ส** हे ना हर्। ३व विया केव विया ना व सामहवाम हु गुना था के सिम्म तुवाम कु व साहै स वि'षद'र्कें ५' ग्री'षर'रवेश' ५ संखु'यद्देद'यरे 'म्रेडर'म् १५ में परे प्रेस म्हेव में दें नक मानहें न पह महें नक मान हिन्द में महें न महें मैंदे'मूँट'र्। कुल'मॅ'रेन'यदे'अकॅट्रम्दरारने'यदे'य*नेसाम्हेद*'वे**स**'मु पाळव 'नव'र्' अप्देव'पाञ्च'तर्दर'पाव। बादबा क्वेबाणु 'द्वाक्रेंबाखुव'है 'श्रेद्र'रु नव्यासरार कुरा हिया दिया दिवा देवाया स्वाया स्व पर्डे अ:र्षेब.४८४४.र्सेके.र्बेक.राष्ट्रेश.४८४८८४४४४४३३ विटे.तर.१९४८ णवसः यहवा प्रदुषा ने सम् पुर्वस्य ते केंस्य महित् हैं। द्वी प्यटः यवस्य सम्बद्ध **बुमः ग्रैमः स्नरः श्रुं ५ व मावसः** स्वा देगाविव पुरमाव सः यहव मासे र मेर प्राप्त मर्ड् भारा हूट दिट हिवे निहर्मे हिना कुद्र तिला वे निवं या था विया पहन है

र निर्मा पर्या में दार्पा पर में प्राप्त करा में मृव्यापहृष्ये छेत्।यान्नायर् स्यापत्ष्रं हिंदान्दावर्यात् सामुति N'न्न'चर्रे अ'म'त्ना'र्हेट'न्ट'मरुअ'चुट'नी'सु'के'कुद'द'नद्वार्या 다靑ན་བᆿང་蹈་ਨੇན་滔་ན་ངག་བశོམ་པ་ངག་སྡོང་དང་བནས་ᆿངམ་རྐང་ན་་་ माव का की माव का पहन वना में हैं है के रिमा पर्डे का या है ता रित पार कर के दाना भरे ब्रिट द माद सर्मे। माद सरमहद माद सरे पु ब्रीट मावट में द्या माई मारेना र्वेट र्ट प्रकार कर दि पा सुरदि होट द मान कर री। मान कर पह न पा हाट ब्रुंटःपर्ववःयःवनवःवःनव्वयःन्नापर्वे बन्यःपन्नुनःहेंटःन्टःपरुवः देश्चेनः ग्रुः ८५'ॡव'र्था'वे'ग्व'र्दे'य'नवसार्थे। नवसायहव'ययप्राप्ताप्तर्थायाहि" पासुबरहें ८ र ८ ८ र तर से सुबर हु र र पासुबर छु है र पाद बर द र पाद बर से। पाद बर पाह द र ञ्च'न्ठव'६६व'न्न्'पर्डे अ'स'र्हेट'न्ट'पठवा'री'ष्पट'गुरी'त्रीट'व'न्वववारी। न्द्रायह्व र्ष्याय हिंद युते हे र्पण पर्वे वाया विष्ठे वार्षे दार् दायव वार्षे रेप्य ्रस्यायद्यायाम्बद्यार्थ। म्बद्यायहृदायदायम्। त्युटा बुरा ग्रीका विसारम् पर्डे अ'य' '' प्रमु '' न द ' । युअ 'चि ' न द ' । दे ' चे ' ने ' ये दे ' मा द य' या मा द य' या । मा द या पहन्'इट'र्स्टर'नेश'न्त्'पन्स'र्ने'र्ह्हेंटर न्दः परुषः सुषाः तथन्यः देः सः न्वषः या न्वषः पहुवः तथन्यः यास्य स्वरः न्न'पर्रे अ'य'वि' व्' व्रेंट' न्ट' पठवा' चु' क्ति' खुट' यहि' दे' श' नव वा वा वा वा वा पहरामह्मान्याम् वीरायाः सेत् चेत्रप्ता वर्षे स्यास्त्रितः स्वमान्त्मान् प्रताप्तान्यसः । रे कुल हे र् त्य देव हे रे माइत किंदा तह वाय माद कर का माद कर पह वा के दर् वान्य दुनार्थ दे दिन्दि से नेयाय बेदा दिन प्रतास मित्र के स्वार स् पश्चर-वस्त्रः ग्रीकाळ्याका नामा ग्रीका स्त्रिक्ष विष्या स्त्रा श्रीका स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र प्रमायमा ग्रीका स्त्रा स्त

मश्चर-मुग्यम्बर्ग्या देश-स्वर्ण्या न्यान्य स्वर्ण्या मश्चर-मुग्य-महेन्यम्बर्ण्या न्यान्य स्वर्ण्या स्वर्ण

सन्तर्यात्विभावत्वात्वाः वीः सेवायः भेरायः अवः सं स्वायः विद्यात्वात्वाः विद्यात्वाः विद्

पर्या, वेशका प्राची हिंदा प्राची है के प्राची के के प्राची के प्र ลิาลาผิสานการการกา**ติลาคลาสกรายาวลารูานอล**านา**ส**ุลลาปู้าสุการา दवा प्रें प्रस्थाम्याञ्चरस्था **निःश्वराज्यानुः** पुरावादस्यान् द्धेरै'न्पनःसंप्तकु'चैद'चैय'चैय'मै**या'ठेय'म्५ म्। वैध'म'**ळेया'क्रेयाचूप'म'इयय' **ॻॖऀॱॸऻ**ऄॖॸॱक़ॖॖऀॺॱय़ॕॱक़ॆढ़ॱय़ॕॱॻढ़ऀॺॱॻॖऀॺॱऄॸऻॱढ़॓ॺॱॸऻॸॖॸॱॸॕ॒ॎक़ॗऀॺॱय़ॕॱक़ढ़ॱय़ॕॱॻढ़ऀॺॱ **ᠬᡠᠬᢋ᠈ᢓᢅᡊ᠘᠘᠙᠈ᠬᠬᠳ᠘ᡩᠬ᠋**᠘ᠳᢓᡀᠳ᠉ᢓᢅᠸ᠘ᢓᠳ᠘᠘ᡷᢅᠸ᠘ᢩᢓᢅ᠘᠘ᢢ **९७७** दे वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे त्याचर्रे त्याने न्याने प्रत्याचे १३वार्षे सार्या क्रेया सम्या के सम्या के सम्या सम्या सम्या सम्या सम्या सम्या **र्द्र। ५न्न-१**-विन्-क्रिन-क्रेस्स-१न्न-१न्न-४न्न-४-१-४-१-१-४-४-१-१-१ **२.व.**[त.]पहूर्व.[त.]ल.वयशापधुःश्चलार्चवःद्वलाप्ट्वेरःताद्वश्चराक्षेश्वरः मैं'न्ब'ठव द्वयर'य'पण्ठ'पर्वेष'हे। न्यर'में'न्ट'द्वय'र्वेर'य। अ'र्वे'न्ट' भ्रान्तर त्र्री भुगवार त्र्री प्यतः श्राप्ता मुहार् ना विष्यं में प्रता विषयं विषय ण'र्टः। प्रमुद्राख'र्टा कुँटाख'र्टा ग्यायर'स'र्टा ग्यायर'रे ५८। न्ह्या रे ऑ. हे . सु . इ. महिन ५ नो . पहुँव . हे . सु . इ. महिन . ५८। **ख़ज़ॱ**य़ॸॖ**ज़ॱ**ॸॣढ़ॱ। ऄॱक़ॕॱॎॺॱक़॔ॻऻॴढ़ढ़ॱॺॸॱऄॗऀॱय़ॖढ़ॱक़ॕॸॱय़ॱऄॗॱॻक़ॗऀॸॱ **पदः**कर्षः पङ्गिषः हे रमण्रिष्यङ्गिषा पङ्गवः याञ्चरः पङ्गिरः परः प्रितः प्राप्तिः प्रापतिः प्राप्तिः प्रापतिः **ॻऀॱผनॱॸॖॱॸॕॱ**ॾ॓ॱॻॖऀॿ। ॸड़ॆॿॱॸऻॸॕॸॱॸ॒ॱ। ॸड़ॗढ़ॱ **न**हें र हेर पर प्याप्त हारवा पण्यापार्थे वरहे। दे प्रवाय उद र प्राप्त विष् <mark>लयःभै</mark>रत्तरमरःसर्द्राद्यसम्बर्धसम्बर्धाः स्वर्थाः कुष्यम्बरः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः

यद्यः कुषाणी पद्भवः परि पुःषः वृत्त्वसः वृत्रः प्रादी हिन्द्रस्य पदिः **षवाया नेते वटावयाण्टान्ने श्रेटाने न्ने त्र्वायम् वयस्य व्याप्य विवयः व्याप्य व्याप्य विवयः व्याप्य व्याप्य विवयः विवयः** तार्श्वर.प. द्वाया प्रदेश प्रद केव **भैंव। ।तमरामर्ते भूँदावे** प्रमार मुमार्ख्या रहता । ५७ र श्लेषार हेव साम्रामुण्ये <u>ञ्चा |८गे∙प्रट.दशकःद्रे.लवःद्वेरःर्</u> | वियःगश्चटयःतःपय। मुयागुःनिर्दरत्रवायरात्रहेवायादी निराह्नवाशेवयार्वाताद्वेवा है। हुन्यतेराम्बबायाद्वयायरान्न्यायरान्न्यायराषुन्याकुरायन्नाययान्ववान्वरेया यर १९ हेव : यहे 'मह : चन 'हिंद : यर ठव : क्यम : क्षेव : या अह मा कुम : कुम याम्बर्मायते खुला दे। तर् 'न्माद स्प्रायर प्यम् दे। तह अपु ब्रीट मी שמישיקדיקבין פיפֿיקבין פיאָדיקבין שּישָּקיקבין במיבוֹיקבין אַי - هامريا على المراجد के'8न'न्द्रां ङ्ख्र'नुर'**न्द्रा** न्याके'विन'न्द्रा ष्ट्रिक'न्द्रा कु'द्दन' मं के ख्राप्ता [स्वार] इं राप्ता विश्वर विश्वापते ख्राया क्राया के स्वार हिरां ऄ्र हेरिं रें प्रवास निष्या दुष्या सिर्म सिर्म निर्मा हिराम निष्या सिर्म सिर्म निर्मा सिर्म मिर्म सिर्म सिरम सिर्म सिरम सिर्म सिरम सिर्म सिरम सिर्म सिर्म सिर्म सिर्म सिर्म सिर्म सिरम सिरम सिरम सिरम सिर्म न्दा डम्यानिहासुना मुदार्खेनम् नुष्टुःसदेरस्यान्दा ह्या **ध्रदः ह्रबसः श्रवः वृत्रेरः ह्रोटः ५८ः।** वाय्यदेः ह्रोटः ५८ः। ग्रवः व्यव्ये

विद्रा अत्याप्यते त्रीटः प्रदा व्यवस्य त्रिः प्रदा विद्राणा विद्राणा विद्राणा व्यवस्य विद्राणा विद्रा

ॶ**८ॱॱनैॱक़ॕॺॱढ़ॺॺ**ॱढ़**क़**॔ॱॶढ़ॱॶऀॺॱग़ॕॖ**॔॔**ॻॱॿऀॺॱॻऱॱय़ॱॻॖॖॖॖॖढ़ॱॡॖॻॱॺॗॕॗ॔ॻॺॱ**ॱॱॱ** ୢୖ୰**ୖ୕ଌ୶**ୣଌ୶ୢଌ୵୫୵ୣ୕୵ଵୢୣ୵ୢୖୣଈ୵ୣ୶୶୲୕ଊ୶୳ୄୢୖୠୄୣ୵ୄୖ୕ଝ୕୕୕୕୕୕୕୕୕୷୶୕୷ୖୄୢଌ୕୶୲ୡ୲୕୵୷ୣ୕ୣ୷୷୷ मुन्याम्बर्गां सम्बर्गां स्वर्थाय हिन्या भेराने। न्या केंसा सम्बर्धाय सहिनासम् ॅॅंडॅंब'मर्दे'न्य'कॅस'इय'म्हेस'हे। । ७८'५८'ईगय'मदे'म**्म**'हे५'र्दे। । नेप्ति के सम्बन्धित स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स मिते धुरारी नुषारेट विषा व या विषय उदा भी ये समय उदा द समय केंया गीया त्तृतामातानुषा चे पर्वाप्ता पर्वेषासूत्रात्त्रामार्वेष्ट्रवास्त्राम्या **बेट्र**्रंबट्यः कुषा याता प्रविधानिहर कुनः येवस्य द्वारा ह्वसः देखिटः **ष्टिं क्षेत्र क्षेत्र** टुं'न्न'पर्देअ'प्राप्टे'पच्चराहे' र्ह्नेन्'प्रुअ'नु पह्चरावया ने'ह्रवरार्व्ना <u>५७२.७८, प्राप्त १८७, स्थानी १८० स्थानी १८० स्थान स्थान स्थानी १८०५ स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स</u> मैं'न्मे'९५व र्वे। ने'भे'व्यायरे'कुय'अळव'सॅ'ख़'ख़्पास्पाठमाव। षासु .**४५.चन.६न.**६.८च.पर्थातार्ज्ञाताक्षात्रचे द्यारक्ष्यायाद्या चर्णरार्थास्या **ॸ॔ॎॱॻॕॱॸ॔**ॺॕॸ**ॺॱय़**ॱढ़ॼॆ॒ॺॱय़ॱॻॖॆॱय़॒ॺ॔ॱॸॖॖॱॻॳ॔ॸॱय़ॱॻॺॱॻॕॱॺॖॺॱॻक़ॗॱय़ॱॻॹॺ**ः** र्वा पद्भवःक्रॅंबालादेःहानाधवःद्रा

मुन्न स्वास्त्र मुन्न स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास

बेट.मे.एट्**च.तपु.मवं ब.बं.**कें.मां ४८चयाच प्यवर.मंचव.रतप्रतप्रेष. **ढ़ॖज़ॱॵॱज़ढ़**ॺॱॲ॔॔**ॖॱॻ**ऻॱॕॕॺॱॺॱय़ॖज़ॱॸॖॵॸॱऄॸॱॵॱढ़ॵॖॸॺॱॻॱढ़ॸॖॱॻॱऄ॔ॸॖॱॻऻ हेदेर-मराह्यातालानुगरदेशम् स्वापान्त्रवानुग्यारम् स्वापान्यात्वा सकर में दे रे से प्या सकत रहत रे प्रता समा है रे दे प्रता है रे स्वर्भ के खिरा में कि स्वर्भ के त्रि'म्| तुन्यापकृष्यत्र स्टास्टापा प्यत्र्विना रेका यान्युका प्रति । हिर ल.वि.मा.चथ्य छे.मा.च्येथ्य प्रमाय व्याप्त क्रिया क्रिय क्रुचमा सम्मान्त्रम् । सम्मान्त्रम् । सम्मान्त्रम् । सम्मान्त्रम् । सम्मान्त्रम् । सम्मान्त्रम् । सम्मान्त्रम् र्नात्रमण्डेष्ट्रेत्रवर (व्या) वेरामण्डा स्टामकुटारेटा शुरोवा किंदा **अ.भुं**, प्रु. क्रि. क् क्षेरम्द्रिक्षात्रक्षात्रक्षात्रम्। कुलाभ्वेषान्त्रम्यस्क्षरायराकाकुराया भ्रायानान्तान्त्राध्यात्राध्ययात्राच्यान्त्राच्यात्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यात्र मव्या वृतायकेवायाकु म्दरायसार्द्रसावसार्वे मुर्दरायकुर्रायकुर्द्रस्य देर। परे पर मुनेनय पा इवका ग्री खुनका हेवा पश्चिम नवट पर पर मा ڵڗڴڗڰ؞ڬڡڎ؞ٷڬٳ؊ؽڡ؞ۻ؞ڝڿ؇ڟۼۥػٛ؞ڲڟ؞ڮٳ۩؇ڸۣۼ؞ڬٳ۩؞ڂڸڿ؞ڂۼ؞ڟؿ؞ रेन्स-ठवः स्प्रार्टे हे येन्या न्यास्य स्प्रार्थ। क्षेत्रे रेन्या व्हेव न्यास्य स्वास्य स्व **शुँदा गुंकुलारहॅनाया नार्देराश्चेदास्ररास्तरान्देरा श्वेदाया श्वेदाया स्रा** वनयास्वा अामयाञ्चलास्वाते रहे दे अत्येत्राम् निवासायायायायाया **के.८८.भु.भ.लब.त.चे.७५.दी.है.८.हेब.च.हेचा**.ल.**चेबट.**च.हेचेब.कु.कु. इवरामस्वरहा

देशक्तातात्रीद्रायात्र्रीतात्राम्यायात्रव्याक्षाकुत्राकुत्राह्यात्रवात्र्याकृता

क्षे नेर पर्मेत् परे पुरेत क्षेत्र स्था स्था सुर क्षेत्र पर स्था ती विद्याल हिन्द स्था ই্ল'নেই'কুন'ঐ্'ন'৸ঝ। ।দ'ব্'দেই'ব্ৰ'ঝ'য়'য়ৄদ'ব্ঝা ।ম'ব্'দক্ত্'দ্দ'ৡ'পূ' वा । पद्मतः परिः क्रेटः मार्चा नामा । स्वाप्त वा । स्वाप्त वा नामा वा नामा । ति हा वा नामा वा য়ৢঢ়৻ঀ৴৻ঀৣ৾৽ঀৣ৾ঀঀয়৻য়ৢয়য়য়য়৽ঀৣ৾ঀ৸৸ঀ৸৻ঀৢয়৽ঢ়৽ঢ়ঽ৽ৼ৽ঢ়৻৸৻৸ঀয়ৢঀয়৽ৼৢ৽ **अब्रुदरम**हर मुदरह्म । मुलर्मरहर देवरम् । लम्परदर्भ हेवर द्वैदःच-वेदा ।श्रेरथसःचन्नैथरध्दर-द्वस्य-इत्रया ।वृद्दरुवःवर्ष्वेनारुःचुनः *বু্*ব'⊔ঝ| |বি'অ'ক্**ল**'কু'লুঝ'⊔ম'গ্রীঝ| |জ্ঝ'লাঝু⊏ঝ'⊔'ব্⊏'| **୶ୢଽ୕ୄଈ୕୷**୰୶୶୵**୕୷**୲୯ୢ୕୷୷୳ୢଌ୷୕ୠଊ୵ୄ୕୷ଊ୶୲ ଵ୕ୢୄ୷୷ୢଈ୶୳୷ଵୄ୕ୢୡ୵ୢଢ଼୶୷ୢୗ୲ୗ ८व्र-प्रान्तान्तुःपर्भूरापुषान्ता । ह्राहेप्रेन्पायराष्ट्रेप्राया विष् **९म'**द'९मुद'मर'९मुर। ।देश'म्शुद्यःयय। देशे'र्द्द'म्भैय'प्रैद' **कुनः पञ्च पनः व यः पाव यः** सिम्याय्ये स्रवा स्वा प्रहेवः स्वा पायः व यः पाटः चनाः **कृतः व राः कृतः एटः पुंग्यकुतः यः वै।** धुना व रहें रहे राः रेना या रहें व रया व सरा **๒.๗๑๎**⊏๙.७๎⊏.1 **६.५.๗๙८.**ฐ๛๗.ฎํ.८๒ฺҳ.๒ฺ.๓๖ฺ.๓๖ฺ.๓๖ฺ๛ฃ๛๛ **ৡয়। য়৾৾৽৴ঢ়৾ঢ়ড়৸৻ঀ৾৽ৡ৾৽ড়৻ৡ৽৻৾ড়৸**ঢ়ৢঢ়ঢ়ৼ৾৽ৠৢ৽৻য়ৢঢ়য়৽ঢ়৾৾। ঢ়ৢড়৽ **४-६-७४-२-४-४-४-४४-४-५८-३८-४०।** ४४-५८-५ने १८५४-४-४-४ **यरै**'८८'य'र्वेच'य'**दे। अ'ना'ङ्ग'द**'प**बु**न्स'यरे'र्व'सु। **ढ़ॵॹ**ॱऄॱॸॵॱॻॸॖऀॱॻॸॱ**ॵऄ॒ॻॵॱॻऄॱॻॷढ़**ॱय़ॱढ़ॖऺॵॴॖॵॱॻॸॱॻॖऀॸ॔ॱॻॵ **ଐ୕୕୷**୲ପଞ୍ଜି, ଦି.ପିଟ.ଛପ.ଘ଼, ଖୃଟ.ପିଟ.ଦି.ଅହୁଧ.ଗ.ଖ.ଘ.ଘ.ୟୁପ.ଓ**୬. . . बुस**'मस्। देग्हेर'मुस'मस'हे'**३ सस**'ग्रीस'स्टामहेद'हे। षासु'रहे'

मन्द्रन्तुंदर् हे मबुन्यामित पुरास्ता अवसासमानु अठव स्थान पुरासी के सम वै : अँदः ल : प्रमा कनायः ग्री : क्षे : लागा वहाः गुदः ल : प्रमा : वहाः ग्रीयः पङ्गवः परि : क्षे : लागा र्षे प्रत्या क्षेत्र प्रमें बेर पाप्त क्षेत्र पाप्त क्षेत्र पाप्त क्षेत्र पाप्त क्षेत्र पाप्त क्षेत्र पाप्त क्ष देनकाकुँ पुकाला प्रामाशिकाके हो देश हे कि पहुनाव में हो पुंदा है जिला र्दि : बेर र र व्यव रहे। तहेना हेद ग्री ग्वय र प्रवय र उद र प्रश्चेन वर हे र वे र व्य यरः चेलः ग्रीकरमार्देव। युनाकामा वका **र्हेर**हेरित्र ोलयराया क्षेना ग्रुटा दका मिलास्राहाका है। स्राह्म है। स 5्*वेस'व स'बूट'श्रे5'वसस'ठ5'ऄूं'**5***८ऄॗॕ'म'ऄ्वा'श्लेर्यास् वै गृति प्यविव प्याक्षेत्र वा क्षेत्र वा **क्ष्य प्राप्त स्वयः स** ॿढ़ढ़ॾॖऀढ़ॱ॔ऀॱॷॸॱॻ॑ॳॎॱॻॿॣॺ**ॳॴॶॗॗॱॳॣॸॱफ़ॣड़**ॻॷक़ॣड़ढ़ॿॖऻज़ॻॷॣॸ॔॔॔॔॔ वस्त्राचारायाः होत्राचारा स्त्रीता स्तर्भा स्त मिट्टबः द्रुवः तः मृं 'बेटः क्रेंबबः रावे 'म्बाबा देवः मृं के 'बूर क्रिवा गुं व 'युवः वै.४ब्रेचर्या नु^{ष्ट्र}के.कूर्नपूर्य,पूर्न,ब्रे.स.ज.चेंट.पय,ब्रैट.जूर्न,चेश्रा दे.एविंच इबे.स्.ष्ट्र.क्षे.क्ष्मायाजी.कर.टचे.स्.वृ.पंपंत्राताश्चयात्रीयात्रा पाः [तार्वेर]तहेना मेवरमारे सूटाया श्रम्भारु द्वीर सुरा केरतारा ॻॖऀॱख़ॱक़ॗॖढ़ॱॻॖऀक़ॱक़ॗऀॱढ़ज़ॕॱॺॺख़ॱॎॸ॔ॱॻॖऀॱढ़ॸ॔ॱख़ॶॎॺॱय़ॸॱय़ॺय़ॱॸॖ॓। ধর্মু,অ,

मा[लाहें]]ह्येद में मिनेयाद माहे स्मर्ति मिलादिर लगा देद में के ह्य के मिला **ऀॻॖ॓ॱढ़ॕ**॔ॱॖॿ॓ॸॱॳॸॱॻ**॓ॖ**ढ़ऀॱॸ॔ॻॖऀऀॺॱढ़ॱॸऀढ़ॱॺॕॱक़ॆॱॿॣॖऀॿऺॎॱॻॕढ़ऀॱॸ॒ॻॺॱॻ॓ढ़ॱऄॱढ़ॕॸ॔ॱॸ॔ॸॱॱ पठमासाधुः स्टाव्यया ठर्माया प्रतित्वरात्। रेवार्या के म्येरामु होन्या प्रमासारी हिं**ड .**बेब. अस. बब. टे. चुंसाता श्रें र. घट्टा घटा पा. हें ट. पा. हें र. केपा सूर. हर्षान्या हेतातु होन्यायायायाया हैरी करायवयाया विना हेवाया [या वेॱ_॒ष्प⊏ॱत्त्रेग्रुग्याययः याद्यादे र्द्र्ययः व्याप्त्यात्यः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्य मारहिब्नामान्दा हु की समार्थिक होन्यान समार्थिक निवासी स्वापन **३**८.पर्च्यक्रम्यापर्ह्न्र्म्। पातार्वे क्र्यार्थ्या पातार्वे क्र्या व्रा यायादे रेसमा यायादे स्मा द्वापार्ट स्रीराटा हेर हेटा बर्क्चर्या मुद्दाया विष्युत्रा विष्युत्रा विष्युत्रा विष्युत्रा मुद्दा स्थान 소리, 함, 여러, 스타, 취임, 디자, 소리, 등학, 영도시 부립이, 다회, 상립다. चर-जिद्र-पर्वेद-पर्व । रिवाय-पर्वेर-निव-पर्व- ह्व-वयन्य वर्वा । पर्सर्वस्य केव प्रति मु स्य विदा । प्रतर प्रति हेन प्रति विदा । <u> २. के. २ ४. ७५ २ . अहू वे. चे. की वा विष्टा पष्ट मेशून विष्टुना ।</u> ट.क्ष.क्ष.प्रवेष.वेष.श्वेष.श्वेष. । बियामार्भाष्यायात्तात्ताम्बर्गाश्चरा **,श्र**ल,हेब,<u>हि</u>ट,ज.पश्चेब,तर,विध् ۸Į.

द्वापारकत्यात्री व्यावत्यात्रात्री मीटालटालट्याव्यात्रीयात्रात्री स्विन्तिः स्वाप्याञ्चात्री व्यावताप्याच्यात्रीयाः भीवात्रीयात्राच्

बुै'स'सेद'यर'कें'रिने'हेन्'स'र्वेच'यर'स्**वा'**ठेम् ठेस'म्सुटस'द्य'रय**टरा'** त्मॅर'भ्रे'द्रा'य्रस्य कर्'यस्य वर्षात्रे कारते स्मळव् सारते प्रतः स्रुप्त कार्य पत्रदार्थात्युपादेश्वायरात्र्वापाया रात्रदेते हे स्राप्ते सामुद्धार साम् कुलाक्ष्यात्राच्या व्याप्त व्यापत व <u>चॅरेके के र में कर में कर मार्ति । कुं</u> रेक में के लिखा मुनाम है निवास निवास **₹ॱहे** '८ळ८' भु'ष्टि' प्रट' पर्दि' प्रट' पठवा या विषा है त'व वार्या तु 'त्री वार्षे व्यवसंक्रिंगुन्यंगुन्द्रस्य वर्षा वर्षेत्रायुवा क्रिंग्याचुन्नं वर्षा रमसः स्वाविष्याम् । विसार स्वाया स यात्रळेनात्रदेग्यदमाने द्याया । अस्यायते सुनायते सुन्दरहिता । वेसाये ॱज़ॴॖऀॱॷॸॱॸॺॱॸॖॱॻढ़ॺॱढ़ॺॱॸऀॱढ़**ॸऀॱॷ**ॻॱॻढ़ऀॱॴढ़ॺॱऄढ़ॱॻॺॱय़॒ॴॱख़ॖॴॱॸॖॱॱॱ 2. 高に、口な、劉山か、口知、皇知如、高山、子、高上、天、一 いお、とに、名山田 馬方、田田の पालाम्, हे. श्रेचे थ पत्र देशका जार पत्र के का प्राप्त के का प्रकार के का प्राप्त के का प्रकार के का प्राप्त के त्वु'न्दिन्'णुट'स'नेस'हे। के'स'हर"चुै'ढ्ल'हन्स'ट्ट'हुर"६'<u>च</u>ीन्सर्म त्रिं क्वस्यार्द्र्व केव्या विष्यं प्रायर देशहे। यद्या विषयं विषयः विषयः इयामदासुरा हो। हुदाकना सुटाद साईन् र्राट्सामा मार्थे साम स्वर् यु.स्ट.विस.ह। व्रिवाय गीव.वे.हे.इय.वेट.घराता विष.स.रच्यी कार ฃ҇ॱลัฅ'ล'ล'รัร'ฃิฃ๗๚ฃ๎เซฺ๚ระย์บฺาฅ'ҳ**ฅ**๚**ฅ๛๚ฦ๛๛๛๛๛** बाव्यायाप्ता देग्वियाम्हेदाळेर वियाम्यदायमा व्याक्त सम्

लिहासुरहा | गुण्युप्ताह खुद्दाह प्रक्रा | विद्याह प्रवाह । विद्याह । वि

दे'दब'रे'वेषा'द'कुल'र्य'ह'त'म्'ङ्ग'द'यबुत'यदे'दुब'खु'ष्पप**ंशेब'**कुँ **ऄॱनेॱ**ह्रञसॱम्बिन्सर्मस्। बेस्रॱइत्रःखःखर्द्रग्न्स्यःस्ट्रसःस्तुसःसुन्यस्टः बुनायाणु हेव प्वेत्यायर बायाचीयाय बेयाया। सक्त हेव हे पाप बेट्य यानुष्याके। पश्चरामे हेदायानुष्याया देशिषुष्याहेषात्राम्याया देशिषुष्य **ন্ধ্**নেম'নেম'নেম'র অঝ'ল্টিম'র্ক'জ'র্ক'ল্ম'র্থ'ল্টিম'র্ম'নিম'র্ম'নেম' दे, प्याप्त प्रमाधित, में अथा हे वे क्या, में बे प्रमाधित अधित, में बे प्रमाधित, में अधित, में अधित, में अधित, ऍ८ॱतु चेुबायर 'चुराय'**व। ब**रबा कुबाय हॅं बाबूब 'तरबादरा। हे 'दर ह्द'म'गुद'न्न्र'मंद्र'न्न्द्रेश'कुश'म्य'न्'यूर्य'हुँ सस'स'न्द्रिन्य'मदे हो। दे'व'र्कॅट'यरि'रेन्व'ष'म्'य'अ'अ८'न्वेश्व'र्यरे'यरि'युवा ग्रे'अ'श्रद्यकाणी ロニ·ロス・현ル・근・결정・庁・용・ロ・ル 저도정·필정·결정·디·미· 결정·디·국 정정· 드, वया मुःसःस्रिरम्पराष्ठ्यायान्तरा महिन्याम्भीयायान्तरा न् के माञ्चरामके देना नु पहें नका है। यह वास्त्र के प्रमाण के प्रम लालराम्हेराम्बा मुन्यानुताम्बेरानुर्यानान्यान्यान्यान्या बररेरपुरला तसनावरयात्रदेरभ्रेष्ट्रापुंदरयाला विष्ववरणुरवर्ष्ट्रवर्षाया **छे८.तर.**र्चेल.७ब्रूर.च.चुर.४ ४.वी.ल.वेल.वेबी.चचित.तथी ्रुट.ल.चक्र्थ. **६४.७२४.**क्रुब्राचर्याषःङ्गेषात्ता डि्ट्रक्रि.वीब्राट्राज्यस्याक्षा मन् वे वे वा स्थापित वार कार्या महिल्य है वार मिल्या महिल्य महिल्य मब्दिस्यामर्थे । देवे सम्बद्धाः देवे अर्द्रम्यायावः

त्रह्मान्त्रिः श्रीटायान्तरः त्रिकायान्तरः श्रीकाव्याः विद्वार्थाः विद्वार्याः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्याः विद्वार्वार्वार्याः विद्वार्याः विद्वार्याः वि

द्वा हिंद्र, ग्रीका पूर्व प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त

दे। ब्राच्या के त्या के चर्रः पक्तु ५ : व्याप्ता क्विलः द्विः विश्वता द्वा द्वे : व्याप्ता क्विलः क्वे दिः विश्वता द्वा चित्राच्चात्रक्ष्याच्यात्रक्षयार्भ्यवात्रा क्षेत्राची क्ष्याचीयात्रक्षयाच्यात्राच्या ऱ्। ट्र-कुल:वु:के:र्वयःणुव:व्यय:वेह:दुः-तु:र्यट:ट्रा वु:स्रह:प्ययय:प: वया तस्त्रेन्'सम्ब स्थिरमुख्याचेरि न्यान् स्था क्षेत्र सः न्या हिता हिया हार ผาลีนาดิศ สนานัาอานสนาลีสาดราพนายิราปิสาชีนาสิน! ลู้สานัาอา मः विष्कृतः री मुका त्रेका कर्ता के का कि निष्कृता है ना से का स्वाप के ना से ना से ना से ना से ना से ना से ना मारस्री मारसम्ब स्वरि सु खु रह्द से द ग्री मा गुर खुद मा द हा सुल से स्वर सकद र मह्राम्याम् कृतामा सुराद्वा सिन् मेन्या सुन् रहेवा सर विकाद का दे। देर पर'रिन्',वंश.केषाति,केरायावात्र्यातरापर्वेचातमा वंशाव्याविराक्षेषाञ्चय इसरासूत्र केसामबदानार १८५ माना असाम्बर्ध केसामबदामा महिमा मेसा म्हास्ति स्वर्धा क्षेत्र क्षित्र स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा क्षेत्र स्वर्धा क्षेत्र स्वर्धा क्षेत्र स्वर्धा स्वर्धा क्षेत्र स्वर्धा स्वर्ध स्वर्णा स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्

म्नितास्त्रं त्यस्त्राच्या ५.सं.क्टा.त.४८.त.म्नितास्ताव्यः द्वय्यायः श्री त्यम् म्नितास्त्रः त्या मितास्त्रः त्या स्वयः त्या स्वयः

पर'श'र्पर'प्युर'पर'बु। प्रथ'बे'बढद'बाष्द'ग्रीकांबढद'पह्ना'प'
प्रदाद'प्रभुर'रें। वेक'बुक'प्यक्ष। देर'प्रपाक्तुश'रेंक'बु'द्द'बेर'श'
रेद'प्र'केरे'प्रेंग'बु'पक्रेंद'हें'पुरु'प्य'ग्नुर'दें। देर'प्रप'
कुल'प्र'क्रें'केरे'प्रेंग'बु'पक्रेंद'हें'पुरु'प्र'प्र'प्र'वह'प्र'प्र'प्र'क्रें

ने न कर की प्रत्ये हिंग् स्वार्थ हो न हो स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर

चुलः तु ' खु ' त्व ' बे द' के द' के वि ' ले ते ' ले दे से ति ' ले ते ' ले ते

मिनामा के तहे वाया दि महिकासमा सिन्दा महिका के मार्थित सामा है। मुब्द्रायात्र्द्राम् व्याप्त्राच्या विद्याप्त्रायात्रा देखा विभयः गुरुषः प्रति म्ने प्रमानम् । वृत्रास्य देशः ह्रायः प्रमान व भीव गृ 'ष्पर 'र्पि से नेर विषा देर दे हिर व व कुल में खु रव केर ल स्तर ल्। ट्रेप्सिम्दायाक्षेवायाक्षेत्रायक्षेत्रावाच्यात्रायाः ङ्ग्रिअ'व संम्यास्ति । भी सम्मित्रिया स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य गुट्-मुल-ध्याहे द्वर-पञ्चयायाविद दुःपयद दे। देहे दुवाद खमा दुवा ॻॖऀॱ**॔**ॸॱॺॕॖॻऻॺॱढ़ॺॱळॅ**॔ॱॻॱॺ॒ॱॱॻ॔ॺॱॸऀढ़ॱॻॕॱक़ॆॱक़ॗॱ**ळॅऀज़ॺॱऄढ़ॱॸॖ**ॱऄॗढ़**ॱॻॱ**ऄॗॻॱ**ॱॱ ष्यः अ'श्रायः पुरते' प्रते देव देव पुरत्या हिं में दिन हिरामित विषयः उदा पुरति तेत ५**ण**८ र पर प्राप्त द्वा क्षित देश सामा स्वर्ग प्राप्त व व दि प्राप्त व
 ने क्विंदि ते क पर्हेर'री पर्नाथादै ज्ञकुं बेर'री बेसप्या रें दाष्ट्र रूट रूप रूप **मुन्यार्वे अयम् विन्यारित्याल्या विकासका स्नीयान्य क्राम्य** <u>चनसः मः चः तः तत्र सः सः देशः खुः तरः चुर्द। विशः श्रुसः दसः निदसः तर्रः स</u> लाबुरायरान्वरावरा रमातृ मुटाही निग्रुलामु र्वे स्वामार्वना वर्षा **บฐ่า.ชุ้งสม**เพ.ช.ช.ะ.รู้.1 รู้สาส์นี้ผู้ปลานิตเกู้เตาสู้เปรูเซาซี้เพา पहन्यायाः पहन्याः व्याप्ताः विकासन्याः विकासन्याः विकासन्याः । **ग**ने्र'य'देश'पत्तुर'वृश्'र्युर्याचेर्' वेर्। देश'र'ठे'श'ग्श्र्र'पुरु'यस्। मुलर्धस्यान्तेन् सर्पन्नेस्यायाभेद्रायस्य त्रीरासुप्तुराम्बर्धन्यहरास्य

दे-लाबार्माराक्षी टामर्डदायान्बरायाधेदायबा क्रमालाश्रमकालेदामुः यदः केदःदे 'त्राचु वः वाच्या दे 'दः विषा 'यत् वः के 'व विषा दः दे 'व त्रके प्रमार वृत्राच्या **वना प्रमार्व** के सम्मीया चेत्र प्रमा हे विकालना से प्र **ॅबर कुर ५८ । नबर ५७ वर्ष १७ वर्ष १० वर्ष १७ वर्ष १० वर्ष १** १ अस्यासेवासामुदारा विषाः विषाः स्वाःस्वासान्यः । कुलाम् देवा स्वाःस्वा न्त्रामा विषा भे में मानवात वह वाक्षाने वाकनामा स्वाप हो गानिना वा वापान निवास ष्ट.पर.वेंट.तथ.तेंधु.वे.सू.४टे.त.केंदे.वथथ.२८.ग्रुथ.षह्य.तर.वैथ.त…. दे बर्धाः। देरापदुव सादै प्याप्त व साम पुत्र रे प्रा कुव सूर्य प्राप्त स मन्नान्य विषयायाया कुर्द्विष्य सम्मन्ना सम्मन्ना निवानु पार्रम्य सम्मन्ना चःकन्यायाः **भ्रेःचदेः न्यस्यः युःयुरः**चःषदः। वदेःष्ट्रः युरः स्रेःन्यसः विदः दुवः पत्राचा पत्राची: शत्राणु दार दे दे दे प्राची के देवा के देवा पत्राची के देवा के देवा पत्राची के देवा क ॔वे**ष**'८८'**। क्षे'मठट'मठे'९५'**'वे**ष**'कर्देद'र्-गुरु देवा ५चे'र्ख्ल'र्-े'८विंर' पर'र्श्व पार्वा के स्वर्धा के स् नु'न्म'पर्डअ'सर्दे'रुम्<mark>या</mark>चु'र्घप'यर'मुन्दे' ने'ववायर'व्हवायर'म्नेन बार्बा बनायम् व वेबायम् शुरायान्या। वितान्यन गुकायमा निग्रहास ॻॖऀ**ॺ**ॱॺॕॖॖॖॸॱॾऀॱॷॸॱढ़ॸॕॸॱय़ॱॻढ़ॏढ़ॱढ़ॕ॔। ॻॖॹॱॻख़ॱॸ॓ॱॿॸॺॱऻॸॱख़ॗॸॱॸॖॱॡय़ॖऀढ़॓ॱ 8ु८'सर'मुैस'मण्ड'वस'मठुष्'से। देश्य'से'त्स'दस'१दि'**द्वा'प्**ठेण'दस' न्यरापु दे वियाया केना सराम् दे हैं दे वा वियाया मुंबा के रहिना सम

Accession No. 038406: 101
Shantarakshita Library
Tibetan Institute Communications

म्बदादे सामेदार्दे। देवायान्य मन्मादी मन्त्रे ख्याम्यर सु ख्रीमा स्वा दे'कुल'मॅ्हे'कुन्'त्'म्बॅल'म'त्राच में 'बळर'हे 'विट'स'देर'क्षर'मुँब'स' न्ता मुन्नित्यादेग्दारी कुलाव्यित्यायात्राव्याव्याप्तात्राच्याप्तात्रात्ता देबर्के 'ल' नाइंद् 'हेबरमबर्गिट्रमार देर चुट्रिय म्हर्मेबर नाईंद्रमार जुलर मेंबर पणल पर्झें राजेर। समामिता वार्ता पर्ने पार्ने पार्में निवासामा स्वाप्ति । स्वापिता स्वापिता स्वाप्ति । स्वाप् वयात्रे । व्याचार्यात्रे प्रत्युव । विष्यु । विषया । व ष्ट्रानुत्रः पृत्रन् त्युन्यः विवाद्यः विवाद्यः स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वतः स्वादः स्वतः स् पर्वापाष्ट्रितः स्वयाणु स्वया केना या दे "के प्येवाना सुहसा समा हा दुन् चर्ड्रकायाः क्षेत्रायावाः क्षेत्रावाः १ ति । विष्याः विषायाः विषायः वि □क़ॕ॔ॺॺॱय़ॺॱॺॕॻॱॸॕॱढ़॓ॺॱय़ॕॱक़ॗॖॺॱढ़॓ॻॱॸॖॱॴॹ॔ॺॱॻॺऻ क़ॗॺॱॻॕॱॾ॒॓ॺॱॺॖॖॱऄ**ॱ** रम्याद्या ५५°द्रुयानु। ९<u>मयासु</u> १६५५<mark>५५ सु । सुपान</mark>्द्र्यासु लियायाया मुलार्यया सुवामा दिखारवार्यार्यार्या न्यन् 'तु 'बेन्'यायमम् स्पानेहे ह्रा द्वीत् । चन् के नेयायर ह्यूरायमा नेहे **हैन**'ब्रेच'ब्रेच'ग्रैक'ब्रुच'र्**र'न**र्सल'बेक'नशुटक'यवा परनामकर'सु'रनो' द्धवायाधेवायसर्वेष्यपाके वेसा हे वाहे हिरामु देसामा है ॺऻॻढ़ॱॻ॔ॱॻऻढ़ॺॱॻॸॖढ़ॱॻ॒ॻऻॺॱय़ॱक़ॗॖऀ॔॔॔य़ॎॶॱॻॱऄॄॱऄॗ॔॔॔॔॔ॱॻऻॺॖॺॱय़ॱॺऻॺॺॱय़**ॱॱॱॱ बैना नर मुँ**नक मु**नना** ने गुद रन्न ० र र मा उपबुन्न यस 🔻 रे था बुप्नर नुर्दे नेर द्या देय दे हैं दि दुल पहुल पहुल पहुल व या सु र दि लया र द्या स

5. 音. 破七. 美」

चुल'र्घ'नेरे'र्मेर'ष्ठेर'दे'र्हे'न्द्र'चे्द्र'चे्द्र'चे्द्र'र्म्द्र'चेंद्र'र्वे नल'द्रल'र्मान्दर्'स्र' चरु र व मुे प्या कु 'में प्याट 'सू है 'ह युका व 'फें प्रो हे प्राचु ल 'में 'हे यु प्या यमण्यायरार्दिरावया देखायण्डुःषाअःयहराङ्गे बुःयरेःधेवार**े** न्न- कुल'म् । कुल'म् । त्राक्षेत्र पाट्यकाम् । के त्राचिका विकासका यह्रदाष्ट्रितः भ्री द्वाद्याः यह्न प्रत्यायम् । विद्रारहेरा रहेदा मराम्बरारमा वर्षाम्बद्धायह्बाष्ट्रियः कुर्त्रात्र्यः कुर्वा वर्षा मृद्याप्तर्व भी पुन्य र्पे त्राप्त कुला में रिदेर में द्राप्त । विषय में रिदेर में द्राप्त । लान्द्रायास्त्राचरार्मे स्थावया पर्नास्थारेराकुलार्यहे सुवास्र बक्रेहर देव नाम हैर नव व नाम है र निव नाम है न्ता कुलार्चना वन्नालाक्ष्मायाम्यार्वनाया नेविष्टा प्तत्वा कुषः म्हिन् ग्रीका **ट्रैन** पायका मुंदा स्वाप्ता किता स्वाप्ता किता स्वाप्ता किता स्वाप्ता स्वाप्ता किता स नुबुलायराक्चे हो। ने ला क्षेत्र याविहा क्षा व सामनी सामनी साही। ने पादि द मनेगरापदे रेटापसेश ठवासी स्नापित में या के पार्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत च'द्वेन'चद्वेह्रस'त्। कुश'र्घ'र्ह्वेर'ग्रै'र्द्देन'य'त्रसम्'ठर'८८न्'यर'८ग्रुर'र्र' निश्चर्याः स्वायाः कुर्रात्रस्याः कुर्याः स्वायः लकार्थ्यत्र व्याप्तात्मिर्द्र पूर्वात्र तात्। मिलास् कार्श्चेत्र देसाम्बेलामु । न्नातान्ता सर्वेदेशकालायात्रीयक्षान्तान्ता सर्वेद्राम् पकुर पुर्व क्षा का स्वाप्त का स्व न्ने'र्ह्यूट्र्यूट्र्यूट्रं हे'बेश पु'पश् न्यूट्रं मूर्अपवाट प'बेग्राथ बर्केन् हेन् केन् में 'बेन्' मुश्रान्य। मुश्राम्य खुरान्न सेन् मार्थाम् हेन् मार

दे व या मार्ट या मा इति भी के पा मले बुव ५५८ या है। दे प्या में कहर

पतिः विश्वाचित्रं विष्यं प्रति दे भेषा वार्तः श्रुष्यः विषयः विषय

ने प्रश्चिता स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य

वुग्न्दः सं त्राष्ट्र प्रस्तु ग्रुं हो ग्रुं व ग्रुं

तुन्यम्हिष्यः। यान्वयः केव्यम्बुन्यः क्रिःसः हिष्यः स्विष्यः स्वित्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वित्यः स्वत्यः स्वत्यः

वृत्याम् स्वरायाः । देग्यदेवः म्वेष्यः यदेः देदः यस्य । देवः म्वेष्यः प्रतः प्रतः । देवः विद्याम् । देवः विद्यामः । देवः विद्

मादः क्रॅं 'सिरे कुन' [सिंग्लंदः] सदस्य कुरु क्रेंदः त्युरः दुं पुरु स्पर्दः क्रेंदः स्पर्दः पुरु क्रेंदः स्पर्दः स्प

देवयार्थात्रेयायत्याचियाद्यात्यापयार्थात्यावया प्राप्ताचि प्रवाता व। श्रीय-न्यवःश्रुः श्रुवः व्वतः दे व्यत्वः प्राचीत्वः तुः व्वीः व्यवः व्यत्याः यः व्यतः याणाः यः है ๚ฺ**พักฺน**าฦิงผฺธุาฦี่เ ฦิลิงผู้รัญบูกาลูกาฏิงคิกญากะนาสกานังสิลิงๆรักานา ८वृद्दानेकार्नेनका द्वा र्हेरानु न्याया हेर्तानु न्याया हेर्तानु न्याया हेर्तान्य न्याया हेर्तान्य न्याया हेर् <u> बिनायहर्ना रेज्याञ्चलायानकुर्र्रा</u> त्वेन्यः यरः यद्वे**रः ययः** देः द्वां अर्वेदः दः द्वः युव् स्वः देः से स्वदः से श्रेदः [दे।] ୶ୢୣଌ୕ୄ୵୷ୢୖୡ୵ୣ୴୰୲୵୷ୢୄ୵ଽ୶୶ଽଽ୶୵ଽୄଽ୷୶ୢଌ୶ୄୖୠୢ୷ଢ଼୶୵ୖୄ୵ୢ୴୷ଌୢ୶୵ଊୄ୵୲ देर-श्रुप-र्पेद-शु-श्रुप-ग्रुय-श्रूर-प-अहर-पन्य। ग्रान्य-विदे-दर-द-श्रुग्य-र्यः ञ्चलामामा विवादयायर विद्याप्तर विद्यापत व बलान्सा म्यालेन पर रिनार्विषा निमा सेमसार व मी में न मुन्ति मुना कुेश**ान**श्चरशादशादेगायबुनाशास्त्री देशे हेरानु रुपा शेखेश प्रदेश है। वटा देना सहर्द्ध देखा क्षेत्र प्राच्च प्राच्च व क्षेत्र व का क्षेत्र के का कि का कि ता कि ता कि ता कि ता कि ता कि ता कि वसः नृज्ञें स्याव या उद्यापाणि से निरास ग्याहे न्याय व या प्रमेव ग्याये र मारि र मारि र स्यापा देय'पर्हेन'र्ने। ट'न्स'ळेप्'१ स्याप्त प्रेट ने 'न्प्'मे के के प्रेट प्रेप के कि ळेनाःअः१बयःवःभेटः८९ः५**ण**ॱधुरः५ःश्चेःघरः४गाः६नः देवः**न**शुटयःमस्।

विदःदेःदन्' हुकः हे 'दःक्षः प्यदः प्यदः प्यदः दिश्यव्यवः प्यदः न्याः वि हरे । विदेश्यव्यवः प्यदः निष्यः विदेशः चन्यायाः ह्राह्रान्तरवानुः स्राहेत्यात्वरानुः स्राह्यायाः हित्यायाः द्राह्या चु८.रि.पक्षेष.पबिष्याचा विष्याचा स्थान स् कर्र्यट दवा अर्घे पिदी पर्यं राष्ट्र देवा प्रवाय राम्यु सुपार्मे देवा য়য়য়৽ঽয়৽ঀৢ৽ৼয়ৼঀ৽য়ৼঀ৽য়ঀ৽ৼ৾৻৽৽য়ৢ৽ঀ৽ঢ়৽য়য়৽ म्दाया क्षेत्र चुदाया भेता हे र स्थार देवा कुषा है या भेता स्तर है। देश हात बर्च द[्]र्का १८ में प्रति । विष्टु प्रति की विष् ढ़ऀज़<mark>ॱ</mark>ढ़ॺॱॻॖॸॱॸॖॱज़ॾऀज़ॺॱय़ॱॸॸॱ।॔॔॔॔॔ॺॕॸॱॸॖऀढ़ॱॺॸॱय़ॖढ़ऀॱढ़ॸॱढ़ॱॲॸॱय़ॱढ़ऀज़**ॱ** प्रवृत्यक्षा देखाने हार्चे प्रति स्ट्रायं के पार्वे ना गुरु के दिन के प्राप्त के पार्वे ना गुरु के प्रति के प् पञ्च रामके साव सके दाहे वादमादा दुरत देवा पश्च स्वापित स्वापित पर्देवा ह्दः तद्राणुः **मुं क**र् प**्वमः यान् हैना गुटा धर्**। देहे हे सिन्स गुः ह्रिं हुं न्या वा कुलार्याकेवार्यापदेवार्द्धाराम्बेरासुलामकेरवा देशान्मेरामकेर वर्केन् हेन र्षेन्। न्यन्य सुरह्म व्यापविषय प्राप्त हेन प्रवृत्त निहे हेर सॅन्यावायरायरायाच्याप्ता द्वेतातु के स्वायायरायराया अर्के प्तेता १९ त्रात्ते त्या विष्या त्युष्या स्रोते स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता षदा वर्केन हेन त्राचित्र हेन वर्षेन प्राचेष के के के के निष्या के के के निष्या है जो 57° ×51

चुन्य। हैं हैं 'र्'चर्' छैं 'डेर' हैं 'वेच' अक्ष्यं न अक्षर्' हैं व' तह या प्राप्त प्र प्राप्

८६वान्चेरार्डवामा कुर्हाशासुनामावैनाष्ट्राही देखारहत्त्वेववा **५म० क्षान्य विमानी का सह्न गुटा बेरा अर्मु वर्षा भेव प्यटा बेरा देशे** वुनार्ष्वे नवार देवा है। नार वा की गर्द ना वह वा स्वाप्त नवा की वा स्वाप्त नवा की वा स्वाप्त नवा की वा स्वाप्त बह्दश्रुवायेषु प्रतायेष्य विषयायेष्य विषयायेष्य विषयायेष्य । स्^र भाषात्राप्तात्रात्तात्र्यात्र्यात्रात्त्र्यात्तात्त्र्यात्तात्त्र्यात् पश्चेव पर म्हें न सन् व व प्रायर सम्बाधित पर देश सम्बाधित समिति समित देते'द्वमामाभाषामा स्वाम्याम् वर्षेत्राची म्याच्युमामा हो। प्रात्मामामामा **दयःश्चा** रेहे बुर क्चे व्यक्ष र हेव प्रदेश र र र भेर र है। देर र स् स्वातर्याणु सु करारद्यान्या ब्रायम् प्राप्त व्याम्या न्गर हैं हैते इ'हें ने से प्रवेर ने से एवं ने प्रवेर में हैं ने से हैं ने से से प्रवेर में से से से से से से स स्वातन्याणे जनमाहेयाणे मा करा देशामन सही हेटावान जना है। वटावयास्यानुवार्ष्येयापर्वे स्थाप्ता अवायराप्येयामान्य्यापर्वे सावा यान्वेनान्वेयास्त्याध्यान्याच्या देन्द्रिः भेन्याः वर्षे त्र्यात्त्र व्याप्त व्यापत व्या ख्ट रॅम्स रंग्यायाल्य चुट रु प्रमुद पाल्या प्रतास्त्र वा प्रतास्त्र वा प्रतास्त्र वा स्तर स्वास्त्र विकास स्वास

द्रेष्य श्रम्य या प्रम् नेपान्तु विवादिकात्र क्षावर पालाञ्चनवार विवा **ब**्यामयाबराश्चारारा क्षेटाब्रिटाले प्राप्त पुराक्षा विवाहर स्वा **रृंडे**ग्म'देगापबुन्याया देते भराष्ट्रग्यास्त्रम्राध्याव स्थायते सुरामुह्या हु माद पा दिना ने हेट दा ₹.त.४७.छे.७८.४५४.चश्चाता.७व.ऋ८.५। दे-दरम्भः स्वर्यम् निवर्वया मुद्दान् प्रमृत्यवा विद्यापाया क्रिर्या मुद्दान मधु-र्भानुवाम्यापा स्वापन्यान्यायस्यायस्यात्रस्यास्वान्यायः **पहुद**'य'तर्दे'क'मेणस'हे। ब्राय्ट्रं'युंग्यासुरायहुद'द्वापविद्यासुर्थिद'या कुमान्यायितः भैपादेग्यायय। देवे मिष्यादुष्टित्दे रवादुष्येत्वे प्रदेश न्त्रमा ८.४८.व.हूर.वहे.वश्रव्याचर.वश्रा श्रावेटश्रातर.हे.विट. <u> रदःपठर्यामः त्युरात् नृष्ट्री</u> देग्यः ब्राय्त्यम् स्रो देशिः नर कु । ৡ শেলবা শুলা দ্মিল ত্তৰ ভাৰা কীনি প্ৰুলবা দ্মাণ্ড তৰ ভাৰা ক **नै**'नु'र'देश'परि'ग्रॅं'रिविर'स्'प्नग्'रे'र्ट्'पठश्रप'र्हे'र्शपदेट्रश्रप'रा वबुनायाने। देते द्वापटा नाव हिं त्या तर्दे वा हुना व्यत्रे दे। दे प्रीव क्वाया के मथ. धर. हे. ८ हे चं था ता अट. तूर लटा लूटा विषया र हु वटा व वहें र र प्यापित **त्यअःन्**ष्यश्चाय्यः न्याय्यः विष्यः न्यायः **बुद**'रकाम्बेनकार्टा केटानेहें बुहें नुर्देखाय बेटकारा स्ट्रा दे **५नाः**[[चैवः]]ह्यसंकेर्याधेवाङ्ग्रार्दे। श्रुःदेग्निष्ठेशस्यसंहिद्दिन्यसंदेर वन् रे अर्देर प्राप्य र प्रति । स्वारिते प्रार्धि म्वा वि वर्षे अप्वतास्त्रा गुँभामपुन् हैना हैं रहत प्रात्रा र्मिं र विषय । विषय विषय विर्देशमारी **ढ़॓सः**महे.के.पिट्र४ऱ्स्यायेवेस्तान्येव्याम्,यटायःयद्भात्त्र्याक्रयः४८४याग्नी.स्रे. द्यायाम्बेदसावसावसावसावसावरायातस्य नाम्बारायानहेन

वसा यह द त्य विवाय यदि हुम्प वर्द द य विवाय सा

 [[मञ्जनः]]मञ्जनसम्बेनाध्यन्द्राः देवे वृत्येव द्रावयः मुवासरे सकेनः हेदालज्वायाप्तिवाचेन। यराख्वायाणुरह्नित्वार्कामान्द्राह्मानार्वियान्यस **ब्राप्तान्तर्भात्रा स्वाप्तिक्राम्य स्वाप्तिक्राम्य स्वाप्तान्त्राम्य स्वाप्तान्त्राप्तान्त्राम्य स्वाप्तान्त्राम्य स्वाप्तान्त्राम्य स्वाप्तान्त्राम्य स्वाप्तान्त्रापतान्त्राप्तान्त्राप्तान्त्रापत्राप्तान्त्रापत्राप्तान्त्राप्तान्त्राप्तान्त्रपत्तान्त्र** पदनाः पत्राः विकार्त्वाकाः प्रविद्यात् । प्रविद्यात् । प्रविद्यात् । प्रविद्यात् । प्रविद्यात् । प्रविद्यात् । ब्वायाहियाचिताते। देवाक्षुः र्रायायान्यदेवान्वान्याया दयहानुः हि दे व ब र् है है न प्रत्य व र दे न व व र प्रत्य व व र व व र व व व र व व र व व र व व र व व र व व र व व र व व र व न्वदः जटः छट् यान्वेना प्वतासामादेशे दुरादा कृषा लाये न्यारे ही विरासरा a र्वेट ने अर्केट र्वेट प्रवित्व विद्या स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित व.मैल.त्.क्ष.त.ज्ञा वैट.क्य.क्ष.त्राज्या वैट.क्य.क्ष्य.त्राज्य.प्रह्म.व्यक्ष्य.क्ष्य.व्य.व्य.त्रा चुकावकार्यसम्बद्धान्यतः कात्वा अकॅट्रहेवार्ट्स**याचेट्राट्रायम् वान्यस्यान्याः नव**वा षदः वर कुँ वर के न पर्वा प्राया हरात्वराह्यात्रात्वे व्यक्तात्रात्रा विषया हितात्र हेतात्र हितात्र हितात्र हितात्र हितात्र हितात्र हितात्र विषय ਜ਼ੑ੶ਫ਼ੑ੶ਜ਼ੵੑੑੑੑਸ਼੶ਖ਼ੑੑਜ਼<mark>ੑਸ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਖ਼੶ਖ਼੶ਖ਼</mark>ਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼੶ ন্ত্ৰন্থ:শ্ৰ্ न्युत्ररवर्षेत्रप्रेत्रप्रिव्राधन्यः वृ द्वाप्तु प्रमान्यः वर्षेत्रप्राधन्यः वर्षेत्रप्राधन्यः वर्षेत्रप्राधन्य ଌପଷ'ଡ଼ବ୍'ୂ[ବି']]ବ୍ୟ'ଶ୍ରି'ଈ୕'ଊୖ<mark>ୢ'</mark>ପଦ୍ଧି'ଖ୍**ମ'ବ**'ଛ୍ଲି'ଖୁସ'ମ୍ୟଦ'ଅ'ମ୍ମ'ଦ''''''

परि द्विष्ठ्व नवाव श्रुव र स्वाव विवयः वा नव विषय वा तुव वा त्वा विषय परि वा वा वा विषय वा विषय वा विषय वा विषय वैनापबुन्या ५ फारवेबायारयान्येनायान्युनायाव**यु**नायरे छ्याचे प्र विनामबुन्या देशे हेट अगय रेशे बुर व प्लेंद महेर रे पुना य ने देन म्बन्धा परार्द्धः स्थायाया पृष्णाया चैवा क्षात्र विवास विवास द्विते **द्वार** विषाप्ता हवाङ्गायाचीवाङ्गायाच्याचिषाप्ताप्ताप्ताप्ताप्ताप्ता ञ्चनत्रक्रम् कुन् गुट्रम्बुन्या हुँ खु्ना अळ्यतः गुँ खुर्राचना द्रारहना न्यायः ह्यापि सेरामे विषा क्षाप्त विषा मुद्दा विषा मुद्दा विषा के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय सम्बद्धाः मृ 'दुः मृ 'वि 'दुव 'द्वयवा रुदा मृ हैना पबुन्या तहवा प्राया । रामा छ त्रास्ट कुँ व भिवासिट [[मा]] मुँव हिम स्वासा छदा लिमाम लुमासा हि स्थास छ हा याचेत्रयानेवरपुष्याद्या हर्षेष्ठ्रवर्षेष्ठे वे विवासिकाने द्वाप्याने हर्षे विनायाचेत्रत्वत्वरकेरमान्वेनामबुनाम वुनाच्यायकव्यवर चुमाळेवर म्बिन्यः विद्वत्यः केष्यः [हिन्युन्यविनायवुन्यः देवसः द्वाराष्ट्रे दिः ग्रा वःक्षेत्रम्याकुरेश्वस्याकवात्रह्म्यरेश्वरायाक्षेष्णार्था देरे स्वावास्व रसाम्बेनसागु सळे ८ हे ब हि । यह प्रवास पुरार्ष्ट्र प्रस्ति । स्टार्स्ट्र प्रस्ति । स्टार्स्ट्र प्रस्ति । स्टार्स् म्बर्गायुन्यत्वे मार्न् क्षुं तिहेन्यासुरुटायावेन्यान्वुन्या ें नेप्ताके ङ्ग्ग्रिक्ष्यः म्रॅंड्र्युव्याङ्ग्याप्यः प्रमा नेप्तः हेप्तः हेप्तः विश्वेष्यास्यः स्था

म्ह्य व्यवस्य द्वा है दिन है निवान विवयः ति विवय है राष्ट्र विवय की विवय मा बिलाम्बिमानुनान्द्रहेर्देलानुन्तुन्त्रम् नर्वेलान्त्रभाषान्यस्यार्यसार्यसारा ङ'व'ॡ'कश्च'दे'ङब^{र्}दा'प**बुग्**वा दे'द्दःहे'पहे'व्दर'ह्व'[[व']]ॡ'ह्दा'हर'र ढ़ऀॺॱॻढ़ॱॾॣॕॻॱॸ॒ॻॕॺॱय़ॖॖॱॾॖॖ<u>ॣ</u>ॻॱॻॖऀॱॺॖॖॖॗॴॺॱॸॺॱॸॖॱॺॾ॔ॸॱॻॱॸॕॣॱॺॖॖॱॺॎॖॱॴॸॱॻॱॴॗऄॴॱॱ प्रवृत्वत्रः श्री वृत्वतः म् इतः क्रियः प्रवास्त्र वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित् **ॸॱॸ॓ॱॴॹॖॖ**ॻॺ**ॱॶॱॺ॔ॸॱॻॴ ॾॕॱॺ॔ॱ**वॱॸ॓। ॏॗॸॱॻॸ॓ॱऄॗॸॱॸॖॖ॔॔॔ॱॶॗॸॱऄॱड़ॿॱ **मॅटामाबेनानुग्युरादबा भेगामबायरा**दबारमानुग्युटा। देग्कुग्नरावरा **बुंगन्।यन**'रेट'र्यर'र्वेग्रायथा वृषःय'क्ष्य'य'षगर्देहेग्न्व'वेष्टेट ता. ब्रेट. त्व. चेट. तपु. रच. वैट. वेच. रच्या केप. त्या केप. त्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप रवानु चुरावावस्या द्वाया द्वाया द्वाया द्वाया **२८.ऋ.४८.७४८.५४.५५ हे.४.चे.५४.५५** %.चे.४८.५४८.५५५५५ वस। निगर्धिर नेश सं छे प्यय छे वया छुल र्घ र सकर मुक्त है रन हु विट.प.पथर.त.ज.७ वे.प.चुंब.हो ईच.पचचच अं.८ व्र.च वेंब.ल्ट्य. **नम् चुक् ब्या** हे **हे मानव-नु ख्या** क्षेत्र रहे के क्षेत्र के के चुन हे या वा **इंग्सॅंग्सॅंन्** चेर'ठव'मुंग्स्ं भुंग्नेव'ठ्यस्य ठव'से'लटस'म'रस'म रस'म देना'मबुनासा **रे**न्द्रिक्**र्मण्याम्भवान्यान् राम्बेर**्षेत्राची क्षान्या क्षान्त्रान्या स्वानान्त्रान्या स्वानान्त्रान्या स्वानान्त्रा निक्र द्विष्या द्विष्या स्ट्रीय स्ट्री

पबुन्याः व्राप्तः वित्याः वित्याः वित्याः वित्याः वित्याः व्याः वित्याः वित्

ने व सः प्रः देश कुं । धुनाय रेहे देश अं केहे वि नार सिरा कुं म्राज्यावा नैर्वादि त्यायावादान्यायास्व अस्व में चेटा यह पार्वे द्या स्व ब्रेट मेरे हेट व पबुन्या। धन न है व पुन्य पार्ट । ने हें व सि हिन्य श्च चियाया भ्रापेदानु के बिटार हेनावायान के बाबार पर नु नहेदा दवा मबुनाना देते अनुन र्षु नन कु हुन ना ह्व हेन कुन रहेन खुन तर्मन सम्मान न.वर.कूट.रन.रे.वैट.पध्.य.व। रजात.रट.वरे.वी.ज.ब्वयावाचश्रीर.वया देशकेंद्रपुर्वेष्यस्थित्वातात्रव्यस्यात्रव्यस्य विवासा मान्यक राहेन पर्वराया राया उवराष्ट्र पाकु पाहे वा वारी मान् <u>ଞ୍ଚିମ'ମ୍ମ୍ୟୁ ଅଧିମ,ନିକ୍ ଅଧ୍ୟ ଖୁକା କଟ୍ ଅନ୍ୟୁ ମ୍ୟ ପ୍ରମ୍ୟ କିମ୍ୟା ପ୍ରମ୍ୟ କିମ୍ୟ ଅ</u> ञ्चन नियासिकाति त्राच्या हो । विष्यासिकात्र व्यास्त्र व्यासिकात्र व्यासिकात्र व्यासिकात्र व्यासिकात्र व्यासिका पर्वन्यः परिः मेटः खुटः मुसुत्रः कॅट्रा ्म्रहः ग्नाद्वः खुँ ग्वः वृः केटः म् मृत्रपरि मूर्या में प्रमुल वा विवायहर्म स्वर तर्वर में प्रमुल के स्वर परिवार में प्रमुल में प्रमु महै 'तुब खु। मकु 'वुब 'तृद ख्र 'दे 'बे 'वृद 'तु 'बळ दब महे 'ब्रुब र मव क' कु व। अर्के**र हेद रहेद राम्य र** ज्यान विमान बुन्या दे प्राप्त हे प्राप्त हेन

बेस'स'र्कें, देर'र्ह्में प्रमुच्यान्या क्ष्मित्रा क्ष्मित्रा क्ष्मित्रा क्ष्मित्रा क्ष्मित्रा क्ष्मित्रा क्ष्मित्र दें'व'**अ**र्वेद'र्स'प्रैद'श्चित'श्चर'रुद'रे'व'र्षेपा'णुद'यबुप्तस्। देहे'यद्पा'र्स'याके' पत्राचेतः द्वी वित्राचु रचार्तुः चुदाया क्रम्भागुदा देदा ने वा कदा १ वि कें प्राचित्र हैं हिंचेश थी श्वाप्त स्थान ढ़ॺॱॻॹ॔ॸॱऄॗ॔ॺॺॱॺह॔ॸॱॻढ़ॱॸॖऀ*ॺ*ॱॶॗॱढ़ॸ**ॻ**ॱॻॱऄॗढ़ॱॻॿॆॸॖॱॸ॓ॱॻय़ॗॺॺॱढ़ॺॱफ़ॗॕॿॱ ने। नेप्तायबेदबायकेखानेप्यान्तराखेषायकेष्यवकार्वमार्थेन्पी नेर**ा**हे दे'धै'ग'र'भैु'र्ह्न'व'रम'रु'मुद्दाम'विव'नेरा देशे'भै'व'र्स्सम'रमॅव'के'नेब' ঀঢ়য়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ঌঢ়য়৽য়য়৽ঢ়য়ৢঀয়৽ঢ়য়৽৸ঢ়৽৸ঢ়৽ড়৽ৼৢ৽ৼয়৽য়য়৽ **षट दर सर में** दि प्रकार हैं दिन का से प्रकार में का स्वाप हैं के प्रकार में का स्वाप हैं के प्रकार में का स्वाप त्र्याञ्चर में केर क्षे पाय विषय प्रते र म संग्री प्रता सकें प्रते प्रता सकें प्रते प्रता सकें प्रते प्रता सके **८र्देश्र.ह..२४.त.बुचे.**चबे**ग**श

ॅ्रे : प्राप्त : कु : पर : धुँग्य : छ : के रहं वरे : राम्य वा क्र क : राजे : प्राया वा क्र क : राजे : प्राया विवा

मति मळें न हे ब तुमार्या मारा रे सारवा ने प्रायत के नाते मळें न हे व प्रायत व बेर्पा दिम्प व म्या दे दे हिराम्य मा केर्पा मकुरा प्रावेर हे पार्क मा चकुर्रें प्रत्राचराम्बाकायहेर्हेर्हेरमह्त्रवाक्षर्याम्बेनाः भेताः देहेरस्वा मते ब्राव मार्ड वास्वार वार्षी भी मीर्टा खेलाना मार्ट विषय मेरा मेर नैवै ঈ্বশ্যমান্ত্ৰি প্ৰাৰ্থ সাজ্জ ক্ৰেণ্ড ব্ৰাহ্ম ক্ৰিণ্ড ক্ৰিল্ড ক वुतार्स्याणुः र्स्रेरायमावार्द्र देत्र दिल्लायहुन्यार्म् द्रिं। देवे देत्र कर्ष्यार्थ्वा पन्न स्पर दे। दे त्य श्वें अप्य दे से त्र दे अपन्त के शें पर के र वे व वे व स्पर दें। देशे हेर का अर्थ र है का बेपा प्यर हो। दे हैं हिया हमा पर हे प्रमाहित कर है अत्। देशे में संयाद कुलामा इंस खार्म गारी कुला प्राप्त के कि के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स् पदेन्स-मतेःबर्हेन्देन्ः[तयहानुः]तित्वापर्हेन्धान्यवाप्तिःवारयहान्या विभाग्नेयार्भरार्भरादी पञ्चाष्ट्ररायरात्यम्यायायायात्मान्नेतान्नान्तान् শৃষ্ঠ শাল্প শাল্ क्षाक्षाम् भाषाह्रह्राचान्वाचु नवाक्षाम् वासाया पदिन्यापरे पुराणी प्रवास मुद्दार सह दार्दा दे प्रवास के किया गी मुला में खु ८**२ॱऄ**॔॔ॱॏॗॖॖॖऄॱऄ॔॔॔॔ऄॱॷऀॱॷऀॱॴॗॿॖॴॺॱ॔॔॔॔॔॔ऀॱॻऄॣढ़ॱ॔॔ॱॗॕॎॿॖॕऄॱय़॔॔ॸॱॗॗॗ॓ऄ॔॔॔॔ गुरुव कुर री

म्बद्रायदायाम् व्याप्त व्याप्

बराया भैराय प्रदा विष्ण प्रदा प्रदा

कुलार्चा भाष्ट्र पास्टर र्घसापणुराया भेदार्दे। देशे स्रसादी रेट्र सहसा र्ष। देशे खुका द्वोपा। देशे खुका द्वोपाळ हेन देशे खुका नार्षा हुँदा देते स्वरा हे 'सहसार्था देते स्वरा हे 'सहसार्था [दिते स्वरा सहसार्था हिन् देशिः सुरुष्या न देशिष का देशि स्वर्धि स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्धि स्वरति स्वर्य स्वरति स्वरति स्वरति .पवुरा प्रवासना प्रवासना नैराहा रवार्श्वराञ्चरा नेराहा कु'मळी [[कु'बर्केंदे'सा] कु'बर्के'ळेद'र्मा ल'गु'दी ल'गु'दे'ळेद'र्मा गु'ला **१) पि. मु. मी. मी. मी. पु. पु. प्राप्त किया अर्थ हो मी. प्राप्त किया किया किया मिल किया मिल** र्वेता रमःवितः केदःसा रमः नृः ञ्चः मञ्जूनाया रमः नृः ञ्चः मञ्जूनयः केदःसा र्दिन् मेन् मार्चिन् भुवाया स्वा स्वा स्वाया स्वया स्वाया र्दर बेर क्रूंट ह्या गुदावयाद्वर बेर में देव कर में प्रदाता बुबाढरीषट कुरा कुलाराचि वबाया खुबा चुरहे न दु हुट है। दे इबबा ॻॖऀॱॿॱॺॱढ़ऀॱक़ॗॖॖॖॖॣॖॖॺॱय़ॕॱॸॖॹ॒ॱढ़ॸॖॖॺॱढ़ॖॏॺॱय़ॖॱॻॱय़ॗॖढ़ॱॾॗॆऻॎ ॸॆॺॱॸॹॱक़ॺॺॱॻॸॗॖॺॱॻॺॱ सक्र प्राप्त हो स्वर का स्वर कर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स

मुलार्चा स्वापित दे द्वार प्रमान्य विकास मान्य विकास म य.थ.र्वा मेल.स्.अ.मेल.प.पश्चील.प.पे.पे.पे.टेंट.ह्.। मेल.प.बुंथ.चेचन्त्र. र्य। देवे सु:ष्पदार्य। सुवार्यके कुताया कुलामा सुवाही दुना कूटा। खला**ला** राहाकेरानुहा देव वार्षा वार्या वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा 틸다. 취 다고. 회사고다자 경화 변, 길리, 찾다! 없어, 대고나 오, 살고, 린다 듯 나 देशे'चु'वब'यबुट'है। चु'क'म। षट'क। बुब'कशे'कुट्'कुश'में'य**कु**ट'है। प्रति स्ट्रिट में अपने स्विति स्ट्रिट स्ट्री दिस्स्य स्वी किया के स्वाप्त स्वी किया के स्वाप्त स्वी किया के स्व ଞ୍ଚିବ'ଢ଼ିଷ'ପ୍ର'प'ପୂଟ'ଝ୍ୟ ବିଛି'ପ୍ତ'ಹ**'**ଘଁ। ଅଟ'୪। ଷ୍ଟ୍ର'ଫ୍ରିଟ୍-ଗ୍ରୁ**ଜ'ଘଁ'** खुका वि 'है का कूँ ता हात में 'के हैं मिंता विता पुर हो। दे द वका ग्री खाका की खाका 은·출드! 紹어·美·어·오토미·경·결도·형! 국·국저적·⑪·전·저·형! 라아·친·다· ब्री.वर.चे.प.वैट.ड्री ट्रंड.व.क.च्रा लट.क्। ब्रन्न.क्ट्र.क्वेंट.क्वेंप.च्र.क्य. वि हैस हैं स् ज व वि स्वर के स बवर्माकेरत्तालेबरमुग्यामुद्दारा देतेरमुग्वरम्। षदाब। चुँ ५ कुल में १ कुल में १ किल में १ बादै कुल में कुल कुर देव के वा कुल करें कुन्कुलर्भे खुकावि है न कुंटर ज़ॅटर विरामाव गा पा कर चुटर है। दे दबका खेर ਬਾਕਾਰੇ ਗੁਪਾਸ਼ ਗੁਪਾ ਵੇ ਫ਼ੇਕਾ ਹੈ ਜ ਹੈਵਾ ਦਾ ਉਵਾਦਾ ਤੁਆ वै'कुल'र्म'यूरे'सु'देव'पु'प'पुट'र्ह्न' देरे'पु'क'र्म। षट'क। सुस'करे'

व.क.वु.केष.च्.ब्रह.ढेब.वे.च.वैट.ह्रा टुंडु.वे.क.च्रा लट.काँ अंथ. बै'कुल'मॅ'कु'अर्केंदे'सु'बेब'घु'प'घुट'र्टे'। देदे'यु'क'मॅ। षट'क्। सुम्र' कर्षः चुन् चुलाया विष्पकुन् वृद्धा ज्ञान विरामा विर बाबादी मुलार्था क्षां वावादा देवा पुराया विद्यापा विद्यापा विद्यापा विद्यापा विद्यापा विद्यापा विद्यापा विद्याप ष। श्रुवाकरे कुन कुल में विष्य के स्पूर विषय कुल में ति हैं स्पूर विषय कुल में ति हैं से दिर क्षयाणुष्यायावी कुलार्माखुदायेलाखेबानुप्यानुदार्मा देवेपन्याया ਅਵ.ਬ। ਕੰਬਾ.ਬੁੜ੍ਹ-ਕੈਂਟ੍ਰ-ਕੈਗ.ਸ੍ਰ.ਧਾਵੀ.ਬਬਾ.ਸ.ਅਵ.ੀ ਵੀਯ.ਸੁੜ੍ਹ-ਕ੍ਰੀਵਾਉਟਾਯੋ.ਵ. **ढ़**ॱबर्र चिंद्र है। दे द्वार्थ शिष्टा वार्ष वी किला में रिप्ट हिंग केन में है हिंब स्तर नःवृदःहा देवे व मा अद्या सुमा करि कुर किया में प्रवासी स्वास **इंट**'मॅट हिरप्वर्व उव रुप्तुर है। दे द्वाय है। दे देव वा के के कि के कि के <u> बुबानुःनाचुित्रः हा। देशे सुवाकःम। स्वास्त्राक्षाः सुवाकशे कुत्राच</u>ुता<u>मा सुत्र</u>ा षट:मॅंट हिर मुंदिर दुट हो। देव वर्णे श्राया है। कुल में प्राप्त श्रुपा पकुर'हि'पदि'र्ह्रूट'षट'र्भेट'हिर'रु'ठ्रुट'र्हे। देखन्य'णै'श'न् मैल.त्रायध.र्ह्सट.बुब.वी.च.वीट.ह्रा टुध्.वी.क.च्रा लट.वा बीबायध. कुंद्रकुलर्मा ११ क्षेत्र कुंद्र कुंद् बादी मुलार्यायहायन्त्रायामुग्यामुनार्या नेहास्या नेहास्या व्याजा ख़ॖऺॺॱढ़ढ़ॱक़ॗॕॖॖ॔॓॔ॱक़ॗऀॺॱॸॣ॔ॱॐढ़ॿऀॺॱॺॸॱॐय़ॕ॒ॸॱढ़ॖऀॸॱ[[॔॔॔ॺॻऻॱॻॖऻॺग़॒] ॿॖॱख़ऀॻॺॱॱॱॱॱ यर चुर है। देवस्य गीप्य स्वाती कुल या साम दिवा देवा स्वाती ਵਾਂ। ਦੇਲਾਰਾਕਾਵੀ ਅਦਾਰ। ਕੰਗਾਕਲ ਗੁੱਧਾਗੁੰਕਾਵਾਜਗੁੰਦ ਵਿੱਧ

चॅट हिर के ज़िर से हिर है। दे इसका शेष्ठ का दी कुल में हिर के द में हिला g'न'चुंद'र्द्र'। देहे'तु'क'र्द्या लट'क्। खुक'कहे'चुंद्र'खुक'र्द्य'पकुंद्र'हैं 다양·美仁·뒷仁·명·자회·여자·도仁·절仁·레·조仁정·다자·휠니·대·립니 국·독리제· **ਹੈ।ਬਾਕਾਰੈ।**ਜ਼ੁਕਾਸ਼ਾਰ,ਫ਼ਿੰਟ।ਭੁਕਾਰੇ.ਸ਼ਰੰਟਾਸ਼। **ਭਾਰਿਟ।**ਅਕਾਰੂਟ।ਸ਼ਟੀ। שִיםמּישָיףֶק־יקבין יוֹיִםיקבין וּיִבּיתִייִייִיקיםיקבין יוֹיִםישֹקיםיקבי है'न्द्रा हैंगलायान्द्रा हैंगलाया केवाया हैंगलाय हैंगलाय हैं न्द्रा बुरम् मुलर्नमा प्रकृत परि हेर्नमा न्यूतरपरि हुर्न हिन्यर त्रा **मु**रेत्वर्त्। व्वाप्तरिष्टा न्या क्षार्या <u>चैत्रग</u>ुवःत्रम्वरुद्धः। केरवित्रम्पेत्रात्यः। मञ्जेत्रायःत्यः। **गु**वःवसः पश्चेर्यः र्हा श्चे प्रति ष्टु काळे मार्या सम्बरः महतः कवः रहा। समरः न्त्रायान्ता नेवानु न्व्यान्ता कृत्याके न्ता कृत्याके न्वित न्ता विन्नास्तिः क्षां सान्ता म्यूड्वामान्या विव्नाम्यः म्युड्वामान्यः विव्यास्यः सा त्ता नृबुग्वकुग्यात्ता **नृबुग्तनुग्वहायात्ता नृबुग्कुल**ग्त्रा <u> नुबु'लु'न्। नुबु'लु'लु'नु-नुन्। विद्युं प्राप्ता विद्युं प्राप्ता विद्युं प्राप्ता विद्युं प्राप्ता विद्युं प</u> यान्ता विताहान्युष्यञ्चान्ता वेताहाम्यान्ता वेताहाक्यान्ता भेटाहा<u>यां परितातां कार्या अदाब</u>िश्वातां स्थान मॅंट हिर णुव हु मवट पर हुट हो दे हलक छै य अ वी कुल में भी भी <u>बेबानुपानुस्य देशे हैं बायाबस्यानुस्य दिन्युस्य मुंबाने। नुस्रह्म</u> यते छैर श्रेव प्रमापन वर्षा कर सम्मर श्रेन या श्रुन ने ने निर्मा है ।

रणय खे. शुक्र जा

कुल संजी गुरु **पुः भेजक क्षेत्रक स्**रा देश सः सं प्राप्ता स्राप्ता ਫ਼ਲ਼੶ਜ਼ੵੑੑੑੑੑੑੑੑੑਜ਼ਜ਼ੵੑੑੑੑ੶ਜ਼ਜ਼ੵੑ<mark>੶ਖ਼ਗ਼੶ਜ਼੶ਜ਼</mark>ੑਜ਼ਜ਼ੵੑਲ਼ਜ਼ਜ਼ੵੑੑੑੑੑੑਜ਼ੑਲ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ੵੑੑੑੑੑੑ੶ ৾ড়ৢ**৵[ৢ]য়৾৽ৢ৾৽৸৽ৢঢ়৸৽ঢ়৸৽৸৸**৾৾৽৸৸য়ড়ৢ৾৽৸৸য়ড়ৢ৾৽৸৸য়ৢঢ়৽ঢ়য়ৢ৾৾৽ इट**ॱबॅट' भर्द च'वच' गॅ**ठि' **इट' र्'रम' हु '**चुट' व ब'च ब्रेंबब' ब्री अव' ८५ ब'वब चु'कुल'त्रेर'म'र्मर चेर'मरे कु'केर'कर'। तर्र्र'मरे तेर्'मे स्टर्स [[९**६न'हेन'मुं'अर्दन'नम्**र**'से'**९**६८'नम्**] बु'मॅ'मुल'ब्रेन'ल'न्नर ่ กลู ราบาริ หัสาสาพิสาพตา ริงารู รับบางารู รับบางารู รับบางารู รับบางารู รับบางารู รับบางารู รับบางารู รับบางาร पञ्चर'द्या देर**'कुल'र्घ' पुक्ष'**र्या देवक'र्द्व'र्केन'वा कुल'र्घ'प्प'र' बैं'ॸॖॱॺॱड़॒ॸॱ**ॺॕ॒ॸॱॺॎॱॿॖॿॱॻॴ**ऻॗॕॗ**ॸॖॱॸॸॱॻऀॺॱ**ॻॺॸॖॱॸॕऻॎऄॖॶॱॺॸऀॱॻऻऀऄ**ॺॱ** र्घते चुट सुन्नन **ञ्चन्ना यन हे अ**ळ र ज्जे न न न चटा खॅट साम् वसाय न न न स खुयावया मर्वि**व वृ धु में के में या**न्यमाय मुंदारी ने पु के नायर में हैं। देन्बना कुलार्मान्यम् प्राप्ता कुलार्मानु स्वाप्तान्तान्य विकासाम्यान्य विकासाम्यान्य देहे**.वे.क.च्। अध्यक्ष, कें**चिल,च्.वे.चेल,च्याची,च्याची,विष्याची षदा मॅटाहिर**ा**नुप्रहेव रुप्तुटाहे। दे क्ष्या ग्रेष्य वा वी सारवा नेटा पारषच्या के अ.स.चे.च.चेंटाह्रा ट्रे.पासी.चढ़े वेंटा है। अंटाबर्थर हुँदार्दा लबार्श्वर्दा श्रद्धार्याकुर्वर्या भर्मान्या वर्षा चैल.त्रं प्रचाया मुक्ता केल.मूर्-प्नार निराम मुरास

केन्यर वेहा अर अन्तर हैं द न्यद पत्ति न न वेद प्यत वी व क्रिक्ट प्रमुद्र विषेत्र प्राप्त विद्राप्त विद्राप्त केर् देख्यानु केन्यर वी देव वाक्षान्य क्षा द्वाराम्य प्रमा म्बर् सारहिमाची। देशियु विवाय विवास देशियु कर्नी व्यवस्ति। कुंत् कुल मान्य विष्ट हिंद में दिन हिर केर कुरि विषय कुंद है। कि कि कि कि कि कि माने मिटाहायहाया प्रता मेटाहायकाया द्वा मेटाहार्यायहाया प्ता भेटाहाष्ट्रां भेटाहाकुलाप्टा पहुनामरे मेटा हें 'तृह्या व्याष्ट्राच्या व्याष्ट्राच्या व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप म्बु'कुल'र्ना म्बु'सु'र्ना म्बु'महन्यस्य मृहेयाहे स्टामेरस्यस्य ५८। श्रेटाने श्रुहा श्रेटाने त्या अविष्यात् श्रीटाने स्वुर्धेन करिने हिन क्ष्मानी अर्क्षेना मुरमुरायहाँ। देरायानु यानी विश्वा ५७८ में में नियान पर्ति हैं निया सिर्म के मिर्ट में ५८। ५७२ व्याप्त में व्याप्त विष्या विष्या विषय **अयः ग**र्वे वर्षे । र्दे व गुपर्न र प्राप्त वर्षे । अयः न्यान प्राप्त विकारी क्र.र्टर.र्बर.ता.क्रील.च.रटा। विकीतवरारं हथी विकी. मुं. व्याप्तान क्री. सी हैया है। बैट केव द्रा के द्रा ह्व या वादम्याय स्था मन्त के बक्य वासु प्रकृषाने। के प्रतास्वाराणुवारायारा प्रवासिकारी स्वासीवारी प्रवासिकारी **सुर्वे** 'भेग्रामर'रम' बर्' ही। ब्रेर'बरि'सुर्वे 'रियेट'म' ठव्'वें। मे**ं**यें बर्दे सु वै पनन भेव वै। पर्त है अरे सु वै दिने रियेश से। देव प्रसम उर् नुपायहै तु दे रामा उदारहेद के दे है। रामा पर्वे सामर मुरादेश कुला यहिर मुर्-कुर्-ह्माया बुर्-पर्वः सबेन्-कुर्का क्रु-पर्वः कर्ना कर्न-पा वर्-र्

देग्लटःश्चेत्रयाक्षेत्रद्वाः व्यवस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्व मृत्रकृष्णित्यत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य

देख्यः। प्रह्मां क्ष्यः विष्यः विषयः विषयः

中國5'55' याकन्त्राहि। हरियाक् उव मुं कु अह हिन मेर मुराहि। दि हिराहिए हीटा रेव में केरे सम्बद्धिक महामारे हेटा है। रेम्स के हेटा वर्षा देंदा न्याया के दे त्याया निष्या है त्या है त्या है ते हैं ॿ॓ॺॱॿॖढ़॔ॎड़॓ज़ॎॹॣॸफ़ॻॺॿॺॱय़ढ़ॗॱॿऀढ़ॱॾॖ॓ॿॎॿढ़ढ़**॔ॿ**ॱॿऀढ़॔।ॗड़॔ लट. तश्री भारत व व ट. प्रि. श्रु. व व व व द द प प ट. प्रा. श्रु द प व व्यास्तरातार्वेषायायाचेत्रारारात्र्यां त्या त्याराहेत्रात्रा वयासुर के निर्देशका अनारिने दिवासका किया अनार्ता देवा विकास का चु'प'वि'र्नेवा'न्बर' बेर'रबा केंन्'प्यर' बहे 'हें 'रह' पा **रें'ब्र**िहें 'बा 다취이다다라지역 프레지션·설소·다중·중제·영수·다· 회의제·오스·근 '등대' परः ॐर्षुन्यः ॐकन्यः पर्पर्री रुषः भैनार्वः दा न्यः कन्यः स्वः णुः।वर्द्रवाः प्रवः पुर्वेदः। १९८:५ः ईसः धरायः।वर्द्देवाः प्रवः । देवतः **३**दः स्थान का त्रात्ता होता है त्रात्ता है त्रात्ता है त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात् या चुका सका विवका कर दुवा है ' ईका सका विवका कुँ ' वका कुँ ' दि ' दैं ' वसः मुद्दार्देश देश्वरायसः हेवः ब्रह्मस्यायान् हे सुनारियेयायस। सुन्नानीः ऍ८ॱ८े'१८वर्षा देखसम्बर्धा देखसम्बर्धा हुए देखा हु मासुद्दा सुद्धा क्षेत्र स्वापा हि देवा

र्दराविरे अ र्हेन १६ त अर र्वे स्वया सुर्यर प्रमुद्राया रामळेन सुर हैं **इ**ट विट इस तथा हे लट ब्राइस वस्त वस्त कर कर कर तथा है कर हैस ^८हर हे 'ग्रे' स्रेर पहर् केर 'र्ने '**बेस**' खु '८**६ ग्**युं स्कु 'द्धन्य 'ग्रेर 'हेर 'खु '८६ 'ग्रेर चेत्रत्। क्वेर्यवराद्द्रवर्यराचुराहा देहाह्यालासावनाव्यावहाराज्या ढ़ऀॳॱॻॖॱॻॱॸॱॕॕ**ॺॱ**ढ़ऀॱढ़ॸ॔ॳॹॹज़ॱॸढ़ऀॱऄॱॸॕज़ॱढ़ॗॱॹॖॱऄॖऄॱढ़ॕॱॷऺॸॱॐॕऻ<u></u> ह्यत् है हिर बेगाणा निवास सम्यवि स्ति मा वहेना कवा न सा ने स्यतः ৾৾^{য়য়}৾৻য়য়৽ৢঢ়৽ৢয়য়৾৾৽ড়৽ঢ়ড়৽ঢ়ৼৣঀ৽ঢ়ৢয়৽৻ঢ়ৢঢ়৽ঢ়৾৽ लाहर्नेर्पर कुराहै। सुबाय पुटावसा से समा कर् है। समुबाकी पर्सर् **ॷै**ॱढ़ॕॸॱॿॖॕॿॹॱॿ**ढ़ॿॱॸॗॱॻॖक़ॱय़ॺॱ**ॸॖ॓ॱ**ऄॸॱॸॺॸॱ**य़ॕॱॻॖॺॱय़ॺ। ॺॱॿऀॱऄॖॱॺॱ श्रव देव अस्त देव पाद व ता हुन पाद पाद प्राप्त प्र मी हा पा लिव 'देव में नेर में है 'का प्राप्त । हा पा प्राप्त । मा निरम्न र णटः चूटः हो। पश्रेभः दूरं जुटः हुं असः स्। दे व सः तम् सः सः सः स्वापः अतः मा क्रेकारे रे लामे प्रदेश्यदे पर्देश्य प्रदेश व्यापा व्याप लाक्षे क्रें नक हे लक रहा नहे ना ने क दर कर हु त रहा। वन प्य दु व ने पर णुटा बेर्'र्रे'बेर'वयाह्य पुरुष्यया रे'यदा वृष्य पर णुर'र्हे। रे' **す**ね.か.の.美.多.と.勞.ロ.首に.参| いるね.い.伯と.製山お.とに.血.か.とに.山に.如.

बुदायके सक्त्रं वापाया वापका पुर्दे प्रदेश के देश के का स्वर पुर देर्रेके मुडेन नैक मुडेन लखर हुए हुर हुए हुर है। प्रेन नैक **न्रेन्'ल'केन्'रह्-'ह्नक**'कु'पहुक'य'ल'यहेद'दक'कव्व'य'कु'पर'णुर'''' हैं। विष्यास्त्रेष्ट्रें क्या श्रम्भा है । दे प्याद में क्या व्याद स्वाद है वार है חיקבין בניםיקבין שַּׁימֹיקבין בַּיִםיםבְּקּמִינִיקבין בִּימֹיםי विताना देश्वाम्बर्धाः यस्य वितासामा वितासामा वितासामा वितासामा **ष्पर्वर्विष्या वृद्धराष्ट्राणुकर्मवृक्षः वर्षः अव्यक्षः वर्षः क्षेत्रः वर्षः वर्षः** भवा वालासिटास्टायलयातालायम् याचिटाही विराह्मायवा ८मामा विद्यार्थ विद्यार नुवासामिता विवाधितायरे । नुसासु से समा उव । विषय निष्य सा सि विषय सि वि वेरावसायान्यात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात् है। भैरिनमानदेशित्रामादेशान्य देशा देशा देशा है **द्रवर्षाणुंदरः पुंरेषा छे** प्रतिदेव खेरा चर्चा श्रीरायका वर्षा वर्षा वर्षा खेला मानमार्स। पुन्राधिनान्त्रास्यन्त्रमान्त्रास्यन्त्रमान्त्राम्यन्त्रमान्त्रास्य (८कूथा) पष्टु भव्रवाचारा साम्यसम्बद्धाः विषावा विषात्री विष्या विष्या विष्या विष्या विषया प**ढ़ी.र**-र.र्चय.पपु.योबयावटा प्रेयाचयाचे रथा श्रेटा पा देवाया स्थापा स्थापा हो। बद्दानाथा हिरादेशानुग्वाकी द्वाता है। विवासी विवास विवास विवास है। ८९ द्वययणी दर दया थे रहा कुर पत्र राष्ट्र पत्र पत्र पत्र पत्र प्राप्त पत्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त

मा वेकन्य द्वान्यकाय के या विवाद यह त्य मूका व ववका उदा है। मन्मायाचेनानु । देशान्यमायस्यायास्यात्राच्यात्राम् **৾ঀ**য়৽৾ঢ়য়৽ঢ়ঽয়৽য়৾৾৻৾৾৾ঢ়৾৽য়য়য়৽ঽ৾৾ঽ৽ঢ়ৢ৾য়৽ঢ়৾৽য়৽ঢ়ঢ়ঢ়৽ঢ়৾য়৽ मालाकर्याक्रेंर्'हेम् वज्रार्टालेम्बायायाचुबायालाचुर्म्वराद्रायदा **इंप्यः** भृषे द्वाराष्ट्रीयात्तरात्त्राच्यात्त्रा व्यवसः उट्रायाया स्थ्रा यर'पर्ने'पन्त'पुत्र'हे। प्रैव'यत्र'रह'ने' ह्नेल'प'कर्'ने। देर'न्वव इमरारुद्राद्रादे। तद्रायवदायमञ्जलायाकदायाभारुद्रायसामाम्बाद्रावा रेग्व्युकारादेग्याचेदा देवास्यापका देरान्न्यापकास्वापकाकुलाय **बेबःग्र**म्बर्सं। अटःसंबायगुरामबाद्। अटासंबायगुरामाबेबाग्रसं। देः वसःबिटःनीः प्रत्नाः संदर्भा स्त्रापरः मुद्रायः वस्रवः उर्दायः स्त्रावः स्त्रावः **भैदः भुँदः प्रयादिंदः ख्याया उदा द्वारा प्रदारा विदाया।** कुलः वा केवा विवा मुर्दे। देवयाश्रेमसंज्वास्त्रामात्रम्या वर्षामयाविद्यामाद्दादा क्रिया अन्यमानु निराद्यान्य । विकासमान्य विकास । विव में गुव कुषा कर् या पठर या बाहि में माला रहा । प्रारं से माला देनकः हवः मृद्धाः वदः मुद्दाः दिनः दिनः दिनः विवस्त विदः **इंट्यःतः इषयः** दें २.७ सूरः मूलः देवा हे.च. महा है बेबा लेबा हैं ट. ह्रा

क्षे इस्तर्षु केट वे इर विण् **द्यानग्रामदेनस्ट्राह्म्यहेक्**रदेवे पुन्यस् **७ वृं**न। ७ ग्रुन के सम्बन्धान निष्या निष्यान निष्यान निष्यान निष्यान स्थान इससाग्री सिट दे हिला हुसा देसा मुहा देश साम में स्वर्ग हिला हिला है का मार्थ देश-तुस्रासुरक्षेर्द्रसम्भागीरकेट वे रहीव समीव विस्तामिति देशे समानिक है सि त्यन्यायाः देतिःश्चिर्वरात्राञ्चेदाविनाःगुराहे। तहवाविनानेदातुःवहेदायाः ८६म्यावी स्थान्ता भूटायायाया रखायायी रूपायायी म। बह्बरविट.कूट.टे.पूट.च। क्रुबरचे.कुब.तूर्वक्य.व्युबर्वे.कुबर्वे.व्युबर्वे.कुबर् २८.र्षय.त.खुचार्वैर.र्ष्ट्री अर.लट.श्वी.प्र.श्वेश.खुस.वे.चा चेश्र.श्वेट.४वचथा ढ़ऀॺॱॺॖॱॺॕॻॱॻॖ॓ॸॱॻॺ। ऄॸॱक़ॗ**ॺॱॻॕॱॸॱॺॱ**⟨य़ॺॱ⟩**ढ़ॺॱ**⟨ढ़ॖॱॽ**ढ़**ॺॱज़॒ॻॺॱॺॕऻ देश ब्रीट प्रबेहि थु दि प्रवस्माय है कुल के दाल महत सह द दें। देहे के प्रवह ख़ज़ॿॱॿॖॱऄॸॱॿॗॖॸॱऄॸॱॻॿॺॱॸ॓ॱ<u>॔</u>ऄॕॸॱॐऄॸॱऄॱॻॸॱॻ**ॸज़ॺॱ**ढ़ॺॱॻॖॺॱ॒ॻॺ प्रता केम्बरहर्ष्टा हेप्पराहुणकाया इदान्ता भेत्रासवाक्षेत्राया ऀबेय'चु'यर'चुर'हें। बे'द्रबस'बेबस'यर'चेुन्। तहस'यर'चेुन्। हे'पर' र्हेन्यायर चेत्। मयवया **न**वला हेन्**यावयान्यात्यात्यात्या** लबःग्रुःम्बबःषःप्र'५५[,]तःचे५'५५८**न**ाम। **७५'**लबःश्चेतःग्रम्बःसःब्रहः ष्य 'वेष 'चु 'चर' चन्य क्षा चुल' में 'हुन' में '८९ '९न' के 'के 'कर '९**चन'** हु' बेट.**१८**.। टचने.पे. जुरात्रार्ध्यात्र्यसम्बर्धी

गुरमेदरसुरदेरमेनवःह्नेवा सुरबरदेरमवेदरबर्धाह्यदरपद्दरहे। दिस्र मालाबिदायार्थना है। वर्षा व्यापा वर्षा वर्षा वर्षा मुन्ता है। प्रेरी खुरवे प्वतः प्वतः स्था देवे खुरवे गुरमे वे। देवे खुरवे गुरमे वे केव समि। देहैं ख्रुबा है प्वते गुप्ते देहें। देहैं सुप्ते व्यवस्थित हैं। देहैं सुप्ते प्रेम्बा एव कें। ने दे च के स्वर्भ प्याप्त कें। ने दे पा के प्याप्त कें प्याप्त कें प्राप्त कें प्राप्त कें प्राप्त कें रयः पुः ञ्चायञ्चमात्रः छेदः या देवे स्व वे यदे छेदः दा देवे सुनाव यद्या ਅਵਾਲਾ ਗੁਲਾਲਨੇ ਗੂਨਾ ਆਉ ਲੋਕਾ ਜ਼੍ਰਾ ਹਰੇਨਾ ਸ਼੍ਰੇ ਦਾ ਕਰੇਨਾ ਸ਼੍ਰੇ ਵਾਲੇ ਤੋਂ ਕਾਰਨੇ ਗੁੱਟਾ ਸ਼੍ਰੇ ਦਾ ਸ਼ੁਰੂ ਦਾ ਜ਼ਰੂ ਦਾ ਜ਼ਰੂ कुल'शेर'ल'बदद'बद्रां खुलम्सुनदिदर्गुद्दर्गं देहेरहेन्। कुलम्स देहें सु दे तह न न से देहें मुला देहें सु के न हैं पह प्रमेही देहें सु
 교교
 वुं बहे कुं त्या गामिट गहे कुं सम्बद्ध हुं देहे के कि कुं नि लाञ्च भिग्मिर मुलायाय प्राचित्र हिंदा मुद्दारी देश मुख्य मुद्दाला मुक्त हुन मु

देशे कुराया वे सामा कुलामा कुलामा कुलामा क्राया कुलामा कुलामा कुलामा कुलामा कुलामा कुलामा कुलामा कुलामा कुलामा तित्। मिन्नास्ति। हाराङ्गादानितानमुरादयाकुलामाचेता प्रदासीनाया पत्र। मैं '5' अ'देश रेळें 'पर 'अ' चुर हो। मुं 'देश 'रु 'पर्श् 'रु अस हित रा बे देट न द से बहर है ल से पुरुष है में का मा मु रहेद द है न रहें है रहें हैं न पवट अं पु प ता पु ल दे हैं के स्वाप प करे हैं लाग पु प की में कर द कुद्रचिद्रव्याञ्चर् ह्रवायायात्रह्रदायराववाञ्चरवार्व। देते हेवाया ह्रदाया खेनाम्बरम्म स्पर्धः वे खानकु प्रेवरहे। त्यू नाम वास्कृत्य प्या न्दः चॅंग्ळॅदः यहे ग्रुंक् याका ने त्यायन् अहे **सः यन्** विकार्धका हे ग्रुंक्ति स्वार क्षान्रामवदाक्षान्नारमानुषाम्बर्गान्दा मूर्यम्बर्गान्या ॕॱॿ॓ॺऻ <u>ॣॱढ़ॣ॔ॱ</u>ॸ॔ॱॸ॔ॱऄ॔ॱॣॖॖॖॖॾढ़ॱॣॣ॔ॺॱॾॣ॔ॴॺॱ**॔ॻ**॔ॹॕॗॴ॓ॣज़ॱज़॔ऄॗऀ॔॔॔ढ़ मुै के गुद मुक्त र्वे वा मिंदा यह रायह रायह के माद वा है दायह रायह माद बरि रु । भन् विकास देवा विकास • इव.पुर.प्र.प्या ह्याप्रूर.पं. [८पुर.] भृ. देशस.व.रा रेगु. ही

श्चर'ह्व'८८'बेव'म्बुब'ङ्ख्य'य'८९'व। कर्'य'द्वु'यर'**२ण्य'**र्थं। **वेय'** वस। मुल'मॅरे'कृव'र्'न्वसल'मस। मुल'मॅस'म्यल'कृट'ल'**सुव'ठेन'ठेस** য়ৣয়৽ঀয়। য়ৢঢ়ৢঢ়য়য়৽ঢ়৾ৼয়ঢ়৾ড়৽য়য়৽ঀয়৽য়৾ঢ়ঢ়য়য়৽ঢ়ৢঢ়৽ঢ়ৢঢ়ঢ়য়য় ष्ट्रान्याच्यात्रेत्रदेखेबायात्ता वित्यान्याद्यात्रक्षात्रहेबायात्ताः ष्ट्र-'चुर'ठेन्' ठेब'मदेव'मदे'द्र**ब्र-**म्यः श्चर्याप्टरा देर'व्यायायर निवर <u>5'- ভূম-টা হল'শ্রন' (অন') পর্বম-অর্ম প্রের'- চুম-টা হল'শ্রন'</u> मक्षेर'कर्रम्'नु'ममक'र्के। कैं'**5'कक**'इट'र्क्षेट'मक्षेर'कर्रम्'ल'यदम्'क्षेर्'प'र्छे' अःन्८ॱतुःक्चेु 'बेब' देव स्वा चुः वित्रायः चेत्र सवा क्चें 'बे 'बेर्' दे। देन्य ਗੁਨ੍ਰ ਕੇਨ੍ਰ ਪਾ ਕਾਰੁਨਾ ਫੁਰਾ ਗੁਨਾ ਕੇਨ੍ਹਾ ਨੂੰ। ਭੁੱਨ੍ਹ ਗੁਕਾ ਨੇ ਗੁਕਾ ਗੁਨ੍ਹਾ ਸ਼ਕ੍ਰ ਗੁਰੂਨ ਸ਼ਕ੍ਰ ਜ਼ੁਰੂਨ ਸ ऍर्-र्रे-खेब-<u>भ</u>ुब-सबा सर्म-ळर्-सब-मुर्-सब-बुब-स-बर्। बाम्ब-यंबाञ्चेदायस्वाकरायम्। **हुटाबेरा**मुप्तञ्चटबाने। वर्षाया द्वेपार्टा। द्धलामबिदामुगमामाभेदामा त्विनामितिः तर्देन् कन्यासामा चुरुपार्द्रम् । पुरविरुषार्वेदार्घन्याम् कृषाविन् रद्राञ्चेत्राचुरस्यः विटरवी'क्त'र्'हेट'तय'तयय'वीय'युरित'म्द्र'नवय'र्घर'हे। 정도정'회정' इसरा ग्रै 'खुल' सेमरा मही है 'द स विनय माने माहिता क्षेत्र क्षे 'ट 'महिस खुन्" ৡ৾৽য়৾৽ঀৼ৽ঢ়৾৾ঽ৽য়ৢ৽৾৾য়ৼ৾ঀৢয়৽ঀ৾য়৽ড়৾য়৽য়ৢ৾ঀ৽ঀয়৾৾৽ 뷫.ㄷ. पर्देशपालका देखाष्ट्रेड**ान** हैकासुंचुराई। क्रेंदावर्वेदकाहे। हैं बहेर

न्नियर देर द्वर के दर्भा देखा सुरक्षेत्र देर त्या द्वर सम्बन्धियर मॅ्ब'मुब'हे। गहेब'र्य'र्वै'ह'ब'रच'हु'मुट'च'दे। विग्र'दु'यव'व'कुव' ठमः पु '८मट म्मूर'र देश चेर दश ५ ६८ खेट अर्म प्वमाया पर्ना उना ता है ल देश दुश पत्रा हिंदार र नीस प्यर दें। दे प्ना नीस ञ्चरामा अर्द्धर्षे। हर्स्स्रिं निर्म्ञुरामा हेर्यस्त्रेन्यर्ग्नुरा निरास क्विंद सादे प्लेद की छिड़ रही माहेस सु खिमा पेद सुसा कें 5 सरें पुर्दे। तर्ना में कार्टर ता क्रुंश केना चेर व का है । सरे माहेव क्रुंश के ना नम्प्राम्बर्गा निष्यामु स्रोति । निष्राम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम्बर्गाम \fuc\unitag\rightarrow\family \family य़ॖॱॸॺॱॺऀॸॱय़ॱय़ॱय़ॖॱॴॺॖॺॱॻॖऀॸॱ। य़ॖॱॺॕॱॴॺॖॺॱॺॖॖऀॺॱय़ॱॸ॔ॸॱ। ॷॱय़ॸॱॻॗॸॱय़ॴॱॼऀऀॺॱय़॔ॱॺॖॱॸढ़ॱॺॱॺॸॺॱॺ॔।ॎऄॕढ़ॱय़॔ॱग़ॖऀढ़ॱॻॖऀॺॱॼऀॺॱय़॔ढ़ॎ॓ढ़ या**ं शुः**रव'स'मुें ५। दे 'ठ स'ठे दे 'धुर मुें ५ 'बुस' मस्। हि 'पहुं व' से 'दस' में दे लेखाञ्चरामर्या ५.२८.मर्ड्_र्श्वाच्चराच्याक्रमा चार्चरा २.क्रेरामाञ्चरा र्वेद 'हेर'म' तथा ५ के हेर मा के हे का हेरा है मा है का साम की का कि है का सिंद मा साम की की सिंद मा साम की सि 률ᠬ་ਚ་སྡིན་་ཁང་རྒྱལ་སྲང་མ་སྡོབ་བས་མེ་སྡེར་ཚང་རོ་སಝུས་བས། ※ད་གལ་ g'g'ઐ'ፙ८'ઐ'ৡ॔5'チ[፠ਖ਼ৢ'gニ'[ˈᢍང']]९ळै'য়ৢ৴[མ'취'ན'ðৄ৽'ৠ৾৾5'

चित्र, भिरायर, मित्र, बेंद्रा, र्म'न|ब्ब'दे'द'रे। व्विद्युप्तसम्बद्धाः व्यायायुप्तासुमा विदेशस्य दिहे सुरस्य टिश्नु क्वांशास्त्र के क्वां क् ঀৢ৾ঀ৽ঀ৷ *ঢ়য়৽ঢ়য়৸৽*৻ঢ়৾ঀ৽৾ঀ৾৷ ৾ঀয়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৽ঢ়৾৽ঢ়ৢ৽**য়৾৽**ঀৢ৾ঀ৽৾ঀ৾৷ ঢ়৾ৼ৽ঢ়ঢ়৽ रु'पढ़िबामालका सम्बद्धान्य हैनामुनामा प्तृन्यःश् दे'याकुषःश्चेद्वःवःद्वन्यःयवाःयःदेवन्यःयः। ङ्घेचयार्था व्यव्याचियार्थरायाचारी व्यङ्घेचयाय्याद्वेयार्थरा . ५५ वा स्तर के देवाबा अंदर्वित वा विवाय प्राप्त के का विदाय के विवाय के का विवाय के का विवाय के का विवाय के क पर'र्भायते श्रुभ'र्म'त्व म निवयापत्र हो प्रत्मावया रेप्त्व सर्व हे देश'वर्ष'पर'पुरु'र्थ। पर्धे'म्वर्थ'सुर्'द्द'प'द्दा'। वद'र्छ'द्र'वापवर्थ मान्ना त्रिनामारी तर्ने नाकन्या गुरुषान् स्वरायने वासनामारी तर् <u> चेत्रत्र्याच्यावयम्यायाः क्षुप्तायाः क्षुप्तायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्य</u> र्टानीःश्रेटास्रिट्छ्वार्डनान् र्नाटास्याप्राश्चित्ररेनार्डेसास्र दे.हे.वे.दे.र्टाटश.बुधाता वृथात्वे.र्चा.इचाराक्री.रचाराक्रेंटस.पथार्टाता दुरंगिया रेप्ट्रं र्धुर र्धुन के परेपरे पर र्धुन के वा के या कि पर **ण्यु**टःळ्राम्भवार्षायुवार्यात्राप्तात्राच्यापुरात्रात्राच्यात्रा

क्रेर'चुर'हे। ठ'र्र'प्टा हेर्'स्र'प्टा शु'न्र'पुर्या प्यथानिध्यानुष्यानुष्याची स्थानिक्षा स्थानिक्षा स्थानिक्षा देर कुष पु न सुरु के से प्रति है से प्रति अ'तुअ'क्वेष'र्म्म् हिर'क्वे'रे'अं'द्रेश'यथ। इट'र्स्न् वेष'न्व ब'र्मु'न्वि' पर्नेट प्रमा बेर क्रुरे मूंट हिर देव पुर्दे। देर रुखेल केव की प्रमान सुरद्वार कुरान्तर कुरानर द्वीनाय प्रदेश निरामित हिरामा द्वरापद्वत वेरापु पर ज्ञारा है। दे वरा कुल शेरा तमार वेषा (रामर नेर) वबा तुःन्त्रुअःङ्कृत्ववःया २५५-वैःयहम्यवास्त्रवान्त्रुअःम्विःयम्य चुटायबा ययाकुलार्चराम्बलायर। दर्शने याके रहायर रहिना देवायबा য়য়৽ঀয়ৢয়৽ঢ়৽৶৽ৢঢ়৽য়য়৽ঢ়৽য়ৣঢ়৽য়য়৽য়ঀঢ়য়ৄ৽ঢ়য়য়৽ঢ়৽য়য়৽য়ৢ৽ ढ़ीना'नद्दं र ऋ' हे र 'न 'ॲंट' । ॲंद' रॉक' निश्राया अका निश्वार्थेट 'ॲं' ८८ र पत्रतः श्रेष्ट्रम् । विकासिक्ता विकासिक्ता विकासिक्ता । विकासिक्ता विकासिक्ता विकासिक्ता विकासिक्ता विकासिक्ता बकदा देश से वा त्री विश्व के व מישָיםישֿביִםישׁקיקֿן

याः ब्रेटार्ट्रायमुष्यवायाः मुद्रास्। देशे मुद्रामुः वर्षे वर्षे सुर्वे। सुर्वे स्वर्मे त्रयन्यः क्षेत्रः वित्रः मुर्दे। देश्यः मुर्दे क्षेत्रः व्यव्यः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित् ङ्ग'र्नरा ह्या<u>र्च</u>'के'रुरुल'र्नरा मन्प्निर्च'ठव'वेब'चुरी रे'र्नाल' वै : पूणु 'केव' र्ये ते 'रे नवा 'बेवा चानवा वा वा कि निरामु चा 'कव' चुै 'सु 'वै। *न*ुनःठवःग्रुःबनसःग्रःनःगुनःसः। देवैःसःवैःनवसःवद्दनःमी देवैःसःवैः यः त्तर्मा वृक्षः क्षां विष्यः अप्ताबुदः क्षेत्रः कें राष्ट्राना के विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया ५८। बेटानेम्ब्रह्म तहबापुरिष्ठीटानेम्हिर्द्वेदायमा घवमारुदाणीयकेना वैॱकुलॱर्सॱळेवॱसॅॱऄॺॱऄ॑८ॱमेॄॱ८<u>च</u>ॖॺॱऄवॱर्वे। देॱल'तुः[[□ढ़्वेॱ]]५८ॱ**तुॱऄ॔ॱ**□**ढ़्वे**। चु'के'च'दे'चर्याच्याच्या दे'या'ख्याञ्चु'त्युयामदे'स्यापिक्रापिक्रा ଦ'ଶୃବ'ୟ' ବ୍ୟସ୍ୟୟ' ବ୍ୟ'ସ୍ଥର' ଧ'ର୍ମ ମଧ୍ୟ 'ବ୍ୟ'ର୍ମ ନ୍ୟ'ୟା श्रेद[्]र्वे वी प्रदासी हेरी सुदी येन्या सर्मा **यह है। प्रदेश स** चल.रेर्यान्द्रापार्वेश्वा कु.रेट.र्जवेश्वाचिल.पा.रेटा पचट**.रंवेश्वाच्या** नणन'मैं शैट संवे नणन संस् ने देश पुनि त्ये दान क्व में नस्म पाने । में चर्याया सुरम् हेर्याया केर्प्या हेर्याया हैरा हेर्याया है। नुःर्भः त्रयः ग्रुःश्चिटः भः दी। नुःर्भः सरी। नुतेः सुःदेः पवटः सेदः दी। पदिःसः पतुर्-हे चर्यायामुक्तिहो के द्राम्यम् वर्षाम्य वर्षान्य क्रम प्तात्र्वात्रः चुराष्ट्र। देषाञ्चनः वेदाराष्ट्रा **कुलायाबरायसः प्रमान्त्रा**रः मा व या नाया । नाया नाया न्या व या ति । नाव व । यो व । व ।

म्वार्यात्राव्याय्याय्याय्याय्याय्याय्याः विष्याः विष्यः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्यः विष्याः विष्याः विष्याः विष्यः विष्य

करार्यस्याप्तराम् द्रस्यस्य म्याप्तद्रापदाक्ष्तराम् स्थाप्तर्थः स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्

हार्बेटानेवयारी क्राप्ताहात्वी तर्बेवातार्थितातराप्तीरास् रे है.तर.की.चर्चाताताहे.वेड्राल.क्र्या.हट.क्रुट्रट.त्र.लव.हा यटबाक्य. **ब्रॅ**ट'९चुट'च'०वा ५च्चैन'ध्रु'ब र्रे'र्रट'। ५र्नेटब'च'त'८र् र्षेट्र-केष्-रनःपह्नियः द्वायः स्थाः या या विष्यः चुतः प्रदः प्रविदः प्रदः प्रविदः प्रदः प्रविदः प्रदः प्रविदः म्बेर'सुट'बर्षुद्र'यदे'बर्दे'द्रटा वेर'धेदुःब्रूट'यदे'बर्दे। म्बर्टायका **ਜ਼ੵੑਜ਼੶ਜ਼**ੵਫ਼ਜ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ੑੑੑੑ੶ਫ਼ਜ਼ੑਸ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ सदसः कुरु र प्रतासः पावे 'स्र ' पुँद 'पर 'पन्द ' दें। १ दे 'द्ना दे 'रे 'वे ना केंस' भ्रामो मुकारा न्या तका वर्षे रायह्वा यार्षे। मुला रायका तर्षे के का वर्षे मान्यान्त्रान्त्रा त्रीमान्त्रान्त्राहेर्मान्त्राहेर् र्दे। यदे यर मुलेमक यह प्रव प्रव प्रव का स्व म्या स्व मिल स्व इसरा ग्रीय र्षु ग्राण्य रहु। १८ में पा दसरा ग्री द पनर क्षेत्र यार सहिता। यत्याक्त्यान्युरार्यार्व्यात्र्वात्र्वात्रात्रात्यात्र्यात्रात्रात्याक्ष्यात्रात्रात्या कुलारपयाद्या ।पहुनालाद्याम् वयातात्वेलापरावह्या ।पर्व्याक्रमा न्यन्'र्'अर्'त्र्य्तातर्'वै। विश्वत्त्र्यः के खिलाव सःन्स्यः लग्रह्म

ब्रुवा**र्ना म्**लुलाह्र्याच्यार्या (ब्रुवाब्रुवाव्यावायायाः १८००) चुकाने। न्यात्राचित्राच्यात्राच्यात्राचे स्वाकान्याः स्वाकान्याः विकासाम् प्रत्ना प्रतः चुर है। उपा है लेखा चु प्रते कुला मा। प्रतः भे किया भेगा प्राप्त वि प्रमाणिलार मुद्रान्त । सिद्रान्त्र मिन्न सिन्न सिन सिन्न सिन मुन्दे विद्रात् खुन्याने। न्वयायके देन्याने त्या विद्राहेका न्याया विद्राहे। **चैयार्थ। टे**दाक्राक्षावितालह्माक्ष्यात्यात्र्यात्राक्ष्यात्रीताक्षात्र्यात्रात्र्यात्रे त्व'न्युत्र'क्षेन्व'यर्डं 'वर्षुन्'न्दः वरुष'या'वर्षन्यः यरः वुष'र्षे। न्य**न्युतः** चॅते'सु'कुट'र्ने**य'**रु'या'र्ने'बे्य'सु'पते' कुल'र्घ'रिविर'र्द्रायक्य'पया ब्रुमः गुःर्यम् मेवादिम्बाही स्राह्मः स्राह्मा मी,ह्र,स्यानस्य, त्राप्तुरात्राह्य, भी,वीर्षाः विकानह्य, विकानह्य, विकानह्य, विकानह्य, विकानह्य, विकानह्य, विकान **चु**'पर'म्यात्रर्थात्रेष् विकासे त्रात्रात्रात्रेष्टे त्रीतात्रात्र्येषात्रात्र्ये ㅁ락·휠ન·ㅁㅋㄷ·ㅂ٩·٩ㅌ٢·ㅁ')ㅓㄷ·顏ㅁ·ㅓద리·취제·ㅗㅁ·柯·ळ점'줘ㅌㄷ'ㅂ'여점'*** पन् रें। देख्यायात रेया केंद्र के के कि के सम्माने प्राप्त के सम्माने प्राप्त के सम्माने सम्माने के सम्माने सम

भ्रायादिर प्रह्मिन हुं व ने निवयं पर देर लादा भ्री व मार पर विवास प्रवास मार बुव र स्याम्बेन्य र प्राप्त दुन् र दिन अन् र स्तुव र स्वा स्व ५८ मु प्रविश्वास्त्र विश्वास्त्र प्रति । प्र ब्रैर'यत्व.केय.रेट.वेट.केत.युवय.रेत्तर.ईश्वय.रेटा क्रे.त्र.अ.ख.द्या. प्यव कि निष्या प्रति के हैं। दे प्यतः दिस्त सुरी हिरानी है खें ग्राय रे के नु रहेव। देयापर हेटावसार समाया सुदारसाम्बेगया निर्मा सुनार हिनार हिरा हे.चे<u>ड्र.कु.च.ज.कूच,चेब्र</u>ट.जा हूच,ब.बूज,बब्द.४<u>ू</u>ट.धी,८ट.। **हे.**च. भवातर्वाकेयायायाक्ष्याक्ष्रवाति। ह्यायायति सुति मार्डामा क्षाप्ति विकासी विकासी र्स। म्बदायटारीप्रायटकानुकानुष्युवाया**मुटाक्**यासेमन्द्रातारा**र्पः प्रायका** म्द्रविष्यान्त्रिक्षात्रः है। शेशवास्त्रवास्त्रस्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस्य हिन RAUA.T.g.ulc.w.ulc.x2w.2.ga.tr.ulacal tan.tr.asc.t. ८९ै। ८**८४.त५.२४.**ग्री.पश्चलात.२.जी.६८७५१ अ८४.ग्री४.८**६७.** हेव.री.का.च्रेय.पाप्ट.क्रा एवत्याचानाः च्रेय.पाच्यायान्यप्टाट.व्रेया.पाचाचा हिंद्यायहेर्याव क्षेत्रायाय हार्टा विवास है से स्था विवास विवास विट.क्व.श्रम्यत्वाम्यम्भःपर्वेषाचाला क्रे.द्रवाचप्रक्षःचवित्रम् हुन्यान्त्रा अळव् असार्त्यान्त्राम् वेन्यान्त्राम् व्रावस्यान्त्रास्य ढ़ऀॺॱॻॖॱॻढ़ऀॱॸॖऀॸॱॸ॓ॱढ़ॾढ़ॱॺॱऄॗ॔*ॺॺ*ॱॻॸॱॻॿॖऀॻॺॱॺॕ। नेॱढ़ॺॱॿॖॱॸ॔ॻॸॱ**ॿॖज़**ॱ कुवे. सू. है। रेलेफाया व स. मैंस्यों क्रमाया है स्वी पारा यो प्रसास में में ष्टितार हिमा दे त्या नामा मा स्वाद का स्वाद के त्या के त बादे श्रेमा मायसारा व सामुहा। हारा देशेना माळवारा व सामुहा। हार्ष

दे-ह्रें पाव या पुटा प्राप्त प्रवास्त्र कर कर के प्रकेश पाव या पुटा है । निदा भटाताब्यासहास्त्राम्यास्याम्यान्ता व्यापादी विदासा हिंदान्त्रितावयान्यस्याने। तिह्रानायाक्ष्यान्त्राच्यान्यस्य र्नेव अहर प्राप्तेव या क्षेत्र कुष्में प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त कि कि स्वाप्त कि स्वाप्त कि स्वाप्त कि स न्तः मात्रक्षं देवा महि स्वापाय केन्यवा मुलास्टान्टा नुनारक्षेत्र स्टा मदीब् अळे 'श'विम्म'म्मस्य प्रमित्व (हव् 'हर्में व अ') हव् 'हर्में र क्षे प्रमित्र क्षे प्रमित्र क्षे **ૐૠ**૾ઌ૾ૢ૽ૺ૾ઌૢૻઽઌઽઌ૾૽ઽ૽ૺ૱૾૱૱ૺ૽ઌ૽ૺઌ૽૱૱૱૽૽ૢ૽ૺ૾ૹ**૾ૡ૽ૼઌ**ૹ૱ૹઽૹૐૹ૽૽ૢૹ૽ઌ૽૽ૢૺ૽ૺ૾ૺ૾ૺ૾ૺ म्ब्रायाः केत्। व्याप्ति वास्ता विवासा क्षेत्रा वासा वास्ता वास्त भैर्दि : बेर 'ग्रीका ग्रुट का द्विया विषक् अदि : अदि ' दुव ' दुव ' दि । स्वा पारि द्विया नृ चुन्यामा विषय नि विषय में १८५ मा मी १८६ मा स्थापित है। स्बाधिव है। तह्या पुरि ह्वीट ता खुल क्षा केवा में पादी प्रिंत स्वीत खुल केवा में **मञ्:६्रण** श्रीट:देश:५पुत्र**'प्रंपत्रःक्'क्**क्रक्'हें हे केद' मॅशे (विंप्पट:)वित्राप्तुः मारेष्याया तहेवाया द्वास्त्राणी प्यवसार्थन्। प्यतः व्यवसार्थे देखेनाया केवाया न्यम् भु प्रवात नद् म देन्।

न्तर प्यत् प्रवास के स्ट्रां के स्वास के स्ट्रां स्वास के स्वास के

नेश-पर-वृत्त-तु-पठन्-पात्मः ह्यान्ये के स्याश्चर-पी-कुल-प्नियः ष्ट्रा ने दबा चुन्न स्वातु है। या वा ने म्ह्राचा चुन्न ना उव मुन्न प्रेना ने दबा मुरार्षु नवानायारुवावा रामानायारुवाचार्या रियानुवार्या देवा ञ्चव'ङ्ग'ळॅलक'क्रे हे। देशेवट'व'ञ्चव'र्ने ब'नट' स्व'य'यवी'र्यन। [[५ुर]] [र् र्ने प्राप्त र र र प्रायम अव र उत्र कुर मा व व र र र र स्वर देवा पर र र र [[सुर]] वर्ष्यवस्य उर्षस्य वर्षरा पराष्ट्रेराय रहा वस्त्रा प्रमुकर (त्रा) त्वा वस्त्रा ष्ठमः इत्रम्यायर मुन्या वर्षः [[दुः]] न्दं तर्नाय देर यदे या भुवि खेला <u>र्यत्रे कुलावस्यस्यत्।</u> देते खुलाकु द्वस्य स्थान क्रिट्रे हे न्द्र पुटा छून कु. भूट. लूटे. तपु. टेंट. टी किषाच. विजे. वैचात. बहूबे. तर हूं चेबातर बटबा ॹॗॺॱय़ॱऄढ़ॱढ़ॕ। ॸॖ॓ॱढ़*ॺ*ॱय़ॻय़ॱढ़ॖॱॿॾॕॺॱॿॖॺॱॶॸॱढ़ॖॕॻॱॸॖॱॻड़ॸॖॱय़ॱढ़ऻ ৾৾^{ড়ৢ}৽ৢ৽য়ৢ৾৽ৢয়ৣড়৻৸ড়য়ড়**ড়৾৾ঢ়৸ৼ৽৻ৼঢ়৸ড়৾৽** ऍॱॿॖऀ॔ऻॺॱक़ॖॱॺॾ॑ढ़ॱॿॖऀ॔ॱ**ॺॱॸऀॱਜ਼॔ॱॸ॔ॱॸॴऴऻ** ॸॖऀढ़ऀॱ**ॹॱॺॱॺॎॺॺॱय़ॸॿॗॸ**ॱ रयान्वेन्याद्वाय्यव्न्या रेन्द्रिःस्रेद्याद्वाद्वाय्यव्याद्वाय गुव-पृ:पञ्चर-पॅंग्यबुन्या रेग्देशेस्यावायर्स्यान्वायर्स्यान्वायर्भायत्यानुव्यव म्वर्षावर्षेत्रते। विषयः उद्यान्ते स्वर्षायके त्रित्रहे व प्राक्षेत्रका वळवायवाम्युवारु म्वीवावाणुदारद्यायर पुग्यहे स्वयं वाक्रे हिन्दिरा । [मञ्जराम्बुबर्ग्वेटरन्गुरुपान्दरदेवर्धरकेरहेन्ग्गुर्ग्वेटरन्ग्नरम्। **हिन्स्करा** न्युअ'न्द्रभ'न्द्र'न्याष्ट्रिर'रद्र'ट्र'द्रावा भु'टा'न्दर'न्त्री'न्यास्रीन्यः मारीप्राणुकाणुलारहेदाने। मुन्यायदेग्युलाकाक्रेन्। उपविश्वमानिदे व्याप्त वर्षा वर विवयः विद्याप्त व विद्यापति । विद्यापति व विद्यापति । विद्यापति व विद्यापति । विद्यापति व विद्यापति । विद्याप

<u>बेंद्र ५८. सन् बुर्ज अर्थ भूने वात्रात्मवया</u> भाषा १५८ क्रि. भूर ता श्री राज्यस् न्सुबरद'दन्याणु'र्वेटस'देट'र्राटर्याचा ह्यार्याके'र्राटरर्ग्याका **अ**'चरुच'या क्रकाता हुवाया चरुटा केटा द्वाया विकार दिन देवे अञ्चर रव र सुवायायाय इञ्जा धुर ये विषाय विषय वा वा विषय व महिरहिंदर हैं दिर किया श्रेशका नियत हिन किया हिन किया हिन हैं निया माना ठव'र्'' प्रसम्भागित स्मिमानुबासमा हितान से प्रसम्मिमानुबानुबा बेर-वना देग्याविसन-स्पर्मन्न-महेर्म्सन्यायः विमान्यः सम्मान्यहेर्म्सनः प्रश्नित्र। व्रवसर्दरकेटाहेरला ह्रास्तु हुत्साया खेला पहराहेर। ह्रेडर**न्याया** चॱठ**द**ॱतुॱधुैद्र'द्रसःयत्'स्र'यहेन्यसःयहे'य्यन्'तुःस्यन्'तुः। ॻॖॺॱॺॺॱॿॖऀढ़ढ़ऀॱॸॗॖ॔ॸॱॸॖॱढ़ॕॸॺॱॸॖ॓ॱढ़ॸॕॺॱॻ**य़ॿ**ऻॎ ढ़ॸॕॸॱॻॱॻॾॖॆॿॱॻढ़ऀॱ**ॻड़ॱ** चुसा सम्मिरं देतः स्ता **लग**म्पत्व चैःमरः ५ 'दे 'हेर' चुस' गुरा ह्ये छ য়৾য়ৼ৾ঢ়৾৾৾ঀ

वशक्तिःयाध्यायसम्भावसम्पर्द्रम् क्षेत्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् नेति हैनाम हिंदाया विवास मञ्जूत का सका के प्यवादी हिंदा से सका क्व'ल'यव'रहें नवाराहे सेसराम हैं ए गुरा है स्वराह में नेराहें। हे लाहें हु *ଵୢ*ୖୄୡ**୵ଽ୶**୵୕୵ୢୖୄୠ୶ୖୢୠ୕ଊୖୡ୕୶ୣ୕୵୷ୣ୕୵୷ୢ୷୲ୡୠଽ**ୄ**ୡ୕୕୕୕ଵ୶ୄଊ୕୕ଢ଼୴୷ୠୄଊ୷ୄୖୠ୲୷ଽ୷ 5्रप्रसाहेरहर्मायासम् चनार्येदार्थसाञ्चराम ग्रेप्रे हेरिहेर्मुलाया प्तनाः त्रांत्रः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः **४**८.भुष्यः क्षा ४५८. १ वर्ष ४. १ वर्ष कन्यायदे द्वर नेया क्षिर्या क्षिर्य क्षिर विद्या क्षिर के विद्या क्षिर के विद्या क्षिर के विद्या क्षिर के विद्या वित्रां वित्रावा वात्राञ्चेदार्या नित्रात्वात्रात्वात्रात्वा के वारे रे सा अवा कत्रविष्विष्म्भात् दायारेषायेष्ठयारुवार्षेटा व्याप्तराम् ब्रेन् हुं या चुराव वा विष्या र विषया हुं नवा विषय है न विषय है न विषय है न त्यूरा देः[[मया]]वदवादिःतदेःदुःतकैःवरःववी। कैःववःवदवादैःलयः **णुँ-५**मरःमीसःगुरः। म**५मा**'दे'से'मब५'५धुल'मदे'म्बसःसुरसुरः। दे'मस **पर्ना**'श'र्ने त्या कीटा श्रुन्य हेवा यहा । विवाय है। पर्टाय हे स्टार्स व **अके अभावना मुं** मुंदा हैं वा दान के लिए हैं वा दान हैं हिंदा की लिए हैं वा दान हैं हैं वा का का का का का का का **८९८. ब्रुचार्ट्र** हेब्द्र हेब्द्र हेब्द्र हेब्द्र हेब्द्र हेन्द्र हे वया गारे तरी प्राप्त वयाया प्रया वया प्रवास कर है। दरे व्यापा

८<u>६</u>,पर.वैध्,श्रेश,वंश ह्र'त्युवाची'पदे**व्यक्ष**'ह्रेंपकाचीकाक्षद्र'हेवा'यावा <u> धुवरने खुना पुत्रा व का ब्रैहारे कनका या केना यहि क्रेम्टो केवार्या क्रेका यहा</u> **चुमसः मर्रः मसमः मन्तरं गुद्राद् सः मश्चरः सः मर्तः म्ह्रान्यरः छन्। मैसः** रसम् सः सः युन्यःहे केद या ता न्या न्या निष्या चित्र या विषय स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप हेर्जा मन्माने स्वामर्जन अन्यान विवास सम्यास मन्ने ये स्वामर स्वामर स्वामर स्वामर स्वामर स्वामर स्वामर स्वामर स कुै-बुद'**स्**रस्ट्रें अ**वयः** द्वा प्रपार्थियः अर्धे रह्यः संस्थितः हुँ पुरा देग्लाहेग्द्वरामग्रीकालकार्ष्ट्रकामाञ्चरा चुककाकर्षिदाविदाविकामान्या मण्डा द्वारा हो। विकास स्थाप हो। त्रमारा मण्डा स्थाप स्थाप **ॻॸज़ॱज़ऀॺॱऻॸॱ**ॻॱढ़ॿॱक़ॗऀॱॿ॒ज़ॱख़ज़ॱज़ढ़ज़ॱॱढ़ॱॾॣॕॿॱॻढ़ॱड़ॖ॔॔ॱड़ॖ॔॔ॱॶ॔ज़ॱऄॖढ़ज़ॕॱॿऀज़ॱ **ऍ८क'व्या** ॲ'व'री हिन'न्ट'हिअ'व्यय' मुर्रे' बेरा ने'हे' मुं'नु' मुं' **८म.भृ.**२८ **बुब.च**८म.कैंट.टे.वैंट. बुष.बुच.टे.ब्रैब.तथा ४वचब.पटु.बेत. वसा हिर्[िरे] ८८ हिया वयस हिसा सेना यर कर र वे से र हुर। मेंनास नेप्सम्भवस्य स्थान वास्त्रम् का से निष्म स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स শ্ব্যুদ্দ অব্দুলী **७च्-र.र.बुक्र.विक्र.विक्र.कृ**ष्ट कर्मा इं.चर्च व.चूल.वध.वध.वध.वच.व्य.वूट क्र.वी.कुव.टी. त्मृरामसादेगम्बेदानुग्येनसाम्बद्धाः व साम्नेदार्वनायामामानावदानुगरेटसामा **दक्ष न**्रभः भूतः भूतः विश्वायत्वायः नुराश्री

निष्यः त्वाः प्राप्तः द्वाः प्राप्तः विष्यः विषयः विष

मा हर क्विरायहरूमा निष्यास्थातान्त्राता हिष्या क्विष्या क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्ष षेष्ण्या केन्य्य विष्ण्य विष्ण्य किन्य हुनाया **टार्स्ट्र हिं खूँटाना** ट.क्रिज.क.च। ४वच. क्र्रेंट्रज्ञ.च्याच्याः क्षेत्राः विवान्त्रे व्याच्याः विवान्त्रे व्याच्याः प्रमार द्रि किया के स्था की वें साथा द्या त्या हिया पुरा या के मा द्विया के स्था की स्था की स्था की स्था की स ळे.४ऋथ.तथ.७५४.१४.१% क. क्र.क्रे.के. तथ.त्यं.च.८८.५४४.४**.५५८.५८.५८** विरा पेट्रपंकारी विरावितालय. कुरल्ल्याच्या विरावित्याचारा विरावित्याचारा **बेर-झै**-४९र-४नोनाब-ल-८नाक्ष्य-चेश्च-ति चेश्च-तिक्ष-च-लब-क्र ४ष्ट्रब्यः स्वरं ब्रेस्टः त्यां विद्यां स्वरं के त्यः त्ये विद्यां स्वरं के त्यः त्ये विद्यां स्वरं के त्यां विद्यां विद्यां के त्यां विद्यां वि इस्याञ्चानेयाया [तियता] विषापुरार्देश देग्या [अायाक्षेत्राया] दयावारा **८५ुना**ॱवयःयःब्रेडिःनेयःक्षेःक्षेन्ययायःयाद्यःळन्यायःठवः५ःब्रेडिद्यःविस्यास्य ह्या ट्रेन्स्स्यर्ट्ट ह्याया स्वयंत्रहण्या विषया हिना प्रहेश हिना प्रहेश हिना पर्वे पकुं'रिवेश'र्म। संग्वेन'र्सेद'द्वा'स्वा'स्वाराहेत'र्सेहु'रेवाहे त्राष्ट्रराष्ट्रेत्रायान्तात्रात्त्रात्त्रव्यवायायात्रात्त्र्यतात्रव्यतात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त N'ठेर'म'त्त्रेण महण्याद्वम्य'णुट'ङ्कु'मामदीव'र्दे। देखसामार्कुट'मा र्भसाद सार्युग्। पञ्चला बिटा १९ वा चना पारि है रहेसा सदा प्रस्वसा प्रसामित स्वापार स्वापार स्वापार स्वापार स्व चैत्र.चे.ष्र.[™]्र्षूच्.्रत्राज्य पर्यात्र प्रत्यायाय पर्याचीय पर्वेष्टा पर्वेष पर्वे **पर्या**भव् पराणुरापय। हु रिधुला ग्रीकारयण्याया परी पुता पुता ग्रीका है रिधुला ग्रीकारयण्या परी पुता पुता है रिधुला ग्रीकारयण्या । **८६, १.८८. मी. ५४ मी. पत्राचा असम्बर्ग । प्राचाया असम्बर्ग । असम्बर्ग ।**

मालाब्रियान्दा ब्रूटायार्थिनायाचुराक्षेत्रुटायवायन्नानीवालुखिटान्व्या **भैदः। सुन्'बेन्'मुन्'**ग्रुं'म्भेल'लनेमबःधेब्'यर'अ'र्हेग्बायर। सु'क' तिहरामितः स्त्रिमेता स्तर्भा त्रिता स्तर्भा स मरामा हैन्यामा हैटाहे कन्यायामा गुरामा नियान हुवामा तर्दि पारी ८८भ.मुे.**र्चे.प्रका.हे.लुका.र्व**वी १६४.श्रट्या.येबेश.प्रवाटवाट्याया য়ৢঌ৽ঢ়ঢ়ঢ়৻৻য়ৢঀ৾৽ঢ়য়য়৻৽য়ঢ়৽য়ৢঌ৽ঢ়ঢ়৸৽য়৽য়ৢঌ৽ঢ়য়৻৻ঢ়য়৽ पर्वे द'रर'पर्ना केर्'रर्र ने वापकेरका वारेना सुद विषय हैं ना परे जु परःचुरा **५ वे सु** कं **मा**र्वे रेग्वा है हिर प्रची। त्यम्बारा पर्मा वे तर् हे.वे.२.वे.१ ९४.श्र.४.५५५५५५५५५५ था.५५५५५ था.५५५५५ मन्ना वै श्रेव अं नि म विकायम्य प्रवास मुका सका सुर हा करा से रहे वा व का कर कर से राही प्तान्ताः प्रताप्तान्त्रवाः विकास्याः विकास्य प्रताप्ताः विकास्य विकास्य विकास्य विकासिक विकासिक विकासिक विकास हेर.पन्ने.बेंब.तथा ४त्रवेब.त.रप.२ं.रन्नेब.वंब.वंब.पंडेब.रं.बेंबें८ं.प. ५८। तसम्बर्धते बलाब का हिंदा कुषा देन विषय के विषय है। विदाय उत्राय **ॻॱॻ**ढ़ऀॱॺॖॆॸॱॸॺॱढ़ॆॸ॔ॱॸॖ॔ॱॺॕॖॸॱॻॸॸॱॻॱऄढ़ॱॻॖऀॎॺॕॖॸॱॸॱॴॱऄॱॺॕॺॱॻॱॸ॒ॱॱॿ॓ॱॺॕॺ **ॺॱ**ॻॖऀॸॱॱॖढ़ॴ॒ॱॺ॒ॺ॒ॺॱॸॖॱॺॱऄॺॺॱऄॖॴॱ॔॓ॱॸॏड़ॺॺॱॸढ़ऀॱॴॖॸॗय़ॱढ़ॻॗॸॱ **भ ५५७ १५० १४ मा महत्र व**र्षा सेन ग्रीष्ट्र प्रस्ते करन्तः स्युव् दे।

देन्या हुन्**ने द्वाया देन्ये या वाष्ट्रिया सुराव्या वाष्ट्रा व्यविष्ट्राया देन** न्नानि न्नानि निष्या के ना के ना के ना के ना निष्या निष्या ना निष् व्यवायायायार्थे वाच्या व्यव्यायाः विष्टायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विषयाः विषयाः विषयाः विषया महिर्हरमा कुरकुरा प्रवासी देशास्त्रा मुं के त्याप्ता विष्या विष्या स्वराण राष्ट्रा प्रवास ^{हा}ेशायरावरादेवाद्धरादेवाचेराया सर्वायाचाचेरावरादेवाकी ਫ਼ੑੑਜ਼ੑਫ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਸ਼ਖ਼ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼੶<u>ੑੑ</u>ੑ**੶ੵਜ਼੶ੵਜ਼**੶ੑਖ਼ੑੑਜ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਫ਼ਜ਼੶ਖ਼**ਫ਼ਫ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼**ਲ਼੶ਫ਼ੑੑਜ਼ केदः ७ वा चुरप्रते रेनवा सुरचुराप्रते । दे दिवस ग्री चुर ग्रीका हैदापरे प्य**हद**ा सारविवायरारचुराचे। देव्ह्रवसारविवायरामुँदसाविवा अरीरिवायासुर बुर्न्स-देर्न्न वे निर्मात्वर में प्राप्त विष्य प्रमान विष्य के विष्य के बिदानिदासिकामा केटाहेक्टामा क्रिटाहासिकामा ज्यार्द्वराथाक्षेत्राया गुर्के केदायार्गा न्तरकुरवाके ता दावित चंबर, विवाध कर हा अहर मुन्ति चंदर क्षेत्रका क्षेत्र कुर के ती म्बंदरकुः भ्रुव र्ष्ट्र सम्माया [[न्वारायसा] भी व साम्दर्सार ह्या व महिलाया त्रवदःकुःरेन्त्रसुःगुरःदेरदेवसःगुकाः अद्यते कुलः विवसः त्रुलः परः त्युरः प्रकृतिक्षमान्त्राबेटार्सुटमानेन वित्रिष्टुंच्याक्षमान्त्राक्षमान्त्राक्षमान्त्राक्षमान्त्राक्षमान्त्राक्षमान्त्रा मुक्कान्त्रेया हस प्याप्त प्राप्ता वर्षा प्राप्ता स्थान प्राप्ता स्थान प्राप्ता स्थान स्था ह्रा श्रुम्बरम्बरम्बर्षा हुरायम्बर्दारम् देखसाह्नेतुन्यम्बर्द् छ्यातार्टारव्यवायात्याच्चेतुः वि**श्रायतस्य प्रसारतः प्राप्तारा वास्तरा** व्याप्तारा वास्तरा [[या]] वादा वावदा व सावाय उव ची कुलावस्य सुपार्ट राव सा चैव कुसाय वस्य 身、๒.๒.๑๔.๔.๔๚๔๚๛๛๚๛๛๚๛๛๚๛๛๛ भू गृत्राष्ट्रीयाद्विरायाचे परावधुरारी **धन्तराष्ट्रीय** अवेशासादे**ना व**र्षेरा**वर**

नेॱवःः कृतः **ऄक़ॺॱॸ्य़**ॡॾॗ<mark>ॗ॓ढ़ॖॱॾॣ</mark>ॱढ़य़ॗ॔॓ॣॿऀॹॱऄ॔*ॸ***ॺॱॺॸॕॸॱॸॎॱॱॱ** पः ठ्वः म्चैः प्रमुकः र्ष्ट्वे गृत्यः वैवः पृः १३ वसः प्रमुदः परः प्रमुः वैवः विवः विवः परः परः परः परः प्रमु यः नृद्धेन नृद्धेन स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् र्द्रम्विद्रचीत्रार्थेद्रपृत्रवाष्ट्रवार्थे । विश्वार्थेद्रपृ च्.के.वेर.वेर.वेर.त.केष.कर.प्रीट.क्षचीवर.४षचेथ.पथ.पथ.वेषट.**पष्ट.४वी.बै.....** वस्य क्रायान्य प्राया द्वार हैं मुँग्या क्रायर ने विन्या स्याप्त क्रिया स्थाप्त हैं सु 「「こる、た、生とな、口器にお、刻」 およ、「中。美、むに、ヨナ、2、し、音、点、口・は、かと、 वित्रव वर्षेवरमान्दरस्य वया कत्राप्य वर्षेवर व वरत्या नि चु'क'मॅं'क्स'स'पद्भृद'वसारदेष्ष्ठिद्वस्य ग्रे'चस्यस्य प्राच्यस्य प्राच्यस्य त्रित्राष्ट्रवातवा**डान्दा** चेराहे खुरने प्यराप्यापरा तुरानु गुनवा विषय त्यन्यायाम्बद्धायते म्बर्कान्ये स्वित्राच्या म्बर्का स्वाप्याम् प्रमार्था क्षेत्राचा सुन्या वृत्रा न्या से स्ट्रिक्ष सुन्य के से कि से स्वर्थ से क्षेत्र वृत्र प्रमार्थ त्रुतु:के'क्रुंब्रबःसं चेरःद्याम्बेरःष्टुःम्व्यायाम्हेरःम्बरःम्बेरःद्वयःत्वेयः

ने क्या के वरणीया नहाया पार्च हिता स्याम वितरणी प्रमाण वर्षा स्थाप हेर्निया रुवर्तु वृत्ता श्रीर्ध्व विश्व पार्श्वयावित्यामा [विंत्रावस्ययात्रस्य स्वरः विवास **૽ૢ૾੶ન**્સેવઃ દૃ : ફુંંફ : વચઃ દૃે : ફ્રું અસઃ ગુૈસઃ ફ્રું અ વા [ફિંદ : લુસઃ] તે નુસ : વા જે દેવા मु रे तथा मुद्दा बेर पाया दायेया थे प्रोपाय हु ख्रा हि तथ है प्रोपाय हु प्राप्त सःर्भारु खेराया दुन खुन यस चुन चुन यस। राव खेन खेन खेन के स् षदःश्चिम्द्राचेरावयादेवयाद्वीयावर्षितुःदेवाव्याद्वीयावरुर्शेटावेटाया <u>नने, तः पर्श्वेर तपुर क्षार्य त्राप्त स्तार्थे क्षेत्र तार्थे में श्वेर तपुर क्षा तक्ष्र त्री</u> १४ व १ हेना ने श्रेट श्रामा वित्र देशका स्रोधिका स्वर हो स्वर स्वर हो स्वर स्वर हो स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स् ८८.५वी. म्. कुष्टा वा क्षेत्र पर अपने कुष्टा चित्र म्'वैष प्रेम'८८'पठिष्'ब'से'प्रस'दस'मबल'म८ष्'रु'मबुट'म'श'द**र्५ः** यार्भिन्यरामार्भुर् रेन हुवामे यार्वेवायामार्भु विन निर्माशान्येनामीसा म्प्रिन्द्रस्थाः अप्याने द्वारा यहात् । यहात् । यहात् विष्या स्वानिक विष्या । यहात् । यहात् । यहात् । यहात् वि

য়য়য়৽য়ৢ৽য়৽ঢ়ৢ৴৽ঽঀ ঀড়য়৽য়৽য়ৄয়ৢ৾ৼ৽য়য়৽য়৽য়ৣঢ়৽ঽঀ৾য়৸ঢ়ঢ়৽ पदुःह्यद्याययः प्नोप्यः पदुरः २ क्षुं पायः विष्यायः विष्यप्रेवः व्रुवः यदिः विष्यायः सम् हुरमामानु र हेम अन्यान् र्राच्याय सम्बन्धान् स्वार् सुना सुना स्वार स्वा <u>स्ट्यःश्च</u>र्द्रप्तान्त्रम् चिष्यः वृत्तः क्षेत्रः क्ष्यः व्यात्रः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः म्बंबरकेट्र हेब्बर्गायाक्षर दिवाया केरायर क्ष्या हेब्र या श्रीयाय मनेत्र'यर ञ्चर्यायस केना महत्रयार् दाना बन् ार्ड केसायर त्युरारी स् बाबापड्नापरावधुवापरापञ्चवसायवाणुवाद्यावधुवापरातणुरारी। क्रुचे,श्रेच.ध.धंब्र,पंबर,[[बंट.श्रुब्र,त.]]४वे.तर,एक्वेर,ह्री स्बरिप,वर, अःश्चरापरःपदेवःपरः**प्**राट्यरःश्चरायग्यस्य स्वत्रतः छन् केरायरः त्युरः प्रदेत. श्रुष्टा तीया तर रटा ची चया वूरा चीया कूची प्रवास तीया. भैन्'केब'यर'पुत्र'**यब**'कॅब'न्ट' ९४्न्'यर'९णुर'र्रे। शै'न्ने'पापहु' **ब्र**िस व यार्गे पाप छ ब्रुप्य प्रस्ति में नी स्वाप्य प्रस्ति स्वर स्वाप्य प्रस्ति । यर'त्यूर'र्रे। क्षे'त्र'क्षेर'क्षेु'य'र्घेय'यर'त्यूर'र्रे। वित्'क्षकाक्षे'त्वे' ন'নপ্ত'শ্বীদ্ধা ५नो माम्युर्धु ५ केना केश श्रुवास्तर दे ५५ना नेवा गुटा में प **बुट**ॱसूट्रप्त**बुद्रर्ग्रा**चर्द्राषाञ्चेट्र, तस्यवीचेयसःचेट्रह्र, वचटःह्र, वचटाषाञ्चट **दक्षकी**'सुबाप वार पॅर पुर है।

 ริ ส พาสูเพาะเลิง เฮียง ริ พาลุทังสมารสุราริเ
 ข้าลิมพาธาราชิง เรียง เมาะที่สามารถหาย เลิง เรียง เมาะที่สามารถหาย เมาะที่าสามารถหาย เมาะที่สามารถหาย เมาะที่สามารถหาย เมาะที่สามารถหาย เมาะที่สามารถหาย เมาะที่สามารถหาย เมาะที่สามารถหาย เมาะที่สามารถหาย

लान्वव मुं द्व से द्व श्रमा टिकेला नर श्री याद कर में दिखाला नहीं पा ुःह्रमापह्ययान्यमार्डाञ्चरान्। कार्यम् अञ्चलकार्यस्थान्यस्थान् म्हलप्तम्पार्च अन्दर्भ। वितासम्दर्भे अव्यात्र होवास्तर्भावस्तर विवास प्रमान दर प्रमृता हुँद गुँग हुना प्रस्था दमना हु ' के द 'हैं। द 'हे ' के द हुना सामित हैं ' प्रस्त हैं ' प्रस्त हैं ' वनवान्ताम्यान्यास्वान्ता हिन्द्वान्त्ववराणुवाहिवायार्वेत्वानेन स्ट्यार्श्चेर्रिष्ट्रितां अराता स्वापराय विराह्य अराख्य दे हिया वहता खेदाहे. सेरॱसूत्रादे 'प्प्पानी' द्वापट खे'त्युप'शाम्बद 'मु 'द्वाक्ष'है 'हूं द्वा इंि इसप्तर क्षेत्र पर है र द र सर प्रमुख में र क्षेत्र प्रमुख प्रमुख प्रमुख के द र सर पर त्यूरा ह्वेदायरेषार्यार् हेदायरे हें या प्रमुद्दा हुला हिन्य प्रमुद्दा तर. ग्रीया भीव विहासियार टारा शहर सिया ह्रिया हिला मिन्यार क्या नका तृ भीव प्रति क्षेत्र प्रति चिवर लट प्रमुन्या रट ने लेख स्ट्र हुँ र ल अ से पर प्रमुन्य के चिंचेचथ.वेट.लेब.श्रेश.क्र्चेथाता.ब्र्यायर ४०वेंट.स्। व**ब्रंट यह क रूक रे व्रेव**. परि.क्र्यापनेव.हे। पर्द्वरप्रवेशस्थ्राभेष फाल्यक्ट्रस्ट.क्रेट्रक्कुर् लः चेंबर मी रूर्व के इ.इ.स. हे न्य हुन र में या का प्राया निया है के स्वर् न्दः कॅनः कुन्यमः त्युरः दे। यहँ नः त्युनः ग्रीः यः देनः नुः खेनः यहै व पहुद् हैं। प्राथमा हर्ष भारत हैं वा प्राथम प्रायम प्राथम प्राथम प्राथम प्राथम प्राथम प्राथम प्राथम प्राथम प्रायम प क्ॱरतःनीॱर्नेद्रात्रीर**्युतारामाब्द्राणुःनेद**्षुःकेःश्चेत्रानेग्यस्यान्न्द्रात्याक्ष**्रसः** तर प्रविष् प्रवास्त्र क्रिया में प्रवास मान्य क्रिया प्रवास क्रिया प्रवास क्रिया मान्य क्रिया प्रवास क्रिया मान्य क्रिया प्रवास क्रिया मान्य क्रिय क्रिय क्रिया मान्य क्रिय क्र क्रिय क्र

यार्सलान् खेवायरे कॅवापकृवार्ने। विवासया ग्रीप्यार्सलान् खेवायरे हिं हुँ क्रदास्य श्रुप्तरा विषय व्यास्य स्थान स्था ਬੂਵਕਾਸਕਾਰੂਵਾਨੁਸਾਕੇਕਕਾ**ਵਸ**ਨਾਸ਼ੁੱਗਰਾਡੇਕਾਸ਼ਾਬੁਸਾਸਵਾਨਗੂਵਾਵੀ स्वा नीयावे रामा में दे प्या से रायुवा था नवद मी रेदा हु रहे हैं हो विवास व लाञ्चित्रास्याक्ष्याद्यस्य उद्गुण्ने स्टायद्वेष्यं नेवाद्या वात्रास्य मुकार्षेत्रास्य गाः त्युरःस्। वैवास्याणीःषास्यानुःधीवःमारीःकवामद्वान्। म्बेमकाग्रु ब्रुलायहे हिंह देवा बेर्ना नामह लक्षामा हैन रने पर पहुरी **ढ़्रियाम्य त्र्याक्ष्य विवयः यामित्र है। यामित्र व्यामित्र हैन यामित्र हैन यामित्र हैन यामित्र हैन यामित्र हैन** पक्षद द सः सः स्रायपुद पार्तु पार्वा विषया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राय **इस-खु-लंब-ताक्ष-क्ष-वस्य व्याम् ट्राप्टी ट्राप्टी ट्राप्टी हिंदानर श्राप्टिया है** दे क्रिन्द्रायुत्रायायाय विद्याय इक्क है कि का मी वा पहेंचा पर्

র্ষকারেঘ্রনাস্কিনা ইন্টা ক্রান্তা শূলার শূলাক্রা শূলাকর শূ

ॶज़ॺॱढ़ऀॱऄॱॺॺॖॖढ़ॱय़ॱॺॸॱय़ॕॱॲ॔ॸॱॸ<u>ऀ</u>। ॴॱॺॱढ़ॱॸ॓ॱॾॕॖ॔॔॔ॻॱॸ॔य़ॕढ़ॱऄॺॱॸॻॱॺॕ॔**ॱ** ਫ਼ਜ਼੶ਜ਼ਫ਼ੑੑ**৴ਜ਼**ਫ਼੶ড়৽৸য়੶ড়ৢঀ৽৻ৢ৾৾৾৽ঢ়ৢৼ৽ঢ়৾৾৽৸ঢ়ৢ৾ৼ৽য়৾৾৽৻৺ঢ়ৢ৾ৼৢ৾ঢ়৻ঢ়৾৾৽৴ঢ়ৢ৾ঀ৽<mark>৻ঢ়</mark>৽ ब्रिंदी, केर्यायत्रेत्री लेषार्विस्य विष्यूष्य मुण्या श्रीत्र विष्या प्राप्त विष्य स्थान वित्रव सः वनासःसुरर्से द्रायः तृदः इदः से दः यदेवः यः सर्वे द्रायः मा वैना त्यः यदु व गः 🕶 ष्ट्रते सुरक्षे क्षेत्र इति स्वरंदित क्षेत्र क [[घलः]]८ण२:ठवः८८। ८०८:छे६:७ै:सुःके:सुःमशःसः८८। ह्यःद्वेहे:सुः क्षे.४हच्यस.स.स.स्चयस्य चिंदरहूते ट्रेश्त श्चेतस्य अट.से.के.**खेसन्य** चयःश्री देते कुल कुर कुर के स्वाया लक्ष मा १८० विषय द र में युदाय के वाही कुल में न्सन् कुषा बेसामुग्यायायु प्रमाप्त द्वारा । तथया प्रमार सन्साय प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमापत प्रम तु^{*}। त्रियाः मञ्जाप्तवः नृत्युदः ऋषान्यः पत्रुः स्वर्थः प्रवर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर ପ୍ରଷ'ପଞ୍ଚିଁ ଅଧିନ'ପ୍ରସ୍ୟ'ନ୍ଦ୍ର'ନ୍ଦ୍ରି'ଫ୍ଡି'ସିମ୍ମ ହେଁ 'ମୁଷ'ଫ୍ଡି'ନୈ'ପ୍ରସ୍ଥ ସ୍ୟ'ନି''' **ଌୖ୵୷୶୶୳୷ଽୢୠ୶ୖ୵ୖ୵୴**୵ୄୖୢଈୢ୵୕ୄ୳ୡୖ୵ଌ୕୵ୖ୕୶ୖୄଃ୲ଵ୕ୄୢୣଌ୕ୣୄ୷୳ୡୖ୵ୄ୕ୠୄ୶ୄୡୄ୵ୖୣ वयः मॅं 'हेब' क्वॅंट'तु 'हे 'वा व 'हहंबायु 'ह्वेट'यहि 'क्वें'मं क्वुं खुवायर क्वुंर है। **त्य** ॺॖॖऀॺॱॻॖॖ<u>ॣ</u>ॱॱय़ॱॺॱऄढ़ॱय़ॺॱॸॆ॒ढ़॓ॱॸऀॻऻॺॱक़ॗ॔ॸॖॱॻॖॖॖॖॖॣॸॱॺॱऄढ़ॱढ़ॕऻॎ य़ॱय़ॎॱढ़ॱॸ॓**ऻ ऄढ़ॱ**

ऍॱ**ढ़ॱज़**टॱऄॣॸॱऄढ़ॱढ़ॏॱ॔ॹॖऀ॔ॴॱॻॕॱॶॕ॔॔॔ॱॻढ़॔ढ़ॱॾॣऺॺॱॻॕढ़ऀॱढ़ॴॱढ़ॺॱढ़ॸॣऀॱ वै'कु'म्र'कुे'चर्'स'पारे'कुष'र्घ'तकर'देवेर्'पा स्वाकुष'**र्घ**'प्र'पारें। **रे**' लाञ्चलाम्ब्रेकामुनामके कुर्वेते कुराला मह्द्राञ्चरमामा वार्क्षा हे। ፠ख़ॱय़॔ॱ፠ॿज़ॱॻॖॱॿज़ॱढ़ॗॸॱॺॺॱॻॖऀॺॱॺॸॱढ़ज़ॆॻॺॱॻऻ ॸॖॻ॒ॺॱॻढ़॓ॱ निवेशके ना म्राष्ट्रिक्ष अर्थेन्या अर्थे मिवेस्स सेन्स्या अर्द्रास्य रिपूर्याया स्वाराध्यार्था स्वाराध्याया विश्वरात्रा **षद्रा**याः बैना चुद्रास्य । देरायया कुला यहि स्कृदा दुरन् विलायका । देरहे बाह्य ष्ट्रीयास्त्रम् । विषयः स्वरं केत्राचित्रः स्वरं स्वरं केत्रः स्वरं केत्रः स्वरं केत्रः स्वरं केत्रः स्वरं स्व ঀৢ৾য়৽৻ঀ৾ঢ়য়৽ঢ়ৼ৽য়৽য়৾৾ঀ৾৽ঢ়ৼ৾। য়ৼয়৽ঢ়৽য়ৢৢয়ৼঢ়ৢ৾৽ঢ়ৡড়৽ঀয়য়ঀঢ়৽ৠয়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢ৽ **इ**ंदःश्लेषःचेटःचेश्वःतिक्षःच्लेटःस्वेरणानश्चिदःचेटःह्ना देःसूटःक्विरःलटसः यारुव में कु कि विश्व का बैदायका है दिने विश्व का विश्व कि स्वापका दिन कि स्वापका कि स्वापका कि स ॻॖऀॱक़ॗऀ॔ऀॱय़ॕॱऄढ़ॱय़ॺऻॎ रैॱॸॗऀ॔ऀॻऻॺॱय़ॺॺॱढ़॔॔ॱॻॖऀॺॱहे॔ऀ॔ॱॿॖॱॻॖॺऻ ॻऻढ़ढ़ॱॻऻॿढ़ॱ য়য়য়৽ঽ৴৾য়ৢয়৽য়য়৽ঢ়য়ৣয়৸৾৾৾ঀঢ়৽য়য়৽ঽ৴৾য়ৢয়৽য়য়৾৽৻ৢঀ৾৾৾৽৾ঢ়ৢ৽য়য়য়৽ঽ৲৾ ॻॖऀॺॱक़ॣॸॱॻॸॖॕॿॱॿॕऻॎॱ॔ॸ॓ॸऄॱॸॕॖॴॱॺॖॺॺॱठॸॱॻॖऀॺॱॺॎॱॻॿॢॿॱॿॕऻॎॱॱऻढ़॓ॱॴॱक़ॗॿॱ सुरवारी त्रिराम्बरमा हे हिराक्षेत्र। महिरमा खुरक्षेत्र वेरामान्मा हिन् यस'वृत्र'ट्र'पुत्र'द्रत'प्रिंत' बेर। व्हेंद्र'या द्रव्य गुव्याय स्वर्ष घॅर'व'भेव'यस'देर'क्वस'कुैर'कृर'यरि'मृहस'कुर'वन्द्र'यस। भेर्'स'

५ न्वरव्याम् वर्षे व्याप्तर्थः । इत्युव्याः वर्षे व्याप्तर्थः व्याप्तर्थः व्याप्तर्थः व्याप्तर्थः वर्षे व्याप्तर्थः वर्षे व्याप्तर्थः वर्षे वर्याप् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये मुन्द्र। क्षेन्द्राचिटाअर्वेद्रान्टराचेटा। ट्रेन्बयायहेयाययानायाक्रवामुम्बया [म्बर्साः हैं र्नुकावा प्रतापन केंद्र क्षा विषय हैं प्यर है रव्या विषय हैं प्यर हैं रव्या पर्शन्ववराहिन कु द्वार्थित है। है दे स्वाप्ति रहे द्वार्थित विष् ॱ चुँदः दें। देः द सः पर्यदः श्वरः श्वरः श्वरः पुँदः प्रसा देवेः दुसः सुः प्रदः स्वरः ब्रेडिंड, क्रेंट, क्ष्र्यत्ते स्थान विष्टे क्रिया क्ष्रिया क्ष्रिय क्ष्रिया क्ष्रिय क्ष्रि पर्यः, मुे.ब.क. पा केषाञ्चला, प्रवास्तरका, प्रवासी केषा सेवाञ्चर पर्याप्तरका, प्रवासी केषा सेवाञ्चर प्रवासी के র্মনাধান্ত্রমান্ত্রা বিশ্বর্থনার বার্মান্ত্রমান্ত্ पयान्यत्याम्ययायद्रावयापन् तया (ग्रित्या)पाय। त्रवायाप्रेत्या קאַיבוֹק־בוֹן אַ זֹיִמִיבוֹק־בון פְּרִיפָּקרִבּקּק־בוּן הּשׁיאוֹי वृष्ट्रा व्याप्त्राच्या व्याप्त्राच्या विष्या मामव पहु प्वा है वा सुवा वा सुन प्रमा निष्य स्वर मान प्रमा निष्य स्वर र ङ्मवःग्रीकः।विदुःखुःस्रेदःग्रुकः[[मना]] पठदःमःस्रेदःबेरा. प्राप्तदार्दरकः हेन्नायम् ८६पास्मवित्रानुग्वस्ति नेते कुम्मरामुस् मॅं ब्रा २६ वे मव्यावया व्याप्ति हो श्रे हे में अवराख्या स्त्रा मंबारिया है वा के लित्रव्याम्ति। विराम्भी स्वयाला स्वर्षा विराम्बर्धा स्वर्णा विराम्बर्धा स्वर्णा मिते पर्व द्राम् स्वरूप क्षेत्र पर्व प्रति प्रति प्रति स्वर्ण की स्वर्ण की स्वर्ण की स्वर्ण की स्वर्ण की स्वर्ण की स चॅव'चॅ'क्रवसंद'रे। मवसंगुट'वसंस'र्मा'चॅ'शरहेनसंपरिःकुल'चॅ' न्नियार्थं। यत्याम्यान्तुयात्याय्यात्यात्यात्यात्यावयायार्थेतात्याय्या वर्चेंदरहे। वॅदरणेरमुलरवंरलरहरनाहेरमा३०रहोरवरदरवंरलेदरहे। देतेरसुर रैटाला मुन्यकुरार्टा सुटाकुरार्टा सेवाकुरार्टा चम्रे ८६ त्यार्श्चन्यानुदायायेदार्वे। कुलार्यते रेयान्यायादी यदार्यार्थे दा मनेव मु। द्यमाना क्राप्ता ८ के की मनेव प्रामुल का महेवा मुन्सु प्रसु ८ वर्ष र्षा देवे ख़बरदेट विषय दर्मा देवे दुबर खुर विष् जुन मे निवर्में गुदर ८८५४.व्या. १९४१म् । देशस्य अ.वि. १८११ स्था १८११ निर्व में के किया में त्य बैट ब हा 💸 है है है बब बिय बिय बिय विय विय ब्दःबुदःम्नेवःयःगुवःरेनवःकुषःययःश्चुःचश्चुद्यःश्चः देवेःश्चयःयेःनेयः विर्मा म्बरम्बल्दः हुन् कुल म्बर्ग सुन्यस्य हिन्स् मानुस्य हिन् শা শ্ৰ'শ্ৰ'শ্ৰ'ৰ্ডিলখ'জ্ঞ'শ্ৰ'লিখ'শ্ৰু'নেষ্ড্ৰ'ন্থ'ৰা দ্বি'শ্ৰৰ'ন্ত্ৰি'নৰ ঘ্রব'রা র্থান্থ'ল'দাওল্বাণীকাৠ'ন্রীংকাৠ ※ ঠুড়াস্থকাৠনকা वि'पदब'र्य। पॅब'र्य'बट'बुट'झे'र्दर'ग्रैक'लु'पश्चटक'र्व। 🔆 रे'अब'र्केर' **፠**पर्वेचयापाॐयाभेवाहे। न्वयाच्याच्यान्तरान्त्राक्षेत्राक्ष्याच्युवायाभेवा नित्। पर्वन्यादेग्पत्वायान्वयानुष्वाचित्वदेशः देवस्य ড়ৢ৾৽৴ঀ৾৽৸৽ড়ৢ৾৾৽য়৾৾ঀ৽ড়৾৾৴৽৽ড়৾৾ঀ৽ঢ়য়৽য়য়৽ড়ৢঢ়৽য়ৼৼড়ৢ৾ঢ়৽ঢ়৽ঢ়ঢ়ৼ৽ঢ়ৢ৾৾ঀ৽ **৺ব! অন.ধূ৴**.എ.४४।৯৯৮४।৸.ৠ.४६४.ऋ४.৸৻৻ৢ४,৻৸৻৸৴৴.ঀ৾৾**৴।**

ने द त्र श्रेत्र विते श्रेत्र माद्य सु मं माद्य मु ते माद्य सु ते

महेना मुन्य देवा देवा हेवा परे द्वार देवा के पार मुक्त में मुक्त विकास हो वा का मा a,신는,음,광보,신,건역는성,충성,성성,다성,ᆒ요,돛다,신,요성성,오신, 뷫,는,영성,활성 यर १८र्ने प्राप्त व के कि स्वाप्त के स इससार्च्या र्वेया रुष्ट्राची विश्वासम्बद्धाः विश्वासम्बद्धाः विश्वासम्बद्धाः विश्वासम्बद्धाः विश्वासम्बद्धाः व ₹बबारुःंंंदर्वेषाय। वबाबिष्याये हेपाक्षेपास्यायुरावुषाय। यमाकावैः ङ्कु'ॲ'ॡज़ॺॱॹॖॱॻ**ड़ज़** धनषः यॱवैॱक़ॱॻढ़ऀॱढ़ऄ॒॔॔ॱॸॖॱॻज़ॗज़ॱढ़ॺॱ[[य़ॖॻॱय़ॱ]] मवित्रयाम्बर्गायाम् वर्षायाम्यान् वर्षायाम्यान् वर्षायाम्यान् वर्षायाम्यान् वर्षायाम्यान् वर्षायाम्यान् वर्षाया पर्वण्या पर्वव चै 'सु 'पॅव 'चे ८ चे र व क म्लाव पर रे र ८ र म्ह र ते र सु 'र हे र लाबुटान्दा अवान्दा न्येराक्केययाचीयावर्षा न्येवाद्राचेदा बेरावयाश्चे पेपायायम् पार्ववर्गा क्वेराणी सुराधनार्या हार्नेराया न्र्रा भैषापरे सुराद्रादेशाया भेरावेराव्यारा सुप्ता सुप्ता ८८। लबारवनान् हेटा बेराव बार्सना कनवान निर्मा लटावाल र्घेका हुँटा ढ़ॖऀॸॱढ़ॺऻॶॱ**ॖ॔क़ॱॸ**ॸॎढ़॓ॖ**ॱफ़ॺॱॷॗॸॱ**ॻऻॱॱऻॹॱख़ॻॱढ़ॺॱॻॖॱॻॱॺऻढ़ॺऻॱॻॖॗॸॱ। दे'कुल'मॅस'झुद'5८स'दस'कम'द**न'**श्चेर'म'कुर'ग्री'मॅद'मु'म'न्देन'मुट'। चॅन्'ख्य'नु'चुेर'चॅब'य'झ्'च'ने'खेब'र्वे। ने'ङ्गॅब'यदे'चण्द'वे'अ'धेब'ञ्चन्। रेसरनो मार्डमा छेता रेसा से रामे मार्डमा छेता मार्डमा स्थाप यः <्यंबर) रत्यः चै 'त्राटा चुकार्षा चुर्गा ग्राहा त्या वर्षे रामकार्षे हा चौ 'क्षे 'वर्षा कहार र **हे.**बुब.रर्धिचाब.पे.सैचाब.रजींर.व बान.कुध.कीप.चू.पा.रथचा.रंट बानीलेप.बीट. न्। वृद्धः वृष्णः वृष्णः वृष्णः वृद्धः प्रमान्यः प्रदानः वृद्धः व **इब्रामः अ**र्थः वैद्याद्यायस्य याया भूटः र्ह्नेटाया यर्थः तृ नायाय प्राप्ता

स्तरः ने अर्थतः ता [[लाला दारे मुला संग्वेदा से क्षेत्र संग्वेदा स्वाप्त स्वापत स्वा

न्रायह्वर्शंव्यास्य व्यास्य व

निर्मृद्र अळे**ना नासुस्र ग्री** स्त्र स्त्

हे मु१८ वि द य कुल र र र य य १९ ते . य कि र र य वि र र य वि र र य य **इ.ब्र.ब्र.**इ.व्.वे.वे.वे.वे.वे.वे.वे.वे.वे.वा डेव.चनाणा अब्र.च.ल्ट.ता. द्वेते पुरस्य त्राचा विना पुँदा व्यव प्यान हु । द्वे दे । दे दे । दे दे । त्या प्यान । **पॅद**्पॅ**रॅ**ॱपॅद्राम्बटःक्केबरग्रैकाक्षुरावश्चरकार्य। ज्वलार्यःदेवेरक्षुरदेटात्यर्वा परि र्ट्स मार्ग प्रति प् क्ट्रेट[ा]व। प्रमुप्तार्थं पुरायद्वेत्राय। सुरत्युवार्त्रार्थं दायाद्वे**णः म**पुण्यायः पर्वेचेयाताला वेषायोवरावयाक्षरायाधे विष्युन्तराया <u>बेर-ब्रु-लिहे-ब्रु-ला</u> देव-पॅ-केहे-ब-स-र्ने न-ने-वट-पु-म्बेर-कु-ग्लेन-पर्यास्तु-इत्रे धुन्। कु '८८ 'यठस'य' देन्। 'र्ययय सु 'र्युद्ध 'य' शस्त्र | दे 'कुल'र्यस'य खेु ब्रमःम्बिन्यःस्यः ह्येन्यः त्वाप्यः विषाः त्रुषाः हे। देर्क्यः द्रः म्दः स्वरः स्टः स्वरः स्टः स्वरः स्टः स्वर इत्यापनिकारम् बानेबाणुटार्स् बळराळेग्या देणा तर्णा ह्या ह्या या भेवायरा दे नेबारे माईवा खेटा भेरापुर सेटा यश येण्या भेटा यहूँ रामरे **ण्यात्या सुर्गा वया** वास है **ज्**र दे.पंधर.रेटेजालब.चेथाचढु,चिंडु,कुंटारे.पथंग.कुं.पखेंगंधा केंडु,पूर्यात्रा इत्रयाद्राची विद्रान्रार्में परिन्न्ययाधिद्राध्यायाधिद्राष्ट्रम्याः सुरस्टिन् बेरा वया व**ण**'रे'य'मवेर'क्षेु वय'८८'म् खु'र्हेद'ग्री**य'वर्क**र'म'ग्री**र्'री। वक्द** ॲं'पर्विद'सर'सेस'सुद'प'सेट्'पर'पुरु। कुल'र्येट्र'सदल'लस'<u>ट्</u>र'ङ्क**र'रे**' <u>ॻॖऀॺॱॿॖज़ॱ</u>ढ़ळक़ॱॠॕॸॱय़ॱय़ॖॺऻॎॱऄॱज़॓ॱक़ॖॖॱऄज़ॱॸॖॖॱय़ॗॖॸॱय़ॸॱढ़ॸॕॸॱॸ॓ऻ

म् १३ में म् यह दा देवा के प्राप्त निवास के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स ढ़्र-ॻॖऀॴख़ऀॴपपुरभ्रें प्राप्ता ट.की.ट्ये.प्राप्याप्टं थाये थाये थे था है ट.जि.च्ये. बःतथा पकुर्'पकुं'ब्'म्रॅंट'र्बर'कुं'खुल**्**र्'र्बर्पार्टेंब्र'कुं'र्चु'पङ्गेबर'केट' <u>श्रामार्वे र प्रेर् र वे र कुरायर र त्युरा</u> यहवा बेटा श्रामार्थे यर र त्युरा री बिसाम्युद्यायाथवाद्। मृत्यु भिन्यु भिन्यु भिन्यु प्रमान्य मिन्यु भिन्यु लानुदायरावर्दिदायाषदास्त्रित्ते। मृश्वायाम्बदायते नेवाकानेकान्नेवा स्रभुः प्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य विष्य स्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य <u> इर.स्टा इ.विट.ताश्चेश्वाट्टी टैट.इ.एवट.वट.सूटा वेष्ट्रायाक्ष्ययः</u> दृत्रा हे 'स्राप्तु 'दुन्' स्वापा हिरान् ब्रिंग ना ठवा दुन् चुराव्या ना के प्यतास लामन्यान्यान्त्राच्यात्रात्रा हेमान्यात्रात्रा हेमान्यात्रात्रात्रा **६४.४४४५२५५८५५५५५५५** क्षेत्रस्य स्थान्त्रस्य स्थानित्रस्य स्यानित्रस्य स्थानित्रस्य स्थानित्रस्य स्थानित्रस्य स्थानित्रस्य वसःसित्रात्रात्रहराष्ट्ररायार्थ। कुलार्घादेते स्रस्ति मा१वामवुरायठवार्द्री ि.प्.प्रदे.नू.भट.पं.प.ए।थ.पथ.पथ.से.पर्वेटथ.श्। केप.त्.वे.प्। हे.**रू.** र्ब्र. इ. क्षेत्र. चेला. में अप हो. चेला विश्व कर की. एवं का स्ट्रा की स्ट्रा की स्ट्रा की स्ट्रा की स्ट्रा की **৬ এ বি প্রাণ্ড বি প্রকার্ট্র বি প্রকার্ট্র কর্ম বি প্রকার বি প্রকার বি প্রকার বি প্রকার বি প্রকার বি প্রকার বি** र्रेनाम्बस्यः रुद् स्थारस्युदः द्वीरा दिः विष्य स्राप्तः विष्य स्राप्तः विष्य स्राप्तः विष्य स्राप्तः विष्य स् ₹^{त्र}ार्ने। व्यनार्ने। कुलार्चावित्नश्रदान्वित्वत्रदा घरानायददा<u>द्</u>वाणुटा बेर। ፠ंब§सरं;्रेट्रेग्गुरेदेरञ्जसंद्वनार्दरनाधन्यवानीन्यस्याः रदासदसःकुस

र्थ। चरःश्रूटःमीःमार्देरःश्चेदःत्ययःग्रीयःहर्दःचरःनुःसर्वटः। यवःकुलःर्ययः पर्व व'र्क्षत्र'ख्रेचच'र्च.ं विष्णतःति.ं विष्णयःतमः अर्ह्षम्। हे.लटः लेथा वि.से.पिथा בקיביקבין שביביקבין בוציאלקקיבקקקיביפּקיבילבין קאאי मान्दा क्रेटाहे प्टा न्मारामान्दा मन्दा क्रेंबर के दार्थ क्रेंबर ५८ः। श्रुम्बार्थः कृष्यः स्वाप्तः स्वापतः स्वापत तर भी पहें बचा विपा विपय रिवर स्पृष्ट अक्द र द स्वर मा दि सी अर्थे र भव्रतान्याय्यासुरतिवाता सानुतासार्विनाया क्षेत्रायायापनु ह्याप्रेयामा व्याप्तयायाचीत्राची न्यायाव्यायाचीत्रामा सक्र प्रति पुर्पात्र स्वापार्थे विष्याम् । सक्र स्वाप्त विष्याम् । मुग्यरायन्त्रम् यदावदयायराष्ट्रीयावरापदा मुलासुरिहेरीखलावस हे प्यतः पुरुष्याया अर्थे वा गुव भुद्धा से समः उदः प्रेट सः गुः दिया ८मूं.प.ल्टब.मु.भस्वा इ.कुर.त्.लप.लेश.मेल.स.द.पट्.तर.परीवी वारास्था कुं तथा बुंबा देवा यह र से र है। यन कुंबा कुर कुंबा के वार के वस। देग्यातहिन्।वस्यायाद्गस्यागुर्वास्यायात्रस्यान्।वस्यायाः रॅन्याबर्या यमःग्रीबरलरके:देन्य:८्रःकेन्यक्दःग्रीबर्याः र्याच्याः बुरक्षेरकुट्रामित्राणुट्रा ष्यात्रेर्भेट्रामित्वरम्भेरम् अन्तर्हेट्रा यर् द 'खुल' यचुट' मेथा अहे सम्यरे 'बुल' यहुरे 'र्यू द 'म्ब्रं स्टर' सर्वे द 'स्टर' हे' लाम्दा विरामाध्यम कुलामु कार्या किना करा है ना करा है ना करा करा है । सर्ने' परु'म्रेन' र्षेत्'र्ने' (बेस' बेर'र्ने। $\hat{\mathbf{q}}$ ' व स' कुश' पुस' सर्वस्य परि \mathbf{q} स म्न.चंट.चं.चबेचेश.ध्री

ऐॱवंबर्खर पश्चिम्भिक्षर स्वाता स्वाति है। स्वाया स्वा [P'ロ'るす'句)'ऄऺॺॺ'ठす'q ॺॺ'क़ॕॺ'८८'च८'च८'चे८'नेष'ऄॗ॔८'☐┸'ฒ'ลे'दे'☐हे'' इंटर्-र्रावस्य व्यव्या चुट्रक्वास्यस्य प्रति बुद्धिः सामदावस्य व्यवस्य वि ८मॅदि रैन्य सुर्वेद निया दिन्य के सुवा है। विनय गुवाद ना मेंदि निम्दा दिन । न्ना विवयाण्यैयाकन्यायस्यायस्यायस्य विवयस्य वि वसमारुप्यम् मार्था देवार्या केदेरम्भातामुलासुरम्बुन्यस्याम् **षयः**ग्रीकःमुलःश्रेन् महन् वया मुलः। मञ्जराष्ट्रस्य उन्ग्रीःहेन्स्स्रितः न्यार्थाः खेट.पञ्चेत्र.य्रा २.लच.केल.त्र्यः इटे.केल.त्र्र-टेचट.पञ्चेर.च.लु**व.तयः** त्रुव्ययः दस्। प्रमुद्रायहुरम्हेयः या था कुलायरः यहेदः यस। कुपानेमन्द्रात्यात्रात्वाता विद्याम् विद्याम् विद्याम् विद्याम् **ॿॖॱ**र्हेन्ॱय़ॿॱॻॖऀॱर्वेन्ॱक़ॺॳॱॻक़ॣॕॿऻ नऻज़ॣॿॱॿऺक़ॱऄ॒ॸॱॿऀॻॱॹॿॹॱॻऺॹढ़ॱऒॿॱढ़॓॓॔ पचट मेंब। देव में के हैं पुरुष्य प्रतास्था सुराक्ता कि स्कृत के स्थार प्रतास चुमसः मसः चुँदः दसः ५२.५ ण रः छुते दः पचनरः सुः तः प्रस्ता । अरके दे प्रते खुपाः बर्ड, इ.च. के.वे. तम्बर्ध केषातिष्ठ, रेवे.पा.र वे.तथा केषा.तप्र, श्रे. लक्षार्द्भावान्त्रात्त्र्वान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त क्रेयसम्यायम्बाने। देग्यसार्दर्वेरायाईर्द्र्यंत्रेर्यस्यस्यस्यस्य हर् रे रे दे रे श्रुप्ता बिटा मिस्रा रे रे रे काम्बा बिटा मिस्रा रे रे रे व पिर्टे साम्बर रे रे इस्यामराञ्चरायहर्गारसाकेदास्यारी र्याच्या विषया देवारा विषया **す**ぬ、だち、ヨス、ロ美と、ことがと、ただいない、ロ美と、ことがいっている。

बुरानु। नुसुनिर्मिद्याच्याक्षेत्रान्। नेप्यदारानुसाब्धदार्धराकुसार्थसानु। विचान्त्रेन्। केन्। विचान्त्रेन्। विचान्त्रेन्। विचान्त्रेन्। विचान्त्रेन्। विचान्त्रेन्। विचान्त्रेन्। विचान्त हुं वदः म्वुदः हे त्यद्या कृष्याया हर्षे द्या हिन्द्या कुलाया अःमूर्यन्त्रः (स्थाः)श्रा देःषः विर्वेदः विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विषयं विषय म्बुद्यायम् द्याग्री'स्यावर्यात्र्व्यं वर्षात्र्यात्र्वे द्वाप्त्र्यात्र्वा रैट-चॅं-मुःचहे-क्षेरम् बुन्यः केद्र-चॅंर**ेव्न** विंद्-मुट-टॅंग् देखःसुट-**न्यन**क्**त्यः** व्याययाद्यायया है । व्याययायायायायायया है । वस्याययायया सिट. मेलची, विष्यतपुर, पे. लामे कुमी, ला. सूमी, बंबा, पे. मूमी, ता. की. ला. पर्वे मी, तथा की. मिला र प्लामहिना झरालामा हेनाका (सङ्गेनाका) सका झरा छेनाका व का रुपारा त्रवार्त्रा कृत्रेयाम्यम्। त्रात्राक्षात्राच्याः क्षात्राक्षात्रा रे'ल'न्षण मृर्षेद्र'सिष्टरपुंचा स्त्राता विष्युत्ता विष झ'^२। पुच्च प्रमाय का विष्टु प्रमाय का प्रम का प्रमाय का प्रम का प्रमाय का प्रमाय का प्रमाय का प्रमाय का प्रमाय का प्रमाय का ०भूबाबान्यात्राहात्राहात्रवाहेलाद्वानात्राह्यात्रवाह्यात्यात्रवाह्यात्य 5'गन्दाव'देव'यवा वन्पानुव'व'र्हेल'त्रेना ह'गद'र्'पन्दाव' ८म्८.भ्र.६५८ वरा विद्यायाम्यायाम् वर्षावानिकार्याः म'हरि'मम'र्म' केंद्र'म् य'मैदि' इ' पा' द व' व्याप्यामी वेषा देर' प्रदुर हिम् वेर द्वा रुखु न्सरकृरम्भराष्ट्रेरम् पया ६ मृत्यम् त्यासुना कृतायमः मृत्यहरा बेटा। सुन्यायना सुन्यायासुराया ๆ5ั่5'ययायायुवायराहाकेरि। कुलाययाहरे खुग्द्व पुराहे। सर्वे प्रमुख

तृ तम्ब्रियम्बर् दि द्वारे द्

ने न म कुल सु ने भीव पु भी प्राप्त के प्राप्त मान के मान मान के प्राप्त मान मान के प्राप्त मान के प्राप्त मान के प्राप्त मान के प्राप्त मान क चरुतर्दरा भ्रेषाप्रत्वाचीया (यदानी) हिला नुगरे प्रदाया नुगरे । त्रञ्चेदायेषाः वा व्यव्यानुष्या विद्यानुष्या । क्वार्मिन्त्रायान्याचे निवास स्वर्णा प्राप्ति व्याप्त वार्तर हिंदु मा पञ्जः वृत्वा वृत्ता वृत्ते वृ (त्वाका) सामादी अवते सामाव्या क्या व्यापा व् लालानेकार्याकुटाव्याञ्चर्यात्राव्याकाने कुलार्येते युवाया તાર્સું, વૈબા ॱॿॖऀॺॱॿॹॱक़ॗॴॱय़॔ॺॱॻॴढ़ॱॾॗॴॱढ़॓ॱॺॺॱॾॕॣॱ*ॸ*ॱॴॱज़ऄॸॱॿॖॆॱॿ॓ॱॴढ़ॱॿॖॆॺॱॿऒड़॓ॱॱॱ त्रात्म्यराह्म का केवा केटा विकार्कन पा पहुर तुना के रे का मुख्य मक्षेर ख्रान्य प्रेर किरका या ख्रान क्षेत्र का प्राप्त के विकास मिला के विकास के विकास मिला के विकास के वितास के विकास क त्रेष् प्रति म्यू म् त्यम् । यह त्रायम् त्रायम् त्रायम् वर्षे प्रतास्य वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे हिं मुंबा दे कि श्वापादा वादि हैं ना देते श्विपाया या वाद्या स्था ञ्चन'क' मि प्रेरिक मि प्रिक्त मि

रैन्बःबैरदर्मातुन्छः सम्बेर्षन्। **महुःबःन्**खुबःनुःदन्बःनेःशवःवः ष्ट्रदे भे नी। व नार सुदे भे नी। इंग्यु अ श्रेदे भे ने दें। ५ ८ में ५ ५ ८ ८ ४ वि न्यतात्रिन्द्रा तहस्तिन्द्रा अहस्ति । तहस्ति । ल्लाक्षुं 'बेबार्च वर्षा भेषा चर्णर्'र्रा दे च्चा वाषव चीवार चुट्टा चास पर्मार दे लाहा गः झुः८ः द्वेस्रायः र्यम्यायः प्रदेशम्ययाः धम् सुसः दुःसं ग्युव्यायः स्वायः प्रदेश्यः र क्वा में ५ त्या भ्राया स्वीत स्वापित स मब्न हरे हैं क्य सिन्दि के ने हि है या में रिनु है या में रिनु हैं या में रिनु हैं या में रिनु हैं या में रिनु ष्मनाम्बर् द्वार्व र्रम् नु मुद्रे विस्वर बु मह्बर हे महुस्र र्रा कि मु मुर चञ्चरा छाल्मवाणुरामञ्चरा छारम्मेरा छारने छारा छारेमानुः यमान्तुरहदर्तुरवृषा हुर्गुरवातान्वेरविष्युमान्त्राम् वेर् ॻॖऀॱॸऻॖॖॖड़ऀज़ॱॴॱॿॖॱॸऻॸॱऄॱॴॱढ़ॖॺॱढ़॓ॱॸॣ॔ॖॸॱय़ॱॺॱॻढ़ऀॻॱॿॷॹॱॹ॔ॹ म्रामित्रम् १९४१ मार्थे वात्रम् वात्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् पर्पाद्याव्या कुरे:मैं:५:ल:मॅं५:ग्री:बु:प:मु:प:मु:प्याव्या मॅं५ नया है बो.ता. ८८. कुर्बाचा बी.ता २८.ता. लघ. तूं। व्याच्चाटा सा कुंटुं। द्वाले.ती व्य न्त्री द्वा व्यापक्ष भित्रक्ष व्यापक्ष भित्रक्ष व्यापक्ष विष्या व्यापक्ष विष्या व्यापक्ष विष्या व्यापक्ष विष्य के.वी स्व.चेल.चू.चेर्य.ल.चर्बेचंथता.के.वी संज.च.रंट.चुं.च.रंट.**४तेण.** षेनाः हः ५८ । हेदः षेनाः ५ नाुः लः र्यम् । प्यदः लनः ५ नाः नीः र्स्न रः वळ व्यवः

क्रेट'न्ट'। येनव'न्ट'येन'नु'धुट्ग भन्'ग्रैव'यठन्। **केन**'मेव'श्चर नरम् विराम् विराम् विराम् विराम् विराम् विराम् विराम् अव्याङ्गे 'À' क्षेत्राची में राजी का जा ने राजी ने र कृ.स.क्षेत्रकाष्ट्रदेशकाष्ट्रीयाच्चेत्रकास्याकार्यस्याच्याकार् **ळे . र र . मी. क. ये. मी क. पी. मी ये.** प्राचित . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . स्थित . स्था मि दे . मी ट. . सूर्य चित्र . सूर्य . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य . सूर्य . सूर्य चित्र . सूर्य चित्र . सूर्य . सूर्य चित्र . सूर्य द्यार्देर्या मारावर्षा के मुन्यायीवा रेमायामा येवा परे सूर प्रवास क्षेत्र के स्वास क्षेत्र के स्वास क्षेत्र के स्वास के स म्भिषाताम् दिन्देन्। यदाद्वादेवात्रेन्। व्यायावर [[अंक.रे.]]विद्यानाल। ञ्चारकावर्षाच्याचातात्रीता व्रराह्। ट्रीययवादा द्री ट.बट.बेट.भु.लेल.ब ब.ध्टबा च.ध्रूर.बी.लेल.ये.च्यू.च्या वर्षाहर **बेरा रैप्**यादै'राख्रि'केदाबेरा बै'बुद'यर'सँद'र्देग देर'यस'र्ह्हें' देश मस्रायकारम्यारेन्यातालाक्ष्यवाचेरामयाताकृत्। ब्राख्तावयायाया **बर्डेरा बर्डेरफ्**लर्ट्, रुज्रे, बर्चरवाचा केरी वर्चा है। द्वा विकासका कर **कर्य्यद्राचेरायाकार्**ट्राका हेर्रो कुत्या है व्यव्यक्रिया समाहा व्यद्राचेरा **कन्'सुक्र'रु'यक्ष'य'चुट्'हे'न्'ग्**र्वेन्'र्न्'न्न्निन्'नु'वनुव्'व्यानुव्'वेन्'' '' Ar (यम) मॅं ८ में में प्राप्त का की प्राप्त ा सिंत में प्राप्त का कि प्राप्त का कि प्राप्त का कि प्राप्त का कि वयाश्चरव्यामान्त्रवाया प्रमान्त्रवार्ष्या व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति व

्रॅन्ः ० विः पः न्यः त्रावाः पारेः व्रावः विः वर्षः व्रावः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर्षः व

নিৰ অন্ত্ৰ'ট্ৰির বাং নিজন ইঅ'বি'ৰ অ'ব অ'আন'ক্ষনান্ত্ৰ নিজ'ক্তিম'
ইনি' ধ্বন্ধ নিজন নিজন নিজন নিজন নিজন নিজন ক্ষান্ত ক'নিজন ক'নিজন

पनिषादानिः इवनः ग्रेम्ब्रेयः यरः त्यूरः वैदः। न्म्राकेदः यरः त्युरः पना **न्रे**मःद्रसःस्रेरेन्द्रस्यःस्रम्यःस्रुक्षःस्रेत्रस्व रक्षःम्यःद्रसःस्रेरेके मृन्दः।
 K對도'면'
 對제'도'।
 資제'대'도'।
 資"제'다'도'।
 國"제'도'।
 國"আ'
 छे'सर'८८'। मुबेर'८६०'ग्रे'बे'क्र'५५'। ह'द्वे'के'८८'। ह ביקהין קהיקהין שהמיביקהין מימהיקהין מףגיביקהין **山**子山からた! 動いるなる、くた! ロってなってた! ヨュナ・くだいぬ変と、に बर'र्स्य'सर्कें, हेरा ५म्बं, वर्षेव, वर्षेय, वर्षेर, जा नें देरा अस्य रहा म'न्र्यास्य मार्था न्या मार्थि । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्य । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्य । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्य । प्राप्त मार्य । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्थ । प्राप्त मार्य **พฐ**ยากาพยามีผาผิงเมาหาพฐยาส สาพิหามู เมิยาผิงเลินสา **ଵୢୖ**୳ୡ୵ୢୄଌ୵ୠ୕୵ୠ୷ୠ୵୷ଽୡ୶୶୷ୣଌ୵ଵୢ୵୷ଽୄଌ୕୵ୢଌ୕୷୶୵୶ସ୵ୣୢୣୣୣୣୣୣୣୣ୷୷୷ୡ୵ୡ୷ नात्रिः श्रीटाव मु स्कारि रत्याय द्वी यह रशीट र पर्ड यर हव रहत्य वि स्कार् **ॻॿॖॖॖॖॖॖॖज़ॺॱ**ॻढ़ऀॱक़ॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॡॱज़ॗढ़ॱॿॖॗॗॣॺॱॻॖऀॱऄॗढ़ॱॸॕढ़ऀॱॿॕॣढ़ॱॸॕॱ**ज़**ढ़ऀज़ढ़ॱ**ॱॱॱॱ** ष**ञ**्भागी पुरर ब्राय प्रज्ञा के पारा र र पुर देवा पात् प्रवास के र देवा प्रज्ञा के प्रज्ञा के प्रज्ञा के प्रज्ञा के प बर्मेद'म्डेन'न्'यर्हेन'दब'बे'ङ्गट'यर'ग्रुर'र्हे। ने'दब'कुल'र्वेदे'**यु**न्नस्य मन्दरकुरवाद्रा भेटावन्याद्रा कुर्चेकेन्द्रा न्वव्राव्य ५८१ - श्रे में ५८८१ मृतुबर्ध चे ५७८५ स्ट्रिय सहि श्रे ५८१ श्रे बर विवास מביבוֹ שׁקיבוּ מוּמימוּ מוֹ מַלִים ביף מוֹ בּי שַׁמִיבוֹ קַמוּ בַּי מַלּבים ביף מוֹ בּי מַלַּבּים ביף מוֹ בּי

र्श हे व व कुल र्घ र प्राप्त र त्व कु खे र हू व र ट व व हव वर हे दे व व व अक्रॅंद्रान्यिन्'ने'सु'क्रं'यिदु'दुन्'यिद्र'स्'सुद्रे'सु'क्रं'त्द्र'य'महुर्दुन्'ने**रा'''** য়য়ৄঽ৾৻য়৻য়য়ৢ৾ঽ৽য়৻য়ঽ৾৻য়ঽ৽য়ৢঀ৽ঢ়ৢ৾ঀ **ฆฐะ**ไวเลิวากรายสมายเน้า**มนามฐานนาย**รานานฐานนายานาน য়ৢঀয়৽ঢ়৽ঀয়য়ৣয়৽য়য়৾৽ঢ়ঀ৾৽য়ৄৼ৽ড়৽৸৽ৼ৽য়৽ঢ়৽৾ঀ৽য়ঢ়ৢ৽য়৽ড়ঀ৽য়ৣয়৽ঀয়৽ঢ়ঀ৾৽ <u>श्च</u>रायातयन्त्राचे वार्च वार्च वार्च प्राम्य वार्च वे विषया क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र व ५८.७.४里,७५.भे.मे.पेप.घट.घ.४५.५५.५०.मे.वे.४५.४८.४८ ८५.५०. पबुनारायावेनाः श्रुवारवया सुन्देग् श्रुवारत्तेवः नुग्मत्रार्था देरः दनेगः श्रुवारतेव इं रुर्वेला मुकार्सर कृषा छर का बुबाला बै. बरापर पर ब्रेबंश अ. ब्राज्य हिरापेटा यण्यारुव पुरायर पुँदा हे **गा**तृत्य पुरातर त्राप्यर त्राप्य सान्त्री लाकी हे प्या यमयार्ट्याताम्बेरावयार्द्रात्यार्द्र्याचेरायार्द्र्याच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या प**मेव** हे खन्न कर रेट्र प्रमा चुन्न के हिरे के नामन का श्रेक यर मुका देर के ने दुनाय रहा मुँदा **देवा में दिना** में दिना में कि ने प्राप्त के सा ॻॖऀॱढ़ऻॸॕॸॱॺॕॱॻ**क़ॕॣॸॱ**ॻढ़ऀॱ**ऺढ़ॱज़ज़ज़ॺॱॺ॔ॎक़ॖॖऀॱॸ॓ॱॸऀॱढ़ज़ॱ**ऄढ़ॱख़ढ़ॱढ़ॸॱॿॖऀढ़ॱ ञ्चनश्रके'म'न्हिनाधिदार्दे।

रे'रे'ल'र'लुन्'न्टा अ'र्ने'लू'यकु'र्रअ'रेते'क्ले<mark>'वेनक'दक'रे</mark>ते'<mark>विना'नेक'</mark> मॅ्र विरादेश द्वावाया वाया या वाया विष्या देता युरवा की या रा **ਜ਼ਸ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਸ਼੶**ਖ਼ਸ਼੶ਸ਼ੑਸ਼ਫ਼੶ਖ਼੶ਜ਼ੑੑਗ਼ੵਖ਼੶ਸ਼ੵੑਜ਼੶ਜ਼ੵਖ਼੶ਖ਼ੵਁਜ਼੶ਸ਼ਖ਼ਜ਼ੑੑ**੶ਜ਼ਸ਼** 🌷 ਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੵਜ਼੶ **देले 'द्र्णेल' ब'कुल'** घॅले 'खॅं' खंट' द्र्यु ' खॅन्' 'ळॅद' याले 'ख्रुं' वाले 'ॠं' पाले 'ॠं' राजे व'यर'कुल'र्संब'८छ'क्टेंटब'र्स'ठुब'वब'न्वेनब'ठ'वा <u>बु</u>ले'यरे'८ने'र्ह्चट' ने'ल'भेन'तु'युगबाप्त'यर'युर'वबा क्षें'प'लाबकॅर्'हेन'**यर**'सदे'त्विर'स लाक्ष्रिरामा चेत्रामारे प्रमाश्चिता क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष प्रयास्त्री वा हु बर प्राणेश प्राणेश विष्या है ता प्राणेश होता है या प्राणेश विषय माष्टिर्कुलार्चितेष्वं मुदार्रु वेदायराबु बुद्यायमा निवार्श्वेदार्दे हैुलागुदाया प्रवेगवारायर द्वायामार ता मेवेगवा ववा कुला मेरे खेट की केट प्रामी किया मेरे के स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त की प**ढ़ॏढ़ॱॻॻॺॱढ़ॺॱॻॖॕढ़ॱढ़ॕऻॎ**ऻॆॖऀॸॱक़ॗऀॴॱॻॕॺॱॸऻऀॱॾॣॕॸॱॴॱय़ॗॴॱॻॖॺऻॎ ॴॖऀॖऀॴॺॱ न्हेर्वा हेर्दरक्षा कर्षान्व वर्षान्व वर्षान्व वर्षान्व वर्षान्व वर्षान्व **॔ॱऄॱॸॕॴॱॵॱॴॖॖ**ज़ऻॿॱॹॖॱॻॗॸॱय़ॱॻढ़ॏढ़ॱॸॖॖऻ**॓॓॓॓ऄॱॸॕ**ज़ॱॸऀॱॸज़ॱॺॱय़ॱय़ढ़ॗॸॱ वयान्ने र्रेटाने प्यटावयायायराया मिनावायायया

त्रत्राहे न्या क्षेत्र वा त्रिकारी क्षेत्र क दे.हेर.भु.चंबव.व.भु.लूट.चंबिट थातालया चील.त्र.वे.री ४वचयाताह. **न्न्र-प**्रम् सुरामाय विवास विवास स्वास स मुलार्चते रहे न द्वा हु न द्वा हु न द्वा न द्वा न द बुन्बर्द्र'तृ'यञ्ज्'म्। देर'तृबर्यरम्पर्यत्रे'ळे'त्ने'र्ह्यद्रम्'न्वय वया ग्रेम्कुलम्बाक्षा ५ कुम्सलम्बर्धा ५ कुम्सलम्बर्धम्बरम्बरम्बर्धा पञ्चर'पते र्श्वेष'पदिव सम्प्राप्त खु'देश'पा'त्रा ४व'रव'स्थिष'ग्री'हेर' याप्ता र्वाप्तरमा भेकि लामे प्रविदासी समित स्थापन स्थापन इयान्यायान्त्रा कुलार्यादारी विषयायानाहास्त्रान्या यामबिद १८व मा स्वाप्त मा कित्र मा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत व म में मामा म मामा सेवा म सेवा मामा **व्यायात्रात्राच्या वर्ष्याचित्रम्यात्यम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यान्याः हेः** लापुर्यात्राभवी, भवेरात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या **२.**४.८४.व्रील.व्री.श्रेट.त्र.४.क्रे.क्रि.क्रीमध.ग्री.थघटु.व्ये.अष्ट्रु.एत्वंथ.ह्र.न्र.िन.अ**चः...** हिरासु कुरा सरामा के अया महिर्देष में मुरबह कर वर्षा उवादवार्षी भैकृ'दे। रे'मॅ'मॅ'५'पथे'मुट'र्खुंगब'दा भुगब'मधे'दगब'क्याबे**ग'द**' ष्ट्री देग्लाळेबान्सराष्ट्रित्वामान्यराम्यराचेरार्द्रित्वराधनाम्यवाकेर्तेन्त्वर

<u>बेल'मञ्चरमा दे'दब मुख्यपिते 'द्वो'र्ह्ह</u>दासम्बुख'र्यंद्वरो व्यवस्थापार्हर व'मन्ना'रुमा'मेशाहेन्यम्भेरत्युम्यम। तथन्यासामानिकाने इस्तानिकान रे**र**'र्टेंब'बहर्ग्यर'बु'बेंब'म्बॅंब' तथा रेख्यरमेंखेंट'मेंबी रेप्रम् ^{ऄ**ढ़ॱ**य़ॱॺॱय़ॸॱक़॔॔ॱऄॱॡय़ॗ॔॔॔ॱय़ॸॱॺॗॖॸॱॸॖॱढ़ॹॗय़ॱय़ॸॱय़ॖॱय़**ढ़**ॱढ़ॕ**ढ़ॱ**ऄऀ॔ॸ॔ॱ॔ॢॖॗ।} མཚད་རྡེན་བਙৣརྡི་ངཁৃឝҳ་མ་མ་མ་ཚད་བར་མངང་ར། མཚང་པ་རྒྱ་རྡེན་རё་ सहर्पित्रयवार्ष्यवार्ष्यवार्षेवा चुवाह्यप्यानिवाहुग्छेग्ह्ये। संन्दरा हामा **बन्-**न्ना वाकालकाचुनानाकेवाना नेप्यनास्क्रान्वादी वन्यस्य उन् संसम्यान्ता एता प्रवामालक पुरत्यां का प्रवास प्रवास के सम्याम के सम्याम के सम्याम के सम्याम के सम्याम के सम्याम ⟨ल्पा,⟩ तर.७वेर.त.८८.। दुव.७व.७व.२.४व्य.म.वंशव.वीय.वीटा ट्रे हरामकर्तात्राचित्रक्षा पर्तापराक्षात्रम् व्याप्तात्रम् वर्षा वहः वुद क्षा व्यवस्था हे द य कुषः मृषः मृषः पर द श्रवः स्थान्य । मैस'गुट्र धुर्रायस'गुर्रायस्वस'गुर्स्रागुट्र वसर्द्र पुर् च'खमस'उ८'ग्री'र्ह्चर'र्] ८गोंव'महें मा'नासुम'ल'महें र्'च'चीस'भेग चन्नवायाः त्युवायाः विवादी विवायात्रात्रा

त्र्यः वात्रहे**मः मेशः युर्तः खुरा-पुः क्रेशः मशु**ष्ट्रश्यः या। हिम् शृह् मीः धुर्तः हेनाः तह्रब्-सु-नु-क्र-क्र-क्र-क्र-क्र-नु-पद्धेव-न्वेन्यस-य-तिव्य-य-तह्नन्-य-अकॅ**८**-यदे क्रेन्ष्यारहिरादें द्वायाया वर्षा वर्षात्राहे द्वायायहा है प्यायदा अर्हें द्वाया मते ४ व र दव र बुलि गुँ कि र में दे र के र हैं जा कारण कुट गार दे ख़ुका है। यह का कुरा अम्याः कुषार्दि : शुम्ब खुम्मद् । त्याः त्या यति : पुषाः खुष्ये । हे माः कुषा सम्याः चैक्र-वृच्च-बुप्प-पाखु-प्व-त्यात्त्वात्त्वार्त्त्वार्यः विष्याची कर्षात्त्वेषाः aaर् पार्व्यापार्विषारतिवे कुराधितार हिर्द्धा प्राप्ति हिर्द्धा प्राप्ति हिर्द्धा प्राप्ति हिर्द्धा प्राप्ति व न्मापरि त्रु नेस मेवा हेस द्वार ग्री सके माहार में केरे हेरा मेर है। मेंद 5व्याम्बुर्-र्टः स्वाबेटः श्रुव्यम्बुर्-शेखानते खेर्-र्रा देख्यामुलायान्ता। २ वे में मा प्राप्त के **कैट.च्छु.क्ट.**च्यु.चैट.प ट्रेस.ख्य.ट्यु.क्ट.च्याचळट.तथा टेज.कुथ.क्ट्र.चे. **पठुः महिन्। सः र** महिन् । स्वाप्त **न्युग**ळ्ब कराष्ट्रियायाष्ट्र प्नारायाष्ट्रियार्चे वर्षे। देष्णराञ्चराचे केरे वराया के मामान्यरापु व्याप्ता व्यापता व् कृत्भी वर्षि सूर्या अष्ठ तर्या विष्यु प्रमाय वर्षा विष्यु हो। स्वा अव वर्षा कुरे देना तह ब तिम्राच लेखा चु पा प्राप्त के ना तह व सार में सामरा ची किया निक्तान्त्रा अराम्ची केषानम्ति । तास्ति नित्ति है ते स्वाम्या अराम्ची केषानम्

[अमिर र व्याप्त स्वयः] हिम विमानि दिर अमिर र व्याप्त स्वाप्त स पत्र'हे अर्षेप'ग्रेक'र्रे प्रावस्य प्रेर'स्र प्रावस्य कार्य प्रावस्य विकास वसा न्यनायस्याभितासभ्याम् न्यत्रस्यसम्पर्भर पत्र। अंभुेटकावकान्द्रपत्राक्षात्राक्षात्राचा पर्ताक्षेत्रकाराज्यात्रहरा निटारि हिराया में यायवस्यायायम् द्वाया है । याया वर्षात्व है । चुरायितान्त्र केन्य देशे देशा देशा देशा देशा है । विश्व देशा है । रटः मुँदः महे 'सेटाल' मुंग्नां खुं खं देवा नेटार्ला मुका केराया केराया विकास रूट्रहेब्रःब्रह्मराचराचुब्राकेट्रा श्वरःकेट्रहेर्थःक्ष्रंराचालव्यवुब्राचुब्रव्यासु म्बुबर्दिग्ना (देशेर्बेट्स्स्रिट्स्रिक्स्मब्बर्स्स) देशेर्बर्स्स बलाम्कृषाय्रेमारा < मुहम्बराप्या देवे हेटावाबलाम्कृषायब्दामा देवे युन्यानराष्ट्रया अप्तुराम देवे विनायान्ययान्ययान्यराम्याम्यया नेते रिमासादार्विराधानञ्चर्यामा नेते रिवासादास्य स्वा मा मुखुअप्यादारियायाञ्चे हुनायिहेदामा प्रदेशयादाम्बा घाळादायेता पदिव र्दे र पु रेव पा के तह व पारी

सन्देन्त्रक्ष्यः स्वर्णः स्वरं स्वर

गुंकुर भेद बेर पर विंद रिवा विंव वा विंद की विंद कर रेग्य गुंग हो ला (लट्.) बुरावयाला ह्वीलाचाच हर हो। सुः संगठना नीया चुटा छ्वा **ॻॖऀॱऄऀ**८ॱक़ॱय़ॖढ़ॱॲॱॶॖ**ॸऻ**ॱॻॖॖॺॱय़ॺ। ऄ॒८ॱॻऀॱख़य़ॱॻऻॱॻऄऀॻऻॱक़ॻऻॱढ़ॺॱॸ॒॓ॺॗॗॗॗॗॺॱ मति नि क्षित्रं स्वापार्था व्यापारी विषयि मित्रं क्षित्रं मित्रं क्षित्रं स्वापार कर् हेदःन्युअःश्रुयःमहेःसुअःमहेःदरःतु। देग्यदेदःम्वेगवःयःन्युअःमुःगतुरः ५८:३८:पञ्चेथाकु कुटायादेरायहमार्जा देवकामदेवाकेदायावकु ५५ **ड्रेंब-वब-छिट-छिन-क्रें-क्रेंड-स्-इंव-55-का** कु**-अर्ट्वर-ब्रीट-मी**-८ह्मा-अर्थ-हु-**बट.मू.४५.मू.७५८.कै.५५५.५५५.५५.मू.५५५.मू.५५५.** न्द्रना न्या क्राम् क्रिक्त क्रिक् **हेर.लिफ,पर्वे.योथिक,र्य थाईया, इ.अक्षर.व्य.कि.हो।** वैट.किप.ग्री.कुट.ग्री. बर्कर**ेहें ग्रन्थ केद मंग्रिक्टर्य याम्य एक पर्या के** में देश हैं मा (द्व.रव.चू.मुक्ते) के.अष्ट्रहुत्रह्मा,अष्ट्रा के.चर.हे.हे.व्यायावया इसम्हामक्रान्यक्रान्त्रहे। देन्पद्वानम्बन्यन्यान्यस्यानुमन्द्रान्दा ३८० मझेल'न्टा रव'न्द्र'ह्युल'ग्री'हेट'में देर'न्द्र'मु'र्र्ट'हेंद'न्टा रव'न्द्र'में भैकेरि'अर्केर'र्स्ट'र्ना रव'न्व'हुलागुं केर'म्रिं। दे हराह्यार्टा अहर वब्राच्डरम् देशसामझ्यसानुबर्या झ्राङ्ग्री क्षाच्याच्या स्वर् **ৼ्रम**्म, प्रति विष्यात्त्र, प्रति विषयात्त्र, त्राचित्र, त्राचित्र, त्राचित्र, त्राचित्र, त्राचित्र, त्राचित्र, **बैट**'मॅरे'मु'दे'ठव'दव'में'भे**ह**ेरे'मळॅद'बॅट'मे' बेट'र्'पढुनयासुपासी देशे'बर्बुःव'यर'य'मुट'ॡच'[[वेट'मैं']]बर्ळेंद्'हेवा पदे'पर'मवेमवायाप **ॻऻॹऒॹऀ॓ॣॻऻ**टेट.इट.चञ्चल.ॿॖऀॱॷॗ॓ट.चू.**२४.५४.५४.५४.५४.५४.५४.५४.५**४.५४.५४.५४.५४.५४.५४ ह्याप्तरायर रवाप्तवर इस्याणुटारेस मुक्षास्यायम मुलायरि सुन्या

दे द शः कुलः संदे पुनवः दर्षे द वाला **भः दवः ग्रे** द **शुवः इ द वाला वाला** पः ठवःम्रीःसुत्यः पुः क्षेत्रुं वायदे खेववा ठवः ताचेना या केवः विदेशे वादि मुद्दाराका याचुँ नकामानवकाकेवका ठवाचुँ। देवालचुटा (चुर) कुवावकाञ्चव छुटी चुनावामा मुमाल्या वेववान्यता गुवान् यावा सिता हुयाया द्वार्षे दिता हुवा न्याधेदाकीः देशविषयाक्षेत्राचरन्याम्यम्यस्यादेशवास्त्राम्यादेश्यास्त्राम्यादेश 5्रत्म र में सर्मिय हुन है। हें रचें खुन्य हे किन यदि अकें न हैं में खुन रहर सा बु'न्नावस'वन हे'न्नाहेडु'न्न'हेअं'क्वलाङ'ल'वन्ना र्चापन्ना **ढ़्रे व्हार्य १ व्याप्त १ व्याप्त** मा मुलार्चा केवार्चा कया वर्षा वर्षा हेरा चेरा चारिता चार्षा चार्या स्थाप त्युराने। मुब्बाष्परादिति ह्युत्यायामुराकुपा**त्रेशवाराम्परामुनायरा उवारे**। ĸẫヒੑਜ਼ਸ਼ੑਖ਼ਜ਼ੵਸ਼ੑੑੑਸ਼ਸ਼ੵੑਜ਼ਖ਼ੑਜ਼ੑਖ਼ੑਜ਼ਖ਼ੑਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ੵਖ਼ੑਸ਼ਜ਼ਜ਼ੑਖ਼ੑਜ਼ਸ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ੑਜ਼ਸ਼ਜ਼ਖ਼

व्यायाः स्टापुटापुर्वेदायाद्वययाञ्चयायदे कुलास्यायावायवादय। दे द्वययाञ्चदा <u>ৢৢৢৢঢ়য়৾৽য়ৼঢ়ৢ৾৾ঢ়য়ৼঢ়ৢ৾ঢ়য়ড়ঢ়য়ড়ঢ়ৼঢ়ৣৼৼৠৣঢ়৸য়ড়ঢ়ৼঢ়ৣৼৼৠৣঢ়ৼ৸ৡৼ</u> म्रिकाश सुम्बर्धान्यान्ता सुद्धान्याने स्वर्धान्याने सामि चना-रवर-मुःक्कित्या विनः] मुः पहे रहर त्याहे सार्गर सामिता तर्के विरः 🗤 प**र्र'पत्र'कर**'प'चुंद'द्रवाच्चा'चु'क्चैपवाखु'कर'षेप'चुवायवा चु'बॅ'माहेद' 5. स्ट. पपु के प्राथम दे विषय कि प्राप्त विषय कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त **ॺॖज़ॱय़ॱॿ॓ज़ॱ**ॻॖॖॖॸॱढ़ऺॺॱय़ॖॱख़ॕॱॴॱॿॖॆॸॖॱॸॸॱॺॖ॓क़ॱॺॻॺॱॻॖढ़ॕॱॿ॓ॸॱढ़ॺॱढ़ॺॖऀज़ॱय़ॱॾॗॕॸ पाञ्चेत्रायत्रामु बॅदि सुत्राष्ट्रवत्रा उद्ग्यदे प्यताष्ट्रिया व त्राह्म व त्राह्म व त्राह्म व त्राह्म व त्राह्म <u>५</u>८.८.५.५.६.७५.५.५.८.५५.८.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५ ୖୖୖୖୖୖ୵ୄୄଌ**୶**୵୶ୢୖଌ୕ୣ୵୕ଌ୲ଵୢୣ୕୴୶ୖୄ୵୵ୡ୕ୄୢ୕୴୶୷୷୷ୡ୕ୣ୷୷ୄୠ୕୷୲ୄ୷ୄଔ୶୲ भैव-मु-पिने-पानिना व्यापा विवयायने पानिना विन्या विवयाया हैया

प्राचित्राया भेता गुण्या प्राचित्राया भेता प्राचित्राया भित्रा भेता प्राचित्राया भेता गुण्या भेता प्राचित्राया भित्रा भेता भेता प्राचित्राया भाष्ट्रीय भ

त्र्वाप्त्राच्या क्षेत्र व्याप्यतः श्रुला प्रमातः स्वाप्तः हे खेला मुग्यापः प्रमातः हे स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप - पुंरत्में प्रति के अप्तेष्ट स्वाप्त के प्रति के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप प्रति स्वाप्त के स्वाप बसःत्र्रा 'बेसः' श्रुवः वसः देरः 'विदुः नश्चनः ग्रुवः श्रुवः प्रवः प्रवः दे रहेते 'तुर रु-बेद-पार्ट सहताद्याम्बर-बेन्यार स्वानिहेद-रु-ख्ताहै। श्रीपार्ट्यद केदा च्रामच्यान्त्रः इ**चा.च**ळ्ञाता क्राप्ट्री हेट्रापा क्षुतिया क्षेत्रः क्षेत्रः च्राप्ट्री तिया त्चारा ष्ट्र-**म्**युग्नःश्चर्नः सरः त्र्यः सुन्द्रः सुन् । वे 'द्र्ने प्यः सुन्द्रः सुन् । वे 'द्र्ने प्यः য়য়য়৾৽ঽ৾৾৾ঀৢ৾ঀয়৸৻ঀ৾৾৾ঀঀৣ৾৾ঢ়৾৽ঢ়৾৽য়ঢ়য়৽য়ৢ৽ঢ়৾৾৽ঢ়ৡ৾৽ড়ৢ৾ঀ<mark>ঀ৽ঀৢ৾৽</mark>ঢ়য়৸৽ড়ৢয়৽ঢ়য়<u>৾</u>ঢ়ৢ৸৽৽ ੑੑਜ਼ੑ੶ਲ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਫ਼ਖ਼੶ਜ਼੶ਲ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ਫ਼ੑਖ਼ਖ਼੶ਜ਼ੵ੶ਜ਼ੵੑੑਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ਖ਼ਜ਼੶।ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ਫ਼ਲ਼੶ਜ਼ੑ੶ਲ਼੶ਫ਼ੑਜ਼੶ वि.चुच्या श्रुपा क्रि.चेंट्र.चेंच्या व्याप्त व्याप्त वि.चाच्या वि.चाच्या वि.चाच्या वि.चाच्या वि.चाच्या वि.चाच्या ह्रा चेथ.बुधु,पी,पाक्विर,धवाबा,पाधु,श्रीमाना,क्वयामानी,धावाबा,पारीबाया ड्रि. कुबे. स्. झुंश्यथा क्रुंट. स्. क्षे. में . चुंगाय. हुंगा व्याप्त. हुंगा में . झुंच. ता. ब्रेट. त. प्रव. ब्रे. व्रा. क्रे. व्रा. क्रे. व्रा. व्रा चल, धुंब, टंट. चला धिंब, बुंब, चंद्र अंदर अंवय क्रुंब, टंट. चला बूंब, हेद्रकेट्रह्यानुष्टा । अप्तृष्ट्यात्रात्य्यानुष्टान्यहेव वेष्वेष्यान्यात्या दॅंद-प्राच्या इवार्हे**प**'वळद्यार्टा वर्गेष रटावर पूँवापा छेवा हैं प्रमुक्त हैं व विनया की केंद्र है। इस हैं में केंद्र में में केंद्र मेंद्र में केंद्र मेंद्र में केंद्र मेंद्र में केंद्र मेंद्र में केंद्र मेंद्र में केंद्र में

र्दः मुदः ले 'वेब' र मुदाया प्राप्त विद्या विद्या

मुश्चर-म्टान्न्द्र-द्वाह्य-द्वाह्य-प्रकार क्ष्याच्या न्यान्त्र-द्वाह्य-प्रकार क्ष्याच्या न्या न्यान्त्र-द्वा न्यान्त्र-द्वान्य-द्व

मुकायर पुका है। रेका कुकार हिना हेवा कुराविषका प्रति रेंद्र हेका पुरामर मर्यत्या कुर्द। बेयायुर्प मह्रवाही सामा केरे केरे व्यक्त गुर्प पहुन। वया संवे पढ़ी कु सव पावा । प्रेने हिंदा हु बे ब समें प्राप्त । प्रमुव मालादै प्राप्त । रामापु प्रमाराम रे सार्च मावन । सि दे पु माम कु न्मानु तर्ही । रेमा या सामु केवा संग्यता । यन्मा हेना केवा सामे स्थान ୡ୕୶^୷ୡ୲ ୴୴୷୶ୄ୕୵ୄୖଈ୵୷ୡ୷ୡ୷ୡ୷୷ୄ୷ୡୣ୷୷୷୷୷ୡ୷୷୷୷ୡ୷୷୷୷୷ श्चेदःमी'कुब'युदःपञ्चबा ।१९'ग्राह्म'यु'यु'[[उ।] ।यदयःकुब'पञ्चब'या न्यताचेर्माया । १६६मा हेद्राम्यया १६६मा चुद्र **ट्वन'**८पुटरपर'८णुर। । पश्चिराणुबरबरवानुबरपस्व । मृहैकागुकायन् छिकासुदार्द्दार्द्याया ।मृहैकागुकायुगकागुगर्स्च्दाकेष्ट्रमा। णृष्ठैशक् कुन्यते क्विन्यते क्विन्य के क्विन्य के क्विन्य के किन्य किन्य के किन्य किन्य के किन्य किन्य के किन्य के किन्य के किन्य किन्य किन्य के किन्य किन्य किन्य किन्य क मुस्त्रार्थे। दे द्वाराणी वटा व का सु सुना वर्षे मा हु गा हुव हो। देव केवा **लट.म्.प**्रम्थ्यप्रम् क्रि.पत्रा ४ म्.ह्रम् ह्रियाची ४ म्.ह्रम् ह्रियाची ४ म्.ह्रम् ह्रियाची ४ म्.ह्रम् **ॵॱॸॱॵॱ**ॸॎॱॺऀॎऻॿॺॱॿ॓ॱॹॱॸॱॺॱऄॱॺ॒ॺऻॎॺॖॎॱॿॖॗऀॸॱढ़ॺॱॻॖॱढ़ॻॗॸॱ

न्याया अर्जे द म्याया थे अपूरे कि राजा अपाया राजा विषया अर **चन्यःमहेःबर्ःक्राःयः**द्यःवयःत्यःक्षेतःस्टःचक्षेवःसःमक्तुःसःचकुरःगस्य न्नित्। दे'ह्नरः पदे परः प्विष्वयः प्रस्ति। पहेवः प्रदे हेवः पः प्विष्यः प्रदे । **हे क्वेद-स्-**प्रयाय-पाद्युद-**र्य-पावेगय-८**पट-**धुग**-गेय-८र्य-परे-ब्रॅट्-एव्र-ग्रे **न्नः वनः रहान्वदः नृदः सम्बदः र्वे**न्यः सामादारु न्याः युन्यः अर्देवः सरः वेवः र **यसः न्वेन्यः यसः** द्वेतुः सः देते हे दे दे दे दे दे ता न्वे ना त्र्ना द सः दे त्यस द र स्थ **चुँद'दया हिन्याने 'न**न्द'न्'एक्टें 'च'लेद'द्य'देव'देव'न्युन्य'म्या नन्द' ट्रिंबेरवर्षे विम्रामितः क्रियामा क्रियामा क्रियामा विम्रामिता क्रियामा भूतः-र्प्र-क्रीय-ट्रेग्ला क्र्यान्ते-१५ त्यानश्चयायायया नयुप्यानया दे न्दर्व नेदर् रोगमा प्रमान्य द्वा द्वा में मार्थ प्रमान केया द्वा प्रमान केया विषय र्नेव'**लेग**'लु'बेर'वसा श्चित्रं ने मुक्षाप्ति प्रीष्ठित प्रीप्ति प्राप्ति स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्व **पश्चिमाया** पुषापताञ्चरा पर्षापायेर् खुलार् र केपार्ट्य साम् व्यापुरम् विवासिता व **ल्या, पे.ह्र.**म्रवीयका हु, कुबे, सूध, भेर, स्था र स्टर लट, बीयका हु, कुबे, सूर, बेर-मुह-रहाराखन रहाने केटावन विष्युहार विषय विषय । **ग**बैग्रायार्थम् अर्छे र्दा सूदा पाष्ठ्रया उदा पुग्राहे केदा संस्केराया स्वी रट: रोमरार्ध्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर मार्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स

ब्रेन् द्वाराम् द्वा । ब्रूट वेयव क्या हेन् ह्वी पा ब्रेन्य प्रमा । ब्राह्मीया प्रमितान्तर्भाष्ट्रम् में स्वरं नियम् प्रमान्तरः हिन् हैन हैन हैन हैन हिन वियानियन्तरा ष्टितु देश श्चित् प्तित् ग्वीका है । क्षेत्र ग्वाद्यका या प्यवित ग्वर्सी सका प्रवित ग्वीका स्वात का कि १ अस्य सु ति द्या त्या स्था है । पर्त है सार हैं प्वेद है व परे प्वेद से प्वेद से प्वेद से प्या स्था है । पर् <u> ५८ अ के हे सुरम् हे प्रमान व का हर में ५ सा हु सुर हे मा मुद्दा के देश वटा व का</u> **ब्रि:**न्गरःसंख्याक्षरःन्गःसःसम्बदःम्बरःकुःषुमःक्षरःसः सःनेनाःमःसःने **इना** पारत्युर:र्-र्नेरायार्थेनाश्चरपार्वना चुटावशा वानेरे है प्रायाययात्रीया **ग**55'ने'न्यर'मभूर'मुब'णुब'पक्षप्रकाष्ट्रस'मुव'के'रहेन्'ग्रुप्स'मब्। बार्नेहें हे प्रबाधना एकता भूराया येथा वया यर्वा मी तिया पर्ने तिवता पर्ने भीरा मरार्द्रि केया वया मान्यया माना बुया मार्था मुलामार्थ मुला सेयया न्यारी ब्रा वयःश्रान्यः मुःद्रान्यः व्यान्यः व्यान्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः **११ ४ में १४ में १४** ৾ৼৢ৾৾৾৾ৼ৾৾৽৻ঀ৾[৽]ৡয়য়ৢ৾৽য়৾৾৾৾৾ৼ৾ঀ৾৽য়৽৻য়ৼ৾৾ঀয়৾৽৽য়য়য়৽য়য়৽য়ঢ়৽ঢ়ৢ৽ৼ৾৾ঀ৽৻য়৾৽য়ৣ৾৽ परःकुंबा प्युत्याव्याद्वात्राव्यायावरायात्रात्रहरःययापात्वात् मार्चनायाःश्रा

क्रि. द्वायः स्वरं त्वायः व्याप्तः व्यापतः वयापतः वयः वयापतः वयापतः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः

न्यॅब रे रे मार्बि र ब्रैब केंब यं बिमा में स विराव का खर्र रे रे राय क्षिय में रात के रा पते तहे प्राया पत् पारम ने प्राया में ने प्राया पर वर्ष प्राया प्राय प्राया प्र प'न्ना रव'न्व'कु'कु'रेन्ब'स्राप्त्नुन्य'म्बेन्ब'र्वा वह्न'र्व'या खुवामकाक्षे भ्रीतायमा क्षेत्राक्षा प्रवेष प्रमुखा प्रवेष भ्रीताय विषय मित्रा प्रवेष भ्रीता प्रवेष प्रवेष भ्रीता बेन्यान्**यन्**कन्यदुराष्ट्रपायापुटारा श्रीनेत्रसम्बद्धापमार्केन्या प'**ल**ळब्'र्र'र्ने'पुर्'रु'स्व'परि'र्देर्'बेर'हे'बं'प्ररम्'सुप्रात्रात्र्राप'सूर्''' वस्याञ्चर प्रत्याच्या तयन्यायायाने मुग्रामुग्यति रहेत् चेरास्वर्षे रहेत् याने सामा क्रियामा सुरक्षा व सामितासा सुरका महिता । में सामा सामा निवा Ñब'य' र ब'र्सु' ब**ॅ्न'र्न्नर'यॅ'**ग्रुक्ष'य'**्वेन'ग्रु'न्र्रे'हे'न**्द्र'प्र्वुन्व'र्र् Ҁ҇ॱढ़ॺॱढ़ॺज़ॺॱय़ॱ**ॶॱॸॖऀॱॻॖॱय़ॱक़ॖ**ॱॺढ़ॕ**ज़**ॱॸॣॺ**ॸॱय़ॕॱ**ठढ़ॱढ़ॕॸॱॿ॓ॸॱॸॣॺॸॱय़ॕॱढ़ॺॕॗॱॱॱ ุกาฎิฆาผาผากษีใกล ผาผู**น**เอาเลย เมื่อ เมื่อ เพลา เพลา เพลา ผูนเมื่อ เมื่อ เม सहे वृद्दा कर दे प्राप्त दे राष्ट्र विषय हो मा मासुर साव साम सेन सास साम दिया देग्बरात्यम्बर्धात्र्वं अतिग्वुग्याञ्चात्र्वात्वेरार्धातेत् वेरावेरार्थाः ॡख़ॕॱॻॱॻॖऀॺॱॻॱॺॕॱॡॱॺॕढ़ॱॻढ़ऀॱ**ढ़॔**ॸॱढ़॔ॺॱॿ<mark>ऀऀॻ</mark>ॱॻय़ॱॶॖॺॱॺॺॱय़ॖढ़ऀॱॺ॔ॸॱॺॗॕॻॺॱॺॢ**ॱ** रैंग्यसः वृद्दः क्रेवः या सेताय है। देवः दुः दर्भे देवः तार्यम् साम्यवास्या । देवः <u>४४.७५॥४.५.२६,७८.२१.५५%,७५५,२४८,५८.५५,५५८,५८,५५८,</u> **बुना**-घल-लिल-कु-सूट-किर-ल-रट-कु-कू-कुनस-द-च**ब्न**स-स्। न्वदा[ट्रि] **बुव**र्ट्य दे. व्याप्ते व्याप्ते स्वया व्याप्त व्याप्ते स्वया ॻॖऀॱॾॖॖज़ॱॻॾ॒य़ॱॻॱॸऀॱइॺॺॱॶॖॱॸऀॱइॺॺॱॻॖऀॱॻॖऀढ़ॱॻक़ॖॻॺॱॻॖऀॺॱक़ॕ॒य़ॱढ़ऀॸॻॸॱॱॱ 45'TI ब्रुल'परे'र्ने'श्रॅंट'नेय'रे'क्यय'ग्रे'संग्रुव'ग्रुव'र्ने चैता. चार्च. चेता. चूचा. चूचा. च्या. चिता. च्या. च्या

न्दे किता क्षेत्री बाबन क्षेत्र स्थय ता होता ता क्षेत्र प्रि क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ロ、突は、過、として、慢・ノビ、」 なる、とる、は、なりない。 最い、かんてと、 百に、山谷田、山谷田、 चर्ष्व,तपु, बुरा १८० द्व, र्व, विष्वीत, बु, श्वेट, त्र, पा, त्रेव, तपु, हू, त्र, विष्व, कुद्र, ५२.ट्-४ॅट प्रशत्नान् र्येट मारेप्यायार्थे पुरायकातुम्य वातार्ये रे ฮูณานัาๆาจาฎามารูาริามารัาคาฮิามณิามณาติารมาณีามิามาริเมา**ดิสามา** लाङ्गान्धनाष्ट्रित्तद्वान्ताः स्वाकार्याः स्वाक्षाः स्वाकष्णाः स्वावकष्णाः स्व स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्वावकष्णाः स्व न्यर पति सन् त्या कष्या व्यवहान्तर प्रे प्रमुद्द प्राप्त विष्यु प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द प पशः**द्वताः भः नेस**ाराः स्टार्मार क्ष्यः गुमा स्वाप्ता विष्य साम्राह्यः स्ट्रे **ロいれないぬいてに動いなってまったっちいんののでった。** दे न सुभ प्राप्त में दि देश कि विश्व में प्राप्त में म **न**वृत्या ब्रिटा अ.पिया तर किटिया **पर वि**च्या था श्री

पर, त्र्रीत् विक्र बेथा थ्रा प्राप्त क्ष्य क्ष्

पाकेवारेकाकुवावकार्मेटाकिराकुँगाईंग्सं_वव्यकाताल्या वटावटकायरा **শুলাই** বে বা প্রাক্তির বার্লান দ্বালিক গ্রীন্ত্রের বার্লান দিবর বার্ मान्द्रे क्षा कु श्रेमा में त्याया भेट स्ट्रिंट मेरे प्रश्ने पात तित्र वारा हिंग या मिन ८५व नेव ररेण दाविरायक में ना हेना हेन महिं। देराव दसायर **म्र**िष्ट्रिरम्भुःम्४ःम्रिप्त्रुवःॐन्वर्धःव्यव्यत्वःस्तुवःकुवःपङ्कःयवःम्वृत्रःभुवःन् म्दारारे रे पुटा विश्वाधिया वाया या रे रे पुटा विश्वाधिया हैंदा ञ्चन्रक्रारे रे मुद्दा महिना नैसारहित्य मुद्दा दे छैं पञ्चे नस्यस्य न विनामाश्रम्भयायान्त्रम् करामरामुदानम् दिग्यानेनायाम्हित्रहेटात्तुवा मुवायम् प्रमान्त्रस्य प्रमान्य बेर'पत्रा **रे**'स'ब्रॅब'मॅ'सम्पर'र्सेट'पठव'सुस'पत्रुट'व'रे। हॅ'व'कुस'पॅहे' बियावया परावृतानिष्ठेषावासुर्वेष्ट्राम्डिनार्वेषाक्षानिष्ठमार्दा नगरास **न**हेन् है लग्न-पुट नस्ति स्वाहे स्वाहित गुट वर्षेट रहेन स्वर्षेट रहेन ॕॕॣॺॱ**ॶॱॸऻ**ढ़ऀॸऻॱऄ॔ॱॸॆॱॸऻढ़ऀॺॱॾॗॖॖॖड़ॱॸ॒॔ॸॺॱॿऀॺॱय़ॱॸ॒ॸॱऻ ॸॆॖॱॺॱॺॖॖॕड़ॱय़ॸॱॿॖॕॿॱ मॅंक्स्य वरे दे दे देव पुरिवाय का विवाय के वर्ष के वर्ष विवाय के वर्ष विवाय के वर्ष विवाय के वर्ष विवाय के वर्ष व्रवासायात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या न्तः नेषायाम् न् विषयामु स्वार्थः नेष्यामु विषयामु विषयाम् । विषयामु स्वार्थः विषयाम् विषयाम् विषयः विषयः विषय महारामा के पार्ट के पार्ट होता है है के पार्ट होता है है के पार्ट होता है है है के पार्ट होता है है के पार्ट होता है है के पार्ट होता है है है र्ष। ८८.प्र.वेत.वेत्यक्षेत्रक्ष.वेत्र ह्या.क्षेत्र ह्या.क्षेत्र ह्या.क्षेत्र ह्या. 5্ৰ,ঠ্ৰ, परे'स्र्-'ग्रेब'कर्देव'परे'र्ब्य'खु'हे'या'यक्षु'वस'याकस'यस'स्ट'खे**ण प**रेन्द

ॱॱॼॖऀॱॸॕॣॸॱऄॖॱॻ**ॿ**ॱय़ॕॱढ़ॸॣऀॱढ़ॺॖॖ॓ॸॱॴॱॱॱॻय़ॱय़ॕढ़ॱॼॖऀॺॱय़ॕॱॺॱॿॖॿॱढ़॓ॿॱऄॗॺॱऄ<mark>ज़</mark> मर्भरायामान्त्रार्थात्रेग्रहेग्रहेरावसानुष्ठ्यान्य मर्भराष्ट्रायाया देधः इवे. त्राष्ट्र के. क्षे. क्ष्याचा की. त्राच्या पा प्राची का व्याप्त विष्या पा प्राची त्राची विषय हेव क्षेत्राय के बाद बाद के बाद के बाद कर के बाद कर कर कर कर कर कर कर के कि चु पा अवक में प्ला तह क्षा पा ला दिन् प्रकार प्रवाद । दाल हा वा लिन हो हिन ब्रिन् कुना वर्ष के प्रवा विद्यार द्वार में विद्या वर्ष के हुन प्रवेद या वुयान् प्रति पुरक्षिकेमा देशावुयान् अकेमा देशाल्याविमाला में नामा ल्टा ट्रेंड्ब क्रिक क्रिक क्रिक के देव कर ट्रेंट वर के वर वहें वर परि क्रिया विभया स्ट्रिंदि स्विक्ष कर्म विषया एकर द्वार द प्रार्थ हेरा भेर्व वयायटाविट्रिट्राट्राचड्डिक्क्श्रेच्डका विट्राबद्धरात्रविट्राकुक्षार्याता वया इराप्ट्यार्वेटाश्रेटाटीला टामन्बटबाबिबापूटाबेटबाकीर्टटावया देट'यट'पर'रु'यप'ग्रे'रु'म'कुद'**वै**'२कर्। देर'**य**टबार्बुद'खद'खंबाळपा या मिंदादे हिंदा ता केदा यम स्वाधिक के में कर केदा केदा केदा के विषय में कि वि त्रै इत्रम्खुतालाबरावलान्ट क्रूरात्माताहे का **劉희·명·영克·영**வ·**อิต** विं प्रेरे र उदाया प्रिया विष्य देव देव अप महिताय विष्य देर'**ऄॱॻऻ**ढ़ॻॱॿॗढ़ॱ॔॔॔॔ढ़ॺॱढ़ॺॱढ़ॕ॔॔॔ढ़ॱॿ॓ॱॿॣॿॖढ़ॺॱढ़ॺॱॿॻॺॱॻॹॖॻॺॱढ़ॺॱॻॸॖढ़ॱ ۲.۱

विषायत्वरत्रमामहाया देवसामुलार्गर्दा सहलायहै के ह्वर्मे सम्म चुत्र'ङ्ग'ऽत्त्र'व्याधु**ण**'च्य'दुत्र'हे'ले'स'ह्यात्र'य'८८'। चुत्र'ये'द्र'रे। ष्टिन द्वा स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन व्रवास्त्रवा मुक्षावा द्वापार प्राप्त प्रवास वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर वर वर्षा वर वर वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर व अवतःत्रिं तः ग्रीःकुलः सं : अंदः पठवः झुश्रः संते : र्षः । तायन्तः हे : न्वेरः ग्रीः देंदः । । है'मकु'श्रम्'मुन्द्रिया म्रेर्'मुर्ग न्या म्रेर्'मु'मद'म्रह्मस्य जु'हेद'रु'स्य द्या **ट्र**म्कुल'र्चस'ष्ट्रिट्'र्ठ'प्रेट्र'म्बुट्रस'य'ल| রূব**্র্ম**'র্ক'না **ॿ**ॖॴॱय़ॕॱॴॱॻॶ॔ढ़ॱऄ॔ॱऄ॔॔ॱॱय़ऺॺॱॿॖॎऀ॔॓ॱॻॴॱय़ॕढ़ॆॱॿॖॴॱय़ॕॱॴॱॻऻऄॖढ़ॱढ़ॸॕॣॻऻॴ **ॻ**ढ़ॻॱॿॖॎॱॻढ़ॖ॔ढ़ॱढ़ॸॣऀॱॼऀज़ॱॸॣ॔ॱॾॣॕॗॖॖॖॖॸॱॼढ़ढ़ॱॾॣॺॱॸॣॹॱॻऻॗॹ॒ॴॱॻढ़ढ़ढ़ॱॹॣॸॱॿ॔॓॓॓॓ ८४०'ऄॺॱॿॖॺॱॺॺऻ<u>ॸॆॱॺॺॱड़ॱॻॱ</u>ड़ॱऄॗॸॱख़ॸॱॻॕॱक़॓ॱॺॎॻॺॱय़ॱॸॆॖॱख़ॸॱक़ॗॗॺॱ र्यते श्रुव स्टरायव्य देरा दाया दाये दारा स्टराया स्टराया स्टराया स्टराया स्टराया स्टराया स्टराया स्टराया स्टराय वर्रार्टा धुनायावर् चुटायहै के लर्दे में वावया चिराचीर चीरावीराय में रावया यर्रितः सेराम मुद्दर्रे नेवाया परि के रहि में व य में द 95'05'g 41 ฿ฺৼ[੶]฿ৢॱ୶য়৻৽৸ৠৄৼ৽৾ৼ<u>৾৽</u>ৼ৾৽<mark>৸</mark>ৢয়৽৻ঢ়ৣৼ৽৸ৼ৽ঢ়ৣৼ। ৸ৢড়৽৻ৼৢ৾৾৾৽ঀৢ৾ঀ৽য়৽৸৻৻ **ळे** '९८ ' में व ' प्राया मुख्यायया मुखा मुखा मा में ' द्वार में ' सक्र मा के ' ह्वार में कार्य मा कार्य का क्या *चु*तै'त्रैट'रुदै'व'रदे'श'र्वे**ट'यट'ग**द्यानुग्ये'यनुगःययारदे'खट'देव'तु'रुतुस नमा क्ष्रम् हेना मन्दारा बुर्बु कार्यमा यया या भी कुला यस विया निता निता चुकाहे। कुलायादादारा जामामङ्गामारोडो महिदामामहस्राया ८६ॅम्बर्यासेब्र्यस्यिद्वित्राचस्रात्वदा। दहेरम्ब्रेब्र्ज्ञाष्ट्वित्रस्येब्र्स्न्युं। (ऍवॱ)णु८ॱऄॖॖॖॖ॔ॱॲटॱॾेवॱ८५**ॖॴॱ**धरायर'थॱॲट'थ। ऄॖ॔॔ॱरटॱॺऀॱक़॒ॺॱॻॕॱ מי<u>ש</u>ָּמִיבִימִיאַבאִי שִּקְמִּמִיבִישֶּקְמִיבִישֶּקן פָּלִימִיצָּמִיאַבאִי

कुषार्दि, बुद्या कुँ भु देदावया भु वश्चर श्रुपया कुँ हिता प्राप्त पावदा। ष्टिन् ग्री' अळॅन् ग्वाब कर मु ' याखुद्र खुनाक ग्री' हिन्द विद्याल मान्द्र। **ने** प्याखुनाका महःमहिमाश्रम्। ूरेग्वेदः क्षे-वृष्णवासुरक्षाक्षेत्रभेत्रभेतान्दिरायवास्त्रम् नामुह्यास्या देणा ৾য়ৢ৾৾ঀ৽**ৼ৾৽ঌ৸**ৼ৽ঀৢ৾য়৽ঢ়ৢ৾৾ঀ৽ঢ়৻৽ৼ৾৽৻ৼৼৼ৾ঢ়ৢ৽ঢ়ৼ৽য়৽য়৸^{৽ৼ}ঢ়৽ৼ৾৽৻৻৻ षरः क्रेले खरः क्रेले प्रवाद पर्दर ग्री क्षा विषय के ना ही व तर्दे द वा यह र त्या के प्रवाद र दिर रु'पबेबादबावादें दबान्वीवाबायमा प्रशासिकाने रुप्तुतादबापत्राम्बायस कुल सं पु ना ता अर्केर् ना व वर्रान्य वर्षा हिर् केर है। हिर् हेर् हैर् हैर् हैर् मॅंप्स्टसः क्रुसः र्दिन् खुटसः ग्रीप्टेट वसः श्रीप्त्युट खुन्स ग्री हेद स्प्राप्ट स्थापा बेर् बेर हे। विर क्षाप्तियाम्बर वर्ष है व्याप्तियाम्बर सुर ता.ज.ब्रूट. टे.ब्रैज.वय.के.विट.पची. १.पदीट.पवुट्य.हे। ब्रू.वयम.१८. बैटा ब्रैचेय वारा पूरी खेलाला चहुराया विष्य देग्हा अवरा (रबा) विषया चुटानमा नयार्वेदे कुयार्वेदे नम्मानायायायायायायायाची अर व्यतः है। युवायर र नगरावा विवार दुवा है वा विवाय विवाय र विवाय र विवाय विवाय र विवाय र विवाय र विवाय र विवाय र टालाव्यालेदाळेग्यरा [वान्तर]हे। नेवाणुटाक्षायदानुवार्याप्याप्याप्याय र्नियायाचे वाहे विवया वेदाया देदाया देदाया देवाया हियाया न्दर्भः क्रिं न्या स्वाप्तराया । विद्राया स्वाप्त विद्राया स्वाप्त विद्राया स्वाप्त विद्राया । म्रिन्ने माप्रेष्ट्रिक्षस्पष्टित्वे सार्वे ती. स्रिन् ने 'बे' व्याव' बे' हेर 'मैं या भाभवाष्ट्रिरार्वे**णाण्**बुट्यायाप्ट्रा देव्याह्यवाराष्ट्रियाष्ट्र

स्वाप्तान स्वाप्ता में का में प्राप्ता प्रतिकायर में वा रहरा में वा प्रतिकाय में प् ±יתי בקי קיקי ק פקית ב במי בה יק מי אי אבי במי קיתי שָתי במי ק המייי **बु**रम्पर स्माञ्चित्र द्वारदे रम्भूर पायनवर्ष। वेबर ५६ राजुः श्वें अ छ 'ड्रम्' हु'ध्रभ'मञ्जा 🥶 ध्रम्'हु'पद्रिक्ष'द्रक्ष'म् । भ्रम्भ प्रमाणक्षाम् । प्रमाणक्षाम् । कुल दारा विस्तर प्रविक्त के हिन्दा लेखा हिन प्रविक्त के प्रविद्या हिन प्रविक्त के प्रविक्त **ऄ्टः झे माठे मा** प्याचा नाव टाव प्टाच है ज्ञाना ठे मा ता झु ' खब ग्री प्याची प्राची प्राची है हा मह्यामित्रा के प्रत्याची विषय के स्वर्धित के स सुम्बर्गिष्ट्रव्यापटार्टर्नाटा वेद्रायर रहिद्रे सुवन दया शुन्याकुषादी स्थानिका हिना सिन्या स्थानिका वितार् वितास स्थानिका पर विवाध **द्वारा विवाध व** ะาผาละลา**ฮ**ูลาดัฐาสูะลาซูาริะาจลาฐายานา**ฐา**ยนา**ฐา(รูายา**)ฮูจาลิา *ढ़*ढ़ॸॖॱॻढ़॓ॱॺॕॸॺॱॾॗॕॸॣॱॻॖऀॺॱय़ॖ॓ॺॱय़ॱऄॸॣॱय़ॻऄ॔ॸॣॱय़ॺॱॿॖॎॸॖॱॺॎऄॸॣऻॱढ़ॸॕॸॣॱय़ढ़॓ॱ ॅरॅन्स्ट्रार्श्वर्थर्थर्थर्थर्थर्थर्थर्थर्थः मृठेण् श्चेर्वः केश हेर-के्रायायदाविराययार्ने नान्युटयायया देग्या ह्रेदार्घा सन्दर्शकाराकुरा मा हर्रें बुबायामदीदारु विरामाया खुलार्टा मिर्मा की बागी प्यारार्टी समी हरा **य़्ट्र**ालारह्नेबालराञ्चेलाक्षराञ्चेलाचिकाची ह्रान्त्रेकाले स्वराह्नेबाल्या ह्रा **교육·경제·청·전**도·디科·국·씨·플씨·전科·크드科·휠·폴레·딩·유국·디矟·자디·씨미科·침!

ढ़ऀक़ॱॾॕॖॖक़ॱय़ॖॱॸॆॱय़ॖज़ॱॸॖॱय़ॖॣॺॱॺॕऻॎ ॸॆऀॱक़ॗॺॱॻॕॺॱॸऻॗॿॻॺॱॻॺॱॻॺॱॻॺॱॺॕढ़ॱऄॱज़॓ॸॱ **฿ฺๅ๚๛ฃ๛๛๛฿ฺ๛๛** क्रि.कर्.अ.क्रि.न.त.ब्र.स्टल.क्रि.क्रिय.चेता.घड्। हर्.अवरायक्त. कुलार्चात्वाक्षेत्रचेराहे। वितात्वेकान्वेत्रात्वेत्राव्यं वाल्यान्वता व। दशःबदशःम्डेगःशःभुःशयःगुःपर्म्ऽःपःधःपन्नुरःध्वयःयःवन्। स्थाः **युर-ध-ल-म् वुक्क-गु**-स्टर्ग **र्बु**र-श्रे-र्-। क्-प्रतिख्ला-तु-चुर-ध-
 여어'건'평天'다'어'출시
 출시
 최시
 학교
 देन' चुर्रः सद्याञ्चित् के रेन्द्रा स्ट्रां क्षेत्र गुष्या दुः गुरुरायाया ४८ वित्र तानदी वैट.क्याग्री.क्र्यास्याक.क.क.मर्वालास्यासाम् दं.री.वैणा **न्वितः प्रमास्त्रीतः द्वेन् ।** यदाः देन्ना युद् । द्वेना यान्य देना । या तर्हे स्राप्तिः श्ली प्रमास्त्र स्थान **र्श्वें ५** ग्री ग्मिनेर प्राप्त समारुद् । पा स्त्रे प्राप्त समारुद । यह समारुद । यह समारुद । यह समारुद । ันักสายาชุลสาชกายกายกำนักสายีู้กาลกดายกายสานัสาลิผลาชลา **ॻॱॻॖऀ॔॔॔ॱॻॺऻ** ॸॖऺ॓ॸॱॻॺॱॻॕढ़ॱक़ॗॺॱॻ॔ॺऻ अॿ॔ढ़ॱढ़ऻॕॿ॔ॻॱॻॖऀॱक़ॗऀॺॱॻॕढ़॓ॱ भ्रु' (५२) गुँ पर्मित्या ५०। इवायरा र धुवाया दे प्यसमा गुँ सामे प्राप्त प्राप्त **र्नेन**'र्ञ्चेंअ'सु'ष्पट'(र्घेन्नर')य'बेदा (ब्रुंबर')दबरदेर'झे'न्वेन'हि'पर्ड्द' नगशाग्वराहै। न्राया मुलार्स्य **स्यान् हेना**ला हिन् में न्यी मुलार्सिर पदुव् कॅ 'या तर्में 'दम् साम्युष्टसामस्य झाम्येना मी 'ब्रायवस्य या सासाहर सेरा **घॅर्**८८ के.स्र्रायहे.लेखा.क्र्याच्या चेश्रेब्र्यटाक्षातस्य महास्त्रात्तरात्रा

त्र्भ 'ढेब' ड्राब'र्रा देर 'षव' कुल' सं'व'रे। देश'श्रेष्या क्ट्रिंश प्राप्त मुल'र्घ'वेब'यर'रुरुन वि'ल'स्र'यहब्बबहिर'विट'ल'वाचीब'ब्ब विवा ह्युल'दारे'न्यम्'स्ट'र्घे ह्युल'द्रस्य हिन्द्रन्दः सेन्द्रिर्। सुल'द्रस्य उन् ८६ॅ यथायथाने प्राप्त दिन्द प्रमुख्य स्थान मुश्रुट्यः प्रया अञ्चरः द्वियः ग्रुं ग्रुलः सं दे 'द् 'द् 'या भेव 'र् रु के 'या त्या ह्व 'हेव ' ब्रेन्'चेर'पस'ट'य'र्हेटस'सु'द्वे'प्रायुक्ष'सुर'ठेग कुल'र्घ'**ने**'न्पुल'डेर'पस' रेव'स्'के'स्ट'स्'केरे'कुम'्मश'म5ुव'सुर'म्बिम ठेव' देव'दे'म्बिम्स्डव' पर'न्स'परुत'विकाञ्चरकायम् देते'सळेन्'**न्व स'सु'स**रकाकुसार्दन् बुंदबःगुबःरयः**ग्वसः**बह्द**ःम**हेःहं संकाप**र्कु**दःहें द्राः। 養好でで下下で1 रट. विट. १४ १८४ की हूं भू भू लाखान श्वापाय राह्री देव में किरे पाट अहें ५ विष्यु रव का साट में किरे किया विश्व पर विषय सुरावा विरा भुष्यगरु पञ्चरमा हैं ५ र दे दि स्थान हैं ५ र दे १ दे १ र ८ र । चुसस स र स र छैं । ଵୖୄ୵ୣୡ[ୄ]୵ଌ୕୕୕୕୴୶ୄୖୢଈ୳ୖ୵ୄଊ୕୕୷ୖୄଵ୕**୴**ୄ୕୵୳ୄଌୄୄଊ୷ଵୣ୶ୖୄ୵୵ୄୣ୷୕୵ୖୣ୷୷୷୷ୄୠ୵ୣ୷ୢଌୄ୷୷୷ विवा में देव, ज्राष्ट्रप्रमान् असाम् असाम् असाम् रायानायान साम्राप्ता सम् <u>५८.। क्षेत्रमञ्ज्ञाम्बरमञ्ज्ञानरा श्रुप्तः स्थानमध्यम्बरमञ्जामः क्षेत्रः स्थानमध्यम्बरमञ्</u> प.रट.। ६चा.चं.रडं.पु.प.रट.चु[©] ≨४.वेंस्.घब्र.चब्रथ.कुश्चाय. य़ॱॾऺॺॺॱॺॣॕढ़ॱय़॔ॱॾऺॺॺॱॻॖऀॺॱढ़य़ॖ॓॔ॸॱॺॗऀऀ॔ॖॸॱॻॖॺॱढ़ॺॱॱॷऀॱॴॷॺॱॻॖऀॺॱय़ॴॱॸ॔ॱख़ॱ**ॱॱ**

त्रवाणीं त्रद्रात्या विवरणीया विवा विवास है.यदु.भव्रेप.पासिवेयावायायदु.व्रा व्येपात्रान्वेदान्वे.वेर्यान्ये **घॅॱगुद**ॱ८८ॱक्षु'के'गुद'ल'ङ्गट'मञ्जूब'र्' चुट'। दे'मबिद'मवेगस'म**हसस** लाळ⊈'यात्राचुलाय्र-र्ह्युलायाप्ता है'ऑऑस'मिहेराख्र महेनाहेनाहुन 5ु'ङ्मल'व बाबबरार्वियानु'र्केबाद्यायर'घुग्यरे'धुराब्लाबहलायरे'ङ्गुग्लबा ठ८.मी.१९४.म्सटयात्रथयः २८.स८.१९४.मा.ल.मी.५४.५८.५४.६८.५८.५८.५८.५८. ঢ়৾৾ঢ়ৼ৾ৼ৽৻ৼঀ৾৽ড়ৢ৾৽য়ৼ৾৾ঢ়৽য়৾৽ড়ৢ৽য়ৡ৾৽৽ড়ৢ৾য়৽য়ৢয়৽য়ৼঢ়ঢ়৽৽ यान् वेन्यार्थ। वृत्रक्तार्थस्यात् सस्याग्रीसाम्पन्। हेन्रकेष्ट्रार्थस्य विदः छ्वा अञ्चल द्वार त्वार त्वार विवाय विवाय के वार्ष होता हिता है वार के वार के वार के वार के वार के वार के ביקבין אַקיביקבין פּביקבין מַקיביקבין אַמאיביקבין र्स। क्रुेंग्टेंग्ड्रास्रायान् सम्मण्णे सूटायायाद्यं ग्रायटाद्यं प्रताप्तम्यात्रम् वसः कुलः में 'न्टः झे 'ने हेन' वि 'नई व 'ने हेस' ने न्व 'ने हेन' ले हन स्वार्थ नियान ५७'अ'अेथ'न'५८'। व्याप्युट'रेब'वे५'य'५८'। बराएवे क्रुंपहेरेब चेद्रायालार्सेन्याये देवराया चुटायरा अर्घेटा है। देव या कुला मार्ज्या प्रवादवा मु भु प्रमारविदाळ दारे रेटा दु भूदा है माणुटा के रत्याय प्रमाय बुग्या है। दे राया ष्ट्र'न्देन्'वि'नर्दन्'चेर्राञ्चरायान्। कुलामार्ट्राष्ट्र'न्द्र'नेद्रेनुंद्र्यायाया

द्धन्यःच। अद्यत्त्रत्यद्धन्यः स्टान्तः स्त्राम्यत्रः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्य स्याप्तः स्याप्तः स्वर्धः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्य

नरःष्टुंन्वःगुःरॅंन् <u>चेरःगुेषःन्वशानरःगुवःन्तेःधः</u>न्वेनःधुवःद्रःः पर**.वे.**प.थ्री ध्रेंब.त्र.कुब.त्र.थपर.कुब.म्.विष.म्.प.खेंब.पा ई.जयंब **ॻऀॱॳॴ**ॱॻॣॖॗॖढ़ॖॱक़ऀज़.ॻॖऀॱक़ऀॱॴ॓ॗॗॷॴॱॹॣॕॿऺ,ॶ_ॣढ़ॖ॓ॣॸॻऺॴ॓ॣॗॴढ़ऄॗॿॱॳड़ॗॿ॑,ॸऻॗॸॱॿऀ॓ऀख़ऀॷॗॗॗॗॗॗ ममा कुल महि बल व मा हि न कु व न महि न कु न महिन महिन महिन महिन कु तात्वी विश्वातार्भे तर क्रांतार्टा विश्वाता क्रिया में प्रक्रा विश्वाता विश ख्याप्रचुरामेशक्ताम्तरेतुरानुराम् कृषाप्रसम्मेशरामुग्यामः । ज्ञापान्याः पर्व'खु'हेव'रु'पनुर। रॅट'क्टे'पर्व'खुन'हेव'रु'पनुर। रेव'यें'के'मैहुक' र्हेन'र्मेंते'र्ज्ञन'य'यन्'य'र'न्नेते'र्वेन'पर्युन्य'या ने'र्नेन'न'सु'न्न'सु'य'भेन <u> ८ष्य प्राप्ते मुख्य पु रबु नव गुम् भेद में के है । अर्हें द क रहिं स्पर्ध प्राप्त हर प्रवि</u> ह्याययाः कृता कुता कुता स्ति प्राप्त स्ति । सिता । म्बलायाः सर्ट्यार्ट्यात्वाराः हेवा साम्यानुयाः सार्द्राम्बलायाः मूटा हिरागागा व्याप्त विष्या प्रतान विषया विषय **⋣**พॱॸॕॱॸॆॺॱऻॕॖॸॱॺॱॻॴढ़ॱॶॖॖॖ॑ॸॱऄॱढ़ॺॖॸॱय़ॱॴॖॺॖॸॱॸॖॱढ़ॕॸॱॺऀॱॸॆक़ॱॸॖॺॱॻॴढ़ॱॱॱ सॅन<u>्</u>रञ्चॅंबरपुरदेरइबबरदेवर्यायाचिवेरपुरपुरायात्रदेरपुरायुक्षरपुरविकानुरविकानुर

ब्रॅंग्प्रा व्याप्तान्ता है संप्रा विविध्याप्ता व्याप्ता त्नव'यायार्थम्<mark>याकु'व्नार्धिते श्</mark>चित्यान्दाक्षेत्रस्व व्याप्यदा यञ्चयकाने यान्दा ह्रा थर.जिंब-जिंद्राजराज्या ह्रां ह्रांच्य अध्यक्षेत्र व सार्वेट्राजर्यूटा ॻॖॱॺॎॱॸॖढ़॓ॱॠॸॣॱॻॖऀ**ॺॱॺॱढ़ॕढ़ॱ**य़ॱॺॎॱॐढ़ॱढ़ऀॺ<mark>ऻॱॺऻॹ</mark>ढ़ॹॱॕऒ॔ॿॎॖॗॿॱॻॕॱॸॣॸॱ ॺॕॖॺॺॱॻॖऀॺऻॱ॔ॖॺॱॸऀढ़ऀॱक़ॕॱॿॕॿॱय़ॕॱक़॓ॿॱॻॕॱख़**ख़**ॸॱॻॖऀॺॱॺॸॕॱय़ॖॺॱऄॗॱॸॕॱॸॖॱय़ॱॻक़ॗॗॱ द्रामु मुलार्घ प्राम् विवानी व्यर प्रमानी मुलार्घ प्राम्य मुणार क्रिया मु ৳ৢঀ৽৾৾য়৽৻ৼ৽৻৽৽৽য়ৼ৾৽য়৽৻য়য়৽য়৽৽য়ড়৽য়৻৽য়য়য়৽য়৻ लाम्बेर में प्रताप मुरावमा दें प्रति में मुख्या दिया है ष्ट्रान्यक्षन् न्द्रान्यक्षात्रक्षेत्र त्यात्र स्ति । स्त्री त्या स्त्री स्त्रान्य स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त हेस'मश् विटः**हेंद'म् ग्वद'मस**"[[न्बर']]मर-मुख'दस-कुल'म्'न्-'विष' पति क्षेत्र प्रदेशक प्रति स्त्र प्रति स हेद'रु'खुला **कुल'र्घ'ल'छुन्'र्दः'खे'रू'हॅन्ब'यर-'खुल'रे'कुल'र्घ**हे'सर्दुद'रु' चैहुड्दे र्झ्न प्वना है। स्दूरियायर पुराय दुन व साबुन या पर्वा रुवा अध्यतः त्रिंपा ग्री ग्रीला सा अंदर प्रवास मा स्वास करें विद्या स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स ळेॱॸॣऀढ़ॖॾढ़ॱॾॖ॔ॻ॑ढ़ढ़ॳॣॺ॓क़<mark>ॳज़ऄॹढ़ऄ॔ढ़ढ़ॳ॔क़ऄॹॸॾक़क़ॸढ़क़क़ढ़</mark> त्वीर। ँवट्र.लथस.वैदःतपुर.ष्ट्र.धर्म्य.वयःग्र्ट.विर.वी.चयरतम्**र.कः दम्** म्मस्य कर् वुस् सिंहिय गुरुष मित्र सिंहि के स्पर ति के स्पर के सिंहि के सिंहिय के सिंहिय के सिंहिय के सिंहिय **न्यू रूप् भेग्यायार प्रता है अवस्य प्रयाप्य १०० में १००० व्याप्य १०० व्याप्य १००० व्याप्य १०० व्याप्य १० व्याप्य १०० व्याप्य १०० व्याप्य १० व्याप्य**

म्बल-र्'श्रुर्नात्र्रे हिंग्लारम्बलायर पन्नी र्द्रास्तु कु'वेल'रुट्रे प्यट'स्यान्नि म्,र्य.रे.४वीला के.चेश्च.४वील.की.प्रार्ह.तरचा.श्चा.थवर.प्राय.मी.मील. म्रु.पर्वे अस्यामेषटातराखे.खेबाताला मिलाम् । प्रियापिराटेटा प्रथाता प्रवेट. **শ**ব্ ট্রব বিষ্ট্র বি वर्षे। दःबदवाक्ष्वारहिःयुदवादवाक्षाकुषाधिरोक्षुत्रयाकुवावाकिवामा टायाक्र्याविषयान्राची कर्ताता व्याप्ता व्याप्ता विषयान्यराची म् १९ भेर १८५ न । जरादाया अत्। वितादि । वितादि । विवादि । विनार्यतः मृष्व का सूरा ज्ञवारा लया हारा ला जिया हिता या त्राची का की जाता हिला विषा म्ति ति ता प्रमानि ता प्रकृष्टि विश्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र मित्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स নৰাইন্ট্ৰাইৰান্দীনেত্ই দ্বিষ্ণানত হ'ৰু ৰাজলা নিত্ৰ সংশ্লি षु महिन् हुैद के दुव द के हैर प्रक देव का मिन् महुद क प्रवा हिर प्पट हिंद में राष्ट्रमा पुरा हे 'खेर माडे ना रामका हिन 'सेंद 'रेर सा कु 'दन 'न्ह म्राज्यालयार्भ्याक्षरार्थ्याच्याचेत्राच्याच्याचीवार्थ्याच्याचीवार्थ्याच्या ठमानी बुल र्घयानगर सेना श्रुव सुरादी प्रमुक्त माना रही माविता **ब्राम**्या, ब्राम्मार प्रमा श्रीया श्रीय विषा प्रमाया श्रीय विषा प्रमाया श्रीय विषा म्बेन्यराम्या कुरवन्रहें रहिव कुरियाने विदेश में नामानिकर कुरा विवादिया अधिरात्तित्तु चुला मा क्षेत्र विषय का समा के विषय का मा के विषय के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के माप्तमार कुषाया ह स्मारेना पहुंद संमित्र मिर्हे परहे पहुंद संसर स्था होन **ॏॖ**॔॔ॱदे॔ॖॱॴॱॿॖऀॺॺॱऄ॔॔ॱॻॱॴॹॗ॔॔ॱॻॖऀ॔॔ॱॺऻॱ॔॔ॺॕॣॴॱॻढ़ऀॱऄॱॺ॔॔ॱय़ॕॗॴढ़ॺॱ वित्रास्यानु क्रियान्ने पाय दुर्थाय हे वाय विस्तर है स्यान है मा या प्रतर पर पर ् **चः**कःदेरहरःच्यःगुटःसःगठिनःकेष्हेरःदःदयः न सन्। नमन् रुःकेन्यः सुस्यः

वया कु'वन'कुल'र्घ'सूना'हट'र्ट्ट्य'हे'देव'णुट'कुल'र्घ'युनवा वतायत्र **5'55'類す'ヹ゚'**啊 मुख्याची हेव र्नोवा देग्य बुग्वर महेर हायद र्नोवर मका हिर ला बेर प्या व्वैव है। के बुबाव के ब्रेर कुंबाय हिंदा एका में ना नवुर राधवा हिंद में वनर कुषा<u>णटा धुना चुवा ने हि</u> यानावा ने या कु वना नटा ने ना वर्गा वना सेटा में त्रात्मे<mark>व ना</mark>हेना तासर क्रिया पुत्रा वाहिना क्षेत्र में स्वाहर नाहिन तहीं प्राप्त प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र ब्रेप्टरा **देहे.लब.टे.**च्याठ.**र्वन**.च्चेंब.चे.पटे.टच्चेंट.च.लचंब.खेब.चेंब.वे. ख्नारु'ख्यायाखेरहेरमाञ्चन्यास्य। हराहराधार्मा व्याप्ताता न्युन्तिन्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त क़ॖऀॺॱ**ऄॱॎॖॻॱॻॱॺॗॖॣॖॖॴॱॴॱॸॕॸ॔ॱॶॴॱॸॖ॔ॱॷ**ऻॻॸॱॻक़ॗॱड़ॱॻक़ॗॸ॔ॱॻऄज़ॸॺॱॸॖ॓ॱऄॗ॔ॱॺॺॺ॓ॱ न्द्रन् भे म्हेर व। स्या हुताय दे निवा के प्रमा कुर भेर या हुतार हिर्णेण ড়ৣঀ**৾৾ঀয়য়৾৽ঽ৴৾৸ঀৄ৾য়৾৽য়য়৾৾৾ঀ৸৸**ঀ৾৾ঀৼ৾৾ঀ৾৾য়৾৾ঀ৸য়৾য়৾ঀ৾য়৾য়৾য়য়য়৾৽ गुरुष्य महेव हे । व्यास्त्र स्त्र महेवार स्

क्ष्यकी प्रति स्था के प्रति स

· サース・ロ・ガニマン ろう・おう・とというと・スラ・ロマ・ガニマン ろう・うずから 미클리'축고'회'됐다'전고'출고'글고'치 최조'전'리'치 철도'도학자다자'변화' मे बरा विमानी कुलाया ता के बार के मानिका मिता है पर कि प्रमानिका के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप क المطعبي المحلطان وعدد الخاعد الماد الماع **नु-विम्यायाम्यानिः तार्थाः कम्यायः व्याप्यान्यः विम्यान्यः विम्यान्यः विम्यान्यः विम्यान्यः विम्यान्यः विम्यान्यः वि र्ष्ट्र-र्हा देश:ब्रॅब-इक्क-दर्श** व्हर्श्यम्हरू के ब्रेर [[वेर-रॅर]] व्हर मुक्षामुक्षे मुक्षाम्यवस्य उद्गापिकद्गुया विद्यास्य म्याप्य विद्यास्य स्वरायाद्या **८मारामा मारामा में मारामा में अया है। इटा में मारामा में अया में** ८८७: मृहेम् १८८१: हिंद् के देन्स पढ़िते हिंद पॅ देन पा नि हैं पा सि हेर नुषु द्रसः यस्य देर देन्। यः तम्र ब रु. प्य व नुष्यः क्षेत्र कुलः स्व हेर स्व ता स्व व क्षेत्र कुलः स्व हेर स् *ऄ*८ॱमेॱॻ४**दॱ**य़ॱॺ**ॱम्**ॶॱय़ॖ॓ॱॿय़ॺॱ४अॱम्ॶॱॿॻॺः८ॺॖऀॺॱय़ॱय़ॗॱय़ॱॲ॔॔॔ॱय़ॱॸ॓ॱॱॱ ल.रेर.वचे.बेब.बेर.त.ज.हे.चेवुचे.हेर.चय.बेब.बेर.एचवे.त.लया चेवेवे. สุลลาปิลาชิเลเละเกรายบลาชาบิลาบิะเลเชี้วาบล่า **声三:3:50**元· मुलासाया प्राप्त के ला निवार प्राप्त विवार में निवार के त མ་ॡॖ॔ड़ॱॸॕॱढ़॓ॺऻ २ऀॸॱॸॕॸॱॱॗऀॱक़ॕॖॺॱमॕढ़ऀॱผ**ॴॱॸॖॱॴॶॱढ़**ॵॺॱॎॏॗऀॺॱय़**ॱॴॸ**ॸॱ चॅंद्र'ग्री'र्ह्निव्यायाव्यार हिंद्राय ठवर खुलाय इताविका कुरि ग्रे**ना अ**र ন.দেখা केप्पान्यविष्याच्चेत्राव्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्या ब्रेन्यायान्याक्ष्मन्यान्यान्। देखान्याकुःश्रेषुःम्यान्या देखान्या **ড়৸**৽ঢ়ঢ়ঀয়৽য়য়**৾ঀ৽**য়ৼৼৼৼ৻ঀয়৽ঢ়ৢয়৽ড়ৢয়৽ঢ়ঢ়ঢ়৽ঢ়য়৽ড়ৼ৽ৼয়৽ৡ৽ঀড়ৢ৻ঽ**৽**৽ ८**बेद'द**य'**यन**'य'**ढ्**र'यस। मुख्दे'यम्'य'टेर्'गुक्ष'ढ्र'यस'टेर्'म्

मुरुवा हैर द्वारा स्याप्त पाप पाप स्याहेर। प्राप्त स्याप्त स्यापत स्याप्त स्यापत ल्ला नहिना होर रे नेर प्रका ने का गुटा का मैदा निट मार्वे मा गुर पवि र्धा है स र्ट्रा रूपा रूपा चेवाता ताता केया केया केरा चेरा ताता ताता का चेवा व्याप्त का चेता व्याप्त का चेता व्याप्त का रेन्द्रम्बन्बरादिन्द्रवर्षाकृत्रस्यापचरामा भेवामा सन्वरमावहरामा ळटॱ२बुट'सुब'ळर'प'अ'क्षु'म्डैम्'बेर'वर'पव'म्ब्द'द्वस्यां कुष **च.र्यः च हु च. प्र.च्या चया चे या ७८. प्रट. प्र.चे या ग्रेटा चे या ग्रेटा चे या** पवसामाळर। करामीयाणुरापद्यात्र सार्युरामाळरामासा वर्षार मुक्षाम् वर्षेत्र मुक्षा वर्षेत्र वर्ष देवा मुक्षा वर्ष देवा मुक्षा वर्ष देवा मुक्षा תקַביםאיףישבים אימבן מבישבים קבימבן ווּפֿימבים אים אים בי प.रंटा, चे.⊈थ्यालच्यातर.त्र्या.त्र्या.त्र्याच्यातालट.चेला.युक्त.थ्रेटा. ळर.पसा से.पंश्वी.पुट.ज.हेर.र्म्याविश्रापया ट्रेर.वेज.त्याया म्हेनामान्त्रम् व्यापना देरायास्य वेताका सूना मुह्माक्रादी हरायाक्षे हिराका खुलाह सामहिमाहिसा विकादारी हर ल'**ख़ॱन**हेन्'ऄॱॾॖेॸॱढ़'ख़ल'ॸॖॱढ़ॖॱढ़ड़॓ढ़ॱॿ॓ॸऻ ॸॖ॓ॱल'क़ॕज़ॺॱॻढ़ऀॱढ़य़ॗख़ख़ॼढ़ॱ प्रशःख्रिशःणु८ःव्रुतःशुः व्रुतः द्वार्थः द्वार्थः। व्याप्तिकार्षे

<u>ने'व्यःत्त्व'र्यं'यम्र</u>चीयार्वन्यत्वयात्त्विन्ययात्त्रेष्ट्रम्यात्त्रेष्ट् सम्प्रमान्त्रमा हैन पहेन प्रमा रहाने हियानु हुन ने स्राप्त नियान <u>षुै'}वेद'व्दन्यामर'</u>म् पूर'म् प्रत्यापन्य प्रविष्य विषया विषया विषय । बार्हेर्पारः खटाचर खबबार दर्पुः हलाद बापस्र रहित्न वर्षा स्वर् <u> विरामा अपस्थापराङ्गेरायर्वे परिवासमा</u> क्षेत्रमाङ्गेरायम् विदारस्य साम् मुलार्चरान्'ख्राम्डेना'ल्टाह्ररतु'र्स्रायमुद्रीह्रन्'न्रपहुना'लासुराहर मुन्यान, ने पा केर दूर ह्या बिट था भीवी विद्याना जी कर की देशका था बूर **ॻॖऀॱनऍन**ॱॲॱन्ऽैन्ॱॲ॑॑॔ॱय़ॱय़ॱऄॱॿॱॻढ़ऀॱऄॗ॓॔ॖॱऄॗ॓ढ़ॱॸॖऀॎ ज़ॿढ़ॱख़॔ॱक़ढ़ पायनार् चुव वका के बना प बुदायाद्दा वा करा मेंदा है चु का प कुरे हिंदा है **ऍट.तर.पूर.तथ.टे.व्रि**ट.कुथ.ट.प.थ.ब्र्र्टरत.क्रेंब.टेव्थ.वेथ.वथ। ४वेथ. कर्रमञ्जे स्ट्रिंचिते त्रवाय स्ट्रिंचिया विश्वता दे हिर् स्ट्रिंच ह्या · महे रहि अप्तराम् । चे अप्तराम् विकासी स्वर्धां स्वरंधां स्वरं स्वरंधां स्वरं स्वरंधां स्वरंधां स्वरंधां स्वरंधां स्वरंधां स्वर बदसः हुसः प्राप्तः प्राप्तः पर्वः प्राप्तः प्राप्तः स्वाप्तः स्वापः स्वा

दुवै वट व व वर वर हुर पाठुना में ट हे ते पायेना पाठु दुना पेर पावे हु ब्रटा वि. भ्राकि. चमि. ब्रटाचा प्रथा ही टे. ब्रिथा चमि. श्रटा चर्षा चेरा वे था पूटा। करतियंश्वाचारात्यः प्रत्नेत्रात्त्रं श्वाद्धाताः स्थाप्ताः स्थाप्ताः स्थाप्ताः स्थाप्ताः स्थाप्ताः स्थापिताः स ८६माम्पर्याके म्यारम्बार्याकार्याकार्याक्षात्राक्षात्राक्षा 5.2 ८. ब्र. क. ८.४८. ता अ. १ वर्ष संस्थात व. १ वर्ष १ दे । १ वर्ष १ क्रैशास्त्रवार विषाप्याद्याप्यात्याप्यात्याच्याः ५ मुलाव नायु ५ वर्षा वाया विकास मा विकास विता विकास वि नालयायर यर अर्था अपिर क्ष्यान ल्या अर प्रमार मिर क्षा भूना अर निशेषावान्त्राचित्राचेत्राच्या म्निंदायान्यस्वाचित्राचेत्राचेत्राच्याः स्वाच्याः स्वयाः स्वाच्याः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स् ण्युटः हुटः दवारववार्षेत्। झार्बागुर्वाधिदायदे हुन्या न्युरधार्श्वाया एर्पर उदा पदेव स्थार्षर देन स्पर्म प्राप्त का रे वे सु महिना में रहे यन्यायात्रात्रह्रायराव्यावादेरम्याय्याये बाबर्धात्र्वेतात्राचीयाञ्चेतायाच्चरमानेनागा बुर.र्.। अट.बट्य.तर.वी.श्र.रि.चमै.लश.वेश.वीटा क्रे.प्र.थवे.ता.पंखे. मॅंप्लट र्झ् व न सुन्व श्वा म्ह न न ब्व द स्व व प्लट र न स्व र महिल्ला स्व स्व र में बन्र चुक् क्षेर्षे चुन व का बन्दर मुर्केन वा न चुन क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का पहेरू.बुर.हे.पर्चर। हे.बबा.[वि.श्र.]हिट.बबापची.स्.बंटयाया.ध्राप्त. पर्देश'वर्ष'पर'व'पर'र्वेव'यरे'व'पवरे'र्म्दाम'व बाबद्दि हैंदानेवार्वेताम

मनाकी मा । तमु केदा के तिसु म साम । ना में ताया ना वह में ता संस् र्मना वित्रपाक्षरामनायायित्रमा विर्मुत्रप्तमुन्रेष्टर्मित्रव्या रेणसः हवं सुवा । [[कॅसर]]**बेट्रसंरेण्यस्यास्व**रस्**रे**न्निरः। । सर्केट्रस्रेरहेवर ८८. प्रमान्य अप्राथमा । पर्यप्राय्यसम्पर्यम् परि द्विष्टः स्यायकेया । प्रेर ५५६८. **खलार्-**पर्मे प्रमेशा विषयाकुै सक्षर् नावस करार्थ । सिंगे शेर हे. मन्नायाः । । वाष्याः हत् । विश्व पार्खे। । वि. त. २४. व. व. त्या तक्षा । क्र. वेश व व व व व व व व व व व व ॅंदर्'णुं'के'दे'के'युंदर्हे। १ॐट'र्बुंद्'ळे'चर्सर्बुंद्'चन्।वेद्। ।न्यंन्'ऑ'स्' चकु'मद्रम्'अ'खु। |दे'हेदेश्कासुमायुव्यक्षेत्रदेर। ।अर्मे'द्रम्'के'क्ष त्तृतः चेदः तु। । वदना नी सेस्रसः वर्भेदः हे देदः वर्भे । । या ग्रीसः वदना ता म्पाराङ्गराखी |बुकाःसूटाह्बाखे.क्रुचाःबेकानालका लमःमीलःस्कानीशिष्या मा गुःस्तुः संप्तृष्णः वार्ष्या । मृदः देसः विष्यः वतः कुः खुशा । खुलः विस्तर ष्टिरःथसम्बर्**रेःभवःद्रा ।मस्यः**रेःरहःनुहःःृबर्धःमधेःमवेःे]मवसा ।बर्ळेःमखे ଲାଜିଥ୍ୟ \mathbf{p} . ଧର୍ଣ୍ୟ \mathbf{z} । \mathbf{z} ଅନ୍ୟକ୍ଷ୍ୟ କଥିଲେ ଅନ୍ୟର୍ଥ୍ୟ ଅନ୍ୟର୍ଥ୍ୟ ଅନ୍ୟର୍ଥ୍ୟ ହେଛି । \mathbf{z} न्युअ:रट:पद्देद:ठवा |रे:अई:अ:न्वर:न्वरस:रेहे:हॅट्या |पण्:वेय: <mark>३सस-८न्तर-नृत-दुन-दुस-८-८।</mark> । कुल-विस्तर-नृत्वे द,धूस-हु-दुन-एस-**द्रायक्**रंक्टा | न्रिंपिलक्षेड्रिक्षानुन्द्रायक्ष्रका | स्वितानवित्ते नुवा **ॻ्रावेश क्रिया प्रवास । व्रिया क्रिया व्रिया व्रिय** चैट्रक्तार्थेवस्रन्यते श्रुष्यायः श्रेरुवा थ्येवः १व र्याम् १५ वे र्याते कुलः

[(कु·)]केद'अम्तरम्यवा **मिंद्राम्यवागुदागुम्पुतानु**ग्युर्माधेदा ।द्वीः ऄॕॖ॔॔॔ॱॱॸ॔ॿ॓ॱढ़ॸॖ॔ॿॱॸॿ॓ॱॻॹॗ॓ॿॱख़**ॱक़ॱज़ॗॿ**ऻॎ**ऄॕॖॸॱॸॱऄऀॸॱॻऀॖॺॱॴ**ऄ॔**ॴ**ॱय़ॸॱॻॖॺॱय़ॳ कॅन । दे 'सूर फेव ' या या वर्षे**द ' वस या वर्षेन ' या दे ' विद्रा**' विद्रा **' या न**ा नी सर्वेद ' मव सर्मृषु खु वे १९८१ ायटका कुक क्षेत्र प्रदेखा कुत केता प्राप्त । सहसर कुषार्वे ५ प्रतास्त्र विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य ण्व'्रह्मदशः]व्या विस्तराउव'ण्वाथ'मुकसर्ट क्रेट'हे'सेसा १दे'दमः हेद्राबर्धमारित्राध्यात्रेवाकेटास्त्रेत्राचेत्राद्याः । खुर्टद्रात्रायदेर्म्ट्रियाय बुन्याने। । र्नापर्वयारमा कुषार्वयायमा चे व्यवस्थिता सेर्पिय है वा য়ৼয়৻৸য়৻ঀৼ৻ঀ৸৻৸ৼ৻৸য়ৢৼ। **।৸ৼ৻ড়৸৻ৼঀ৻৸য়ৢঀ৻৸৻ৼ৸৸**৸য়ৄ৸৻ ผพ। ।दे'लश्यराष्ट्रेरावदे**'लाशकूट्रानेट्राम। ।टव**ावजूदेर्स्वापस्था ऍ८४'सु'पठ८'पुरु'द्रस् |पदे'रुमॅं'**सर्घ'रेस'र्घ**प'पर कुल'परु'पासुद्रस् । मट् विनापहेन हेन परे पर रखें पर्टेर हेट्र । विमापक सम्बद्धर पासुस ढ़ऀॸॱॺऻॺॕय़ॱॻॸॖॻॱढ़ऻ<u>ॗ</u>ऻऄॸॱय़ॱॾ॓**ॱढ़ॖॸॱॻॺॺॱॻ**ढ़ॏढ़ॱय़ॻॗॖॸॱॸऀॻॗॸॱॸॕऻ बर्बर-वर्ष्ट्र-पायासुयाद्वीयरार-विद्युर। वित्राद्विवारिद्रीयान्द्रायायाद्विवारिक्ष यावस्य उत् गुना विषय कुष हैन वे खुर नु किं प्रायम त्युरा नि खुर चन्नानी अर्केन् नेव वार्केन्यन्य प्रमानिक स्थापनिक स्यापनिक स्थापनिक स्थापनिक स्थापनिक स्थापनिक स्थापनिक स्थापनिक स्था मैसामहरा दिवाकेवामरासहरासराधारम्भामितानिमा । मन्मामि महेबरमहेर्देव छेवर महेर छेवर पर। । पहेर यह सुर्वे द्वारा यह मानीयः

प्रदर्ग । प्रस् क्रेब्र प्रस् ता क्षेत्र हैं क्षेत्र प्रस्त । विस् वापि प्रस्ति । विस् वापि प्रस् विरायाम्याभीयाम्या । विकेराविष्णाम्हेवायामहाकाने क्षामाणामा । महमालम् हैका कि क्षा का खुका प्रमुख प्रमुख । विद्वा क्षु दिवा की का कि म्बर्ग्युन् नहला शुन् गुन्। । पङ्गापति सुग्रास्त्रिन् लायन्यो मेलायहरा। वसःगुः ह्वं रावार्ष्यः वकुः दुनारु प्यता । विहेरविरे सुः संहितः साम्पनानिसः חברין וחלביםישבים אַ אַ בּאַראַ אבינו וחאַים אַ ישני ווק אים אַ ישני וויאַ ישני וויאַ ישני וויאַ ישני אין वन्नामीसः वहरा शियः वर्षे किरे में वर्षे स्वर्धः स्वर्धः स्वरं ता श्रुवा प्रचु ' ५ ता विशेष मा मा भारत है । यो श्री मा भारत है । यो श्री मा भारत है । यो श्री मा भारत है । यो बर्**रन**्सृद्युल्य्येट्यन्युप्यनुप्या ।१९७३ त्रहर्यस्त्र्यंद्यर्प्यन्यायाः बर्बराम्ब्रीतः ध्रीरापुः ब्राष्ट्रितायाह्मा देग्द्रराष्ट्रां बर्बराक्वेग्विराप्तावाह्मा **४ प्राप्त । विद्याप्त विश्व विश्व विद्याप्त । विद्याप्त ।** बहूर्रट्राक्षामुद्रामुद्रेराष्ट्रम्याचार्या । इत्याम् सिलार्ट्राङ्ग्रेश्वयामाः 💥 स्व **क्र्यायः**रेटः। जियायःकुःत्रद्वेयःतर्भ्यःश्चरःत्र्रविरंजन्तर्दाः [[स.म्.]]८र्था.वियामान् [चिट्टा]क्र्याया । श्रिमयाञ्चराञ्चराञ्चराया ब्रह्म प्रमान पर्वे व स्वे में हे हु क्रीं हु ज्या की हो लाख प्रमान हु । ज्या का ५८ क्षा ५८ त्ये मेरे के नवा इसवा गुरा । पहे पर पुर का वि दाया पर न मुखा विष्या । कुरी मान हे खुबानकु दुना दुःस। । भिन्न हे बाहर

ผพาฏิรสิรัสะาพลา | מַלּצִים מִּישַׂקַרְיִמִים בְּשִּׁיחַׁמִּים בְּבִין אַנִּיקֹאי **ब्रु'**पद्धे'त्र्युंश कुं'त्र्य व्याया सुव्रायकुं'त्रा । भेटात्रवा कुं'त्रवा प्रस्था कुं' भूरः व्यवसर्दरा विवासः रवः व्वैभः वयसः रिष्धाः रिष्टा सरायः द्वारा । स्वार ⟨८षरः⟩ळेदःमुः[[पणुः]]रेःअंःकेः ऍणार्पः। ।मुःरेलःश्चेत्रं णुलापकुतःपरिः [**(६व.)]र्य.८८.।** ।[[बचव.]कि.च बचव. (ईव.) त.चित.चिर.प्र. खा। मन् मार्ने मार्म मार्म केंद्र मेद्र केंद्र स्ट्र मार्म । यान्य स्था स्वाया **दिट.र्ट मेळ.रची मे.रटा** । ४ सिंप.थ. ईश.त.ई. कू प्रायाची । । पड़ी.पड़.वी. **इ.व्र.फ.पर्मेश्वराइटा । पञ्छ, पश्चराय विर.पर अंशरा**क्रियरा विषः]] पहरा । बर् द्रश्रस्य विषयः । स्वर्षः विषयः । विषयः । विष्याः । विषयः । पक्त'त्र'कुत'@'र्कुट'ठुन'त्र'। ।कुँर'हे'प@'त्र'कुर'यपल'लुल'पक् ME.I וביאַיםאַים אַישִׁר ווּאַים אַראַ ווּאַ מִיאַראַים אַרין ווּאַ מִיאַראַים אַר ווּאַראַים אַראַי विष्पंद्विःकृतःदेन्द्वेतःकृतः । व्यवः नुष्यक्वः स्वः स्वयः मुष्यः मुद्रायः । व्यत्रः **हे'**कुंद्'हे'अट'रॅदे'निस्ट'रम'८८। ।शे'दने'मरु'श्चरल'दने'मरु'र्श्चुंद्'स' मा । प्रमुद्द पर्दे तर्दे ता परि रहे ना तर द सत्ता सारा में प्रमुद्द । प्रमुद्द परि रहा से प्रमुद्द । प्रमुद्द **ढ़ॖॕऀॖ॔ॱ**ॴॱ[[प**्ना**] नेयापह्रा | स्लाधाङ्गेरालह्रावनाकुनान्यायवाप्याप्या **過れ、其内、対内、着立、子内、伯、及下、其日本、一一一日子、口子、伯、知、道「八口八山、** ᢜᠬᠬᢂᠵ᠂ᡶᡄ᠇ᡆᢩ᠂ᢓ᠗ᠬ᠓ᢩᡠᢅᢋ᠂ᡏᡆᠬᠬᠵᡄ᠇ᠨ ᠋ᡆᢆᡒ᠇ᡆᡭ᠂ᠳ᠈ᢅᢅᡑᡟᢡᡪ᠂ᠬ᠒᠇ᠳ᠇ मैंया] यहरा |देवयासरावरसायरार्मेराहसाम्यम् संप्तारात्या विशेष

취득'주저'전'되도'듯' – 현이'진'위'명제'당제'정

ॾॕढ़ॱय़ॕॱ**ढ़ऺॺक़ॱॻॖ॓ॿॱय़ॣॱॻॻढ़ॻऻॱॺॕ**ॸॱॾॕॱॴॱॺॗॿऻॱॻॖक़ॱॸॖॆॱॿऻऄॿऻक़ॱय़ॸॱॿॖ**ॱॱॱॱ** त्रका मुक्त स्वाप्त विकास के स्वाप्त का मुक्त स्वाप्त का स्वाप्त ह्मन् भ्या द्वारा स्वारा स न्या नाम्याया**जनान्या र्वेग्यायान्**रत्या हें पार्चे १८ वर्षे नाम्याया षेष् '५व 'श्चें न' में प्रें न' में खें देश माला के बार में के स्वार में प्रें के स्वार में प्रें के स्वार में ढ़ॱढ़ॱॹॱढ़ॺॱॿॖॸॱढ़ॖढ़ॱॿऻख़ॖढ़ॺॱॸॖ॓ॱॸॿ॓ॺॱॺ॔ॎॿ॓ॱॸॕॿॱॸढ़ॱॗॎॿॖॱॗॏॾॕॺॱॸढ़ॱॶॗढ़ॱ बरि'म्बि'र्टा रूटा झूंम्'इयस ग्री'म्बि'प्यू समावस पुना है में पूर्णु खु <u>५ निल्पान् हे बार्च वा ५ मा १ विष्ट्री वा द्वार विष्ट्री वा द्वार विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट्रा वा विष्ट्रा विष्ट्रा वा विष्ट्र</u> क्स्यर-प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप ष्ठेप्तः मृर्थम् कार्यः इत्रकार्यः द्वाराक्षाः सिर्द्यः मृत्यः स्वरकार्यः सुर्वे विकासिर्वे स्वरकार्यः स्वरकार 951 न्ता हार्स्टर्ना व्राप्ताना श्रामीयात्रवेदाने हिन्यान्तावरय **बस**ॱचुँबॱर्दे। द्वेरमोठुमानार्थस्यःबःबिरःसःरचाराद्याराःध्रेर्भाॐःसिंबःसःह चकु'८८'। १वल'चवर'वी'चु'ॲ'ॲ'चठु'ठुव'ॲद'च'ऐ'चे'ऄॗॱऄॄट'ॐ'८८' 19411122C.E.I

नेष्णतः स्राध्यावयस्य प्राधितः त्यायाययस्य वा व्याप्तः शिष्टा स्राधितः विष्या स्राधितः विष्या देवः विषयः व

मार्थनाः अप्त्यान्यद्वेप्तः। द्वेप्त्यान्यस्य स्वाध्यान्यस्य स्वाध्य स्वाध्य

बुदःबि**नाम्मदेरः**स्टावःहर्भेशर८दुवःबःमुःकुण्बदःस्यंस्दान्स्द्रम यन्त्राक्षेत्राक्षात्राह्म क्षेत्राह्म विष्याक्षेत्राच्या क्षेत्राह्मद् दे औ र तुमाय र जु वे नाव र दबा वितर साम हुन स्थाप हुन स्थाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स् हेरके दिका पर्यस्य र्षे प्रिष्टे का पर दम् कि वि स्वाप्त का मित्र प्राप्त स्वाप्त का स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वप यं न्वीन्या कुल ये 'दे 'त्रेंब 'यं 'वे 'दें न्य वया यह 'वह या पर कु 'वन 'व' व्याप्तराष्ट्राञ्चवायाम् सुकार्यकाव्याव्याव्यायाः ह्रवायि व्याच्याया [इंटर्-ट्रं-ब्रुय:व्रिक्राम्बद्दर्-र्हेवा हिंर्डम्:व्रुव:केन्-ट्रं-ह्रव:व्रुट:बेट्-च्रं-ट्रं बाकेमवा बाद्यापराष्ट्राह्राह्राचात्रावा देग्हराषुटावा अव मन'न्धुन'[यिन्']]चुल'वलार भे'व'हिन'ल'सुन्'वार्सर'वेर'वरार्स्नर'वर्ष म् उदः सिम्बर्भायाया हु अर्था अर्थेद्राया पुरुष द सन्दर्भिम्सर्थ असः उद् श्वेदः । ितता.]बुशाचयानाङ्गांबर्षास्त्राहेराङ्गावाकराश्वरामञ्जीषायुराचुवाक्षार् कुलार्यालास्य प्रतिस्यापि सुद्राचित्राया ह्रवाया हेत्राकेत्रायि हुन्। हुट'लब'चुर'नदे' बद्'मकु' र प्रिन'गुट'वाभेबा देग्महेर्यस्यालब इ.च.इच.विट.ज.लुरी चगुचयः इत्यायः हूरः त्या वर्षेट्र देया वर्षेट्र देया वर्षेत्र वर्षः न्दिनकेदामर्डे स्थापमाधिन दिना देग्या भेद्रामाने दिना क्रिया में दिना त्नुन हे दिन क्ष्य के या विकास के या के या के र

निर्मित्र से र्मे स्वर्धित स्वर्येष्य स्वर्येष्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्येष्य स्वर्येष्य स्वर्येष्य स

पाषित् क्षेत्रोत्रा हिंग्ड क्षायत् देवायतः महिं पुरात् यतः वेरापना देखाः षयाव्ययारी प्रवीया प्रयास्य हार्यन म्राजन प्रयापित स्थापित स्याप स्थापित स्थाप ह्मं ची.विषातः म्रियानादा विचा.ची.विष्ठ राविचा.चूर्याचादा ्रिश्वाचिद्रा बर्टः भूटः वायाकवा अर्राया अर्थः वायुक्षा अर्थः वायुक्षः चुत्रः षदःस्वायदेशस्टात्रेराम्भेदायासम्बद्धाः त्राव्यस्य उत् पञ्चन्र गुर्प्यतायः क्षुं प्राम्दास्य पुर्पा त्याष्ट्र**स्य स्या** स्वताया स्वताया स्वताया स्वताया स्वताया स्वताया विन मूर्य न त्र अपि है । विन मूर्य न त्र अप न त्र के त्र त्र मुद्द के प्य है । सर्वा न्यर त्या हेर म्या देर में वर्षे सर दा ति है हैर में वर पट्टरा मुहाराता मित्रर हैं हा व स्वर मुंबा हे वा हा बना मह्वर [व वा ति व ॱइवःसंन्तेरम्बादावारम्बादानात्रुप्तात्र्यः । इवःसंकेवःसंविदःस्नायाके पालवाप्यवप्रविदायवाप्यविष्यवस्थित्। विवासाविष्यवस्थितः विवासाविष्यवस्थितः विवासाविष्यवस्थितः विवासाविष्यवस्थितः द्भावन् भिवासम्पर्यन् ग्रीपरे अर्थेन्य सम्बन्धान्य देशा देशा देशा के निराक्ति ॻॕॱॾॖॕढ़ॱॻॕॱ**ॸऀॱॸॕ**ज़ॺॱढ़**ॺॱढ़ॱ**ऴळ॔ॺॱय़ॖ**ॱӖज़**ॱढ़ज़ॱॺॱॻ**ॾॖॕ**ढ़ॱढ़ॺॱॺॸॕॱॾॗ॔ॸ॒ॱॐ॔॔॔ॱॱॱॱ र्खा ब्रक्ष चु । सु मृत्र हे । सू **र ।** चु रा व । च व र । **च तु** र रा य र । बर्रर व्याचीयाया द्वार्टर हैं वर्षा वर्षा त्याये नवर मा ही वर्ष ही । वर्ष दावा विषयाणु स्पन्दरयाव्या विरायायाचे व प्रवयः उदासु येरा उवा प्रया वयः ।।।।।

मन्मामकार्द्रमः देगम्बिन् के चेत्रकन्माम्बर् न् देग्नि मन्। मुदे कुलाम्बरायस्य उर्'गुवार्विद्राय देना या उद्'कु मान प्राप्त या नदेव द्राया বৰষদেৰ্দেশ কুলাষ্ট্ৰমন্ত্ৰদেৰ্ঘ্যব্যম্ভনাত্ৰীক্ষকান্ত্ৰদেইকাৰ্ক मन्ना देवसम्बद्धाः निसंपितः भीता स्ति । ਗੁਰ੍'ਲੇ'ਸਫ਼ੇ 'ਸੋਂ'ਆ'ਤਕਾਣੁਵ'ਤਰ੍'ਰਕਾਕਕਾਕ'ਸ਼ੇਰ'ਸ਼ਨ'ਸ਼ਿਰ੍'ਰੇ'ਗੁ'ਕੱ'ਰ'ਸ਼ਨੇ'''' **१८.२ व्याप्त वर्षः वर रम्भन्यम्भन्यम्भन्यम्** । देन्यस्य विषयः सम्भन्न । देन्यस्य विषयः सम्भन्न । देन्यस्य विषयः <mark>मॅंदःपदी भारताम्हर प्रमुद्धार्म प्रमास्य म्राम्य मेंद्राम्य स्थारम् स्थारम्</mark> **बबाहायाञ्चना**चकुमान्य प्राप्ते । विदाय के प्राप्त । <u>ॾ</u>ॕॖढ़ॱय़ॕॱढ़ॖढ़ॱॻॕॱॸॖ॓ॱॡड़ॱॻॖऀॸॱॻॱॾ॒ॸॱढ़ॺॱॸॕॣ॔ज़ॺॱॸॕॣ॔ज़ॺॱॻॱॸॖ॓ॸॱॻॖॿॱॺ॔। ढ़ॕॱ ลัด ส**ลง เน็ต เ**ล้า ซิดา นั้ง เอา เอา **ครั้**ร เอง เล็ง เน้าร้าง เา ตั้ง ซิงาา เก็ लविष्यः[विरावयः]]श्राः। विवास्याणिषात्रे, क्राम्यापरावितावयाः विवास **ॷॱज़॑ऄज़ॱज़॓ॱढ़ऻॕॸॱॸ॔ॸॱऄॗढ़ॱॻॕॱख़ज़ॸॱॻॖऀॱॷॖॸॱख़ॱख़ख़ॱॻॕ**ॸ॔ॱॹॖऀॱऄऄ उक्क विश्वित मुळ द दे द्वाय शया मे या भिव दें। द देर मुल दु मु वि वि वि **हिर्मा के ब्राप्त के पुरानु पार्ट पार्ट पुरान के ब्राप्त के ब्राप्त के ब्राप्त के ब्राप्त के ब्राप्त के ब्राप्त** पर-स्टा क्या करियाचारी विद्युष्टित्र विद्युप्त कुष्यावस्य रुट्रास्ट्रायर्व्स्टर्म् वेर। देरःकुष्वस्य रुट्रिणीयादरःवतः **गुट र पत्र पठ रा . भेट व सवा ठट गुट पछे प्राया अप व व स्व र व र गुट र ପୟମ ସୂଅ'ଶ୍'ବି'ଅଟ'ୱି'ସ|**୫୩'ସି**ଷ'Bୁ'ଟ'ପଶ'ସ୍**ଠି'ରୁ'ନୁବ୍'ସ୍ବ'ସ୍ତିବ'ଔଧ'

व्यात्तर्यां मूर्या व्याप्त स्थात्र व्याप्त स्थात्त व्याप्त स्थात्त व्याप्त स्थात्त स्थात् स्थात्त स्

मुन्द्रक्ता । विकासहित्या खेला ने देव का क्षा प्रविकास स्थान स्था

स्वित्राः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वानः स्वानः स्वान्तः स्वानः स्व

इन्युन्वन्यकारहेकाक्ष्माचर प्राप्त कुलाहा देवनायट मुन्नायदिना वयार्गिटाह्रिर्निटाक्ष्रभूणुग्स्रावे वेद्वर्यराणुराहा वर्ष्युन्यानुर्मार्भा चु'पर'र्घ मना है'र्घु मन्न'पन्ने'र्ज्ञुन'र्चु'ख'र्द'रिष्मन्न'पन्ने'दे'र्थ'र्ज्ञून **Ӗॱदःरे। ८९ँ 'र्5र**'र्नगर'नाष्परासुपत्तियापार्ट्, बेरा वृत्तार्खेनकायना द्विरेम्द्रिः नुः सः स्वानुः प्राप्ताः विष्यः स्वान् वार्षः [विकेदः] चेत्रपालमान्त्रा क्षुप्यति वन्नवाणी नेवा वे कुरानी क्षेत्र व क्रिकेना ने त्रमानु भेटा हे प्रेटा पान्ता यु राष्ट्र र न मानु न न यु र न न मानु प्राप्त न स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स पहेन्वाहे त्र्वाह व्यापहें व प्या विष्कुर त्या विष्कुर प्या विष्कुर प्या विष्कुर प्या नाःभःवुवा गुन्निविवाद्यायाव्यान्यन्ति। सुन्निवाद्यायायायाया ॴॱॹॴॱॿॴॻढ़॓ॴॴॻॴक़ऀढ़ॎॱऄॣॱॸॖ॓ॱॷऺॹॸॸॱॿॗऀ*ॸॱ*ॿॹ*ॸॏॸॱॻॿॖऀॴॴॸॆ*ॱॱॱ র'থর'রথ'নহ'য়'র্য়'য়

म्हार् स्वरं स्वर

मिष्ठे दे प्रत्रक केर पर्देश हैं जी विषय प्रति दे प्रत्र केर प्रति स रामाश्चरयायायदायाव्या भूषार्थित्र भूषार्थित्र स्वर्थितः स्वर्थायाय्याय व्यावः रे त्वळें दृष्ट्याय दुष्यायाया १८५ मा व्याप्या विष्या विषया । विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया ๚**ॱ**ธุจาติๅาลูๅาธาสตารังหมูตาดิตาหฐานการตารตาทั้งสารสาหมูตานห้า याके'व'न्दा केंब'वुर'तुर'व'रद'वद्विव'वुब'र्षेद'न्द्र'वदे'**ग**दे' ष्रम्पाद्धीरा व्यक्षात्रम्पाद्धात्रम् । व्यक्षम्प्रम्पाद्धात्रम्प यर अष्टित्। दे शादिर प्रमृत्यहर् यस्य स्रित् प्रमुख प्रमृत्य प्रमृत्य स्रित्य अते निधन के निकास मा ह्यापबंदानहः भूषे भूषे वा हेषु राधि हेष्ट्राया हेष्ट्राया निष्ट्राया हेष्ट्राया हेष्ट्राया दे खब्ब र दर्गणुदः पह्न बाद पादि र तर्वा है। क्षेष्ठ में स्वर में तर्वा पादि स्व मुद्दा नृत्वायरे सम्मान्वाय न्या दे दे देवा परे पर हैंन्यर ५८'याम्बेर्रान्तुरुष्पान्तुरुष्पारविष्याने। दे'यदार्यदान्द्रवास्यामकुर्यस् माबिनान्मिमा अवि 5व मामुन्यिन्याया र्र्मुवास रवायमा स्वा विवान पकुराळ्त्राया है। मावसारिवराख्या है प्रशासकुरानु खराया सामरासारिया पर्नुत्र्प्रा परापण्येषर्गण्यायकुत्र्णीयापन्नुवर्धाः हरणम्ये **ॖॢॱऻॸॸॱढ़ॸॴॴ** ॸऀॿॱय़ॕॱक़ॆॱॾॣॱॡॱॲॸॱय़ऻ ॸॆऀढ़ऀॱॿॖॖॖॺॱय़ॱढ़ॸॕॖॿॱय़ॱय़ॱॷॕॖॿॱ

ॱॱऄॴॱॸ॔ज़ॕॺॱय़ॸॱॴॿॖ॓ढ़ऻॎॱऄॕॗॿॱख़ॱढ़॓ऀॱग़ॣढ़ऀॱख़ॕॱय़ॖॸॱॸ॔ॸॱऻ ढ़ॸॖ॓ढ़ऀॱढ़ॸॖॿॱख़ॖॸॱ न्ता वास्त्रीक्षासान्ता पर्वाची कुष्टान्ता विद्वापते सान्या दे द्वाया देवा श्रीया प्राप्ता युरि स्याप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व सरः अष्टिता [😇] ଐुषे 'ଞୁଧ୍ୟ' ପଞ୍ଜି र ଲା' ପ' ପଞ୍ଜି ' ପଞ୍ଜି ସମ୍ପର୍ଶ । ପ୍ରି 'ଜ' ମ र 'ଶ୍ରି ' ଭିଜା' ପ' ସ୍ଥିୟ' **बसः** चुरायाक्षेत्रपश्चरायुवाक्षे। मेंदाहेर्द्यवाव्यवाक्ष्याच्यायिः **ष्ट्रा**चरानी परार्क्षराचुँदादला है।चान् प्यापन्य प्रसाधनार्क्षातान् हैनालायहा ब्रुराने विराक्तियारे विष्यास्तरा स्टालका मिराहे स्वराहित स्वराहित मनेर मुँग्दुगु सुगु सुग दे प्यट हुव दें दस द स स्ति। प्राप्त हिन हे द से प्यट **ॻॖऀॺॱ**ऄज़<u>ॻ</u>ऀॺॱॻॕॱ୴ॸॱॸ॔ॺढ़ॱॾॣॕढ़ॱॼॖऀॱॺॸॱॾॗॗढ़ॱढ़ॸॕॖॸॺॱॻॖॱॻढ़॓ॱॿॖॱढ़ॺॖऀढ़ॱॻॸॖॸॱ द्रा ट्रेन्ऑ्ययार्वाराष्ट्रवाची सावन्द्रवाया श्रीप्रवाया श्राप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता <u> इर.बुट.क्षे टचेर.कूंब.कु.ह.चर्टटशत्त्रात्याळा.द्र.टचेरा</u> गूट.ह्र.लट.व्रेया मर्थर मुँग के र दें के बेर स्थान स्यान स्थान स्य द्धान्वेनाविष्वद्वरस्यम्भान्यस्य । द्वरास्य प्रमुन्त्रस्य । ठे भेव खेब हे में टापर में व हे पह का प्रमा में ट हें प्रवास का का का का **ॾॕॱ**ढ़ॱढ़ॸॖॖॖॖॖॖॻॱय़ॱॻऻॿॻॹऻॎख़ॱढ़ॱॺॱॻॖ॓ॱॺढ़ॱॿॖऀॸॎढ़ॱऄॻॱॻॎॱढ़ॱॻऻऄॸॱॻॖऀॱढ़ॖॱॷॻॗॱ ॶॱवेॱॻॿॖॻॺॱ^ॻॱॺॺॕ॒ॸॱॻॱॸ॔ॸॱऻ<u>क़ॸऀॱॷॹॱॸॖ</u>ॱॻॺॺॺॱॸॖऻ॓ ॾॕॱॸॕॱय़ॗॻॗॱॶॱ वे पार्व नव पारे का मानी र द्वापट पुरम्बस्य पर तर्ना है प्रका द्वापट स्वाप्त पर्रे नवायायर क्रां भुग्वर है ना के ना बुना र नें वा क्रुवा वा नें दाहें पें वा है। केर मूट्रह्मिट्राज्ञान्द्राप्तिया हु। हेर्राज्ञाल्या कुर्याल्या कुर्याल्या हु। स्तिम् कुर् स्राप्ति द्यापा स्यापहेषाया प्रयापा स्ति। प्राप्ति ।

मुर्बर मिटाई द्वित्वात्वारिहर बटार्स विकाद कार्नुद्वा । निर्माद स्वराम्य वसाक्षे मॅसामणुन । केन्साबे नामना चेना चेना चारा है। चेना । हा दे चे सामा सा मक्षाभेवा । केदाकाके पाके कुष्मेवा । केदावाप द्वाप प्रदेव कुष्मेवा । केदासाम्बद्धान्त्रप्रकृष्णेदा । इसम्बद्धान्त्रका । इसम्बद्धान्त्र । इसम्बद्धान्त्र बै'म्१व'व। । १६६म्'हेव'र्केस'सम्बन्धर्रायर'रयुरा । दे'ससम्बन्धाम्यः ङ्बेटा । हिंदे सु सर्वेटाटा हा पता हिंदा मुल्या । लर[्]वे त्रह्मा हेव तुन्य हिरावा । श्वितायर में त्रवा अवना प्रवा । सव **ॲ**ॱम्रेन्'त्र'कुं'लेन्'मर्ड्ना ।्नने'मर'भै'म्रेन्'कुं'लेन्'यह्ना ।्नस'कॅस' <u>चेत्रयः सुः देवाः सून । ५ लॅ</u>ब्स्स्र्याः स्क्रेन्यः सुः सेनाः २ सुरा । सुः स्यायः स्युः र नर-सु-द्वेना-द्वेमा । पर्दुद-भ्र-भ्र-पा-सु-द्वेना-पत्र-। । र्द्द-णु-रहे-स्-पर्हेन-माला निर्देत्रमात्रवस्य उदारम्बरमाधिता । वितर्दारमात्रवस्य षेवा । निर्मेव स्वर्धेन प्रस्य स्वरम् स्वर्धेन स्वर्धा । व्यव्यक्ति स्वर्भेव स्वर्धेन न्युबःमुःम्बा ।न्रुन्थिन्यःम्यः । देशेःयः न्यः मब्रुपः परः त्युवा । अर्केट्राम् व बान् है बाला अर्केट्रायः त्युवा । प्यरः कुरिनेर ८5ुव'मङ्गेव'मणुर'रम्बा ।देरी'बम्ब'र्घन'म्चेर'म'रम्बा ।सर'मुै'सु **र्वरःन**्य्यन्यःत्रच्या । बिटःचठुर्दःश्यवयःचुःचःत्रच्या । विष्ठ्यः**ॐनाः ४ॅस**'यद'य'बेट्। १टे'पर्याट्स'र्ह्सरश्चेंट्'याट्टा ।स्नै**न**'याद्यस्याउट्' मन्नवारा है। । तथायवारवार्वेषा श्चित्रापार । विनाया कुता पूर्वेराया **५८।** १९९८ त्यव पर व व व व । १९८ य ८ हे तर दे व हो ।

त्याव 'ता क्रें या ब्रें द्या | दा वे 'केव ' या व्यव दाय दा | सि । महा क्रें व 'ता मार्डिनामी। देशाञ्चरायाप्ता। मिनार्डेन्दारी विनाळेदासायमायेदा चुकायायात्वे। नुपार्वेषागुदाके। यमार्वेषागुदाकेप्यराम्दराधिकाचेरा वबा नहतान्गराकु। अनाराक्षी अक्षातान निन्दवा विनारित स्वा वसानिते हेटार् हायटा है नसानित सदार्भेटा हैसा हुसाया गुःसाहि पहुंवा हिंद्र'न्वेंब्र'द्रद्रा । १९ विरामार हुस्या स्थित स्था । वृद्राणी स मिर्दरशासुरहिमारळ्या । तिस्टरशासामारामीशासर्वेरासासुर। । तिस्टरायाहमा मृ'खु'ल' र्षद्। । स'हेट' र्दे र'झ्र्र'खु'बैवा'चाम्बा । चान्व-द्रः न्तराव खु' **ेवन**'ऍट्। ।शु'वेन'वियायन'ग्रैयायाञ्चया ।हनार्ग्चयार्था ऍट्'र्ट्।। ଵୖୄ୵୷ୡ୶୵**ୢ୷୷୷୶ୣ୕ଌ୵୲**ୢ୲ଌୢୄୄ୕ୠ୵ୣ୶୷ୄୄଌ୵୲ୄ୷୷ୄ୴୵୲ୢ୷ୢଌୗ୶୵ୠୄ୵ परेर'पत्रमामध्य प्रेष्ट्रा । [[केव'ह्रव'त्यव']] य सुरवेषा भेवा । रेप्ट्रर অব'ব'ট্রি'অন'ন। ট্রি'শ্রী'ক্র'লু'নপ্তব'লু'ন। ট্রি'মে'৪ন'নন'নম'লু' थ। वित्रिंश्वाकेपनराविषायाराष्ट्रीया वित्रायानुवायरान्यात्र्त्रा । त्यव्रापते.[[स्यवर]]अञ्चलः[[ज्ञटर]]भूटरः[[ग्रीर]]क्विरःग्रीकारय्यवर क्र्राबुकारः विवास मार्थित मा पर्वेटमा ।ट.वै.[[नर.]]यश्रमःमायदेटमा ।केव.समार्थःपानेर.पान वा । ष्टिन्रयन्त्रे स्त्रन्यणुन्यम् । ष्टिन्युक्यः [[वयवः]]कुःने दस्ययः या । रहासन्यरहार्त्रेत्येत्रयासा ।देष्यरस्यव्यक्ष्यंह्या ।बिया म्बुट्यार्थं न्द्रायुं भूना अक्षेत्राय द्वाया व्रिंद्रायुं वटा १६० है न्य भैन चेर में। विषय दिवा की सम्माता कर के न्य की सम्माता कर की निवास कर की निवास की की की की की की की की की ♥ニー.[[๒೭,.]]wwsਜ਼ੑ。ぬ。๗。ưどよ。ロ、い。ヒ๙.Ѽヒ、४負んが、भु०, ヺナ、४४. しんだん

पर्व में केट कर है। में ट'ह 'दट कुल यें कहल परि अपन कर केर में।

इ.भक्टंतारवीपाबुटाल्चराग्री डेराश्चराय थानेश्चरायही विदाया विद्युटा मैं ने रह जा बेर पर। ५ रे वा कु प्यता परी वा परी वा परी वा वि वा कु वा पञ्चरकार्था नालनाः अस्याणुराने स्मृतः बुकायमा मृताहेसाल्यासा स्मान्यासा यर पहुंच हैं। दे प्यट हुं के कार में पर दु पारी मान कार देर प्येंच हन पा हुं र **ळॅन'र्ना** तनिते'सब'ळॅब'तिनेब'स'ले क्रिंब'स'ले क्रिंब'स्वां लेंब' नविक्तान्त्री

नविक्तान्ति

नविक्तान्ति

नविक्तान्ति

नविक्तान्ति

नविक्तानि

नविक्ति

नविक्तानि

नविक्तानि

नविक्तानि

नविक्तानि

नविक्तानि

नविक्त न्वमार्मिरास्र हिनमान्नुराग्नीर्देन साम् १८५० निन्तुराग्नी हेरावा ८षद-८मर-कु.इ.ज.चिर्चकाएट.च.जूरी र.पाष्ट्रचेचाजाः श्रीवाचित्राश्चे ॰५'प'ऍर्। हॅर'परद्'चुै'स्न'थ'त्व"य'२५'प'ऍर्। गैप'पसे' **ब्रॅंबरचैं।सेर.**येट.र्यार.**येलब.बी.**एक्विंप.य.४२.तब.विय.त.लूरा च्या.बर्थर <u>পু</u>, এতা প্রথম বিষ্ণার্থ বিষ্ণার্থ কে বিষ্ণার্থ কে বিষ্ণার্থ কি বিষ্ ष्ट्। देते क्रीं ब.ह. ही हैं हैं चें चें चारा प्राप्त करा व रहेते रह व सिर् यादे महिरा द्वातायक समासुराव व मी मु स्टा प्रदायादे मिन वुवा ব্রদারক্রমনাট্রান্রলাবির্দ্ধান্ত্রাক্রাক্রাক্রাক্রমনাত্রাক্রালা ব্রদা व्वित्राचे अर्थे श्रीत्र पृत्ये स्थापन स्थापन दे स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन ল্ন,ট্রা নাৰ্থ,লেন,ডেনিন,ন্তু,লেড,নেন্তু,লেড,জিন, र्षेट्रपुः श्रेष्या विषया मूधु-भूट,चो-क्ष्यका क्रे.ब्रियबालियो.अधु-मु-भा-देवान्या.योबदाला मिबिट्यानारहामाञ्चरी ट्राजाचामिटाचारहापानाङ्ग्री वैपाक्षेत्रा वैपाक्षेत्रा

कुै'म्नन'ल'मर्नुर'द**न**'मॅ'मु'र'म्रेन्'य'९५'मर्थ'स्य'न्न'स्न्। **ने**रे'र्स्रुन्य'**सु'** सर्केर हेव पने उ है नन। चुर मुँ नन १ ४ र र १ १ र मन १ १ की र र भ साम र ्यें ने'हरापुत्रा[[वता]]नपुत्रार्ठाष्ट्राची'वळि'यो राङ्गेत्राययात्रा पश्चिषावता अक्षापश्चिपयाने भ्रम्पावता हेरीम्प्यास्वायाः स्वाप्तावता **क्ष्माकान्दरा रामा**दे अस्कान्दरा था है मानी प्रदेश प्रसा अस्वाना **ネネ゙Ⴄネ<ッ₯ニ゙Ⴄチ๎Ҁ**ҡѲ**ูニ**๚ ๒๎๎ฅๅฃ๛฿๚๛๛๛๚ฅ๎ฅ๛๛ विष्यः विष्यः विषयः विषयः स्वाधेना स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्व मिः सुद्दे त्रे त्रे मियासर त्रियुर में पुराय देश त्रित्र स्त्र मिया मिया स्वर स्वर्णे व्याप्ते देत्तेराचियात्रयात्राष्ट्रयो मूटाह्याटापा स्चार्चा वियात्वा द्वार र्षेत्रहे। कुलर्सं केत्रसं लम्बा ह्या क्षाप्त केरायकुर प्रेट्राचसार्वे पास्राख्याव सार्चे पातरामा चीता विष्राचसा चीता म्पुरं बिषाचेया टापाट्टी साल्य रेजी विषया विषय मिया हैने.स्.अष्ट्रातारवितारी.पञ्चाता के.रीचंया है.कुरासाताअष्ट्राता ८, सुता नुस्ता नुस्ता न्या न्या । विष्या न्या । विषया नामकाराधका हिंद्राचेर किना मुद्दा वका हिर्मर नी अर्के या सेना में **यट.वेटब.तर.व.ब.५.ला** केष. तूर, कृष महार एक ब.तर, वेर. क्रि.वं. केर.

परायाकेतवार्गुवाकार्ष्याचा हात्विवाः]कुणवायादराहेराविवाकेवा पन्ना हे.हैंचे.हे.कै.चंडानुहान लब.हेच.कैचकात.रेटा जूट. विरामाम्बर्गान्द्र त्वमानिरास्य विरामानिरा विषामार्थितान्वरात्युरा वना क्षे.च.हा.चं.व.पा.कृतयायकाया.बुयाचस्यायित्याही स्तिन्द्रं **धु**णाकाणुःस्राप्तवा ह्रास्याची व्यक्ष्यात्याचा वर्षाच्या स्त्रीया स्त्रीया स्त्रीया ब्रार्ट्स, ब्रुका पकु प्रिंपा वाक ब्रुपर्ट्स है। अप्याप्ट श्राप्टा था र्मन्यापार्तरा कुलाम्ध्रकेषयार्ग्युवायार्घाः क्षेत्राख्रामा विष्प**द्वा** <u> चैकाङ्के दिस्कात्रे। हाक्ष्रुराळेषायात्रसावकार्ड्ययार्या हास्यसाम</u>ी अक्कारियां वार्टी, में ताता तथा के जाता वार्टी पड़ा हुन तही हुन तही हिंदी है । वार क्षा कर के वार के वार के वार विराक्षेत्राचर हिन्दा विषा प्रवास विराज्य वा विराज्य प्रवास विषय विषय विषय विषय ड र्स्ट हे विपर्व व मी ह सिर भी ड लापन्य दे पर व कर दे व द मी अर्ड लायूटाङ्गी व्रि.पड्च.कु.वेंब्य.वी क्षितात्वातीटापूटाङ्गलात्वार्थराप्ट्याप्ट ब्रुवादबा विषायके वक्षाचाराहा मुलायंबावि पहुदासादेंदास्त्री व्रुवासादेंदास्त्री ขูลาลชีกาลานิสานล่า กลาลำนกนี้ เราบนิวานิวสกานรู้กาลกานนี้ ५ प्यत्र गाउँ १९६ रथा भ्रे प्यत्र के प्रत्य विषय के प्रायत्र के प्रायत् के प्रायत्र के प्रायत् के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत् के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत् के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत्र के प्रायत् के प्रायत्र के प्रायत् के प हा। लर्कुल, हार्बरी स्था ब्रिंग्सी तर क्षेत्राचर क्षेत्राचर क्षेत्राच कर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र यमा देर विषयहुव रचा पुरन्यत वसाय विषय यह वा निरम् कुला में वारी हरे द्वारा विवार विवार विवास विवार ष्ट्राच्यान्युक्षार्थन्। सार्विना पार्वे न्या पार्वे व्याप्त्रु खर्क्षत् । न्या स्वाप्त्रु खुवः प्रस्थाः

न्द्रात्राम्बुरावसायहार्वेदासा प्रतितात्राम्बा लट.केष. त्राप्तां स्थान्या टापापट्टाया खेना ख्टाकी नर्था लटा हे लामकूर्यातिषात्रम् स्थाप्ति विषात्रमा पूर्या हिता है। प्राचा में मार्मि मार्मि प्राचा में मार्मि मार्मि प्राचा में मार्मि वर्णर हर् वर (लवा) विवास प्रमा हर्ष कर है। स्राप्त वर्षा दे.षःम्बित्पश्चरम्बीयातक्षेयातया अञ्चर्यस्य स्थापन्य सम्बन्धः अञ्चरः स्थापन्य सम्बन्धः अञ्चरः स्थापन हरा देरलाचलार्चर हैरखाव चुका हैर न्वावत खुर व कर इंद्रका है। **٩**٩٠ŘҀ'ヨヹぺापकुष'यत्र'र्द्र'चेर'८८'र्द्र'य१वर'द्र'व। ८चुलार् बानरासु बिना सुरा। देखा भैरा द समा (नहराहे गुलके स्वास र्षा देग्यान्दार्युदेग्युताव्याद्वयाद्देश्वर्षायाः 🔆 चेत्रवराङ्गेवयाद्वे । 💥 ना क्ष्याणुदाक्षात्रद्वाया नर्म्याणुदाक्षेत्रदेगा र्द्र(हेर)यासम हुरत्याचुन्या देवे हेट दुर्वि क्वेरया गुयापञ्चिन्या युपया [निह्या] लिव प्रमान्त्रा देशे हेट पुर्मे प्रमान हिट लेग दिया [मर] क्रुें मॅंर्न्प्यम्बद्धाव वर्षायुः [[यदीरः]]क्षरः यहितः। यहुवः याद्यः यहुवः वसारेद्राक्षेम् पृर्धेसाने स्वरायनेता विवर्धार्या स्वरायस्य मुख्यात्र कर्षात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवा

मन्यान कुर्णे सार्टा कार्च में रहे नहे नहे ना रहा रवा सुवा कु ब्रैट-स्ट्रिन्ट्-प्-न्दा पःश्चर्याच्चायदेन्द्रायान्दा कुन्यः ग्लेदिन्द्राया ५८। देव'मॅ'केदे'श्चुव'रस्वयं ५८। विरामलामु विष्यु प्राप्ता हे सेव ขึ้งเมียงคุเลียงใน เลียง ขึ้นสาย ขึ้ง เลยง เลี้นายา ขึ้ง เลยง เลี้นายา ขึ้ง เลยง เลี้นายา เล้นนายา เล้นายา เล้นนายา เล <u>श्रेत्रक्षः, ट्रापः विश्वयः विष्यः विषय</u> मॅंते'युगकाया हते'झुंगदी'र्धुंगकायहुते'क्रह्मा कुका**न्। पुहाकु**वाक्रे**वका** <u>५८८ प्रस्थ ७५ फ़ुबर मुक्त प्रमानम्बर्ध प्रस्थ विष्य स्थाप्तर प्रमान</u> त्रेच, हूं ८. ब्रैच, व्रूच, चिरवा वित्यत्य देवा, त्रिवा ଅ∙ मे हुना व देन हिल्ला के ला हु नि देन में नि हिल्ला हिन में नि हिन है नि चिरमा ह्या ह्या हिरायहेव स्प्रात्ते मा हिरमा শব্র ঠি 'ৰিল' নুম্মা কু 'শ্রিব মেইব 'শ্রি' ৰিলা নুম্মা সাঁ 'দ্যমনীব 'শূর ৰিল' चित्राकृत्रायाप्ता प्गुरायरकारावा कुलाय्री पृत्रास्कावा 💥 ह्युवा रयाम्बन्यार्प्ताः सुन्याः वर्षाः महन्याः प्रवित्याः । सः प्रवेरव्याः न्युयाः ह्यदःमसुक्षःम। देते स्ट्रेट पु पब्द मित्र ब्राम् हैका देते स्ट्रेट महिमान स्वर बलान्बरामान्त्रेया देशे हेटावासहस्यामशेषा *हे*८-द.ळ.ध.ट्र.च४.देज.२४.च्.च.६.च.६.च.५४.च। ॐदीच.च४.चा चॅर्रे हेट द हुत परि हु रूप परि हु रहेट पा महुरूप परि विदे ताबार्ष्ट्राम् कारायाचे वायह्याम् वाय्याची वाय्याची वाय्याची वाय्याचा वायचे वा

मा मश्रुम्यात् द्वार्यात् स्वर्यात् । यद्वार्यात् विषयात् । प्राप्त स्वर्याः हिम्सः विषयात् । विषयात्

देवस्यायस्य द्वाच्याया सुर्वे विवाह सेवि खुनस **ル**エ・ぬ変と、気に、いち、山谷の・フェー なる、こと、「貴い、・ しょうだい。」、 きょうない **बिंग्वेंबाबार्वीकार्ने प्रमारायर का यावार्वायाय वार्वाय हिन्यान्य क्रान्य स्वाय क्रान्य क्रा** मंकित्रयाहेचारात्रम्पानुहराकुष्राम सकिषानेराम्। क्रान्तिविष्तुः पार्षामरा णुरामान्ता धुनान्ताम्य विवासान्यस्य अवस्य विवासान्यस्य अवस्य विवासान्यस्य विवासान्यस्य विवासान्यस्य विवासान्यस स्याम्यान्त्राम् विष्यान्त्राम् विषयान्त्राम् विषयान्त्राम् क्रैदः में दे दे में प्रता कर्ष दे में प्रता कर्ष कर में प्रता कर में नु 'बु प' वस् । वु पास । पर र र दि हे 'देर क पास । पर दा न र मा स्वाप्त । पर पुर र र । ष्टु' इस्या गुराष्ट्र वस्य व्यापता प्रतास स्थाप स् रे^{*}हैर^{*}रु^{*}कणबाल सुरे^{*}हैर वैदर्शस्य स्वरं वे। वैदर्शन केंग्न स्वरं खाक्षेर्देग्य'देग्नार्षेव'र्दुगर्खेग्य'खेवा कुल'र्से श्रुन्य'र्द्यकुर्वादे हेग्द्रेग्यहरायर' चुरार्हे। विष्यारुदार्नु प्रवेदकायालाने स्थापाले देश कुलायेंबार वुदा मःबह्नेर्नाः पर्धेनाः पर्वः क्षेत्रः द्वारः क्षेत्रः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्य **५.८**४.६४.८८। नेवराष्ट्रसम्बर्गाणीतम् हेरास्टर्गा ह्रि.स्ट.मेर

दे द्वार्ट स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्

मृणुषःस्वदः वेदा संभित्तः विष्युः दुष्यः पुः पर्वदः ग्रीः ग्रुः यहरः प्रदः प्

ने त्यान्य कृष्टानी कृष्टा त्या कृष्टा ने व्याप्त क्षा कृष्टा ने व्याप्त क्षा कृष्टा ने व्याप्त क्षा कृष्टा ने व्याप्त क्षा कृष्टा व्याप्त कृष्टा व्याप्त कृष्टा व्याप्त कृष्टा व्याप्त कृष्टा व्याप्त कृष्टा व्याप्त कृष्टा व्यापत क

हैं हुं नव में मिरह क्षा व रे ने में हिंद में ख्रिन में लिया में मिरह में स्वाप में स

कुषाप्रदेशको। तुषावयदे कुरारव। पञ्चलायायवेष्वायादे वे या पञ्चला प्रबार हे . इस्रका क्रिये. के . सक्र्यु . में . प्रवास मान्य क्षा त्र . क्षा मान्य . **यम्यः हैं** है 'बेर'ल'ल**न**' यस [[क्षेन् 'क्चेंर]] द बाविया रुदः है 'हेंहें। म्ह्रेयागु के सुटावे ना प्रति कर्षा मु म्वा राय के अपन व रहत रहा मा सह है। **८ चाला हैं अभी हैं । जा की भी भी मिला मुनाया सुरक्षाया है । ला कुल में । हो स** हे<u>'बुन्य'र्</u>र्स'यळर'पर'चुर'र्हे। यट'व्यय' पर'प्य'र्घ'षु'प्रवेख'र्द् 'वेर' हे·ढ़ॖॱॸॱॸढ़ऀढ़ॱॸॖ॔ॱहॅॱॺॱॸक़ॕ॔ॺॱॸॖ॓ॱॺय़ॖॸॱॸॖॱॸॸॕॸॱढ़ॺॱॸढ़**ज़**ॱॸॕ बिषामु,र्मेशिषाध्रम्राप्यानिरापध्रप्र्राच्याम्, ह्रान्यानिराप्यानिराम् मुर्बलाचा अर्घेटालम्बा चगलाञ्चलाचा र्दादाकुरा दिरा निर्वेताणुर म्बुग्वाक्षेत्रान्दा चलार्घाक्षान्यान्दा प्राचित्राच्यान्यान् नशुटराया विष्यता है दिल्ल हैन देव दिल सुन स्वा केव'र्प्यप्र'प्रिंच शुंदर्शा श्री **५'उ**ट' क्वीय' ५ट' प्रसः प्रसः प्रसः विषय'य' न्दा भेन्यविवास्विरावान्दा लाखानुररान्दा झार्बार्दन् बेरा _ॾढ़ॱॸॖ॓ॱज़ऻढ़॔ॱॳऻॣॸ॒ॱऺ॔ऒऀक़ॣढ़ढ़ऻॶढ़ढ़ऻढ़ ॿॴग़ॣॹ॒ऄ॔ॹॎऻॣॸ॒ढ़ऒ॔ॹढ़ढ़ॴॹढ़ ΧI

本に、山(成す、口、心、致す、影、て、変な、場、しに、口(高にないが) とれて、山(成す、口、心、なない、中に、山(ない、口、なない、中に、山(ない、山)、なない、中に、山(ない、山)、ない、山(ない、山)、ない、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、はい、山(ない、山)、

लट् हेव संपद्धिन्य प्राप्त वृत्र सं देवा है। प्राप्त क्षा मु न्य क्षा मु न्य क्षे

ह्या बुष्पाराब्री खुरारु गोठु परे गांचे गया क्षा क्षेत्र क्षेत्र रहा □□□शे खुरारु ा त्त्रम् भ के हैं। अञ्चर त्रीयान में दिल्ला विष्ठ दे ने स्वार क्रिया स्वार में हैं। खिल.रें.से.के.बर.जम्बा झ.सॅ.मुैर.कर.रेचल.चुरे.मैंबरामा □□□वट. ۄڔٙ۩؈؈ٵڝڰڔ؞۩ٳ؊ڟڿ؞ڟ۪ڎ؞ڝؙ؞ڂڛڂ؞ۼۣڕڎ؞ڷڡڰ؞ٵؖڝۄ؞ۼٞڎ؞ڬ؞ڿ؞ۼ؞ڎڡۧڂ؞؞ मा देते १८० हर्म, बुरायं राखुराया गढ़िया क्षेत्रम् अत्राम् विष् **बेट.र्.ब.**ब्र.बे.के.ट्रां ट्रेंड्र.४कूट.र्.ब्र.ची ब्र.केंड्र.वेत.वे.रथर.त्रु.वक्. **ब्रेट.रे.बट.**लेल.वेबब.च्चेंबी ट्रेड.एक्ट.रे.वेट.२व.वी.के.बटा वेट.४४.. ञ्चल'दन'र्येहे' कुन'हेट'र् 'बु'र्व'हे। देहे'हळेट'र् 'निवेद'निवल'कु'हि'।पट' प**बेटशःश्रा २, अ**ष्ट्रब्याची वेदायाया चेटा पराने प्राप्त के प्राप **ॅइरर्गे**रासुरहा र्ङ्गेरनुमार्निरविदा नुमानुपर्नुपर्नानासुरा इता देवसालतात्ता वित्रकाक्षेत्रका नराष्ट्री वर्मादेवा **धैरानु पुरुष यह प्रहार विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठी विष्ठी** <u>चैरःढ्राम्कृता पर्देरः चै</u>दाप्देदः मदेः केरः तु। नुः सम्सायः नमेः ब्रह्म महिर्म् प्रवासि मिट्रिया सेट्रिया मिट्रिया महिर्म महिर्म प्रवासिक स्वासि हिर्म प्रवासिक स्वासिक स्वासि अ.संभ. (क्रि.) कि.मंबूब.ल.मंट्य.चर.चंबुंट्य.श्रा नेट्य.हे.युट्ट.कि.मंबूब. लारखटानुमानबिदयार्थ। यदमा मुनारद्यायही हेव पु वु या देही प्रवस्ता **ॻॱ**ॿॖऺॸॱ**ॴ**ढ़ॕॺॱय़ढ़ॱक़ॖॆॸॱॸॖॱॿॗॎॸॱॶॸॱॸड़ॎॺॱॸ॔॔॔॔॔ॸॸॱॺ॔ऻॎ ॸ॔य़ॸॱॾॗ॔**ॴ**ॱॿ **ढ़ेद**ॱय़ॕॱॿॣॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॻॱय़ढ़ॆॱॴढ़ॺॱॺॖॖॖॱक़ॱॶॖॺॱॸऀज़ॱऄॖॺॱॸॖज़ॱॸॖॱऄॱॶॺॱॱ <१९ देवान्यास्य त्राच्या प्रत्या द्वाच्या स्वाच्या स्वच्या स्वाच्या स्वाच स्वाच्या स्वाच स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स् य.र.चे.के.के.व.पबुटश.बी.वायूप.पूर्वा पपालेक.2.डे.वा.डे.च.ही [वि.

्रिःक्रें प्रःशः विष्युष्यः प्रःष्यः विष्यः विषयः व

चिर्रा रे.प. क्षथ्य. क्ष्रिया च्रुच्या च्रुच्य

ते व सः स्टाव्यस्य स्याम् स्वायः स्वयः स्

महेराचु पुत्रामामहेराचु वासा महिराचु राज्या दे १ इसस ५ निरंपा सम्मिष्ट सम्मिष्ट सम्मिष्ट में प्रेत्र स्थान त्रेन्यः प्रमात्रेन्यः प्रमात्रः प्रते । स्रोत्रः प्रमात्रः प्रमात्रः प्रमात्रः प्रमात्रः प्रमात्रः । प्रमात्र विषयः प्रमात्रः प्रम **२.वी सू**धु, युवातपु, ३८। प्रीयु, कीषात्रा, ॐथटवा कीया पश्चा निवाय राजा औ बु'करॅन'रणर'मॅ'ड्वेद'रबर'मॅ'नबुब'ड्वेल'वर्ने'हे'सु'ङ'मठेन'यब'कुल'''' <u>दंदुः ७ तथालान्ये वश्चात्रियाः वशः वशः क</u>्षलः द्वाः कृषः त्वाः व्याविदः कृषाः वश्चाः स्व निट्रारि, क्रिंट, क्रिट, टिप्रु, एड्डा, प्रिया, क्रिया, क्रिया, क्रिया, क्रिया, क्रिया, क्रिया, क्रिया, क्रिया मुर्वनागुटा गुरु भेना बेराद वा के खूटा यरा गुरु है। दे व वा वयेद करा नाटा है। कुलर्माद्विराण्ची नादुनालना निस्तर है दें हिरायर खते तहेना हैन कुंगिनसम <u>सु'कुस'यर'पञ्चि</u>र'वी'दर्श'वाबुवाब'बाठेवा'ग्रुद'क्वेस'सेवा'बेर'वब'से'सूद'यर' चुराही दे वया पुँवाया प्राया है । प्राया के व्याप्त व्यापत व्या ॻॖऀ**ॱॴ**ढ़ॖ॔ॴॱॺॴॱॺॎ॔ॱढ़ॸऀॱऄॗ॔॔॔॔ॱॴॶऺक़ॱॻॖऀॱऄॣ॔॔॔॔ॱक़॓ढ़ॱॻॕॱढ़ॸऀॸॱॸक़ॱक़ॗॖक़ॱय़ॸॱय़ॷॖ॔॔॔॔ॱ मी। दर्राम्बुग्याम्बेग्रणुदाण्चियास्यग्राचेरावयास्यास्य द्वाराम्या मिल, सूर विराग्नी मिर्द्र मी राजनी निया र प्रते मुद्र र हम् या राजना स्था पशुरानी। हरें म्बुन्यानिकन्गुरानीका विकासी स्वरायरा सुराही। दे **ॻॖऺॴॱॼॖॴॱॻॕॱॴॱख़ॖॖॖॖॖज़ऻॱ**ॸॖऻ॓ॱॱॱॿॖॴॱॻ॔ॱॺॕॗॎॖॸ॔ॱॹॗऀॱॿऻढ़ॖ॔ॿऻॱॴॺऻॗऻॺॸॱढ़ॎॸॣऀॱॴऄढ़ऀॱ

देवबाक्यान्यवापरावरवाचरा है का नरावयाता द्वार हैं व के हारा पर्टरमा झान्डेना विष्ठ्र चुन्नर्पार क्ष्र चुन्नरमेन व्राव्य स्वर प्राव्य स्वर चुन्नरम् ॡॺ**ॱ**क़ॗढ़ॱ८८ॱॺॖ॔ॺॱॴॺॱॺॺॖ॔८ॱय़ॱक़ॗढ़ॱॺ॓ॱॺ८ॱय़ॱॾॖऀॴढ़ॎऀ८ॱ। रॱॺढ़ऀॱॴढ़ॖ॔ॴॱ लन्। वित्र हुं दे दे दे वि देन देन देन विषय विद्या विवास देन विवास देन निद मु 'ल'र्सन्य प्राम्द्र 'निव 'र् 'चुर्य स् । यद 'वदय'य' द्याद यदयाय द्रा अर्केन्यते सु के प्रतु पुन प्रता क्षेत्र में केत्र में क्षेत्र सुन रहे का स्वाप र्व, सं. तं क्षे. तं ऍन्'स्र'बेर्'मर्रे'र्यूर'मर्रे'सूर'मर्यानेर्'मर्य'ह्न'र्रे'र्युर्य'म्बा <u>| १</u>८८ **र्वेन'ने'वे'र्हे'ह्यु**'सम्बरम्बेन'व'रे। ष्टिन'ह्यस्य हेरे'ध्वेर'युन्याह्मार्यर' <u>च</u>ुेद्रचेर**र**्रा अर्केंद्र'न्ऑन्'नी्सु'कॅ'क्सस'द्रारी क्षु'क्सस'न्दर [मिट 'र्-ु 'ह्युव' परेदेव' मस्यस्य 'र्च 'द्व' द्वे स्वस्य मा केमा गाट 'सेट् 'ह्येर। **बे'र्रम'म्**र्रर'द्वायं प्रतःमी' अर्षेत्राद्वायर क्रिंप्या प्रतःम्प्रायम्

ने व ब कुल र्से ब स्ट्रामिडे व सिंप्स है व स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स कुलः चॅते खुन्बर्न्नेट्बरङ्गेट्यरङ्गेट्चर्ट्रिटर्वर्यद्रयम् पुरुष्टिर्युरर्द्रा मः ठवः कुै 'से ससः ठवः कुै 'खुन्'र्नः सळेँ र्'मः कुै र्'महै है वः हिन् सः मः र्ना **बना**ॱसॅतेःर्सुनाबःब्रब्यःउन्ॱत्ज्ञैनःयःविन्यःर्स**ःईन**ग्नरःनरःनुःनतेःसुरःसुः र [मदारदे क्रायर मुखा के ना के सामार कुराया है। सामार मा के ना हि । 디오오,퉱,디세 폪어,딙,너,닭,냠ㅜ,디皍,⑥如,디세 • 莭어,됬쇠,디네스,옭어, ष्याःकुषःभॅ'८८:८८:पटःढेवःभूवःभंद्रवशःकर्'पुवःष्ववःम्रहः अयर,४ व्रिच.वि.च.२४ .की.वीज,विश्वअ.वी.वी.विट.चवी. ६.चवी**्.** न्त्रायर वर्षे वास्वारन्या जाये ने वा वर्षे रहे वर्षे रात्वा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व **दे**ते.**ना**ळेंब.नवर्टानट.हें.अर.नळेंब.नेब.पर्याच्च.पर्याच्चेंट.हें.हेंब.नेक्.नेक्.ने **शुँ**८'मर्दे **गर्दे** ५'श्चेुद'केद'र्घ'महेरःग्चेु'स्वायार्थे ग्रायायदिहरू से न निर्मा में से ति करावे बानिता करें ने की बात है अवसा करें ने ने बात है निर्मा पर्पाया वरामहे प्राप्त प्रतास्य प्राप्त स्वास्य प्राप्त स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स ला(क्वॅंर)क्वेंरल्मं ने नेप्तल्वं मिलेन्ब्रामिले मित्रामुत्रामुरासम्बर्धाः

त्तृतापः भेष् प्राची हरे विस्ताप्त क्षा प्राची क्षा भी प्राची है । त्रुहा ८८७ किप.पित्रश्र,श्रूप्त,श्रु,प्रदेश,क्रुराचे,पष्ठ,क्रिरा**ण**,पा.क्रीटाजू, रुष्ट्राहराष्ट्रेरान्याकेषाणुरमानेन्यास्यान्यानुही। देग्वसुदानदेग्रीन्यम्यान्यासुवासम् ठव'रु'अष्ठुरी'मिनेर'स्रि'पर'पुर्दे। दे'वयाअष्ठरी'पव'स्नास'न्द'स्रिकेद'प्रीस' ૹ૽૾૽ૡૢૼૼૼૼઌૹ੶ਜ਼ਸ਼੶ਜ਼ૢ੶ਜ਼ਲ਼૾੶ਖ਼ૢਸ਼੶ਗ਼੶ਸ਼੶ਲ਼ਜ਼ਜ਼ੵ੶ਲ਼ਜ਼ੑਖ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑਫ਼ੑਜ਼ੑੑ੶ਲ਼ੑ੶ਜ਼ਸ਼੶ਜ਼੶**ਲ਼** मुर्दे। देखस्य उर् ग्रे क्रिया समुद्धा दिन वित्त कर् क्रिया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व
 म्या
 म्य
 म्या
 म्य
 म्या
 म्या
 म्य
 म्या
 म्या
 म वर'वु'वरि'क्वेर'म्'प'त्वअ'य'ठब'८्ट'बे'रैट'वर'रेब'्वॅ'केरे'म्हेर'स<u>्</u> मुर्हे। र सह दीन र तान् मं पान द सह द र पा मुन्त के कर पर मुन्ति मुरा र्सम्बर्धान्द्रसः स्वारं विषया विषया प्रतानिता विषया विषय भ्राप्यक्रमान्यात्ता कारावात्रमान्यात्वात्रात्यात्ता भ्रीमान्यात्रमा न्वव नुः नुः न्वन् वः विष्टा प्राप्त । विष्टे स्वा खुः हेन् नवः नु नुः निष्टा वा विष्टा । ५८। ब्रुवायार्मायायर कर् के र्वेटायायार्थेन्या के स्याप्यस्य उर् के त्युटा पर्टा वेगवर्त्यु र्वेगर्ट्यायहै धुरर्दु ख्वरास्याम्यायस्यः मुन्ना भ्रात्वे विष्याचा स्वास्त्रात्री देग्याना स्वास्त्रात्री स्वास्त्रात्री स्वास्त्रात्रा स्वास्त्रात्रा स रटः। विष्टावयः हे 'वेर' प्रत्यार्श्वेरायं रटः। दे 'ल' श्वायं प्रायदः रिंग्यापि ' केसरा ग्रेप्स मिरिया दीस १८५ मा है। हिन स्वार से साम्य स्वार विवासी टे.यज्ञ. २८.किट.र्झैल.तज्ञ.र्झैट.त.सू.विट.टे.प्रींटु.धेव.क्वेचळ.कुच [[चार्चवः... **ब्रै**वॱॻऀॱहेवॱख़॔ॻॺॱॺऀॻॱॗॗॱॸ॔य़ॎॱॿॖॱक़ॕढ़ऀॱहेवॱॻॖॱय़ॱय़ॱॺ॔ॻॺॱय़ॱख़ॸॱॸॖ॒ॱय़ॻॺ**ॎॱॱॱॱ**

चॅत्रे कर् प्यत्र कुं प्यत्र पुं प्यत्र पुंत्र व्याप्य प्यत्य प्यत्य प्यत्य प्यत्य प्रमाण्ये प्रमाण्य प्रमाण प्रम

णटः] द्वारः द्वारान् ट्वारं व्याः विचार् व्याः विचार् व्याः विचारं व्याः विचारं व्याः विचारं व्याः विचारं व्याः विचारं व्याः विचारं व

 「中央、
 中央、
 <td

ब्दः नुष्ठिः दरः हैं कार्चेष्या देरः कुषः प्रहे कित्रा थुषा प्रदेराया हु । वदःवःवेदःयःवदःवदरःबेदः अध्यः अध्यः कवःणे वदः नु वत्यवः व्या म्बातियाः भ्राप्तितितियाः भ्राप्तितितित्ति । भ्राप्तित्तितित्ति । भ्राप्ति । भ्राप्ति । भ्राप्ति । भ्राप्ति । देर बिद केया है 'कुष विदेशिद ग्रीय प्रिंद में हैं दि प्राप्त के प् व्रवःसंग्वरु र्वुम् संकी पित्र में स्मिन् हिराव्या अस्ति। अपित्र मार्थिया ลำนดิสาธยานัยสา ลำนดิสายรัฐานาฏิสาคิ**ๆา**ธิสานๆคาลูลารั้า ลัฐา संर्वत्रकारीकारणात्रायदेवर्ग्यमुकायात्ता हिर्**क्षा**विरायदुवरणावेर्श्वताकावेर मादान्यस्यसाने मुलार्या तालास्या सुन् होता सुना हिना मिदार्यस्य गुटानिसर श्रीयायाची प्राप्त व्यास्त्र व्यास्त्र विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विषयाची व र्। [अट.पव८.] मि.लैथ.लट.पेश्चर.श्रुप.थ.चे.पेट.पर्श्वथर.टे.केप.त्र.ल. द्यनानुकानकेरास्यावकाकुका क्रेरारी देखका कुरार्वेद खया वर्षा स्र निष्ठना विरावर्श्वरवारी विदानी भेदान विश्वरामा विश्वर केरें विदार विश्वर विदार विश्वर विदार विदार विदार विदार ल्चायः[[८८,र्षे.]]४र्तेज,रे.र्बंट.ख्याचयाक्षे.विट.र्षेटावटा४र्तेज,र्बंटावे.त्य.. चीचाश्वरश्री

अट.पर्संब.धे। विट.क्य.श्रंथस.रेत्तर.श्रट.त्र.४विट.त्यर.४वीर। । ट्रे.४स. निर्टः रवकावि विक्तास्ति । । अर्थः क्षेत्रे चिटः कृतः सेयसः निरः त्वृत्। |देवकादेख्याचुताक्वाक्षेत्रकात्वाताक्षा ।तसन्यायायदेशन्तः वनाः कुलः मं केद्रायाः विद्या । क्रियः पद्धिवः महिनाः समाप्यायमः केद्रायमः मा प**्रे**च्या । अञ्चल 'क्विंच' कुल 'चिष्ण 'चिषण ' पढ़ी'अळअस'पकुर'गुर'ल'र्धु'विल'सुर्। ।कु'यर'प्यर'अहँर'र्स'ळस थट.च्.पच्चिर। विष्याताके.विधाविराक्याश्रवश्चाराधा ।ज्ञान**४**.थटा <u> च्यात्राक्र्याम्यात्राचेत्। । यत्यामाय्याम्या</u> रन.२.वे.वेर.४४.८म.४८४.कु.लट.४९मथा ।न्राक्ष्य.४म.०४.मी.र्घययान ละานัาดบูะา | ผูลาลัการัสาทูบารับาลลา^{*}ผลทีาดสลลา^{*}ผลกานัา **हुरा ।**ट्र.केर.क्र्य.क्रुंट.क्येज.त्र.क्य.त्या ।त्र्र.ध्यट्य.तट्य.क्रुंट.ट्ये७. महे क्रमाल क्रिया । क्रियामहे अहर क्रियास्य स्वाया । स्वत्य स ॱऄॕॖज़ॱऄॖॖ॓ॖॖॖऻ॒ऻॸॖ॓ॱॺॖॺॱय़ॖॸॱक़ॖय़ॱऄॺॺॱॸय़ढ़ॱॺऻॖऄॺऻॱॺॏॺॱॻॖॸॱऻॎॺॸॺॱक़ॗॺॱ <u>.वीट.कीत.क्षथ्य.टेराष्ट्र.पर्ह्नट.पर्ह्याय.पर्ह्नी ।यट्य.कीय.पर्ह्य.त.पर्वेट.</u> ॱढ़ॊढ़ॱक़ॖॹॱय़ॸॱऄॗऀॸॱ। ऻॎॶॱॻऻॿॖॻॹॱढ़ॸऀॱय़ॎॱॿॻॹॱॺॕॻॱॿॖ॓ॸॱय़ॸॱढ़ॻॗॸऻ*ॱ* देहे ख़ब खु चु ८ म चु ८ छ ८ के बब ५ ६ म हो है । जु है । जु है । चु है । दे है । विकास के स्वाप्त के स्वाप्त के कुल'मॅ'बन्'मॅर'९चुर। १रे'सेर'मर्५'रेनल'वन'मॅर्ल'कुल'मॅ'रेबा । व्राप्तिया व्राप्ति । व्राप्ति । व्राप्ति । व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति । व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व १ वर्षः स्टरं सुरः स्वरं त्। विष्यं स्पर्तः सुरः देशः प्ररः सुरः वद्या । प्रवसः वेर

न्तरःच्रुवःचार्त्ववःचार्ववःचार्ववः।
।देवेःविष्यःचेश्वरःव्युवःचार्ववः **दबा** । में ५ 'ल' महें ५ 'टा 'टे ५ 'टा 'ट ट्यू ६ 'टा र 'ट चुरा । दे 'दं ब 'मदब' खे '५ 'मर' म्धु-बैलानधु-ध्र्यात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तिया दे.लुब.ट्यांच. तूर्व. क्रियं वा क्रियं क्रिय ชพฆ.ช 2.ภูพ่ เพิ่ง. มุ.น2์ 2.ภู. สิ้นผ.ภู. 2 ถ้า. ถืน. ชพ. बेबबर्द्यते कुलर्स्य महिष्यं प्रताति । यहिन्दि कुन्यराय महिन्दि मार्थितः मरात्युरा ने व वावना में है प्रेनावा व वान्या युवान स्वा । बार वा सुवान स्वा नःभुदः नृत्यः सरः रत्तुरा । नाद्ध नः सना । नार्यना । सदः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः । र्ने पः श्वेर्यायम् प्रति प्राप्ति प्राप्ति । |ह्रैन'प'र्ह्युर'श'येन्सर ॄ महे नु न्यार हेर। निर्मेव या प्रसम्ब र र र र न्या मार मेंव या र स नु । <u> पद्वाप्यमापटाणुवाधुमवादारामाणुरायगुरा । व्हिंबायाद्वयवावे ययाप्रेरायवा</u> [[P.T.]] 351 | 124.5, \$\angle \angle **렬**미점'靑최점'두자'디자'유밀자! |저드점'퓝점'디링적'디링적''왕저점'쮨두'밀자'디'頁| | वर्गः र्यते 'धुँ नावा कुवा खुवा यरा त्र शुरा तु । दे 'र ना 'तुवा खुर सु ' न इनवा तर है । **इसरागुरा ।रे'र्विग'**वय'स्र्विंगिवेर'र्नु'ग्रेर'हेर'र्सेसा ।कुल'र्सरेरे'हेर' घःमःभै 'दु 'दगुरु। । दे 'स्रसः रेटः दसः यग्रार कर् 'द्यु 'र्सग्रः 'ग्रैस। । हेतु ' ८वृत्। । पठ्राक्त्रसम्बर्धात्रम् । स्राह्मसम्बर्धाः । स्राह्मसम्बर्धाः **९वास्, प्रमान्य स्त्राच्याः ।** ।४वी. क्षत्राः भ्रीटः पिट्यः ७४. खेटः सैनायः ४ थयः प**ष्ट्रा** ।ॐग्रस'त्र हैंघस'त्र ॐकर'तुस'हुप'स'रहा

च्रुनःकरःकुःक्षेःक्ष्रंकाःबेदा। विदायदाक्षेःबुदासुःबोःयदार्घारुष्ट्वदा। वि**दे** म्द्रिन्यट बुट रहे क्रयायट दुर वृह्मा विमेट में शुव रिन् के खुल प्रकार **เก.ผูชโ เลื้**อ่ช.ผู้ใ.น่ดะ.ชิชช.ชนี้.นชี∠.ชู.บ≡ะ.ชู้ไ โชชบ.**ዿั∠.ชะ.** ्रेट.(बृ.प्रत्यकाश्वर.,टे.प्रतिट.। ।शक्तुब.क.रेट.तथ.मीथ.क.शक्तुब.फ.र| । <u>२च. ह्य. व. १८ व. व. १८ व. १</u> ब्रेट.क्र्याच्रियस.ब्रेचा.तथाया च्रिट.४घटय.येथयराज.च्राचटे.क्री.क्र्याय. त्वुटा । दिवस्य वटा से सम्प्रान्य प्रमुद्राय है से स्वार्ति । है पा दिने त्तुव स्ट मार त्यु द प्यतः त्यु स्। वि त्या यु द त्यु स्थया द यतः स्था स्था *भु*ॱम्, व्याप्त त्राप्त त्रेष त्राप्त त लनाम्बरक्षेत्रक्षेत्रा । द्वायत्रः श्चित्रमाळ्यायवेषः मुत्रायरायणुरा । देर वसाम्द्रारम्याञ्चलामहेगम्या । हे हि दिन वसाद्या अस्या ञ्चर'दी । पाव वात्यात्रवार वात्रक्षर व वार पो तर्व र पे र ता हुँदा । पाई पा लन्। विष्यात्रात्र विष्यात्रः चुन्यान्तः। विर्मेद्रायदेः नव्यवातस्य न्यात्रः विष्याचेन्याः त्युद्रा । सर्वेद का भु रहेद स्ममाया र्वेदा न्येत्। । द्रिन्द सर्वे न्या न्युमा की रहेदा लामदाईदावुदा ।गुःरुदानङ्गवायायानानविवादुग्यात्वनायरात्रगुदा ।देः नियावता । भुरत्यभा श्रीरामाञ्चरम् अस्ति । भूतामायसमा उत् Rदे'न्ट सुव रॅंट मेन्। । सम्मिषे रहे प्यट मेव रहु सुवायर रहणुरा । किंका मुव'के'र्म्'प्रद्यात्रात्वात्रा । तिर्दे'र्टःतर्परे'के'र्म्

द्वेणसःसुःसुःरुष्टिन्सःसह। ।८गेःश्वेटःचुःश्वेःम्द्रेनःसःस्यान्त्रेनःरुचुः।। विट. छ्वा अभया न्यारे, मिं में या सुवा सरा स्वा । देवा छवा पावार में खेया सु <u>चनकामानेका । १८५ था अळे</u> ५ मामक्षेकामणुराकु केराब्रह्मा । क्षेरामासुर 5ुं रें अ में 'छे न् यर 'त सुरा । ने 'नु अ कुल' में 'र्ल न 'ग्री 'अवत 'ठव' दी। । छुं र **ढ**नःबेबबान्यराह्यंबायकृत्यारचुना |देश्वाचुनाखनाकेबबान्यर महारेगा । पञ्चन सामासुका स्वास्थान सुका निर्माण । सिविया पर सुना प बर्द्रवासराम्झवासाध्या ।रेन्यानार्द्रवास्वानार्द्धवासाध्यानार्ध्वासा भूग्नुवाबादि त्यावळूर् देत् स्वाप्तात्वता । पश्चेदापार स्वदास्य स्वाप्ता याचेत्रायरातचुरा । (तेरलेखा) यञ्चवरया भेवरतु क्वावरमा । तेतेर श्चिमः मर्ख्यायदेव पद्वावराया । प्रमापकेव प्रमायायहेव परि सर्पात्वा तिन्तान के वा निवास के ता अकें निवास ता स्वास के कार का निवास के का निवास के का र्ने प्रकेष र्या विष । विष्ठित से समार्पार रहिल है । विष्य विष्य विषय । मणुराचेत्रायरातचुरा ।देगम्बेदाचुराख्याक्षेत्रस्द्रायासरायाः क्रुँहा। रे'व्य'रेण्य'य'श्चु'विट'श्वट'प्य'श्चु'प'भे। ¡क्वॅंप्य'क्यस'दे'व्य'यापरे'सूर' बारहा । दे व बार्यार प्रति धुनिबाइ बबाय बु छुट बिटा । वित्र ग्री देवा बा ण्वे'नहेर्'के'दिर'र्हें नम'णुर'के'न'र्रा |त्म'म'के'दिरमपु'पर'के'न' ५८। । अस्व नेयासास्य स्वाबितामनेव मही त्यारा मारा सामा **ढ़ॖ॓॔ॻ**ॱॾॖॺॱॺॸॱॻ॔ॱऄॗॸ॔ॱॻॸॱढ़ॻॗऀॸऻॱऻॺॸॺॱॻॖऀॺॱॻॺॢढ़ॱॻॱढ़ॎड़॓ॱक़ॕॺॱॺॸॱॻॕॺॱ

न्युन् ।त्रःकेदःकॅसःखन्यस्यार्यःङ्गदःयरःचेत्। ।ह्यंन्सःधेदःकेर्य**नः**तुः **स्युः नरामे ।** अन्यम् स्याप्त । युन्य । युन् मदेव'याष्ट्रप्राचनप्रवन्नावी सिन्नप्रमाताष्ट्रप्राच्यारम् नाम्याचेत्राया Rgr| |gqaa,gt,tda,gt,dx,gt,gt,ct,tc,| |@.at,gt.at, हैंब.चैंच. बुर.च.रेट. ि विट.ब.च हैंब. पधु.है.लट.बट. तू. ४ चैंटा विष. पर्यात्रामिश्वर्यायम्यायस्यायस्यात्रात्री विष्याव्यायञ्चरक्रिया **पर्या**तायविदा । अर्ताराक्षेत्राहरास्तायाविष्यात्वे । देरक्षेराक्षेत्र [अना]हि [अना]रे पाहि छ अव भिन्न निता । हे खु तिव स्नाहि खु निव यः त्वृतः। विरःग्'र्वृष्'यः अतः यः वृष्वा सः (यः भी विष्ठ्'वृष्ठः अतः यः वे**तः** मॅ्टॱॾॣॕॱढ़ॻॖ॓ॺॱय़ॱढ़ॻॖऀ॔॑॓ऻ<u>ऻॸॱ</u>ढ़ऀॴॱढ़ॕॗॱॻॖॖॴॱळे॔॔ॸॱॸॖ॔ॴढ़ॱॺॖऀय़ॱ॔ॿॴॱय़॔ॱख़ॺऻॎ रदःनी' एका त्राप्ता में द्राया में द्राया त्रम्या । व्याद्रव्या मान्या में नायर नुन्-पःश्रमा ।पम्नःस्निम्सःसुः ५८ द्वा<mark>नाः</mark> सः राष्ट्रीः। ।र्नाःस्निः R틸드! B 5. 대소. 음. 네. 음. 다. 美 네. 대소. 클 신 B 1 1 2 대 4. 요호. 네. 夏 신. 다. 클 신. 대. त्वृत्। ।श्चर्षायाः वृत्याम् त्रस्यः न्याः ठवः पुः वृत्। ।श्चर्यः याः द्रस्यः याः वृत्यः <u> त्राच्याक्षरात्री । ब्रिटाल्याक्षरात्रम्यात्रेयात्रेयाक्षराञ्चेत</u> । तिटामान**स्**यर महे क्या की मिन्या ने प्राचित हो । विवाय स्तर क्रिया क्रिया क्रिया मिन्या मिन्य मुरी । ५५.कि. मुर्थ, १५.५१ मा १६. मा १६. मा १६. मा १६. मा १६. पपःर्द्वलःब्रह्मा त्रहेः [यपः] इदःल'खेः विषातपः देवः हेरा । पर्नुः ॻॖऀॱॾॕॖॱऄॗऀॸॱॻॖऀॿॱॻढ़ॖॻॺॱॿ॓ॸॱॻॱढ़ॻॗऀॸॱॎऻॻॸॖॺॺॱॸॻॱॿ॓ॸॱढ़ऀॸॱॺॕॻऺॱ[ॗढ़ॕॺॱॗ

बदः मं ज्ञा । मान्ययः हमा चेरावया सुर्गेमाया मान्यः हमा क्षेत्रा । ने प्रस्यम महे कुराय बुनाय सम्भेषा । छन् बेन कें कुन कें कुन सम्बुद्धा । स्ट षेत्रचा, श्रेचका खेटा रहित्रा सका क्ष्या खेता का श्रीता विदेशका विदेशका विदेशका विदेशका विदेशका विदेशका विदेशका बट. त्र. ७ वैरा । ब्रूर. ७ तथा व्याप्त का क्षार का बरान र ब्रीता विष्टा प्रवास परिष यर के निष्ट्र हैंनाय हैंना निष्ट्र हैंन विष्ट्र क्षा देवस तर निष्ट्र हैंना विष्ट्र हैंना विष्ट्र हैंना विष्ट्र **อิล.ก**ษู **. ๛ูล.**ผูล.ละล.ลู.ซิ.เติม.ฮะไ โพ.อิน.หื่ช.ปือ.ชะ.อิ๊ะ.とมูล.ฆฺ. वेमा विदायमान् वार्षाके वार्षामान्यामान्या । निदायवायस्य वास्यायस्य ममाञ्चर वेमारम् वमारह्या । निनारनेमान्य क्रास्ट विकासिन ৫য়ৢঀয়৻ঀৄ৴৻ ছিঀ৾৻৸ৼ৻ড়য়৻ঀ৾ঀয়৻ৼ৾ৼ৻ড়য়ৄৼ৾ঀৢ৴৻ ঌঀ৾য়৸য়৻৸৸৽ঽঀ৾৻ इनाबाला हिन्या हेन। । नवा ह्या प्रवासित्या विषया व्याप्या हिन **ॻ**ऄॸॱॾॕॺॱॿ॓ॸॱढ़ऀॸॱॾॕॺॱय़ॱॸऀॺॱॼॸॱॻऻढ़ॕॸऻॎऻज़ॱॳॺॱॼॱय़ॕॺॱक़ॗऀ॔ॸॱॺॱॻॺ॔ॸॱ मानुना । तारान्याचारा अपूरा सम्माना । वार्ष्ट्रवारा । वार्ष्ट्रवारा । वार्ष्ट्रवारा । वार्ष्ट्रवारा । ॳॗॸॱढ़ॸॣॕॸॱॴख़ॖॿॱॻॱॹॿऻ<u>ऻॿऀ</u>ॸॱॻॾॖॸॱॵढ़ॻऀॹॱॹॿॺॱॸॻॸॱॵढ़ॎऀ॔**ॺॱ** मा । ने न्या अर्केन हेव मिर्या प्राप्त । विषय नि स्था रमःलेरदेयाची । सुन् वेत्रान्यायायेवासेन् उत्तान्त्रीता । व्यापक्ष्या पर्नेन्द्र र व्हुल पर र वेद पर र वृह्म । दि दे सिन् परि केंद्र साथ हुँ दिया **मेवा** । पक्षेद्रम् गुराञ्च ग्राञ्च तर्दे प्रम्य क्षेत्र स्वितः स्वाप्तः । १८ व विश्व स्वाप्तः स्वाप्तः **८वैर। विष्प्रवित्यः १ समार्यः ८ मा १ समार्यः । क्रियः प्राप्ता** १वसः प्राप्तिकाः विकासः वि ल्मॅर्स्स्म् । पर्दुव्यादिःक्रॅंब्रःम्ब्रंम्व्यंव्यविदःपञ्चित्रःपः [[म्लरं]]। देरत्रदृतेः

ढ्ल'त्रॅंब'चे्द्र'मित्रंबी ।द्द्रह्मार्स्ट्यार्च्य्यार्च्या पञ्च। ।रटः क्रेन्'रव्दं तर्मेर'रटः वीवातवेदा । [[पन्दे पति स्वः र्ह्येन् पवनावः]] ल.र्ज्ञचाथ.पर्वय.चर.वय.र्ष्टल.व्रियच ४४४४। जि.ज.क.जीवाय.२४४मूर.कूट.८८. <u> चि.ब्रुचेथ.वेटी । क.लिचेश.चवट.ज्ञ.क्ष.भ</u>ेंब.हेब.ब्रूट.वेटी ।क्रे.क.**य**टस. मुस्याम्ह्राव्यान्यात्र्याः ।देशाम्यायायाय्याञ्चात्रायाः त्वृत्। वित्राचुरायद्गृदायः देवः वृत्वः तहेषायः तरावृता । सुद्रः देवः वे न्दराहनारहर्भे इसरान्द्रदा । ग्रेंग्सर्भे प्रसाधितर्द्वनामा गुदा । सेसरा **है**पस'स'ब्र हैंल'प'स'कुर'पर। । षट'८व'८वे'परे'परे'परेश्व विहे '८स'प' क्षेत्रा |देशमासुरसम्पर्कत्यसम्देशसम् । युगसमीसम्पर्मारसम् ब्रिंट.पंटु. ईया श्रारचंटा । श्राक्षां पारक्षां प्रमाण्या विषय विषय बहूरी विषापकुरस्टारेचटाकुरानबार्थाकुरान्तिरीचेतवा रिट्बर्स **र्वे प्यत्रामान्यात्रे वार्के वारके वार्के वार्के** 「A、XXXX 전기자 | 전기·전시·천기·다·오ુ드·디자·시작·드리·전드·디자·저본디 I <u> ग्रेंब, ह्ना क्रैं , एते ब, पट्टेब, पबा, ब्रेंब, व्रिव्य, क्रूंब, पा, व्रेंट बो । पट्टिंग, प्रेंब, </u> **ब्राची प्रिम्ट.**पप्राचीबकारीचीका ब्रूट.खेट.ट्रालाक्क्षी.चट.कुबा प्रिम्.च.था G**ਜ਼**੶ੑਜ਼ਲ਼੶੶ੑੑਜ਼੶ৡਜ਼੶ਫ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ਜ਼ਸ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ੑਜ਼ਜ਼ਲ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੵ੶ਫ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ਸ਼ਜ਼ਜ਼ੑਜ਼ **९**८.। । विर.केप.युषस.रेपध.पध्या.त.ष.१षस.बिरस् । क्र्या.पीय.रटा पर्वेष र्श्वेष प्रताम में भेर र्श्वेष । दिव र तथ गुव स्ताम देव महिला चुन RETT THE IB' 245' BC' & C' NA'N' & C' LT. A EC! | B A' NA'T LT' 3

विदायहार्ष्ट्रस्य वहरानुवा । स्टार्टा ह्युरायाया १ वसारी १ है र वसायायाया सर्व खुस सु के निया **सुँद पा सामहित पारा** । यह मीहार हिता सुहार सा रदःशेबशःहदःधरःश्चित्। । धूँदःश्वेतःक्षनाःशःवादेवःक्षनाःक्षाःसरः <u>र्ब</u>दा ।ळॅस.इलस.पा.स.स.होर.टे.१९८.ट्रेनस.तर.ब्रुटा **।न**वब.प.ञ्जे. पर्सुरःसंपर्देगसःस्रःसे**स्रः**प्यादान्दःहुन्य। ।क्रसःह्रवसःपवादःस्दःसः त्वेत्रिक्ष्ण्याः विष्याः ।देर्द्वर्ष्वर्षाः विष्याः विषयः विष मंवित्राक्ष, ४८८, त्या. विताक्षया वित्राक्षया वित्राक्षया वित्राक्षया वित्राक्षया वित्राक्षया वित्राक्षया वित्राक्षया पणुर मुद्दा पर त्युरा दिव का पहुंदा परि श्रुव का दी । हिंदा पा दे करा मुक्त র্মন ক্রিন্ম বী । নিঝ নে অন মের নির্মীর নির্মীন নির্মীর নির্মী । নি বিল্লাম बटाब्बामङ्ग्रेदायणुराकेराबह्दाया दिनेर्ग्नेटापुराकुवाखेयसन्द्यायकेदा त्रु। । ५२. हुर, अळ बया स. भे. ८ विंट्या त्रु। । व्याया क्रिया प्राप्त प्राप्ति इत्पः८पुँरॱकेवॱयाषी ।श्चेवॱम्यायहर्पयहे<mark>श्चेयापुःरवायाणेवा ।</mark>बता षटः पञ्च रः बिद्रः पञ्चेषः पणु रः द्वायः सहित्। । दे 'द्वापञ्चेषः वेदः पणु रः यः केद'र्घ'यहर्। । हे 'धुर'रवम्ब'यहि मार बमा 'धेद' दे। । यह यम्बर **८मः** [लः] अह्टायास्य में अह्टा । त्यम्यायाम् वसाय दे स्थायह्ना देशे क्षेत्र द १८६ र इयस १८ या न १ यह १ या ६ १ या १ वि १ वि १ १ वि १ यह १ या ६ १ य वनाः इञ्चरात्रपुटः (बेटः। । ८ विंदः वै १ वे नवः सरामान्यः स्वरं महारामान्यः । **४ूँव.तप्ट.भी.पा**ञ्चेमाब.८६४.सी.पाखीमाब.त.२८.। । ४.म्.लूब.२४.०४.०८. **८९ै'व'र्भेन। ।४**'रे'र्४'र्भेह'मदे'लळेना'[[रह'पुह']]५६'। ।१ूँ'कु'रेव'स्' **के'ल**८'९६ै'व्'ऍ८। १५ै'रेहे'न्८स'ल'८्न्'पर्डस'स्'प्रकु'ऍ८।

हैते हु ज्या रे में दे त्या जेंदा । मन्व हैते तक संबाह्य व ज्या दे तथा जेंदा । <u>ॼॖ॓ॱ२॓ॱख़रॱढ़ख़॒ॱख़ॖ**ज़ॱ**क़ॱऄॺ</u>ॗॱड़ॖॖॺॱॸ॔ॸॱय़ॕॗढ़ॱॲ॔ॸऻ॒ऻॺढ़ॎॱढ़ज़ॕ॒ढ़ऀॱख़ॗॺॱक़ॗ**ॱ२॓ॱ** म्राप्ताल्या विष्याच्यायक्ष्रातायी.वीतावीटाक्यात्रायाच्या बर्ष्ट्रायाः कुलान्द्राराजाः हार्याः शुवार्याः विद्राताः स्त्रा । विद्रात्राताः स्त्रा कुलापुटाकुया केयमा (कुण्णेदाकेदार्याणुदायायदायरावहर्। । नादवायकेरा षुन्यः क्षेत्रे वटः वः त्युः श्चवः पुटः कुषः वेवस्य। । घटः यदे न्यन्यः यः न्याः पर्वे अः अटः यः न्द्रात्रात्त्रात्र्र्यायदार्यात्र् । निविष्ट्रन्यान्द्र्रिक्षान्दातान्त्र ॅंप्नद्रका ।रेप्कर्षेप्कप्नद्राम्हरूरेप्नुद्राः ।**ञ्च**र्न्न बर्द्धन्या । विषय् भैदाया के प्यति हिर्मु प्राप्ति । दे दे दार्थे व प्रमा विषय । मानित्यः वर की ती । हे रिविशः भी शामित्रः भारति । वर्षा भी । रिवार्षे स য়ৄঀ৾৻৸৻য়ৣ৻৸৻য়৻ঀয়৻ঀয়৻ঀয়৸৸৸য়য়ৣয়৻ वना । ५५'ग्ना संस्थाया स्रिप्यरा स्वापा । माववा माववा सामा न्वन्य १८८ १८१ नुवर ८व अर्हेत्। । धुन्र-८८ अर्हेत्य क्रिंत्र क्रिंत्र न्या विवा ८८, जि. अष्ट्र . कुट. वी विष्ट . कुट. वी विष्ट . कुट. वी विष्ट . कुट. वी विष्ट . कुट. विष्ट . विष्ट . कुट. विष्ट . पहुद् यस। १८९ त्य गुरु प्रस्त अर्के द केना में द र तम स्वस् । मद्रन निया रेॱॠ८ॱक़ॖ[ॣ]ॺॱॺॱढ़ॆॸॺॱॻॖ॓ॸॱय़ऻॎॹॎॗज़ॱॺॖऀॸॱॺॱऄढ़ॱॻॖॖॖॖॸॺॱय़ढ़ॱॺॗऀॸॱ**ॺॱऄढ़ॎ**। ৡৢ৾ৼ৾ৼয়৾৻ঀ৾ঀ৽ঀয়৽৸য়ৼয়৽৸ৼয়ড়৸ড়ঀ৽৸য়৸৾৾ঀ৸য়৸য়য়ৢঢ়য়য়৽৸ঢ়৾৾৾ঀ৴ঢ় <u> घटा पर वहरी १६४ मधित ४.५) क</u>ैला मृत्या लेखा वीषा मार्

त्वसः कुतः चंद्रः चुनाः निश्वसः विद्यस्य स्वसः विद

हवारिकाक्षाम् मुन्द्रित्रम् । त्राम् । त्राम् । त्राम् । त्राम् । त्राम् । त्राम् । त्राम । त् पदिव'र्दे। अट'र्द्रण्यापट'ने'यटयाकुषाञ्चव'ञ्चरे'ञ्चे'ययाणुट'र्दर्'वेर'देहु**ङ हैं। प्रस्थान वार्या दें। द्यां विदारी विदार के विदार** पविव कें। देवव सिं कुल हो पा पहें मुक्त सिं खुनक माद के कि ने के रहें के स्व **पर्या** ४८. त्र-४.४५. द्रै. ज्ञे. प्रमाहि. केट. ४.४. पर्वे प्रथा थे ४.४.४५. व्री. वेट. विश्वस उर्वित्रयम् मुरव्याम् दे दिरे म्याप्त व्याप्त दे दिरे षुनायः नाव्यार्दि । बेरायधेरानाराष्ट्रयाययागुरादेग्वियार्दे। विवयायार्वेय **ॻॖऀॱ**ॡऻॺॕॸॱॺॕढ़ऀॱॺॖॖॖॖॖॺऻॺॱॴॱढ़ॺॱढ़ॕॸ॔ॱॾ॓ॸॱढ़ख़ॕॺॱय़ॺॱॻॗॸॱॸ॒॓ॱ**ॻ**ढ़ॏढ़ॱढ़ॕऻ <u>८९७, के त्रिक्ष, विश्व के ते त्रिक्ष, के त्रिक्ष, के त्रिक्ष, विश्व के त्रिक्ष, विश्व के त्रिक्ष, विश्व के त</u> पढ़िव र्वे। र यह पाडु पायपापट विवय उर् ष्ट्रिय यर जुर र्हे।

न्तः मुन्तः स्वस्ता मुन्तः स्वस्ता मुन्तः स्वस्ता मुन्तः स्वस्त स्वस्त मुन्तः स्वस्त मुन्तः स्वस्त मुन्तः स्वस्त मुन्तः स्वस्त स्वस्त मुन्तः स्वस्त स्वस्त मुन्तः स्वस्त स्वस्

वना है के करावन के बारी वे कुरी के तार के तर विश्व वया लत्मकुषः सन्दे छःषः व्या स्यादे छ्टा कुषः विययः वेषः [[वयः]] **नन्यः**८व्रेट्याःद्वाःद्वयःहाःहरःव्युरायः[[इससः]]८८। पर'णुर'य' देवस' ब्रुस' स्रि'न्यर'यं स' कुल'यं दे 'चेर'णुर' सर्द्र 'णुसुस्र' **श्र। ह्र,श्र,**चेर्यकानु,तेच,त्रहेच,त्रार,व्यह्च,चीर्यक,श्रा ह्र,श्र,श्रट,तचर,म्रि, garuc'यद्रवासुयानु र्यान् चुकायकार्त्वन याक्षकार्या ह्रवायायेन के कानी। यटा म्बिन्याणुर्ह्युत्रायायेदायते म्निन्दाळेन्याचे छेप्यं ८ ग्यायेदा बेरार्स्। **ढ़्रवःधःस्थः ऋं** प्रःक्षःकटः बं प्राः चीलः त्यारास्यम्यः ताः श्रीबः र सः मी त्रेमसः मी सीलः सीतः सीलः सीलः सीलः स माष्ट्रियादि माहत्र केना वा नाबुबा मार्थे दारी। दे म्ह्रा मुम्बा मार्थे दि गुरामा <u>बःभ्राप्तक्षसः मते पुत्रासुः कुलः मते प्तुः लाकः से प्राप्तः पत्राप्तः स्त</u>ार् <u>५८। स्त्राचरावारस्वाचाः भ्राप्यराचे १३५। स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्</u> - פַאיבאן קחיאַביקיףיפַקיאָקיבקיקיבאיפָּנָמיפּלָיבוּיאַבּיראיפֿבי **बबाबर्क्ट**रहेबर्ट्स हैं दिस्ता लिमा क्रिंस्या चिवा के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स बद्धाः के बाकी प्रमेश तार प्राप्त विश्व विश्व कर के । **୬୯.୬**୯.୯୯,୩୯୯,୭୯.୭୯.୯୯,୯୯,୯୯,୯୯,୯୯,୯୯,୯୯,୯୯୯ **स्ट-द्वाक्षाक्षानेप्यायञ्चन**्यम्। न्वार्श्वेटादाने। स्वान्वेनायमानेप्रान्ति

गडोर विवा नेर वित्यान्य निष्ठे के निम्मान निष्ठे के निम्मान निष्या मिन्न निष्ठे के निम्मान निष्या निष्या निम्मान न र्षसम्बद्धा हेते के कुलास लाके हे पाय बुवाय प्रकास स्वयं सम्बद्धा रबान्चेनवार्पटासुना जुरा विष्युतारु विष्युतारु विष्युतार् रहम्राचाया प्रदाया प्रदाया चु लिया व या ता वित्र है ने ने ना रषचेश्राचाञ्चेष रश्राचे चेत्रशास्त्राचा । प्रतास्त्राच्या विष्याचा । प्रतास्त्राच्या विषयाच्या । प्रतास्त्राच्य न्वेन्यर्पटः धुन्रप्रस्ति वृत्या वृत्राचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र वित्र **गस्**टसःवसःस्टायद्वता देग्सःवनःदुःवितःम्वतःस्वनःद्वनःदेवः **উলেবৰা অন্তিল্ঞান্মট্বিত্ত্বিত্ত্বিজ্ঞানুত্ৰকাত্ৰীকাতন্'ন'ইব্লানা'ৰ্বক্ষ** ल. १४ मा जुब मार्च अस्ति अस्ति अस्ति । स्ति अस्ति अस्ति अस्ति । त्रमेनामान्यः प्रमान्यः त्रमान्यः त्रम्यः स्त्रम्यः स्तरः कर्यः म्हर्यः स्तरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स् ลฐัยเปล่า ประเหน้าราสาราชาติสาบิสานสานุปาติเพิ่าผิดเน้าเปลาผิสสาผิ कद्रायान् हें द्रायाध्येदा बेराय्या दें 'द्रायें द्राची 'कुलायां के नाया हदा द्रार द्राप **८**षणकाराः हीयः रकाणवेषाकाणु । ह्यापाराकाणेवारारा ८५**ण** वेराव का छेरासण षदः कुलः व्याप्त कर् या प्रवर्षः स्वापः सुदः या प्रदः । सर्वे पर सेवा ब्रेब.तथा , अवः त्रन्यायुदः यस्य स्थान्यः अर्थेदः । त्रेष्ठेष्येदः देशः 도디어'Đ레'ㅈㄷ'२'월국'ㅈ줘'미크미줘'두ㄷ'줘'월두'디ㅈ' 디둑두'두드'월두'유둧**미'''** वटाह्मव विषापाके पर्यापान् रावनायां प्रह्मव व व विदासित स्था

व्व कुरा व्यापा में ना न सुर या द्या दि न है या है या देवा व या स्टापा प्रा क्यार्चयादीयायिके सदानु हुया है। हिंदामा है या है य अ.९.लूट्.चंबिटअ.तथा एलचेब.त.एंडअ.ट्रेचज.चीब.तिट.चंबेव.वंब.चीब. रमान्वेन्स'न्नर'खुन्'न्'हेर्न्न'नुत्र'मुत्र'मुत्र'मुत्र'मुत्र'मुत्र'म्नर'हिर'म् लम्बा श्विरः रशःम्बेणवायः पर्तु रः गुः प्वरः प्वरः क्वां व्यवः स्वरः श्वां श्वां व्यवः स्वरः श्वां श्वां व्यवः स्वरः श्वां श्वां व्यवः स्वरः र्दे'व्राष्ट्रिन्'न्दिः'न्द्वरे'खाः क्षे'ने'नाः क्षु'ननः रहिन्'न्त्राः **नसुन्यः** पमा ने स्पार पर्ने न पर का प्रायमा स्पार है । स्पार के स वित्रवयात्त्वः वित्रख्तावयाः वायाः वित्रवादिः विश्वादाः विवादिः विवादिः विवादिः विवादिः विवादिः विवादिः विवादि ह्राबाज्यात्रम् विवासार्या अम्रिस्मियातार्या मुर्गितायार्थ्यायार्था मुन्याहे हिरायन्या वेया व्यापया हरायन यात्रिय वेपार्ता पर्याय नयः भ्रः त्रुत्यः परः श्रुतः पः च वा द्वा प्राप्तः त्रुतः पर्वे वा प्राप्तः भ्रवे। ५**ः** [र्हिं - र र : अर्मे : ५ र । अमे : ५ र । अव : यम : यह : या या अमे : या श्वाया : श्वाया : श्वाया : श् ष्रव'पर्याप्ते म् र्याची प्राप्त प्राप्ते में प्राप्त में प्राप्त प्र प्राप्त मर्देर्पानुर्यानुर्यान्त्राच्या वित्राम् वित्राम्या वर्षा **८८.लब.जव.**पव्र.तर्.तर्.व्रथ्ट.त्र.कथ्य.ह्र.८८.व्यालथाःवि.्राज्यस्वयःतरः... र्मसम्बद्धाः स्वर्थाः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स म्रेशंयाम्बद्रार्थं प्रमान्त्री श्रम्याम्बद्धाः स्थाप्त्राम्या स्थाप्ति स्थापित स्था **ৰুষ্য শ্ৰ**মা र्दे व वित्राम् हे वर वे र वर्षे

ष'वन'रेट'मॅंहे'र्हे'र्वेष'धेन'तु'ह्वेटस'(य']। मॅंत'(तु')कुहे'त्यन'लदेन। मुकेर कु स्पु कु दे सिर कु खुल हु कु रहेदा विर क्याल रहे प्याप सेर
 LAI
 ELAI
 व्याप्त विवास विवा *॑*ढ़ॖॱॖॖॸॱॺऄॱॾ॔ॱॺ॔ॵज़ऄॗ॔ॸॱॕॣॱ॒॓ॱॸय़ॱऻॱॸॱॹॱॾऄॱॾॕॱॺॕॱॺॖॻॱॺॖॻॿॱढ़॓ॻॿॆॵॱ [[वं]]म् मृक्षः (६म्।') वैरायमायस्य स्वात्रः सृष्यः खाने स्वाप्तः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स् शक्ताव्याप्तात्त्र्वर्वराष्ट्रात् ह्या प्रत्यात्रम् वर्षात्त्र्वराष्ट्राया [[बॅ॰]|धन्'नैब॰सेन्बरपर'पईस्वरहे 'बै॰स्द्र'पर'[[पदुन्बरसु'परुन]]देदै' **मृ.प**र्टारायवारा तारह्यान्याया भु मु.पश्चिता मुमावसायद्वा स्ता वित्रा क्रिवराणु फिरमे। वदा कुला सं र्श्नेया पठ व स्त्रवास्त्राम्य राष्ट्रा ता द्वा पाया । [मट्रक्रव,श्र.प्त.श्रम्थःत,श्रवपःपर्टेषान्नी,मिश्चे,प्रमान्ता, लट्रप्टेषान्नी, मुद्रमाथन्। अध्रत्यात्र्याचुान्द्रमाथनावात्रात्राक्षाकायात्रा लम्पिट्यकुः इ'नकु्र्येविद्यायात्रः। द्वारेवे दुर्याः 리어성·더.몇석,ŋ,ư/史소.섯,८८.1 보다. దే다. २석, 2석, 급, 美, 및, 쵳너, 왜, 보성성. बुदाहे दिराहरा दिया पार्टा कुला सेया दिवा हमा प्रेया प्रेया परि केया गुर

พบ.ชชาผิงสูญงานานจิ่น. वयाम् व्याप्ताप्ताप्तार्रे रे प्राप्ताप्ति हो। स्राप्ता स्रापता स्राप्ता स् देते अञ्चर्ति से मार्च मायर दालमा कें अपी दितायान का प्रवास का प्रवास करें मुद्रु मृ' शम् प्रमाद्र प्रमाद बार्याम्परामी द्वापराप्ता द्वार्यास्त्र रहितावित्या स्वारहिवा (तहतः) ळ'ড়'न्वॅद'ल'कु'दम्'हॅ'दर'टु'चु'म'द्रश्चात्रवम्'वॅदे'য়्रव'ॲ'ॷ॓अ'मेर'मॅर''' ह्र.पर्वेष.ध्रम.धेरक.वंबा.प्रेर.पें.वेष.ता कीटु.प्रा.प्रेया.वि.ध्रम्. ऀबेन'तर्नायर'न्डेनब। कु'र्वर्'ब'बढबब'सु'र्वेद'र्नब'र्न्डल'**र**गर'केु'बे पूरः ह्रियावया चेत्राया हे.स्यापह्या (४६८) व्यक्तिर्पूषं प्रेष्ट्राया हे कि विश्व प्राप्त क्षा त्र त्र त्र स्मित्य त्या अया विष्टे पर्य प्राप्त दे ष्णपाॱळॅंबापबुणबायाःम्बेणबाहे। पावेदानीॱधुरब्रबातहबादतहराऽळासुर न्वंद्र-देर्भेते सुरभेरत्र भूते स्वरायद्र माथा र दे भागाम स्वराय प्रमुर ष्ठस्य ४८, र्या ४, विष्य व्यवस्य १८, वु. स्थान स्थान । न्दाक्ष्यं दार्भे दार्थे विश्वास देश्वदाया विषय विश्वास विश्व विश् मी'पह्र'पु'सिद्र'द्रसःम्सुःसः द्रसःसरःपुँद्र'द्रसःश्चेपसंर्ठ'द्। मूंत्य. ब थ. थ्र. पर्वेचेय. पथा ट्र. क्येय. प्रय. के. क्ये. क्ये. प्रय. ह्र. पर त्रत्यःम्'म्युवःम्बुद्धःयःदी हिंत्ग्चै'हिं कुषःसु'दै'हें कु्म्यस्यस्यस्त्र्द् वसःमित्रा ५ वित्रसम्भितः स्वार्भितः स्वार्यः स्वार्भितः स्वार्भितः स्वार्भितः स्वार्यः स्वार्भितः स्वार्यः स्व

लन क्रम क्रि. इट. प्त. घ. अक्रूट. टे. क्रि. बता. थे. तट. क्री. वट. या. के. किट. मब्रिन्यामा द्वी द्वार्याच्यामा सम्प्रान्यमा मुन्द्वरात्रम् मारहा Rकेटश'(अकेशश')सु'म्वश'रता हीट'ने'वि'हे'र्ट'स्पवेटशा वि'हे' बर्भावबरासुग्वबेस्या नृत्युयान्यस्युग्वविद्याः अन्तरायाः अक्रेस्य हिं र्विम हे 'त्वर 'तृहा रेम रेमें के साम का का का के साम के बर्ं व्रिंगः मुक्तेयः नियं व्याप्तियः व्याप्तियः व्याप्तियः व्याप्तियः विष्याप्तियः विषयः व महान्मार विषयान्य सामा देवा सुवाल मृत्र व कि माने माने माने स्वर कर् है। मुलर्मर्केबरलर्न्द्रायाः हुवा देरात्यत्वः हुवर्मरक्षयागुदः हुर **८णुर। व्यागलयाञ्चरायरा**ख्याचीग्याञ्चेतायतृत्राचेताचेराच्यावयाच्याच्या <u> पञ्चनभाने। श्रिन'न्येव'ई'ई'भाक्र'न्व'न'र्योक्षेत्र'व्या नेर्द्रव</u> कर्'क्षर'र्के अ' चु अ' है। प्रॉव अर्के मा म खु अ' चु ' हेव ' पर्द म सा चु ' प्रार व म · ทิ·หั·ஜั·ลเนลานาละานัาฮูลาระส) สิบลานลาละานัาบฮูะ1 ลราลา केंग्नुदायार्श्रेन्यायायाच्चापदीपादुरम्यानुपुर्देग्म्यादुदायरायदुन् हेंस चै.कुबे.स्.पर्ये वाया क्र्याच क्र्याच क्र्याच क्रियाच है. न्युवःन्द्रन्यः क्ष्यः क्ष **भैदःभूदःह्**रत्वे**ब्रःपःशास्त्रया**क्षियान्यः विःश्चरः निष्ठिःपञ्च राम्बन्यःश्चा तद्राद्यः

श्चित्त्वेश्वः प्रचान्यः प्रचान्यः प्रचान्यः प्रचान्यः विद्याः प्रचान्यः चित्यः च

 했는데
 보급
 보

3aa.₽.₽.₽.₽.₽.₽. रम्युम् रव द्व के हैं के ब्रायन รุฆเปลิ วัส เป็าผู้ดา **ग**र्हेत्। स्रिन्नियारवर्षीः र्वेदास्तिर्रेट्राच्यात्रर्देद्वाक्षेत्रात्वावार्यस्**ष्ट्रत् ୵ୢୡ୕୵୷୷ୖ୷**ଽୄ୵୶୵୳ୢୄଌ୵ୢଢ଼୶୲ୣୗଌ୶୕ଊୢ୵ୗୄ୵୵ୢଌୄ୷ୖୢ୴୶୵୳ଽ୵ୖୄଌ୵ୢୢୡ୶୳ୣ୷ୡ୵**ୄଌ**୷୶୰ <u>বূল্ন মান্ত্রীকার্</u>কা ५८ : र्वेन'सर'५ लॅव' सर्वेन'नी' हेव' बिन्न' प्रवेट स'५ **म्स** यर. ट्रेंट्य. मैट.। व्रेंब. च्र. इंबया मेंट्रेब. ए. ए. १९८० व्याप्त. भूव. हें. मेंबेब. में दे'अ'र्घन्य'हे'हे'तुहे'क्वंय'सह्द'म'दे'कुअ'हिंद्'वस्याउद्'अ' N설·정디적·통·영국·급석·디·영적·필드석·실 N4.4ロ4.5.6×.0.ロ.2ヒ.1 मेंल.विषय.कूथ.विषय.ह.केर.वि.पध.वि.वि.वि.व्य.व्य.पा.जा मेंल.त्य.व्य. चॅॱइससायात्रत्माणात्रहरायाची परारीम्बरामान्दातायुगसायःद्वा ਜ਼ਫ਼੶ਫ਼੶ਖ਼ੑੑਸ਼੶ਖ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੵੑ੶ਜ਼*෦*ਸ਼੶੶ਫ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼ੑੑਜ਼ੑੑਸ਼ੑਸ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ੑੑਖ਼ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ म्प्यबादुःम्बर्टाःच्याच्याः भुप्यायाः सुप्तह्माःप्टःम्बर्यः भूरःभुषः स्प्राचेयः अम्, बट, दे. प्रकेष, त. ते हे टे. टे. पड़ी अघल, श्र. मूंची, प्राचित्र, विकारी अम्, विकारी अम्, विकारी अम्, विकारी ॲअ'९ॅटन्'ने'वट'श'झु'मट'য়'ड़'रअ'देन'पदेटरादेन' त्त्राण'यहतात्रा हिंद्'या इत्राहेस्य केंद्राया विवा हिंद्राय प्राह्म अळेग'नी'हेर'पलेटस'यर'से'र्स्च क्रिंच म्बर्'क्स स्थर'से'रियुत्याय रूप मुन्द्र वि वि द्रिया पर ति क्रम्य र्था

ॸऀॱॸॱक़ॖॴॱॻॕऄॱॺॖऀॻऻॴॱॸॺ॔ॱय़ऻढ़ऀॻऻॴढ़ऄॎॻऻढ़॔ॻऻढ़॔ॴ॔ॱॴॴॱॺॎ॔॔ॱॱ ढ़ॼॕॖॱॻॱऄॺॺॱढ़ढ़ॱॿॖऀॱढ़ड़ॆढ़ॱय़ॱॸॺॱय़ॱ**ॺऻऄॻ**ॱॻढ़॓ऀॸॺॱय़ॱॸॖॻ॓ॱॣ॓ॱऄॗॱय़ॖॱढ़ऀॻऻॱॴॱ

व्यावित्याक्ष्यामान्ता देरामान्याक्षाक्षाक्षाक्षा मिहेश ब्रोटश प्या व्यापन प्रिंति ल्ला नवः र्लात्यः ग्वेर खु व्याप केत मह. है। ता की है वाया महे है। पा पह है वाया महिना में या स् महें वाया महिना मह मुन'य'त्रा [रिंदि'मोनेर'तु'र्र्ष्ये'य'र्या]दिहे हिंदी सेमारया की रस्या मेर श्रम् वर्षा हेते. खुरमा वर्षा महामान वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर वर्षा ब्लीटःनाबुवःनारःष्यटःधॅनायः(यः)बेदःयरःदिस्यया देःवश्चितयःहेः ब्रीटः [[पद्धैर]]श्रवस्य उद्रायापद्धस्य द्या वादायेवास्य प्रति प्राप्ति प्राप्ति स्वार्वस्य ख. है चया इ. विचानु राया दें चया मार्च चया मार्च चया मार्च चया है । विचया **ॴट्मे.क्स**ट्र्याप्याद्ग्रह्मायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या दे नेबर्म पा ग्री र स्पामी र र्सेट्र पि ए पु पा व का दिनो हिला ग्रीका पा बुटा है। ฆโลง.เก.ผู้แลาก.ฆฺ่ะ.กราฆฺะ.ก.เพลามูะ.นตู่.กู๋.น.[โล่นานนิ้.]โฉฆฆ.... ठ५.पर्ध्यावया इ.रचा.मी.हिटाब.बीथा.बी.इ.ची.वीश्वा.वी.विटाला.रची. <u> चुत्रावत्राम्बेद्रामाला देदेश्याम्बेरमम्बर्मः क्रं क्रे या ५ । नद्र ५ र है। त</u> ঀৢ৾ঀ৾৽ঀৢ৾য়৾৽ঢ়য়ঢ়য়৽ঢ়ৢ৾৾ঀ৾৾ঀড়৽য়৾৽ড়৻ঢ়ৢ৾ঀ৽ড়৽য়৽য়ড়৽য়য়য়৽ न्रांभा न्यायप्यत्यु न्यार्शा ने द्वरायं व्याप्तात्या है स्राम्हन मितं न्याप्तामा क्वामार त्याचे व्याप्तामा क्वामार त्याचे व्याचान र्या में कें भे देता कें या अवसार तर हो है र पहुंच ता ला कि पार्स हि है महिना है न पदवं ल्लानाः इत्रः क्री. इत्रः ला. स्टेरः क्री. ला. अट्ठानः ब्रेश्निः क्री. क्री. स्टेर **बे८**ॱह्व'न्र'पुःम'५८:माळम्'मॅ'मा३बायाम्बेर'धुःमे्'म्राप्ट'खुःहेव'रु'ख्या' 'र

च्याः च्याः व्याप्ताः व्यापत्तः व्याप्ताः व्याप्ताः व्यापत्तः व्

ৰুল্বান্যন্দ্ৰ শূলানুষ্ট্ৰৰ স্থেদ্য স্থান্ত কাৰ্য কৰা শূলা বিষ্ট্ৰৰ স্থেদ্য স্থান বুল্ব'লুঝ'নট্ব'ন্বা ইন্'ডুল'ন্বম'ইন্ইন্'ইন্'লু'লুল'ন্ত্ৰম' परव'र्मस'म्डिन'यम्'विट'म्डेन'प्रेलेटस'सु'म्स्यि'पर्स'र्स्च'ठेव'र्यहे' [1] 4·동도·디仁·열로·디·덫仁·디석·팃·토퍼석·전仁·포스·첫 4·與ㄷ쇠·디석·뙭디·닌턴석··· केदःसॅॱसट'स्थल'गुट'घट'ठ'स'८ु'म्थेग्य'टाखु'ऄ्**य'**युट'स'इत्याह्मस्याणुस'नम्नुस' पसः देरः श्चेपः द्वां संक्षाः सुः तिसुत्यः चीसः वसः स्रापतः ताः चुँ व व सः सटः खुत्यः मुहः । । वटाया व्यापा विवाया पार्टा प्रावेषाया क्षा विवाया विवाया विवाय विवाया विवाया विवाया विवाया विवाया विवाया विवाय র্মর শ্রীকাকট্টির দেওঁর প্রিটির প্রেমির। শৃকাৎম্মি শৃক্তির দেওঁৰ শিক্তির দি सर हे 'न्या स्था द्वर ने स टेर् 'चेर्' है 'हे स्था प्रत्य का स्था है न र्मेर् स्था राष्ट्र त्तुत्राम्बन् श्रुवारे देव प्राप्त प्रमाय । वितास स्वराख्या स्वराख्या स्वराख्या । हें व ने मा में बार मा मुख्य में में मा ब का सुमा मा समय में वा मा में विना **छे.ञ्च.**त्वर्यात्प्रतट.कुव.त.क्षयाध्यात्र्यःभूवाश्चर्यात्यात्यः वयः ४८८८ तक्ट. मामुवा हिराला भी सूर्य एपीला की . कु. सूरामा सिवा निया निया निया पमा कुल प्राप्त दे दे लाय या प्रमुद्द लाया हे द प्राप्त के द पा न सुक के स **৻৻৵**৽ৼঀ৾৽ড়৾৾৾৴৽ঀ৾য়ৢ৾য়৽৻ড়ৼ৽ঀয়ৢয়৽ড়ৼয়৽য়ৢ৽ৼঀ৽ঢ়ৢ৽৻ঢ়৻য়৽ঀ৾য়৽ঢ়ৢঀ৽৻ঌ৻৻৽৽৽ हुल' परि मु 'भन्या प्रमारमा प्रमारम् प्रमारम् प्रमारम् । प्रमारम् प्रमारम् । पार्श्वेश्वराष्ट्रवर्षेत्रतातुः पर्वे प्रवासन्ति । विष्यत्र विष्यतात्रे विष्यतात्र विष्या पदेन्यायात्राञ्चनान्यदाङ्गाङ्गाया**न्यायान्यत्रा**चित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्रा

बुन्वाकार्ने विकास स्वाप्त स्व ৼ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽৸ঀ৸য়৽য়ৼ৽ড়ৢ৽৻৽ড়য়৽ড়ৢয়৽ড়ৢ৽য়৽ড়য়৽য়য়৸৾য়ঢ়৽**ঢ়৾ঀ৽য়ৢ৸য়৽ঢ়৾ৢয়৽** *ऀҕ҇ѵ*ᡄ៸฿ۣҀ៸ఌ҈*๚*ୢҀҀ╌य़៸Ҁҁ៸ӈৢয়৽य़ॱҀҁҡ๚^ऴݖѮ**๚**ݖৣऄҀॱय़**ःณॱҀ๚**ढ़ॱय़ॺ**ॱ฿ৢҀॱ** इस्यायर्गात्रेया रागः सूरायात्रम्यायस्य उर्गायेरार्ग्यं **गयु**रसावसा **ॿॴॱऻ**ॺॺॱय़ॱॻ॔ॗॸॱॺॸॱॻऀॱॺॗॕॻॺॱॹॖॱॸॻॖॖॸॺॱय़ॺॱॻऻॺॺॱॺॗऀॱॻॺॱॻॖऀॱ२ॱॿॺ**ॺॱॱॱ** ठ८.चलूब.२.चर्नेरा त्वेच.चलूब.त.वेच.क्वेचय.अ.टस्चेट्य.चय.अ.इ.स्थय उत् निवासकेंद्र देव में के निवेद्र निष्ठ र विश्व र विश्व स्वाप्त के वा सामा विश्व र वि र्वे। ८६.इ.स्याप्तर्माह्मराके हे। विताद्वयमाधिताके याने प्रता धिता क्रमःतरः ग्रीमः भेग ग्रीमः प्रदेशः प्रमायायः ए ग्रीमः परः ए ग्रीमः में प्रदेशः विद्राणीः **परि** ॻॖऀऺॺॱॸॱय़ॱॻॖॱक़ॗॱऄॸऻ*ॕ*ढ़॔ॱॻॖॸॱॺॸय़ॱॻॸ**ज़ॱॸॏ**ॱॸॕऻॕॸॺॱय़ॱॾॕ॒॔॔॔ॿॺॱय़ॸॱॻॖ**ॱ** पते र्दे व रु रे विषा ह्वराषी मासुर व व सा सरामुखा दिया मासुका ही र्द्ध गवा सुर **ॻ**ऻढ़॔ॱॻॺॱढ़ॖॺ**ॱ**ॺॖऀॺॱॸॕॸॱॻॖऀॱॻऻॺ॓ॸॱॸड़ॖ**ॎॺॎॺक़ॺॱॸॸॱख़ॺॱॹॖॺॱॺॗऀ**ॻॺॱॹॖॗॗॗ ्षिर्दरः]]□रात्मुरार्देष्वेषाम्युप्यार्थे। देरामञ्चरामकेराम्युरायदे ळेवॱय़ॱग़ॗॺॱ२१ॱॻॖऀॺॱय़ॺॱग़ॗॺॱॾॖॺॱऄॺॱॺॺॱॺॗ**ॺ।** ॲ॔ॱऄ॔ॸॱॄ**ॻॱऄॗॱॺॺॱॻॿॢॺॱ** पत्र'पदेव'पर'ङ्गट'हे'श्वस्त्र'ठ८'थे८'ळेत्र'र्स्।

र्ह्नन्'ग्रे'उत्र'न्**गु'**भा ५८'उत्र'में 'ब'अ'र्हम्' वे दुर्दे 'सु'से 'उत्र'। सम्मानस गुैं'अं'**न**'रु**ट्।** धुैंब'रेहे'[िहे'बे']निख'रुट्। र'बर्'गुै'ले'सॅ'रुट्। यर्' महिरहरारे विरहिरियाणमारुपा वेरहराष्ट्री विरहिर्या वेर **बुराग्रै।र्**मातारुमा अर्'भेषापी हैमारुमास्य विषयमित सेन्यामित सेन्या स्टि इसराप्टा वे रे रे रे प्राप्त वा अव प्युरे सु पर वा प्युरे सु पर वा सु र स **मृहदःस्। बटःरेरेम्प्युना**वि। बटःनीःक्षेप्रनु। र्क्वेरःप्यटःहेर्ना **द्र-ह्र-छ्न ह्र-२न**िह्-गुहे-पदवा ल-८न-मे-ट्र-पदवा श्चव-म्री-मुल-क्र-**बन्नरा है**ला ले**.बन्न.श्चर ज़ै.**कैल. श्रा कूर तिर पढ़िष्ठ ती. स्वा तेष्ठ मिलानारा क्षेत्राचा अप्रवराश्चन मिलाया क्षेत्राचा क्षेत्राचारा क्षेत्राचारा क्षेत्राचारा क्षेत्राचारा क्षेत्राचारा **२यः**ग्रे**ःहः**तद्रे**ःवदुःदःकेःद्वयसः**८५्यःहे। श्रॅंपः८्पॅवःम्पॅम्द्यसःम्८सः चर.हर.चर.वेथ.त.ष। श्रृप:र्म्य.बेथ.लेब.प्रचर.चेव.पानर्थवेथ.हे.पात्र. **प्ट्रेंट.वंश.रुष्ट्र.वंर.त्रेंव.तश** ग्रुट.पष्ट्र.श्रेंबेव.क्षश्चेव.हे.ट्ट्य. **नै**८: मे्र-'पर 'क्रुर'र्र। देर 'क्रेन्'परि क्विल संखु 'ठ' सेन् 'ल' संज्ञा के 'सेन् **र्वारे म्बर्गर अळव प्राया मार्या गुण्युमा गरिया है "हे "गुव पु प्राया रा** नि.चर.चेचेब.श्री

त्रव्यव्यक्ष्याचित्रः विवाद्यक्ष्यः विवाद्यक्षयः विवाद्यक्यविवाद्यक्यविवाद्यक्यविवाद्यक्यविवाद्यक्यविवाद्यविवाद्यविवाद्यक्यविवाद्यविवाद्यविवाद्यविवाद्यविवाद्यविवाद्यविवाद्यविवा

ने व सं तह ह , सुं स नुं नं व स न्या स्वा स्वा स्व स नुं का स्व स नुं स स्व स न्या स्व स नुं स स नुं स न

त्व श्रां श्रां भ्राष्ट्र पुंच र अव व श्रु प्य प्रायं भ्रायं भ्र

दे द सः क्ष्रिंद्र त्याया स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य

नेयः र पः हैर देरे में अळें द र विषया । इस हैं न विषय से हरे र न पें पर्वा हार्चराचाराचार्यात्वाराम्य वाल्या । तिवित्र वानायुवायम् निर्मान पकुपा । तः सञ्च केष प्यत् स्थापन । तुन सः कष् । तुन सः करान हिन स्थापन । म्न्यम् नम्म्न । वित्रम् र्मित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् मप्र. निम्याशेशवा वि. मिता मिता प्रमान पर मुं प्रति में वि । हे वा स्टर्स प्रति वि ष्ट्रदे:मुव्:मुक्रायमुव्। ।मॅद्'ग्रे'अम्दर'मद्मा'सु'श्रुक्राया ।हिद्'अम्दर'यमः <u>के'पःभूतित्त्र्वाला । मुलर्पा ११ तिल्लाम् । मुलर्पाप्तित्वात्र्यक्ष</u> पद्वेत्र'युन्द्रम् ।देव्य'न्युप्य'द्वय'युन्न्य्यप्य'प्टेट्रस्ट्र'य्यान्युन्य पॅर्वरवर्ग्यनार्ग्यम् विर्वेराची विष्यक्रिया है राष्ट्री विषय विषय है विष्य विषय है विषय विषय विषय विषय विषय व मुलार्समाणमाजुनायुनारकलाया देवनार्म्सानार्म्समान्द्रम् हेदःचुःख्यावयाञ्चरञ्चरञ्चनयाऽहर्यायाः वर्ष्याःचीःञ्चराञ्चराञ्चराञ्चरा कुलार्यसम्बन्दिन प्रतायस्य सम्बन्धाः के स्वा वर्षे सम्बन्धाः स्वाप्ता **ढो ।**पन्**न**'वै'नॉर्न्ट'न्यर'श्रेव'र्स'र्सन्'ग्रे'हे। ।सन्'ग्रे'के'वे'नान्यर' **८॥**८। ।८वरमहेरक्षरणुरहेबरमहेनारह्मा ।श्चिर्ट्यवर्श्वारमहेरसुर प**ब्**नवाया । वाद्याक्षेत्रवाया । वाप्यविष्ठे वार्षेत्राया । वाप्यविष्ठे वार्षेत्राया ॸॖॖॱॸऻऄ॔ॴ ।ढ़ॊॺॱढ़ॖॱॻॱख़ॖॴॻॺऻ ऄॕॗॻॱॸॣॻॕड़ॱॼॖऀॱढ़ॴॱढ़ॺऻ ॸॕॸ॔ॱॻॖऀॱॺॸॎ॰ पन्न'कुल'र्घ'लन्या विन्'तर्दे'नविन्'क्षेव'र्घ'र्छते'खुला विन्दंन' **दसा** त्यु'न्दुन्'स'ठद'दे'स'त्यु'न्देरेर'२६न्'दर्नेस'न्दुदस**'हे। दे'दस**'

दे द ब ५ व में देर मुँव है का महिरामा विशेष राया महाया पहें वा गार **ବଳା ନିମ୍ନ**ିନ୍ଦ୍ର ଅଧିକ । । ବିଲ୍ଲା ନିମ୍ନିକ୍ ଅଧିକ । <u>क्रेप्ट्रेख्यसः उर्</u>चेतः मुक्षः न द्वः प्रहे पु मु मु सहर् द सः सनुरः प्रवेसः पा 考·도·육·교두·제·유틸도·미족저·허 저도시·휠·[[특·]]저제·제·荷제·저윤·翦제·독· **२म'**८हेद'गुप'य'पक्रेबा ।८६'सुब'८म'थे८'मसुब'**ट्र'म**बसा ।८**६म'** हे**व**ॱछु'रुद्रे'घ्रस्य ठ८'वेर्य णुस्य मृद्वा । ८६**म**'हेव' छु'श्रेव'द्रेमस्य **पस ह**नाया शुर से | विसासित प्यास्याय है प्रीया र विस्ताती | विस्ता के विसासित प्राप्त विस्ताती द्रांस्टायटास्टा सिटायटास्टानेयटकाणुटायटका विवयाहेटार्स्टा महार्मितार्विरानु। । भुराधेदानुगम् महाराम्या । मृहास्या महाराम्या लालम्बाण्यम्या । विवयः १८ विष्यान् विषयः वेदाला । विषयः विदायः विषयः देग्रहेग्यम् सेन्। ।मायाकार्ष्याकामहेन्यमः ।मायान्दिनामुख रं अपने । । सकें न् क्षेत्र न किंदा न <u>तभ्र</u>ेटी ।श्र.श्रर.श्र्यातार्घ्वायाज्ञीयातिया ।तिया.मेथाएधया.श्रूटा.मेणातया बेदा । क्रिन्यः पठदः पदेवः पयः पण्यः होः पदिः वेषः यः नविः नवः पः **त्रेया** ।वि.र्यूट.र्जु.पद्य.पयथ.त.च्रीप। ।र्घ्यय.४७८.८४.प्याप**.अ**.

ढ़ऺॺॴऻॺॺॱॺॱढ़ॸॖॺॱॺऀॸऻॱॾॖॱढ़ड़ॆॱढ़ॺॺऻऻ**ॿऀॺॱॸऻ**ॺॖॖ॔ॸॺॱॺॱॺऄॕॸ॔ॱॿॗॆॿॱ · कुं : क्रेव : पॅर यह या क्रेव : प्रवास क्रेप हो : विवास पण्राहेणानु रहित्राध्या इंग्डिव र्धियाना स्टिन् व्याप्ता प्राची वि <u>न्युर्गवस्यः भैवः हु 'के' नः न्युरेना । सन्य न्युर्ग्युर्गेनु 'ग्री' न न्युर्ग्युर्गेन</u> **बे.लॅट.रे.अ.**परेप.तय.प्रट्याग्रीया ट.पपेट.श्र.क्षेता.खेयाञ्चय.पया श्रूप. <u>न्यंब्र मुक्षाविष्यः कृतः मार्हे र म्कुः केब्र संरहिर हिराया स्रह्मात्र मार्गा स्रहेन्यः ।</u> ञ्चित्राक्षेत्र प्रवाहराष्ट्रियावराम्यान्य मानुष्याम्या प्राप्ता स्थापा म्बद्दाः इत्रवान्त्री प्रत्माः अनुष्टि । विष्टा ८मि८.घथ। चय.एर्सेज. (चैज.) की.अमू.ज.क.धिम.त.४८,भु.७४०। द्भु कु के 'बेट' यद या दि ' अर्कें द ' श्रेष प्रेष के या के या विवास के प्राप्त के प्रा ลธัราฟู๊จารูาปู๊จาปู๊ลาบลูบลาริาปู๊จเ คั่ริาสุรายาๆผลายาผลลาปู๊า न्यापर सं प्रताय विन निरामा में दारा में से साम स्वाप में से साम दिना है.८५ूर.वेश.तम्.वैभ.यं.द्र.८८.पठश.त.क्ष्य.तर.वेश.वं थ.धूयार.हे. प्। मै्य'र्प्रु'पश्चरपाम्भ्रुपायर'षिश्च'श्चरश्चरत्रश्वा क्षेत्रम्भै'श्चर' พביลי ริงรถาดยูลสงรุฑาลังสูดงรูงกรุฑสงส์ [ลูงลัราริงทูราสูดง त्याचन्त्राक्षा देवस्य चर्त्रायाञ्चत्राम् अन्य स्वाप्तान्त्राम् देवस्य स्वाप्तान्त्राम् स्वाप्तान्त्रम् स्वाप्तान्त्रम्यस् |मःरम्। हिटापर्दुवा प्रमायाप्तिम् वार्था हे व्याहे स्थान से । ·म्दॅं न है व मा न पा महत्यां स्थार्स न व पा में दे न है व प्रस्त कर का का मित्र है व प्रस्त कर का का मित्र है

निगमङ्गेदःहे पुरस्याप्तिमारायाः मान्यायाः निष्यायायाः निष्यायायाः निष्यायायाः निष्यायायाः निष्यायाः निष्यायाया रे अ है 'मु र महिना द्वारा पहनाक ही। हे व क सिन प्रांत प्रांत स्वार स्वा **শ্ব**ৰাণ্ট্ৰী ন্ৰশ্বসংঘৰস্থৰাৰ্ভ্তিই শ্বন্দান্তৰ স্বৰ্ভত কৰে . मठर। मूर्रावश्व भ्रूट प्रदेग्य हेव प्राप्त । भ्रुट श्वर प्रदेश कर बाम्बुःन् है बार्वामा मान्युः विष्यामा विष्युः । विष्यामा विष्युः । विष्यामा विष्युः । विष्युः । विष्युः । विष्युः । परः[[ॺॺॱॿॖॖॣॖॖॣॸॺॱॗ॔ॸॖॺॱॻॖॖढ़ॺ। प्वत्रेढ़ॱॻक़ॗॖॸॱॸॣॸॱक़ॗॱॵॣॸॱऄॗॱऄऀॱऄ मकुर। परः इतः ने भे सुः सव रवस्य उत् स्यत्र रहे न रहे पहिना है। है पकुरः है। द्वाप्तरामी सरावहीमवासवा श्रीयान्यवा के राजा का का ∄୍ଜ'ଃ୍ଟ'ଅ୍ଟ'ନ୍ଟ'ଝି' ଝିମ୍ବ'୩୍ଡର'[[ଝି'ଽଘ']]ଝ୍ଜ'ଗ୍ୟ'ସ୍'ଅ୍ଟା ଅଟ'୩ଔ'ଅଟ' <u>स्वामकुर्प्रमुख्याने। देग्यायदान्यप्राद्धस्यादनाविस्यापदाञ्चीदा सिव्या</u> ㅈㅁ'R토མ'དབམ་휨ང་། ཚང་དམར་ᄚᆔᇹ་རུརི་རྡིང་། 혖་ུ་བདུད་ឧདུལ་쵣གམ་ महे.मृटा बक्रांप्रहर्महा स्प्रमुद्धान्य मुत्रमुटा बुवारु साम् मुर-पु-द्वाक्षिणमा रेवाकेवा वीरा। माकनमामानामा करामी वीरा नियानर ८५४.अह्८.कु.धटा १४.४.हे.िटा ध.त.हे.िटा चेंबर.लट.५४. ॅंड्र-'अर्केर'हेंब'र्ग्र-र्यं'यरवाकुय'हॅंट'नीय'पकुव'प। हें'वुप'रु'यर्केर' हेबॱ८्बर'र्ये'यर्'अ'र्ङ्गेट'मै**ब**'यकुब्'या बुय'प्रेट'र्टु'बर्केर्'हेब्'ब्**य**'र्ये'बर्केर्' हेद हैंद में वायक्ष दाया चुट प्राप्त र दुर्ग केंद्र हेद सें हिंद सें हिंदा पर प्राप्त र दिन र नैस'ममुद'य'पदित्या दुप'र्धुपय'सु'ण'वळद'हु'रिसुय'र्स्रेद'य'युदे'त्रीट' चब्रेटमा श्रूच-र्न्य, मर्ने, मह्मान्य, मह्मान्य, मह्मान्य, मह्मान्य, मह्मान्य, मह्मान्य, मह्मान्य, मह्मान्य, महमान्य, महमाय, महमाय,

े केब्र्सं पर्वे त्यां सुभवापविराधियां केब्र्सं पर्वे केयर विष्यापविष रें बुरमदी भारत हैं दर्भ में विष्य में मिल में देशे क्षुंन्याचित्राञ्चापदीयायम् वर्षा वर्षा ॲॱम्युवः'ध्रैय'गुटः। के'र्ह्येम्यःपवरःवे'र्हेम्'र्ह्युवः'ध्येयः।प्ययः म्युवःवस्यः <u>ष्टिःश्चर्यवेदयःहेर्द्रम्यवेश्वरयःषःग्चयःयःग्वयःद्वययःदयःदयः हेःःः</u> <u> १ जबः जबुक्षःतद्रायः जुरुषः यद्भियः व्याक्षः व्याक्षः यद्भवः कुषः व्याक्षः यद्भावः व्याक्षः यद्भावः व्याक्षः य</u> ळल.पोश्र-पिट.ध्रीट.िवेश.ताः। तर्झ.घू.ज.चश.क्र.ध्र.ध.पट.पि.ध्र.पविश्वा इत्यामरे प्रमुं भूति प्राप्त ठवा [[परु मासुका]]शा धु व खु त खु ता प्रमुं ते । दर द माप्त बेर्पा त इंदे हिर्। कु वित्र मा कु र प्रत्र पा हुर पा हु र नक्षान् कृषासु र्षे प्यापञ्च है । ज्ञाता क्षेत्र क्षेत्र कुषा माना है ने स्व อื้.對エ.ৡ.ฝี.ฉ.เบอิ८.ฦืช.เป๋ีะ.ช.เช่าปัชเกเบลัยเโล้ไ वर्जेदे'ष्ट्रा Q'@<'ऋहे'∰'८हे'व८'व'छे'ऋ'पकु८'ॡॺ'ठे़ेेे ५'प'ळ्८'प'पॾहे **य़ॖऀज़ॺॱॻढ़ऀॱढ़ॱज़ॺ॓ॸॱॻॖऀॱ**ऄ॑॔॔ॱज़॓ॱॶज़ॱॺॕ॒॔॔ॸॱ**ठ**॔ॺॱॻढ़ऀॱॲ॔॔॔ॸॱॻॱॻॾॕढ़ऀॱॺॗॸऻॗ*ॱज़ॺ॓ॸ*ॱ **ॻऀॱज़**ॸॖ॒॔॔ॺॱॺॱॺऻख़ढ़ऀॱॸॖॱक़ॗॗॴॺॱय़ॱॲॸ॔ॱय़ॱय़ॾॕढ़ऀॱॿॖॸऻ ॴख़ढ़ऀॱज़ॸॖ॔ॸॱॺॱॺॱ ୕ୣ୶ୖ୶ଽୄ୕୕ଵୢୄ୕ୄ୳ଽ୕ୢଵ୕ୢୣ୴୶୲୳୲ଢ଼ୄ୕୵୲୷୕ଌୢ୕ୡୄ୲ଌୄ୵୲୕୷ଢ଼ୄ୵୷୷ଌୢ୵୷ୢୖଌ୶୲ୡୠଽୄ୵ୣୖ୵ୣୄ୵ นาอุฐิลาตูรุเ [विरी क. मुब. की, कि. बंध. देश. झिल. की, की ता. वें. क. ४ तता ता. लूरे. ता. तच्च धु. विरी **दं.** हैरःप्र्रा प्रुंव,प्रुंव,प्र्या,]ऑं.ं.तार्,प्रुंवर्थःश्रा पर्वव,श्राप्रवेंद्र,प्रवेद,प्रवेद,

ढ्व' श्रुव' ग्रीय' झे 'विट' प्रो' मुख' हो 'अते 'त्रीट' पर्दे द साही दे प्यट हिट गीया मुद्रामान के प्राप्त क प्रमुक्तावान स्वापन रुट्राकेरमेलायम् पुरुर्या ऍव्रक्यात्युलायम्बर्धार्याः वेराव्यास्त्री **क़ॖऀॺॱॻऻ**ॾॻॺॱॺॸॱढ़ॖॱऄॻॱॻॖॺॱॺॕऻॎऒऄॱॸॕॻॱढ़य़ॖॺॱख़ऻॻढ़ॱऄॱॲ॔॔॔॔ॱॾ॓ॸॱढ़ॺॱ **मुे'अ'**न्नीट'चबेटराश्री ५सु'हे'रीन्य'**न्**युक्ष'मुे'र्धुन्य'चबेर'र्हे'रीट'ळेब'र्घ' रे'रेरे'ब्रेट'बटबाग्री'वि'र्व'के'रे'बॅट्'य'पबिटबार्बा दे'ब्रेर'प्टिं' दबा प्रबेटकायायायहिनाः हेवाची सुरश्चेतायस्य उत्गीकापर्वे ग्रायकादेना हेवाकी स् **क्षेण**'य'ळर'य'८८'। भैट'८८'रेब'र्य'ळे'८मॅब'य'य। देर'भैट'य**ॉ**' चला कुलार्यते अत्वर्षे हेलु यानाला क्रीता कुलार्या हुन्या हैनाया 'विटाया<u>'</u> नुष्यां वीटा माटा वा स्त्रा मुकाया प्रदा मुका स्वाया विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय मद्भाष्या। वटः वी भीटः ५८: क्युं देव दा के मिट व या व वा ख्रुवा या है या या प বিল'केर'ऍन्'य'ঀয়। नेहे'नुस'सु'য়ৢয়ঢ়'न्य्व'यन्'য়'ঢ়सुद'ण्वस'ঢ়ৢয়' युन्यः ५ मृत्यः वात्रः वात्रः विष्यः विषय **ॻॴाम्यान्य वाराम्यान्य वाराम्य विद्यान्य विद**

क्षेत्राच या-पूर्वा त्यापाया विषया वया महिन्याया विषय प्रवया ठ८.गु.पिकारमा.क्र.प्रथा.प्रथा.च्याका.वशा प्रयार्था.च्याका.वशायाच्या **लक्षाक्रियां व्याप्त विश्वायां विश्वायां विश्वायां विश्वायां विश्वायां विश्वायां विश्वायां विश्वायां विश्वायां** पञ्चितः सः वेरः विदा र्याः न्यं वः ग्रीः पणितः तः १६ व वेरः ग्रीवः ति प क्रिना नेव त्र्नायाया यु न १३ व न न न न इस्स स्य प्राप्त व न न न प्रवाधिक स्वाधिक स्वाध प्रवास होता ह्वितान्त्व न्तुः त्वापरायः १६ ने सः ने प्रवास विदान विदान विदान विदान विदान विदान विदान विदान विदान **गुैर्ना झुर्ळेनवरन हें हर् बेहर वेववर उदायान दें हर यह न**्वेनवर यहा <u>श्</u>चन'न्यंब'म्भैब'मुख'सॅ'ख'ने'क्वब'द्वेव'घर'म्बन्द्रा सु'म्बद्धव'वान्य' मन् राष्ट्रेष्वन्यपुत्राचराष्ट्रामळ्स्रसायाचराळ्ट्रासाच्चेट्राठेन अॱ६ॅलर्डन्'न्सुटसर्ह। श्वॅन'न्मॅब्रुन्र्न्ट्स्याय'लम्बुन्साय'लस् हुं अर्चेव व मा श्वाप्तरिया की रिवासिय रिवासिय विष्यति । स्व अर्ज्ञेव रिवस्की रिवासिय एट-पुःचे अते युवारम्या केट स्प्रायाया देर ब्राया क्षेत्र वृष्य क्षेत्र विष्य **४**ॱवृॱकुलॱर्यः मृत्रेअःयरे '८छः स्थार्यु। स्थार्युटः स्थरे ग्युः से '८णरः हुः ८णरः **ॖॱ**ॻॖऺॖॺॱढ़ॺॱॾॖॖॖऀॱॴढ़ॖ॔ॴॱऒॱॺॣॗॖॖॣॎॺॎऒॕॱॸ॔॔ॸॱॺॗॣॺॱॺॖॖॹॴढ़ॴॱॻॗढ़ॱऄॱॺढ़ढ़ॱय़ॸॱॻॖॹॱॱॱॱ **ब्रैं नड्न**'मैं'र्वेर'सु'रेव'र्घ'ळे'रे'र्न्म्थावस्य क्यामुख'र्घेरे'छुन्। नृ'सुख' कुल'र्घ'हिंद'णुै'नाडुन'लन्'विट्यवेटश्यते'वेट'द्ट'र्वेर'सु'रेद्र'या **ชิ.ชพพ.อป**.ะพ.ฟ.วิ.พะ.ฎีป.ศพ.ะะ.ร.ฟูฟพ.ถู.ถูษ.ฮะไ

कुलार्याः अवलायन्या नारे प्रतानी नारे प्रतानी नार्यं नालना नित्रा पदि स्थापा सामित ५८ देव में के (त्वारा) या दे व्यवस्थित प्राप्त विकास के दे प्राप्त के दे विकास धुना हेव पट चुट पत्र दन्तर है। दे हिर र ट रे मैन्य र पुरे बेया हुता ८६.८म्बरात्र्व्याः क्वांच्याः व्याः व न्त्रिं या मान्येव मासुन्याया मालव स्थापित स्थापित स्थापित स्यापित स्थापित स्याप स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप केद'र्मेंदे'यद'रे'ण'मेदे'र्मेंटब्य'र्मेंद्र्यम्भा नेर्द्रियम् য়ৢঢ়য়৽ঢ়য়৽য়য়য়য়৾ঢ়৽ৡঢ়৽ঢ়ৢ৽য়ৢ৽ঢ়৽য়৾৽য়ৢঢ়৽ঢ়য়৽য়ৢয়৽ঢ়ৢ৾য়৽ঢ়য়৽য়য়৽ वक्षक कर दे हे का लाय है ला हर हा कर प्रतास कर हो है का लाय है का कर है के लाय है का कर है का कर है के लाय है का कर है बट् बे ले प्रमुल है। हिंद में केंद्र में प्रमुव हिंद र प्रमुल हिंद में केंद्र T、基础は、よ、よ、い、として、上、こ、低、口道、よば、口、製土、口、基础は、ない、いには、多、ない、、 तपु.सू.विश्वावयावरावरात्रेवाया हारत्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा ^{ਖ਼}ਲ਼੶ਜ਼ੵਖ਼੶ਖ਼। য়ৄਜ਼੶৴ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੵ੶ਫ਼ੑਜ਼੶**ੵ**੶ৠਜ਼੶ਜ਼ਖ਼੶য়ৄਜ਼੶৴ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ৼৢঀ৾৽ਜ਼ৼ৾ঀ 리면 4·디지 월디·[미드·리·뙭·인·] 원디· 취드·저氏 5· 주 1 경·저· 두 게드·지도· वट.कट्रतर.चीर.धी १९४.वट्यापर.चीच्यथ.वय.चीच्यप्त.चीच्य मक्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् । श्रुम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् चुद्राया । [[शुर]] अर्देन प्वर्षे स्वर्शन से स्टर् स्वराया था । वासु सम्बर्ध स्वर् ष्रञ्च व. क. ह्र इंदु अ। निर्मन निर्म निर्म के के कि के निरम कि के कि कि के कि कि कि के कि कि कि कि कि कि कि क वै'सु'मे'ष्ठेय'प'८५। । बढ्'८८'५य'प'हेर'र्घ'प्रेमय'सर'ठव। ।वम्राप्ते'

ॲं'बल'दट'दश'पहेंद'य'९५। ।१९ हैंदेश हुद'दी रत्युर'दीट'९ सुल'य'ठदा। त्त्रिः कुलः संख्याः क्वां किवः प्रतः। । त्युहिः पेपः प्रवारम् वा स्वार्धः ह्वाः स्वार म्रेमा स्वित्रचेरसेट्रयाधुन्यम्नियायत्यः हेरसहन्यास्य विषयाधियास्य ब्रुं लागु । ना ने ना द्वार में दार हिंग केर र मुला । तमा मा हे मायल ब्रुरःब्रुलःस्रम्। वृतः वृत्वाद्यायः विदाः वृत्ते । वृत्तः वृत्ते । वृत्तः वृत्ते । वृत्तः वृत्ते । खपःळे**न**'ञ्च' ठवा दि'सेर'अव्हार्वयाचुल'याहे'रिप्य्याचीया हिर्ट्र য়ৄয়৸৴য়ৢঀ৾৽ড়ঀ৾৽৸৽য়৻ঀয়৽ঀয়৸ ।৸৸৽ঀৢ৽৸ঀ৽৸য়ৢয়৽য়য়৽য়৽য়ড়য়য়৽য়ৢ৽ ॲ८स'इसस'पर्सेरा ।नर'धेद'नर'पर'श'र्सेप'र्पद'स'क्रेर'दसा ।न<u>्</u>ष्न ॸॖॱॺॕॖॻॱॸॻॕॿॱॿॗॎॸॱॸॖॱॿॗऀॺॱॻढ़॓ॱॸॖऀॸॱॶॿऀॿ। ।ॷ**ज़**ॱॿॖॺॱॴॿज़ॺॱॐॿॆॿॺॱ**ॐ** कुष्दं देशायमा । हिटा केषा घटा भाष्ट्री है ति है। बेरा स्वापि प्राप्ति पारे पारे प्राप्ति प न्द्रमः चुनः व्याया व्याया विष्या विषया विषय व्व'र्'खुला दिव'मदे'से'ल'झु'म'मदेव'र्'सहरा अ्चिंप'र्मेदर्भंदस्य' क़ॕॖ॔ॸॱय़ॺॱ_{ॵॖ}ढ़॓ॱॿॖऀॴॱय़ॕ**ॱढ़ऀॎऻॴॴॕॱॴ**ॿॆॱढ़॓ॿॱॿॴॱय़ॕॱफ़ॕॗॸॱॸॣॕॴॴऄॗॿऻ मद्याः द्रायां पार्वा वास्ता विष्या मित्रा म भार्सु ह्येद रत्रेयमा द मार्केयामा निमान रामा स्वापा हिता **बर्माका ।** प्रमुण सुर्मार्मिर सुर्मेर सुर्मेर । कुलर्मेर सुर्दे के लेका मुत्र भना पिट. तबुट्य. पष्ट. भूट. ट्रट. इब. ज्ञ. कु. कु. कू. कू. कु. कु. व्याप्त विश्व हो। **घ८मा.मुअ.ग्रेट.के.अ.**ञुब.की.पमेंट.ग्री.लेब.टचा.लट.च्येथ.८थ.८४.च्येच्य. **ब्युप्तान्त्रभागम् । स्वा**याम् स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् स

मनामनना सनामन सन्तर में नामा हो द गी रहिन व सनामन समा सनाम सन्तर सम्मान सन्तर सन्तर सन्तर सन्तर सन्तर सन्तर सन चॅहे.पश्रथ.त.स्वेत। श्लॅं त.टेत्रं की.त्येष. १४४. इन्ट्रंब्रेट रहें बी.त.ली त्र्यापदे प्नामिका के प्रता के का का का ना के प्रता के प्रा ข้ารๆรรา ढ़ळेॱय़ॱय़ॖ॓॓ॖॸॱॻॖऀॱढ़ॸॖॖ**ज़**ॱढ़ॺ। ळॸॱ**ज़**ॐॸॱढ़ॺॱय़ॻॸॖज़ॺॱय़ॱॺॗऀॱॸय़ॺ**ॱॺॖॱ** য়য়য়৽ঽৢঀ৽য়য়য়৽য়৽য়ৄঀৼ৸ৼঢ়ৼঢ়য়ড়৽য়৽য়৽য়ৢয়৽য়ৼ৽ঢ়ৢ৽য়য়য়য়৽য়৽য়য়য়৽৽৽৽ कुल'पॅब'च्रच्य'वी'शु'लर्ल'चिहेर्न्व्याय'र्ज्ञेर्'पबा र'ल्'चकुहेर **ॺघरॱ**ॺॱॺॱॺ**ॱॺऻढ़ऀॱ**ॸ॔ॸॱढ़ॕ**ॺऻॱ**घॺॺॱ७ॸॱग़ॣॱॺऻॶॺॱॺॱॻॸॖॺऻॱॸॏॺॱॸॻॸॱॻॖॆॸॱय़ॱॱ ऍ८स। सहे*र* रेनस्र ५८ माइब ब्रुप्त रेपिकु ५ ५२ चरा विश्व रेनस् **८८.७४८.४५८५५५५५५ अ.सल.लट.५५५५५**७५५३ र्र। बेबानशुप्तवार्थ। देववाकुलायाहेल्यप्तवावयावराकुंदाउपा सुबानविष्या ผาभิदाचङ्कुराव् यामस्यापयाण्चै सम्बद्धाः स्वयः स्वरामिदानीयावम् । सेरारी **गणा** PEN'UT'R59'A5'51

भूत् खुरा च क्षेत्र च क्ष

न्तु है नर विर कु दवा मी लिवाला ला है के वाला वह के न्य नुस्तर वास न

今に、日、24、七に、高名、東に、日、日、日、日、25、1日、1日、24、日、24、日、25、1日、

ऍन्।न्दःच्रिःग्रुःस्निवःग्रुःद्वः।न्दःव। द्वेरःन्४ःचःर्रःवळरःठवः Burgargargargarch كالمرابعة المرابعة الم য়ৢ৾৾৾য়ৢ৾ৼ৽য়৽ঀ৾ড়৽য়ঀ৾৽ৼঢ়৾৽ৼৼ৾৽ঀঢ়৾য়৽ঢ়৽ৼ৽ৼঢ়ঽ৽৻৾ঀয়য়৽৾ঀঢ়৾ঀ৸য়৽ स्। श्रेटःसं रे सं धुँ प्रश्नाय हुरे स्वर्या कुषा प्राप्ता क्रिराय **रेवा स**् केंदे में म हायह व सहें है नियं व सकें मा है व ही पर्यो है पर्यो है व र्भायते प्रमृत्याप्त बिवाया स्रा र्माया वाह्य स्थापा स्थाप स्थापा स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स् दै 'देद' ऍ' केरे 'म्हेर' मुँ 'अहॅरा क्य' कुँद' म्बेद' [हे '] देन 'ऍ' के 'म्**रुअ**'स' ष्मित्रं ने प्रत्या वृष्यं क्ष्मित्रं क्षेत्रं प्रत्यं स्वर्धः विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विषयं **श्चरः अर्देरः मञ्जर देः रेवः र्या के 'र्वर मो अर्दर'र्ने। के सम्ब्रेटः वे 'वना या अकेरः** म्बुबालाम् न् र्रे। विकर्भिके व स्वी वटाम् विश्व व स्वी व्याप्त व स्वी व्याप्त व स्वी व स्वी व स्वी व स्वी व स वा क्रमः मुँदः मुतः मुतः मिष्यः वादारा छा वे त्या मात्रा दे। प्रमुद्धा स्वापा मात्रा है दा ह पकुरा पन्तरहे पढ़े पढ़ 'विज्ञा के 'क्रा शुका ह 'क्रा पकुरा मा क्रा के क्रा ह

नर्गरःब्रह्नरन्गुरथावेराक्षर्याद्वाङ्गरुष्ठाक्षरमाध्यात्व्वाव्याक्षा व्यवाद्वान्याः व्यवाद्यान्याः व्यवाद्यान्यायः व्यवाद्यान्याः व्यवाद्यान्याः व्यवाद्यान्याः व्यवाद्यान्याः व्यवाद्यान्याः व्यवाद्यान्यायः व्यवाद्यान्यायः व्यव्याव्यायः व्यव्याव्यान्यायः व्यव्यायः व्यव्याव्यायः व्यव्याव्यायः व्यव्याव्यायः व्यव्यायः व्यव्यायः व्यव्यायः व्यव्यायः व्यव्यायः व्यव्यव्यायः व्यव्यव रम्माम्बराष्ट्राह्मान्त्रम् विराम्नाम्यान्यान्यम् विराम्भातान्त्रम् पाम्चराम्द्रियाम्याम्बरार्म्स्याम्बरार्म्स्याम्बर्गाम्याम्याम्याम्या **ॅंग्न्रा** क्रामुण्यवरायाम् क्रियायाम् प्रामुण्याम् वरामुणा इकान्याम्बन्मित्राम्ता भुक्तावरा चुराक्ष्याचा है किंग्या चुराक्ष्या के विद्यालया रे अने ने अरे के तर है तर है व कुला चेंदे प्राणीन पा जुना के वार्की प्राप्त स्थान **नुम्मिन्यः [महुमः**] उवः त्यामिन्दः न्। व्यास्य स्यामिन्यः विवयः तिवः स्तरः **मदयःश** अनेव.र्यातह्यात्यायः मिटाव.हे.क्र्यायायह्यात्यायः भेरिह्र. पास्त्रतः स्थाप्तः के प्रमाना के प्रमाना के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र **ॐयःॐु**टःदेःम्भेदःहेःम्भेट् अहेःहिंदःह्यःखः उदःखःम्ह्रःहाः ॐषःणुः तक्र् <u> १व मे त्राप्त क्षा व्याप्त व</u> मार् रुष्ट्रियाची नार्षा कृष्यः श्रीताची तार्षात्री नार्षात्र स्वापार्थः **लाम्**5५'६। २४'नावराण्चे व्रीटाटा व्रेटिविटाम्बुयाला नर्५'तर्ला इन्नराम्हर्मित्रम् इर्म्मराधनायः भी निटाकितः क्षेत्रम् स्राम्हरा प**बु**ण्यार्थे। देश्संदेशस्य व्यास्ति हेट्यार्थे हर्या हिन्दी हेट्या हिन्दी हिन् **র্ব্ভিল্মার্মার্গ পুর্বালন্ত্র নেশান্দ্র বিশ্ব নির্ভিল্ন কর্মান্ত্র প্রাল্মির্লা** विवार हे में वार हे दार प्राप्त है। वार हे कि क्षाया है। वार है। वार राय है। कुटा द्वेत्वायाव सेटाया अवता प्रयाप्त राष्ट्रिय हिरा बिवाया हा । सार दिरा **बर्देन्यः न्युयः** वर्षे दर्मे। स्रामेबर्ग्नु गम्बर्द्धाः मुख्यः मृत्यः प्रदेशः मुख्यः प्रदेशः मुख्यः प्रदेशः प्रदेशः **ब्रे.शे**र्यक्ष, हु.ष्रुव, स्रा हु.पर्थव, श्रट, म्रा.ब्री पश्रुध, हू. श्र.ब्रेंट, ले**र्या**, पश्ची, पश्ची, पश्ची, स्रा.

मबुद्राही धार्याकार्मनाम्बद्धामा सम्बद्धामहे सुद्रिकार्यदा क्रम र्श्वेदःर्पटःळेदःणुःष्वं १९ द्वस्याया न हरःर्हे। सहया परा गुटा कुपा सक्रेना हुः श्रेम्या विष्यक्षेत्राच्ये स्त्राच्ये स्त्राच स्त्राच स्त्राच्ये स्त्राच स्त्र रेषार्थ। र्ह्यार्श्चिटान्यूर्टाङ्कियारान्यूर्टाङ्कालान्युर्टा कुला(लका)व्ट श्चित्राचा द्वे क्ष्याया वत्या ग्री म्हणाया स्वतायह न स्वतायह न स्वतायह न स्वतायह न स्वतायह न स्वतायह न स्वतायह पबिर्यायास्य द्राप्ताचे स्थापर स्थाप्तायहरी अस्य पर विराक्तायहर की रस्याचबुनासःस्। क्रसःसुदान्देशस्यासम्। ह्यायान्तरःस्। नदावनायुदाः <u> ब्रेंब,तपु,ध्रीट,ह्रा ट्वाप,र्ह्ब,विश्वातपु,ध्रीट,बी क्रे.क्र्याब,विश्वाताश्री,</u> ८िवर ति ति विषय स्था सि स्थित महिना है नि विषय स्था से दिन नि से नि वि ष्णको ने ग्ना सु प्रविन : हि ग्न बुत र हे ग्हु ग्न हु न हु साम बुन स से। दे से ग्रु स्वयायहे र भुक्ति-रचकार्या व्यवसामुकासुकारु ४ मिहिकाय बुनावार्वा नाववानह्वा केव[्]र्सं'पञ्ज'तुष'प्रतः। प्रयमः'ण्याप्रति। ष्रामुः'क'श्चरः'पे'श्चेष' र्ना ञ्चरकुर्णे न्वरुष्टन्य स्वित्रकारि ज्ञेरास्य अपियान्यसम्बर् <u>ॻॖऀॱॏॖॖ</u>ॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱढ़ॱख़ॖॱळॅगक़ॱढ़ॖॖॖॖॖॺॱॻॸॱख़ॗॖॖॖॖॸॱॴड़ढ़ॱॻ॔क़ॖॗढ़ॱढ़ढ़ॱॻॖऀक़ॱॻऻढ़ऀॱॱ मिलानार्वायासा प्रमाता नम्भारापावरापुराकुराकुरातारापाद्रार्वाकुराकुराकुराकुरा हुन्ः्रेंपबुन्यःश्रा रे अंके र्पन्न केर्प्रात्यं रहे हुं प्राप्ता नहना हॅर-ऍर्-ग्रु-र्ग्युलरहॉक्र-म्बुबा हॉक्र-व्हिबस-द्र-वलर्मा केहे-कुर्-रेस-प**बु**न्यःर्थ। र्ह्रयःश्चिरःचुलःर्घः ५६लः सर्ने :ठदःलः न् ५५ दे।

.बर्केन देव देव देव वित्व वित **ଐଷ୍ଟ୍ରି'ଞ୍ଗ୍'ନ୍'ା ଞ୍ଗ୍'**ଷ୍ଟ୍ର୍ୟର୍'ଚ୍'ନ୍'ମ୍ବ୍'ନ୍'ନ୍'ନ୍'ନ୍'ନ୍'ନ୍'ନ୍'ନ୍' पक्षतान्त्रवा प्रतास्त्रवा वर्षेत्रवाति । वर्षेत्रवेत्त्रवाति वर्षेत्रवेत्त्रवात्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रव रतिर वेयानिवासामाया हुपान् विरानी हराने वायवेया माने विषया है। दिन ह **२८. पश्चान्त्री प्रक्रियाचे प्रक्** के'लय'न्बिंद'दु'र्देर'यबर'नेयाह्य'यातु"रु'यहेद'यहेररेग्वं। ह्वेर'यर'मुं ॻॖऀॱॸय़ॱज़ढ़*ॺॱ*ॻॖऀॱय़ऒ॔ॸॱय़ॱॸय़ॱॎज़ॿढ़ॱॺय़ॱक़ॗॖॱढ़ज़ॱय़ॕॱॺज़ॱऄऀॸॱॻॖऀॱॸऀॱऄॕॱ מריבוישקן אַאיאַַביאקקיביקאדיקבין קבומיפּיאַיבישיביאַי ल्यामात्र्रा मञ्जालमात्राच्या क्षेत्राच्या व्यापनात्राच्या विकास वित पर्नेट'प'ल। ।८्पु'र्रे'रेण्य'ण्युय'र्नेल'८्ण्र'यळॅ८्'हेव'लद्श ।८्पॅर'स' इस्राम्युस्य देव केव विषय दारहवा । मुर्च र मुद्देर विदाय दिन प्राप्त । मुर्च र मुद्देर विदाय दिन प्राप्त । बह्या । व्रिंगि क्ये त्वे या देया रामा मान्या ता र्या त्या विष्या में के प्राप्त करा बुदाक्षेप्तरभुवा।कॅदादेशमञ्चराक्षेत्रपुर्वाचुराक्षेत्रपुर्वाच्या **ब्रै**हु'ल'र्सन्यन्दु क्रम् हिटा विकासिक क्रम् निवासन् सदि दुन् ह्ये । **बंदिनया** ।अर्केर्नयिः धुःर्वयाद्वीयस्य स्थापरात्मया । देवाकेवा**म्**र्वया सहसामित्रम् विवादाः सहस्या । यद् सहस्य द्वारा स्वादाः मिन् वादाः सहस्य स्वादाः पनुत्। ।न्त्र हेरहेरहेरह्या न्युव प्याप्त हेव यह व प्याप्त । व्यापह्य केर ढ़ॻॗॸॱॺॕॱॺ**ज़**ॱॸॏढ़ॗड़ऻऻॺॺॕढ़ॱॺॺऀॸॱॺऻऄॸॱॻॖऀॱॴॱॸॱॴज़ॖॱॴऻॸॎढ़ॱऄढ़ॱख़ॗ**॰** लास्त्रम्या । धराणा वाष्ट्रेया वाष्ट्रया वाष्ट्रया । निर्मार्थः स्व क्रोनट.त.भ्रष्ट्रद्यत्तर.पद्धेट्या । ग्रु.श्रयः प्रतानिवायः स्वानिवायः स्वानिवायः **त्रा । श्राम्य केत्र केत्र केत्र व्यायकेत्र व्यायकेत्र व्याय विवा** । उत्र प्रतः केत्र स्थि तिट.घंचट.खेल.लथ.तिट.। । ईञ.घंट.धू.पीश्चथ.इचे.छ्चे.पोश्चर.क्रीय.चक्केचे। । न्येर चु देश सु र विया पर अत् सु र हुन। । इस पर सूर सह र रे न्या हर गुदः गुः मुहा सिम्बः श्वेनः हिनावः सुः श्वेमः पदिः गुदः शः मन्तुद। । हेः मदेः ख्रवः **ॻॻऀ**ट्रिंद्र-त्यरद्देशत्वार्हेश । श्चितायीटाश्वेशतत्वेतात्वेत्रायात्वेतारप्रथा म्। व्रिच्याचार्यकृत्वित्रकृतात्रेयसन्द्रात्रकृष्युःपद्धी । । पद्यान्त्रः स्राप्तः विद्रे हे इं द्वा । पहुं पा द्वा विद्यापविद्यापम् द्वा प्रेत प्राया ववा । वित् पा विव ॕॗज़ॱॻॾ॒य़ॱऄय़ॱॺॱ**ढ़ॖज़ॱ**ढ़ॎॼय़ॱय़ऻ॔ऻक़ॕॗॱॻढ़ॗ॓ॱॺॗॖॸॱॺड़॔ॸॱॺॕॖॱॸ॓ढ़॓ज़ॱय़॔ॱॻॿॖॸॗॗॗॗॎग़ **ब्राम्बर्क्वा**तक्चित्रवास्यारह्यस्यातात्। पिह्नाम्हेवर्क्वातक्चित्र्ष्रेवसान्तः चेलातात्। जि.पुराव्चाकुषाद्वास्यायायुवात्रक्षात्। विकाञ्चरासहर्पान्र **न्ययःतःभ्यू**यःक्तःर्टा ।2्यः पश्चायःयः क्याप्ययः पश्चायुवः गुरु **ग**8ेवा । मुं ग्नर्युवा केवाबहर त्यां प्रदेश स्वाप्त । तहिना हेव ग्नर्युवा **ૹૹૄઽ૽૽ૢૢ૽૾૽ઽ૽ઌ**૽ૡ૽૾ૡૡઌૻૡ૽ૺ૾૽૽ૹ૽ૻઌઙૢ૽ૢ૾ૹ૾૽૱૽ૹૹૹૹૹૹૹ૽૽ૹ૿૽ૢ૽ૡ૿ૹ<mark>૽ઌ૽૽૱ૹ</mark>ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺ **द्वा**र्चें र उदा । चिर क्वा शेश्रय र पर पर खाय के वार करा थें। **द्यान**िक, १९ व. भूटयान्ने ८. जयानी । विश्वयानीयेशः देशः मैजात्यानी, खेनेया

अतः श्रुदः त्रास्त्र त्रां स्वार्थ त्राप्त त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्राप्त त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्राप्त त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्थ त्राप्त त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्य त्रां स्वार्य त्रां स्वार्थ त्रां स्वार्य त्रां स्वर्य त्रां स्वार्य त्रां स्वार्य त्रां स्वार्य त्रां स्वार्य त्रां

द्राष्ट्रपादुव्यं अपावुक्य कुर्यायव्य अप्ताव्य स्थाप्ता व्य स्थाप्ता स्य स्थाप्ता स्य स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता

पर्नारहायन्यार सुरान्व व ग्रीवा । बुका हूँ राधवाव व वा प्राप्

स्था द्वा । कुल स्था । कुल स्था

 स्वाद्य स्वयं स्य

त्व बार्श्व प्रति व प्रति प्रति व प्र

श्चर्याय विकास में स्वर्ध के लिए हैं के कि लिए हैं कि पर्दर्'ऍ'इट'ऄॕ॒ट'रैनक'खु'ऄॗॺऻ ।पर्न'दे'ख़'ख़'ऄ॒व'पुर'ऄॗ**ॺऻ ।दे'** यक्तेव्यार्भन्ताः । व्यादाविष्ट्रीव्यायाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टा **୷୶ୖୡ୲ ୲୷ୣ୵୴**୕ୣୡ୕୵ଌ୕୵ୡୖୣଌୖୢ୵୶୲ୡ୲ ୲ୡୄୄଞମୣ୶୵୳୵ୄଞମୣ୶ୄ୴ୡ୲୵୶ୣୣୣଌୡୄ୵ **७७०.२। १००.श्रृट:**कुल:प्र-ःश्रेय:वय:दी ।यटय:कुय:पश्रेव:पः८हवः मर में म । केंबर मी पहन पर हीं दानर में म । द्वे पर दुवर है र केंबर ह निया पर **र्भेन ।**देग्नेदर्श्चेत्रायसम्प्रायम्भेत्रा ।दग्नुरम्भुत्रायस्येता । न्ना । हेर हिर क्षेत्र क्षेत्र प्रभावी । प्रमानिक विकास क्षेत्र प्रमानिक विकास का विकास के स्वाप्त का विकास के मृद्यायायायायायाया । कुलायहै प्यस्त्रायाहै दायायेया । स्वापाद्यं प्राप्तेया । स्वापाद्यं प्राप्तेया ট্রীব্ মেন : শ্লুৰ্ নেম নেদ্রনা ।ব্ পু নে ক্লুম ক্লুৰ্ । শ্লুম শ্লুৰ্ নেম শ্লুৰ্ নেম শ্লুৰ্ নেম শ্লুৰ্ নেম শ্লুৰ্ है। । पर्वा दे स्वाय रक्ट यद्य हुं पय ठवा । द्वर देन रहेन य पर रहेल करःर्वेण कियात्रुप्ताययातात्र्युतातरःर्वेण ।ट्रेन्स्ट्र्यूद्रस्थात्राद्राता **क्षेत्र।** ।श्चिष्ययाप्तरपायायषु प्रविष्या । अप्तर्म । श्चिष्य प्रविष्य प्रविष्या । **क्रिंश्तरः**श्चेत्राणुटः पॅट्राखुलानु। श्चियः न्प्त्रायद्याप्यत्याणुरः यायेव। ।कुलः **मॅ**रि**'यु**न्य'प्य'प्ययापयापय'रदी । स्निन्'यास्य प्रतेष्ट'प्रेट्'दाया ।सॅं' <u> हमःविन्तः प्रभूतः । प्रमृत्यः विभ्यः विभ्यः सः प्रभ्यः प्रम्यः प्रभूपा । प्र</u> **है'अ'५'पर**'अ'९पुर'गवसामर्ग ।कु'गर'खुश'र्'रश्वें'पर'खु। ।देस **पश्चित्रायाया** कुलार्यसाश्चितान्यद्वात्रक्षेत्रायायस्याचेत्राचे 55ª **ब्रै**णयःपणटःवयःस्या ८६गःहेवःग्रैःबयःत्रस्य द्वायःद्वरमा स्वायःस्य **ब्रैंन'म'नुबा ब्रुव**'कम'महेंब'वब'खु'म'वब'हब'टु'खुब'मा खे'बाही। ₹'

र्हराषु कुव ए<mark>या व कर्षें दाया थे। श्रिम प्रमेव द कर महिका महास्थान श</mark>्रिवा । ୢୖୄୠ୰୷ୄ୕ଌ୕ୣ୶୰୴**୕ୣଌ୕ୣ୶୷୶୰୷୷**୲ୄଈୢ୰୷ଽୄଊ୷ୄଽୄୢୖୠ୶୳ୣ୕୶୳ୄ୕ୡ୲୲୴୕ୡୄ **ॾॕॣढ़ॱय़ॺॱॸॸॖॸॱय़ॱऄढ़ऻॎऻॕॕॎॗॸॱ**ॸॣॻॕढ़ॱढ़ऺॺॱॴॗऀऄॱक़ॗॱॴॸॱॿॖऀऻ_ॣऻढ़ॕॺॱॻॖऀॱॶय़ॱॸॖ **क्केब्रयाध्येता ।मन्मादेगमा**मः उदा**ग्री**व्यंत्रया ।म्निर्म्मान्यस्य न्यात्रा **ऄॗ**ॺऻ**ॳॎॺॱॻॖऀॱॸ॔ॻॾॱॻऀॺॱक़ॗॖॖॖॗॺॱ**ऻॻॸ॔**ॻ**ॱव॓ॱऄॸ॔ॱॸ॔ॺॱॻॺॺॱॺॺॱढ़ऻऀऻ १९.य.६.पाठ्या केपारमञ्चलान्य १५.४४। ।श्चान्य प्राप्त है स्व. १४० वा वा वि ञ्चवःहत्य**ःगुनःसरःदी ।८**६यःगुनःत्रुगयःत्रात्रात्रात्रदःप्रदेगे ।हेनाः वयः हरे प्रनरम्यः स्यार् स्यार स्था । स्र र जिर मुं हेव के स्य र गुरा । वि र्षेटः हे'पर**्व'स्यान्या ।पढु**र'पर'से खु'प**खु**गस'**पर'खु। ।**युग्य'र्स चक्केर प्रमें प्रका**म्दर मराबु**। विवादु पा सुवा प्रवादित महिवा महिवा ৠৢঌ৽ল৸৸৴ৼ**৾য়ৢঌ৽৸**৾৾৾৾৾ৠ৸৴ৼৣঢ়৾ঀ৽৸৴৻৽ড়৸৽ঀয়ৢঌ৽ড়ৢ৾৾৽ ब्या दाने में के त्या मुद्ध दार्था विष्या देश के त्या के त ऄज़ॺॱय़ॺॱॸॖ॓ॱॻॿॆढ़ॱॻॹॖॗऀढ़ॕ**ॱज़**ॹॖढ़ॺॱढ़ॺऻॎॱॱॸ॓ॣॸॕॗॸॱॸॖॕॕॸॱॸऻॗऀॺॱॹॗॺॱॻॕ ल.चर्यायान्ये चंटाचाली **क्री.च.चर्यथानी क्री.ध्रयानीया ।जया**मी प्रस्यामीय पूर-रे.प्रकूबंदा किर**.ल**ट.पद्**र.पू.**रेकु**क.तर.पकु**री दि.लट.पद्र. पूर्य खेल. श्रु. पश्चित्य स्मार प्रामुद्धाः । **क्रुयः मश्चित्यः दयः पर्वे म**यः सर्गायायः **山ると、天、1**

दे.वथा मैलाक्ष्या श्रीयान्यूव न्यक्षेत्राचा क्ष्या प्रवासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्

नश्चर-कुै।वि.ज.ब.ष्ट्रन, ची.ष्ट्रज, चेथ्य, चेथ्य, चेथा कुष्ट, चेथा कुष्ट, चेथा कुष्ट, चेथा कुष्ट, चेथा कुष्ट, चे न्यवायन्यायबुन्या न्याये विष्याचार्यन्याये त्राये व्यवस्थाये विषया व्यवस्थाये विषया वि **८८.मान. १**८.मानव.८८.मानव.ता.साचव.ता.स.हे.स. ३.च्लीवथा स्ट.चल. माळव्यायायार्सेनार्यात्रिः चुलावळव्यादाञ्चाना ଦ୍ୟକୃଦ୍ୟମ୍ୟ ନୃତ୍ୟ ପଞ୍ଜ ଅଧ୍ୟ **मक्षेर्चीःकष्टरेशासिःमरः**मार्गराम्बेष्टाम्बेष्ट्रमान्यः **श्चर-त्रक, के अन्नामक्रिक मा से प्राप्त मा स्वर्ग में अन्य मा मा अन्य मा अन्य मा अन्य मा अन्य मा अन्य मा अन्य** <u>२.५.तेषताययाक्षयामञ्चरात्तराबी ख्राचार्या वि.च</u>र.कूता न्त्रभुरत्वित्यायते। नियाक्यारेवायाकेषायात्राम्यायाः ढ़ॖॖॖॖॖॖढ़ॱज़ॣढ़ॱढ़ॗॣॖॖॖॖढ़ॱॻऻॗॱऻॾॣॕॻॱॸॣॻॣढ़ॱढ़ॗढ़ॱॻॣढ़ॹॼऻॗॗऀॷॴॗ**ऻॻ**ॴट. য়ৄ৾৾য়য়৽৻৴ৼ৽ঀ৽য়ড়৾৾ঀ৽য়ৣ৾৾৾ঀ৾৾৾ঢ়ড়য়৽ঀ৽৸ঀ৾য়ৼ৾য়৸ঀয়৽৻৸য়৽য়ড়য়৽ गुैक'पङ्कुर'पर'बु। ।वॅर्'ख्य'सुद'पर'रियेगव'पर्या ।कॅकागुै'ऄॣंद'से' স্থ্ৰ-'বে-'ৰ্। ৰিব'ৰুঝ'বন'ৰ্ধ্ব'ন্দ্ৰ'ন্ট্ৰ'ণ্ট্ৰ'ণ্ট্ৰ'ন্ ক্ৰুঅ'ম'কৈৰ'ম'উন্'ল্ৰী'ৰী'ৰ্অৰ'অ'ৰী'ন্**ন্'**ম'**ঐন্। ইৰ্'ম'কৈৰ্'ম'ৰ্অৰ'ৰী**' चः८५ःचःचरुरः५वाँ बःचबः८ळॅबःवे**षःग**ञ्चदशःद्या थुषःवेःर्यः**गञ्जनः** दशःश्चेतिष्ठेश्वरम्बिन्यरायक्तामा श्चित्रम्बन्यरायन्त्रम्बन्यः दटः ㅁ쮨지| हेब. ४ चर. व. अष्य अथ. भी. कैंटी वट बी. में. ४ इब. व. ४ बूर. वहु ब. व. ४ कि. मुख.

मर्निः निष्यु केनाया करामा वनायर पुरायते छिरासुते सुपा सनायर 951 नभूल'या के प्रतार प्रतार प्रतार कुर्। नुष्टा में भूता से नास निष्या के तार के के प्रतार के के प्रतार के कि प्र महे १ है। बीचर मिर्म समाम मिर्म प्राप्त है रहे प्राप्त १ है। स्व 15व मी मिन खन्य भे से स्वास्त्र का से से प्रमाण के से प्रम के से प्रमाण के से प्रमाण के से प्रमाण के से प्रमाण के से प्रम के से प्रमाण के से प्रम महे हु। देनाय हमाय ग्रे सुमाय के दिया परित्या महे हु। तह्य न्यलः सुर्ते कुन् हा प्यत्र त्वार्या यन्यः वासुरः वी कुन् हास्रे वार्मेला या पत्रः के 'ॲव' ५व' मुै ' कुर' पत्र र के ' रेश' या के 'कुर'। स्र'या र भेव' या वा में ਰੂਨਾਰੇ ਨਿੱਲ ਕਾਮਾਨਰਕਾਵੀ। ਕਾਕਾਬਨਿ ਸਨਿੰਦ ਸੀ ਰੂਨ ਨਰਕਾਨੈਸ ਡੈਨਾਮਾ क्रि. जिटा तुर जनां में ट. च. र ट. किया के वाया पट्टा वाया पट्टा वाया पट्टा वीया तार विकास कूट,ियातकेब,तपु,कीती जयाकी,अष्ट्र,हारीस्त्रतकेब,तपु,कीटी योथाया पर्षः ध्रेरः ह्यां शक्तः के रहा। वर्षेत्राया वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः मह. हैर बंब भीर बहूर हैर ज़ैय पश्च पर पह की । हैं या पान वर्ष श्र वरामु परि क्षेर केवा थे किंदा की मुता वहुता बुवाय दवा वर महिता बुवाय दवा वर महिता बुवाय दवा वर महिता बुवाय के **क्षर्बर, कु. रूप, ७** पूर्व, चु. कुँरी **प्या, धुश्व,**तास, कुँव, पञ्च बश्व, पुर, कुँर, अ. ঀৢ৾ঀ৾৽ৼ৾৽৽য়ৡ৾ঀয়য়য়য়য়য়য়ড়৽ঢ়৽ঢ়ৢ৾৽য়ৄ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽ঢ়য়ৢ৽ঢ়ৡৼ৽ न्द्र-कृत्केरक्ता पण्ठार्विरःक्वेत्राविः व्यक्तिकाल्यारायः लका. ित्रकूषा. े तथु. क्रेर. ट्राफा. एवर. ब्रिंग्स्ट. क्रेंटा वचुवाया. **वा**चुर. खेटा **बक्क** परि धुर बैट पर्ड क्रिंता परे कुरा दे क्षया वे बाफ क्रांति वाहे [[कुर पेक

र्दे। िंदराब्य**र्वे .**सूर्याचेट्र.∏ङ्गाराब्यू.राखे,श्रंथबर-८रःक,षबर्गवे रप्टेबर्,हची. पहुरम्ही ँ **ज.पुयास्थान बूचाचुरिष्टरा**ष्ट्री टैर्स्ट्रिनिनिनेयातहर वर्दा वेमयास्टाकेदार्यदेशवर्दा यह्यानुवाद्यस्य उर्ग्णु र्नोह्याम त्रुबग्यादैःचण्तात्रव्यवयाद्यन्तुं देवस्या<mark>सुग्यखु</mark>न्यायाय्येदार्दे। न्यवायाय्ये ²व्यापासुरे कुराबद्याकुषाव्यक्षसञ्चरा मुन्दावी कुराह्यावदा येवा ये। *ষ্ণু*ল্ৰ'ট্ট'কুন'ল্ৰন'ন'নে<u>'</u>নে'ৰ'লা জ্<mark>ৰ'চৰ'ট্ট'কুন'ৰ</mark>্ন'শ্বন'কুন'না নপ্ৰৰ लक्ष्याः कुरान्त्राकाता सहना सुरा**र्व ग्यस्याम् स्टान**्व प्यवेदे सुरार् ब्रैंद्रियार्न्यतम् । अध्ययः ८८. छः भ्यः स्टः सम्बद्धः भ्रवः सः व्यवः सः क्रेट.च्रा ४ स्रुव.प्रयान.क्ट.पर.पक्रेव.प.च्री.४ स्रिय.पर्वे.पर्वे.पर्वे. बद्द'रु'चुर'याञ्चरत्राञ्चार वुलाञ्चरमा नवा**ठनार्-एक्र**'पदे व्वद्र'पाञ्चर'याञ्चर ्युक्तिशम् द्वापश्चरावस्यापस्यापस्यायस्यायस्यायस्यायस्यायस्या लत्ये रे.वीराता के श्र की एतीला हार बाबायराता कि श्रूटाता की एतीला के याता चनुःद्वापा देव नियामा से विवास से विवास मानि हो। इस्रेक्ष्ये नियट हिन्य वट ने कुर हिता स्नि र्में राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र उन्दित्रुते कुल वळव जीवा पश्चरम् कुर्ने कुर्ने कुराने से दूरे लेव दिते गुड्मारमामाना वृहाम्बामामा अतार्वेदान्य वार्षेत्र हैं रिस्तित मुन्न विद्याति में निर्देश स्थान बह्द्रव्दावबुग्रार्थ।

ह्नप्रवाह्म । इस्ते स्वाह्म विकास स्वाह्म । इस्ते क्रिया व अथा १८८३ **ॻ**ॺॖॖॺॱढ़ॺॱॻॸॱक़ॗॺॱॻॸऀॱक़ॗॗॸऻ ॸऀॻॱॺ॒ॻॺॱॿॺॺॱढ़ॸ॔ॱॻॖऀॱॸॗॺॕॸॺॱॻॱॻॺ**ॺॱ म**5व छे यह कु ८ ८ ८ ५ **ज**माणी छ पा छे प्रवासी कु ८ दे। ह्य द राम विमया कुंभूरापटा परामाङ्गास्यामाकुं कुरा परामाङ्गराचा कुंग **क.च.**क्चे थ.कुरी कुरा कराच्युय. ब्र.नं विष्ठ.कुरा ल.ब्र.सं.त. ५.र्.स्. **ळ८.७५८.** विक्रा च.च.१५०० कुटालाश्चायता ४८४.८तालानी. भूरामा प्रह्मानाकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्याकान्य न्यलः ईवः मॅं क्षेत्राया सेन्यते कुन्। तहसान्यला सकवाणा निष्या । पर्ट,तात्रेंर्प्ता ब्रिडिट्याकी केंर्प्ता स्वायायात्। विवायाद्र हुहुः सूराला ष्ठण'व'र्दे'हेर'न्परायसुर'महे'कुना हें'हे'ब'र्हण'में'कुना हें'हे'चे'र्हेद'कुं' কুবা হ'ই'অবি'দ্বিশক্তী'কুবা হ'ই' ইব' অনি'কুব' শে শ্বামানে বি <u>च</u>बिटय.चे.कि.ज.जूचथ.**त.तम्**के.चैंचा.छेट्। क्षे.ता.कप्ट.केंटे.त ढु.जा ईथा कुरा लन्दरहें हे राज्य प्रमुद्ध प्रमें कुर दी क्याप्य में में प्रमेर कुर 4'1'X'E'E'B'XA' gal \$'LLC'A'X' 143' CLA' AXA' 5' C' XA' g'C' द्रा यदासुर्जण्याक्ष्याः [[प्रमुकायके कुरा]] द्राम्बेक्षा देशका म्यार **ᡨ**┩┩╚╚┆ॱॼॖ॔ҀॱҀ҃**ऻ 러┍ढ़ॱऍॱऍॱड़ऀॱ和ॱॖॱ॔**८ॱऒ॔ॱढ़ॖ॔ॱॻॱॠॱॻॱ॔ॻय़ज़ॱॻॾॆॴॺॱ

दे द ब मुल रॉहे खुन्ब दर्जें स्व ला न्व स्य स्व व स है हे खेल राहे केंब **ळे.चे**ड्रचे.ल.ते.चे.क्ष्रं.च्.अक्ष्यं.चे. ८५४५चीच.क्ष्यंत्रत्युप्तःक्ष्यःमी.चेर् तिन्रः मुताया विताया तम्ति । अप्तुदा व किंवा शित् के के वा विषया मुदा व भ्रारविद्यान्य की नर दे कूबाल निह्मा है मे हर दूस्य केश बना निवर हा मॅ॰के॰अ॰५॰श॰मॅ५॰ग्रै॰के॰५वणः रमः५॰मुदः द सःम५८ःमः देः<u>सूमसःदवःवम्दःः</u> क्रैट.म्। धटश्रटाजाकी.क्रट.ची बी.बी.खे.च्यां.सी २.स्ट.क्रट.चे.र. हारने में पार्य में या दे में या दे में या दे में या दे में या पार्य म देेेे ९ 'पर्ने**व**'व ब'न्युरी' बर्केन् '**ज्**व ब'खु'पणुर'पर'प**ल** ('ञ्च ब'ने। प्रमुख्या क्षा के प्रमुख्या दुर्देश प्रमुख्या दुर्प के स्थित हि प्रमुख्या प पञ्चरःवर्गः प्रत्ने क्षां प **ब**बःकुॱनरःखुलः5ु'कुब**ं**हे। **५**"कु'कु'न्स्'कुल'ब'न्नब्दःह्नब'हॅ'हे'केन् पायाचीपाताञ्चपायराचेयायराम्हास्त्रप्रति। प्रतास्त्राच्या चे.(भुैतका)ेश्व.वे.त.व.धूंच.र्यू**व.कूँ.या.र.वे.**च.च.व्येयश्चरतया न्न्य•्वेशः प्रश्नास्यः श्चिमः न्यं व श्चिमः न्यं व प्रश्नामः अस्तः श्वरः व र्यात्रः व र्यात्रः व राज्यस्यः अस् पबुगमः प्रमायाः अहतः पुरि प्रमायाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व <u>ऄॕॖ</u>ॖॖॻॱॸॣॻॣ॔ढ़ॹॖऀॱक़ॗढ़ॱक़॔ॸॱॻढ़ढ़ॱॺॻॺॱॶॖॱॺॕॸॱय़ॎॱ**ॻ**ऻऄॸॱख़ॖय़ॱय़ॎ**ॱॕॎढ़ॺॱऄॻऻॱॱॱॱ**

मावतः रूटः नी बेरावया देरावदा गुण्यवादे के दुना दुरा पुष्टेव व माखुना तकला मुश्च-प्रतिविध्यात् स्विप्ति स्विपति स्विप्ति स्विपति स्विप्ति स्विप्ति स्विप्ति स्विप्ति स्विप्ति स्विप्ति स्विपति <u> च्यात्रे प्राप्ताया कुरहर् सालियाची कुर्या प्राप्त प्राप्ताया वि</u> पदःक्रमःभेनाःबित्तरःप्ते दः प्राथनावः प्रशा श्रीपः न्यवः क्रीयः नविदः परः खुॱहेद·तुॱमशेर·छु 'में 'मशुक्षः प्रसुरः पः १६ रै 'श्रमश कें स्वाक्षः हे र 'द हर्भ्य व्यापाकीलात्र्यकाष्ट्रातापाक्षीत्वेर्र्भे त्येष्टात्वाविष्याद्वेषापह्यात् ८७७। बुबाबुबामवा पॅट्रागुै कुला पंगुटा कुना बेबबा नगरे देनाया । **इब्रा**ण विषय । विष्णाय हायकराकी किटा देवका रेपण तार टा पर्हें या वे ब्रा ट-र्ट-स्र-्यायमारस्यास्त्रास्त्रायाः स्वाप्तास्याः प्राप्तान्याः विद्याराष्ट्रायाः मुख्ट वस्ता मुसर हम्बर कुं सम्म (निम्ट) विदासन निम्य सम्म र मिस म्बर् स्वायं प्रतिरुप्ते दुर्भ ह्या ह्या हुए । ह्या हुए । ह्या हिल्ला हिल्ला हुए । **८बट.**क.पड....क्र...क्र...क्र...क्र...क्र...क्र...क्र...क्र...क्र...क्र...क्र...क्र. च**र्ड**'चकुर्'स'र्ट'। र्वल'र्घ'मुडेम्'स'र्ट'। रुम्'म्शुब'र्स्टरःर्ज्ञुल' **र्रम् व्रम्**कि महिन्यान्तरम् त्युःन्युकान्युवाकुराक्षात्रम्यान्यस्य प्याविकाकुर्व यापद्भवा पर्नि है इंदर् कुर् मुक्ता प्रावेश विवादिस हो। चर्ररः है'अर्ळेन'मे' खुट्प्यअः संग्वकुर्मा अवग्टना र्भेव ग्नास्थायायायायाया व्यटामिला हैटामिलाचरुराहि देनावाचाला सन्याचाताला हेवाव वा चरुराहि ৾**ড়৾৾৾ঀ৾৾৾৽ঀ৾৾৾৽**ড়ৢ৾৾ঢ়৾৾৽ঢ়৾৾ बुपामा रागेरराम्बर्णेर्युवरामिरारु द्वाराम्यावराम्यावराम्यामहेवर्वा

मुनाम निक्तानम् स्वरं प्रमाणकात्वानम् । स्वरं म्यट के वर्रम्य मुर्वा मी प्रीया विष्ट्रिं दुव में दि स्वा मि वर्षे वर्षे वर्षे म। अवित्र'न्मुद्रस्र'न्म्'यते'न्मुभार्विर'त्विर'त्रं सेर'र्थेर'र्थेर वर्षे प्रस्र प्रस् हयः [ॅर्बर.] क्रुर.के.क्रियः । इंग्रिशः त्वरात्र गाउँ गावः शेषः राष्ट्र गाउँ गावः शेषः राष्ट्र गाउँ गावः शेषः राष्ट्र **ॻॻॱऄॖॺॱॸॺॱॻॎढ़ॱॾ**ॺॱक़॓ॱॿॗॖॖॖॖॻॱॻऻ ॴॻॎ२ॱॸऻॻॖऀॸॺॱॸॖ**ॻ**ॱॻॱख़ॖॺॱॻॖऀॱॴॻॽ**ॎॴ कु.भैंच.त। वेश्वर.व.२वे.**च.वैट.क्च.ग्री.कुस्थ.रवर.ज.कु.भैंच.व.र-ट. **ण खुका गुँ** 'न् गुँ त्य तिरं 'नु 'के 'प सू पक्ष व वा ति है ' के दे 'के दे 'न्या प्य स्वार कि के न 다.夏소.다.리다.용다.성허석.신다다.즯다.데 청다.동.건네다.퓛데다.집다.용다. लेव.री.तथरी रताल.लट.रची.मु.भूब.वीट.**इट.बं.वब.र**.जू.ची.ची.ची लानुष्याः हुनासारे 'व्यव प्याप्त क्षा व्यव क्षा व्यव प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षा व्यव प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षा व्यव प्राप्त क्षा व्यव प्राप्त क्षा विकास क्षा व मूब्र-विब्र-प्रवा श्रद्धान्यान्त्री-ब्रन्तान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान **लट्राच्या** हर्षे विष्याचित्र हेव. कुरे कुरे कुरे कुरे हे हि हिंदि हैं रहें स्वर्थ है **कसन्यात्मान्तरे क्रिटार्च वे सार्व प्रायः पुराय पुराय ७२**'म'त्रे' मुेब्'मुेब'**म्इम्य'र्क**्ष्यायायाः मुै'बेट'ने'ल'नसुर'र्र। ८८, विट. मब्ब १४०, विट. कबा थे. हुन. हुन नर क्र-र्देट हेन स्ट्र-म्बर्ट मार्च टकार्या विट क्रम्य स्टर्

मःत्रः। म्यास्याक्षे अळात्य्याक्ष्याक्षे व्याद्धः व्यादः व्य

देवस्ति क्षित्र विष्यं स्विष्ट्व क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्ष्य क्षित्र क्ष मार्थेया.मार्थ्या.माराये तर्ह्या व्यक्ष्या.प्यायः मुख्याम् व्यायः व्यक्ष्याम् वसः गुरुष्यते । केरा मुक्षा प्रति । विस्ति विस्ति । केरा मुक्षा केरा प्रति । विस्ति विस्ति । विस्ति विस्ति । विस्ति विस्ति विस्ति । विस्ति विस **ग**रुग'म'ठब'क्ञब'ग्रैब'कॅब'स'**स्ना'रॅग'र्ट'म्र'कॅर**'वु**स'र्**रे। हुना'यहरायालान्धेकान्नेरायरामुका विताररा**ह्मका**णुराङ्कुना'र्वेकाचेरा वसारित मुलापित द्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त बट.बट.लेल.टे.बैंचेचा २.क्ट.बट.२.ट.घट.घट.घट.घट.घटे. इ'मुँट'पु € ररह मूँट पूर ही बाबा हे ब ब से पिया थे पर ही तथा थे पर न्यव दुंगारया लट्टना सुना सः कुन् हे स्वायार सेवार केव सेवार केव सेवार स **बह्र-वबान्वरा लटार्मालुबाकुर्विमा**यार्टा ल**डान**ालार्हेले क्रेटार्टा लडा महै : अंग्ने हैन : अंग्ने द : देश ऑंग्ने हैन : ने अंग्ने हैं : मुक्ते : मु चञ्च पत्र पत्र प्रताय के द र्घेरे 'क्षा अर्घेट' द र्घ ग्युव 'र्घेच 'व व व व त्र हे त ग्युट 'र्घेव 'सु चल्रायार्टा चर्राक्षाक्रियादी स्थाने स्थाने स्थान मान्दा पहुन्यस्य त्रेनामान्दा तयरामानास्य वर्षानान्दा हिन्या

रैबामानुबाधराष्ट्रीवायरार्मुवाधयार्वि दिशामारार्गुरारा न्यायाची कवा पक्त'प्राची प्रिंस'अर'पहेंदर के दूर खेर खेर के अहर हिंदर हो । पहेंदर खेर के प्राची के किया के किया के किया के क **७व.**कृ.के.वे.प्.िम्याः पट्रस्य ब्रायक्र्यात्राप्तयेषायाः के.षाः के.व्याक्री व्यापाः 5.वैट.च.८टा ट्र.चूर.कु.चेल.च्य.ट्य.खेचय.द्वी.वय.डु.व.च्य. <u> निवित्वाकेन्यम्बस्यानुस्ति। केस्याबुर्यम्बर्याक्राक्राक्राक्ष्याम्बर्या</u> २८४.त.^{द्वी}त्य.कीर.त**थ.**तर.विष्ठा **पशित्य.**तस.ट्रर.वीत्य.वघ.वघ.घ ৡ৾৾ৼ৽য়য়৽ড়ৢ৽য়ৼ৽ঀয়৽য়৾৾ঢ়৽ৼৢ৽৻ঀৢয়৽ড়ৢয়৽ঢ়ৢ৾ঀ৽ঀয়৽য়ৼ৽৽ঢ়ৼ৸৽ড়৸৽য়৽ৼৼ बह्लाहै। हे ला बुबामा हिन् पर्वेन प्रते केंबान्य लागा माने वारा केंबा क् . श्रु अस. १६४ . जार संस्थानी या स्थानी या स्थानी वि. कुरा स्थान स्थानी मुहेन् । वित्यामुयायदे । केदाया । द्वारादेर । वित्यादेर । वित्यादेर । भ्रे.पोश्चराह्माया । व्यापरारस्याङ्गी.याप्रायप्रायप्रायाच्या ऻॕॱॸ॔॔ॸॱॿऻ॓ॱऻॕॎ**ज़**ॱय़ॱॸ॔ड़ऀख़ॱॸ॔ॻऻॸॱॿॖॗ॓ॱॼॖऺॺॱऻॺॱॿॖॆॱढ़ऺॺॱऻॺ॔<mark>ॹ</mark>ॱय़ॱढ़ॺॱॿऀॱय़ऄॱख़ॢॱॱॱ ॐन्यःयट्यःकुयःपढ़ीःपठुरुःम्वृश्यःपण्राधयःवेरःप**स्**रःपःत्टः। ळेनाॱ८८ॱ५ॅ*६* ५८८ **% गा** खुल्गान् राये**८** केला**दल हेला** केला कुलि ५५ छुना ५६ '''' र्वेर सुर सुर रु प्यर लाली

दे व का की ता ता का की ता ता की ता

देवयार्यायवाम्वामा के मुलासा सुवामी वासामा स्थाप णुदास्वायायाचुदानवा सान्दाहेकाचुवाणुदायायवाववार्त्रेवाद्वाया अप्तिचेरः मोर्थाले अप्ताना ४८ ते. प्राचीलयः कुला ग्रीप्ति । स्वीचयः केन्'१ वर्षः पर्याप्य । प्रिंट ह्युव ' ५ ८ वर्ष हे ' ५ वर्ष व ' १ वर्ष प्राप्य । प्राप्य । वं स्वरं सरः हिंदः महित्यः सया हिं 'चुना' व्यापर 'छ 'व यः ह्वदः रहेव' रु 'प ५८' पत्र'हिट'रट'न्हेस'र्ह्य यार्थेट'देन ट'व्टस'यर'द्व**न'न्युगर्टे'पदे'द** ॲंट'चर्यायट'य'त्गु'रेय'ग्रु'हेट'तु'ग्रुख'र्येहे'ज्त्व, वृंबय'वे**न'नश्**रतात्री देरॱ**बन्**गन्युअः र्देग्नबेष्दः श्चितः द्वायात्रः विद्यायात्रः विद्यायात्रः विद्यायात्रः विद्यायात्रः विद्यायात्र ं चॅ्दि'ष्यश्चायाचे म्याप्तव्याचुयाम्या विद्याचे प्रमायाच्या विद्याचे प्रमायाच्या र्दानीयार्थः पार्वायाद्वायार्थः अस्य स्थायाः प्राप्ता मित्रा प्राप्ता प्राप बिलाक्षेत्रवार्टः (विश्वास्तारायाः स्वास्त्रवार्धे विष्याः विषयः विष ট্রি-বেশ স্কুর ইশ দেশ ট্রন শ্রমণ <u>इत्यामान्यान्याचे वार्ययाया हेर्यान्यामान्यान्याम्यान्यान्या</u>

ञ्चन'व'सं'न्येन'' पकुत'य्यय' छेव' व्येषेन' पदे 'पर'र्यर' यह राज्या देखा षटःश्चितः ट्रिंदः ता. बिता चका के . क्ष्टा ता. या के काता टेंट का ताका या खूला ता. चे वा ता. द्यापामिषाम्, विषायर्षाच्यात्याच्याचिराष्ट्रमान्त्रीयाचितावया स्टा त्तरकार्दरात्रेषानीयामुलार्घाताकृषाद्वाता व्याप्ता वितान्यवामीयानीयानीयान पश्चिर्यान्त्रत्यायाम्बर्याचेवायाच्याः वया वर्षात्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्या यता.कै**.व.**य. या.व.व.व.व.व.व.व.व. २.३.तथ.[.बीट.][श्रट.बुचा.पट्र.पट. सूट. **ग**ञ्च दश्री प्रतःश्चितः न्यं दः कुं । ब्रियः व वाक्षियः येवा के न्य्या व्याप्तः व्याप्तः व बेद्रायार्द्रेट्यानेनाम्नुद्र्याद्यायाः देग्न्यियामः वेद्रायार्यव्यायाः मुलः चृषुः बलः अन्त्राष्ट्रयः ह्रमः प्रवेदः [[नुः]] ज्ञानः प्रवा स्वार्यः वृतः वृत्रः प्रवेदः विद्यापाः **ॿऀॻॱॻ॓ॺॱ**क़ॗॴॱॻॕॱॴॱॷॢॺॱॸॖऀॺॱय़ॺ। क़ॗॴॱॻ॔ढ़ऀॱॻॺॖॖॸॱॱॻ॓ॺॱॾॣॕॻॱॸ॔ॻॕॺॱक़ॗऀॺॱ दरि : वर्षः क्रयः म् व्याः वेदः याः रुकाराः हुः क्षः वर्षिताः विमार्दे दर्शः व वार्षाः सुम ५'के'नब'णुट'ब'न'खे**न्**नमुन्यस्ट'नब'५'वे'टरे'लुब'ल'व५'न्द्राखे**५**' पर'र्शर'पासुरस'पस्। য়ৣঢ়৻৴ঢ়ৢ৻ঀ৸৻ঀ৵৻৴৻ঽৼ৻ঀৢ৸৻ঢ়৻ৡ৾ৼ৻ঢ়৻ =4.4.424.24.444. **ॅ्रं प्यामान्यायाने अ**वस्या कुषाचेते क्षुत्राम्य केमा कुषा केमा कुषा क्ष्या केमा कुषा क्ष्या के स **इट्याम्यान्**र्यामा द्वापा कुला मा प्राप्ता निरार्श्व पर विष्या कि स्वाप्ता कि स्वाप्ता कि स्वाप्ता कि स्वाप्ता कि स चैज. तूब.रेश. कुची. ३ अथ. त. लट. तर्थट थ. श्री

 देवला क्रिंग विताला के का क्रिंग विताला का क्रिंग के क्रेंग के क्रिंग के

अँव र तिचल र सं चिर प्राया देर वस समित र है द र में स र दे स्मर पुर प्रायु द स ब बर्ध भीत भी क्षा बबार बुरबेट विटानी खुराया बैना पाना वना चुना वेना ब बह्माकृष्यते प्रश्चेता स्वाप्त विकास व श्चन्द्र्यं ची बिषावं बादा है ने बाति में बबना के दे हिना ने श्वर बाता **ৡऀॱ**ॼॆॖऀ॔॔॔ॻॱॺळॺॺॱॹॖॖऀॱख़ॖऺॖॖॖॖॖॖॣॖॱय़ॱय़ॸॖय़ॱय़ॱॸॖॕॕढ़ॱय़ॺऻॎऄॖॱॺॱॸॗॕॺॱॸ॒॔ॸॱ कैन्बःशः८्वरःपवःखुर्ग्नेबःबॅटःवब। वदःदेःहुःत्युशःठदःतदैवःरटः **रुम्'क्रस**'ल'स्यु'चे्र्'रु'ऍ**८स'मस'म्**र्सर'चेर'रु'चु्ट'क्स। कुल'ॅमॅ'र्ऽट' भु '८०म' रु 'ऍट' प्राप्तभु नामा या देर वमा मान है के दार्थ मान विकास पन्ना भूबे, प्रतिबेबी, प्रतिवन्ना भाषा पन्निन्ना भाषा प्रीपन्ना पन्ना য়ৢঢ়৻ৼ৾য়ঀ৾৾ঀৢ৾৽ঀঀ৻ঀয়৽৾৾ৼৢ৽৻৸ৡ৸৽ৠ৾৽য়৽ৡয়৽য়য়৽৸য়ৼয়৽৸য় ८६मः पःळे मन्मः **अ**गनः गुःरामः मुःपनः गुः। पनः पनः पेते हुः सुः पः प्रदेगन र्भाग्युप्या हिंदार्माद्वार्मागुदादारी रेप्तिहेन्यारेप्तिहेन्या व्यापरा ळे 'रे 'ळे 'बे व्य' चेर 'र्रे। **दे व व्यक्ष प्रयाय व व्याय प्रयाय विश्व** है प्रयाय विश्व विष्य विष्य विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य मिर्श्वमायः श्री

दे नहे बारा ना वा बेला हे का विषय में में है का है का राम ह नुहर ঀয়৽য়ঢ়ঀ৽ঢ়য়৽৸৽ঽ৾৽ঢ়ৡ৽ঢ়ৡ৽ঢ়য়ৢৼ৽ঢ়য়ৢঢ়য়৽ঀয়৽ড়ৢয়৽ঢ়য়৽৸য়ৼ৽ড়ৢ৽ঢ়ৢ৾৽ঢ়৽**ঢ়** र्टान्वरानुपार्णन्त्रवाप्तिरावयाताह्यवायाताह्वयाताह्यवाद्यातहाताहु पार्ट् पका ज्वनः तस्राध्याज्ञाचित्रः तस्ति । वस्ति । मसेर रु महुर व स मुदा देवा देव स मु मर रु महुर व स मान र है न स मा केद म्रापाश्वाच्याम्या श्चित्रम् भीर्रे श्चित्र न स्वाप्त न र देवा श्चित छना पु 'स्याद बाळे मा हेना ता बट बा कु 'नदि [[कॅबा]] नम्द हॅ म्बाया केव 'मॅ ''' <u> चुःचित्रे मिर्ञस्य स्मार्चेर् जीः चर्त्र में भ्रिष्ट्र स्राधः स्वर्षः चुराद्र सम्मार्षः </u> ৾য়য়৽৻য়ৢ৸৻৴৽৸৶ৼ৻৸৸য়৽৸য়৾য়৸৴ঢ়ৢয়৽৻ঀ৾৾য়৽৻ঀ৾৾য়৽৻৸ৼ৻**ঀ৾**৾৻ৼড়৸৻**ঀ৾য়৽৽৽** बुबायबा श्विमार्मेदाचे पातरान्दामा मेर्गेचुलामेरे बुनवार्मेट्य <u> २८.त.२८.र्ब.त.जा</u> क्रि.च्रेश्च.च्र्येश.८८.र्बं.त.ज्याच्या पणतः हिन्याया केवार्या तदी प्वता प्रतासात स्वास्त्र प्रतासात स्वास्त्र प्रतासात स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स वना देग्णट कुंद है पुरह सम्मित्दे। दट में बेबब कुंदि है दर हाम कुरा पर पहेंब परि छैर बंब बावर के कुया परि कुर पन्। वेबय गुर्दे व ₹ๆ๙.तर.८**ॴ**७.तथ.८७४४४.४.४८.घ**८.३८.४४४४४८७५४७**४५८७७ हतेः<u>%कृ</u>त्रम्पत्। शेस्राणुं**र्वाद्वरामराम्**लामराम्द्वरमते छुराद्वरा बावर के मॅ्लम्बर कुरावन्। वेबब कुर्ने **र वे**श्वर कुर वर पङ्गि प्यति छैर **रै**ण'कुल'मॅरे'कु्ट'म4८। अञ्चल'गुै'**२ॅव'वेण**'लेरे'ग्लॅं='5'९५व'मर'मङ्हु' महे-ह्येर-विटाशेससारीयायेहे-क्युं प्रमित्। **शेससारी प्रमार** विस्तार पद्मव परि खेर जि नेया वेना तिहे कुर पन्। वेसका ग्री **र्वे व रे**स पन व कुरा

मरः मह्नदः महिः हुरः बदः समाः हिन्दा महेः कुर् मन्। वेववः गुरं दः गुदः नुः **बुक् अंट र्नु ग्यहेक् य**हे खेर म्बूबट यह खुका यह है कुन यह के अवस है रहेक् रदानियाक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष्मात्राक्ष कुर्पन्ता वेमलागुर्देवरगुवरदुरचवटरविरावेटर्पुरवस्तर्वराग्वेग्यर [मु:पदेः]धुर:५मुंटय:इग्नायर:५म्।यदे:कुंर:पन्त। शेवय:गुःर्देव:४ववय **रुन्कळ्यानु** 'पङ्गापरि' थुरायदाप्या द्वीरा संदेशकुन्यम् । वेसवागु 'र्नेदा मळ्ना हु मुरायादे हितालेदा केवाया मह्नदाय ते खेर हिता के दि खुदाय निता सेत्रराणु 'र्ने व रह'पासार्वे रापरापङ्गव'मति धुराव्यामानराके रहापाठवाणुः…. ट्रम्टिंब. पष्टुं मुँदि. तथेंदी अध्यक्ष. मुँदिंब. अः दूराचा द्वा अराच ब्वा तरा मि. परि धुर प्रवासमान्त प्रविना परि खुर प्रविना विस्तर गुर्दे द रेस पर चकुर्वयानहेव परिष्टेरानयमान्द्रानकुरामहे कुर्मन्त्रा वेसयाणुर **१**दः पबुटः गुदः हु 'नर्गेटबः यः यङ्गेदः यहै 'छैरः क्वें 'बटः गि कुट् 'यन्। विस्तर **ॻऀॱॸॕज़ॱॸय़ॸॱॸॕॺॱय़ॱय़ढ़ॏज़ॱय़य़ॗढ़ॱय़ढ़॓ॱॺॗऀॸॱढ़ॺॱॺॺॎढ़ॱक़॓ॱॸय़ॸॱॵॗॱक़ॗ**ॺॱॻॕढ़ऀॱॱॱ **बु**र्'प्यन्। वेबब'णु 'र्व'प्यह्रेर'यहे केन्'र्ट्य्यायर'म्य्यूव'प्यहे छुर' ৰ্ল'ল্ল'ক জি'লা'লে 'নেই'লু 'নেপ্' নি ইলক'ট্ট' দ্ব' দুইৰ'ৰ্ম'ৰ্ম' ছলক'ত্ हे 'सु'पर'९ ग्रुट'प' [पर्वेद'] रु'पङ्गद्रायरे 'ग्रुर'रेद' केद'रपर'परे 'ग्रुर' '''' पन्। वेववाणु देव प्टेंबार्य वववा उत् देन नाववा पर पङ्ग् पारे छेर लयः चुटायायमूदायहे दुरादेदा केदार होटायहे क्चुरायम्। श्रेवया गुर्देदा [मञ्जरामानुः अप्ते प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्

다시기 최저제·웹·주석·최·유명·조·조·대취석·대리·영·· 현·· 현·· 현·· 전시 최저제·웹·주석·제도제· 명제·주·유·석제·원석·대리·영·· 제·제도제· 명제·웹·평주·대시도시

दे.व.अ.पेट.कृब.स्.प**२.**चिच्चेर.पथट.टी नेट.के.ा.अञ्चरापश. त्वृतः प्रतेषु प्रदेषा प्रतेषु पुष्णा स्वाप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वाप्त म्बॅब्रामरि क्षेत्राङ्गरा केवराम् विवस्त केवरा है दिवर केवरा है प्रति स्वर्म स्वर्म हिट. कुब. तथरी झूंब. तपु. टूब. ट्विट ख. खे. हूं चंब. त. विट. खुबब. झूंब. त. र्हे 'अ'न्। शेर 'बुव 'पन्। क्विंगपिर 'हें व 'स्वर 'धुव 'प' से 'वु च 'कु अ' सर्वद 'वस' वायर के मन्। श्रम् र्हेटाया हेटा दुर्भाय है । यह रहेरा नवि । वह रहेरा नवि । वह रहेरा नवि । पन्ता शेवसार्वेत्'ग्रेश्नरापदेव्यक्षराणु सुरापद्वेत्'पदेखेराहे'पदव्यत्ता यापन्त वेववाहित प्राप्त केवाहित स्वाप्त केवा विद्वार स्वाप्त केवा विद्वार स्वाप्त केवा स्वाप्त क त्रेवसःक्षुःभैॱवे, त्रानः [[ब्रुट्राम्युवःतिहरः]] परःश्लरः पदः ख्रैरः **ब्रुपः** দী এটিম শিল্পব। **শ্রমণ গ্রীব শে**ও ই**ব শে**ষি **শ্রমণ স্ব শেল্পর। শ্রমণ স্ব শেল্পর শিল্পবি শিল্প** पङ्गव्यादे खेर प्येत् प्येव के क्षेत्र प्यापन्ता वेयस ग्रीप्य प्यापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के यात्रवयाउट् क्रियावेट्राववेवात्तर्थात्यात्रे स्वर्थात्यक्षेत्रः गुवादर्ययायम्। त्रेत्रतात्रेत्रपाद्यव्यतः ४८.६ वयः पुटाउ वैट.त.पीयः ययः क्रीयःतरः तक्षेयः..... นลิ นิ หารุสาสุทาสาลาสิงาสุดานังบาคุรุเ สิสสา 3 ราทูรารูงบาลกานัลงกรา लामबनामान्युव चु कळनान्ते नाहर में रामहेतर सहे खेट के कर मुह्न के लाम नि नव्यामहे मुन्यने रत्नुवयान्यन्। श्रेवया ह्रवा स्वामहे सुवा मुवा सा

<u> पञ्चित्रामशाल्यापतृदाणुकार्घरारु । वेषाप्रामशान्या वेषाप्रामुल</u> पट केंब पाप प्रता व का हिन मेंन् के पाव ने ने का केंबा का केन पर खा हेता है। प्रता য়ৄঀয়য়ঢ়ॱয়ৣ৾৽৻য়ৄঢ়৻য়য়৸ ৢঢ়য়৽য়ৄ৾৾ঢ়৾৻৸য়য়৻ঀয়য়য়ঢ়য়য়য়ঢ়য়য়ৢঢ়৾৽য়য়৽য়ৄঢ়৾৻য়য়৽য়ৄঢ়৾৽ ढेय'ने'मेन'पञ्चपय'या ने'वय'येन'णु'हिव य'गुव'णुप'ने'पाबंन'नम्बा हेन्'वेन्'क्रम्'युर'पर'प्रेन्'पराधिव'वेर'पर्वा कुल'वेराकु'वार'केराला **ख़ज़ॱॸॕज़ॱ**ऄॖॸॱय़ॱऄ**ढ़ॱ**ॸॆॱॸॆॱढ़ॗॸॱऺॵ**ढ़ॱ**ज़ॹ॒ड़ॵॱॹॗड़ॱॵॺढ़ॱढ़ॿ सम्बद्धाः स्वाप्तान्त्रम् । प्रत्या विद्यान्त्रम् व स्वाप्तान्त्रम् व स्वाप्तान्तरम् स **য়ৢ৴৽ৢ৾৾৽৸ৡঀ৾৾৾৸ৗ৾য়৽৸য়ৄয়য়৽ৢয়য়৽ৡ৽য়৽৸য়ৣ৴৽৸ৢঢ়৽**৻৾৾৾য়৾ৼ৾৽ঌ৽৾৾ঢ়ৼ৾ড়৽ मः अहेर्र् मान्यि केर् मुलाया केन्र्रा प्रवादिया वर्षा वर्षा केर् चैल.च्.कूथ.चेथय.ताला अथय.कृ.त.क्.त.वी.कूर.वी.क्र्य.की.क्रय.ता निरात्तरस्यात्राचितात्तरः हार्था के श्रीत्याचात्रते में नार्श्वेषाचीया सर वसाधिराविष्यायान्ता हिंदार्याधे वतावस्य वर्णीया हिंदारा ष्युन्यार्वे राया केवा में स्वारत। प्रयासे या ग्री प्रति राम स्वार प्रयास स्वार प्य ४ हमाराजा चैर्याया वया राष्ट्रे । यह राष्ट्री स्था हा क्रूया चेरा महाराज्या वया बबहुन्ध्रामवित्तं बाक्रालामध्येत। स्ट्रास्टानरानुरामहास्त्रा हम्बरम्बर्धम्बर्धम्बर्धः पर्वम्बर्धः देवर्षः वर्षः मलः भूरः ह्ययः हेन हे त्यः कर्या के मार्हेराय मुला विस्तान भेना वेरा महाराष्ट्र **ॴॱक़ॖऀॴॱय़ॕॱॺॖऀॻऻॺॱॺॱॺऄॖॺॱढ़ॺॱढ़ॕॱढ़ॻ**ॱॾऀॱढ़ॗॸॱॻॖॱय़ॆॱ**रॕॱढ़ॱ**ढ़ॱॴ**ॱॻ**ॺॖॖॖॖॖॖॣॸ**ॺॱय़**ॺऻ ₹.ゖ┧а.ロと┧.(x̯a.mc.)Φ애.ฆ.Დ.ロӄ.쑺ㄷ.२.Ф애.ฆ.ゖ┧४.占@८.....
 도디어·최·日·미克·리조·월
 독대어·최·명·디언·리조·월
 पर्यादेर:श्रुवाय:वेव हे १९८ र.ट.र.रु.ट्यु वार:श्रुप्यहः है १५१ द्वाया

देर-वॅन्-जै-हॅ न्याके वा निव्या विव्या विवय विव्या विव्या

ने द्वा कुला प्रति यु न्या प्रति त्या हि क्या है क्य

मकर क्षेर् क्ष पुराया हिंद में क्ष या प्रवासिक दिवा पुराया में क्रियामा हुँद्रिद्राच्या पुटा। क्रियामक्रीमा प्रवास विवस्त क्रिक्ष्यालक्ष्रेट, हुट ही पश्चाता ट. दे. के. पर वशाया हुन् हुन् विकास **बुदःइच्या** चॅदःग्रुःक्यःरयःदरःदरःयःठवःश्वयःठदःग्रुटःययःशुःक्रयः ब्रुप**ॱनु प्वावुन'** ५ में बाबुबादका वि५.५ प्वविष्यवसः वर प्यापर दिना हु य **ढ़े.कैफ**्तूब्राच्यापाठ.कैफाना ट.कूब्र.श्चेट.चष्टुक्य.च्याव्याच्याटेय.ट्रंयट. वयाक्रमाधिमयातकतापाचिवादी राषानु युवाधु हातुवा संर्भू पासुया **त्रमा** त्रुवामा त्रुवाचा विषयार्थि विषया देश **नुस्तः अर्केनः नृद्यः मुनः देवः अप्याम्यः विस्त्रः या निःद्यः अपः न्यदः** मर्भारितः विद्यारियाः अपूर्या स्टियाः निर्मात्वा स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः पार्वा गुप्तावारवियात्वेतात्वेतात्वेत्याया प्रमाराम्यात्वेत्याया **प**ठिनाः**र्क्ष**रग्री ग्रीलर्भा । क्रियाविषया । क्रियाविषया । क्रियाविषया । क्रियाविषया । क्रियाविषया । क्रियाविषया ८**८: ८८: अ**.८चुट: वादयः गुर्या । दु**षः वाद्य**ः भुः वाद्युट: युवायः सुः नेया । दुवाः **ह.ज.**चुन्न, विश्वा । क्ष.क्ष.कृत्र, क्ष.वी. ८वेट थं.वी.वी.विश्वाची । देव.क्षट था कैट. कि.र ट. बुर. श्रूटा । ४ हुर . घष्टु. लै चाया ग्री. सैचाया प्राया मूर्या । ज्राप्तिया व्याप्ति त्म**हत्प-दृ-**८कट्। दिःह्रं नवास्व-ह्व-व्यःवेदा-वेदा-वेदा-विद्यान्ते । विद्यान्ते न्य न्धुः भेका । इ.भ. रु. लवा १८ दे . हेर. भेका । प्रत्या १८ द्वार वा अपन न्म ।वापवःसम्बन्धः क्षाप्रः है स्वाप्तः निष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः । क्केन्प्रत्रेद्रिःइन्बरमा ।बरणु ५६९ खुलरु ५६। ।बॅदर्धुन खुबरन्ब खुबर्ने ॸुॱॿॖॖॖ॓ॺऻॎॺॱवैॱॸ्य़ॖख़ॱ**ऄ॔**ॱय़ॖॱॾॆऀॱऄ॔ऻॎक़ढ़ऀॱॸऀॻ॓ॱॹॸॕॸॱक़ॼॕॸॱढ़ॆॿॱॻॿ॓ॸॺऻॎ बर्केन्द्रेन्युःइत्वान्द्र्यंन्याम्। ।वर्केन्द्रेन्युः नवर्यन्यः श्रेन्यवयम्।

प्रचिष्याः स्वत्या स्वतः स ॅर्म ।नेॱॠॸॱॾॣॕॿॱผ**ॺॱॻॸॖॻॱय़ॱॴ**ऻऄॗॖॱॻॱढ़ॸऺऀढ़ऀॱज़॔ॸॱӾॕय़ॱनॖऻऻऄॿॱॻॖऀॱय़ॖ**ॱ** इत्रश्रेत्यु के क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्षया क्षया क्षया क्षया क्षया क्षया क्षया क्षय ष्ट्रशःभ्रीतःमितात्रःभ्रे**कःदशःद्वा ।कटशःमिशः**पन्नेषःताःभ्रेतःपनःभ्रेत । । ट्रेंडि.जय.टंट.श्रुंबं.जय.क्रुंजा क्रिय.श्रुंट.क्रेज.त्रर.श्रेकात.लवी क्रिय.श्रुंट. मुल'र्च'चु'पर'रेगवा ।सम्राबेहे'सु'दे'दे'हे'स'५'छवा ।हेल'सुँट'मुल' <u> त्र व्रिट भ्रुक्ष वया । कुल प्रक्र क्रुं हा सक्र प्रक्री । प्रहारे हे लग प्र</u> ञ्चवः सम्यामुका । वार्ष्ट्राञ्चेखाणुमारुद्देग्दुः रहेसमा । सम्वाञ्चिमार्या मुह्मारुद् पर रेण्या । पर्णा वे शेव सु स्र स्रेरे सा । प्र हे पर सार हिर ज्व या स्रे । ळूब.ॷऀट.क्विप.सूर.व्रिट.श्चेब.दबा ।चेट्चे.त.पटेल.((बुट.))चक्के त.((श्चेट.)) ଘଟ'ଞ୍ଜି ।ଜାଟ'ଟି'ନୟ'ଟ୍ଟ'ଛୁଁद'ନୟ'ନ୍ତିୟା ।ଭା୍କିଶ୍ୟଞ୍ଜିୟ'ମ୍ବଟ'ନ୍ଦି'ଟ୍ଟ' ८ह्मा । बट्या के साम हे बार राष्ट्र र स्था । विमेम्य प्राप्त मार हे बार र ऴॺॱढ़॔ऀॴॱऻॿऀॱॻऺॸॱक़ऀॴॿॖऀॱ**ॺॱॻऻॱॾऀ**ढ़ऻॎड़ॎॸॱॹॕॗॸॱॸऺॻॺॱॹऀॺॱॿॖ॓ॺॱॻॖॱॻऻॺॎॱ वै इट बूट भेरे की । लाम लाई क्रिया । व्रिट की बाद प्राप्त की की यर क्षेत्र । विषय प्रमुखार मुहस्य प्रमुखार मुहस्य । विषय स्थार मुहस्य मुहस्य मुहस्य मुहस्य मुहस्य मुहस्य मुहस् ₹ਜ਼ਜ਼੶ॻਜ਼ਸ਼੶ੑਜ਼ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ੑ੶ৡ**ॸੑ੶ਜ਼ੵ੶**ਖ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ੵੑਜ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ਜ਼ੑਜ਼ਜ਼ਜ਼ੑਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ ८र्स्यामा । वि.पचट लाम हैना व्रथ मा वि.पचट लाम वि.पचट ल ୶ୄୣ୵୷ୢ୕ୡ୵ୢୖୄଌ୷୕ୢଌ୕୵ୄ୕ଌ୕ୣ୶୕୵୰ୡ୕୳ୗ

त्वैदाक्षार्द्राह्य द्वार्थ वा हिस्नामा पार्के त्यमा । भूदास्य 「奏表"あ、ち、彦、R塔和、山 「ち、エ、潤、荷 C、蓋 香、紅、魚 看」 「蓋 香、紅、麦 町、紅、青 इयसःग्रीमा । तिविषयः याकवायः सुरा सद्याः ग्री । तिनु तिनु विषयः या र्ह्में तृत्यम् प्रमा । कुं निरंपुराषुराष्ट्री । वित्री पुर्वा पुर्वा । वित्री पुर्वा पुर्वा । वित्री पुर्वा प | कुल'र्स' है ५' ग्रै' ह्रॅं द'र्सर' कुरा | कुल'र्स' हे ५' ग्रै'रैट' लक्ष' कुटा | `त्रुव'र्य'र्के**रा**'लावना'य'दी ।त्रुव'र्य'तुना'र्य'तिरी'ह्रसम्भागीमा ।क्री'प'लट' 된유·柯仁·美대·진 1년년·전희유·영화·경·철·철·지조· 등도화 1월·다·떠드·된고· 중· ब्रुट्यामा । भुर्मात्रदेश्यायळ व रह्माया व्यापा । वर्राहर प्राप्ताय पुरा व यनापाकुक्ष्युरादी हिरायरायनारुक्षियायरीर्माया हिरहेराहीप वनार्यार्थन्। ।न्स्यार्व्यूनाळवान्देरास्वान्त्वान्। ।हानाः अवान्त्रान्याः मॅंटरे। [ट्ररण्यात्राटा[क्रिवर]] चुकायहेरहेण्या [ल्४८रवहेर्मेटरवरेशेर च र्षित्। प्रिया द्वे नवा देशे विषय दी। निवया निवया निवया विषय स्वापिता प्रिया प्रिय प्रिया प्रिय प्रिय प्रिय प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिय प् हरायदान्व यानि विद्यानि । विद्याय विद्यानि । खुल'र्खु न्य'रेते' मु'ग्युप। । स**र्'प्वेर'र्धेल'रू**ट'र्क्केद'र्म'र्थेद। । ह्रर'ष्प चु-दु-क्रेब-पति-हण्या वि:पति-पु-दि-दु-चु-क्रु-ळेना । युत्र-चुन्ति-चेर-देति-चेर-|कु'5'८८'के'वु'त'ळेव| |वूर'ष८'वेु'वुट'वुव'यहे'हणवा | षार्वेदाक्षेर्यास्त्राचार्येदा । ५५ तम्बिरेके तस्वयाञ्चदायकेटा वि**.२** क्रेयाव्याचित्राष्ट्रता । तर्याने १ क्रियाच्या स्थाने व्याप्याच्या । प्राक्षाची । प्राक्षाची । प्राक्षाची । प्र

वियावयार्यातृ विता । ञ्चापञ्चीराळ्याची द्वारञ्चा । दिने श्वराये क्र'रह्मश्रम। रेमे.धूर.रेचल.रेचेंंट्य.वे.वे.चर.धुंचा वि.र.ह.र.लेख. ५तुकाणी ।ञ्च५'२ॐ८'क्षेट'मॅंग्वर्स्थ'बुनक'५८'। ।<u>५</u>८'कॅ८'गु'स'र'६८े' द्या । निनेरश्चरः कुलः दुः कुरः में ने। । दुलः विस्तरः पशुरुषः ने के रहें स्वा । मुलापास्र्रम्पर्पुरस्था विष्यापुराङ्ग्रीया । मुगमराखुलाची खुरहारा । प्रयाचे इद्रिन्देर्दरा विष्यायारे विषया ष्ट्रयाता विषायिषुःकुरार्याचित्तरःकुषा (ह्र.ह्र.यिवि.वी.की.४८०००।। णु'ब'७'र्र्डु बब'रु'ब'८८'। ।५८'र्ड्डिट'णु'ब'८ु'र्ङ्डेटे'स्। ।५ने'र्ह्डिट'८६ब' न्यायाळारह्मसाया । त्युदे कुषासळव पुराया हुसा । मादु रहेना ५ र विराया है छ। ।ञ्च५'२ॐ६'छ'ॲ१वें रहें। ।कु'म्र'खुश'व्**य'**ळे'२ऍव'म। ।म् पार्पायात्रेन्या प्राप्तात्रेन्या । धुन्यात्रात्रेष्ट्राय्यात्रेन्यात्रात्रेन्याः । सुन्यात्रे १९८ मुर के १९४४ ग्या । ५६ ग्यावमायाया । १५ व्याचित स्वाचित स्वाचित स्वाचित स्वाचित स्वाचित स्वाचित स्वाचित स्व *क्र*-रञ्जुःस। । चुःनारः खला द काळाल्यारा। । ५ ने : श्वॅरः के : सः ५ ने : के का । ८मे स्य पटे क्रिं कुल स्य प्रेया । कुम र खल द्या के त्या । क्रि नेया र्र्टःन्ने कुलः ब्रह्मे । प्ने प्र्रह्मे प्रदेश । विष्ट्रं के प्रदेश । पर'क्षेत्रा ।पर्म'रद'पर्'अरत्पुर'म्व क'ण्वेत्रा ।ह्य'क'ठे'फेव'रे'हेर' ঀ৾য়৻ ৻ড়৸৻য়৾৾৽ৡ৾৾ঽ৾৻ঀৣ৾৽ৠ৾৽ৼৼ৻৸৻ ৻ড়য়৽ড়য়য়৽ঀ৾৾ঀ৾৽ঽ৾৽ৼৼঢ়৾৻ৼৼ৻৸ बुबान्युप्याया पॅट्रुप्वे मुलाप्ति बर्गार्गुप्याय् <u>฿ฺฺฺฆฺฺฆฺฺ๛ฺะะฺฺ๚</u> ฺ ฃฺ๛ฺฺฉฺ๛ฺฃฺะฺฺ฿ฺฆฺ฿ฺฺฅฺฆฆฺรุรฺฺฃฺฺฆรูรฺฺนฺฺ๛ฺรฺฺ๛ฺฆฺฺรฺ

५८। अर्द्भ केद अर्के मा ५८ मा खुका ला मार्थर खें में खें मार्थ मार्थर स ब्यामुःम्राम्येःदिःगाःसातानिःसदेःम्राह्माःमरःव्याप्तानिःस्यान्तिःस्याः क्रींताः **ग** पते'कुष'पॅ'क्र'क्ष'र्या'य'**न**शेर'रदि'खुय'य| पते'न्वेर'खुय'पते'क्वेस'यद ॻॱॿॖॆॸॱ**ॻ**ॹॖॺॱॻॖऀॺॱॾॗॖढ़ॱॸॕॖॸॺॱऄ॔**ॻॱॻ**ॹॖॸॺॱढ़ॺॱॻॸॸॱॸॕॱॎॸॆॱढ़ॺॱऄ॔**ॱॸ॔**ॱॻ ୴ୖୣୣୄୣଌ୶ୢ୕ୠ୕୶୵ୡୖୣଌ୕୵୷୵୶୵ଊୖ୵୴ୢୡ୕୕୴୕ଊ୴ୄୗ୳୕୕୵ୄ୕ୢଽୄ୕ୢୠଊୖ୵ଽ୕୵ଊ୴ୡ୕୵ୄୡଊ୕ बबाबियाना है। इन्यून कुरान्त्र कुरान्त्र कुरान्त्र कुरान्त्र है। यह वाकीयाँ बान्यामहे मार्वे प्राप्त निष्ण निह्न स्परा बु 'बेव' मार्वे प्राप्त वा वर पर खु 'बेव' र **ज़ॣॐ.**ॻ.ॻऻ॔॔॔॔॔॔॓॓॔॔॔॔॔ढ़ॳॣॖॴॴॗॱॿॖॴॱॻॣ**ॸॖ**ॱॿऺॴढ़ॴॗॱढ़ॣढ़ॎ॑ज़ॾॗ॓॔॔ बट्यानरः [[ब्राचाला] ४८ूराक्च वयाम्यहाम्यान् जुषातु । जुषान्याम्यान्यान्या मुला <u> चूच. मैच. मुंग भूष. प्राप्त या बियान या स्टर्मी. सूच. भूष्टरापटुर</u> कुलर्घा विरब्र्घा चे प्रवर्ष के के साम के सम्बर्ध के स्वरंग के स्वरंग के स्वरंग के स्वरंग के स्वरंग के स्वरंग के स पहरें निष्यान्यान्य वेता लु चु न चु न व कार्या दूरा तरि न सुका हु व र तहे व र तु र पहरायाभेवामभ हिन्द्रम्याणु व्राव्याची व्राव्यामा केष'र्सर'चुर'य। श्चॅम'न्स्य केष'र्स'मे'अ'श'के' ५' गुर'च्श'श'पबुन्य' यया न्याया न्याया मार्थित मार्थित मार्थित स्त्री स्तर मार्थित स्त्री स्तर स्त्री स्त्र स्त्री स्त्र स्त्र स्तर ॶॺॱॻक़ॗॱॻॕॺऻ<u>ॸॖऀॹॵॗॱऄॣॕ</u>ॻॱॸॣॻॕढ़ॱॻऀॱॺॱॺॱॺऀॱॸॖॱॺॱॿॗढ़ॱड़॓ॱड़॓ॱॻढ़ॺॱॻॺऻ

संक्ष्यां के स्वार्थ के स्वार्थ

凝디,스닷크,·회의·회에·디,네.·최리의·영스·외·왕석·외의· 네십는세 द्येन'रित्रात्रा विष्याद्येन'रिक्षायहः व्ह्रायः वृष्यः यमः व्रायः व्रायः व्रायः व <u> २ च</u>ढ़ि न दुन द सः ब्रायस न प्रदेश हिंदे । यन समा स्था कुला संदेश युना सामा खु'क्वेन्रायार्टा विवाधरात्त्वा क्यार्टावना हिटाटेरार्यटामा मुश्रुप्तरायम् अप्तम्रिष्त्राम् । यहार्भ्यम्प्त्रम् हुनाकाणु प्रतारामञ्जूरारी विकामासुरका वका हुनामाराष्ट्रीरा र्दर'युन्'पवन्'पवन् स्र'पत्र'णुट'अळर'हे'न्दी'अ८्टर्व'स्न्'ने'र्दर् NA.ਖ਼.ਜ਼ੵਜ਼੶ਜ਼৶। ৡৄ৾৾ঀ৾৾৾৻৸.৴ঀ৾৾৾৾৾৾ৡ৾৾৾৴ৼৢ৾৸৵৾৸৾৾৾৾৾৾ঀয়৻৸৾৾৾ঢ়৸ 855.21

भ्रीद्र, पूर्ट, चुर, क्रिय, क्रियो, क्रियो, प्रथा, प्रथा,

सुन्द्र-(१८८०) वि स्वर्श्वयान्यव स्वर्धायान्यव स्वर्धायान्यव स्वर्धायान्यव स्वर्धायान्यव स्वर्धायान्यव स्वर्धायान्यव स्वर्धाया स्वर्धायान्यव स्वर्धाया स्वर

अत्यत्र भुरत्युत्तरायहे प्रेन्तावस्याम् अवाद्यतः पुरुष्टा देवस्या नेता ॻॖऀॺॱॺऻढ़ॕढ़ॱय़ढ़ऀॱॺॺॖॖ<mark>ॱॺॸढ़ॱय़ॱख़ऀॳॱॺ</mark>ऻॸॱय़ॕॗढ़ॱख़ॸॱख़ऀॳॱॸॖऀढ़ऀॱॿॖ॓ॱॿॖऀॺ**ॱॿॕज़ॱॱॱ** क्षेद्र-खुला विद्र-पर्-दु-प्रदर्भदावायाम्बर्गाणवाकी त्युर-हुव चुवामुनामितः व न्दै प्रमुख प्रमान व से द ने दि वि व सुअ प्रसेन व त्या प्रमान स्थाप सुन प्रमान चे कारा के 'तु प्याहर है 'तृ प्या कुरि वृद्धा वृद्धा व्याव्याया के वृध्य प्याव्याया तर र पर्याम्पत्र सेट नेति वि है साम है नाया भाषा च बुनाया सी। प्राप्त ने नाया बुनाया सी। प्राप्त ने नाया बुनाया सी। वै मिन्द सेट ने वि रेररे स्थाय बुन्य स्था संदूरत इसस वै वि नि नि है स पर्विषयः स्रो क्रिलः स्याम्बरः क्षेण्यहार स्थलः देश क्रियमः क्षेप्रसामा स्थाप त्रु, मृष्या त्र्न् ग्री, प्रच्ना व्यापर ग्री, प्रचया क्रापा प्रचया व्यापा विवाप क्रापा विवाप क्रापा विवाप क्र भूर.त.वेथ.वंथ.वेथ.ता छा.अ.ट्रा तटवा.वं.क्य.भूट.केप.त्र.वंपा पर्वेषःपर्वा कुंग्नर'ख्यादापर्वुन्यायाची क्रियाम्तर'न्नाय**द्वदापर्वया** कुप्तात्वेत्। युव्यात्वेत्रायाः अविष्यायाः अविष्यात्वेत् । विष्यात्वेत्राः विष्यात्वेत्राः विष्यात्वेत्राः विषय न्रस्ता रम्मान्यक्ष्यामुः रुटाळेबातस्त्रान्यस्या । रमान्यक्ष्यामुः कुल'अळव'ब्रुट'र्'पोब्ला बुकाबिकाबा ट्रे.बंब जू.ताघे.≇अकाल2े.ता. बह्र विट.री. क्यांचनरा ज्राचु त्यवी ब्याची व्याची व র্ব-'ব্ন' ব'র্ব-'র্বা বিত্তির'র্বাবা বিত্তাবার প্রান্ত্রাল বিত্তাবার প্রান্ত্রাল বিত্তাবার বি

हाराक्षाचार्या यात्राचारा द्वायाच्या स्वापाद्वाया स्वापाद्वाय स्व য়ৢॱढ़ॺॱॻॖऀॱॻॺॱॸऀॱॺ॓<u>ॱ</u>ऄॺॱॾॖ॓ॱॸ॔ॸॱऻॎॸऀॱढ़ऺॺॺॱॻॖऀॺॱॿॖॖॱॻॿॗॗॸॱॸ॔ॸॱॎऄ॔ॱक़ॗ॔ॱॻॱॿॖॺॱ वना क्रमाम् रहेर् न्मेव सक्रमायकेम्यरम् न्या स्थामाकेर्ना स्टर गरः नवेनवायः यः ५८१। व्याप्तः विषयः १८वायः १८०१। विषयः विषयः ४०१० विषयः १००० विषयः १००० विषयः १००० विषयः १००० व णावाताः क्रें ताः २८ । सिंद्रं पाः अर्थः हवः क्रवः व्यक्ष्वाः नीयः ८ मारः क्रीटः धुनाः क्रेट.त.ज.ज्ञवायातायट्र.क्रिकी.येवी.घाघटाट्राचक्रीरी श्वत.ट्र्याद्रक्टेर्या**टे**. नित्रा विष्ट्रं नान्ता वक्षत्र सुरमा इसका गुरुष वर्षे हे नित्रा तनुता प। **ଅ**६४.त.मञ्ज्ञामुः मञ्जूरायमञ्जरम् र प्रमुर् ८८.। ट्रब.लेबा झ्रेल.या क्य.क्या **ॻ**॑॔ॖॻऻॴॱ८**ॻऻ**ॸॱॴॱॳॕॖॻऻॴॱऄॖॱॻॖऀॱज़ॕॻऻॶॱॻॱॴॱॶॕॻऻॴॴढ़ॱॻ॔ॱॻॎॷॗऀॸॱॸॕऻ**ऄ॔ॼॱ** र्घद्र'वे'अ'श'के'इ'र्टा स्रुप्त हुं'द्र'णु'अ'र'ई'केर्'त्र'प् ॻॖऀॺॱॸॴढ़ॱॾॕॖॻऻॺॱय़ॱक़ॖॿॱय़॒ढ़ॖॱॷॕ**ॸॱॸ॒ॸॱ। ॴ**ॺॸॱक़ॕॻऻॺॱक़ॗऀॱॿॸॱॺॸॱग़ॕॱ ्च मुन्दर्भ क्षेत्र प्रदेश्वर यह । विष्युत्तर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क ब्राचिद्रः क्रेटः त्रं न्टा इत्या द्राया है। क्रिया बार्ष विषय क्षेत्रा या प्राचनित्र २८.। तप्राराच्चेर.क्रार्था ह्याया व्ययट.र्घ्याया हृत्यारस्टराण.स्यययः म। म्बर्ण्यः इम्बर्षः इम्बर्ग्यः वस्ति वस् ^{क्र}न्यर्थ्,ब्रि.प्र्र.द्र,द्र.वंथ.केथ.ध्र.ष्ट्र.द्रं,द्रयंथ.केप.ती.पेळ.झे.केट... यापन्टा हे प्रतासु 'म्रावयान्यारा ह्या वया ह्या मृशुद्यायहे क्रियार्दे प्यटाद्वायहे क्रियाये वारा हिना वारा हिना हिना लार्चना हुन र है। ज्ञान कार्या क्रिया हुन कार्य व वा त्या व वा व व व व व

প্রমান্দালনাম্ন ন্ত্রীন ন্ত্রী ক্রিন ন্ত্রা ক্রিন ন্ত্রা ক্রান্ত্রা ক্রিন ন্ত্রা ক্রিন ন্ত্রা ক্রিন ন্ত্রা ক্র ल.भु.२४.त्यापर.६्याव.त.कृषे.त्र.चीश्वंत्य.त.ज्ञा इ.२.द्र.च.थ.प.प.चील. ऍ-हेरप्पट्याग्रीयाक्षाम्या विप्टू-म्पुप्ताम्याया য়ৡয়ॱग़ॖॱऄॱऄॱय़ॗॖ॔ॖॖॖ**ॱॱঢ়য়। ॸॣ॓ॸॱॸॣ॔ॸॣ**ॏॱॷॕॿॱॸॣ॔ॿॴॱॻऀ॓टॱॷॕड़ॎॣॖ बॱॿॗॖॻॺॱय़ॱय़ॱॡॻॖऀ॔॔ॖॸॿॺॱॿॖॸॱक़ॗऀऀॺॱक़ॕॱक़॔ॱय़ढ़ॱॸॕॸॿढ़ॸॕॸॱॿॺॱय़ऀॱ**ॸ॔ॱढ़ॱॿॱॿॖढ़ॱॸ॔ॸ**ॵ ८८. त्रक्षाचरतिषार् क्ष्यापष्ट्राचराचरेटाचयाचेश्वरतिष्टाजाञ्च अद्गान्त्रराष्ट्रीया मृत्यमुँग्या<u>याम्याम्याम्याम्याम्याम्या</u> लन्य-मुच-नठद-त्युट-प्यक्ष-पक्ष्र। १ खुल-प्र्यंम ८ रे खुल-पर्म् ता ४ ह्युं अप्तहेशामिटामेश्वराञ्चराम्या टे.ष्ट्रात्यराम्यात्रस्यास्या पः बेर्'रेर्देव के। श्र'मॅर'दे 'रॅ'ठ'व यः झु 'प झुर 'वे 'ठ' प्र 'प हेपा 'पेयाया न्बद्'पर्य'□□□[कुथ'र्झ'ळ'प'र्र्ट'रु 'हुन्यर'रा हैन्'परे 'र्र्ट'। अथ' पहेर्द्रा भेवाद्रान्तुम्म स्वत्यामान्यामा वातान्वयापहेरमुहास्य र्वेयक र्यार पित्र यस। मृत्र सेट मेरि वि महिमायहै म्या द क प्य बुगक सी 보는,ŋৢ৾,폪৬.ছৄঽ,ᆂਖ਼ਖ਼৾৾য়ৢ৶৾য়ঢ়৾ঢ়৾য়ৢ৾৾ঀ৾৾য়৽ঢ়৻৸৻ৼঢ়ৣ৾৾৾৾৴ঢ়৻ৠৢ৾য়৾ঢ়ঢ়ঀ৾ঢ়য়৻ঢ়৻ঀ৸ ब्नर्यार्धुः प्र-श्वत्यार्थ। दे व्यार्थः संख्यात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्था महासदार्म्यामण्यानस्य पर्वे यात्रस्य सिदास्य स्माना मण्याद्वे विदास्य हु,बट.कैंट्रप्रज्ञानाश्चर,च्रांचक्रैंयाबेशा क्रुबाक्री प्रध्याप्रांचधूयाहा रू

चन्नाताके प्रदार्गिर्दा चार्षि क्रिया विवासी क्रिया त्रम्भाष्य । व्याप्त कुलर्चा अहर खर्षेक तार्हा । विराधिक बर्दा मा कुबा । इता बिना मुल'विषय'दर'वर'वरे। विष्टाची'यहि'यहि'या विष्टांबर्'व्युटाया ृष्ट्रप**ुः इ. चैत्रा**पृष्टुचा । हे.फा.चैका.चू.४८८८. देश.लूबा । श्रेष्टुः इश्राच्या प्रमुखायाः भेषा । श्रेष्टा प्रसुष सुष्टेष्ट्रा । दे प्रमुख्या । द म्नेम्या विषाञ्चर् स्टर यह क्ष्या दि तर्म स्मार्थमा न प्रवृद्धः त्राप्तात्वा । ते क्षेत्राच ह्रेव स्या कुत्राय स्वित। विष्या प्रादेश के स्वा ला ।मर्न्'णै'कुल'र्घ'र्ह्षन्'र्ह्चेन्'रह्या ।ह्यर'नी'सेर'ठव'रह्यावस'दी।। **८अ.त**४.क्ष्म्ब्रिथार्बेतातरान्ने। विश्वत्यत्रियात्र्यंत्रक्षाःचा मुल'विस्त्रा'देव'म्'द्रस'म्'स्'न् र्यान् र्यान् । व्यान्य स्तर्थान्य स्त्राम् स्तरम् क्टा विषात्रक्षं भीषु रह्मा मृत्वेषा भीषा विश्वहरू व या यह है हिन्दा स्था स्था บ**.⊈๎ชง.บ**นับ.ฉัง.ตह८.ป์ ลืย.กฆ้ะผ.รูช.มัฺะ.ถืนผ.ปช. बर्दे 'पड 'पञ्च पञ्च । विवास्य क्षेट 'र्या हे 'प्य देश तरिताम करिताम के स्वा मुक्य.चरु.अर्। वेट.क्व.हिट.वर्षच्यःवर्षच्यः पर्वः अर्। ट्र.ह.क्य. पश्चेत्यः परि सद्। मैंयार्थेव उव श्वुतः परि सद्। वें र खुव स वें र खुव मिरे मर्। न्डन र्रं राज्य मार्थ प्रति न्या विष्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य यंते'अर्द। दे'क्स्यराम्ब्रुराद्याम्बरायते'युग्यर्प्याप्याद्याद्यायर 회독기 학교,건빛도학,집,돌리학,집,되는,빛드,학,아니,근근,건호학,다,건륍구,덕학,

भेर्'र्म'म्हर्। दे'लट'हॅ्ब'बेसब'ठ्व'सुब'स्ब'ह्या'र्मे व'ह्यंद'प्यूर'दे ล๕ผลาลิรุ"ฏิาผลาฮูลานลารุฮูผานราผูรานาผารุนผาทูลารู"นละานัสา युन्याहेयाम्बुटाव्याम्प्राम्यादेगम्बेदानु कुलाम्बेर्न्याक्ष्याम्ब पर्भूटर्था हैना'मैंन'चिट'तर'चुर'है। **न्यट**'तहेरतर्भूटर्थासुप्य'स मामक्षेद्रभुवाद्वाचरवामा व्यापेक्षामु व्यक्षेत्रम् विद्यक्षेत्रम् สามเพาผยสาฐานฐลาริาสุนายนลาปู้านๆๆลานารูนา म्यायायार्थः क्षेत्रपद्धिः पञ्चीरावेशः व्यायायाः व्यायाः ह्रायाः व्यायाः ह्रायाः विष् त्रेयसःन्यसःम्युटसःयसःश्चेतःयः५**न**्यःयःविषेत्रः५। कुलःविरे**ः**५सः**विनः** चुट परे वर्षा कु भे ञ्चरम ज्यानि के र्या कि ज्ञान स्थान स्थान परे । সুবৰ অব । বা অব । অব । বা বি । ব मुरुवार्टा क्षेरहेर्म्हरावेर्डाचा वास्त्रेत्राचाया श्रेत्यास्त्रहान्वे मब्द'लट.चेत्रेदां चित्रेट.एकर.चे.वेचे.त् चेषाच्युं के.षट्या य़ॱॸॖॸॱॎॺॕॱॿ॒ॸॱॴॕॕॱॸॱॸॖॸॱॎॴॕॗढ़ॱढ़ॶॕक़ॱॸॱॸ॒ॱऻ^{ॱॕ}ॿॖॸॖॱढ़ॶॕॗय़ॱਜ਼ॱॺॱ ^{क्र}न्य पाक्षा विष्य प्रमानिक विष्य विष्य के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स मुला व्राप्ता प्रतामा मुल्या मुल्या मुल्या प्रविचा

दे'दशःकुल'र्यशःकु'म्नर'दशःम्ददःइत्शःयते'यहःदे'५'द्वस्याल''**'''** म्बर्भराष्ट्रे क्षेत्राक्षराम्बुक्षाया व प्यवतः व र्वा क्षेत्राक्षा व र्वा विष् र्षेण्यःयःय्यःयं युवाने ग्णान्यः स्माप्यन्यः हिं। विष्ट्वं पाः इवस्यायः हेया ॻॖऀॱॾॆॺॱॸ॔॔॔ॱय़ॖऀॱॸ॔ॻढ़ॱॻऻढ़ॸॱॸॣॕॱ। ॱॱ॔य़ऀढ़ॱऴॣॺॱॴॿॺॱॷॱॻॾॖॆॿॱढ़ॕ। यःनव्दःहे। व्यंर्तं मःदरः व्राप्तात्वा स्वयः मुख्यः मुःम्राष्ट्रयः सु मै.चं.रवं ब.क्रब.बु.र्ह्बातर। मै.चं.र.वु.क्रब.श्रृंट.चरु.मैलात्वर मण्द्राम् वार्षेत्राच्या भवात्रुप्तान्द्राच्यात्राच्या विष्याच्या विष्याच्या विष्याच्या विष्याच्या विष्याच्या **ैंहे'नडद'नेद'ॸु'न**णर'डेद'ळे'न'सन्बर्'ब। श्चन'र्नद्यद'सर'ब। बावद'ने'दें **흌·제·5**| 쾰마·፲·염·젍ㄷ년·디오વ·미원레 훵·디ː떠ㄷ.듁.너.떠ㄷ.너如.ㅂ릴마. **ঀৢ৾য়'য়ৢঀ'ৢ৾৾৾ৢৠৢ৾৾৴'৸**'য়৾ঀ'য়য়'য়ড়ৢঢ়'য়য়'য়ৢঀঢ়'য় [[गुंबर]]मिट्रपर्वेचयरतर विषानीयात्वेयाते। व्यव्याद्याः हे या है । मेट्रप्रा **श्चेट.२.२**५५८४.त.५.५७७५४५। श्चेत.२त्व.त.५५५५५५५५ **ख़ॱय़ॖज़ॱ**ॸ॔क़॓ॱढ़ॖॸॱॸ॔क़ॕ॔॔॔ॸ॔॔॔ॺॱय़ॱय़ॎॱय़ॿॖज़ॺॱॺॕऻ

ने व ब ब दर प्यत्ना कुल पॅरि युग्ब ला न दे के ब का सुप्त द के प्यद र

न्या स्वाया है 'हे 'खेन' पारि 'क्या बु 'न्ने या क्षेत्र व्या यर तर्वा यया बक्र बबासुर वार्ष्ट्रियान्यवायन् वाराम्यात् व्याप्त व्याप्त विवास स्था विद्यासार विवास स्थापन विष्वर्रम् वार्ष्याः व्याप्तान्य वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्य प्रविश्व कट. देटश्रं भ्राप्ति भ्रुतिशाच प्रापट वया स्वार्ट द्वा ८६म हे अपी हित्रम निम्य द्वार्य मान्य मान्य हिम्स निम्य हिमा मान्य हिमा निम्य मान्य हिमा निम्य मान्य हिमा निम् नुष्ट युन्य के के द्वार में दिया निष्ट के विश्व **८५ुन**'ढ्रायमॅदा ।८यर'यरे'झुं'झर'८हेन'हेद'देनव'य'८५८। ।य' **ब्रुप:क्र:र्यट:र्य:प्येश:प्रोध:प्रेप: ११ व्य:प्रेप:प्रेप:प्रेप:य:व्य:प्रेप:** য়ঀয়৽৻ড়ৢ৾৽৻ৢ৾৾ঀ৽ঀড়৽ড়৽৽ৢয়য়৽৽ৠৢ৾৽৻৻৸৸৸৽৻ঀ৾৽ড়য়৽ৢয়ৼঢ়ঢ়ৼ৽**ঢ়ঢ়ঢ়য়**ঢ়৽ इव्ययः मुलः स्ट्रेख्ला । <u>नियाः कृषः पश्चिरः न</u>िरः अर्थन्यः सः से वा राष्ट्राः । कृष्युनकाचराकृष्त्राकृष्यास्त्राचात्राकृष्येष्टाः विष्यावास्त्राः । म्राह्यस्यावास्त्रा ८विर.७वर.व.२८.। ।वट्र.चेल्वयः व्यवश्युः ह.च्यु.च्युं । हि. <u>୭.୬୭୬୬.୯୩୪.ଶିଧା୬.୧୯.୭୭୯.୭୭୯.ଗିରା.୯ଫ୍ର.ମକ୍ଲିଥା</u> য়ৢঀয়৾৾৽ঢ়ৢ৾৾৽ঀঀ৾৽য়ৢ৾৽য়ঀয়৽ঀ৻৽৻৸৸ঢ়ঀড়৾৽ঀয়য়৽ঢ়য়৽ড়য়৽ ୧୮୦ ।୬୭୯ - ୧୯୯ - ୧୯୯ पर्ना दे : अंशप्त प्राप्त । खु रिस् कृद पु न्या अंश विश्व गण्या । । पर्ना भा विषयः वृष्यक्षे प्रस्पान्या विषयः । विष्य विषयः विषयः विषयः विषयः म्नुमापि के मा पर्माय सुनाका कुषा प्रमान स्वापित स्वाप 44.84.26.22.22.62.62.44.1

कॅसॱर्सुद्रः पञ्चवः महे : सद्दर्शन विवास विवा ८६व.व्या विषाची.कुरप्र.स्प्रमान्नान्यस्यानित्रकेषा किंवस.रटः इनियः तः देन । पृष्टि । विषः यदि । युन्यः दर्भ म्यः । विषः यदि । युन्यः । विषः यदि । युन्यः । युन्यः । युन्यः य ह्र्चयान्तराम्यम् । वार्यस्यादया साम्बुराष्ट्रियान्त्राम्या मिनो मुन्यास्तार् देवन मिति तर्व मार्के कार रहा। सुप्याद्वायावि मुन् मा षाउँ उपोप्निया ५ छ ८ ता दे । इस समामिता सम्बन्धिया है। **न्न-१**८८। कु'न-१न्-१तयान्धुर-१। रु'न्दे कुन्यान्हेद दयानुन्या केव-म्रक्रिः ची. वाचव हि.स्ता पाइ.क्रि.स्टा वाचव हि.स्ता पाइ.क्रि.स्टा वनानानुरुप्तानहेव वया हिनार्मा हिनार्मा सुरि सुन श्रम्म सहराही हैं वर्षेन, रूज, तपुर, वर्षे **अ'नाशु**टःनी'र्सुव'शवस्यस्द्र'र्दे। षटःर्ना'र्स'यात्वन्रदेवःर्स्य'यादे सुर् ५८। है र गामाय में रहा। तहेना हेन तर्वा वहें तथा वहें न न ष्पटः नृषाः श्रुण्याः श्रुष्यः श्रव्यव्यव्यव्यव्यः स्ट्रां व्यव्यव्यः व्यव्यव्यव्यः व्यव्यव्यव्यः पर्दरके सक्षा निष्टा प्रकारी प्रकृत प्राता पर्दर है । प ५८। भूरेषाणायहान् हेसाग्री १५५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ · 대자·한 '월디'정디적'러트디 최'최' 또 여'다'중 '디침' 遵두'두' 최두'다'리러' कुर्'ल्ट ल'पहेद द्या अ'ऑ'र्ट् पणेर्ट पी सुपायप्य अहरा देग्लर क्रम् त्रहेन् देव त्र त्र यह हुन यह हुन में। रेन त्रहेन् रेल परे कुर-१८:। देना रहेद र दिया मार्थ कुर र तरा देना र मा रहेद की सुन

प्रविश्वास्त्र हैं व गा स्वास्त्र व कि स्वास्त्र के स्वास्त्र स्व

रैद'ळेद'स'से'ऍ८। अर'पॅट'पचर'मसस'से'स'र्समस'य'र्सेप'८६द' यन्'बरि'म्|ह्रम्ब'बरब'बर्ब'स्व'र्म्'न्म। कुल'र्मे'हे'रवम्बाकृ'सु'**रू**'स् लान्यत्रात्र्युर्द्री ब्रुवायिरेखेराचेत्री ब्रुवायाचुर्यायवाष्ट्रस्य उर्दाचीया त्त्रायार्षेताम्। कुलामाक्षेत्रसम्बर्धाः त्त्रायकाळाळेत्रायाल। सम्बर् न्युअक्तेरवर्षेत्रायर्दा नेदादेरहेव्ययायहेर्युवायर्षेत्। दीर्राउर्वर खर मॅं 'झेन' बेर'रु 'सदस कुरा वृत्तास कुं 'व' गुं ब' रस पार्त्र के 'प्से प्रस महिन्द्रः विगमिते सुमामार्थम। सुमामान्याना सुमामान्याना सुमामान्याना सुमामान्याना सुमामान्याना स्वाप्ताना स्वाप म्बंहायान्या है स्वाङ्गिताया विद्याया मार्चिया वाद्या स्वाचित्राची वाद्या स्वाचित्राची [≒]्रसं केलासं प्यकु प्राप्यकु पासुकासँद है। ही सामादी राज्या क्रीत्र केना सा ্বিশ্বেষ্টি শ্বুল বেশ্বিষা ইলাপেইব শ্বী লাব ৰ শ্বু শেবিলাৰ শ্বা कुलामा अर्केना प्रमुद्ध स्पार्च मार्च न स्वीत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स न्वेन्य। स्यान्य प्रतिप्रा ५व मायस्य स्वाप्त के सम्बद्ध त्येव। मणमार्मेन्'हम्बर्ग्स। दें'स्व'न्ययाधी'मब्दा'बु'ख्'याश्राप्तर ८६५,६,५,४,वै८, भ्र.४४,७४,अष्ट्रचे,त्र.च्य.४४,वी टेनज.वी.ज. संविक्तुं खुपः प्रते प्रदेश मुपः पक्रुं का विद्यार्थ प्रते विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के व *ष्ट्र-रिवेद्रा दे*'ल'र्सन्यायरे'तुप'र्स्य'स्ट'र्य'पुट'। कुल'र्ह्नद्रवस्य उ**र** ीुबरच्चीचयःपबर**बी**चःपा**र्य**चःपष्टःपूर्वेंबरकूबर[्]चींःजनबर्या

रे[.]दंबःकुलःचंदेःश्रुन्बःन्दंदबःला सःचकुःनुबःकुःश्रुन्बःता

दरे नार्वनायनाम्पराने सुरास केंसा केंद्रा नहें नार्वे सारास्त्र नारास्त्र नारास्त्र नारास्त्र नारास्त्र नारास् बुदायदे र्श्वेन बेरा वेन निहर विकाश सन्बाया अदार देविया यर देवें दका वमा भूतः रह्यं स्पर् सार स्वरं मव साथा स्वरं मात्रा मुण्या मित्रा साम् विषय स्वरं साम व वः लुवः यः दी को यः दें। श्रेयः ५ यवः केवः यः यापरः हेवः उवा । सः याकुरेः घःअःष्ठेःस्वावःस्। ।म**्ना**रहःकुलःसःक्ष्यःश्वेःत्वृहःक्षेदः। ।श्चवःसंग्वा<u>ट्</u>ना इटारचट्या च्या अया अया तरारम्या । प्रतिया वर्षा द्वा प्रतिया विषया वर्षा विषया विषया विषया विषया विषया विषया व मंद्रिमालमामित्मा श्रुत्यामित्मी सामग्री । । यस्त्र सुना सेरामा ५८ । । म्बिरंद्रम्मद्राप्यरंद्धा विकाद्वायम् भूपार्वद्यक्षित्रपारः खे'क'र्ट्ट। पुरु'णुट'हे'टव'हे'टव'८म्। <u>|</u>हेर्टे'युन्नव'द्य'पवयय'पव'णुट'। | मुलार्घरे क्रेटार् रहें दार्ग । तियदका क्ष करावदार के विष हुर। ।वार्थवातवातिमातारायात्रयातमारकता ।क्वित्रवारमाकार्यम् मार्दिम् । प्रमुख प्रमास्य स्पर् सम्मिन्द समानी । शिवना द्वार गुर्वा <u>बुरानरायकीरा ।कूबार्ष्ट्राव्यर्धियारूरीतराकुरी ।कूबार्ष्ट्राचीश्वा</u> म्.४९४ म. १४. मुर्चा । इत्यायाया १८ स्याय ५८ स्याय १८ स् तथाश्चीया । क्रिंशम्बिग्रेंश्चिग्रुः चे युदारह्म । क्रेंग्चर्व प्तामीयाम्बर्गः यर मुेत्। श्लिप्तं वटा तथन अर्हे व मुक्ता मुक्ता । स्मिन्या या वटा मुक्ता अर्थु । बुद्रायान्द्रा । वार्श्वदाद्वराद्वे होत्रायान्द्रा । वार्श्वदाकुरावान्द्रा यर दिन। क्रमानुनाम्ब्रायर क्रमनुनि हेन। । विष्याया स्त्री मेना स्त्राया भामहै। मिंबर्म्दर् हिंदेख्यायाचेंदा विरम्दर् हैन्यते हिंदी।

[वळवंद्वरावर]]न्ध्वांचारिष्ठरायर्वरा ।ळेलाच्वरळन्षुतेर्ष्ट्रेतरहेन्हेना । यस्त्रायातहेनायते स्वाप्त वा विष्ठा **बुट्रकुल:स्ट्रिट्र**्र्निमा ।इ.२.२्ट्रिट्रेल्याचारका पाकरे.हेर.**दे** <u>८म्दर्भावत्राहरा ।देःकेः िराधया त्राहरास्य ।वासुरसार्था</u> **देःबबःक्वलःस्बःइः५**४५८कुःस्वःचःचर्द्व। कुलःसःबेटःचःववःवेवा**ण**्टः **च.डे.व.** कथ.तम् । चे.व.मू.व.४४.४५४। ४४.५४.८म.२४४.तम् बॅरनकु। द्वेते हिंद पॅरलट ला ५ र र नकु। वट ने हिंद पॅरबॅद सुरहु हु र ह पक्का अहर क्षेत्रुं प्रसम्साम् १९ प्रमान स्थाप क्षेत्र स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स **मुै**'ल'पम्चा न्गॅर'न्ट'झे'९दे'धुैर'बै'रद्यह्ब'ब्ब'मुद्रा ने'बब**'श्चॅन'** <u>न्मवायन्यारचुनामवकारीका न्मेरनण्यार्गेरावर्षन्यीरातुरहेवाय**ुमका**</u> वसान्सायान्त्रम् न्यायानस्य प्रसायान्य विष्या विषया विषया **अश्वर** रुर्वे तालट रिवे प्रश्ने अवा कर में की निव्या कर में की स्थान है । 可!

 न्ना क्रिया भेरा हो स्वार्थ निया ५८: ब्रुप:यतमः पसमः क्षेत्राचिपायः पङ्किरः दे। क्षामः विषयः वसमः विषयः विषयः व ८टेव चेल हैं हे लेगक पर कुर रिटा विवाय प्रवस्त के विवाय मुर्वेनामञ्चुरारी क्षेटाव्यावयायायायायायाचेत्राम्यताम्द्रवाया श्र्वाक्षःसःर्टा **६।८६। वाक्षःक्षरः । वाक्षः व्यव्याक्ष्यां व्या** लःन्नरःचेत्रयहेत्युःनतुत्रलःस्निसःसस्यस्यहेष्द्राङ्गेनसःम्हरःपहे**ःम्ह**न् বিলা ট্রান্রার্থনির নির্দিশ করি বিশ্ব করি বিলাম বিলা पञ्चर'र। दे'व्यक्तान्य'में 'वें 'वें पर व व ताय प्रवृत खुट ह सम्मान प्रति। पन्न'रहःसन्'अःरमुहः'न्द्रः'न्दः। दोःसंखं'व्यवस्यविरेश्वेटःसं'न्दः। षा.६२,७.५४।२०८४.ग्रीया श्रेषात्रवे.प्र. हे.वि.सूट.हे.तव्यापा पर्र'हे चिन्दा प्रमान निर्मा [निर्न'र्ने] निर्मे निर्मा केंद्र निर्मा विवासायाक्रमा यदाव क्रीं निर्मा स्वास कराव क्रीं है है के वार में ना घःषःञ्चुःष्यदेःर्वरःषःच्चेता २६'न्युव्यर्नग्रन्यःयः[२न्नेषः] न्रन् वयः दवः रूपायः तद्येषः चुरः व। स्वायः ग्रुः प्राप्ता पार्वः वा स्वायः ग्रुः प्राप्ता मुलः प्रते क्रामुलाप्त र्या हुपा देग्य रेवा केवा श्री मा हुरा केवा मुख्य ने'पङ्गर्युट'क्**ञ्चरक्तर्यात्र**य'यान्न

대자·영어·대학·도·역학자·명| 유니·[[유구.]] 다르다. [[어니학.]] 네십도학·다. [다.] बदरप्त्नाकी युनवाद्वित्वा शाक्षेत्र द्वित गुद्धि प्तायक्व संविद्या विद्या Barararagaraxraga दॅरान्तरः के वरावत्त्रवा द्वाप्त्रवा [arन्ता]। र्ह्मपः न्य्यं विष्यं विषयः विषय न्र'याप्ता र्यात्यंदाची'व्याद्याद्यात्यंद्याचेत्रचेत्रवात्याद्यात्याचेत्रचेत्रवात्याद्यात्रवात्या चुे'अ'[[न्दा]देषु'व्याविष्यु'यरात्त्र्यावादवाळेवाचेत्रा वेषा निश्चर्यातान्ता कुला सह देवा साम्यान स्त्रात्वा स्त्रात बर प्रता हे दु विषा विषा गुलर र्वाट व वार तु वा या नता विषा निव की मुग्मरे मुरामरावराणी देश्वेदारायाबूरामावववाठराम्बरान्या हेसर**ा**सुत्सर्पर्त्रा मुलर्मेरहेर्युः।सःक्षेत्राकरहेर्द्राकरानराणुरादसर त्रुंत्रप्रश्चितः त्र्वाक्षात्रप्रवास्त्र विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य मुचामाके मना के क्रमानुमा नार्देमामा विन्यामा विन्याहिना [ुम्स भेना] मगर देव ठवा प्राक्षमा १ सराम मिन प्रमान हु। देस ्यान्द्रराम्याताम्यवा पमुत्राषुनाः विनावता धुनावता धुनावता प्रमान्याः । ष्ठन'न्छ'र्वेन'छन्'रहन'रहल। ने'न्य'र्ह्ह्य'न्ह्य'र्ह्ह्य'कुर्याय'र्यान्ह्रह्य मा कुलार्चा हैर कु खेबबा ठवालन्य समा खेबका हैना सामुदायदा तका हैना १ अरु कु से दा कि देश ता हो देश कि स्वाप कि स्व रट. प्रतिषय प्रक्षितपुर भ्रुवाया वहरी श्रवस हूमे हैं वापवाया में बैचे म्हार्यम्हान्य । च्हार्यम्हार । च्हार । च्हार्यम्हार । च्हार्यम्हार । च्हार्यम्हार । च्हार्यम्हार । च्हार । च्हार्यम्हार । च्हार । च्हार । च्हार । च्हार । च्हार । च्हार । चहार ।

ने व ब क्षियं ने प्रव मान कारण हे कार व मानि क्षर <u> जि.प.२४.५,४८८८४११,५८६४। पथश.लय.अष्ट्र अथ.ले.लेगे.त.ष्ट्रीरी</u> **₹**न्यः मः छेवः मं व्यायायर हेरे र परः ख्यायरे र ्या खु। कुशः मॅं या क्षाय्या हुन न्मवायनात्रात्र सुतायव्यात्र विवायाः विवायाः विवायाः विवादाः व क्रुकाने। श्राप्तान्य केदार्या वितासाम्य प्राप्तान्य वितासाम्य वितासाम्य वितासाम्य वितासाम्य वितासाम्य वितासाम्य हेन'रिम्र'तायार्बेटयाणुग्यर'रुंन्तुंकारायचेत्रानुराकुंतरकेत्रायमा रेन्'दहेन'र्चेन'यावनसहेन्द्र'स्रेन् नं नान्त्रेन्यायन्न वेन कुनामन नवासुग्व वाष्ट्रस्यासुग्ना स्वाम् र्हें हे 'हे 'सुर कुर मा किया मर्डे मा स्व 'तर्य सर्व मा के 'त्यम 'हु ' से र मा लाम्बलायायहर्षे वर्षे वर वयाळाडे हे ता प्रतासहस्राय प्रतास विवा ने वया है परिवास भेवा ह'न्दा हुटानी पदे दें राया पहेवा वसा द्वास के नाया के प्राप्त के नाया के नाया के नाया के नाया के नाया के न अ.अक्बे.टेट.र्जंब.ता.ज.१अथब.वी.घेटबा.वथा.पर्वे**पथापथाष्ट्राप्तःकूंटा**ची.परा. ुं [[मवकाया]]व्यदार्थित्। ञ्चक्राप्त्र उदिः यहुत्रायायहेवाहे पञ्चित्रकायाया के'स्'निन्धेर्यन्यात्र्यं हे'यह

मन्माबुक्षाम्बेर्षावया मन्माबुनाष्ट्रामाकेरे देवा विवासमाध्या न्यव केव येते खला वना पन्य गुन् में हे चिया या केव या है वन प्यान न्युअ-कु"न्वदःअःस्व"यरःसिद्यः श्चितःसवाधनःकु"ळेत्रःयःअर्केन्यने न्देसः अर्वेष् या के प्रमान पुर अंदायाया न विषय पाय प्रमान विषय । मका केरी रिम्परिंदा श्रेमा वका हु। पकी बादा मरामवका मार्थवा पानुसार्था या षट-दे-हिर-चमुँह-बह्दबन्बा दुब-दे-हेन्-रट-दु-मुन-द्वर-म्पत्य-खुद'नै'नवेद' इ'रु'पर्डे ब'स्दारित ब'बर्गेद'र्य' के'न्यम हु'बेन्'यरि'न्ग्रैस'**'''** त्रिंरा द्राया के देश सुकाया रेदा में के खारे के वा मी ता **ब्रुचा र प्रकार्य प्रमाण पर्यक्ष क्षार्यका स्वाया स्वाया मार्थ प्रमाण प्रम प्रमाण प्** ५८ दुना विदा विकाय स्वापनिता हरा या निता स्वापनिता स्वाप व्यानतारम् निया क्षा कुला निया निया निया है है वह रिटा द्रें पचर हैं प्राप्ता रु फ्रांपचर यार हिया विकेश रेव के वा निवास में र्दिन वेर में दावबर देव केव मार्च मार्च मार्थ मारा र्वेण ति.श्र.मिवीटयाभरातिया हीतरायेवायापु.श्रेटाम्। प्र.श्रे.ता.श्रेम्य. ह्यं. गु'सर्र्दा वृद्धाः व दुर्माता द्वित्याया वित्याया वित्रा व दे दे व इ.ज.च.च.व्य.पथ.क्र.तर्सेच्य.के। ट.डे.घ.च.व्य.चट.व्य.चट. रं'व'के'कु'ल'कुल'हूव'द्रवस्'र्वन्द्रिन्नाचुट्स देर'के'पञ्चितस्'वस्'हर मानिक्नान्त्र। विनामहुर्यत्र द्वा मन्द्रम्पराम्यत्रम्पराम्यत्रम् बानरायान्द्रवास्त्रार्द्रवास्त्राक्षेत्राचानानु स्वर्षायान्त्राक्षेत्रस्त्राक्षेत्रम् पर्दरे स्वर्था कुषात्रा वृत्ता कुषा श्रेष्ठ प्रतापात्र केता कर्षे

दमामान्यान्त्रात्र्वे व व के हे ते वात्राता विवाधान्ता हिन् वेरान्तर्या रहें तहें व तहमाहेव रेमक हुमाने के अयर हा ला हमा प्रकार अवि हिमा हैन ् स्वाप्तस्याद्वेप्तरायुरायाप्ता । ४५/३८/ वरायाद्वराव**पुत्रा** मबाष्ट्रदेनर्दिः हरासुरायायायम्बाया हुतान्य । विदान्यन् खेवासुताया 회사고, 통, 너디트 설, 옆, 면, 면 회, 너, 첫 레, 네 쉽는 회, 다, 근 다. कुलार्चेदेग्बद्दारस्यातु प्रमान्यम् न्यान्यसम्बद्धारस्य व किले दिन् 'बेर'कुल' मॅर्डरिन्**तु**'ल' क्राव्य बाचुरामदेर्नुबासुर्युरायाद्वयकर्तुबाकुलामाटे छे छाला क्रिय **चुकामका देराकुलाधकालिकरामहुराक्षाद्या वर्षाक्षाध्यायामकुरा** वना ह्रॅन'मॅ'केन'मॅ'मपुन'ह्रॅन'प्र'मप्रमा ह्रेन'मॅ'केन'मॅ'मपुन'मॅ' <u> इ.इ.ज.७ूटर,र्ज.पची.र्ज.पचीश्वरायधूर,येचा ल्याप्यूची, ग्रेज्यालापकूर्येया</u> मान्दा कुलासावमायद्याक्षेत्रामायद्याक्षेत्राच्यामायद्या र्म्चन, दें वें ब्रामाला स्वास्त्र केवास्त्र क्षेत्र क्षेत व्याक्षेत्रप्रसा देशेपुत्रप्राप्तेव्याचे विवासी व न्ररायु मिरावनाया चुपार्वेषा हे त्रयद्वायद्वाया चुपार्वेदे केवनाव ॿॱज़ॱॾॕॿॱॴॴॱॺक़ॿॺॺॱख़॔ॸॱॿॱॺक़ॕॸॱॻढ़ॱढ़ऀॱॸॖॺॱॹ॓ॱॸॖॗॵॱढ़ॕॺॱॿॺॱ॔ॹ॔॔ॱऄॣॸॱॱ र्ने। हैं 'तुन' पर्वाणुदः पर्वेत् या रान्दि हार्य प्राप्त का **वित्रात्रात्राय्याः अत्रात्राय्याः अत्राप्ति । व्यार्ग्नाय्यायः अत्राप्ति प्रश्रायः । व्यार्ग्नायः अत्राप्ति प्रश्रायः । व्यार्ग्नायः वित्रायः । व्यार्गे प्राप्ति । व्यार्ति । व्यार्गे प्राप्ति । व्यार्पे प्राप्ति । व्यार्पे प्राप्ति । व्यार्पे प्राप्ति । व्यार्पे प्राप्ति । व्यार्पे** लटा ह्रश्रंचिलाञ्चर्विरायरगर्ना हरू. कुला**या**लायवरीरस्वायाङ्घेपवर्षेट्यारियात्री हिंदाना । देताव्याया । देताव्याया । नमान् भव के कु १९ दे १ मान्य विषय व के १ मान्य विषय व कि १ मान्य विषय व कि १ मान्य विषय व कि १ मान्य विषय विषय

ब्यामया वटाह्नायाधेरुप्या वेटानीयायाधेयापायहा प्रवास विमृश्य हिंद्र हिम् (बुबाया दिया हिन्द्र हिम् क्षेत्र विम् केर्या साम म**बुन्या**मान्दा अहे इयायर वेयायत्ते प्रमाणस्य प्राप्य प्राप्य मुःकः छःदेः पर्वभःभागर्वदः देवा है। केपयायावदः पुः पञ्च हाराया हाराया **₹अअःअ**वं.तिटाज, ६्रटकीयःतात्विवं. श्र.श्रर कीयाश्री टे.पेर कीजात्ता कु. थे. त्रायाचुवावना देग्याचनाम्नदार्वनातासुदायास्यवनागुवाद्वाराद्वा विष्णु, पश्चित, १९८, त. पश्ची बिष, रश्च, बेच, तूर, शूट, घ. पश्ची मुलाक्षेरमहेन्यते मुन्दा रहेन हेन अद्वापर वेदाय स्वास्त्रा सामा য়ৢঢ়৽ঢ়য়৾৾ঀ৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়৽ড়ড়ড়৽য়য়৽য়ৢঀ৽৽ঢ়য়৽ **बिंग,पथा** श्रील,सूर्ड,पराटश,स्ट, इ.प्त,श्ले,प्रच,ता,पञ्ची, विश्वा त्रष्टुन्यरः व्यन्ति व्यन्ति । ह्रवाम्यायम् अष्टावास्या १ व्याप्तान् । स्वाप्तान्या । स्वाप्तान्यवास्या ৰ অ' ৫ दे ' ऋद ' मुशु ८ अ' ऑब ' ऑब ' ऑब ' एयम ' ऄ द ' यक ' चैव ' यह यक ' गु ८ । । के प्रदूर् हे में खेर हैं वा खेर रायदा । श्रीया हे दे के खेर पार्य राया है। श्रीय खेरा । ८६ै.५ब्रैट.क्र.पूर्हेट.त्वन,त्2ेब.क्र.चब्रेथा ।श्रुथश.२ब.दिश्व.प.्रथंताताचट. <u> त्राप्तिया । विष्यात्रायधायात्राप्तात्र्र्याः विष्यात्र्यायधायात्र</u> ผส·ผา์ฐาฐีรุเรล| |๕า฿าะรูเผารุนธานถ้าปู๊สานูา**ๆ**ธา| म्नयं स्वार्मकाराया महेरातु पाल्या मास्याया माहेरातु स्वार्मिका मास्याया मास्यायाया मास्याया मास्याया मास्याया मास्याया मास्याया मास्याया मास्यायाया मास्याया मास्याया मास्याय ब्लैट'इ'न'इ'हिट'बी'न|वेन'य'९इ'यम। **ऄ्लि'न्यॅब्'रट'बी'ॷ्टानव**क'सन

सक्ष्या स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार

द्याप्यम स्याणी देष्ट्रायटाचानेरानी खेटायरान्यं । क्रामहेना <u>स्यम्याच</u>्च्यास्ये प्रतित्वाक्ष्यायम् स्याम्बद्धम् । विषास्याम्य म्यास्याद्या য়৽৸য়৽৸ৼ৻ ৻৸য়৽ৠ৽৽ড়৾৽৸ড়৸ৠৢ৽৸৽৸য়৽৸ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢ৻৸ঢ়ড়ৣঢ়৽৸৾ঀ৽য়য়৽৽ बर-कुल-सं-हुन्-न्दः त्यन् विकामहेन-नुःह्याः वा वारा ह्याकः इन्राह्मन्याबदार्याद्वस्या ।श्राप्त्राह्मदारायात्राम्त्रेरानुःश्चायराष्ट्रा ।श्रितेः พदः ह्यदः खुन् निः त्युन् निषेदः यविहे स्या । श्विनः निः तमः विवादि । स्विनः निः तमः विवादि । स्विनः निः तमः व बेरतकरा । १६ न विव संभिव महिर र् भु र न न स्था से रा । माय हे र से व **ॻऀॱॱॺॖऀॱॱॱॖॱॻक़ज़ॱ**ॻॸॱॡॻॗॗॸऻ ।५ॱढ़ॱक़ॗॴॱऻॗॹख़ॱॴढ़ज़ॱय़क़ॱऄॕॴॱऄॸॱऄॕॴ **ब्र-८म्बा ।र्बर-८व.**४विट.र्बेब.८च्याचरश्चमार्सेब.ईबबबाजन**ब**च ।जयः उव्दर्भन्यातामु प्रमान्त्राताम्यात्वव । विद्यान्युत्मः है। स्टाहे स्तरान्त्वा मैसामस्टरामा लेखाई। श्रेंपान्मंदाका केदार्यायम्या श्रेंपान्मंदा पन्नाः क्रेष्ट्राः विद्याः । क्रियः न्यः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्या र्मृब् न्यापर प्रेट. कैश. ट्रे. चार्चा । वृध. वृध. तथा श्वा. र्मूच. र्म्च र्मे र्मे बह्दररे रे रे कुल र्वे हे सुने रे रे सुने से किया कुल र्वे है से स्वामी किया कुल रे के स्वामी स्वामी किया कुल रे के स **६८.तर.धटाचेबल.टी** सं.कल.चेबर.चटा.धटा.टटा ः विषयाचेबन. बदसामरःश्चीरःप्रा प्लोरक्षयःश्चेरसःश्चरःपुःहरसंग्लुखःश्चेरम्हेरःसह्। **बाजिरारे रे** रे से मा व्याप्तार्वा प्रतिरागिरे रे से स्वा प्रतिराज्य प्रतिति प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रतिराज्य प्रति प्र **श्चीट.८८.अभूब.**पिट.तब्द.शब्दे.पाधेर.तता.कुर.सश्चा ह्वे.पश्चायबुष्टु.अ**ष्ट्रट.**

हेव पत्रिमा प्रमास्य क्रियामहित स्वता वना स्तर व्यव हेर स्वता चरावर्षेत्रास्त्रा प्रसराधराञ्चर विन्यस्या स्टेस्सा स्टेस्सार्थः प्रतिदारुः र्ह्मतः प्रमुन्यः प्रमुक्तः विष्यः स्तर्भा स्तर्भा स्तर्भा स्तर्भात्त्रम् । नमा क्षें क्षेर करे सामा निया के केर ग्व'रर्व्यास्या प्रभावतः हे खिर्यास्य स्थान्य प्रमा विभा वट.रेम्.यवं अ.सं.अ.स्.एटेश.तार्टा भ्रम्मैर.वश्या.१८.संशा रत्य है। वट. रे. चे वे र. इ. रे चे रे ट्रा टर हे चे या पति है। इ. पड स्या चि⁻:बु'रुव'हे'र्⊏ा कुँव'रुव'हे'रा ८व'हमायाचकु'ह'मकुर्'स्या मामल, २. मे २८. ४ वे १ क्या शिवा है अ. है ४. য়ৢঀ৻ ৳য়য়৻ঀৣ৾৽য়ৄৼ৻য়ৄঀ৻য়৻ঽ৾৾ঀ৾৾৾ঀ৽য়ৢ৻ঢ়৾ঀ৾ঀয়৻ঢ়ৼ৻ঀ৾৾য়য়ঢ়৻ इस'न्युव्यक्षां नर'न्द्र'सु व्यवर'ने न्यु'सु न्दर्ी वर्धेर्ट्र हैं ०**द्धेल, स्था ।** तालू, २, वि. ७ तीचा, २। ८४, इत्याय, तथ्, याबीय, स्था है, स्या, क्तिन्द्रीट.दी घटु.चार्यचाबारायच्या अट्रबाटायाच्या क्रेचा. **बुैने'ॲ'न'न्**टं। रेग्'ग्रॅंन्'प्ढें'स्था ब्लेग्य'ग्रे'स्ट'र्ट्, स्ट्रं क्रम्य ४५ ५ ५ म म निव हे प्रवयं ४५ स्था र्यं या है ए खुना हु परिवर्शित <u>८व.र्ज्ञच्यायः ८८.१ वायटः पष्टुन्यः स्था लटः स्वतः स्टः श्रः २। प्राः</u> पर्5 खु रे प्राप्त हुन करि केट खुद खुद खुद । प्राप्त करा निर्म केट किरा म् नेष : हे 'ळे 'प्रम् प्रम् । रिम् 'पहु स्य है 'सु 'ह 'महिम् हुया के प्रम् प्रम् <u>५८.च्छेब्रस्यवस्य १८८८ चिट्टेन्स्य तम्बर्धः १०व्य ५८५५ । पर्वर्र्यः वि</u>

रस्रायरारमुरा महेरावारित्रक्षात्मुत्वातरात्वा वयादवानुः पा अपे क्षा भूर रहें बन्ना भेट रिवेद माद मारहित वा निर्देश है रहें दे वेद इट.क्र.पबर.क्रूंट.रे.पहला स्बार्य.रं.प.क्रुंब.धे.पब.बी.रंक्र.पहिंचा.वेरी ॳॖॺॱॴॱॷॱॻॺॱक़ॱॻॕॖॺऻ ॻॺॺॱॻॸॖॺॱॱज़ॺॻॱॸॻॕॿॱॻॖ॓ॸॱॸऀॸॱॸॿ॓ॱऄ॔ॸॱॻ॓ॱॶॕॱ 원미적·대·美·혼·도청·여정대·현기 = 전·도착·등미·현·합·대·현기 도디오·석·美· विच.की.की.की.कटा.ता.केर.क्षप्त.विर.क्षटायेशा ला.टंटावी.का.पंष्या श्रीय. **षर'मव'**सब'र्युट'पबुटब'र्नेट'र्हें>वा देशे'तुब'बु'मेंद्र'व्वववाठ्र'णुे' **ৡ৾ৼ**ॱॸॖॱढ़ड़ॆॱॸ॒ৼॱढ़ज़ॕॸॱय़ॕॱॿॖज़ॺऻ ॸॖऀॹॱय़ढ़॓ॱৡऀॸॱॺॱॿ॓ॱॿ॒ৼॱढ़**ड़ज़ य़**ॖॸॱ बेन्'ब्रैट'न्'पबेन्'बॅ'हहम अ'व्यक्षेन्'बे'पकुन्'न्टा इट'बेन्'सेन व्यवसंक्रित्राच्या वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्र देशे-दुसम्बुग्यायाम् नुसारम् विद्यारम् । सम्बेसम्बन्धेव महिमायायुगासे। **ळस्यान**हेरःबॅरानहेरावयुदा नबेरान्डलारेबायाळेशायाचे। ळॅस**्**कुँटा **मैकामहराम**हीराकाश्चराही निगरतुवाधीर्वरायम् रह्मा **क्रयामया**चर्चे प्रयाप्तिः क्र्याका श्रुवा हो। स्राप्ता श्रुवा प्रतः मृत्यस्य पाउपार्यः **८व 'ने 'झे 'च 'ने वे ना चे हैं 'च 'ने हैं 'में 'ने हैं 'म ८५'म'वेन'ने'न्-ान् क्रे**ब'सु'रसुन्'र्य'म'र्नेब'रम'र्नः क्रेटाहे के'म'म्रूब'

ष्ट्रीय,छ,ज,^{ब्र}ीच,त,ज,टा<u>र्</u>र्थ,त। टेस.कूबा.बेद..कूट.पूराकुषका.केट.त। <u>व</u>ूट. ष्यत्यः भैदाषि हुदाय। कुर् विष्यः म्बद्धाः विष्यः स्थाप्ते प्रमाया देणाया बुराबिटाभेरामाबुटकाम। सर्माग्यामरायादयाकुरारेटाम। क्रीपारेप्तर g'वैन'रृ'क्केन'वना कुल'र्घ'र्हेन्'ल'रस'र्न'ह्'न्वन्यम'याव्यकार्द्र'न्द्र' त्यन् व व क्षु पार्व व कृष्ण व क्षा व क र्रे र व "८८। व्युपक वक अपिरे क्रिट में ८८। ह्रका की प्यत्न में केटका रे'ड्डम्ब'मर्दि'न्व'हैम्'चें'खेल'न्दास्य स्वयंग्रिया हेंस'ल'बे'ह्रवयंप्रिन हेव'ल'मन्ष्वि'हार्ना प्रभव'यहे हिन्यं र के वका हेन हिन मुकला पहेवा निरामाक्ष्यान्त्रीत्याचु किनासेन्यास्य स्ति। कतान्याक्षेतास्य निवासिका मबैब'मबुद'ल'न्ने'क्वॅंद'र्थं'लद'ग्रैका अह्द'ग्रै'क्वेद'र्मर'गुब'मबे'मुद'क्वा **য়য়য়**৽৻৽য়ৣ৽ঀড়ৣড়৽৾ৼৼয়৽ঀড়ঀ য়৽৻ঢ়য়৽ৡঢ়৽ঢ়ৼ৽ড়য়৽ঢ়৸ড়ঢ়৽**ঀড়য়৽** য়য়য়য়য়ৼৄ৾ঀ৾৻ড়ৄয়৾ঀৣ৾ঀ৾৻য়ৢ৾য়৸৽৽য়য়৻ঢ়৾৻ৡৼ৻য়ৼ৻য়ঢ়৾৻য়৾ঀ৸য়৻ঢ়৸ড়৻ৼঢ়৻য়৻ बहै खिलाल हिंस। वही क्रिट सें र क्रिट हे गुव हु पवन सें हिर लाकेट हे बिरा ४४.क्रुंट.चूर.वैश्वयः तः ग्रेब. र्रे. तबर.चू.पिर.पा४ मू.त.वी.पे**ब्र.** भुट्या कट्रायहार् हेट्रायर हेट्रायहेव्यान् नियार मुख्याया हेर्याय प्रमान विधःक्रैट.सूर.यट्र.यर्वयश्चयात्र.सूचयात्रास्चया र्वेर'मुे'क्रेट'र्येर'ब्ल'अहे'न्द्रअस'टन्'द्वे'कर'द्वेष'स'सु'र्हेन्'मुेश बेट'ने' क्रैद'र्सर'५५'यदे'बैद'स'क्रेुर'य'र्क्स'५८'वे सबुव'ग्रेबा तिंदरणी क्रेद'र्सर'

ब्याचीरान्वरवरमहेन्यावर्कन्। चन्नाचीरहेन्यर्ठराहेन्यर्नाहेन्यहेन्हेन्हेन् **बिन्**यार्जे। क्रेंबरकुर्वेरार्घराञ्चरविष्यत्वराम्बराम्बराक्षाकुरवर्त्रहेर्देवसायरा त्युत्या न्याणु क्रीतास्तरात्तर प्रताप्त । स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व मुना प्रमान हुँ र कुरायर हुनाय में स्वाप्त हर हुँ र प्रवास मार्थित वा र्या ष्ट्रितःक्रुटःस्राच्याःक्रात्वाध्याः व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व्य हेर्श्चि प्राप्तिराधाराष्ट्राच्च हैं वित्र में समाधाराम्य वित्र वित्र हैं प्राप्त में समाधाराम्य वित्र हैं प्राप्त हैं समाधाराम्य वित्र हैं हैं वित्र में समाधाराम्य हैं वित्र में समाधाराम्य हैं वित्र में समाधाराम्य हैं वित्र हैं वित्र में समाधाराम्य हैं वित्र ह मन्त्रे कार्यकाराम्यासाम्यास्त्रित् भित्र विराधितास्त्राम्यास्तर्भा त्याष्ट्रियाताम्ब्रायात्तेत्वयाष्ट्रियाः वृत्याताः वृत्याताः वृत्याताः वृत्याताः वृत्याताः वृत्याताः वृत्याताः भिर्**तश**र्ञ्चलका कुवाकुश्रीयाच्याकुराहिष्येवस्यायाविद्याराष्ट्रीयाहिष्युन्या **ॅवन** प्रशिक्षण दिरास्या सेवरा खुरवेषा प्रवेषका है। पाउटा स्र র্ষুবা অবাদেশাপ্ত্রীনার্মনাগ্রুদানার্মনাজীনারে সুস্বাগ্রুদার্মীলকা দৃশ্রীনা ८विरःश्रेटःत्र-रिवेटयःचारव्युरः छन् छनः हेन् न्याः ब्रेन हायः क्र्याञ्च ८<u>व</u>र.ष्ट्रेय.ज.रट.ह्र.पृथायर.वीया भूतावी.केंट.स्ट.वी.व्रेट.क्र्य. **र्धुं ५ . भ. क च या अप क्षेत्र के ५ .** के ५ . के **ॻॖऀॺॱ**ᠬॱॸ॔॔ॸॱ॔॓॓ॺॱॴॖॿढ़ॱॺॱढ़ॾऀॴॱॱऀॸॖॱॸॱॻॖॺॱढ़ॱॺॸढ़ॱॻॸॖॴॱऄॣऀ॔॔ॱऄॗॗ॓ॱॻॱॸॆॺ**ॱ बह्म'म्डॅन्।** वृतःर्धुन्यःयदेग्यः इव ग्रै'विदा्यस्यः सुर्यदास्यायस्यादे

महिराह्य स्वारं सेनावान्या द्वारा द्वाराम्य ।

ন্দ্ৰাপ্তর্মের্মান্ব্ৰান্ত্ৰা ছিব্লীপেৰাণীপেইবানস্ত্ৰ वया विष्यः हें दः स्वाचनु । तिष्यः व व व संति । खुलः द स्व स्ति। स्वाचनु । तिष्य स्व उ व व व व व व व व व व व व मुडेन्'मॅर्'खुल'न्तुक्'सु'मङ्गा] । वुल'मॅ'वि'ञ्चर'स्रेमडक्'वुरम्पर'सुर ন্ধুনন। ।ইন্'শ্ৰী'৫ই'শ্ৰীৰ্'দ্বেশ্ৰীৰ্'হ্বলম'ডন্'ন্দুথা ।ন্ন্ন'শ্ৰী'নক্ষ' ष्यर हुव चुक्र मुच पा विषय विषय है मा मी सिराय हरा च है द वहा । इदि प्र.पंर्यवेषयः ट्यानययः चलुषः ए श्वः। । क्र्यःग्रु ग्वेषः त्यः मञ्जेषः यः न्यः । चेबा ।<u>ब</u>ट्यम् प्राथामीयास्त्रकाचि । हे । यह स्वाधियाः । हे । यह स्व के के न न मार्थ । भूति रेका में बायह महिका मुं के प्रक्षेत्वा । हुना हु ह र न नु २११/१९ इ.म.च.पू.पू.पू.प्राचीटारी.चेत्राचा । त्रिचा.चू.प्राची.च्या.चु.प्राची. मव्याम्विमार्केलार् पर्मा । मब्दान्यव्या वक्षेत्रवा स्वाप्तान्यवा । पञ्चर[्वन'ग्युअर]न्वुगया <u>न</u>गर्नयर हल स्तास्ता हैत्र तु त्रास्य विन् चार्वेशाचबिचाया स्वार्धसराम्बरायायाः स्वार्धिताचिचाः विवारा मुन्। विद्वाता मुन्। विद्वाता मुन्। विद्वाता मुन्। विद्वाता मुन्। विद्वाता मुन्। **क्वे.लट.** हूट.टी ध.ह.बच.ह.टबेचथा श्रव.त.डु.इट.टे.घ.च**.**च**.** मञ्जार बुनाया अवराप माज्यार माज्यार हा अराह बनार नुरा बुनाया **ब्रुवास्त्रान्यम् । स्वा**न्तु । ह्या प्रामिकेना नितः ह्या । त्रुवास्त्रा स्वाप्ति । स्वाप्ति । बनानस्यानबुना भ्रेनस्योग्याहितःस्यानुत्रात्रानस्यान् परु'पबुगमा तत्रायार र्दे'हेहे'अकॅंद हेव'स्टारु'तापानिवेन'बनामासुस पबुनाया है'यन'यापर'कुर'त्र'नहेन'बन'पदु'पबुनाया यन'सन्'रे'

इंस्त्राचीटा स्वीतानेवया विराधरा १६ दीवा मुखानश्चराया विराख्या स्वाधिता स्वाधिता स्वाधिता स्वाधिता स्वाधिता स्व ठर् ऋुँदे बित्य गुँख त्वया वि दे रत्य ऋषा स्व इसमा स्वरं त्वर त्या पहिरास्त तु'पलन'दर्भःस्य। वि'चुट'षट'चुट'क्रैट'चुट'र्न्द'चुट'से्येन'द्रसम्य**र्भः** पर र्नेन स्ता स्वा नहेना नेस हेर पर र्नेन रेस्र रहेस दे श्रव पत्र पठ्या पठेराकु। स्याकु। पठ्राकु। वपाकु। हैयाकु'यथाकेर' पत्रपः हे प्रविषाः में स्वरार्था प्रतिराष्ट्रास्त्रया विषाः प्रतिराष्ट्र स्वरादे स्वराद्या स्वरायाः प्रतिराष्ट्र मा द्वाषु का महिराद्वारायदे प्राची मार्वे व्यापा मार्वे व्यापा मार्वे व्यापा न्त्रकासुप्ववन्या पुकागुप्ति अस्यादिरक्षाप्तावन्य कुर्पा विपासरामुकानेन अवापनार्वे अकास्यावासनार्नाक्षी बलामुकास्रुरामा क्ष्याम्बरमा स्टरम्बर स्त्रु प्रमा स्वर्था स्वरम्बर स्वरम्बर स्वरम् ्रिमाम्बं ोहिरास्त्रेश्वयः सरास्युत्य। रुषाकृताः १ स्थान्। स चिल्लाचराल्मा स्थापादी नालेराख्राख्राख्याद्वेना म्बलापालाचह्रवात्रा B-148.84.94.040.04.04.8.801 B-14.4-1-4.4.4.00.000.000 ्रह्मात्र्यस्यात्रात्र्र्ताण्यसङ्ग्रह्मात्र्याः व्यव्यान्त्राः व्यव्यान्त्रम् विष्यः विषयः विष ষ্ট্রিমার্শন্ত প্রকার ক্রিকারী প্রকার ক্রিকারীবানানা নিকা এন হিন্দ্র প্র क्रेट[,]वं.पर.चेशूर,क्षेट्.पं.सूट्री के.प्.वि.धवेशयाञ्चे.स.चोरूट,खुच श्चिर, ॔य़ॱय़य़ॱ४ॅक़ॱॸॖॱख़ॱॾॗॕॗॸऻ*ॱ*ढ़ॕॺॱॻॖऀॱॺॺक़ॱढ़ऀॱॸॺॱॾऀॸऻॱॸॸॱढ़ॕऀॿॺॱय़ॱॸॸॱऄॗॸॱ

ষ্ট্র'ম্ডি'স্থান্নসূদানম্প্রাকাণীকাদ্রীদকারকা নক্ষাঅকার্যান্রুদ্ पर कर्षायाला **क्षेत्र्वराखु हैन** पर्व में कुल हुँव ५८८। पॅट् ग्री राम पुरा न्ने प्रतेषा स्नामा प्रवासी है है। इसर प्रत्ये मही नहीं ञ्चैकान्। पुर्केरायार्मन्यामा श्चिमान्यवायान्यवा षदः। र्वेन'न्ध्र'म्बुन्यायर'यान्दर'रा वेन्'या्षुन्याकन्'यतेः बनुरामबेबाम। मन्नारहामन्यारमुनान्यारमुकाम्बन्धाः न्नैत.त.[[प@्टथा]] क्षे.५ट्र.घशक.२८.८श.५.त२चथा ।वर्ष्ट्वा.५वी.वट. मै'बुंद'सर'पङ्गसा ।५०६'५६'५स'र्ह्रस'सद'र्घ'वुंदा वि'बुंद'वे्'पदद' <u> ५ तृह ५ तृष्ण विषय । ५ दे भें ५ ५ दे १ विद्युप्त विद्युप्त । भें ५ कि १ विद्युप्त विद्युप्त विद्युप्त विद्युप</u> ઌૣૣૢૢૢૢૢૢ૽ૺૺ૱ૺૺ૽૽૽ૢૢૢૢૢૢ૽ઌ૽ૢ૿ઌૺૢઌૣૣૣૣૣૢૢૢૢૢઌ૾ૣઌૢઌૢઌૢઌ **ॶज़**ऻॸॱढ़ॻॕॱक़ॖॖॱज़ॸॱॶॺॱॺॱढ़ॻॕऻॎऄॎ॓ज़ॱॸ॔ॸॱॸॕॖॺॱॾॗॕॸॱॻऻॎॸॕॸ॔ॱॷऀॱ ष्ट्रेंब'केब'न्न'म्'के'अधुबा ।घ'क्रुन्'अषिब'य'थे'ने'खुन ।न'२र्मे'कु'न्न्र' **लेज.ज.५म्। ।४२ंज.म्बन्य.ब२८.घर.ध्र.बेट.**चष्ट्। ।मूर्य.ग्री.चर्थ्य.त. ८८.८.भ्र.भवेदी व्हिल.७ष्ट्रभ.भीवद.७.भ्र.५.भेवी १८.७म्.मे.चे.च.५.लेष. **केंग'न**ठर सर से सुरामा । मेंदा गुष्ट्रम्थाम प्राप्त र र से समुदा । प्राप्त सम् क्षुरभःक्षेत्र<mark>ेरसुन ।</mark>८ः८ज्ञॅंग्कुरणःभःष्ठाःभःत्रेर् । व्रिःरपसःम्बद्धःसरस्यः

ब्रीम ।ट.५म्.म्.मर.लेजाजारम्। ।घषु,घमै.६,घषु,भ्रापष्ट्रभाग। ।पूर, ॻॖऀॱॾॖॺॱय़ॱॸ॔*ॸॱ*ॺॖॱॺॺॖॺऻॱऻॹॱफ़॓ॱक़॓॔ॱक़ॖॕऀॸॱॖॺऻॺॺॱय़ॎॱॹॱॸ॓ॱॺॖॖॖॖज़ॱऻॸॱढ़ॼॕॱॖ कु'म्र'खुल'ल'त्वा क्षिव'यार्द्धम्ब'बेद'के'म्हिंद'या विद्'णुे'ळेव' पर्माक्ष्यप्रदार के अधुदा । मिल्र ह्यु अविदाय भिरोत सुन । दार में कु न्र'ष्रियायात्म्। वि:ह्यादे,ह्यावाच्याः विर्यक्षेत्र्ये विद्राक्षेत्रा श्चःश्रवुता । तर्वे बार्यायय । तर्वे विष्या । त्या विष्याय । विष्याय । ५५.त.५८.कुट.हु.कु.च्यु.त. १४.व.क्ष्य.८८.८.कु.वर्षे । वि.२.विवर भाषिपरेष्म् विक्षान्य कृष्य प्रत्या । प्रतिकासकेषा प्रतिस्व स्व पण्रः। |मॅर्'णु'सुर्'बेर'र्ट'ट'टेबे'बयुवा ।श्चेव'सं'पश्चिर'वास्वयायाः इ.क्षेच । ८.७ में. की.चे. तीपा. दे.७ में। । ४८.४ अथ.४८४. कीथ. टूब. टूबर. वा ।सुर्नरम्बरुव उत्रम्भवरुव उत्रा । कैंबा गुर्नर ने त्या विदेश ८५०.२.५म्। । ग्रीयःतः दक्षेत्रः पत्रः विषाद्येरः ेता । अश्वात्वेया ह्याः र्षेतः बेर् प्यरः त्र्मे। श्चितः र्वेष् यर् खार्चरः कुषः कुषः यः र्वः । अवः या ८मो प्रभेषा प्रदेव पा स्वामा प्रदेग्या श्रव पा प्रदेग्या ४ म। भ्रुषास। स्राप्ता स्राप्ता स्रम्भागास्य विकास स्राप्ता स्राप्

 त्रव्यःश्चितः त्रव्यः स्वतः स्वयः स्वयः

म्य.दु.४१६१२१२। ।व्र.दुट.म⁵४.तर.भ्र.ते.दु.रेज.पञ्चभ.तर.ते। ।<u></u>रु४, ५८:मु'५म२'र्त्र्व'र्ये'अहं८ब'गुट'बै। ।५'ठट'अ'के'रव'र्यअहं५'व' त्रेष्या ।र्ह्यदःस्परहर्त्दःयःकेष्विदःस्यायःकेत्। ।श्चित्ःग्चैग्वायरःदेश्वहेषाः मरे १ वे अक्र वर्षा विश्वास्त्रवायायायायाय स्वर्धाती विश्वास्याय स्रम्भाताक्षरह्याम् । मिला विषयाः अस्य व मिला विषयाः अस्य व मिला विषयाः चञ्चरःपःक्षेःत्रःकृष्ण्यः तर्षुष्णःयः प्रदा । ख्रिपः दवाकृषः त्रावस्य । तर्षे पञ्चेत्। ।शेत्'ण्रे'क्'अवल'रेट'यर'पर्देत्'अके'से। ।पर्वव'सं'क्सपर'ट्र चुन् बेन् म्नाब्द न्माया । वर्नेन् कन्य धुन् र दे ग्रुन्य याम निवास हा। टाविंद्रिंदिः विश्वास्त्रां स्वास्त्रां स्वास्त्रा क्षे-मृहेंदा विम्बायस्यके हेंद्रवार्या क्षुना हेवा प्रेता विष्टे प्रविक्त हैन ञ्चित्रायात्रदारिहराचयाणुर्याञ्चीत्राञ्चीत्राच्या । विवायारेत्रारायद्यायापानामारावदा अ8अ.र्श्रे अस्य.अह्ता । मार्थना भागान्यः रटः हे निटः अष्ट्र हे दः इससा । तस्र र वस्त्राके देशका स्वाप्ति क्षा । प्रकार्षेत्राय श्रुरायः लु ग्रेना प्रमायमा सर्दि।। अवःम्केमः न्यावः प्राप्तः अवः अवः अवः अवः । निर्मेवः अर्केमः म्युवः । निर्मेवः अर्केमः । निर्मेवः । *हुरः*म्डेसःसरः बर्हेत्। विमास्तरे कॅसःसःम्बुटः सुम्बरे रे रे प्रेत्। । गुदः **ଵୢୖ**ॱଈ୕ୣ୶୶ଊୣୠ୶ୄୠୣୣୄ୕ୣୣୣଌ୷ୠୣ୵ୢ୴୷୲୴୷୷୴୷୷ୄୡ୕୷ୡୖୡୢ୵ୠୣ୷୷୷ୣ୵୷ୄୢ୕ स्टबा । ब्रह्मदेर्सुं प्रायम्बेनायां के स्वापति । विषय विषय के सम्बद्धानित हेव्यक्रियास्। ८ । पटार्स्य प्रतुन्यान्य यास्य र्ष्या र्ष्या राष्ट्र रहेवा । सुन्यायाः ख्ताः अवस्तुः पहुं व 'बेट' सुव 'कण्य' प्रबुण्य। । हिं 'कॅ' हिं 'कुट' **ह अयः गुटा** श्चेर्'ग्रै'म्बि'स'धेद। |वि'यम्ब'के'स'वेम्'म'के'मर'सर्हि। ।३स'स' छटकाराधनानुत्राचन्द्राचरायहूर। । जिस्राक्ष्मनानुतानुतान्द्राः भटकाराधनानुत्राचन्द्राचरायहूर।

<u>श्च</u>्यान्यव यान्य वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र विष्य वास्त्र विष्य वास्त्र विष्य वास्त्र वास्त्र वास्त्र इससामा विष्या विष्या विषया रेक्ष'र्म् र तुकाटमा'भेर्'म्बुका'गुका'यर'ग्रुका । वृद्यमी'मय'र्स'**हे'स्रिः** ब्राया विष्या । विष्या विषया विषय स्राह्मा प्रवास । इंबर्सिट श्रीमा विष्या स्थानिक स्रोह्मा विष्या । विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया | विस्तर स्त्रे स्थार में दा केर कुल सिस्न स्वरं स्वरं रहता । दार्गे वा स**र्वे ना पासुसा** ॻॖऀॱहेदॱॡ॔ज़ॺॱॺ॓ज़ॱक़॓॔ज़ॱक़॔ॱज़ॣ*ॱढ़ज़ॺ*ॎऻॼॴॱज़ॿॶॸॱॶज़ॺॱ**ॺ॔ॱ**ॸॱॸॺॱ पर-बुटना । चुलन ह्टार्ट केन केन किन हेन के कार्य के पार के निया । हिर में निया *ब्रामेन्याक्रेयायेययाप्ता । व्रियाद्यारम्*जूनाययाक्षायदास्यावेदारस्क्रा के'पर्नुप| ।ठे'लत्रां(८८'मॅ'∏पश्रवश्यःदृष्ट्वैश्वःदशःतर्गुं८'मःकुटा| ।कॅशः रैन'याके'लालेन्सः हेकालेखानकायाः सहत्यः त्त्वं वाह्यातालेखाः । द्याराला तुरका षुप'न्ज'में 'ष्रपत्र'ज्जैस'तरुल'द'न्यत'र्ह्चद'षेद्। ।विरातरु**न'दे'नदन्** ८मै५'मि०'द्रम्य'याः व्यवस्य क्षेत्रम्य द्रोत्राहेन्या । कुलायि कुलाये विकास विवास । १८४८ में अर्ब क्रिक्स का विजयाना क्रियान क्रियान क्रिया के अर्थ के अर्थ के अर्थ के अर्थ के अर्थ के अर्थ के अर्थ

ने 'व बः श्चिमः न में व स्मानः बः त्युदः नाव बः नावे नावः सहै 'नु बः खुः रमः मुदः **ः** पर्वत्रयाः **क्रमः** शः ब्रिशः प्रामुद्धः स्था वरः यदेः यमः स्वेग्नायः यदेः रा चुत्रामहुवामाणुवा । श्रेष्ठवावताव वासुर्वे वादतानु खुनावा । यायान् हेवा पर्नेयास्ट्रान्याक्याकावात्राक्षेत्रप्त्याक्षेत्रा ।स्याप्तव्राक्षेत्राक्षेत्रा प**से**ब. पधु. रप. विद. वेस् । सिवर. त्र्यूप. रप्त्रीव विश्व अस्ट. र ने र त्रुव पुस्य । सेमसंस्वर्षा । ५५ त्राविमसंग्वर्षायायहेर्द्रमामाम्बर्धः । । **बु.मो**बट.पञ्चारट.केट.पज्जर.पजी.प.स्चेया । भोवर.ध्र्य.रची.एरीय.पजीय. תי**ַבְּאִא**יַשָּׁיַבָּיִתִיקְבִין ואַבְּיבְאיַם שׁמִיבָּאַ שָּׁין בּאָבָּילָבִישָּׁן אָבּיבְאִים מָקייַבָּאָ ब्रुं चुरा । नि.कट.स्नेचे.ता.बु.ताचर.चेर्टर.बा.क्रूय.बुट्.चुया । ४८८५.बुक्य. 8ेश्यरात्मनीयात्वरम् । विश्वतातात्व्यत्वरम् । विश्वतातात्व्यात्वरायः । विश्वतातात्व्याविष्यात्वरायः । विश्वता **ऄॸॱ**ॺॱॸ॔ॱऄऀॸॱऄॕॱॺॱऄढ़ॱॻहेढ़ॱऄॱॻॖऻॎऻॣज़ॱॻॖऀॱॺऄॕॸॱॴढ़ॺॱऄढ़ॱॻॺॱॺढ़ **अःअर्थेःश्चित्या ।**देग्षुराषुषादारदिरापदेग्धुग्यरायसञ्चानेदा ।८विरामः **ॏ्रकाश्चान्यक्रान्य ।**श्चेस्यान्यक्षात्रात्रक्षात्रम्यात्रम्यात्रम्यम् । ₿अॱमरेॱमॅ्टॱतुॱअररमॅ ॱॺॕ**ॻ**ॱमरेॱॺॕॖॺॱमॱয়ৢৼয়। ।मर्डदॱसर्थ**ण**ॱदररे**ॱऄ८ॱ छै**'ब'८ञ्चल'पर'९ञ्च। ।बेबब'पञ्चेर'ग्रैब'पर'र्वेब'प'पर्रेब्दरार केंद्रबा।

पर्ना त्रात्म् व्याप्त व्यापत व

देवस्य सम्बद्धाः द्वार्यद्वार्यद्वार्यस्य स्वित्रस्य स्वर्थः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स लाबलान्यम् वर्षा व्यवस्थितात्रे प्रति ग्रीप्ती प्रविकास्वर्षा । श्रिया **५२व अ.भाष्याक्षाक्षाक्षाक्षाक्षा ।४३ मूच १४व २० १** ৡ৾৾ব্ৰেল্ড্ৰান্দ্ৰেল্ডান্ত্ৰাক্ৰাম। । বিলানেই ক্রিকাল্ব আন্ধান্দ স্থিনিবা। त्रवाचा । भेरा विषय विषय । विषय विषय विषय विषय । विषय म्बद्यान्यम् प्रति मृद्यान्य व्याप्त । पर्वेद् व्यवस्य द्रार्थे मुद्र पर्वे के । । द · 動は、向にお、対めぬ、右山、大山、梨に如 | L に、めるに、あ、口灸か、類し、口、裂に如 | 1 [म'व्याञ्चर्यातरे **केना** हे**यानार्यमा । निव**ान्ना समुवासरे केयामबेवासा । मा बावसम्मालवन्त्रे से साम्यालेया । विष्यं स्थाय स्थाय हो स्थाय । श्रीमाय स्थाय स्थाय । श्रीमाय स्थाय स्थाय स्थाय यदै निम् वन्या । के निन्दार निम्हें व कि स्वार्थ । स्वरं ने कि निम्हें नि निम्हें नि निम्हें निम्हें न <u> ५६७। ।३८:३८:५४,१५३,१८:५१। । । विटशःभूट:४८:१३८:१३८:</u> 다지 |레디저'다'록리저'대'용국'웃자'휠체 |효'다중새'췱드'원૨'제'효'다지| | ल्य. २४. क्र्यामीयान्यराम्या क्रिया क्रियाम्य द्वायायात्रयम्य स्थया मर्डर दे मुबद तर हैर हेर इत्या | कर केर पढ़े के में क पङ्गेया | रहा कुँ८,कूथ,भूथ,थ,थ,वरा **।सं**बद,८म,७२८,७,त,त,व,थ,व,थ। ।श्रष्य, रटः चुरः रुषः यर ग्रैया । यरः संत्युदः न्यव सः यर्ना वै रः १६म् ग्यस। । यरः

ॻॖऀॱॾॕॖढ़ॱळेब्'ॸ्'ॿॖॸॱॻॿॖॖॷॺॱय़ॱॸॸॱ। ॎख़ॸॱॿॺॱढ़ॻॖॕॿॱय़ॱढ़ॺॹॱॷऀॱॺॖॗॻॺॱय़ॱ ॸऀॱॿॖॸॱॿॕॴ ॴॺॖॖॖॖॖॖॸॹॱय़ॱॿॖ॓ॱॿॕॖॻॱॣॻॕॿॱय़ॸॱॴऄॖज़ॺॱय़ढ़ऀॱॸॖॖॺॱख़ॖॱॻॕॸॱॷऀॱ ॸऀज़॓ॱय़ऄॺॱख़ॕॖॿॱळेब्'ढ़॔ख़ॺॱय़ॱॿॱॱॴॸख़ॺॱॻॿॴॱय़ढ़ॕ।

<u>श्चिप्त्यंद्रम्प्त्यम्वेण्यःयते पुत्रःशुःश्चम्यःयःद्रस्यःयःद्वयःहःःःःःःः</u> **गर्यत्याः यायतः** स्वायः क्रियः स्वायः प्रतिः स्वायः प्रति । स्वयः विश्वायः प्रति । न्यायाः कृत्यायाः अत्यावाः विवादि विवादाः विवा <u> निम्मान्त्रम् । निम्मान्य निम्मान् निम्मान्य स्थान्य । मिर्मा</u> त्र्यान्यव प्रवासम् । विष्या । विष्यानु विषय । बानर रख्रं 'न्वर रुद् 'सुकर्ी ग्वीद स्वराविद 'नु रच हेदा ।म्नि स्वर र मा न्वा सर **अना**नी रुसेका हैराय दर्श । श्रेटाया वया श्रेप्टाय है । स्वित्र का स्वित्र या स्वित्र वित्र का स्वित्र या स्वित्र <u> नक्र</u>ेर-ह्याल-इथ-त-लिक-क्रिया । हे.स्थान् स्थान । हे.स्थान् स्थान् । <u>র্বৰ'ট্র'র্মা ।ঐ'ব্ল'ন্ড'ইন্র'ব্ল'ন্ড'ব্ন'র্'ন্নেলা ।ইল'ট্র'</u> **३ॱ**र्हेंदर्च्चुर्'द्रार्थे'सु'म्केस'द्रम्'ल। ।ॐस्यर'द्रार्महॅराग्नहंदर्बेदर मञ्जूराम्बर्गः । मृर्देलाळ्याराळ्ट्रा (रखाम्बर्गः) क्षानु क्षाया वाराया ^{ढ़ॺॖ}ढ़ॱॺॺॱढ़ॺॱॻढ़ऀॱ**ॻ**ढ़ॖ॔ॱॱॿढ़ढ़ॱ[[ॻॖऻॱ]ॱ॔ॻॺॸॱख़॒ॻॺॱॸॖॻॱऀॱऄॸॱॻॎऄॿॱॿ॓ॱ ж्य.ब्रिट्या । **प**यट.कंत्रेस.ब्र्स.टे.जु.एक्ट्र.ब्रिज.ब्रु.वी रट.तुयं.पर्बेतया वर्ट्स्याचीयाक्षरायस्यारचीया ।तटास्यारचीयास्यान्याच्यान्यान्यान्यान <u>५.५२.पर्वेच४.२८.घ२.४५.५वूद.त.क्ष</u>ा ।र्ज्ञचथ.त.४वथ.कु.वेच४.७.ट्र. *ष्ट्रर*ॱढ़ॕज़ॱऻढ़ॖॳॱॺॣॖॖॖॖॖॻॱ८ॻॣढ़ॱॴढ़ॴज़ऻॶॴॶॱॻढ़ॱ2ॖ॔ॺॱख़ॖऻॎॾॴॺ

याः इस्थायाः ब्राप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता

ष्यान् प्राच्या विष्या के विष्या के विष्या के विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय क्ट्र-र्नेटक्रमः चर्वरता अभवा । क्षेत्राचिरः भव्यवस्थितः क्षेत्रः भव्यवस्था वु। । য়ৣ৾ঀ৾৾৻য়ৡ৾৾৻ঀ৾৻য়ৡয়৻ৼড়৸৾ৼৢ৾য়৾৻য়য়ৢঢ়৻৸য়ৢ৾৻য়ঀয়৸ঀ৾৻ৠ৾৻য়য়য়৻ৼঢ়৻৸ঀয়৻ रट. इ. चे बा । विश्वतार हो चश्चायार विद्वता अव र वा अव र वी त्यांत्रात्रव्यक्षकार्त्त्वात्वात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्त्त्रवात्त्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त हेत्। क्षिमाकेव र्वे वर्षा केव र्वे वर्षा वर्षा वर्षा विद्रकेव से वर्षा से वर्षा केव वर्षा वर्षा केव र्ष्टभाषान्यक्रमा । व्राप्त्रकानाञ्चनः कृष्टः चुनः क्ष्यम्याः निष्याः निर्वायः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः क्षे-पुन्ने क्षे प्रमान्य। विकारित स्वर्था प्रमान का महिल्ला । चैट्'छ्न'र्मेट्'स'अॅम्अ'वर'अ'म्रेट्'। ।कैट'र्म'न्यल'र्हेट'ट्ट'ल'हे**द**' बळवः र्झेंबल। । केंला १९८१ देवा अर्थेटा कुराया क्षेत्र का । वारी स्वापाया समा घलस.ब्र-ज़्र्यस.ब्राटक्रीमा ।क्रिटालानेशका.केटाञ्चलाप्तराचेल्याक्राचेल्या। न्तर्भर्ऋंग्याम्भरम् वाकाकाष्यराष्ट्री स्तर्मुः । वाष्याप्रहिराख्यमार्हेनाका सेयस-८्यट-८.व्याय-पालटका से८.वी । १८.४८५ सूत्राष्ट्रवाया प्राप्त स्थान पते.बीचेश ।त्तर.बाउतिर.चोवचात्तरचे.वे.र.४ज्ञ.चथा ः ।२.हे.प**बी**चेश. ५८. १८ १ ४४.४ व्रेंबरताक्षी । भ्रमा क्ष्या कुष्य क्षया कुष्य क्षया किया विषय क्षय किया विषय क्षय किया विषय किया २मॅब्रय, याद्यात्र वायुक्त मुक्त क्षेत्र क्षेत

माले विवादतातु रत्यु राववाव। विवादपुर विवासु विदायता पात्रता माले । हुप्तः देप्तः केत्रः पृष्ट्वम्यः यहेद्यायन्यः या वृष्टिः । विवासः स्वे विवासः यहेत् **ลีรุารุาลผล**าดอิสาคราชาศุริธา | [[] [] รู้รานาสธารัฐาติรุารุโร [प्राया प्रमित्र विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विश्व विष्य - न्याळनाःसुदाः अळववाये ने प्रेंचिया ईन्या हिना या निर्माण हिना वा देवा बन्द्रायुव्यात्रविष्यात्रायाः । ह्यूव्यात्रविष्यात्रविष्यात्रविष्यात्रविष्यात्रविष्यात्रविष्यात्रविष्यात्रविष् ष्ट्रेन'तुर'केव'र्वे क्वरावर'वा'न्द्रें । व्याप्तान्दर'क्वे केर् **ष्ट्रिः । । अ**ष्ट्रसः स्था के दे स्था के दे स्था के स मुलाम्बर्गार्ष्ट्री सामित्र दे प्यायुलाम्याय मानि । विवार्ष्ट्र मिनार्ष्ट्र स्त **र्याभेवार्ते र**िर्मिवासरे ।मरास्याम् हरा ।ॐकेमा प्रसाॐतवारा संक्षेवार्ते रङ्गस्य महिष्याम्याम् हिता । किना असे अदा खेदा अदा स्थिता दें ग्रीदा स्वापना सामिता। रट. चूल बुना चूर ले बर्दे इं सं व चना वर अप ने हरा । निर्वास मुहर निर्वास प्तना विष्यात्वे प्राप्त । प्राप्ता विष्यात्व विष्यात्वे विषयात्वे व इसराग्री ख्रायायाया दे दिराख्या । पश्चित्याया है। श्वापार्यवा ग्रीयादिया विद्या ता. इसमामा बता १ मवना मही

केद् के यर चुँबा विदेव या विदेव या विद्वार मर्बद अ चुँद र र वे अस र द र दु चुँबा। য়ৢয়৽ঀৢয়৽য়ৢঢ়য়৽ঢ়ৼ৾ঀৢয়৽য়৽ঢ়য়য়৽য়৾ৼৢ৽য়ৄ৾ঀ৽য়৾ৼঢ়য়৸৾য়ঢ়য়৽৾য়ঢ়য়৽ मुना । बिलाझे नार्द्र ८ दे ने का केरीन केंचन (८ वटा) नार्द्र । । रहार हैं। इस्राणी, मोबिट, पीचीय, टेची, पूर्णा विष्ट्र प्राप्त, प्राची, प मुक्षा प्रिह्मर मूर्यम् सुँहर या श्रेम मुक्तर रेहर या । यह है है है क मुदायार्ग्या । भार्षामुदायमार्यता अग्करा सेरायरा र्भूट्या मानवान्द्रान्यान्यान्याः चीवा । सि.व. ४५०, पुरान्यान्याः | ロン. 製口が| | ないみに、めいかといい、日本かいにて、類にが| | ないけかなが、日、 च. श्रेयाचा अटा | विशाने विश्व स्थान वाया विश्व विश् ब्रेन्यःह्नवाः नहरूरः दितः विष्यः स्टर् कुषः स्वान्यः विष्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वा रॅम्बरबर्ग्स्र वात्रहेम्यारे वर्षे वा । तहस्य स्राध्या क्षा वर्षे वास्य स्थान बह्बन्य राष्ट्रीटा । सिब्र दु राष्ट्री दश्चर त्राप्तर राष्ट्र कर्षे चिनाया सु हुवाया सर पु रहेरसा । ख्वाचे प्रवाद पर प्रमुं पा हुन से वा ग्री सा ८ऍव.सक्र्मानलीयस.तर.सक्र्य.त.च्रूस्त.तर.च्रीया ।८ची.४२४ च्रीयक्र्यूड्र ळूच्या अ.चक्रुंब.चर्यार.खंचक.क्रुंची.क्रुंची । भ्रूंच.चंच्याचे वार्षात वीटा.चंच्याची वार्षात वीटा.चंच्या च**बे**चंब्र.तपु.रेंब्र.ब्रे.त्रे.क्रे.क्रे.स्.क्ष्य.ज.बज्ञ.चेब्रेट्य.तपू

নিব্ৰ আন র্যানি ন্ম্ব শ্রী বার্থ নিব্র শ্রী বার্থ নিব্র শ্রী বার্থ শ্রী বার্থ নিব্র শ্রী বার্থ শ

षेदायसाष्ट्रायानगुराहे हे हो । विष्यवराहेरान्यासारी के वेरायमा **ब्रेंबा** ।ब्रिंग्टवरणसारब्रालिवरमसाम्बर्धान्दरःब्रेटरसामेटरा ।क्रिंसरक्वीतासर बारदाकात्वात्राकेष्ठिर्द्रातिर। ।व्यवासिदाकाश्चरारदाक्षयावयादराविषा <u> च</u>ैत्र'र्स्नुट्या ।द्रैद्र'रसॅप्रल्ल्पाय'खुद्र'युट्र'पी'चवट'चेत्र'चेया ।८८'ट्रद्र'खेर बराक्षेत्रवाहित्ववाक्षेत्रवाहित्वा । यद्वितावितात्वाहितायरायवान्ववाहिता ८९माम्बर्धर। । यामेराकृताहेदायेदायाद्वाद्वरायमा **चट्-ब्रट्-**एकल्प्नाय्श्वायकुर्हुट्र्-टुं-चुंबा । रट्-पुंग्वर-महेद्रायावियाया □=८.२.व्रीया ।नि.व्रिपुराध्यानीयायाल्यानयायाल्याचालात्याल्याच्याला त्रिंरान्दाम्बेदायनेवाद्वववायाम्द्राक्षेववा । द्रायार्थ्वादुः श्रीदाया **इ.**लट.ट्यूट.श्र.४त.बुर.बुबा ।ट्य.कु.स्यथाटाई.य.प्रीयाश्चीट.त.बुबा। **ब्रिचियः अन्। भू ।**ब्रिञ्जेटः हे । भ्रुचिराया ना भ्रुचि । भ्रुचिया विष्या स्थाया अन्। यर र्वेटमा । व्यास प्राप्त स्ट्रमा प्राप्त प्राप्त स्त्रा । तर्दर दे प्राप्त त्वेन्त्रः ध्वेष्यः पदि 'पः र्वेषा । स्टः मे 'ध्वेरः दुः त्रेरः स्वाह्यसः साम्यम् । दि 'ह्नरः **चुकामकारहिनाहेदार्क्रकालनकारजुन। ।मनाकार**चुनानद्वान **८मॅ'नम् ।**न्'हेर'न् बुन्य'न्न क्षेत्र'चे 'दिन्य'म। ।सं'नह व्यन्तेन **इस्त्र**णी'युन्न'ल'दे'हेर'र्द्वन ।न्सुटस'य'हे। श्चेंप'द्र्यद्रयद्रात्रात्रहुट' न्द्र या गुरु प्रमुद्द स्थर त्या द्राया द्राया द्राया द्राया व

দ্বৰ আন্তর্ভান্ত্র নান্তর নাল্তর নান্তর নান্তর নাল্তর নাল্য নাল্য নাল্য নাল্য নাল্য নাল্য ন

भेग्यायरार्चुं न्या । न्याराद्या काळाड्यारेटायुटा अन्याराम्या । विदः मन्ना विस्या मन्या या स्थान स् मुकारविषाः भाषान्त्रस्य स्वापाः स्व अक्षेत्राचरःचुका । पर्वर्वत्वसराव्यरः अर्हेर् महेकाना खुव् क्षेत्र हिंपा हिं**पना** महानुष्य कृताकृतामहोन् कृताहिता । विष्य प्यत्वाकृता कृता कृता स्वाकृता विष्य वस्तरंदी ।२८.त्र.स.स.स.१८६०४०.वि. ११६११११४४ चुदामसाम्बर्गान्या । वासराम्हिसासासम्बर्गानयाप्त १वयः मुं दुः त गुरा । देः पव रहे रहेव रहे द्वार देन राष्ट्र वि राष राष्ट्र वि । वायवा दान क्षेत्रम् सुस्राम्ब्रम् वर्षः स्राम्बर्धः स्राम्बर्धः स्राम्बर्धः स्राम्बर्धः स्राम्बर्धः स्राम्बर्धः स्राम्बर् नरंतुंत्रदेव'हिनवंसेट्र वादायात्रेव विष्यात्र विदेशेषायात्र विदेशेषायात्र विदेशेषाया **८**र्नेव यर मृद्विष्य अप्येट्य ५८ । |ロス・ち、おん・別に、別にないぎにか| | बेन्'न्न'<u>%र्वे' पुणका %र्वे</u>नका । पन्ना हेन्'पद्धा पदे'पन्ना पॅन्'र्से असा । **ঈঝ'গ্রী'স্থী'টের''দস্থীনাঝ'না'ঐঝা ামের্লু'দা'ঐ'ঝ'ঐর'র্ঝঝ'**র্ঝঝ'দাঝ'৪বা । कृषः व्याप्त का कृष्या स्वाप्त वा । निगेर प्रवासन्मायकेन मवस्यीया । श्वर स्ट हिम्स सरि मुह त्रुय । ऑव प्यत्न प्रतः प्रवः यतः ख्रिकः क्षेत्रः यतः ख्रिकाः । अर्केतः म्बर्याम् प्रत्याप्त्रेयाचीयायाकेशाम्यायाद्वीताः । निष्ट्रमायाप्त्रेयावयायायाया |क्र-मुःम्-स्प्न्त्राय्यं प्रदेशं विश्वतात्वा । विश्वतार्वा मर्मित्रवर्षा । श्रु र्वेद्या में विद्या में

देवयार्भ्यान्यवायन्यात् सुराम्बद्याम्बेन्याये पुत्रासुर्येदाणुः **झव**रमःक्षेरहेर्द्वस्रसायः बस्तर्गान्यस्यामाः विक्रेरप्रेतःम्बिवःबुदेर**सु**सायाञ्चवः यः गुद्रा । ५ ८ में र्र्स् पः पारे र्र्स्य प्राप्त । पर ५ ४ में र त्रेष'८८'८पु८' ८८'य**ण**'येद'श्चॅु८य। वि्हायवित्र'य5'ण्द'यादेर'स्रंसर मारेका । श्चर हिर प्याद सिर क्षर कर कर मारेका । पर पुरिष्ट र विराग परि'पणुर'हे हुन। वि'यर'ब्र'एक सम्बद्ध हेन देन साम त्तुः पद्भावे त्यारा हें प्रायाय का मार्ट के प्राया में प्राया विकास स्वाया के स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व <u> २८.५च,तय,क्रेचेश ।चेबेट.२८.भ.७चेल. शैव.२तेरं.भ.क्र. ज</u>ीया ।शैव ताअविश्वावित्वर्षां विश्वेश विश्वेशरताम् स्टिश्वर्षा **पर-क़ुश** विट.ह्र.बाचुब.ञ्चब.टितेट.बाजुब.वी !रटाएकूट.कु.चेडुब. वनाःभेवा । तर्देर् यः केष्व चवार्वे रः ऋर्णातः श्वः ऋर्रा । वदः रुः हर **५७**८ वर ५ व हेब ५ पार व न्या हेब ५ पार व निष्के र र देव १ पार व

परःतुःअनुःषरःषुन्यः५वॅं८यःपत्रदःतुःग्रीया ।घःसरःअनुःश्चः**वेः८५ँ५ः** ढ़ुद^ॱय़ॸ्ॱसहॅ्दा ।ण्^{र्}र्र्पुर्'ण्दः ग्रेन् सेययः पश्चेर्'चेष्'पन्रम्पुषा ।वयःणु हुर-वे-पश्ट.वंशस-क्रुवंश-ह्वाय-अह्टी । १ूर-के-हुर-वे-अट्य-क्रेय-क्रुय-क्रुय-क्रु यर[®] ह्या । द्वीप्राद्धिरं में प्रस्तः ह्या व सावी । क्वीपार्ह्स्टारु ख्यायाव् बेन्'यन्रे'न्न्'स्वा । व्यव'न्व'न्यन्य'नु'बेन्'य'र्वेय'यर'त्युरा । वन्'य' ŋན་শৢང་དང་བོ་སྡན་བ་ལྡང་མ་། ।བང་ད་སྡན་བ་མ་འང་པོག་།་སྡོ་མ།! ब्रामाची क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया चित्रा क्रिया चित्रा पर्यामुबुदःश्चेदसः ५३४४ व्यासुद्या । दे द्विरः सः वृत्यः वृद्यः यदः सरः सः गुरु द्या । १८८ में 'झेर' अर्घेट ' चुना मा चेर 'कना द स' केर ' अर्घेट ' द्या । घर बर-ट्नावन-प्रवेद-लिन्य-पर्वेद-अ-नियन्य । देहे-इस श्चित्र कर ब्रुचस.तर.७ बैरा । लट.भु.लट.चश्रूथ.ब्रुच.बचा.८ क्रैप.चर.७ बैरा ।ट्रे. हरामा वेदाये क्षा व्याप्य प्राप्य प्राप्य है है है दी विश्व स्पर्य प्राप्य प्र प्राप्य र्देवः पचटः परः ग्रीका । देहेः दिने । पक्षः पङ्गालः पः वटः सरः प्यरः । वदः स्रेदः यदे.भुट.र्स्यातराष्ट्राङ्काः अरी । त्यट्राञा पर्वेट्याचे ब्रायट्यो.धुट्राचीव ब्रायट्यो.धुट्राचीव ब्रायट्यो.धुट्राचीव यम। ।५.६४.पबेयाय.५८.**स२.४४.५**३४.५१॥। । स्थराप.४४४.मी. युग्य त्र ने 'हेर 'क्षे**ण** | हेर्य ग्युट्य त्र से हे। श्रिं पर्ने दे 'ग्रेय से प्राप्त क्षेत्र से स्वाप्त स्वाप्त द्वायाया ब्राप्त प्राम्य विष्य

बलान्या व्याप्तिकाता व्याप्तिकात्त्र्यवात्त्र्यवात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्याः <u>५८.स.घ.ष.भ्राप्त, त्राप्त, त्रीय, त्राप्त, त्राप्त, त्राप्त, त्राप्त, त्राप्त, त्राप्त, त्राप्त, त्राप्त, त्र</u> क्ट्रालास्त्राचरार्श्वेचसा ।सद्रतासरामञ्चेचसालामुवारहणसर्वेदावराणुसा। क्ष्मियः प्रमाण्या विषयः विषयः विषयः प्रमाण्या विषयः प्रमाण्या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः इतःतरःलरःलरःबुबा ।ि्रवःक्रुच।तश्चरवःषःषःषुचाःवेदःबयःम्रवसः बेबा 〗 ८घः क्रम.चर्बेटयःषानेशयःश्रथःष्ट्रीटयःतरःग्रीया ।हे.त.ध**म** कूर.मेर्टर.रटर, र्वेय. तर. कुथा ां भूषाता यमा कूर. मेथल, श्रीया अरामर कीया। र्बु ८.त.घर्षे १.४५.८ चे प. चे ८.त.चे चे १.८५.चे चे १.४५.४ चे १.४५.४ चे १.४५.४ चे १.४५.४ चे १.४५.४ चे १.४५.४ च RZ.त.बेटबा ।अर्बेब.पहंचा.ब्रैंट.त.धट.टूंर.अ.तुट.४धवा.टट.र्जंब.त. मुका । इ. पष्टा भि. या स्था निष्या ष्ठेना तः द्वेनायः ४ नायः 🛚 ब्रेन् स्तरः ब्रयः नुषः 🖺 नुषा । विश्वेनः ४ व्यान्ति हरः ब्रस्यः ह्र्चयः इत्रः क्रिया । राषा १२ वर्षे १५ वर्षे १ ह्रण्याःअवतःविषाङ्ग्याः सराङ्गुरायः देण्या । दे द्वरायः या विषाङ्ग्या विषाङ्ग्या विषाङ्ग्या विषाङ्ग्या विषाङ्ग [[ब्रूपः]]बःचुबःचुरःवा ।भूनार्टःकेषायात्राक्षरःबटार्घारचुटा। ।क्रूपः **८ मूर्य स्वर्धाः मार्थः स्वर्धः मार्थः स्वरं मार्थः स्वरं विश्वरं मार्थः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स** प्र'र्व केन्'प्राप्त । प्र'र्व प्रेव प्राप्त विकास बेदा । सद्यर सर देश छैन साम्युष्ट का निष्ठे का मा 'देखेल' महे 'कुं। ।दे 'झेर' स ५८.वि.चंबर, रुषात्रः इति । श्चिताल, पश्चेराव्याप्य, रटा. सूबे अधर. ঀৢ৾ঀ৾৾৾ঀ৾৾৾ঀ৾৾৾ঀ৾৾৾ঀয়য়৸ঢ়ৼ৾৸৵৻ড়৻ড়৸৻ঢ়৸৻ঢ়৸৾৾ঀ৸৾ঀ৸৾ঀ৸৻ঢ়ৢ৾ঀ৾৾৽

हु.ल८ट.चंट्ट.ल.जुटी | वूर.इश.चुल.त.लुव.त्त्रा.वंश.चट.श.चुंच.थयां | वूर.इश.चुल.त.लुव.त्या.वंश.चट.श.चुंच.थयां | विल. व्या.यं.लुव.त्या.लुव.

प्रमास्ति स्वास्ति स

すべ: 哲ロ·「古す・多丁·別和「「母」、おだて、口お・ロ・ア・ラ・カロれ・ロ・あに「首・賢す・三下や नगर कुर खर सुन से सर में रचना हु सेर पास खराया मान सुर। रस परि ¥यार्मा हिनाकुषामरासहर्। र्मायामस्यापसास्त्र चुरामुमामासम्या तान्द्रन्थात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम् तर.वेश क्र्याविषय.रेर.की.षरेर.त.हे.वे.पश्टयो केपाविषय.पोड्र. मुःमि८८.भूटःमुब्राधवेषःवयःचयापारःमित्रसःमद्याः पूरःन्टे.पट्टातरः परि'लस'ल'पर्नि,'पं'पंपिर,हृदेखी र.िलप.ें केल,तू.रेगेट.रे.तेजुंचा वया धर.त.भुर.तर ४ मू.प.विश्व.क.प्रांचया [पूर्.लेज.४८८८] विर.केंच. श्रेष्ठसः निष्ठा राष्ट्रवायः यः श्रुवः राषा विवायः निष्यः पुष्यः विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः विव [[଼ କିଷ.ଢେଷୟ.] ଶ୍ରି.ଖସିଧ.ନି.ଖି.ଖୁ.୯.ଥି.ଏଖ.[ଜିସ.ଘଡ଼୍ୟ.ଘଟ୍.]**ച**ିଥ.ଜିଅ.ପିଟ.ଡୁଅ. য়ৢঢ়৽ঢ়য়৾ঀ৽য়৾ঀ৽য়৸৽য়৽য়৽য়ৢঀয়৽য়৽য়য়৽ पिस्त्र'सु'पा<u>र</u>्तरा न्न अस्यायात्र्र्यां प्यार्थन्यः दुन्यानी ह्माय्य प्रवास्य राया केवा प्रति में तासका नामु ८<u>ट</u>्रेब्'स'स्ट्याच्चेत्र'सदे.चे्ट्रेश्यःटचे.चेब्टःत्तर बें.७क्षा.बे्द्रांतश्र| र्श्वेत. ৴য়৾৾ঀ৾৾৻য়৾৴৻য়৾৻৻ঀ৾৾৾ঢ়৻৸ঀয়৻ড়ৢয়য়৻ড়৻য়য়৻৸৻৸৴৸৾ঀ৾য়৸৻য়৻ড়৾৾৻ঢ়ৢ৾ঀ৾৻৸ঽঀ৾৻য়৻ त्रि ग्री भी अस्य अटल प्तर्म कुल प्राप्त मार्थ के अम 네'디지다'중시'디 प्राप्ताया हेव विद्याप्त विद्याप्त हेव प्राप्त हेव स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स <u> কুম'পুगु'युप'य'र्मु</u>द'यहे'रुस'सु'ब्रम्स'ग्रेस'ग्रुट'स'पठम्स। लट.भ.शहर। टीट.७सूंधु.बेल.िश्चयःब्रे.सूरी टु.वंबातक्र्यातेवा.७८था २मट.वै.वो.त.त.त.च के व.वे.व.वोश्वाच प्रवाच वश्वेट.केच.श्रथार्टाए.एलवेब

प्रमुद्दर्भा ने देश होता क्षेत्र क्षेत्र में क्षेत्र

हम्मःश्रेश्वान्त्रव्यान्यस्य विषयः विषयः

प्रत्या भूका मुँ रहेता प्रहास के राम् प्रकाय का प्रत्या के मुँ गुँका प्रधारा कर चट.ची.र्चेच.तर्वा.त्वे.तर.वेश.वंश.त्ये.त.व्या टे.लट.ट.चेल.चे.द्र.वेथ. २नो'मरु'श्चर'दस्र'श्चेश'गुर'स्ना'मह्य'यस्यायस्यात्र्याः हाळे'त्यस्य नुबाबुःभूदःमहेःस्नामस्यामुदाके। सुबायादे के दिवामाया सुबा **गुै'हॅर्'स्र। द्वे'झॅ'इयस'र्**ट'क्वेर'८हॅ'च'इसस'ग्रैस'र्चेर। प्**ल**ल'पस' [पट'मे'रूट'म्रा अ'ऋगामरे'र्य'रूपा'स्या [[य'ग्री'हेट'स्'स्या रुपण' बर्द्र यर ने माय खुरे पर्व प्रवास न वस्त व प्रवास न प्रवा पत्रा हुन्ययस्थायाञ्चर्षययश्चेर्याः व्यापत्रा व्यापत्रहेरकेष्टरे हुँद'कुँस'म् वेगल'स। स्टि'स्टि'र्ट'र्यम'र्नेग'म् ४२'पुर्स'दस'न्ने'म् इ'हुँद पन्ना द्वायाधेवर्तुःक्वेत्राते। द्वात्रात्वाधेवर्त्तवापतेर्तुनासुःद्वापन् वस्त्राके प्राचा में का प्रवास कारा करा है। अर्कें वा करे रिमिन स्त्रा पर्वे राता है। אַרָפּילְבּין אַלָּבּי<mark>לְבּין ג</mark>ױשָׁרָבין אַׁיִםילְבּין לְּשָּׁמְיִנִאִיםאֶּבָּי ≨८.त.८८.1 र्बेब.वर्ष.२ब.घ.म.च.८.त४.८७४.घ४.७.४स्थ.४४.८४. ब्राप्तात्राचारमा वृषानेषाम्या स्वाप्त विषानेषानेषानु केरा क्षेत्र सुष्याप्त मिटावानवकाराहे प्राया हिनाका राजा निवास का मान **ऀॹॱ**ढ़क़ॺॖॱय़ॱढ़ॸॖऻॱॱ॔ॹॹॱक़ॺऻॺॱय़ॱॾॗॕॗॸ॔ॱय़ढ़ऀॱॸॖॕॺॱॷॱक़॓॔ॸॱॺढ़ऀॱऄॗॻऻॱॿऀॺ**ॱ**

चित्रकारात्रहा क्षेषु प्रदेशसुरस्य स्थापन स्थापन हिनार वास्य याम्बुरायाद्या यास्यसञ्चाद्यादादास्याद्याद्यायावेटाक्रेराक्षीयविषयातृः प**वना**राल्डा घटानु क्षेत्र कर्ष चुँ तु क्ष होत्र पाल्डा न्रा चुँ पुरासु षर क्रेंद्रा हुनाया दराया क्राया दनवा के दनवा मा मिंहेब्रस्य हिंद्याचा न्यास्य वृत्याचा स्वर्द्य चुर्चा सम्बन् मञ्चल'र्मन'तृ'केर'र्रा क्**स**'महे'रुब'खु'खब'गुं'रुचुट'म'बन्बा म**ग्न** ही गु.र्धेषा ने.८८.ने.भूस.भ्रायबूटा वि.के.४६वाया है.हीचा पर्दर'द'के'स्ट्रार्द्धर'द'स्या ८'क्ष्य'म'क्ष्य'महेत्। पर्वा भ्रेप्तकत्रमार्व्यत्रम्। तक्रामहास्याम्याम्यान् मृत्रमामरामुनामहास्य कु**बःदर**। ४८४.तपुःस्वयान्यः स्टास्या संक्राध्यान्यान्यान्या **बूर.ल्ट.ग्रेट.नल्च.**बंब.७मू.२ब्रंबा अंब.ब.टू.के.नंटर.व्रा ७**७.**नप्ट. **२४.४.४.७.**२८.। तेषाचरारचूराक्षात्रात्राच्चेतात्रात्वाच्चेतात्रात्वाच्चेताय **बर्-ह्।** व्रैल-ब्र-र्-हुक्य-णुट-ब्रुव-प्यस्य लब-बन्दर्काही के र्वेर-सूर **ब्र-अध्याणुद्राक्षया**चर्णायान्यान्या अत्याप्तान्या हेनायान्या विसा मर्बर्-तन्तर्। मठव-मवन कुरान्त्र्र-तर्दा व्रियार्श्वर महिना स्त्र **पिठेन' च मिल्द' प्रैंश' र्राट युवाय उर्' गुँ 'हैन' प्रक्राय अव** मुन्नान्त्रा क्षेप्रवाहात् विष्ट्रवाहात् स्त्राह्मे विष्टा स्वाह्य विष्टा विष्ट वसायाकारतरातु वर्षेत्रापात्ता क्रियायाम्नातु वर्षेत्रापात्ता हिना वराक्षेत्राक्षेत्रेत्। हेत्युदाचेयराक्षेत्रा चेयरार्वेदायदान्युवाया

क्ष.जिटका विश्वयातानिस्याणुटान्तरायाचीयाक्षेत्रवेषायदेग्<u>स</u>्वापस्या न्यन्रुःकेन्द्रा वर्ष्ण्यः क्रिंग्णुन्यवत्रः यहे द्वन् केन्यवे खुन् न्यूलः न्यन्'र्'ब्रेन्र्। बर्क्स्बरक्रेन्'णुन्'न्ब्ब्'च्चैर्क्षरह्मन्यते'स्ना'न्स्ल'न्न्। न्बदः अटः निवेदः रृदः यये र न्यः युः यः दर् र र दः नियः वैरयः रृदः सः स्वारः यः य ५८। क्षेत्रावदादेवहणामान्या वहुटामहणाम्बदाग्रीकामुकामादेवद ५८। ५मम्'हु'बे५'मदे'[[५'|म']]५मम्'हु'बे५'म'४५'६। ५८८ ५८८ *ଞ୍ଜିୟ*.ଲିଅ.ଅକ୍ରାଲିଜ୍ୟ. ଜ୍ୟ.ଧା ହ.ଘଟ୍.ଅଗିର.ଘ.ଘଲିଥା **ଅଟ.ଘଟ୍ଟ**. <u>८बिल,च.चम्दी लट.रूथ,चे.च.१,ज.च.१</u>च.ल.लब.चम्.एष्टी जब.चम्. ष्ट्री व्याप्तवाचित्रातिकान्त्रेर्वेर्वात्ववाच्यात्वेषात्ववाच्यात्वेषात्वे चर्ष्याःव्ह्ययः चुःचः धुनायः चुै**ः न्रु**वः चुरः नुः चः ळॅ**रः नुं। ५ः व्रिट्**। **५ः व्रिट्। चुः**चः स्तिन्तः क्षेत्राक्षात्री, विष्टः श्चेषारु तर्नान्यः त्यञ्चेत्राच्यः स्त्रीय श्वासः स्त्री क्ष บเลิเนเละผเฺฺฺลิเผเ๒๗เฺฺชุ่∠เฆะเน่ัชั่นเช่นเชู่ เหเษฐ่านเป้านเ ञ्चन्यःग्रीरङ्गवायसम्बद्धाः द्वार्थाः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्य लबःग्रुःहुटःनीबःपञ्चेनवःदबा लबःग्रुःरेबःअददःपः८८ः। <mark>सूना</mark>ःपस्थः भूत् हुवा द्वालटा प्रमूर्ता हुवा का अत्राया स्त्राह्य वाटा परित् खुलाया <u>- च</u>ित्र, ब्रास्टर, ब्रास्टरायक, क्रास्त्र, व्रास्टर, व्रास्टर, व्रास्टर, व्रास्टर, व्रास्टर, व्रास्टर, व्रास्टर, वर-पर्नेल-पाठवानु-पाळानुरार्नेलावयाकु ल्यायायान्ति अंख्याय्यानु पः<हिबोबः बबः श्रःञ्चः हेवाः चेदः सःदः। (ॻऀॱरृदः चेरः पः क्षवाः वर्षे वः खनायः **त्रक्षाचर्नाकाचार्यः।** े ह्न याक्षरान्याच्यायः च्याविष्याव्याचित्रः व्याविष्याच्या

५८। केंक्रियामुपाकेवाक्रास्त्राव्यास्त्रास्त्रात्रे वार्केष्यान्या हेवार्ष्यामु पः१़ेदःस्रारके पर्दा युदास्यःवीः [[५ः।वः]]दी स्रायःसरःमीःह्यःयःसस्याः बुवार्डमानु रहेम् रहेम् सायान्या। राष्ट्र यात्रा भारत्यान्य स्वापान्या *ञ्चु* नेते तथा ग्रेया मृत्या स्वाप्त स्व ञ्जनवागुः नवात्रात्रेराच उर्जुनार्ये द्रायात्र्र्या द्र्रेत्रायाद्रा दे.पा.स्चेच्यानपुरम्बेलानपुरम्बेचानव्यत्तात्त्रम् । ट्रे हिराध्यात्रम्बर्ये विषय्वी क्षेत्रस्य द्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स **९**'त'युन्य हे केद'र्स' त्यम्य या द्युद्दारसम्म वेष्य ५ एटा पुन्य मिय नुषाकुव कर केर धर केर हेरा हेरा निवास है। निवास धर केर धर है स < पूर्व द्वा नी प्रिंदर पा कुव पा ठें द प्यर पा विषय है। सि स्व के प्यद से से हैं ' देश' पत्र। क्षि'ग्रेस'झेर'झेपरि'ग्षर'स'पठ5'वस'झेरे'ग्वस'झेंटसा सस्क्ष्य' **ऄढ़ॱॸॖॖॱक़ॗॆॱ**ॻऄॱज़ॺॸॱॺॱॻठॸॖॱढ़ॺॱय़ॖॱॺॱऄढ़ॱॻॖऀॱज़ढ़ॺॱॾॕॣॸॺ*ऻढ़ॆॺ*ॱऄॸॱऄॗॺॱ महे.चेलट.ब.च२८.वंब.भुंड.चेबंब.क्रेंटचा नटे.क्रेंब.टेंट.हेंस.क्रें.चहु. नायट संचर्त वसार्ति स्वावसार्वे हिल्ला विसायि देवाया से स्वावसार्य से स्वावसार्य से स्वावसार्य से स्वावसार्य स याचर् वया भेर्नाया भेरत्या द्वापात्र मार्थित्या द्वापात्र मुक्ति मार्थित सःपठ८, ४ स. ८ केप. तप्र प्र ४ के स्था स्था है. केर. ४ स्था स्था है वी. चुं. **ण्वयः** क्षृं त्यायरः ग्रुयः वयः विक्रापः ग्रावयः प्रापः क्षे ग्रुटः क्रुयः येवयः प्रावेः ः ः म्बसासुरहित्। मराचेताम हिंग्दासुन्याहे केतायेते यहा केतायेते प्राप्ती मानुना बारि, लुब, ब्रें। ब्रेंचेब, हुप्य, क्रेंच, क्रेंच, क्रिंचेबेंचेब, स्वेंच, स्वेंच, स्वेंच, स्वेंचेचे विश्व, स्व

নহ.ম্.ক্র্ম্র্র্

श्रिं सार्वे मार्च के रही **製口、しばす、口し、知ざ、其し、過、高、」という「」。** इष्यायापाराष्ट्रया म्रेट्रे, भी र संया है रयम या श्वया नी श्वर हुनी युन्य हे के द संदे प्यट क्षेट प्ये मे दुन्य अपदि प्ये द है। क्षेरमार्वे मार्चे। **बेस**'स'रदि'यद'म्डिम्'यर्हेर्'सदे'यर्सर्'द्रस्य स्णु'म् द्रस्वे से केर् **ख़ॱ**ॸॖढ़ॆॱऄॱॸॖॕॻॱॸॏॱॺॱय़ॕढ़ॱॻऻढ़ॻॱॳॹॱॻॖ॓ॺॱय़ढ़॓ॱॻ॒॒ढ़ॺॱढ़॓ॱऄॱॾॕॸॖॱॸॊॗ॓ॎॸॆॗॱॻॺॱ भे में र्व्यायह प्राप्त विश्वास स्थित के हैं। हैश मुहम् श्वर मुहम् स्था में कि स्था में कि स्था में कि स्था में ळॅंद्रायर अट पॅर १०वेल है। देराया थे मे र्च मा अर भव मा है मा पर्हे द्रायदेर पर्सन् द्रवस्त केर्रा पंकरक्र चि करे विषया से से द्रवस्त स्वर्णि सम्बर्ध के किन्ने। पषेव'ग्रै'रॅंर'सु'रेव'मॅ'के'श'ग्रै'रॅंर'सु**य**'हे'म्बॅश'म'मह्म'व' ५मॅब'९र्र् त्युटाङ्गे। दे'मस्याणुटाक्षे'मे दुमास्यायदाम्हेम्'म्हेन्'द्दि'सद्दाह्दात्रेया ल्याचे व्यापार्ति स्वाप्ति स्वरं की व्याप्ति स्वरं की व्याप्ति स्वरं की व्याप्ति स्वरं व्याप्ति स्वरं व्याप्ति स्वरं व्याप्ति स्वरं व्याप्ति स्वरं व्यापित्र स्वरं विष्ठ स थि'ने'र्नु न'यदि'पर्रा, वेशकागी'म् ८४। (वे प्रम् ८५ म. १४ का দ্ৰুষ'শ্ৰী म्चीट चिंदे रे रचा नृह महस्रामा स्राह्म ता माविता चिहे किन च मुहार मुहार พิ'मे' รู ๆ 'ผาผุร 'म्डिम्' ผลีสานลิ 'ผลัร 'สุลสาทู๊ 'ฮร ' ๆ สูร 'รู 'ลิ่' मी। ब्रीट'पद्धेर'प़र्व'पदि'त्युद्धे'ळ्' म्बुट'प्रर'दु ब'ग्री 22.5.1 में हुनायायदान्विनायह्यस्यदियस्तर्द्वस्यानुष्टिन्द्वस्यानु ইবা,না,দেই, নাইবা,নাম্মন, বেপ্র, নুর, নুর, নাম্মন, নির্ধ, স্থা ๗,ᄙᆀเกลีนมเฐานเฐานะเชนาญนาเชื้ะเชนามูละเนาของมูนายเขา

रं। र्रहेर्चन्ने कुर्रे प्राप्ताना कर्रवित्ति वित्वे हिरासर्याया विग्मति'रवातहवार्यवापञ्चल'या'रे'रे'ववा**धेवा**णुट'तहर्नुवाणी। श्रेष्म् इ**ना**माभाष्याम् हेन्। पञ्च सम्प्रित्य स्थाने । त्रा सम्प्रित्य सम्प्रमानित्य सम्प्रित्य सम्प्रमानित्य समिति समित कुल'कळेष'रय'ल'नव'य'अ'रु हेस'ईस'व'तहर् वुस'ग्री वेर्गेर्पाय' Nद'न्रेन्'मह्नर्यार्थं'न्र्य्त्रव्यवारह्न्'वे'वुवार्वा कु'म्'न्र्न्यूर्थं'मुं'वा लाचित्राकृत्रम्याकृत्राण्यात्राहर्षान् व्याण्याः विष्यान्त्रम्यात्रवान्यात्यात्रवान्यात्र मते मर्त्रान्वस्यातहर् से बुसार्या विरामवि मे मार्गान्य मार्थन विरामवि मे मार्गान्य मार्थन विरामवि मार्गान्य मार्थन विरामवि मार्गान्य स्थानि स (पर्वर-पुः)ह्य-मिनाधनापनापरादर् नुवाणी क्षानार्चनापायनापनापना पत्तर्भापति पर्यप्रवस्तर स्थापत स व्याणी व्राम्। द्वापारि पर्याप्त व्यवाणी कर् जित्राची त्राप्त व्यवापी व्यवापार व्यवापार व्यवापी विष् पदि श्चर-स्वर-दर-परवर्षायहै श्चेषाय-दर्भ सुद्र-बेद्र-दर्भ हे हु-दर्भ सुर **ॲॱअ८ॱऍॱवस्यःउ८्रयाण्य्यः यार्थः गुटः कुषः सेस्यः ८ पर्वः यायः पर्विरः पर्वः** पर्सन् वस्तर के तर के न्हेन् प्तत्र्यायहे प्रस्त व्ययम् भी सुद र्वे कि कत् वे प्रमाद राम से व्ययम् ८६ना हेव नी । नेव व व व व व र द (य द य मुव र) नी रेट व में व में व प्राप्त र द **मॅंके झ्'न5्ब**'लब नुनः सहै अक्ष्रिं, हेब नु गुरायाने लाबके नया कुब और कर् **पामुकायरि पर्कान्वका** कुं खिदा संदे करा दे पा बुदा परा दुका है। के वो प्रुवा पालदान्देन्प्त्रस्य परिष्य प्रमान्य वस्तु हेद'मुे'प्यस्य'प्ट'सूदे'सूद्र'८८'स्वस्यादे'स्टस्यमुत्र'मुद्र'द्रिःद्राः स्टस्य **อีลเ**่-ะเลิะเซียเช่นนะเลิะเกะเลู้ เก่นเมือนเปลานั้นเปลานั้นเปลานั้นเก้า मान्द सरामे न्दान्याम् मेला की मार्च न में प्रमान्त मान्य पर्सन् द्वस्य ग्री किन् प्वतुष्य प्रमाणी स्थाने 'हुन' प्रांयद 'न देवः प्रह्म स्पर्दे ' पर्सिन् द्वाराणी कन् प्वारायन की वुसार्सा क्षेत्र मानि के र हैं है बेसायने พาคิรูคานาจิาผผศพานาฮูสารพาศุลิศพารนรายูตาคิรูศพา ูขิรไพรา क्रैद'ऄढ़'मस्। वृष्'रे'य'यद'ममु'ङ'ममुद'मत्रुस'द'दद'र्सद'मसुस'दु' क्षेत्रक्षे। क्षेत्राचित्रकाराक्षेत्रसम्बन्धान्यकार्याञ्च वात्रमान्नेनाकाणीः विषा बर्षेटःचरःत्युरःर्र। वःवःवेःवःवःवःवन्वाःचक्रैनःचक्रवःवन्वेरःवन्यःवन्वदःचरःत्युरः र्म। व्रवायातहेवायरात्युरामे। ५५८वाव्राव्यवायरात्युरामे। क्रुपार्वा लव निर्व निर्व निर्दि वा हैना माष्ठ स्व कर् रहित निर र ते निर्म निर्म भैषायर त्युर में। पर्य**्ष्यय**ारछेषाके परारत्युर में। के रमवाब वा सु तःचरःक्षेत्रःगुटःतयन्यःयःश्वेदःरसःम्बेन्यः८टःक्षेत्रस्यःयरःत्वुरःर्हा बै'ने'न्न'त्य'व्न'मिन्द'मेुब'के्राय'त्य'तहेन्।'हेद'मेुद'महेद'मेुद'महेन्।'वे क्षे.चे.वैत्तातापर त्रियां प**र्धयातय.**पश्चिताष्ठपूरि श्चर.टितेट.टट.पश्चरायो. **१,**तिस.त.तथ.क्र.चे,²चे.त.तप्तथःतथ्यः पश्चे,ष्ट्रचे,प्रद्र, ८ चार, एत्रचाबाना महीवा संभी बार सूर्या हो बार हो बार हो बार हो बार हो बार हो वार हो वार हो हो हो है है है है है ष्टुन्यःहे कुराक्ताक्रियारान्वेन्यार्था युन्यागु । यदाक्री प्राप्ति । येवा वभयावर्षिरायायाञ्चेयायहे कुटार्याके वर्षा क्षियाहेया के स्वाहित्या के स्व <u>ॿऀॺॱज़ॹ॒</u>॔ख़ॱय़ॱॸ॒ॱ। ॸॕॸॖॱॻॖऀॱऄॱढ़ॖॺॺॱॻॖऀॱऄॸॖॱॸॖॺॱॸॖॖॱॺॖज़ॺॱॾ॓ॱक़॓ढ़ॱय़ॕय़ऀॱऄ॰ ने'डुन्'यःपर्त्वेत्र'द्या हद्रस्टम्बुबर्'दुन्द्रिं'यहे'र्द्रम्बा

पारुष्णुं सुन्त्रभाष्ट्

दे वया श्रीया द्यादा सार सार स्वाद सामित स व्याप्त पबुत्रयात्राञ्च अस्तायत्त्र प्याप्ता कुत्रार्थे कुत्र विष्टा विष्ट इवयान्ता न्ने प्रतियाह्मयान्ता स्वायानाह्मययान्ता ह्रा हितार्षेता याक्ष्यराप्ता श्रवायाक्ष्यसाप्ता विवायाक्ष्यसाप्ता क्रीवाक्ष्य ५८। उर्'बर्'इवयर्'र्टा क्षेत्र'केव'यादवयर्'र्टा श'वर्द्वयया भूतार्म्ब क्रीका तहरामहामा विषय मान्य विषय मान्य विषय मान्य विषय न्ता नेलामनरार्देरहेरबाईरन्ता दुर्ल्यस्यामनरारवेतावारान्ता सकेससामानर देव केदा नामार भेर दें दिया वा नामार के स्वरं माना स्वरं के स्वरं माना स्वरं के स्वरं माना स्वरं के बिर मॅिट प्रवास के वास के वास ही वार प्रवास के ता विष्य मार कि प्रवास के वास के वास के वास के वास के वास के वा या**द्वर्या**णुंबा कुलायालायक्रूराव्यापुंदा क्रुंपान्यंदायन्याधुःश्रेदाहेर <u> নকু ८. গ্রীঝ নার্মী ४. বে ঝ. ব্রীব নো দো রূ ८. গ্রী নে ঈর । অ. নার্থ না ৡ ঝা</u> ₹, a. a. a. मिहैका प्रामान्युः महिका निवा क्षेत्र हैं। सुरक्षा निवा निवा निवा क्षेत्र हैं। सुरक्षा इ.धू.१७.व.इ.च.१च अपरारम्.८ट.वेचवारप्मायटाम्यानभूरावयान्त्रेया वसःसदःस्यार्द्दः । परः व्रुवःयः ५६ः। क्रस्यः ४५ः ग्रीयः श्चितः द्वार्यः धेः धुनः <u> चुयामार्टा र्रा</u>क्षिमार्येषाम् अत्युराम् वयाण्येषायम् राम्बेषामा

हार में ब्रोब, सुध, खेल, टें उप में। ।हार में ब्रोड का पुर खार का प्रमा । कि. **घट, बट**, लारम् यात्रा । विटार्शन क्षारम् राष्ट्रिया व यारम् । । नारम् क्षारापु विटाला त्र्या । क्षेत्रामहे क्ष्याप्त क्षा । स्रुक्षाम् वा । हे का क्ष्या से नाम निष् त्र्नार्श्वेन्यतेष्वत्तात्र्म् ।श्वेन्यतेष्वत्तात्र्मेष्ठं त्रा ।श्वत्त्रं द्रां अवत्रात्र्मेष्ठं व्यावेन् रे 'र्ने प्रशःतम्बर्गः पुरावस्थाः व बर्गः विष्यः । विष्य Nक्षातात्रम् । १९ व. ष्रष्ट् व. ह्या व विकास क्षा व. ह्या व. लारज्ञा । भ्रम्भाराहर तमाराहर तमार हो । विष्टा में ५ र महिला मुंदर स्थार हो । ट.५.मूं. ब्रैंट. पष्ट, जब्दा । ब्रैंट. पष्ट, जब्दा, ए.च्यां. व्या षविष्यात्रकार्यं रहेत्या । ए.४.मू.४वं साविष्यात्रकाराय्या । ४वं साविष्य หฆ.ห.ชมี.ฉ.น์โ $|\frac{1}{2}$ น่น.น.ฆฐน.นี้น.ถู้.ฆะฆ.นิน.ฐนโ โะ.ชมี.ต้. पते. ब्रुरायापा । हिम्मते पुरायामा **रावा । हिम्मी प्रायामा । हिम्मी** स्था न्वमा । ८.४मू.भूभ.तपु.वी.र.ज.तपा । भूभ.तपु.वी.र.ज.पाचा.य.वी । ङ्में अ'से ८' स'प्रेट स' स्टर'या **गविया ।** स्टार सें र हीं ८' सहे र सुराया । मर्ते युरायामर्जा । मन्ते मनिष्यामणरासुराम बैदानु मुेता । सार्म् त्वयानुदेग्बुरायाना । त्वयानुदेग्बुरायाननार्वा । त्राम्बुर्ग्न्नाः पदुःबटबःक्वैबालवाया । टाल्में हैं पटुः विषयः स्राप्ते । हैं पटुः विषयः स् ८च्चॅं रहे ता । इस में ता ले का जी स्टान ले वे राम की साम हो से साम हो स मव्यासुरत्मा म्बियामहेरमव्यासुरत्मा मुन्नामहेराक्रियाहेरा रट.प बुब प्राचिमा । ट.एस् ब्रिटि.पपुर मोव स सी प्रस्ता । ब्रिटि.पपुर मोव स सी. ८मॅ.२.५। ।४५२.त.वै८.७प.कै.४८.त्वे४.४०४। । ८.४म्.४४४.वे४.

म्बं य. खे. प्यां विश्व प्रति । विश्व प्रति विश्व प्रति । विष्य प्रति । विषय प्रति

म्बर् त्रिक्त म्वर् त्रा त्रा क्ष्र व्या विद्या वि

ल.बिच.तमः वंशःश्रीच४.कूं ट.ता.ज.चबिचंशः वंशः चर्त्रे च.तसः वार्वेचः च्री ः वर्गुर्ग्यदेशया दावेषस्यादिः त्रुप्तहेष्टुदार्यावा । यदासुवार्मवाया नेयाया चुेरु में राठावा । झूटाया सका हिरा चुेर मान्यया नापार्चे । एस ब्रैटालाबाकनायादाराष्ट्रीरातर्नेटा। । इदायाञ्चाक्राम्बाम् । ह्यायाञ्चा वित्राक्षरान्त्रे वित्रायाः वित्रायाः विकास मुंबाहिट.रेट. भेर्ययात.हैट. २.बी हिट.भेर्यया प्रथा भेरू. योर्घयाट्या मर्मि । मिला बुका मार्भिन कार केरा हिरा । विश्व मार्थिया विराहिता विराहिता वा । खुरु द्वरायरायेदे नार्वयर मान्नर्मन । व्वयः हुन् वरायेनायरादर्भनः बाराधुरावदेता । खुलालाबेबाया चुंदारावा । वा खुरावदारावदा महत्वना टना'टर्नुन ।ख'खुवाबाज'कनकांबादांटा धुराब्देटा ।ही:क्रुेविश [ज'नन्तरा] व्हिः र व। सिवा क श्चिरं नार्वस्य न्यार्चन । श्चीय सासार हिवासार वारा हुर. ८८८. । भ्र. इंट. परु. रंग. रट. संट. २०. वे। । पर्य. कर्याया पर्त्र टी. पर्छ. म्त्रस्यः नम्पर्मम् । बिं स्टः त्यायासः बेदादः दिः । मिहेदात्रः । मिहेदात्रः मामक्रेर्जा । तिम्रामाक्रमाम् ५ मी मान्यसाममा । माहेना । पा.भ.कचास.च.ट.क्वेर.४ट्रेट.। वि.श्चेत.स्रव.तर्**च**.पा.त.क्व.ब.ब। १७चास. बेद्र'बेद्र'बेट्र'ग्री'म्ट्रबस्टम्पट्न ।सुरर्ह्मम्'सद्रम्पट्मारस्यः कन्यःद्राहर क्विरारहेटा । एट्राव्यंबरहालाकम्बर्यांबा । श्विराव्यं १९ विरामी मानस्य वा । तिक्राञ्चि तिका भवा ता प्राप्त ने वा । तिका व १ क्या हे व १ व १ व हिन्द

Rदेदा । तिकै परि वदा कुषा हेवा राष्ट्र । तिहार मा तिके प्राप्त के | तिकान्यातह्माकावाराष्ट्रीयातिहास । विकान्यायेकार्यामा विकान्यायेकार्या म्यारं वा ।रेनायाहेदाने प्राची मान्यस्य मान्यस्य । वरार्स्सारहेनासादः ट.ब्रेर.७र्टेटा ।ह.त.क्रे.क्रेंब.थ.क्र्ट.ता ।७ज्ञ.वी.क्रं.७वाचा.वा.चाट्यस **८म**'मर्मेम् ।८मॅ'तुम'म्बेट'मब'६६म्ब'६'८'डै-'८नेट'। मवाहे रतम्यानु र्श्वमाणुदा । १८ रमामि है र द बाबा क्षेत्रादा । देवा वेवा पेर विश्वाक्षात्वरार्दे। दिवाविषाणाचेवाकावरावता । श्वाविष्यात्वाराणा के'रब्रिं-र्ने। विष्यहे'म्नियसंन्मा'यारब्रिं-वा ।र्टासेयसंस्यां सुसा कें कर्षे ६ म् । १८८ मा क्षेत्राया मुकाया थिका व्यायकी मा नवा १३ वरा सु प्रदर्भा ।ट.भ्रुं.एकु.वीर्ड्याग्री.थघ८.पश्च.ग्रेजा ।८ग्रॅ.८ट.भ्र.७ग्रॅ.ट.ज. बेद्रणी । लेरक्षरषुणवरत्यकुद्राक्षर्यो। । ५५ व्यवस्थानीद्राक्षयायानीद्राक्षयायानीद्राक्षयायानीद्रा **ब्रेट.**ज़ी ।४८.प्रेब्र.में अ.चप्टु.ट्ज़ैज.प्र्यूर.पट्टी ।[[बर्टू ब्र.]च.८८. **परयापारायाचेराण्ये । मेरिनायाचेराचेराय्यायाच्यायच्यायाच्यायच्यायाच्यायचयच्यायचय** मन्दर्। श्चिर्द्यव्यद्यात्रव्यत्यव्यत्यव्याणुः धुन्यः खुर्यः स्वर्यः स्वर्यः **สผล**าฏิสาลฺจีาสุลานาๆอิๆาฏะาล่รฺารั๋ไ มีถารุฉัลาผาฮูผาฉั**าร**ุะาฐักา ८वॅरॱइवयःग्रैयं८ह्याव्यायकेवायर्ह्यायादेरःश्चेतर्वर्षुंख्ताः **୶ଌ୕୶୶ୢଊ୕୕ୡ**୷ୖୄ୕୶୕୷୕ୢ୴୶୕୷୕ୢୗଵ୷୕୶ୣ୶୷ୢୗ୷୷୕ଽୢୣ୕ୡ୷୷୷ଢ଼୕ୡ୵ୢଌୣ୕୶ୢୡ୳ୄଌୡ୕୳ୣୢୗ୴ **ན་བལུགན་བ་ལ་〗བོད་ఌྱི་རྒྱལ་རྡོན་བུ་རྡོབ་ནམན་གྱིན་ឝ্র་མུ་སྱི་རང་བམ་ཕུག་ नद्रतःभूरः**नःविशःबोह्र्यानान्तेन। वेदःश्चनशःबेशःदशःदेशसःबेह्रः

리'여희'월국'회'준미'디조'필국'养

निष्वसार्वराक्ष्याक्ष्याः क्ष्याः भीवाः विष्यताः विष्यताः विष्यताः विष्यताः विष्यताः विष्यताः विष्यताः विष्यता देतः वी'यर'श'यहे बाताप्ता यर' ब्रेट'श'यत् 'ब्र'वि' वी'विश'णवाद् षरामु रद्र वर्ष द्रायक्षाने निष्याय बुद द्रा वर्ष द्राय वर्ष द्राय वर्ष द्राय वर्ष द्राय वर्ष द्राय वर्ष द्राय खुल'हरष्यच त्रुंदा वह्रायाँ मृत्यल'हेरल'मृत्वाकाराल'हेर्गुंचुल' म्। भूवं म्। रेजं पर्वेश इनकाम। भवं म। मूवं म। प्रवं पा क्षात्रुंराय। क्षेत्राळेद्राय। अत्या क्षेत्रा पुर्वेरायवन्त्रायनाक्षेत्रायुर र्तः भ्रेष्म् । यहारा ब्रियामा व्याप्ति । व्याप्ति समास्याप्ति । पहुंवा श्चिर्न्यंव प्रत्यंव प्रत्यं वित्र हो से प्रत्यं हो से प्रत्यं हो से प्रत्यं वित्र प्रत्यं वित्र से प्रत्यं के प्रत्यं वित्र से प्रत्यं प्रथमः स्वास्त्रे संग्रीयः या प्रतिष्या सः मृद्धे श्वस्त्रः स्वासः ग्रीयः यह मृत्रा ५८। अट. २८। ज्ञितावत्या इवया वह्रा द्वा वह्रा व्याप्त व्यापत व ञ्चेष'पर'नुषा कुल'र्घ'ष्ट्रि'र्यूर'ष्ट्रे'पठ'ब'कु'र्दर'ष'न्च'बहरा युष' खु'वि'यउव'र्येहे'रैट'य'ङ्गं'वृय'ह्म्षय'त्वैद्यवर्तुं'म्वेग्बर्यहे'कॅबाह्युट'' দেনাপ্ৰ-প্ৰা

लिम्या क्रयःग्रीमिट्टेर्निस्यालिम्या कुलःस्रिवे क्रि. हेर्ने द्वे प्रति बर्देर-मुैं न्दर् हैं कर ५ रहा। छानुवर मुैं [[र्श्वपर्ववर]] यह कार सुहर मावका हिं हिंग्या है रहरे गायाय है या रहा विकेर है से साम से रहे पर'ब'र्रा पर्हुं'पर'ब'र्रा वि'येब'र्'हें'र्रा पि'के'र्हुं'व'रे' ロ·「「 정· 도리· 도· 집· 육· 「도·] 출· 리· 핑· 리· 「도·] 리온· 링· 리· 「도·] बैड्रें प्रांता क्षेप्राप्ते बिर्मा है । विकास ध'ले'प'र्रा प'के'क्रक'ग'र'र्रा क्रक'धे'ले'र्रार्' प्रण'शे'व' ५८। भाषाश्रेष्टाजा५८। नलामान्द्री स्वना५८। हैं।देग्नामान्य ५८। स्द्रियार्टा बीया केदा है प्राप्ता सिद्धाया है प्राप्ता के प्राप्ता है परा है प्राप्ता स्थान अकूच, ट्वेटब. ट्रा ४ झे. चे. त. त्या प्राचार के बना कूच, स्पाप के किया अक्व. ५८। इप्तमाणे मेमार्थे ५८। इत्यानिया निया सम्मानिया ञ्चूचराष्व्रायमिहे क्रेट में '५८'। क्रें या ग्री सूट 'म'५८'। ५व' माव्या समितर ब्रह्मा हिर्दे द्वार्या १ वर्षे वर्षे द्वार्या वर्षे अर्केन्'में हेर्'में 'न्रा देन'ळेन'हे'न्रा हुं'न'रही'न'न्रा येन्य' परे क्वं ज्ञान निष्य प्रतान निष्य निष्य

हें पवन मुंदि । प्रार्थ प्राप्त अक्षा प्राप्त का है अट र टा भेग अ है व क्षेत्रान्ता इत्याक्षेत्रवान्ताता क्षापरावाक्षात्रान्ता विका क्रुकायबर्का हा व्याचित्रक्षा हुना १८०१ ल्कॅब्रासुकेर्नम्हास्युद्धानार्द्धाः नेरमार्डब्राह्याः सुरमुरखुरमेरवर्दा उ मुँटः चैर्रः हं र्टा दे न्यं र्वा र क्रिंग र हिरा दे ता स्वासाय है सिर मका अदः संरद्भा विरायर भी सुर् अर्जुन रद्भा देखा सँग्राया मुदा छेत्र है पुररु स्प्राप्ता विष्टू पार्ता विष्टू पारि मकद पुरद्व समार्ता मुला मश्रुमः भ्रुव 'सम्राद्धेव 'हेना पहना पार्ता (मिल्व म्यूपाय र्भेपाय र् पहुंवा बुन्न गुन्न त्र्ने पार **इवका क्रिया वर्ष पार्व प्रमान वर्ष प्रमान** विषय है कि व ヹゟ゚゚゚゚[੶]ज़ॹॖॸॱऄॱॺ॓ॱड़ॖॖॺऻॱॻढ़ऺऀॱॲढ़ॱॸॖढ़ॱऄॱॺ॓ॱॸऀॸढ़ॹॹॹज़ॕॸॱय़ॱॾॹॺॱॺऻॸॖऀॸॱॸॖ**ॱ**ॱ स्यापान्ता म्ब्राम्यादे स्वार् स्याते स्वार् स्याप्ता स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स् चर्णाते.चाङ्कर्मात्राजी.का.चो.घट.री.क्ष्टी.ची.बेबर.क्षट.चील.रचय.मीट.त.रेटा बेह्यार्घ रुव रहा। खुव र राया स्वायाय स्वर्ध र रहा

इसवारी प्रमेरे प्रमान्य प्रमान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान

स्वाकृत्युक्ता व्याप्तात् कृत्युक्ता कृत्य कृत्युक्ता कृत्य

छुःष्ठश्रः शिःश्वरः श्वेरः प्रदेश प्रवर्ग ग्री श्वेरः प्रवाव विष्ठ विष

देशे'तुष्यंषु'र्घं म्दार्भे स्वाहित्षेष्ठं प्राप्त स्वाहित्यं स्व

त्रक्ष.दे.इ.जि। क्ष्य.धूंच.ता.पा.वक्ष.चिका.चंद्रेय.घंद्रेय.घंट्रेंच्य्य.चंद्रेय.घंट्रेंच्य्य.चंद्रेय.घंट्रेंच्यं व्याच्या.घंट्रेंच्यं व्याच्या.घंट्रंच्यं व्याच्या.घंट्रंच्यं व्याच्या.घंट्रंच्यं व्याच्या.घंट्रंच्यं व्याच्या.घंट्रंच्यं व्याच्या.घंट्रंच्यं व्याच्यं व्याच्यं

श्चरानु चे न्या द्वारा विष्या दि । भेषा द्वारा विष्या विषया प्रुमःकिन्द्रेव स्वर रेट पु प्रवस्ति केट पु हेव लात पर में हिया प्रकृ पदःदेःदेःतारपट्यःश्चःविभाः विश्वयावश्वयः] पठ्दा रपट्यः [व्रः] देवापः ला श्राद्वार्यकाके के पुरायर करा पर विषा में कारा उदार रा प्रदेश, त्युत्राच्या द्वापा व्याप्ताच्या व्याप्ताच्या व्याप्ताच्या व्याप्ताच्या व्याप्ताच्या व्याप्ताच्या व्याप्ताच्या इस्रायासळव्यावर मान्द्राम् प्रवेषास्रहेव पुरम्मा र्ह्मा स्वार हेव मान तर्वे त्ये हे त्य के ह्या हिंद्या त्या है त्या है ता कुर्द्रात्तर ब्रीयात ४ वर्ष देशवा ४ हो दिया श्रीयाय दिया । रमट.धूट.मु.वेब.अकूटा श्रव.केट्र.यट्र.कूच केंट्रचर्ववायामु.वेब.उथला पेर.ब्रेट.च्र.बर्ट.च्रिया हे.यथ.यथ.यीट.हेयो.त.ब्रह्म.स्र. मचट मं के बु मा महे कु से कर के प्रति मही महिल्या महिल महे क मुन्या विद दिया दर वा प्रेर दिया वद्य भ्रमा म्ट्रिंब क्रूप क्रिट के विश्व प्राप्त विश्व । रियट वि रिवे परिवृत्त क्रिया अटर **है**८-८े तिहे**व**-पत्रट-घॅ त्यार्श्वनश्चायाः से त्यार्यात्रात्यात्रात्यात्री अवायाः से अकार्ताः

पठव्रॅस्य कुरे र्वेव परि केंस केव पुत्र पत्र क्ष्य केव प्राप्त क्ष्य केव प्राप्त क्षय का इटःश्वॅटः म**ब्**ट्रायस खुसाय के श्वराय का स्थान के समारक तथा सम पक्षे प्रतिः भ्राप्त व व रहे प्रवास प्रवास । प्रवास । प्रवास । स्वास । स्वास । स्वास । स्वास । स्वास । स्वास । त्रां के स्वर प्रति पार्चे प्रांचे प्रता के का केव विकास का प्रति के केव प्रांचे त्रांचे त मन्तर्सा पठव र्यस्तरभगाप्तर हुँ पारस्त्र व्याप्तर पहे राजेव राधिर छव हुव अव पाद्मार्था व्याप्त या १८८ मा भेरा र टा मी भारे हिरा या ह्नार्द्रव, च्राष्ट्रा क्षेत्रायाचा या ज्ञाचा च्राप्ट्रव च्राप्ट्रव्या च्रिट्र ^{हु}द्र'मस'सम्'ॐपहुर'ॐदे'म्ॅरां ग्वद्र'द्रस्थराङ्क'ने'रे'पर्वप्राद्या पक्षेत्रध्याप्रताम्बर्वेर। देग्वर्वार्यते कृत्रुवातुत्रवाता हेन्द्रा चु'म'नेय'हे। पव'हे'क्मयाय'पठव'र्धयात्राणेव'पहट'हे'णे'नेय'द्पट'र्ध' ८वॅ५ के प्रदूर प्रवास सम्बन्ध वट व्रव के व प्राप्त कराया में क प्राप्त है। **ॅइं**८'ग्रैक'**ले**'केब'६पट'ॅंट बुंब'र्डेटक'ब्रा चु'६**ग**८'च्डेब'च्डेबा चन्नर वया प्रतर्देश विवया प्रयास हैं चना रहें होता प्राप्त क्रिंस हो गरिं

सुल'देश हिन्'हुँद'द'यन्म'ल'हु न्नल'स्राम्बन्'यर'यर्म ।स'हुँद' वःमन्नारत्नुवःमयःमन्नारवेःमनायुनारते व वःवर्केन्यः नेरत्नुवःव्या विवर র্বানাধী চন্ত্র, বিধান ক্রান্ত্র, বিধান ক্রান্ত্র, বেখী বালাধান ক্রান্ত্র, বেখী বালাধান मान्मार के याव वा मार्थ में दि युवा नु मार्थ मान्मा चु मान्मार मान्मा मान्मार मॅरासुम्बरु दुना देर द्राये पेया दिन स्या सम्बर्ध स्वर्धा कु'न्नर'द्ना'न्हें स'र्स्य स्याया स्वाया दे मार प्रदेश हिंद ही स **श्चर्यः भेवाः वश्चर्यः अं।** अः भेषः प्राप्तः संख्यः हे प्राय्यप्ताः प्राप्ताः वश्यः है। अम्ब र्घ र्च है र हरे खार के असर पर्ने मार्गा पन्म र्झे अरम दे पर कर बानुकावाळे देहा। पदवार्यहे सुर्वे प्राप्त देहा नुवासहे क्रिया गुहार स्वाया मानुबन्धामानुष्यामान्यापामान्यापामान्यापामामान्यापामान्यापामामान्यापामान्यापामामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामामान्यापामामान बावि स्वाचि अटका की अहल स्वाचि कर का की अहल स्वाचि मानेरा सुरहेनात्राणु र्झे सामिरामु ररे रत्मव र तु र्षेटा माधि व रहे। व र र सुला २.६.चकेषु.ध.बर.कैर.त.२८। श्रूच.२त्ब.तर.बार.वेट.चेवय.क्षेत्र. अप्पर्णने वाता के सम्पर्णने के सम द्र, द्र, दृष्ट्र, भूत, भ्राप, भ्राप, भ्राप, त्रप, द्रीत, भ्राप, ८णुरःर। बेबान्यस्याया बेबान्यस्यायमा परवार्यसम्पर्णापुर यह ने प्राचा कार्या के त्या ही व तरहे व पारे के अपन पह ह का पार्ट मा कर कि प्राची

ञ्चित्रः अर्थेद्रः अर्थेद्रः सम्बन्धः विष्यः स्वरं मी. भू. पर्वाचया व्या व्यापाय वृद्धाः प्रमाण व्याप्त व्यापाय विष्या । देष'यर'[(९चेश']व'हॅग'यष'ब्वैव'हैट'९६'रुष'क्षेष'क्षेष'विष'९वर'र्रे। देहैं पर-पुरन्ने न प्रपर-पंत्र वायक में में के लाक कर कर कर कर कर कर का कि ला के ला है हैं है। हु-म-न्मा न्मिम्यायाहि हुन्य विवाया च व मेरि कुव नु म्मिया मा र्न्रियामार्म्या वयार्मेवराष्ट्रीय व्याप्तियामार्म्या व्याप्तियामार्म्या ब्रैमा ब्रिमम्बर्धास्त्रुही ब्रियम्बरम्बर्यस्या पुरापेरामास ल. वै.ज. प्रें.ज. क्रेंच. क्रेंच. क्रंच. क्रंच. क्रंच. क्रंच. क्रंच. क्रंच. ज्ञंच. ज्ञंच. ज्ञंच. ज्ञंच. ज्ञंच. दे ब ब नवर्ष में ब ने हि ए हु या ही द र पु ब कर हु व र इ द ब र ब ब कि र मे है । हि र यह पा ब र है। पर्वन में में हाथा मबुनाया देया हैं वा सेवाया है। सेवाया सेवाया है वा सेवाया है चर्चार,चर्चे,खुर,चर्चाय,**चे**ट्य,तर,वैश - २.चेट,**चे**लब,चेल,र्ने,वैश ४<u>व</u>ूर, ह्र.भ्र.विट.कित.रेजु.रेटा चीव्रथशायात्र्य. अट.रेटा ब्री.लट.रेचा.कु. พ.ฐปพ.ก.ปัตรูะ.ภู.อิ๊ะ.ไ พ.จ.ริ.นโ.พ.ห.ปู้เพ.นโตูน.ปัตวีเปลี่ปม. है। विस्राचैर्से छ व निमा स्राप्त है । विष्य निमाल स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व 8ु८ः,५व.चो.१चो.७व.घ.चेँटः। तथ्यः,त्र्यः,ईव.**३व**.५.४५४**.ते.ते.ते.ते.** <u> नणर रे न्दा वे के जा नणर विशेषवेदाय रे खुल के प्यणल कुलामा दिश</u> สะคริสรัสรุญั่ฐผาเอลสรคริรุเ ซลสรชรุเล**น**ามังคร**ามด**านลิเร**ิสร या** व र्हर कुं कुल पॅहे पुरमें हैं रब हु हु द द द ब व ब पॅहर हु द र व ब न कॅस'ल'मर्गेन। नन'म'रुब'म'रुम'रम'नु'मुह्म। नर्गेव'सकॅ**म'मसुसम्मु** हेद्र'पद्यम्य'परि'स्रेपस्यु। कुर्रे'स्रापद'र्य'५'५८'सः दू'प्प'द्र'रदिर'र्प्युद्रा

इन् भी तब्द्वाताल ता कर क्रिंत ता स्वार न्य च्या त्या श्रीय पुष्य यह या देवा के वा क हे हैं र अ अधुव पर रहें र पर जुर पा लग है पा हें र पर अ रत्यावया ३८.४.१ इ.५८.१ इ.५८.१ व्याचारा व्याचारा व्याचारा में खुर्यायात्वरक्षरमञ्जेदा न्यत्वरक्षरम्यात्वरम्य द्वरम्य विकासम्बद्धाः ५ दे में है अ के रायमा পনাধ্য-ট্রীধ্য-গো सु'मृह्द'क्रेण्य'पवट'प'दे'श्यु'प्द्र'प'देय'प'देव'प'वेः मुन्यर के मिन्द्र प्रति विद्वार मुन्य प्रति । कुलर्धार्दार्दाः व्यवदर्धाः **इ.स.स.**कुषार्दारा पुत्रासुरादेनावारा द्वारा प्राप्ता स्थापन रैन्यायायाविस्यानुस्याक्तात्त्र्याम्**र्वे**त्र्त्रं ख्रियाम्यादाङ्गस्यात्त्रं √देगसात्रास्य वःरी दःमिक्षैरलक्ष्याद्यस्य दिर्देशस्य मिन्तः वर्षे मान्यस्य भैरल वःरी हिंदाणुःर्मान्यायाध्रम्भनावः श्रेताः हैनाः हेवा हेवा हेवा हिना प्राप्ता प्राप्ता मीमिश्चरःमीसर्प्रश्चरास्यः क्रुंग्रिय्ययः सेर्ययः सेर्यायः सेदा मित्ताः चुर्द्वस्य देयः र्वे न मुक्त मित्र व रायका के रायका विस्तार कर से स्वयः मुक्ते का स्वयः स्वयः मुक्ते का स्वयः स्वयः स्वयः स्वय इस्तार के स्वयः स्वय श्रेययः र्वो अः र्वो र्वा वीयः श्रयः र्वो क्षे र्वो द्वे राव्या व्या स्टार्वो रुव्ययः पुः इवसः सुः र्क्षेटः विटः विवरः वादः विवरः विटः। नटः विनः रेश्यः केः हेन हैं พ.พะ.ฆ.ชุขนาก.ปู.ชนุนาตาพน.พะพ.ช.ลา.ลาสะ.ชนั้น ปี.ชัน. ब'कु'रिन्य'हेंट'हे ५.८' वाराम्या हे पाई नवारा १८८। हैटाहे केब **यः** रट.सैनाय.ब.ध.में.त.लवा हेट.बेट.केट.ड्रंट्रकव.च.ववा पक्षान्त्राहुन्याक्षेत्रा देखान्याक्ष्रियात्राह्यात्राह्या

है|९'८२'नवर'तदेन'०वर्षे। हे'व्रापनेपनदेशकावष्ट्रान्यप्याद्याह्य 월드차다,스크다,진,美로,진,스레,데,퇼로,스베노,로며,네워,피다,황,화,륌디,다,늄노!
 ଦ୍ରୀ ଥିବା 'ଗ୍ରିଶ'ମ୍ୟ'ଞ୍ଜିପ'ଶ୍ରି'ଟି'ୟ'ଅଟେଶ'ଶ୍ୟଶ୍ୟର'ନ୍ଦି।'ଶି'ଞ୍ଜି''''
 र्भगनाम्। विराह्रियान्तराज्यानयान्त्रीक्रान्त्र ठेमा'ठर' ल्ह्न् याक्षेत्रयाकुः यान्दारह्ते **वेसान्युद्यायान्दा** অ'র্থই'মা'রা ला भे राज हुन मा प्राप्त का सुनका सम्मान प्राप्त के वा ๆรูณรูาณณละรละ**ปูละระเรทีลานะผู้สาน**ละศูสูระรอาชิเรศียลานา धेवा हिंद्रहेर्हरा**ठेरलाणटाकीयम्बनाचेरायादेखी** श्रीश्रीराहेनायहराहेन न्याश्चर्त्रायाधिवार्षे। **अराप्नायिकासेन्यानेनाः इ**ग्यादी। सार्थरा हेनायिका णुट'श्रद्भाराभेद'द्रं। ऋ'र्ऋर'ह्रेन्'यद्भैः नेवारयाकेद्रयाकाद्वयादर्वेराया न्र नेर गुर इस पर के हैं न मार पान का **न**्भ'हे'कॅश' श्रम शर र ५५' ५५' य़ॱऄ॔ऀ॔ॱऄऀ॔॔ॱऄऀ॔॔ॱग़ॻॗऺॺॱय़ॱऄ**॔ॖॱय़**ॱऄढ़[॔ॣढ़ॕॱ)]ॷॕॺॱ[ढ़ॎॱ]]**१ॺॺॱ**ॺॖॱऄॗ॔॔॔ॱय़ॱॱॱॱॱॱ ष्रयम् उत् के द्व देत पेत् त्य पु पा के वृष्य मा वाय है प्यत्न पीय के या द्व यर^ॱबै'मुर्दे। नेॱवैद<u>'न</u>्दद्यस्य खेन्'या चुब्यस्य र त्कुर दें। इद्याप्तः **षेर्**'ल'चु'म'बर्'मबंद'मबं'मडंद'मॅ'ल'चु'म'बेद'म'ब्लेर'र्,'चुब'द्दा देपार्द्वेत <u>५६५-८स्याते वरायाचे उटाके उटा इवायाच्याके याच्याचेया</u> मर के हिना मर १९ चुरावा मनुषा मरका हर्षे ना महे १५ वर्ष १५ वर्ष मा के दारी **दे**'के'हेन्'यदे'हेर'दे'वदेव'तु'वण्चर'[[रका]|षर'दन्यवे'कॅ'कॅर'हेन्'या'' **৯**८'য়ৼ। ৼৢয়৾য়ৼৼ৾য়৾ৼৢ৾ঀ৾৽য়ৼড়ঀ৾৽য়৾য়য়য়য়৾ঀয়য়য়৾য়

चण्वाणुटार्थार्थराष्ट्रान्वाधिः ह्वाया केरावा क्राव्यका उर्दे संविद् बेद्रायालाहेर्दरात्ह्यावुर्वा वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः व्यावार्वे वायाञ्चरकायरः क्षेप्रयुर्द्यान्दे विष्युर्दे विषयुर्दे वि नेप्तराव अट न्या प्रते स्रार्थे में मार्थि के स्वाप्त के विकास विकास के स्वाप्त के स्वाप ॅम**ा**की ब्रुटामा कुटामबेटकामा **भेवार्वे। देवा**व 'इवामबेव' ५ 'के 'इवामा इस' के'रुट'र्हें। इव्'य'**केट्**'य'**चे'**यं **केट्'यर। र्हे**व्'ण्य्याहेक'सु'इव्'य' न्ता वस्त्रारुन्यहित्यराहे हुन्रात्युन्। हुन् स्त्रारा प्रताहे हुन् र्शेंद्रश दे प्रवाद प्राप्त प्रवाद के स्वाद के स्वाद के किया में प्रवाद के स्वाद के स्वाद के स्वाद के स्वाद के ८व्चैर'सम्बा प्रमान्युवाच्चै'वृद्दायम्यन्यः हेन्। २८.पृथारपालाश्रीयाता श्रीपातावश्वात्रत्यात्राच्या यरयाप्त्राची. क्रुब•्, समारुद्राध्यायरार्यणुरायाधेदा विवामसुद्रवासी यदाकार्य**ु**। ग्रा बाला ने प्राया वितावि प्रियो प्रियो में वा निविद्या विश्व विताय विवाय प्राया विवाय विवा त्यन्'ने। वित्यव्यायावरायाञ्चातन्'नु'रन्नाम्नाह्मवरायराञ्चेयावयः भैटा हेराममण (या।)। समासार्यम्यायर हिवादा रेया धैकारमा भैना **Ӗ**न्रवासरामुबाद्यासम्बन्धः ५८ॱमॅग्देग्बेग्बे**र**ालग्व्रवासवेग्रेसम्बेकाम्यदेग ्मेर-दुर-वैका देग्य-स्वद-धॅक-द्मेरियद-((वः))श्रेमकाय-द्रा देर-ष [ॖ]ॸॖॖॴॱढ़ॖऀॸॱऻॖऀॱॱऻॻ॓ॱॸ॓॔ॱॺॕ॔ॸॱॻॸॱख़ॱॿॸॱॸॕढ़ॱख़ॸॱढ़ख़ॖॎॺॱॸ॓ऻॎॾख़ॱॻॸॱऄॱॸॕॖ**॔ऀऀज़**ॱ अवरर्पायम्य स्मेंबा धुम्य महिनामम्य पक्षेत्र वि न महिन्दर चकुल'चलद'क्स'चर'से' हॅन'चर'खला हॅन्'च'र्घुनस'न्डेन'रस्स्रे

अभ्यक्षयां श्री-विश्व-द्वयः प्राप्त स्वयः व्यव्यक्षः स्वयः व्यव्यः स्वयः व्यव्यः स्वयः व्यव्यः स्वयः व्यव्यः स्वयः व्यव्यः स्वयः व्यव्यः स्वयः स्वयः

ज़ॱढ़ढ़ज़ॱॺळे**ॺॱ**ॸॖ॓ऻॎॺॱढ़ॺॎॺॱढ़ॕज़ॺॱय़ॺॱॸऀॱॷॸॱॼॗॸऻॎॿढ़ॴॱॾॕॗॱॿॱॸ॔ॸॱ कुरामरसम्बुग्नरान्वेन १६सम्बुश्ररान्वेनावेसान्वेसान्याः। र्देनानुसान्ने वर्षः भर् र् खूबा वे वे ब रचर में ब खुब मा हैन वर तहन पुरा र र **१.व. गुेस** १९६ म् १९ १८ म् १९४ १९५ १८ में बर्गे । १ ४४ गुेस १९ म् १४ गुं सामकेस ब देर र र से र है। विनाकरातहनावादाराज्यावे प्रोत्राचिताया मुयादाके हेया देयादा रेग्यातहे नामायाया यदा में समारे रेयातहे नाम् में या हे। व्यायाम**्याम्याम्यान् अन्तुसम्मान्याः सन्द**ार्**यायाम्या** वसया वर्षा सिवार प्राप्ता के कि स्था सिवार प्राप्त के प्राप्त स्था सिवार प्राप्त सिवार सिवा र्ह्रव हेव के तर हा हो। हिन्द है केव माम सुर राम गुव की नेव गुव महाम का विशन्ताः **इ.स.प. पशुस्रायापहेदावया ५ दाया देताया ग्रेया** केंया र्श्वेतायहाय यर'षट'त्रहुनाःहे। देवसासार्नुष्पट'दनायर'देश'यर'हुटला य'र्साराहु" विवःसःमञ्जायम् पकु**राञ्च स्यात्रियः हितःव सःस**रसः कुर्यः पङ्गियः । बै:पेनादावम्याउन्याविदायदे:रेनायान्यः मेयानुप्रावनाउन्यायहन्। हि.हेर.४वीर। ह.हेर.४५८००८०४०४४५१८०८०४विथ.वे.वेथ.वेथ.वेथ. षट्या सुर्वे त्या स्ट्रें चे स्टेब्र स्ट्रें व स्ट्रेब्र स्ट्र स्ट्रेब्र स्ट्रेब्र स्ट्रेब्र स्ट्रेब्र स्ट्रेब्र स्ट्रेब्र स्ट्रेब्र स्ट्रेब्र स्ट्रे क्ष्यां देशमु देशम् मुवा ह्रिटायाम् हेनासुकार्या स्टायाम् न्बर मुं देर हेरन्य पर रच्चा हिन्दा शेर हिन्दा सम्बद्ध प्राप्त है है स য়ৢয়৾৽য়ৼয়৽ঀ৾য়৽য়৾ৼ৽৾ঀ৽৸য়য়য়৽য়য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽ **ॻऀॱॸॕढ़ॱॸॖॱ**ऄ॓॓॓॓ॺॺॱॻक़ॗॖऀॸॱढ़ॺॱढ़ॼॕॱॻढ़ऀॱॸॕढ़ॱख़ॗॸॱॻॖॺॱढ़ॺॱॐज़ॺॱॻॺज़ॺॱॸॆऻ

য়ৢঀয়৻ঀয়ঀ৾য়য়ৢয়৻ঀ৾ৡয়৻য়ৢৼয়৻য়ৣ৻ঀৼ৻ঢ়ৢ৾৽ঢ়ৢ৾৽য়য়য়য়য়য়য়ঽঀ৻য়ৼয়৻য়য়য়য়য় য়য়য়৽ঽয়ৢ৽য়য়য়৽ঽঢ়৽য়ঢ়য়৽য়ৢয়৽ৠৢ৽য়৽৻য়৽ঢ়ঀৄ৾ঢ়৽য়ৼ৽য়ৼঢ়৽ঢ়৻য় त्त्रेव'स्य'त्विर'म'अर्द्घेट्य'म्र'प्र'तुव'मुव'मुव'म'<mark>खेव'म'सुट'नु'अ'व्या</mark> रे'ल'षट के'बेबब पार्वे पुरे क्षें प्ट प्ट रहिं। वापहेन्या पर मॅंबर्याचॅरण्यतः रूचना रूबुबरही क्रियाना शाहें नहा देवाव स्वर्मे हिरी षेत्रताचेत्। रहाताकुहानात्हा हेन्यायात्ता हेन्द्रायाहेन द्व.टे.क्र्यायाच्यायाच्याच्याच्या ज्ञाच्याक्राक्षेत्रे व्याच्याचा देन्याक्नेयादेन्यरायाद्वेषाया क्षात्रययात्वर्षेत्राची क्षेत्राची स्थाप्तराया प**र्र**शंचर में प्रायः प वनायान्नायाम्याम् विदासित्याम्याम् विदासित्याम्या लन्याने। स्रवासायाने स्वरायाया विवासके विवासके विवास स्वरायाया रैकाचुैराविनायायान्नावायवाङ्खायरावानुवाने। र्ह्यायवायवायवायेनानुग्युर वयात्रेर्म् प्राप्तिराद्वराधवाञ्च हत्याः हिन्याः ह्या स्थान्यासुर त्वरायरः 54.xi

लाम् वित्रहर्षाक्षानुष्ये दुराया विषया व्यवता व्यवस्य वित्रा न्यव प्रभूषा ब्राह्मदाकुष्य स्पर्मा पर्व दा अपने निया माने वापाण वाणा पर भिर्दे म्बाबाद्या के वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे प्रतास्त्र वर्षे वर्षे प्रतास्त्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व ฑุาลาลา ที่ าผาผาซัลา**ยลลางการีลานผลาป็ลานกุญาติกานกา**ตุรฐาคา त्वेवयायहे के दे हे दूर विवस्य विवस ला ह्रेंबर्नेबर्नेप्रतर्भातिकात्रे विकास देशे देव जादब जारी की की की है जा है है कर व कि ले द से अ खे का ता से अ अ र अ चराकाच**ड अधाव वाल व्**षा देख्या विकास वित वियामश भूभर्**दश**ष्ट्रीकाम**३ सम**्बयात**म्याम् पृत्राम्ये रा**र्द्रासी नटानी से निया है रहें राया प्राप्त कर दे के प्राप्त के स्वाप्त कर से कि से प्राप्त कर से कि से प्राप्त कर से क ५चे्र व्याद्यादेश देव पर्वाल ५ गा साल मे्र लिया है सा दृशे (५में द्यापाल) मूलामानिमान्याच्यात्रा पक्षस्यवयाम् दर्दे देवस्यक्षयाम् । देवस्यक्षयाम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम ष्ट्र-चुअयःपःश्चितःतुःत्रः वतः**गुःशिः ञ्च**रः स्ररः प्यत्ययः हे । पब्ययः स् मन्द्राच देव प्रमान्य विष्या रहार मानी स्वरापु मिन्द्राम देव सामा **षटा रेक्'र्य'के'न्केर'**न्दुत्थ'स्ट'र्यंदे'हॅंट्क'सहन्'र्ने

तक्री, बंग्नचंद्र्यंद्र्यंद्रायात्र्यंद्रायात्र्यंत्रायात्र्यं अथवात्रा स्वांत्रं व्याप्त्रं व्याप्त्यं व्याप्त्रं व्याप्त्रं व्याप्त्रं व्याप्त्रं व्याप्त्यं व्याप्त्यं व्याप्त्यं व्याप्त्यं व्या द्यान्याम् पुनान्यान्याः भृषान्याम् द्वान्याः स्वान्याः स्वान्यः स्

अ.क्रें अ.चं ४. तं १.५. अवियानात्र्यातरानीत्य्वे त्यात्रात्ता वेताञ्चा ॿॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱॻॖऀऻॸढ़ॱज़ॱॴॱॳॖऀॱॳॱॶॱक़ॖऀज़ॺॱॻॖऀक़ॱज़ऄॸॱॴॸॸढ़ॱॻक़ॱज़ऻॿ॓ॴॴऄॱ 5 अपियास सहितान्याप्त्रीत्याणुटा बेराहे। दे वि पास्त्र प्राची सेरामहिरा पाकुष्पराङ्ग्रेष् भुष्यायापयर् पाधिनार्वे। देशस्यायायाये वियाद्या . तथः च्च '८८ रहे. पुटा **न**ुटा पटा ज्या दे रहे छेरा पहे नयः दाये नयः g'नहें श्चु चुर हैं। यसर ठ८ निर्देश मेर निर्देश के नेयर निर्द पॅरि'तु'र्स'पुट'कुप'सेसस'र्पर'धुद'रस'न् वेनस्'णु'सुव'प'देन्।'नैस'परि'" बर्टे द 'हेद 'परे मृप्यि' मृत्या प्रमृत्। अर्हे द 'हेद 'दे 'य' द्व 'म्' महुम्रा चुमा ॠॕॸॱय़ॱऄॗॸॱऄऀॸॱॗऻॖॺॖॱॗऻय़ॸॆॱय़ॱॺॺॱॸॖॱढ़ॺॕॱय़ॱॸ॓॓ॱॵक़ॕॸॱॸॖॆॿॱ<mark>፠ख़ॱय़क़ॖॸॱ</mark>፠ढ़ॸऀ**ॱ** लःर्भूरःपःकुषाः चेरःपःप्टः। पर्वदः पॅतिः ब्लाव्या**र्वः है** सा दृतिः **वासुटःप्टः** र्वि'र्च'के'खब'र्दट'र्च'के'ब्रुटा**नस्ट**न्स'व्याहे'ब्रुन्यायास्याखटान 필지"이 लसः मृर्वेल'यर'यवेत्'व्वाः क्षेत्रामहत् यर'द्वेत्साव्याः स्वाद्वाः विद्यात्वाः वि

सुर्हेन्'यर्द्दर्या न्युट्रविःहे्'यर्दद्र्द्रम्युब्रास्टर्यायसा 진절,요, **वे'मर्डद'र्घ'श'कम'श्रेर्'रुघॅन्ब'मर'म्बेर्'रो** र्ह्विद'र्घ'क्रम्यु'र्दे'मर्डद'स' य़ॖॱढ़ॖॱॸऀ॔॔॓ॸॱॻॶॺॱॸऻज़ऻॱॱ॔ॿऀॴऄॣॺ**ॱॻ॔ॷॴ**ॖढ़ॱॾॖढ़ॱॻॸॱऻॻॻॹॏॱॾॱऻॻ॔ॱॿॱ त्र्रेन्याः युन्याम् वार्याः विवासान्त्रेत्वाः विवासान्त्रेत्वाः विवासान्त्रेत्वाः विवासान्त्रेत्वाः विवासान्त ८४५]विषाक्षा सुर्धित्र स्वाच्यात्रात्र हेरातेषात्रुया सुर्वेषाप्यवाधात्र्यात्रस्य हे.व्या.[ज्या.] ८.इट.[ब्रू.] तर.टे.तकुर.यथ.के.त्याचाया षयादारी तुररेटाम्रार्सटाम्सुटसायसा तुररेटाकुटारेटासरास्टाबेरा वयाची मृत्वारव रॉनर वयानर विटानु र्वेया नेराहे है खुन्यान्य प्यार खुट्या वयान्यराम्बर्मुदार्नेन्यराने। ज्ञितासाम्बद्धरसामानुताम्बरम्यराज्ञा নাগ্রন্থান্ত্রা কলাশ্রিনান্ত্রান্তর্থানের কান্ত্রান্ত্রা রুধুর কল্মা खु'न्यर'न्यर'यह्ट्र'वयायात्रा 🔆 श्वावयापार्यारायराष्ट्रेर'पठा। ·교육·교·[[회·석·회·밀드·] ㅁㅈ·립*학·*석회 떠ㅁ·릡ㄷ·떠ㅁㅗ·근·뷫회·근·미쉬미치 चठवः देशःचणवः प्रविषयः ग्रैःभैःने**ः ग्रुअः**अ६**८ः वशः ग्रैनः धः** यादः स्ट्रा मुर्वेग्'विसर्स्रु'विरा मुर्वेग्'हेरि'धुन्'सुल'द्रास्रहेर् विसर्हे सुरा पर्व पिरायाञ्चा अपयाप्त विषया विषय क्रुचेश-तप्रज्ञाचर, त्ये चिता, त्युवा, त्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, ठर.रे.वेद्रवालवानिट.रेट.वेदयावेद्वावद्ववा रेनुद्रयात्राह्यस्या ผูกส.ร.(บฺตฺา)๕.บฺติ๋.)ชฐ2.เฐ๋.)ชฐ2.เฐ๋.กษั่า **ঐ**'ঘ্ৰম্ম'ড্ৰ

क्ष्याच्याम् स्वाप्तान्त्रा पश्चित्राच्या प्रमान्त्रा श्चित्राच्या प्रमान्त्रा प्रमान्त्र प्रमान्त्य

美·蚁·至, ने व ब सु वे प्यर व प्राप्त मुद्रार्थ है सु ह म्ह र्ये व रह रहा พอาปู เดคา อิลลา ๆ กุรารลราร ะาลสูลายราคยะลาปู าธิลา ยปู้ ราย न्मॅंटबरव्या ह्वतिः अर्केन् ग्वत्यः स्याः मृष्ट्यायते । अस्तः खरान्या ሉሾጚ፧ቜ፟ጚ፧ቜጚ፞ፙ፟፞፞፞፞፞፞፞ፙኯቚ፧ቒ**፞፞፞ኯ**፞ፙኯፙ፟፞፞፞፞ቜ፟ቚኯ፞፞፞ኯቔ፞፞፞፞ዿ፟፟ጜ፞ቜጚዀዀቜፙዾ፟ጚ፞ጚ፞ጜ፞ . श्रुर्दराया विरमेरमान्दरमान्द्राह्मद्रमानुदरहुनारहेनानुदरहे। हिरया भे नेहे स्टर्भ सुल प्रमा सुर द्वापायल गुरू पातृ सर पात द पा पहेना गुरा। हेरे.रिध.हेर.की.पूर्य.हे.संबरहे.पर्वेषका वयायट्रावयवाह्यर.टे.हैं तंय है। [नस्यः भिन्। कृत्वन्यः भी विन्। नसरः नस्यः स्याः स्वः चितः चुनः परिः हः। निरः ष्ट्राणुरुष्ट्राच्चे केंद्राच्चे वार्मे वा बहरा बहरनेत्रकेत्रस्याविष्यान्यात्रा रस्रहेरिःस्राप्यास्यास्या वन् में या ह्वे या द या द या वया सामराया न्या के र न दार यद ग है या हे या विषा स्तर् हे हो हा ने स्तर हा स्तर हा स्तर हा स्तर हा स्तर हा स्तर हा स

मरव मंत्र प्राप्त के ते में प्राप्त कर में कि हि ते कर के दि पा खेला ला विन्'र्वन'त्वत्यावस्यावस्याउन्'ग्रीयार्वे द्विन्दास्याविक्यायात्न् प्रेथा,ग्रेथा,अष्ट्रट, पाधु, इंथा,सेथा,श्रुयो,पीश्चरका,येथा,पाधा,श्रुथो, प्रसार अथा, उद्'गुैर्याहेरी'मण्र'पद्देर'द्रास**र्घ'स्य'सर'र्घ'स्य'**मय। वि'हेर्ना'मेरान्षु• चेरा नाबेर'न्ह्य'वटब'ञ्चन्बा प्र'वच'क्रू'क्रेनब'ग्री'र्नेबा |**८.**१८८,धूर.पूर्यातिःरसःश्चरातिः,धूराचसःयाः,धूराप्तिः।दास्याचश क़ॾॕ॔ॸॱॾ॔ॺॱॻॖऀॱख़॔॔ॸॱय़ॕॱक़ॆढ़ॱय़॔ॱ**ढ़ॺॺ**ॱॸ॔ग़ॕढ़ॱ**ज़**ऄॸॱय़ॱय़ऄॣॺॱय़ॱग़ॗढ़ॱॻॖऀॺॱय़ड़ॗॺॱॱॱ वसःसक्र्यान्यन्त्रां कृष्वानात्त्रानुत्राचर्षात्रव्याप्तरेव्यात्रवात्राच्या **क्षे.हे.**चेब्राह्म स्वायानी स्वायना स्व बाजन्यात्री सूर्याताबाह्यरा दिला बुरात्रार धिलाक्री हा ज्यापन

 न्याकृष्ठेग्याणुदार्थे, स्याकृष्ट्याकृष्याः सम्याक्षाः
 देशाकृष्ट्याकृष्याः
 देशाकृष्याः
 देशाकृष्यः
 दे मुलास्ति ब्राक्या गुन्यास्ति बद्दार्स्यास् लालयावसार्म्यास्या त्रायक सुना पार्ट प्रकार देश है नुवायक न्युटक द्वा चुन्। येद्रायर चुन्। व्वेन्यरूप्य पुर्वे । ययस उद्याय अध्यास्य प्राप्ते साम्य साम्य साम्य साम्य साम्य साम्य सा **बारी (बावाबारी व्यावर्ध**न के कुनाया) तत्याचिर सकॅन या प्रमीन देन विना यःगुवः वर्षः वर्षः वर्षः इवः यः द्रः दः वर्षः इर'प्रेषेत्र'वर्षेत्र'स्यास्यापायान्द्र्याप्यापवराहत्युट्राप्या -WE' **मगुबार्यान्दर्दर्वायार्वेरायवाय्येयार्येवयार्या** ट्रेन्बयार्वेतारहेत्यंयाग्वेर व्यापाया क्रिया ग्रीप्रिया स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्य [गुन]६र अदे ग्लामनेना व्या व्याप्त व्यापता व्य नुदानसामदानग्रेसायुवाः[(भदाः]विदेवाः पद्रस्य स्रा देवतः रें हिंदा हाया कट्रं क्रूंकरत्रुवान्त्रे त्राचाया कर्षात्र वृत्य क्रिया हराया विद्यायते विक्र मानवीयाने। लटाअकूर्राह्यालानबटाटवाविरानवा अथवाववरारटारटा स्रायुष्ट, प्रयायाया किया दे । या विवादि । हो । या व्यापाया विवादि । या विवादि लगर् क्रेलि. श्रान्त्रा शावका क्षेत्रामा अध्यम दर्म क्षेत्रामा विषय म्रामालास्यावः सवारतस्यानस्यानस्य । त्रीयासरास्त्राम्रामानस्य

अबन्सु ने पार्टर मिति हा दिन्छे जायन हा **ब**ा

नेरव्याक्षर्यन्त्रवर् वृश्यावायतुष्यात्रव्यावायवेर**्यश्चनयारा**] ८र्मेचकास्यास्यात्रत्रावराष्ट्राच्या (सबरा) क्षेत्र्या ख्रै**यावरा नृ**ष्या मुंवारा स्टबाही लया मुनाबेचवा सहिर्द्या है। के श्रम्यामन वा लूद्याच्चर,४र्जू, तर,ने.चक्याचक्या जू.लूदक,घचर,से.चक्र,घनुक,वक्र, कुव्कार्थन्यायम्बद्धायान्यात्रात्वत्रात्वत्रात्वा म्यामान्या स्यान्त्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र्रात्र्या त्रमान्या त्रमान्यात्रात्रात्रात्रा ष्ठन्यायकार्यकार्यकार्यक्षेत्रवाद्यम् । क्षेत्रवाद्यम् । क्षेत्रवाद्यम् । पुरवामरार्षुःक्षरायामा समाप्तराया इतका है। सुरक्षका सुरवे पार वर्षे समास्त्रा सुला श्चेनॱत्तरान्यहुरम्हेत्राबाह्नरविकारम्युटार्थि हेरमुरङ प्यनुवर[[यर]]०१ क्षेरित्वरणा खुॱवेॱपठव पॅरि रशः वापठ शःव व अ व व रे शः भवा व क के दे रे पा निव के के दे राम के व रे से व र र र वे व र र रे व **बॅबान्यान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य** ह्यु न्याने प्रें न्याने दाया प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त व्यामयात्री मेन्द्र वा वेराने सुरनेषा मदवामेरे मनामाने व्याप्त स्थान पट.श्र.मै.प्र.वट.वट.टे.पश्चथाश्री

पुंक्तात्मकार्धेन्याम् विष्याचे वार्षेत्राम् विष्याम् विषयाम् विष्याम् विष्याम् विषयाम् विषयाम्

हरार बासहार्वासी कैपासी बराजान्य वेदा बेटा हिंदा में बेचा स विवयामहरादयाविवयासु छ्रा स्वयाद्य वया द्वार्य वया स्वयाय स्वया स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय ह्या कुरामाछ्यामान्यम् न्यामान्यान् कुलाध्यारारा स्टान्यान् सुराहे स्त्र · पत्रा चिलानु प्रेटाटवाके प्रेटास्टायर मारकव्यवाद्यार्ग् है <u>स</u> हा ਜ਼ੵਗ਼੶ਜ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼੶ਫ਼ਫ਼ਜ਼੶ਜ਼੶ਲ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑੑ੶ੑਜ਼ਜ਼੶ਫ਼੶ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑ੶ ४^५६८ न्यार त्यार त्यार द्यार द्या देवा पुर हो। युर हेवा द्या विषय हुंबा घरहेंबा चर्हाता **बरहेंबा** झरहित छरहेंबा चरत्रेणला **मु**'न्निहे र्ह्नेद'र्स 'न्मना पु'सेन 'र्ने। कुला सु'ने 'द'र्हेन 'र्ह्नेद'त्रा पहुंद' श्र.ष्र.ष्र⊏श्र.पचथर.कें.पर्श्चर.वें.प.र्यटा। ४वें.्यिच४र.्येथर.पू.कें.वैजा.िया. ॸॖॱॻॿ॓ॺॱॸॖ॓ऻॎढ़ॻॕॱॺॖॎऀॱॻॿॖॸॱक़ॕॖॺॱॸॕॸॱॻक़ॕॣॺॱॸॖ॓ऻॎ क़ॗऀॺॱॻॕॱॸॆऀढ़ऀॱॿॺॱॺॺऻ ८६८,मीट्रयं मिल्यू प्राप्त क्रियं की स्थान मिल्यू के स्थान स्था हिं। वटा है अर्थ अर्थ वे वा की वा की लिया ना विकास की वित শুর্পে ট্টি' অ' ক্রু' ছি' ত অ' উব্' ই অ' এআ ট্টি' অ' এ' ব্রাক্তি আ উব্' ममा विन् की रवा निवास के सिंदा निवास के सिंद निवास निवास के सिंदा निवास के सिंदा निवास के सिंदा निवास निवास के सिंदा निवास निवास के सिंदा निवास निव रॅं'न्यु⊏यः □□□मर'न्निहेस्याथ'वे। वनसर्थं'यार्थन्यनहेस्तरस के.प.र्भवयातात्त्वत्विष्ठ्यात्रा स्ट्रास्वरम्बयाताक्वित्वव्ययात्री

न्द्र दे द्र खुरान्द्रेया हे का स्वापन स् **ऀहिं**ट.तर.जिब.यू.वेथा.ीचेश्ज.तथा ६.व.४८.दूर.कु.वे.त्.त्याची **Ҁ҇ॱพ८ॱ፠ॖॺॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖ॑ॺॖज़ऄॴॱऄॗॸ**ॱक़ढ़ॱॳॺॱ**ॱॱॱॱ ढ़ोन**ॱक्षेन्यायर करा चेसा वसा स्नराकुट हैं 'हे 'न्चेटस ग्रे 'छ 'वट पादेट हा है ' **괴설터/네 후드·피미워·미용미·였스·디·宁·[恕드·] [[라·디·스드! ㅁ漢·겼·육퍼科·** न्दःषटः मुराबे : त्वान वा स्वान वा स्व *झे.*चड्र.७४८.४.८<mark>.८.५५.५८</mark>.६४.०८.७८.७४.४.६५८.५४.८.५४.५४। न्दःसंभागायस्याद्याद्यार्वेराम्याद्याराष्ट्रियात्र्यार्वेर्यात्र्या वसामानायह्वासायभूरामसामु धनासामाला देवसाधु घरायाहेनाया पत्नुस'मस'न|र्दु न| 'लन| 'विट'विट्'यर'९षव|स'म'त्रीय'म'लव|स| देबॱ**७**घॱबेबॱॻॖऀॱॾॕ॒ॺॱॎॺॱॺ॔ॕॸॱॻॸॱॺॾ॔ॸॱॸॕऻॱॱॱॼॻॱॿ॓ॿॱॻॖऀॱय़ॗॖॻऻॺॱॸॺॱग़ॗॿॱ **बेन**'र्स'न्र्वे'प'र्रा कुर्यात्रन्यस्य प्राप्ता अर्केर्यात्र सुस्यात्रा सुर यप्ट. विश्वयन्त्रं प्रवेटयन्ताना स्वीयन निष्ये प्रवट म्यायहरे ही नु 'चुट' परि' अटल' यट' पर्वेदा के 'के 'में 'वि' सं' त्या मु 'ति विट्या सं' खुक' हु 'है ' म्हिन्-कुलःम् सह्त्। त्यात्याक्षरःक्षेत्रक्षायद्वेद्रावक्षुत्या **स्याव्युः** रूष · चढ़ी को मु^{र्कि}र्य न्गुट 'नु 'म् वे**ग्यः** चति कुल में 'ने 'मॅन्'ल म्यावित्र है **द** के मालग्यः ¥I) √

मुलार्मादेग्यासुरस्यात्राचुटाहो विभाद्यात्रिक्षायात्रवा स्राप्ता

ण्डराम विप्तरामातु पुरामान वा क्षाहे कुवायुमा विकास दित प्राप्त महीमार्चे परवास्त्रमार्मारस्यामारवा के सार्वे स्वापारमारवा प्रिया संमित्रु माहिकासित मान्दा वे पुरे सिंग्या मुल कर महिन प्राट महिन व्याकवार्षेत्रम्हत्र्त्। र्वे**म्रॅग्वन्दर्वालःग्रेग्टर्**ख्ला**मःत्रा मकेमया** पचराष्ट्रिट.र्थेर.अ.**रेट.। झै.र्अ.पचराळाड्रा**ख्र.प्र**ाथा कु.र्श्चर.पचर.** हुव'मुै'सु'क्षा **हु**'सुट'मबर'**बे'र्ह्गन'ब'र**िख'**मम'रु'मबेय'र्या** ञ्चर, त्राचनीयाते। <u>[क्रयातिकात्राम्यात्राम्यात्राम्यान</u>ीयात्रीयानीयाते। श्रेमया मिष्ठेयाचारा भारत मिष्टा भारत मार्थे भारत मार्थे भारत में ब्रुट्चा प्रविधासकूट्यापट्रा**ट्या धः हेना हेरा**ला क्रुया प्राप्त हिना प्रविधास ॻॖऀॱॸॕ॒ॱॸऀॸॱमऀॱढ़ॻॖ**ॺॱॸॖॱफ़ऀॱ**ज़ॊढ़ऀॱॸ्**ॻ॓ॱॸऻढ़ऀॸऻॱॻॸॖॻॱढ़ॱॺॱॻढ़ॸऻॸऻऄॸॱऄॺऻॱढ़ऀ**ॱ मिरे मही महें मुं प्वुन्य महें म्बेर रहिमा ने रहिमा है स हैश'नव्हायावी पशुप्या**बु'हेवा म्**द्व**'न्य्स**'म्या **म्**ह्राप्यामी ७चिलाचाचब्रबाच्चिबाक्षे विचामा**न्यव**टा। **है.बराखेटारूरामहेग** क्वेंस्पया **भैन**' हेर्य प्राचनार क्रुंश हैं। दे ब ब हेर्ड बल ब ब **लय से या न्यान के व**ी दे हा था मर द र में प्रामु प्रामिश्व संस्तर हो। सुनाय प्रामु स्वाप्त सामित स्वाप्त स्वाप्त सामित स्वाप्त सामित स्वाप्त स

मर्दे। मूट्राबर्धकार्मुबर्भाययार्द्रार्द्रवाबह्दी पालकाम्ह्रेवाम्ह्रेवा ४ मः महा प्रदासम्बद्धाः स्थान्युवः पुरुष्वे प्रदेशे । प्रदासम्बद्धाः पुरुष्वे प्रदेशे । ॿऀॺॱॻॴढ़ॱॾॢख़ॱढ़ॺऻॎॿॖॖॺॸॱॸॖॺॱॻॖऀॱॺऻड़ॖ॔ॺऻॱख़ॺऻॺॎॸॱॻऀॱख़ॸॱढ़ॸऀॸॱॻॸॱॻॖऀॸॱ . इ.ची इंधु. विषावया है. या योपर. रेटा प्रयथालया जूरी रेटा परी ्रसूर'कुट'अकर'य'र्र्टार्टा ट'झु'विट'न्युव्य'केरअ'वैन्'चेर्'न्युट्य'व्य' मण्द्रकृषायान्द्रा कुन्लरायां वर्षाया शेष्युला विक्री सलाया · 五्रेंट्र क्षेत्र, ब्रेंट्र व्याच्या व्यवस्था व्यवस्था व्याची विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्य वामकासः विवानीकायामरामा र्वाणुटा हैते मा इन्यामा स्वानिकासः विवानीके प्रवान <u> नृष्धराराञ्चनार्यादायोहोस्यावरायाञ्चला श्रामान्द्रनामञ्चराद्रवाञ्चनाय</u> देग्वर्गींग्वर्ग्यराष्ट्रम्बर्ग्यराष्ट्रम्बर्गिवर्ग्यम् न्दरायराषु चारापरा देखान्दर कुला में पुन्य वि राज्या न त्रेव वे चु पति पात वे ना नी क्वें अप्त पत्ति न व व के कि न पत्ति । म्बिम्याम्यार्थ्यार्भुयार्भुग्यार्भियार्थर्भायात् स्वार्भियायाः । विवार्भियायाः । विवार्भियायाः । विवार्भियाया मसंबु हेवासामार अहेबा महवामें ते माना सामा अहिवा न्यामा माना लट. ८ हु चेथा वेशा चार्चा प्राचि मुंबा (चि) वे हु है र जूर कर चंद्र नह ट चर. **कन्'व्या** थे'सुभ'र्सुन्'यदे'कुल'र्य'याचन्'सुल'र्नु'यक्षे'रळक'रळक'रानर'पर्झ्नि'यस्। **६य.चय.तय.**८५.चे.चेथ्य.त२्य.चू५.केचे.२े.४चेल.ज्.खेय.तथा

दे.वथा.४६४.वै८.वै८.व.**६.पञ्**षात्रा<mark>पश्राप</mark>ष्ट,तथ.त्र.६.थविव.ता.... र्मन्यः तक्राच्चे प्राणुक्षान्ने। **४न्।**न्द**ः न्यु**काःङ्गेररे प्रविष्यद्रक्रार्दे प्राप्तुकाः पर्दः मृत्रायरात्रयन्याया पुटाङ्गा देदे सुरायराया विवासना मिटारी য়য়৽ঀৢয়৽ঌয়৽ঀৢ৽ড়ৢয়৽ঢ়ৢৼঢ়য়য়৽ঢ়৸ড়৽য়ৢঀ৽য়৽ঢ়য়৽ৼৢ৽য়ঢ়৽ড়ঢ়৽য়৸৾য়৽য়ঢ়৽ ख्रापुरान्रायाचीकायकेकाः, मेरव्युकायकुरक्षायकुर्युवाया हेराकेकेख्राया हु छ्टर सामान्या पक्षाक्षिताम् है सामक्षेत्र साम सामान्या सुनासा समाना सामाना बदः मॅं क्रें र प्यं कुंब ' दु ' चे दे । चु ' तद्य ' ल' खुँ नब ' चबै र ' खु नब ' वबै र ' खु नब ' वबै र য়ঌ৾৾৾5ॱहेदॱढ़॓दॱय़ॕॱय़ढ़ऀॱ॔ॱय़ॱॸ॓ॕॣॱऻक़ॗढ़ॱक़॓ढ़ॱय़ॕॱढ़ॖय़ॱढ़ॺॱॻॗढ़ॱय़ढ़॓ॱक़॓। ॺॸॱ **क़ॖऀॱऄऀ**ॴॳॱॺ**ॴ**ॱख़ॖॕॖऺऺऺऺ॔ॱ.२४।ॳॣट.त.२८। ॿऀॱक़ॖऻॳॳॸॱ२॔ॱज़ॣॱ२४।४ऒॣऻ ऄऀ॔॔॔॔ न्रव्याम्पर्या वृष्णिः सम्बन्धित्रवयाः स्त्रित्रवयाः स्त्राम्या सुप्येनायाः स्त्र **बन्दुन्दु-पुर्वे उबारम्। देविषाकी है** लाव सुव सुन्नि-नि। स्वापन्यी **८ग्रीयार|वरादीता व्राप्त वर्षाता वर्षात्र वर्षाता वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर** भनः बेसः गुवः कुः हुः विदः यवा **द्धानः** वर्षे चुः पठुः पठ्ठि वा कुषः प्रदः त्यन्या हे अठरानु मुराययाङ्गान्द या स्रीति त्युरावा निरायरा **५८। वर्षात्ररा५८। ३८**४। हैवयाग्वैप्रापराविवाङ्गेरव्याग्वेयामा **ॻॠॸॺॱढ़ॺॱॻ**ढ़ॏॸॺॱॺॕऻ**ॱॸ॓ॱॸॻॱ**ॻॏॱॸॻ॓ॏॻॱक़ॕॺॱॺॖॱ॔ॗढ़ॕॺॱय़ॱॗॏॿॺॺॱॺॱ**ॻ**ऄॗॸॱ मर्भसन्तरा महेदाम्णूरान्यामान्या मुद्दाकेष्टरान्यहरा महद्दास्यस्या ब्रुन्'वृह्'च'कु'ब्रुव्'क्वेब'व्रिर'व्या व्यव'कुल'वु'के'वहरायहा स्वह्यान्दे' यात्राचर्मेन्या **वयान्यान्यात्र्याची** स्वर्भानी स्वर्भा **रुवः** खुव चुैं परे पा वे 'झे कूब का पा प्राप्त प्राप्त हुर। परे पर पा के पा वा परे प्राप्त के पा वा पर पा के पा वा पर पा विषय के पा वा पा वा पर पा वा पा वा पा वा पर पा वा पा वा पा वा पर पा वा पा वा पर पा वा पा वा पर पर पा वा पर न्नातः नासुनः र नः शक्षकः ठनः नाचे नाकः सका क्रिकः सः सः सः वि चुः नानानः सहिः नित्र विषय विष्कुर्वन में दि स्नित् विषय विषय विषय में दि स्नित् वर वर विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के **૽૾ૢ૽**ॱਜ਼ੵੑ<mark>ॸॱॸॖॱ</mark>ॱॾॕॺ**ॱॿॖॱ**ॻऻॱॱ॔ऄॺॱॷऀॱढ़ऺॖॱॸ॔ॱॱॕॕॺॱक़ॣॸॱड़ॣॱढ़ॕॻॺॱॶॱढ़ॻॖऀ॔॔ॱॻॱढ़ॸऀॱ **धृत.र्याप्त.पश्चाभाषानाया** अघ्य.क्ये.क्.चे.देवे.वथ.क्रुय.के.चे. **5্ৰস্**ত্ৰংমা**ট্ৰংম্ৰা ১**'লেহাক্ত্ৰাল্যাট্ৰাস্ত্ৰাল্ডৰ্যট্ৰাস্ত্ৰা **ॻॿॗऀॖॱॱढ़ॳॱक़ॖॱॴॸॱॻॖऀॱ**ॠॸ॔ॱॶ**ॴॱॴ**ढ़॓ॴॱॸॖॱढ़ॻॗॱॸॱॻॱॻॖ॓ॸ॔ॱढ़ऺॺॱॻॴढ़ॱৡॺॱढ़ॺऻ <u> तृर्भेते, ष्ट्र्र्भ, ता.बैभा.बै.घभ,ता.जा.चा.चर अट. तृ.च हे स्वरा के स्वरा देश</u> म। देख्यामर्वरम् विः विः विः मर्वः सुः करे श्चरः याः विंदामः विं मान ८चल,पञ्जीया क्र्यो, इ.पी.ह. कील, लक्ष्या व्यत्याची, जा.चेयाकी, पीश्रियाला

मन्यायाम् कृषा त्युराकन्यान्यान्याम् कृषा त्युरार्यान्यान्या **७ चैर.** ७ मिनकातान्वेचा पर्वेर. रक्षारे राज्ये हात्वेश्वर हो ४ चैर. चुला कुलाराकुरहेनानी अपन्य संख्यार्जु । विकिशासिक ने प्राप्त के कि **५**८। सुरदार्घ के ५८। वेड गरस इस्ते ५८। कु द में था ५८.तबु.िश्चिब.२८४.५.त में २४.तम्बना व्याचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र १वयःपरःमुःपः८८। क्रेयःत्युरःश्चिपःपः सम्याःयः प्यदःपरे प्यदः सम्। हु। [िर्घनायरः] हैं के खुटः नृदा मन्तरं मन्त ष्ठेष्ण, प्रविष्ठात्तर, श्रह्मे ह्या प्रतिष्ठा चित्र स्वर्था । स्वर्षे किया प्रतिष्ठित स्वर्था । स्वर्षे किया प हीट रुक कुर हार वस हुर है। वस कुर हायदा दाय बुन्य या दरा वर् खलादावल्याकाराहे.यासुटारमासालकाराद्वस्यासुदारमाहो। हराहणुरा पा**इवराशपा हैंदारार्**टार्वराष्ट्री हैं वारार्वरा है वारा ५८। कै.र्द्रशन्तर्भित्राचर पठ्नास्। वेनामाके कृताने सर सर्भे से रा र्श्नर्भ्यत्रपाद्ग्वयावे याद्रेप्यतास्यावात्रपात्रुपात्रुप्या पूर्णवास्यक्रम् पाद्रेपाया
 בולבין
 אבאי שֿאיבורון
 שֿיבן יואסיף בין
 मनेगरायरासुदे पुशर्रातुं सुद्रायदे र द्रान्सुद्र सार्वे कुरायर स्तुम के खुल पुष्के प्रताम के प्रति में व पुष्प स्व प्रति प्रमास के मि प्रता स्व है खुल'रु'झे'र्घट'र्घ'षट'र्घ'णु'र्दे व 'रु'न्युर्व रायते'त्वन्य यापकुर'हेंट''' मा अवालकामद्भानिया विवासमा विवास हिम्म इत्या हे.इ.चेश्व.ता झु.धु.वे.इ.ह.ता व्यारवाहुटाता लाने. न्देन्यायायार्थन्यायान् बुद्यायवायुद्याप्तायव्यायाव्यव्यावद्याय्याया য়ৢ৾৾৾৽ঢ়য়ৣৼ৾৽ঢ়৾৾৽য়ৢ৾৽য়য়য়৽ঽ৾৾৽য়ৢ৽য়ৼ৾ঢ়ঢ়য়ৼঢ়ৢৼ৽ঢ়ৢৼ৽ঢ়ৢৼ৽ঢ়ৢৼ৽ঢ়ৢৼ৽ঢ় **८ इंद** प्रदेश त्राचाराता स्री स्रीय ग्रीका अस्ति परि, रेति का रूर्याला परि, क्रू येथा इवस-१८। देवमान् कार्यान्य वर्षेत्रमार्भेरायार्भग्यापान्या मॅंदास'न्दानेते'र्वोभाम'न्दा सहवामार्वा सहिन्दारेनेभान्या **पद्मव् पर्हत्र स्ट्रेग्पर्व प्रतः । दे**हिः कालन् स्वरः यां प्रस्तः प्रवसः प्रहेः **प्रे**व चै रमातृ र चे र प्रेर प्रेर प्रचित्र । दे र क्ष्य र चै र प्रेर चे या र वि **द्व**र्मकः भूर**ः पशु**षा [[तर्नुल'च'र्न्दा]] वर्न्' इहे त्वत्त्रेयः या कुं छेर त्वीयः मा रटाम्यायकाक्रमायास्यम्बाराकालमानुःवान्दा खुवायम्।याः पान्ता त्रोता हिन्त्राना स्कार्या 다옻쇠,명,요仁,위仁,디,디륍스,丈!

विस् तिवस त्वर् द्रांच द्राया हिना हे हिना कुन द्राया हिना लग भारानकुत्भवार**नात्रा प्रताहरान्द्रान्द्रान्द्रान्द्रान्यः**]न्द्रसायानक्षुराद्याः र्वायर विवासी अर्जनर वदर कुंगल महिन कार्य विवास हे ईर् जार्थिय हिं पिंदुम् में हें टाववानशुटायर पुना है। क्रिय सुनावार में अहिं। न्गरःवन्। चन्नः वसः व्वन्यः व्वन्यः व्यन्नः वन्नः के नेर'८, हम अर्द 'र्दे। वाद चे 'द्रा वाद के 'द्रा वाद के 'द्रा के 'द्रा के प्राप्त के 'द्रा के प्राप्त के 'द्र [रराम्याहवायाया वर्षायाच्याकाम्बाखनुवायाक्यायाहाः चुटामालासुलाममा संर्द्धामागुदाचुै दलाद वार्मे दिन वार्म तर्मात नुवाद माल मल'ङ्ग'स्यानहेब'न्नेबा रम**ृगु**द्धन'मश्रेब'महेनम्बिव'चेन् ८ष्टलः चर्याः कर्रायानी**राज्ञे उर्ग अर्दे अन्य वर्षायान्य ज्ञान** कन'ञ्चेन्'न्वेब्यमर'बु'बेब्य**न्युन्य'ञ्च। युन्य-५न्'न**व'हेर्र'न्दु'र्घेन् खरा रवरहुरचुरावरेष्म**्दर्नुप्यक्रेन्य रवर्नुग्चु**रा**अप्रवा**खाबया ڰॗऀॱ⋶रासेबा स्थादरा**ञ्चनाश्चे स्थार्मेबरासाम्बनसम्बन्धना**देरासही - ५व.मुं.सं. १८.मूं.२८.मूं.४५ मुं.४५ में.४५ म्रालितार्टा वेषवे लटा है रायाना वया की अटला स्वाय लूराना में स्था लाम्मार द्वारा विष्या द्वारा द्वारा द्वारा विषय द्वारा ब्दःऄॕज़ॱॻॖऀऄॱॡॕॗढ़ॱख़ॖ**ॴॱॸॏॱॸॖॆढ़ॱख़ॴढ़ॺॱॹॗढ़ॱख़ॖॴॱऄॱॷॱ**ड़ॱॸऻॸऀॸऻॱख़ॴॺढ़ॱॱॱॱ लब श्रे प्रता मूर लूट शाला इंदे रिवान स्वावना न्वे परिवास मान ĸቖ੶ਜ਼੶ਫ਼ਜ਼ੑੑੑਫ਼ਸ਼ੑ੶੶੶ਜ਼ਜ਼੶ਸ਼ੵ੶ਜ਼ੵੑਜ਼੶ਜ਼੶ਫ਼੶ਫ਼੶**ਸ਼੶ਸ਼ਜ਼੶ਫ਼ਜ਼ਜ਼**ਖ਼੶ਖ਼੶ਖ਼੶ਜ਼ਜ਼ੑੑਖ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑ੶ਫ਼ੑ੶

रेशःशुःख्याद्वशः [वःप्पचयः] श्चिमः म्याःगुद्दः नीः नियः स्वः प्पाः ठदः निवान्यः दवा देशे खुः रेश्वः याः प्रेशः द्वः प्पान्यः [हनाः] हुः ख्वः याः अत्रः प्राः विश्वः याः क्वः याः स्वः याः गुद्दः रूपाः हुः पुदः प्यते स्वः प्राः विदः स्वः प्रदः प्रस् स्वः हुः प्यतः भेदः हुः प्यतः देदः क्वेः प्राः याः वाष्ट्रः विशः प्राः विदः स्वः प्रदः प्रदः याः विदः प्राः विदः याः विदः य

देन्द्रभः श्चर्भाषा पार्ट्य व्याप्त व्यापत व्या ५८.८५४.७८.वर्षा पूर्वात्वेत्राचीत्राच्याः व्याप्तव्यव्या बसः प्रमार्थे पर्वे प्रमुपा हिंदः संक्रियः ब्राह्मः मृबुरः रवः यमसः प्रा ∄व्'अ८ॱहे'ध्र'र्यर्'श्रस्मय्यार्'र्रेणव् वेष्ण्याम्याधर्'व्याकुरे'ख्यार्'ःःःः न्यन् रहत्यात्री कुरि कुर सं ययस उर् प्रमुख द्या कु यसस उर् कय लास्ताव्या क्षेत्रा (महेता) स्वाराहे मु उपादी सरापठ पाठ पाठ राम हिन पर्नेथा अट. ऐ.चे.शिकरा चूचा.केंडा ब्रु.शेच.ची. ⟨से. ⟩ल.श्रचाय.भिकर. सुका-दुःर्भःमनुष् रकामनुष्या सुष्यावरायाग्यन। हार्वरान्। हार्देहुः **कुलः संरह्मः क्रियः समान्द्रायः वृ**ष्ट्रायः विद्रायः व ॻॖऀ**ॵ**ढ़ॎ॔ज़॔ॻढ़ॖढ़॔॔॔ढ़॔ॴढ़ॎ॔ॗऺॣॸ॔ज़ॎक़<mark>ॗॻ</mark>॔ॿॣॖॖॖॖॖॖॖॗॣॗॗॣॗॗ॔॔ढ़ॗॣढ़॔॔ॣॗ देग्द्रदेग्द्रात्म् वृत्यार्मे स्वाप्तात्म् वृत्यार्म् व्याप्तात्म् त्र**ाचरायरायर् क्रायर् पुरारे पुराराय्याया व्याय**्या विष्यारे के हैं दिर वुँब रुबा न्युवरित हैंदर रुप्ति राम्य रित हैं व विवास कर है । **६५.८८४.४६४.२त७.४८.मु.५८.वेथ.४८४।** क्रील.अथ.वि.सेच.मुय.

पर्ने**र**'पर'वाचेवाबाक्ता विदा विदायदा वाद्या वादि देशा गुन् वादु वा तावा विट दि से के देव से बार में का मार विर मा चे मार की में देवे मा चुमार मार की <u> संरद्धानेश्वाचेत्राचित्राचित्राचित्राचेत्र</u> प्रमान्य विष्य में के विषय के के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र बह्दाव्या प्रवादित्वात्यात्रेष्ठात्रात्रात्रा केष्ट्रात्यात्रात्रात्रात्रात्रा অুনি'বার্বা'এবা'বিদ'বার্বা'ন্দ'। ইন'স্ট্রাবার্বা'এবা'বিদ'বার্বা' ন্দ']] म्रेश्नाम्बेरश्राम्स्यास्। म्बद्गायराष्ट्रावरासरासंबिनामबेरशहा देग्नरापुरसाथानस्त्राचार्वदार्वदाल्या न्वसाथान्नेत्राह्यास्यास्त्राह्यास्या ⟨त्रोत्या⟩ व यायाप्तायाक्षे व्रतित्वाच्याया प्रयापति रहेताया सक्षा व्रत्ये प्रयापति । व्याप्त का स्वाप्त के मार्थे अ.मी. अ.स. अंत. मूर्ये । ्र**मर**्म्राम् वृत्युःम् ३वः यरः मः यद्म <u>न्मवःबर्षःहरक्राच्यायश्चेषाद्यः भूष्यायश्चिषः भूष्यायश्चायः वायक्रायः वि</u> हे जेर के ए वि क्षे प्रमा र सह खु लिट प्रमा के लिए जु का उ र के र उ **ग**सुसःम्रेरःमेरः ताः नेसः दसः विदः प्रेरः विदः प्राप्तः सुः नारः। भिष्णुलाचेवा सुलामुःमा ५८८ वटा बुटा १५८ खुला **ल.**चेर। बे.कु.एच.ल.स्चयातस्यातस्याते.धेरःची.के.स्वे.हे.हे.वर्ष ह्ये'यन्'ठद'प्पद'कर्'ह्यैर'मैं'नशुक्ष'म्वेष्यर्भरेत्र'स्त्रा' ५,७५५म्। व्यादुरस्या **ชลฺลฺรธฺาฏิรลทัฺรฺทฺลฺลฺลฺรฺาชฺลล**ฺรธฺาฮฺธฺาฏิรฐลฺรักละลฺนธุฅฺรลฺ**ฯ**

प्रवासीयाः स्वास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र विकासिक्षात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्

देन्द्रश्चरद्ग्यम्'(धॅक्')अरुद्ग्र्याख्टाचारम्'हु"मुह्मायालास्वाद्र्या कपाश्चित् क्रियान्या अवता न्यामान्या अविष्या अविष्या अविष्या **र्यम्बन्धनम्ब्रेन्बुन्यम्बर्द्यम्**यस्य हेरेन्द्रन्यस्य हेरेन्द्रन्त्र [84.] - Hunder Hann Lange (20.) 2. - Burder Lange ८मे.४२४.५४५५५६म.५६म.७४। ट्र. ईष्य.क्षेत्र.कें.ते.६. म्रेन् हेर् प्रत्यावर्षे संगुर्यात्रात्र विष्या म्रेन् विष्या म्रेन् विष्या म्रेन् विष्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्व चुट्राचरलर्न्चे अरम्बेदर्**रुखन्यायहर्**गम् केरलम्याबेयामायार्थम्यायाबुयःः महे तथा है। प्रवास्त्र में प्रतास्त्र में प्रतास्त्र में प्रतास्त्र प् पते⁻स्त्रतः पहुँद्। क्रिंगचुँद्ग्यरः तर्द्द्ग्यः **इस्र**न्यायायाः प्रवाहितः क्रिंतः प्र मद्रा बर्ध्यं द्वयाया धुन्रिरा क्रुट क्रेर्यन नाम राष्ट्रिया रुवा ५८। विष्यार्थाञ्च क्रिन्य ठव्रायार्थम्य भेगायात्रा विष्या व्याप्त ् बे.क्र्य.रेट.के.क्र्य.चेश्व.चे.चेश्व.जा.चचा र.ज.रेटा चयथ.लय. भूर-कुट-श-स्वाय-प्रदे प्रया क्षेत्र-गुवाय-प्रयापित वर्षे व्यथः वर्ते विष्यात्र विषयः तर्ते विष्यात्र व्यव्य विष्यात्र विष्यात्र विषयः वर् ण्टःम्राचिःपुत्रदेरःसःहैःयुःकःपदेन्द्वेतःक्षेत्रवा ऍ'२१'८म्बर'म_ुबक्'कुक्'देर्'र**े** रुक्'रु'कुर्'म**्ब**'य'रे'केक्'२३ विक'' ब्रोट'यभेर'युक्ष'याम्। ब्रिं**व'र्य'क्वस**'ग्रे'श्रेट'तु'यतुर'खुनक'व्या ८५ै' परव में कम श्रेत प्रमाद्य वा स्वर्थ प्रमाद का का स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स

য়ৢঀ৾৽য়৾৽ঀঀ৽য়৽য়৽ৠ৾৽ৡঢ়৽ঢ়ৢ৾৽ঀঀয়৽য়৽ঢ়৸ৼ৽য়৾। ঢ়ৼ৽য়৽ঢ়৽য়৾। वन्यार्भागसुकालुनकावका न्यस्कान्तामहुवासावान्याम् र्वेटकः चेरा धुँदायः केटा**तुः पहरापकः दे**ग्यापन्न रापाँ व बवा छेरा कुर्या पत्रा देग्समीयायदाचेराद्या रमा<u>च</u>्दायासहमास्यापद्यायाया प्तरे र पर हु प्रमुद्धाया यह पर क्षेप्त हु न कर के र हो। (ले र) मे हे र व र यह प **श्र.**कूट. दुवा. दुवा चापार दुवा. हूं। अष्टा. दुवे. हूं वे. पाट्र. पट्र. तिया वा विषयः तः श्रुवः न् रेनः न् शुरुषः व वः वहं तः सं नेन्य। पुषः धेवः करः रहेः रतः **ॸॗॱॻॗ**ॸॱय़ॱॺॎख़य़ॱख़ॹय़ॿॱॿ॓ॸॱॸॖ॓ॱॵॸॱय़ॖ॓ॸॱॿॹॎख़ॱक़ॕॸॱऄॵड़ॺॱॱ पण्टाकुताहा अटानेक्स्यार्श्वनायाम्यानात्वान्यायान्। **ॺढ़ॱफ़ॕॱ**ॻॖऀॸॱय़ॺॱॸऄॱॸय़ॱॸॖॱॼॗॸॱय़ॱॺॱॺढ़ॱफ़ॕॱॻॖऀॸॱय़ॱज़ॖॿॱॺढ़ॱऄऀॻॺॱऄऀ**ज़ॱॱ** न्युष्टराद्यायहुरम्या देपविदायना विदायना क्र्यानपुरम् द्रायम् वायाया निष्य व क्रिया मे प्रमुद्ध र द्राया য়ঀয়৽ঀৢয়৽৾য়য়৽য়৾য়৽য়য়ৼয়য়ৼঢ়৽য়য়৽ঢ়ৼড়ঢ়৽য়ৢয়৽য়ঀ৽য়৽য়ৢয়৽য়ৢঀ৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢয়৽ क्रमाधिकसार विनामिते कर पुत्रामसारे त्यापत्र वार्माम्या व क्रिया मिलका क्रिया चेरावया विष्ठिता व रे। हे र तारा ठवा ता ख्रा केर ग्रीटाम्बुटाक्षेर्ञ्चराम्ब्राह्माक्षराक्षाक्षारम्बरायम् व्रीटारहेवाहेर्क्रसाविस्या ह्यामी प्राप्त विकास निवास करा श्रे'ल्यां चेर। षदःयद् केद् द्रायुद्रान्य न्याया के रेव्य केद्रायुद्राया ता प्रमान प्याष्ट्रिया विषया के दिवा चेर। देखा है खा द्वेव खा प्रवा के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के व चवाणाः यातानी रहेवा प्रतापा वर्षे वा स्वापानी प्रतापानी प्रतापानी प्रतापानी प्रतापानी प्रतापानी प्रतापानी प्रताप पन्यमःस्। देवःस्व-प्र-प्पमामुलः है रेवा द्वेदः प्राचिता प्राचन कर्पा के

प्रतः नुः बुका सका के 'विदेव 'वासुहका व का साव वहा। वहा। वहा वहा सका का साव का से बुट्रमञ्चटमा हिट्रमञ्जरमञ्चे बिचयायाम् श्रेयाम् याद्यमा बिमयाया सुला ড়৾৾^{ঢ়}৾য়ৢঀ৾ঀৢয়৽৴ঢ়৾৽য়৾৾৴৽ড়য়৽ড়ৢয়৽ঢ়য় ড়৾৾ঢ়৽য়ৢয়৽ঢ়য়ঢ়৽ড়য়৽ড়ৢয়৽ঢ়য় ড়৾৽৽য়ৢয়ড়য়ড়ঢ়৽ড়য়৽ড়ৢয়৽ঢ়য় ळेव'र्य'स्व'ण'र्म्पय'चुं'ॲव'ॸ्व'चुंब'ञ्चन्व'गुं'ॲव् रंप्त्झुंम्ब'म्ब'स्व'स्व तालात्रकाचर्षात्राचिकाहे। त्यवास्त्राचित्रवाद्रीरवास्त्री नव्या दिवाल कुं लेव हर्ष प्रवर्ष प्रवर्ष में दिन कुं खु म्या दिन कुं स्था में प्रवर्ष कि वर्षे ผิน. रचात. मु. ८८. १४५. ८४. ८४८. ११. प्र. ५८. १३. चेच. १४४. १४८४. १३. वीय. श्री नेपायन**्ध्रायमान्दरामारा**नु चुरावमार्हराराक्ष्राराप्टरापरमाने श्रा म्. भ्रदालित. दे. श्रीचात्र. स्रा म्रटा. ग्री. पश्टादे प्रथा ४ व्यवः १ व्यवः १ गुद्रायात्रम् द्रशः क्रिंद्रायसः क्रिंद्रात्याद्रयाद्रयाद्रायाद्रमात्रायाः व्राविष्टा ਫ਼ੵਜ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਫ਼ਫ਼**੶ਖ਼੶ਜ਼**ৡਖ਼੶ਜ਼ੵੑਖ਼੶ਫ਼ੑਫ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਜ਼ੵਜ਼੶ੑਫ਼ਜ਼੶ਫ਼ਜ਼੶ਲ਼ੑਜ਼ੑਸ਼ਜ਼ਖ਼ੑਖ਼ਜ਼੶ परि पुत्र हु। पर्व में कुरि रे प्रस् कव निर्माण पाराय पुना हु के निर्माण प्रमास कर यस्यास्यास्याचा देराभवार्गरातु स्ट्रायस्य प्राप्तास्य ष्ट्रेर्यर्ग्णुयरहेष्ट्रत्पत्प्रम्यर्गर्थराउदर्ग्णुटर्य्यस्युवर्षुर्द्वर्ग्ना<u>ष्ट्रण्यरः</u> र द्वापुते संग्या भूता माज्या वया द्वापा भूता प्रमार्थ्या प्रमार्या प्रमार्थ्या प्रमार्थ्य वस्तुं प्रणुव। , कुलाया विर्म्व हिं पठवर के के में हैं लोकुलास सहरा हेर्रायार्ड्यु <mark>श्चर्म्यास्य मृत्यार्थात् पुराय्यात्राम्य स्वर्थायः स्वर्थायः स्वर्थायः स्वर्थायः स्वर्थायः स्वर</mark> र्सटा देवे पर स्ट्रिक्ष मुल्या विस्तर द्रा केंग विस्तर प्रति निर्माण प्रत्या त्रे भुर्पति न्रुट रचया भेवार्

ने'द्यायदद्याप्तर्यात्रात्रामात्राप्त्यायद्याप्त्युप्त्युप्त्यायद्या

গ্রহ, এইবা কীল, চুহ, হ্বহ, ঘপ্তীহ। সুহ, ধ্বহ প্রাপ্ত আধু আৰু না, নীৰ, र्पश्चीलाहें रहा [वि.रहा] हीला असू क्रियाला हा रेखें था है। वेहा ह्य दिन हैं न में वा के तथा की तथा के ति प्रति मह मिरम् में न हैं में व दिन में वा विव संग्त्र चीका हिका प्रतास्त्र विवास प्रतास्त्र विवास के वा विवास के विवास क मु द्वार्यस्तर्तुरमु देवारयः वससः उत् सुयायाय। क्रियाम्या <u>५८ मुल महि पर्यत् वृत्रस्य स्वाप्त्रस्य स्वाप्त्रम् स्वाप्तर्भः स्वर्यस्य स्वाप्त</u> हुॱब्न्'यङ्गेरायस्यवयसङ्गेर्'री वर्र'णुै'कुल'व्र'र्'। त्त्र वा मासुस्राया हु विमाप्ता हुन्यमा कुस्राया कुस्राया हुन्य हो। तित्य क्रिंप्ताया हुन्य क्रिंप्ताय हुन्य क्रिंप्ताया हुन्य क्रिंप्ताय हुन्य क्रिंप्ताया हुन्य क्रिंप्ताय हुन्य क्रिंप्ताया हुन्य क्रिंप्ताय हुन्य क्रिंप्ताय हुन्य क्रिंप्ताय हुन्य क्रिंप्ताया हुन्य क्रिंप्ताय हुन्य क् <u>२चुॱक्र</u>ुक्ष'णुं'युक्ष'सुं'पासुक'चुक्ष'ॸें'[[□क़ॣॕर'र्रा]] विष्यानुस्य मुख्यानुर्रे ररे' पदमा निरंपादवा शिर्मार पर शिष्टा वा **गसुम्राक्ष्यक्या देराशुम्या**शुम्मदेवाम्यास्यानी कुलाह्मस्याप्तराह्यस्य विवस्त्रका विवस्त्रका विद्याले विवस्त्रका विवस्तिका विवस्तिक **ই'অদ্ধ'ন্থ্ৰ', ম্বান্তৰ**, দ্বীৰা, ছুৰা, দ্বান্তৰ দ্বান্তৰ দ্বান্তৰ মানী, স্থা, क्षेत्रायाः स्वाबारायत्रे म्हरायावाया होत्रा होता मुख्या प्राचीयाया गुरा। यउवा ठवः ल'स्रायात्री परवः मार्टिं म्यात्रात्रायात्राच्यात्राच्यात्रा र्ह्या विस्था प्राची स्थिति । ती विष्या है है विस्था महन्य स्थिति के न हिन् है स्था प्राची स्था है । पत्रा परद में देन में प्रमाणी खट यर स्टा देर सं नहेना है सर दिन स्वर्द

र्भ केरे श्रुप्रियाक्या अर्पे श्रेष्ट्राचा स्प्रिया में प्राप्ति । स्प्रिया स्थापित । र्ष्याहराह्याचराह्याच्याह्याच्यान्यान्यान्यान्यान्या झुरामा लेग हें 'ब्रुक्त प्रकार दें 'न्द्' दें 'व्रुक्त वाराय' दाय' व्रुक्त का महिका का प्रकार मुख्य का का का का का का का শ্বনালী বেহৰ বিশ্বেশ বিশ্বনালী কাৰাৰ বিশ্বনাৰ কৰি বিশ্বনাৰ কৰি বিশ্বনাৰ কৰিব गुव-५८-ध्व-विकाने क्ष-विक्याय हु-१ न्याया पर-५ म् ८ वा हु-१ वा हु-१ महाने ता इंग्लं भी का इंग्डर अववस्य महाने वसा स्था स्था मही परा मन चुन क्षा रुष प्रव चु भाष हैं है प्रमुन प्रव निव है परि हिन्दु ⟨दवः⟩श्चेतवरमःवृत्ता देखाकुःवृत्वत्रहेख्नवरहेळेदरमहिःसुन्यत्हिः प्रबेटका के'उ'व'प्रबु**णका गसुट'ने'हेव'गकेर'ने'**%खेठ'ठ्ट'सुक'हेंट'प'ॐ त्नार विनापवेटमा त्मस्य स्पान्यामा युनस्य ग्री हेद ५५६० मी प्रमस्य यःतिविदः स्वः रुवः त्यः सँ नावः यः हेदः स्वरः प्रः पदिन्यः सी है । नाव यः विष्ठु प्यः तथा ८२५म्ब्रै.वेशकातात्रब्रम्थावेशकात्री ८चेराउर्थाकी. अक्टरायाचीत्रायराचीत्रायाच्चीत्रा र्याट्रेराक्षेत्रायाच्यात्राया ५६। [मरुल्फ्राम्या]सुन्नेप्तया केष्ट्राप्तया हुन्यया देखा यर्थः त्यार्थः प्रत्याच्यात्र विष्टित्ते । किंदिन विष्या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः ठमानीसाथानियाचेरामया त्यानेसाने ह्यानेसाम्याचा ह्यानेसाने **बै**दर**र्अ**'ले**ना**'नेया नर्देंदर बैदर्ध 'सृपु सुण सुर दे 'बेर' महेरम्य 'सेर नेयान हेना' श्विष द्वारा द्वारा में द्वारा मे द्वारा में द्वारा मे वसायुरायर पुरा देवसाळा कुव प्राहित्याव वाळा कुव वसा ठर सुरायर देवस्यानाः इराहित्सवसः व्यावस्यानारामाः वयसः व राख्टायर व्या

ĔҀॱख़ॖॴॱॖॖॱढ़ॕॸ**ॺॱॺॺॱ**ĔҀॱख़ॖॴॱख़ॖॸॱय़ॸॱॻॖॿॱय़ऄऀॱॸ_ॣॖढ़ॱख़ऀॺऻॺॱॣॎऄ॔ॱय़ॱॗॏॱ**ॱॱॱ** ८५:माला झलाळेनायाके.स<u>.क.च</u>कुनाला अष्ट्राहेबाकुरसावानायाचार परतायक्ष है। विरायकें प्रहेदादमा मिष्टि प्रमास सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धाः स हिट्र नुः विष्या वर्षा मा ५ निष्या वर्षा दे त्या वर्षा वर्षा मा निष्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा R5.11.984 ME.28x.51.5.844.81.62.2.464.0.42.42.0.42.44.4 **፠**नदर सहै। **%** सुरायाना देखायहमाद कु वना द्वार पुरस्तु मा हो । षटःषरःश्रेट्यःषरःब्रुदेःग्रॅ्टःश रेःद्रम्यःग्रुःह्यःयःदर्ःवःस्त्। देः क्रे**त**'य'**न्४ॅ**त्। ब्रायुरुद्व'मॅ**र्**ल'सु'ने'के'ॲंट'य'वेदा व्यः१ट'र्स'द'रे' **द्रुन'र्**ट:बेट'ने'र र्या'यः र्ड्डायः व्या'यः र द्रुन' व्या'येट'न हे वा'वेट'न हे वा'वेट'न हे वा'वेट'न चार**रामारिंग्नर्रेन। मरानुरिदार्याकेरीकर्राकर्राहेदा**क्चेत्रावद्या देग्लायद्या ॅंदरायाप्तरा। विष्ठात्माकीप्त्रायाराचा कुवाकीप्रक्रायाराविता ५८ क्षेत्रा **য়৾ঀॱय़॔ॱৼ৴৴৴। क़ॗॱঀঀ**৽ৠ৾ৼঢ়ঢ়ৢঀ৽ঀৡ৾য়৽ঢ়ৢ৾৽ঢ়ৼ৽ঀৼ৽ঀ৾৽য়ঢ়ৢঢ়৽৻ৼঢ়৽ **षद्रायादेरलम् स्वाप्तराद्राह्म प्रतर्भेष्रा** पृष्यम् उद्राया कर् मःभैव। देग्याः व्यव्यक्तित्यमः ग्रुग्यमः अनुवायव। दाक्षेण्यमः क्रुवावे १२०५ मःभवः द्वा च्र-प्रयम्बायव्यवः उत्रम्यः नुष्टुरः यथा चुत् बेत् याणाना दव ळ्याचेर्-प्रेचेर-व्या वेय-रेण्-वयय-ठर्-रयय-पठर्-वय-पॅर्-णु-कय-धेर्-**कुंदें य 'बे**ट्राय'**न**55' पर्ट्र' पाकेदा व्यट्र' गुें 'स'न्8द 'रे 'न्8द 'स' पर्ट्र साम' भट. त्राचिकाताचा भ्रास्टा अहरा हिरावया स्राहेश सरा प्रविचा व या पटा.

क्रुचायः दृष्यः स्वायः प्रस्यः व सः द्यः स्वायः तस्य व सः द्यः स्वायः व सः व सः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स् प्रायः स्वायः स्वयः स्वयः

 षरःक्षुत्। स्रापराद्यायायरःक्षुत्यायरःव्याया व्रुवःयार्ग्राह्यः अस्य मार्गित्रा वायास्य वाचरा विषय हुन प्रता की स्थानवरा मूराह्रा की स्थानवरा मूराह्य की स्थानवरा मूराह्य की स्थानवरा मुख्य स्थानवरा स्थानवरा मुख्य स्थानवरा स्यानवरा स्थानवरा स्थानवरा स्थानवरा स्थानवरा स्थानवरा स्थानवरा स्था स्थानवरा स्थान विःब्रॅटःहेरम्बर्दार्धुयाबद्धानाद्या व्यव्यास्याम्बराम्बराद्या दर्मेत्रा अःनुदःकृष। विःपवः अपःद्वन्। तः विष्यः प्रते दिः दिन्। तः विष्यः प्रते दिः दिन्। तः विष्यः प्रते दिन्। विष्यः प 파로,건디네 बद'र्या मुँदा हे रन्थाया ५६। वद'केद'र्या मुद्रावा न्याया मुर्ग्यद १५६। र्सन्यायाः स्वार्धार्यार्थाः स्वार्धारुवायाः स्वार्धारुवायाः स्वार्धारुवायाः स्वार्धारुवायाः स्वार्धारुवायाः स प्रातः म्यातः क्षेत्रः के स्रोत्ता व्याप्ता प्रात्ते प्रात्तः क्षेत्रः विश्वसः प्रमृत्ता ९६५.त्र्राच्युः क्षेत्राच्युः व्याप्त्रेयाः व्याप्त्राच्याः व्याप्त्याः व्याप्त्राच्याः व्याप्त्राच्याः व्याप्त्राच्याः व् परे क्वेर रे पा भेर हे चेर स्था बेट खा हर होता के साम हिना दे**ॱव**त्रः मॅद्रात्यम्त्रः प्रदर्गात्रः कुत्रः भ्रुरः अरः स्चुत्रः क्षेरत्रदेव**ः प्रदेश**्वयत्रः रव माके हे प्रि सु झाया पर या वु या देव प्र वृ या प्र वि या या व हेर्दे*'*ल्य'द्रब'म्बु'म:र्ह्याब'स'मॅर'ल्या'बेर'द्रबा क्षु'मल्**गव**ापर'र्'मुे'अ' पहेंद्र वहा प्रवाप प्रताम प्रवाप प्रताम प्रवाप प्य प्रवाप प्रवाप प्रवाप प्रवाप प्रवाप प्रवाप प्रवाप प्रवाप प्रवाप दे'वय'हे'य'बुरा'हे। हॅव'सट'बट'य'बट'मैय'झे छे'**छेयस'सु'समा ५'दे'** पबैद'रु'मेु'बेसवातुःबुषाया∏यया∏बुयामया रे'र्ड्या'मेुवाम्<mark>युटयादयाम्</mark> बादु. ख्रेश्चर्यः सी. प्रवेश प्राप्त विश्व वि ठुकान् में निया प्रिवास मान्य मान्य प्राचिका विवास है मिली अंत्र वे निया ã. **ዾ**ڟ፞፟ጟ.ڝؖٛۥڟۼۼ؞ڟ؞؈ڿ؞ڝؚ؞ڝڠ؞ڟۼ؞ڮٳ ڰ؞؈؞ڝڂ؞ڝٛۼ؞ڝ؞ڝ؞ڝ؞ बहुर्हेटार् क्रांट्याप्टेयाययाही विपार्शीलायिरानी हैटावी पदवासान

प्रमाणकरम्बिस्यात्रकत्रायसम्बन्धः हैं 'बेर'हैं 'हेस'बेर'रें। **छ'त्युण'सु** वेते[,]र्हम्,वेन्द्रम्,वेस्त्रम्,वेन्द्रम् वसायाध्याचरारहें वायाचा रामुहेरहें दारा हो सामाना निया यमा देग्येनमा देग्हरामुकात्रा व्यागुरु देवेग्य बुनामान्य मे पण्टा झ्रायात्र्वाया मुलार्घाट्वाया मुलार्घाट्वारायादेवायाकटात्र्युटा न्मिन्या के न्युत्यान्वित्यायरे त्यराद्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या ्डन्'ड्रन्'य'वर्ष् १८४८ विषय स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स विश्रासम् १८. वर्गाच्या विश्वयातालराचीर्यः स्ट्या ध्राप्तिराटी हेर्रे ॾॕज़ॱॺॱॻढ़ॏॺॱॸॖॱॻॿॖऀॻऻॺऻ ऒॕॸॱॸॕॖॱॻॕॸॱॺऺॺॱॺऺॗॱॻॸॻॱॻॺऻ ॻ४ॺॱ**ॻॕॱॿॱ** रे। ने'र्ड'भेद'वेर। क्षे'हर'पक्षुर'प'भेद'पुषा ने'रीद'र्ड'भेपाय'वेर। ब्दबः यर क्षेत्र या त्रवार कया विष्यु क्षेत्र क्षेत्र या गुँ वा गुँ वा गुनायवा विषय र्मसःमाञ्चेमसः समा हिन् कर्ने स्वेन् चेन् चेन् चेन् चेन् मु '८क्वें सामा के स्वेन् हेन्से '८न्न' ट्रियःसुः पहः देः ५ . गुःषः ५ ८ . । सुप्तयः यत्यः कुषः ये त्या पृष्यः कुषः या ध्रवः अह. भ्रवा क्षा विश्व क्षा विश्व क्षा विश्व क्षा विश्व क्षा ति क्षा विश्व क्ष नि-न्यासद्वान्याणीयास्य द्वा पद्मव्युत्पनिवाहेप्तस्य प्राप्त अरॲ'र्चॅब्'म्पॅम् क्रेंश'र्'र्चेंद्रव्या ययाष्ट्रं'ययायात्र्मे स्यार्'हें म्प्रमार्'म् **མ་ར་དང་ག⑶ན་ཚྱན་པ་དང་། འབྲོག་མེ་དཔལ་ྱི་མ་ཤན་དང་ਘར་འབྲོག་ཤ་རё་** म्र-. दे. बहुणा निष्ठ, प्रे. वायर निष्ठ, रेनर हैं वी जिल्ला है वी विश्व शर्य शर्र

म् ४८:अः ह्युम् वारास्वा प्रयास्त्रवात्रात्रात्रात्रा वयः ॐवात्रीः म् प्रयास्त्रवा माइवयान्ता द्वाष्ट्रम्याइवयान्ता हेगुःदुःमन् अर्थाम् वयान इसरामञ्चर्यसम्बन्धा हिन्द्रम् स्वाचित्रसम्बन्धा देरै'तुब'सु'र्ह्चव'र्घ'वम'र्घ'क्वब'ण्चैबा नब्दि'यव'र्वेववाव बाव बुनवासु' बाह्नेरामते पुत्रास्त अटा हेटा दे तह वामता में द्वामा वमा मिरे हिटा में। है। दे व व क्रवाययवार प्राप्ति र दु स्ववायर प्रवाही। कूर दु र हिन्ना या स्वय लिट.**चे डे य.**त.च**र्यट.च। अव.टचे.चे**च.त.[चेब्ध.]चट्ट.चेवटे.कु.कु. ने[']त्तःस्वन्तः पःइञ्च कुन्तः र्हुं व त्यःन्तर्हरो । कुवः एटः युन्यः कुरः टुः छुकः है। क्षेप्चो'श्चेप्रविश्वस्यरः मोर्डे मास्यायत्चरः कुस्याप्तृता रशः मार्डे मास्याप्तायः सर्मेदःक्षेत्रःश्चेदःश्चदःसर**ः**पख्न युन्नसःनिहेरः**नुःक्षस्र**। पॅःहेर्दस्यस्यः इट ब्रॅट ख्रेंब में दी वाया दावा हु में दी च ब द की दु र म देंटा वा का सम पकु र पकु पकु पकु लि र प्राप्त प्राप्त के र पकु पकु पक्ष के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त के प्राप्त के प्राप्त के प चिड्चा तन्। विरुक्त व **हे.**लर.[[थ.भू.] स्था २.८७६८.भघ८.४२८त.मू.मूच.च४.४४५४५.थे.महेर. थेण'अर्'हे'सु'इ'णखुअ'८८'घठरायासुरा १८'हैर'दे' রুম**্**নার্মা तह्रव.चीयाम्बरापप्ट.क्र्यावराष्ट्रवाचराष्ट्रवेद.क्षेत्रत्वत्राचीयः क्षेत्रत्वेद्रत्वेद्रत्वेद्रत्वेद्रत्वेद्रत **ॡर'**য়ৢয়৾ ৡৢ৾ঀয়'णु'য়'र'য়'सहाहे'हे'ॸॖॱय़য়য়'ठ८'णु'पण्त'पपसंपाधद'हे। देशःश्चितः सन्दायः केदः द्वाःयः न्वित्रस्य देः द्वस्यः कुः पञ्चरः द्वाः दय'

য়৸ঽ৴ৡ৽৴য়ৢ৻৸য়ৢঀয়৻ঢ়ৣ৽৸ঀ৴৻ৼৄঀ৾৻য়য়য়৻ঽ৴৻য়ৢঀয়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻ড়৻ঀয়৻৸৽৽ ঢ়য়য়৻ঢ়ৢ৾। ञ्चेमয়৻ঢ়ৢ৽ড়ৼ৽ৼৼ৻৽৽ঢ়৻ঀৢঀয়৽য়।

<u> ने प्रश्नाम् अस्य मिन् प्रमिन प्रमित्र के स्तर्भ स</u> ठ८.पश्चा पट्टे.पश्चा हेत्रश्चा हे.वंबा हे.वंबा हे.वंबा हे.वंबा ॻॖऀॱऄज़ॱ**ॼ॔**ॸॱॸ॔ॸॱ**ॼ॔**ॸॱक़॓**ॱॻॱज़ॱड़ऀज़ॱॿॖॵ**ॎॾॄज़ॱॼ॔ॸॱॸ॔ॸॱऄॸॱऒॱॶज़ॱॸॖॱज़ॸऀॸ दे द राष्ट्र श्रम् न द द राजाया श्रुव र ८ देव र जेद र दाया श्रुवाया सुवा स्ट्री व व या या या या व ᇕᆠ་ཚང་ག་བུ་ངབེ་བབ་ཚ་ནམས་স্ভৢན་ངངས་볏་স্ভৣལ་শৄঽ৾৾৾ৼৢঢ়ৢ৽৽৸৽ৼৣয়ৢ৽ <u> १९८८ - १९८७ विरामा प्रेस्या विष्युवार् पाइना विषय</u> भ्र.८िव्र. द्वाया मे ने प्रायत प्रायत में तार में प्रायत में प्रायत में प्रायत में प्रायत में प्रायत में प्राय कुैबरक्षेरहॅटरमॅरब्रटरमॅरपक्षेत्र**रहे। ३८**२हेटरटेरहहॅदरप्रचटरमॅर्ट्सुरु'ब्ररु' सं रेव केव तस्त्र त्या सुन् सेन प्राप्त स्वार मुरेन्'रु'पर्गेत्य। त्र'लम्कुल'प'महेन्'र्घृत्याल'पर्गेत्य'पर'पर्गेम्य मना है। महन्द्रन्द्रन्न्निर्पहें बना के हिंद्र में देन वाप हिंद्र हैं हैं व वाप हिंद्र हैं हैं यत्यामुयादेव प्राक्तात्वा वर्षा तर्षावा (म्रावा वर्षा वर्या वर्षा क्रेब्र'न्यतः कुं न्यतः धुन् न्तः। व्यक्षेत्रवः सुगुः सः न्तः। व्यन् वः व्यवः

चै'ले'नेब'न्टा सुन्धु'न्ययां चै'वेटाने'न्टा ङ्व'वक्राहें हे पन्न ८ इंच्यू रें वित्र म्राचिता की ले स्पर्टा वित्र किट केट की रचाता हैं <u>चद्रपाताकु मार्ब्दा वृ ता समाया पात्रा द्वापा मार्ग्या स्वयाता कु मारा कु पार</u> **ढ़्रे**न्, बीतः ताड्यात्पाद्यः केष्ट्राचितः चिक्ते स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्ता न्यव केव या मा है या ह रहा हिन न्यव यान असमा हरे हैव का का बुन्य मन्भुक्रेर्द्रान्द्रा छ्रिद्राध्याप्तराष्ट्रा भुष्ट अटटय.भु.ईट.घ.ज.स्वेब.कुथ.वीच.घ.स्च.वीट.। क्विल.पूर्व.स्वी.र्श्वेट.थ. पर्ह्ने **संस्टर्ने**टर्टे रहेंद्र या प्रबुणकार्य। **ग्**ब्रिस् पदव'रा-दे.तमें टकावयात्ता है.कालवाता क्यावहरान्ता वैटा क्षा बैंगिर्हें प्राणुव प्रस्ति हैं। देख सारे खेला वा सेराय है है पर है हैं न्ताना है ने ता ना ना ने ने निकार के नि कुं एकर १४४, रट. भूभ. भ्रियां ४ हो. भ्रुयां विषा अष्टर विषयः १८१ क्रियां विषयः पद्मव यापङ्गपवा हे 'श्रेट' षट' श्रेट्' धर' पुत्र श्री

मृद्धलाच्या कृषाच्याक्षात्वा व्याप्तात्वाक्षात्वाच्याच्याः व्याप्तात्वा कृषाच्याः व्याप्तात्वा व्याप्तात्वा

चर्चेदःदरः हें अःसहै 'म नेदः तुं अःसहृतःसः ददः। झः लुदः दस्यः कुः ्रहे 'मठ ब 其·四·爲仁·至·彦す·其·翳·科·亨! 夏四·其·坂山·夏丁·巫有·安卓·其·仁·子仁·夏丁·甘和· त्व'र्श्रा'प्रेबंग्रुं के विश्वामायात्वाच्याकेत्यमार्वित्राचरात्विवयायाः खार्ड त्याङ्ग्रसाङ्गे। दे त्याश्चास प्तार हेव त्याचेता पहें साव सामिता सता मिता सामिता ผาตารตาที่ศาที่ในการ์าตาร์ เดา เล็นเล็นสาร์ เล้า สีนาลัง เล้า สีนาลัง เล้า สีนาลัง เล้า เล้า เล้า เล้า เล้า เล बाकनायर मुन्य नेना हेया नहीं या द्या हिंदा निव हु निव द्या वापरे हैं द ঢ়৻৸৻ঀ৾৾য়৻য়৶৷ ৼ৻৸য়৸৻ঀৣ৾৻য়য়৻য়ৼয়৻য়৸৷ ৼ৾৻ঢ়৾ৼ৾৻ঀৢয়৻য়ৢ৾৸৻ৢঀৢ৸৾ ৸য়৻ ख्यया ठ८ खुर पु पर्ये ८ दे प्या सुर या व या चेव 'चेव 'पेव या मिट' त्य चे न्ना में ना हेना चे ना अन्य अन्तर प्रदा विनयः ना सर्टर्न्यर में लाक्षाया दम् में पुन्य साम केमा हिरा हा कर हैदा पारे रुवा पदवर्भाग्यान्। हामस्यसम्बद्धाः गुहासम्बद्धाः सन्हास णुटः ह्या क्रिट्मिक्नः गुटः क्षेर्पाश्चेरः ब्रैटः। रः ब्रेरे म्रेटः नीः श्रेरो त्रिन् मेव रहेन ना सा के लिया निया है है के में हमा निया सा देखारी हम्प्रश्चानान्तरारम् विष्याचिता र टायरवर्षाया विष्याचिता पामेब्रिन हे नियदाब्याय व्याया हे हैं रेट नी मे ने विष मेद'९५म' बेरा परव रॉसर हे खिट रिया भी हैं हो चिट पा सर्हेट वसी कर्में द में 'द्वा में 'हुट' बेर' दबा महुन' श्वा । निर्दा निर 'द्वा निर 'हु द 'है । निर है बर्ळेर हेर त्या मु बहेरा द साम बुगया २५ गां परे बर्द रहा सु सु ए र प्याप **बुः** हे राहरान्यस्य स्या स्यार्था स्यार्था यहेवाव्यान्त्रान्या यहवा **र्यसन्**रेषुन् चेत्रयर में वस्य पिबेटसार क्या चेर। धुन् प्रतः में चुना

हेद ख्रमा मा है साम में है ता स्वाप्त स्वाप्त

देग्याक्षामार्थमादारी समाप्रताप्तरा महुत्यारासा ^२ त्यंत्याच्ये वाचेन। पाठेषावाने स्वादार्केया विवादा **छैक'चेद'<८न्छैक'छैद'य'>चे'य'ळेद'**बेर। ऋ'नबुक'ॾैन'कुल'चुक'दका ম্ন'নি**প্রথ**,ৠ৾**,শ্রংপ,**ড়৾য়৻ৠ৾,নপ্রথ,য়য়৻য়য়৴৻য়ৼ৻ঀয়৻য়ৢ৻ঌ৻য়য়৻ पर्व, त्राप्त्र्य तथा तर तथा १८८, राभरेष भी पार कुथा में बार वा वारा । <u>चर्</u>राष्प्राख्राचेषु चास्त्रीराङ्करास्त्राह्म स्थायाय स्राच्या वर्षा च्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व हरे^रर्स्रस<mark>ेष्टुं प्रमुख्यम्य विराष्ट्रीरार्ह्मेमाञ्चन्यान</mark>्बुरस्प्रस्वेदः। मावसः शेर्नारः संम्युग्नः केवा बेरावसः स्रा देनायसः विकासारे ८वःधःदेः**द्रं** भ्रेवःधःलःह्दःश्रॅदःश्रेवःधःदेशःश्रूदःखःश्रॅवःवयःधंदःचेर। **१९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१ - १९०१** वररे ख्वरक्ष है रेटरव्याय क्यावय मेर बेररे। दे बेवरयाय यायहर <u>बेर री पश्चिम्द्रिस्य पारि र्याया की में हिंदे श्वीय पा कि रायर देया तरी</u> **ज़**ॺ॔॔ॸॱॸॕॱ**ॿ॓ॸॱढ़क़ॱॹॖॸक़**ॱॸज़ॗॱॸॆॣऀॺॱ**ज़**ॺ॔ॸॱॸॖॖॱऄॗढ़ॱय़क़ॱक़ऀॱज़ॖढ़ॱढ़ॱॸ॓ऻ*ऻ*ॺ॔ॸॱॾ॒ॸॱ ¥लाश्रहेरञ्चापटा श्रेटका दुना पु रहाँ लाखेटा

प्रमुण वेरा रामण कुर्रे हरे ब्रुवायर ने यर्ते विवाय याने रामन য়**৾৻য়য়৽৴ঢ়ৢ৾৾৾ঀয়৽য়৾৽৽৸৾ৼয়৾৻ৼ৾**য়৽৴য়৻ৼ৽ঢ়ৼয়ৼঢ়ৼঢ়ৼঢ়ৼৠয়৾ঢ়৽য়ঢ়৽৽৽ [पद'दे'ॐ१६५ व'यवा वद'दर'दगर'चे'वे'वेव'यवे'व'चेह्र'ह्रण् ⟨ଖ୕୩'⟩ ୨୮:୫'ଐ୍'୬୍ଡ'ଞ୍ଜ'ଘ'ସ୍ବମ ୍ମ୍ୟ'ଅ୍ଟ'ଞ୍ଟ'ଞ୍ଟ'ଅ'ସିଖି'ଶ मानवामुः सुर्वाशास्त्रकात् वर्षा (८५५) दे विवासी गुवादारी सुलामा हिना मार्थ ्नेसामसाक्षुरद्रिसाम्ब्राह्मसाम्बर्धान्य प्रमान प्रमान विवास हत्। मा ८५८। अर्रे ही ४५.५५४.पश्च. ४.८अ.पश्चान्य अ।वर्ष अ।वश्चान बर'व्या क्रेन्र्या विभाग्यमाळ्या स्याप्ता नामाउ'ह्रान्या नै'न्सर'सृषु'सु'ने। हुँ'दर्भन्भिमार्यन्ने'मदे'दर्मुद्रम् ८६५'हिस' <u> कुै'न्र४८'रतान्त्रल'५८'५वि'ह्यः'न्युल'न्दल'कु'द्वे'रेल'ङ्ग्रह्मसम्पर्दे</u>र् न्युअप्तीतावता देवा अर्पाता वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया **न्यावत्याक्ष्यां वृष्ट्वेरास्ना पुर्वावका क्ष्या व्यावस्था स्थान स्यान स्थान स्थान** पर्वेट.चुब.भर्बूट.चब.टु.ज.ब.रटब.चेब.चेब.धेब.पर्विज.जन्ना **ॐठे** : बेर : देश : प्रश्न : वर्षेत्र : प्रश्नेत्र : प्रश्नेत्र : वर्षेत्र : प्रश्नेत्र : प्रत्र : प्रश्नेत्र : प्रत्य : प ỗ.山ഹ드쇠.디쉬 差有"四"有"元1 श्चिमान्यवाकारम्वियामञ्जवामानमान्यवाक्षेत्रपुःश्चिष्ठाम्या मुलास्याक्षापञ्चत्रायदेग्यामुवाद्वेपातुनानु । धेव'बेर'वया ऍॱ**वॱ**देॱॡॸॣऀॸॱय़ॕॺ**ॱॸ॒**ढ़ॱॿ॓ॸॱॿॺऻ देॱय़ॱॺॱ**ॻ**ॸॖॺॱड़ऀॺॱय़ॺऻ ऄॗड़ॱॺॱॻॻॿ कर् अर्थिन दाः अपिर हे के बेर। हेर् कुंबर हिर् हर हिर हिर हिर हिर हिर र्टालट्रियंद्र्यं र्वे याचेर। पर्वद्रामानुस्याधियाचे याचे वार्युट

<u> জলংগ্রু রিবার বিষয়ে প্রিকারী জ্বন্ধ প্রিকার বিষয়ে প্রিকার বিষয়ে প্রিকার বিষয়ে প্রিকার বিষয়ে প্রিকার বিষয় বিষয়ে প্রিকার বিষয়ে প্রেকার বিষয়ে প্রিকার বিষয়ে প্রেকার বিষয়ে প্রিকার বিষয়ে প্রে</u> वहरादेवाद्वित्ववायवाद्वता चुवाद्विवताक्षिम्वेनामरीकाकाववामस्वा मान्द्रान्द्रान्द्रवस्य वदान्यम् अवास्त्रवा हेवास्त्रान्द्रा वुनावाधीयाः । भीषम्भिनावेदारमाधीष्ठानुष्याम्भिषाभिराभूणुप्वेयारमा हु मन्त्रा देशका निवास हिन्द्र स्वाप्त है है स्वाप्त देशका है है ळ्.९५.१५४.१५४.१५४.विया भाषिटाह्राह्मान्याख्याचेताच्या ह्रम् वर्षा त्राप्त मानुष्य वर्षा वर्षा न्या क्षाप्त का वर्षा के स्वर्षा के स्वर्षा के स्वर्षा के स्वर्षा के स 5्र वेंदर्यका वेंदर्भन्दर विष्याप्त विद्राप्तका वेंद्ररायके के प्रायम विषय विदास्त्रीत्वत्तवीत्तावद्वास्त्राचित्राच्याचेनाचिदायायकेन। स्रावीत्वद्वावसासु बिवायन्यसा नेप्त्रस्पायहिन्द्रानुप्तरो अपाया कुलायाक्षेताह्रवा ब्मवासुर्धेवाधेवामवारकामाचन्यामा सुराहेग्मध्यवायामा तमामहेबा बान्दिनान्त्रमानार्द्रमानिनाना राष्ट्रापादी बार्चर्वान्तरे हेद्रम्पदिख्या माधिकामका झाकान्दाणाविक्षित्राक्षेत्रचेता व्यामिकेमणावाम्वामु लेवा देशित्वयाणुरामविष्मदावेरा लालादारी मानवाकामहा थे.चूर्यतित्र, दुध्र वेट कि वेश इशामा अहै त्यां जार प्रमान ही. वी अहै त्यां राष्ट्र ता त्राचेरा लुख्यहुःगारायवात्राचेरा बहुर्नोप्तवरामुःवात्र्रेष्वास**ठना** म्बुबायकी कुर्मिते ्राम वेदारमा वेदारमा वेदारमा व व्हेंदारमुदारमा हरकार्या अपार्थक्ष विषयि । स्थानिक स्था

নৰা হ'ব'ট্বালালিক নাজন ইবাৰৰা হ'ব' ব্ল'বাল ব ढ़ॕॱढ़॔ॱ॔॔ॿॱॸॱॻग़ॄॺॄॱक़ॱॿॺॄॱॿॖॾॿॴॎढ़ॕॸॱॸय़ॻॖॿॻॿॿॱढ़ऀॸॄॱढ़ॸॗऀॱ बारियामा भारता मान्यामा हेर्यसा स्वाहिका हैवामा सारस्यामा पर्ट. वं या प्रमानिक है है है राजनिक मिया विकास विकास है कि से मरामन्द्रामन। मिं्द्रामाहुनावन। द्वासुदाद्मानाहुरहेरहेरहुदानादनः मानाबारिकार्यसम्बद्धाः स्थिति । सिबीस्यायम् विभावता सिकामासुना वसा मन्द्रस्य विकासमा देग्युवायात्री मुन्द्रस्य विकास दिन्द्र मुख्यार्ययार्यः हे द्धुवार्द्रेट्याला स्वा व्यापया विद्यालेवार्ट्राष्ट्रेवावयास्य हु ग्वीवायाया सर्भित्र स्वागहा या स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया पञ्चम्यापन्याचे स्टिन्से प्राप्तापद्वन्याचेत्रपरा**त्** बेर। क्रमारित्वापुटायायदेवापुरानुसावापुर। रिरोहेंबारीमापुरा मश्मिर्दाना है बाद वा प्रवासी विद्युष्टिया है। द्वर विद्या है। द्वर प्रवास कुरुष्यस्य वर्षः कुरुष्य स्यापुर पुर्वा पुराय विषय । स्याप्य स्यापित स्याप्य स्थापित स्याप्य स्थापित स्याप्य स्थापित स चुरामाक्षराचेतावारात्रवाराचेरामबा देरान्यात्राचीरत्चुसामैबाबामवार्मा मर्यारम मयताकृषात्रमा म्या द्वा द्वा व वारमा द्वा कु व्यापार्यम् मन् श्रेमा अमान्याम् वर्षेया स्वर्षात्र मन् वर्षे मान्य वर्षात्र मन् वर्षा तन्यायाभाष्ट्राम्बद्वार्वे। मिन्द्र्यात्याक्षात्रा विष्यायायम् नना ननेब.पर्.क.नर.वैर.पना भूर.ध.कृब.रेग्रीट्य.प.वायाप.टे.नेवाय हा

ने व व वित्रण्या व त्या हित्र चुत्र प्या वित्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र **८५ 'हे'ब'चेड्डेब'**ईनबाचेर'नेच्या दर्मिक्षिट हेर्यद . खु. अध्यत्रत्वियाः पृष्ट् पर्मे वाही। बेरा देग्याषुयान्तुवाकुर्नोक्षिरावहु। त्री'**द'न|बुबायब'बेर'न|बुद्बायब|** दाया**दे**राची'ईबाबुरादबाबुदायादे रक्षारी र में जुराव कारी तथा तथा की रेटा हुए हुए हिराय की जिल्हा न्यल कु में हे लय कु मि सूट बियायया टया के प्रवेद हो पहेर पर में द नुःकुलार्चा हैना ठवाने प्रमान प्रमान हैना विवाय प्रमान निवाय की कि विरावकार्वाटाच्या कुरवनावकानुः निराद्योः विरानो दिनहः वुरान दिरा) विव यम्'मु'यदे'र्नो'श्चॅर'म्डेन्'र्रर'म्डेक्'विर'दस'मुद्र'य'र्रर'। र्र्र'यदे' <u>रचेन्द्रवरचेन्यःक्रां दर्श</u> वर्षा वर्षाः प्यम्बर्धान्यम् वयान्वे ब्रिटा व्यावा न्यरावया नृत्या अपवेषाम्यरा हेते। <u>र्नोक्चित्रवस्ता रनेर्क्षेट्रयम्ब</u>्रम्थेर्याया देखस्य निष्ठ নাপ্রকার কাল্লুকানেনমানাল্রমান্ত্র প্রকাশনা আ্বর মান वि.मै.धी ट्राय्य भ्रिट. त. श. वेबा ह्व. यट य. मैंबा रहेब तर राया में **ब्रान्यः मार्ग्यः के क्वां वर्षः पड्मा**'यावे'ब्रा'वे। रमानु पुटावकाने'वामानुटकायावे'ने'हाकाविवार्वे' बुक्य प्रमात क्ष्य प्रमात अही रियोग्य प्रमात विकास स्वाप हिन श्चिदायादा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा विद्या 'लब'अ'र्सवा अ'रुट'देव'यमा अविद'र्घ'युद्रियर'वदर'यास्त्रिर्द्विट' नेबाब बालायहर्षिब प्रांचर प्रांचर प्रांचर सेवा में बार्च ज्राष्ट्र विष्

बावदार्यानुबायायात्रिकायाम्बिनायकावेद्। हृदायविष्यसूदायान्तेयामविष किन्नु देन्द्र व्यवन् श्रिमाया दे त्रका विष् हे। दे विन् पु र्वत् त्यावाव में क्रिका विष पर्रत्यंत्रस्वयम् हेर्याम सुरवादवा देराण्याप्तरादवा के'ले' नेब' कुल' व्यक्त रुप्त निषा देवा प्रवस्य वे दुन रता हु पुराम विव र्वे। बैट'वै'झ'र्नेट'णे'वेब'न्युट'र्नुट'रत्यर। रेव'केव'न्यव्यान्वेब' पदुवायारे पु्टा धेवालामवा याँ मालटा मुना हिराये पेवा वेटा मे प्राप्त । विवास स्थापना विवास स्थापना विवास स्थापना **ञ्चे भेषार्या मुहार कुया महिला नै जानका यह दास्य पार्वदा है। महिला गुला** बे**'व'रेव'**केव'न्दा म्हर्दिन्ने'महै'वेब'र्याम्हेब'र्यापुर्वेद्दार्या दे **प्रे**काण्चैकाक्षाव्यामार्<u>क्षं द्वार</u>्क्षेत्रास्याज्ञाकारयातृ चुराह्या देवावयर पदी कुलारयन् वर र पार्ट हुन हो। देव बार शाम है है र पर हुन र प ब्रुवन्यम् नेटाहाके वार्याम् हेनामहेना विषयाम हेनामहेना हिनामहेना है हिनामहेना हिनामहेना हिनामहेना हिनामहेना हिनामहेना हिनामहेना है हिनामहेना हिना बहरा ब्रुपयायमा भैटाहरी कुरायायाया कुर वेरा युवाभेट विम बदः नुःरिवेशःस्। बढेन् दान्तिकार्द्रम्यः व वास्त्रवासः व वास्त्रवासः व वास्त्रवासः पर्चे पा अहर पुरायद परिवार का विशा (तिया) पा न अप विशास वा विशास विशास विशास विशास विशास विशास विशास विशास विशास क्षेट्र ह्मण्र (सम्) ठव्र मुँ । द्वारा प्रमान प्रमान हर्मा हरमा हिन्स स्वर मिट्र पर्कु म्बुद्या बुव्य यम् वैट हे दे रे। न्याय कुर्निट खुन् कुर बेर। त्रैरः**स्वायः म**हेन् 'हु 'चच्चैयः म्युट्यः चया व्हिंदः स्निन् दः त्रुः हु 'न्युर्यायाः न्याया ट.श्र.पिटा (श्र.पीटा) पश्चिटा एळ्ला विकासमा झें पका प्रमा भेटा हे

चित्र वित्र वित्

र्मा खुका यह व 'विव हो। ५ 'हु 'द्याय' कु 'य का माम व 'विद 'या द का का विव है र्वे। ब्रह्मचुन्द्रात्रायहास्य हेराम्हेर्याम् विवासामा स्त्र प्रत्र क्षेत्र हैं। दे क्षेत्र स्तर स्त्र स् स्त्र प्रत्र क्षेत्र हैं। दे क्षेत्र स्त्र स् सरामहें वा देशे रेटा शामवर 'तु साम बटा में 'क्स सा खेम । से 'क्स सा में ' पत्रवारा इवका चुराने। हे ता विस्वार्थनाय दे ति वुषा पुरा हे। प्रा म्। विषयः शुः विष्यः । दे विषयः प्रितः (४८.) ४८४ विषयः अष्ट विष्यः हे। ८४.५४ ব্লথ'লু'লুল্বৰ'ন'্দ্ৰধ্ব'ৰ্ষ্বৰা ই'ব্ৰ'%ব্ল'3। **%**ল্**জ'3। ল্ল**থ
 उ।
 उ'लम् [[८०] म्बुक्य ५ मुला | ६ देव प्रति । हि देव प्रति । विकास मिना ।
 देव प्रति । विकास मिना ।
 देव प्रति ।</t विद्यार्थमा वीवा विवासिका विवासिका वेदा दिवा विवासिका वेदा दिवा वेदा विवासिका वेदा दिवा विवासिका विवास <u> ইং. বৃষ্ণ ঝু ৠৢ লক্ষ কৰে কা ক্ৰুকা ঐণ প্ৰকাল্টকা শ্বুৰা মেন দ্বুৰা বৃষ্ণ লক্ষ লে দেলে বৃষ্ণ ক্ৰ</u> **झ'स'इंस्स**'श'सहाय'तु'रवें '८वें '८वें 'दब' वा वार्ड द'व' [[पर]] **वें द'प'र्ट ।** बहला हू, पृ. भुका बकू ता निट. दया पूर्व खेया तथा कें तया लेखा इंटर देखा हिंद्यःमञ्जूदयः प्रया अनुप्रयादयः कुषाये प्रयोग स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य नैयः ह्वापायिता प्रियाणी व्यवस्थित । ज्यापायित प्राप्ति । ज्यापायित । ज्यापायि पर-बु-चुन्नःपन। उट्टान्य-क्षुद्रि-प्याप्यायिक्यान्याः देनाः महिन्

निमार रेमें र क्रिंब के दे राय विश्व राय रिपा क्षु राये विश्व का निमार शुन्याक्षेत्र्याचे देवाया के न्या स्वाप्त के न्या स्वाप्त के न्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स क्वमायाम् वनायाम् विराह्मिकायराम् विराह्म देवे पुनिका प्याकुर्यायहर्। त्र्वयावि निवाकुष्य प्राकुष्य क्राप्य क्रिक्ष मनेरावा अवराया अवराया अवराया मानेरावा ने विषय **कु**'नर'र्'न्नवेनवर्श हॅ'स्व स्ट्रान्सर'र्पर'र्पर'सुन'शःकु'नर'ठवःर'नेर' हैसाम नेवाहे मानेनात्रेयाकु ठवायास्मान्यामवदाहे पञ्चिराहा **ने** मिष्ठेशन् सद्रम् सम्बद्धाः स्तुराने वुना अरार्श्वदाः है। देवसाम हेना गुद्धाः %त्युरामुदार्ह्मस्यः%पङ्कुरामास्रेदार्ह्। पुत्राष्टुसाम्बद्धाम्यद्वास्या न्ये क न्यानुसार दा के वा का से वा साम के निष्म के ना गुराया क्रेन्दिः <mark>वृह्मा पुत्रादेश्च</mark>ित्रः वृद्धिः व्याद्यान्तः स्वरी म्द्रस्य प्रमाप्त कर्षिया वर्षा व रेरे केट मवस पहन द्वापर सम्मान स्थापन प्राप्त स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप **ढेद-सं-कु**ल-प-८८-(ब्रह्म-१८में -कुट-प-मिड़ेब-गुका-स्मान नेवासका के ने परे वा विकास के के मार्च मार्च मार्च में के देवा में मार्च के मेर वसः सम्बर्धाः सेराधाः मृत्यसायाः स्ति । स्वार्थाः सेरा ब्यानेषायकाव्याम् विष्याचित्राच्यानेषायाच्या विषयाच्या विषयाच्या र्दरानी हिंसा देश में प्राथिन साम दिना परि दार दुना चेरा अधिका मान परि हिन

चुैरम्योक्षरम्गुवर्ग्येरस्कृत्यःखेम् कृत्याक्षवर्गेरस्किर्येस्। देरस्थेम् स्वर्थः इत्यामन्दरस्य रेरस्थेल। दुक्षरेत्रस्य देरस्वर्षः व्यव्यक्षाः द्वर्थः व्यव्यक्षाः द्वर्थः व्यव्यक्षाः व्यवस्य स्वयं व्यवस्य स्वयं स्ययं स्वयं स्याः स्वयं स्ययं स्वयं स्वयं

दे व ब म्बूब यहे के संग्वहार ब या है। शु र मा ही यह द मा हु हा का के के के स्वाहित का या है। हु र मा हि यह द मा हि स्वाहित का है। हु र मा हि यह का कि स्वाहित का है। स्वाहित का है। स्वाहित का कि स्वाहित का है। स्वाहि

देग्याम्बर्गम्ये स्थान्त्रे स्थान्ये वात्राम्या वे। प्रावस्याम्बर्गम् मञ्जूमकावकाकोरमकालम्दावकालम्या है। देग्यसायुकामहवाविगमहवार्यदेग ख्या विष्ट्रे । अर्थे व स्ति । व देवे । ख्या के मा मा अर्थे व । प्रति । स्वाय अर्थे व । **विष मुम्मान्द्रिक्ष क्षेत्र क** अञ्चलान्यान्त्राङ्गे अप्राप्ता अप अप्राप्ता अप्राप् व्यक्ष व दें। दें तार्दि मार्थि मार्थि पार्य प्रताय कार्य के प्रताय कि मार्थि के कि नग्तरम्बन्धसः सः चुरमः रूपमा विषयः सुष्या । विषयः सः विषयः सः स्वर्यः सः विषयः प्रविषयः सः स्वर्यः स्वर्यः स्व **⋻ॱ**बेर**ॱढ़**ॺॱॸ्⋻॒रॱह्यॱॴॶक़ॱज़ॶक़ॱॶॗढ़ॱॴॱॗॸ॓ॱऄढ़ॱऄॱॶॗढ़ॱय़ॱॴॗऄॴॱॸ॒ढ़ॱॴॗऄॗॺॱ **ॻॖऀॱह**न्न्यः ढबः ८६दः यः स्याबेदः यः सः देवेः दुवः खु। वढदः यः देः वैः वैदः ग्रीयः ५सुवः

त्तुमा है । मानवार्त्री विवास हैका क्षेत्र न्यु कामार अवस्थान का सम्मानका सम्मान देर'वॅद'द्द' अवस्य अवस्य अवस्थित । विष्यक्षेद्रिये विषय विषये हितामन वै है मारवित्या बुरा ही दे व व न्या न्या माउ र ने के प्रकार द व हैं आया ब्रम्यामात्रात्राकुषाळ्याः युवा व्याप्तात्रा कियातुम्य १ वासमावयास्या ৾**ঘাৰাউলা৲্চা**,ভুৰাষ্ঠলাইচয়া স্ল'কল্বান্টলান্ত্ৰাট্ডিবালাৰলাই बहरा विषामान्यान्य विषाक्षिता स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान **हे**'बह्द'व्या प्रत्यान'कर'ही'तु'बेब'नेव'रय'ढ्वाहोबबा बुब'य'**के**' नेया हुं मुँचा त्रीट के नेया ज्राह्म रमा ने छुं मिस्रात् सुट महरा क्ष'पव'रेव'माकी झाढ्याविषयाहाँगा विष्ट्रव'र् हे न्यमाधुन करा पर्द्व भेवारमा वेरानी ामञुत्र्धुवानिश्वा खामानामारात्रा×स्थाः% वै:न्रद:पर्ह। लब:मूर्वःदर:उत्रदाना प्रावेशरमाःवेशःईवापः विमान्या राष्ट्रवराय ग्यामार्ह्याच्यासु स्वापन्या गर्ने स्वर्पुरस्य **वृष-पब-र्ज्ञ**ात, क्षांत्र, छ्रा हुन, हुन, प्राप्त, हुन, कुन्नवा कुन्नवा कुन्नवा कुन्नवा कुन्नवा कुन्नवा कुन्नवा [[विर]]म्डिम् म्यवा पर चुँव विराग्धिम् विराग्धिका स्वराहि हेव पुरवासता मुरेम् प्राप्त विकास्या विकार रामी प्राप्त विवास विकास **ब्र**ह्म-द्रम्म प्रतिक्षात्र विषया विषय मसार्वा मुक्तान हिना प्राप्त मार्थि । सुर्वे रामस्य सुर्वे सार्थि । सुर्वे सार्थि सार्थि सार्थि सार्थि सार्थि स मन्यामा है मते नहीं मालना नियानु व मित्र में। है न सरे महिन सरे नुषासु वापव में दे त्वापा में वास्त्र सु हित्या या मु केया वापवा पर्व प्रायम वापवा **दानुषा** तमेट क्रुट अवियायामा न्यान हवा मेला ম্ রূব অর ত্রু ত্রু त्रवेद.त.ब्रेट्या कूट.अट.चे.ध्र. र्व.पश.हेद.त.ब्रेश.प.क्र्य.५्टी ब्रेश्यक.

लाब्रिनानमञ्जानमञ्जानमञ्जानमञ्जानमञ्जून ।

के हर हेन वा तुरके वा सुधामा नहाम महाक्षा है। याम्बेबरहेग्म्बरम्य म्हिर्ग्याप्ता निष्यान्यारम्य विवासम्बद्धाः प्राप्ता [Pঅবাৰ্বাট্ৰান্তা: ট্ৰাকানাৰ্দা নুম্বান্তান্ত অবামনাসূচ্<u>ট</u>্ बिदा। अञ्चराविदाग्रीपमञ्जेषायराङ्ग्यायराञ्चन व्या **दे**पपदाष्यराञ्चेषा ल'निह्न'> में बाधुक मबा ळेबाल्बिरामबबाण बालेबामबादेग्डनाचेरा देखान्यवन्यात्रीयः विष्यान्यः विश्वास्य विषयः । देखान्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय <u> न्युलान्दराने के प्रदेश पर्यक्ष प्रतास्त्र के प्रतास्त्र विश्वापिता विष्या विश्वापिता विश्वापिता विश्वापिता विष्यापिता विष्यापिता</u> इस्याणुः स्वाह्यस्य । विद्यास्य प्राप्ति । विद्यास्य । षे**व**'चुब'मबा ५सु'ङेहे'ध्रेन्नज्'ह' (पडवा) विराळ**नामान्यान्।** पुनाहु' ल्बिर-अर्द्धः क्षेत्रस्य ब्रह्मार विक्रान्त्रः क्षेत्रस्य । या क्षेत्रस्य स्या देवैरस्थायवि कुर्देशस्य सम्भारत्य (विद्या) सम्मारक्षात्र सम्भारत्य सम्भारत्य सम्भारत्य सम्भारत्य सम्भारत्य सम्भारत्य **शेराम्ह्राम्हेराहर्गामहेरम्ब्राम्बरा** म्बराग्वाञ्चा ब्रेट**.च**र्षा ४ क्रि.क्ष.चर.स.वी स.क्ष्ट.चश्क.द्यूर.क्र्र.क्रुब.**च**ट.४**२व.** मान्वेन्या न्तु हेरे हेर महिं छन् न्राप्तु छ्व व्यवस्य उत् [अप्तु कर पठका न्सु'कुव'श्रक्षक'ठन' ेीसु'सुन'कुक'ठल'८नुम सु'केव'णुक'न्म्र' बह्र-मित्रमा भ्रायवस्य १८ व्रियासर्रायास्य स्थापि । स्थाप्त स्थाप्त स्थापि । ष्ट्रीरा[[ह्या]]ब्लापुर्याव्यात्रेग्रीमाश्रवयारुट्रायर्वर्याता **155।** দ'ল্প ব'র্মম'ন্সুল'ন্তা আন্ব'র্ম'র্মম'ন্সুম'ন্স'ন্নন্ত্রনাল'ন্তা

८.७८८.था.४६<u>४.पासिप्या</u> विषयः वार्षेत्रच्या विषयः वार्षः वार्षः विष्यः विषयः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः पर्वेशःश्रा पुःकशः**प्रेरः।**मञ्जीराह्यः**र्व**ःयः**प**ष्ठियःसास्यायाण्यःयःसास्या <u>न्त्यामु देर्श्वाक्षात्रामुद्धात्र व वर्षात्र्याम् निवामुद्धात्र मुद्राम् व</u> र**ा** भे त्याने के अन्ति । प्रति विष्य के स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स **ग**'कु'सुल'पन्ना ५सु'रु'व्यॉद'रुहै'लब'पहेन्य'पुर्वासुप्य'द्या शू'बेय' ॻॖऀॺॱॸੑय़ॖॱॾॆॱॴॕॕॱॻढ़ॆॱक़ॺॱक़ॗॆढ़ॱॸॗॱऻॗॸॺॱय़ॸॱॻॕॱॻॾॗॺॺॱढ़ॺऻॱॸॣय़ॱॾॆॱ१ॺॺॱय़ॱ इयसः मुर्वेस। हे केमा इसस हा (८८) रमा भे महिसाम हिन्दी। रमा ॳॗॺॱय़ॖॱ**ॺॱॻ**ॿॖॖ॑ॸॱऻॱॿॖॺॱॻॿॖॸॱ। ढ़ॻॖऀॸॱॺॗॺॱॺॎॺॺॱॺॺॖॺॱ पत्तरः। दे वया कर वया श्रेषा राष्ट्रिया देशा प्रश्नेषा प्रश्नेष्ट्रा व्यवस्था विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट **ॳॱऄॕॖॸॱॹॸॱॸॎॱॎॸॿॴॱॼ॓ॱॿज़ॱढ़ज़॒ॱॸॱॸॸऻॎ**ॿढ़ॱज़॓ॱॳॱॺॺढ़ॱॸॸऻ ॺ॔ॱॕऺॸॱढ़**क़ॸॱॺॕॸॱॸॱॎ**ऻॕॿॕढ़ॱॷॱॿॸॱॸॖॸॱॺॱॺ॔ज़ॺॱॻॱॶॸॱय़ॱॐज़ॺॖॺॱ**ॐ** २.मेथ्य.पर.७५७१५। प्रा.७४४.८८.खेथ.पय.प.थे.पर्वटा ষ্ম্মত্র'লুল'স্ত্রই'অর্ক্র'শুক্ষ'শুক্ষ'ন্দ'ন্দ'নুক্ষ'র্মা শ্রু'ঐক'(শুক্ষ') ८5ुल'च'र्ये**'म**ठेम्'**घबब'ठ५**'ल**'म्**बुदब्। दे'व**ब**'रम्'वैब'लद्'टा'श्चैल'सु पविष्या विकामिते। (बहेर) भ्राम्यापविष्या स्वाधिकार्या स्वाधिका स्वाधिका स्वाधिका स्वाधिका स्वाधिका स्वाधिका स् वयायल्मया वामवार्यायुवारीतातुग्वहत्वयास्यायुत्या 레지역'[[당기] थट.रे.वैंट.लट.सूटस.से.चेचथ.तपु.चे.लुब.धे। ह्यं.वैट.केच.एवेंट.चेबस. णुःश्चिम् वर्षः हैं मा निहे श्चिम् वर्षः मा निहे श्चिम् वर्षः विष्या र्श्विपः व्यास्त्राच्याः स्त्राच्याः व्यास्त्राच्याः व्यास्त्राच्याः व्यास्त्रवाः व्यास्त्रवाः व्यास्त्रवाः व्य **ष्ट्राचेश्वर्यः स्वा**धेशः ॐग्रीययह्या व्यवस्य की. व्यवस्य की. व्यवस्य की. व्यवस्य की. व्यवस्य की. व्यवस्य की. व्यवस्य

वश्कान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान व

निष्यः हैं ना निषः स्वाववः सं स्वाहितः ति से स्वाहितः ति स्वाहितः

चकुत्रया स्पक्तान्त्र विकार्यक्ष विकार वि

नुगुरार्मराम्यानम् नियानावरीयान्यान्या नेवान्यान्या माला सम्बाह्यकार्श्वकार्वाचान्त्रवामा मेत्रानुसासु <u> ব্যামের লামব্রামগ্রিই রুশ্ৰাজুবালৰ মন্ত্রাকার বিশাবনামান।</u> देशान्त्रिं नामा देशायेन्सार्देशसाया देशाधेराशार्देटाञ्चायेवसा त्या न्यामर्थे अस्य नेप्नामीयाम्बुन स्वी मुनायहन्। नेयामळे न्यो तित्र प्रवर्भ स्वर्धात्र स्वर्धात्र प्रवेश स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर **5वार्वेनाला देशानुसुर्वेनाला देवामङ्गेराजेनावित्यम्**ता**रवाला देवा** वार्वे पार्चितार्मिते स्वाप्ति कुष्मार हुष्याप्तरः विकिर्धाव निः इत्तरमा विकेश विवास वर्गा विष्णुं भिष्ठित्र संख्याक्षा के वेक प्रवास में राम रुप्ता पर ना देगाकियादेव किया विवास विवास कर्म हिंदा दिया दिया दिया विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास व न्ने महेरहतुत्त्व्य महत्त्रः वृद्धवाल ने प्रमाने**क हार्ने प्रमा** मुबलाला देशाञ्चितालक्षुराञ्चेला देवामुबाकावेबाकुवाबळदावा देवा ५६सम्बद्धाः हेकार् व्यवहरणम्बुद्धात्य सुरवेत्र। देवासुरवेरावा देवानुंग्यान्यक्रियामा देवाग्रह्याक्ष्याक्ष्यान्यक्षा देवा वाइका हिन हिन है। नहाउदे का दान देवा विकास प्राप्त करा न्रें दुरे द्वे दुर् ्विम् ना व्या न्र दार्य मर द्वार हुन हुन है कि चन्त्रायाः चिताशक्षा तह्रवयायाः वेवार्यात्रेत्रायाः विवासायः विवासायः विवासायः विवासायः विवासायः विवासायः विवास पाछा वेसाम्भव अदासकसम्भव केतान्या समाम्ब क्रा विस्ता <u>ञ्चासाम्बद्धाः देखाकुः स्टुलामा स्ट्रेनामा सेवाकेमाने माना स्वाक्यरा</u>

चक्षेत्रत्यायत्हेर्यायार्थ्यम्यस्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य स्यास्य स्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्

पस्त प्राप्त प्राप्त वी यत्र कुरा कुरा कुरा दि सारि साम विष् बर्ग्युर्मा है। द्वाधिवया भैग्या वार्षा भवा है। देशे हैं वार्वे वार्षा वायवा र्ह्मिन प्रति । देवे प्रकृत पार्च प्रतास क्षा क्षा प्रतास का क्षा प्रतास का का विकास की प्रतास की का का का का षर'पठर'(रिजे।) व्यापरि'पण्र'वे'स्यत्य'ज्ञुस'पर्डस'ध्र'रर्षा सु ण्डवातहेवाचनारी श्वापार्यवान्यानेकवार्याकारात्रा देगाहेकाचेका युः बुदः कुदः या देवः इः प्रायेवायः ह्वा यहः तेः हः त्यः वेवः कुदः या देवः नव.२.८ के.२। स.ज.२। इ.व.भ्र.२। के.व.भ्र.जा अंब.नाजा यानुष्यात्म क्षुष्यात्म देष्यात्म सार्ह्णयात्म देष्पात्म देष् र्वते पहाने ने निष्या से स्वापा स्वाप्त में प्रता स्वाप्त में प्रता स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ୡ୕୵୷୲ୖୣ୵୶ୄ୕ୡ୕୵୷ୣୢ*ୡ*୕୷୷୲ୖୣ୵୶ଽ୕୵ୢଌ୕୵ୄଢ଼ୖ୵ୄୢ୕ଈ୕ୢ୵୷୲ୖୣ୵୶ୄୢ୷୵ୡୄ୵୷ मालहिंदामाला देवान् बुका है है कुलावकंदाला लहे व्यवायाला देते पुत्रा खु'र्हर्नि'हे'र्नुव'वसारव्निंशक्तिम्लू'पासहित्वस। सर्ने'रु'त्रा **खुस** चकु'यार्टा मुकानार्वार्टा हर्ष्यु थार्श्वालान्यवा न्वव्यापटा मन्द्रायास्य विष्ठाणाः कलादुः मञ्जून्य देशक्षेत्र वस्य स्र

लामार्झेन्याया ब्रामार्कताया सेनाचे युवाया व्यवस्थाया विस्ताया वि

निष्ठ-रह्णाहे पुन्यक्षाह्ण न्यात्र व्याप्त व्यापत व्य

यहर् है। देश क्रिया कर हैं हैं विष्या क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्षेत्र स्व

ने त्या श्रम्भा मार्ग्रमा स्वापा स्व

मि कुर्ने हैं का अवाव के कि त्या मि कुर्ने का अवाव के कि त्या कि कि कुर्ने के का विषय के कि त्या कि त्या के क

हि.हेर.उर्चा.चंबी. कारा.जा विटाम.दे.ेवितंबा.वेव्याचीया.चंटवा.क्रीया नर्भूरामाल्डा[मा]]वाक्षाकृष्याम्यानुबद्धामाल्याकृष्याचेरा मानीराचुवा ताबारी विदाताशाहेरान्यारानुगिवायातरानावायराव्यानाङ्गरानाहेवा लाब्रालिमाएट.तामट्टाइटा (बटा)बिषाटी.विबाताबाटा बिलाग्री. **स्त्रा**क्षा क्षेत्र विष्या क्षेत्र विष्या क्षेत्र विष्या क्षेत्र विष्या क्षेत्र विष्या क्षेत्र विष्या क्षेत्र विषय त्राचान्त्रेनान्त्रा न्याला न्यान्त्रा राष्ट्राह्या स्टारे हे ह्या वर्षात्रा स्टार्में वर्षा बळ्चा ताबळ्टा चार होता विश्वासाम विश्वासाम विश्वासाम विश्वासाम विश्वासाम विश्वासाम विश्वासाम विश्वासाम विश्वास [८८: ृत्रभुवावकाळ्टाबाराम्यस्या व्याद्यस्य विश्ववाचकाण्चेवाचेता ठन्'न्न्'यर'वुक्'व्वाव्यव्यय्यठक्'न्यर'न्द्रक्'य'**न्द्। न्यम्**'यक्षकः नुभाषामकुमा बददार्वमानुभावतम देखकानस्थानुमुवा विस्तरात्रका हैकामार्विमान इसका शहिकामा ह्वाम्या स्वर्गा सेनाका वसाने हर-हुर्-बट्र-रेबन्द्र्य-पश्चर-**प**श्चर-कुर-विश्वर-पश्चर-कु-पश्चर-रिक्र-रेव्र-र**्**र्य-स्थर-पश्चर-पश्चर-**리독**리 국·독작·원·[국도·]]국·취·리[모조·홍·경도·□롱미리 | 축도'권·리도요·□도미· कुल'र्घ'यह्रा दे'व्याब्हार्स्व'म्ध्रेय'ग्रेय'सु'र्याम्ब्रेय'पद्व'र्यराख्याया म.क्याकापाक्राम्याचिता वृत्यार्वाच्यावाकापात्रवात्रवात्रवाचिवा कुर मुः) पर्दर्भात्रवारा भेवार्द्रा परायाप्त्रवार्विरामुः मुत्रुप्तात्ववार्दे। बट् ब्र व्याप्त व्यापत क्षेत्र बेर स् । अत्र खुल द रहे रहे प्रस् पार स् र रहे। कुट पा हे र [पहुं पार] बर्मेव् कुर्युत् वी हिंबा सुरामा देटा रेग्या अव खुलाव केरे मन साम अन्

<u>६, बुर. (त.) क्षक्रप्तिवाला त्या. धुक्राध्येषः ब्री. बक्रप्त्र, र्रटः ब्रूटः ट्रेयी</u> **मिं** रेरे भु केरे रहें न ल'न ई व क्षाप बेब कुल केन प्रक्षित्या ने लाक्ष्य ने नारा (६) रा व नार (६) निश्वारहित्या मुळे अराधार स्वार्थ । स्वार्थ । मुन [[ळूट,]]ब्रा ट्रेन [क्रिक विकायमार्थे विष्या प्राप्त करी एड्ड के हे बरात श्चीपाञ्चिता नम्पानहार्ष्ट्रमापान्तामाञ्चीतान्याः श्चितान्नेमान्त्रम् सामान्या यदै क्रिया प्राप्त विकास विकास विकास महिल्या महिल्या के वा वित्रम्भेषावित्रम्प्रमातृ वृत्रा महान [मा] वे नावुन . रम:५८:५र्लिव अर्हेन्'याञ्च स्था अर्ह्व अर्ह्य अर्थः वेशार्देन्'रु न्वर्सता देश.र्य.क्.कीप.विषयाच्चे.स्राप.विराह्मरां इ.एवीराकीराम्यापादाच्चा **ऍ८रु:मुन्यः्रुंस**म्'रूबेर'र'ळॅ२' (रस'प्रंत') म्रेन মুব্'কুন্' बन्दर्भून्यतम् विवयासुर्भूम्यास्यार्भ्यम्यास्यास्य व्याक्षेत्रवा व्याचित्रविष्याच्या व्याचित्रविष्या व्याचित्रविष्या व्याचित्रविष्या षेव'यर'बष्टिव्'षर'प्यर'ह्याबारम्बर्सिसंसिर्धियायाः इववाकुं व्यव् १३५''''' क्ष्यां बेचा वेश विद्यां से स्वाप्त का अपने का अविवासाम्बरमायाः स्वास्त्रम् । विवयः विवयः क्षेत्र हो स्वित्यः मते नातः वना पवनतः मालेन पुतः वना दे तथा सत्ता प्राचनता स्वा भेषाञ्चुव : ५८ : [८८४ <u>)</u> बेर वहा देश पुरेव 'कु व किर प्रमुर पार्ट पार्थ '

व्यवस्याम् विश्वरह्व द्रवादवा विश्वर्षात्वा विश्वराचा विश्वराचा विश्वराचा विश्वराचा विश्वराचा विश्वराचा विश्वराच व्यव गुर्मि प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विष्य प्राप्त मित्र विषय प्राप्त मित्र विषय प्राप्त मित्र विषय विषय **बुँब-मधु-पञ्च-देनपः बू-पन्न-विक्त-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्न-विक्** कुर्नेनासावसायहर्षात्रावसार्वसायवाराहर्षे वेराहे। हादनार्गः हेवियाहे रे न्नाय्यद्रापुरमायाय्यद्रम्याने त्युन्द्रायाय्य । स्वाय्य्यायाय्य । स्वाय्य । स्वाय्य । स्वाय्य । स्वाय्य । स्व लाद्रवाद्याक्रे ख्रीत्याचा मुख्याक्षी दे वया मुद्राया द्वाया सेवा वया प्रमुवाया तर वियानयाया नविद्या दे वियानयया सु मुद्रा स्थारी या प्रति विवाया सि ८नि८. ५४. व ४. पूर् सेर. वैट. व ४. बै. ४८. ५ वैट. रे. कूथ. पर्विट. रेट.। व्यवर्द्रा न्ववारनारेष्ट्राके बुद्यायाया विनया सर्वे न्ववार ने ऑर्ज्न्टिके नेश्र देव दा के त्या कहिंद के ति चेश दिन । सर्वेद क दिन स्टार मुरापुर व सुद्धा के दिन क र्रे व से ब्राय हुन दिन । अह्र्राष्ट्रिराथः श्रुम्बायाया विष्वक्रिर्दे र्वस्या श्रुप्तर स्। म्बर्याया विष्या स्र रमायाची प्रमाया चीया प्रमाय चित्रा चि **लन्'र्टा** कृषारिंदुरानु कुर्रार्गीषारिह्रराजाः स्वादायाः स्टार्याः र 5.842.21 81.92.41.52.12.2.2.21 \$.52.2.3 ्रवायदेर्द्रमात्राङ्कीरहेर्मुद्रायमार्थार्द्वायायेर्द्रायायार्द्रायायेद्रायायार्द्रायाये **夏**4.ロ.知.変ェ.夫し 英석·역근. ፲.너ろ스. () 여성 . 십시 . 다석 . 경 . 입 . 여성 . 다석 . 경 . 입 . 여성 . विवास त्व्राच्या सा ह्वास श

चुन्। त्रम्भः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्र वृत्रः त्रम्भः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात

कुलास्या ्वामु है। ले नेवार्दे , डेबामु मारमुसा देवारा अर्दे । **कै**रा**हे त्वर् वार्णरायावा गुवर् त्वारायं खुराद्यायाया** ८५वा दाखाद्यापयाद्यस्यदेश्यापृष्ट्याधुन्यस्य मी हार्षेराकानेया ऍ८ॱढ़॓ॺॱय़ॖॱॻॱॡय़ॗॖॖॖॖॖॻॱॾॣ॓ऻ ॸॣ॓ॱऄॳॱॻॾॣढ़ॱॻॱॹॗॺॱय़**ॸॱ**ऄॗॸॱॸॣॕऻ ॿ॓ॺॱॶॸॱ पञ्चन है। क्षेत्रास्य प्रवास प्रकार प्रवास प्रवास के स्वर मे के स्वर में में के स्वर में में स्वर में के स्वर में के स्वर में में स्वर मे <u>चुः स्त्रे। विद्यानी सक्तर नाव सासे राधा विकास पार्टा सामिता स्त्रानी प्रस्तानी स</u> क्षेप्रमुक्ष हो। देकाकेर प्राप्त हम्म हम्म हम्म हम्म क्षेप्त विकास हिम्म क्षेप्त विकास हम्म पर्में प्रकार्यका हैं प्रकार के प्रकार के स्वाप्त के प्रकार के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व न्दिन्द्वलालन्द्रणीयात्रेरावया द्वाराहे त्याची न्येराया पुरास्तान्या खनायारे व कानकेराब्रेगिला ब्रैकामङ 'ह 'हु : व काब्रु '[रूटा]ह 'वि करागा ''' 551 \$AVBT157515151 ATBAT58XXX551 585475 भागितात्रा मुम्मेराञ्चात्राम्य वारामा विद्यास्य नहुन्। तन्। पट देशे भुनास रे निहमा ने वित्स क निहेर पहुनास परे **भुः** PE'59'8'8'00'00'5'51

मबाबाम्बान्दरतुष्यामृत्यादवा देग्न्यायाम्बेराष्ट्रीयस्थायस्य प्राप्त नस्रावया कुलायानासुनाहेहान्या द्वार्णेखाहेदास्रेवासा कुम्परा <mark>বিচার্কা</mark>মানাল্যা দেউাম্কামিরাউল্টোলার্মাকানালাম্বিমানালা डेमायम् वरापुःद्वारपुद्वार्द्वाययापुन्। उत्रायमारपञ्जारो सहस्याप ममा महुरन्तु छन् ममानी बर बुर नै हुर में देव केवर मनर में ५८। ह्यु (४८) विष्यु स्थित्य स्थित स्थापित स् म्बदः ळेंबायदः वेंज्बायाया मुद्दा सिंकदासिं कुटामहैवाबायसायर मुदाही यान्यरामार्यप्रम्यान्यम् । विष्या विषयम् । यान्यराम्यम् । विष्यान्यस्य । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । व คลั้นารูาผลานรูสาดูกลานสา**ลัสานสาลารัก**าค**ะสารนคาผาผาัส** र्द्र'म'म्हेन'णु'मर'(5')लव'म्हुब'र्घ्व'र्वे। इल'रिंक्'ट्रेन्फ्हेन' ॅ्रहे रिचुटामाप्टारिको याचा में खासरी क्विष् वुषा प्रमे का**त्रसम्बर्धास्य** ৰৰ'উনা ৰ্ল'ৎউম'ভু'লুন্'ল'ছেশ্ৰ'ালৰম'লম'লুম'<mark>ৰৰা ঠৰে'শুৰা</mark> ८व्हास्यामा हे.चेंहेंार्हेंार्हेर्रिंरेलर्थातामा विश्व भू.या.पिया **ঀ**ঢ়ঀ৾৾৾৾ৢঀ৽৻ৼ৾য়৸য়৾৾৾য়ৢৼঢ়ৢৼ৻৺ঌয়য়য়য়ৼঢ়ৢ৽ড়ৼ৽ঢ়য়ৄঢ়য়৽৻য়ঀঢ়ৼঢ়ৄ৾৾৽

चहुकायानासुन्कायम। हे'हे'ळ्यागुःसुनास्यकाळे नासुनाहुनाःयाम्यस्य वयास्यानाःकुन्यायान्यक्रित्याक्ष्याकारळ्यानुन्यक्ष्यात्राम्यस्य वयास्यानास्कृत्यायान्यक्षाळ्यात्राक्षयानुन्यक्षयाक्ष्यां नास्याक्ष्याः व्याप्तास्य

८८.। ६८.प.७.प६.प४४.त.८८.। हुअ.ि८मुज.<u>गित.कूर.</u>७के.८४ महम् रत्युष्टर वया प्रैकार्यर देवस्य स्वयास्य प्राप्त स्वर प्रम्भागः लार्चालाबङ्घान्ह्रान्त्रात्वरावद्धरारी महाबारालाह्मार्वरहेवाकुलाबळवा हे पः गु तः वतः पु प्वरुपः सं रहे स्वा हे यः वे वाया **गुरुगः** ल्यान्यया मैस'मल'खल'्के 'ठ'देहे 'महम'लम' | मन [[दसर]] है र 'बेर 'दस | हिं र 'हमेला **६.९.००० विशयायीया क्याचिला चेश्चारची छ.५००००** ल्हिराक्षाचारम् वस्य ग्रीम् प्रत्ये म्हास्यस्य स्वाप्त म्हारामा स्वाप्त स्वर्षा स्वर् ज्ञत्र त्या त्या प्रमान क्षेत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क वनामक्रावन इराझान्राराना वाहालाकुष्माहान्या सुपाकुष ५,२८। ४ के.वे.व.२८। या.व.ल.वे.२८। वालपाल.वे.२८ नमा गुरबरम्बैरनमा विषयि विष्युरिया व्यवसम्बन्धानमा **न** ष्यं भृष्ट्रा इप्तार्भृष्याप्ट्रा दे द्वास्य गीता हो का प्रमुख्य विकासी विकासी बराष्ट्रिया सुका वर्षे हे के बार्षिर १३ वरा वह है १७ १५व १५व १५व १५व १५० १ हिंडे मालार्टा यायायाचार्यात्रयाश्वयार्टायहत्याद्याद्या द्वा बदार्मामञ्जूरा देवे पुत्र सु मह मार्च मार्ग रदा। है हे लि चुदाया तार्श्व मारा ৰদ্ৰেষ্ট্ৰাঞ্চাদৰাৰ্শনা ভিন্নেন্দ্ৰীনাছাত ট্ৰেন্ডকন্ৰৰেশ্যৰা म्यार विवाध ता वाहिया है जिस्या हो। स्थाप स्थाप हो वा विवय। छ्याक्षेत्रकार्याः विराह्मन्याः विराह्मन्याः विराह्मन्याः विराह्मन्याः विराह्मन्याः विराह्मन्याः विराह्मन्याः व 씨다'라보도' 라'윤'지본 원'5'등의'라'의'도' 원'5'계'자'면화'도다 मङ्गागारावज्ञात्मा विषयमाज्ञामाञ्च द्वाद्या रहानी श्वापायामा

निक्ष-चिक्य

त्रा कुराक्षण्या व्यवस्था विश्वस्था व्यवस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य

पतेःभेग्नेग्पत्न्या युन्यान्यः युक्तः प्रवेते स्वात्यः स्कार्यः में त्राप्तः प्रवेतः स्वात्यः स्वत्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वत्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वत्यः स्वात्यः स्वत्यः स

देव के व प्यान प्राप्त श्रिया व स्वाप्त (८४) व प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्

हे हैं भ स्थान्त्रम विद्युत्त हैं न दें से दें है न द <u>नशुकाषेत्र पुराकुनार्दराणु धुन्यार् में ह्याला केवा विवास</u> हेर रमेल इंग रहा में विकार हा मुक्ता विवादका विवाद के प्रांचा केर बिटामुब्दायास्याम्परामुना ३०मायेवावानेम्बराम्याये क्र्यातिम्ब्रद्राः जिवेदाष्ट्रप्याक्षाः प्रवेदान्याः विष्ट्राधाः विष्ट्राधाः विष्टा कुलामालार्श्वासाराके स्थापाकेरास्य पासुका दुरशाकृतापा प्रामेरा त्रेन्याम् विमान्यक्षात्राहरू । विमान्याम् विमान्याः िलेल, नि.स्.ॅ.ची बै.सहेंच.एर्सेंक.क्ट.ची.ज.**रेस्ट.ची.क.वंश की.चट.** न्राष्ट्रीम्यावार्क्राचुं प्रवाद्वात् कृतार्थात् विषयात् विषया के विषया के विषया के विषया के विषया के विषया के अमा कु दें हे मन् वा क्षाणा काल के या निमा निमान के कि (इहेर) मुद्रम् । तम् । विष्यु । विषयः । विषयः । विषयः । विषयः । विषयः । विषयः । केन'सॅर'चुर'म। वेन'म'न्छल'ग्रे'मह्ल'बुनवाल'लेनवासरमा म्नुपायास्व सुकार्छम्बायायायाव्य १५व अस्त या वस्य वस्य उत् सिव्य पा हैतामहैना माभुष् सुर्हे भी भार भी हिंद विकास मा स्वापार भी कारी मान निर्मा बुबाडु र न है बाच बुबाबा सहै र द व बा बावबा में न जुना समानकु व र म ने र ला वॅद्'णु पर्वद्'व्या द्वार से सस्दित्र स्वादि र स्वाद्वर दु खु रहे व खु स व स खु स र र र र र र र र र र र र र र र ८म् वया गुराम्दाया व्याप्तारा स्वाप्तारा स्वाप्तारा स्वाप्तारा स्वाप्तारा स्वाप्तारा स्वाप्तारा स्वाप्तारा स्व **गु**८ खुर्म के गा रिनो पहें ब मिठे न त्या है व रि रिन ग्री के समारुव त्या सव र र र र स

ऍन्यायान्द्रिन् ऍट'पर'तर्न्य देयास्ट प्रमुद्या **ऍट्र**पुँद्यपर द्या ग्रीय पर्वसं प्रता प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र पङ्कान्युद्या देवका असासुता नुप्रविषया वास हे दूरा नुप्रविषया । ने व व मुन वन नु मुंबा ने व व सु [रहा] नु मुंबा ष्ठॅ भिर पुर्चे व वत्या है 'संबर हु प्रमार मी' हु 'इसवाया महेंद 'मा' सह द 'दें। देर' ठन्याया। क्षुपुटाढ्यारॅन्'ग्रै**यालु'हेव'न्'ग्**येर'स्टानुन्प**न्**पुथा**वस** ॺॕॖज़ॱॺॸॱॿॖॱॻॱज़ॺॖख़ॱय़ॖॺॱॸॖ॓। ॺॸॺॱक़ॗॺॱॻॖऀॱॻॾॖढ़ॱय़ॱय़ॎॱॸऀॺॱ**ॻऀॺॱ**य़ड़**ज़ॱय़ॱ** भन्याया द्वार्थरात्राप्तवायायाया विष्ट्राच्या त्यात्रा निग्तिरानिः हैं 'हे 'ह्यात्रानिः 'ने ह्या निवास निवास का मानिका का निवास का निवा २८.षु.२८.वियातयो ५भ.ग्रीय.लुध्याविष्य.वयो जय.४ष.जय.सूर् बहरा क्षुवयारकार्यान्या द्वायावणरायन्यायाच्याकारकार्याच्यान धवा नश्रहारा वियारमा भेगवियादी करवासरा श्रुपाया हारामरा के गुरवेश मुशुरकार्या हुँ 'द्रायरार्घामहेवामवकालामाना यरार्घराञ्चयामहेर म्निब्राच्याम्बर्दाः वृद्याः भेर्न्याः दुदिः ब्रायाम्बेम्याया सदार् गुनुदा। सिंकेदा रिव'केव'पवर'पॅश'स'र्नु'पहर्ने'र्न्'श्रुं'र्न्नु'व्युव'र्द्ररस्वत्रार्वेद'में'प्रविस्रा [PC:q] 환역적·형·독형사진(주조·형·결작·평·좌조·전·ፙ독·다·두도기 흵·[[અ도ूब·]] व पर्वे अ स्व पर्व अ वा अपनि । विश्व अ अपने प्रवास । विश्व अपने प्रवास । ॻऀॱॱॱऄॕॖॸॱॻॱॿॾ॔ॸॱॸ॓ॱॿॖॖॿॱॿॾॎॸऻ*ॱ*ॸ॓ॱॿॹॱॸॻऀऀॺॱढ़ऻॕॸॱॿॿक़ॱॺॱॺॸॱॻऄॕॗॸॱॻॱ में 'लॅ' गारे 'अहर 'वया धुना सह र ही। दे हैं व 'हे व 'हे व ' हो व दा हार दे व है ' लास्याकारुद्दर्क्षाः वेसा टार्चेव कुः नरव श्चिमा हरे हेर देर रहा हैं। म्नाच छट छट ए पड़िया रिनेया र है अधिया रा छे द में हिट र दिया र में टिया

वया त्रम्याप्तः पञ्चेषु व प्रामुदः केवः मात्रास्ता देवे हेवः व व स्युवाः हैं र <u> শ্ব্ৰিব্যাম ক্ৰমাৰ্ক্ত ক্ৰেম্প্ৰাম ক্ৰিব্যাম কৰি ক্ৰেম্বাম কৰিব্যাম কৰিব্যাম কৰিব্যাম কৰিব্যাম কৰিব্যাম কৰিব</u> चक्चित्रक्षेट्राता. क्राप्टचेलाला क्र्याच्या अट्या चक्चित्रक्षा विष्या क्राप्टचेला **७८। ब्रिलामाविद्याल्यामाबुरायदायाद्यानाबुराचे के स्ट्रा मुह्या ढ्यार्भुट**रम्मित्रयार्थे अर्थेटर्ना रूप्तर्भित्र म्बद्राप्यताम्बद्रास्यान्याः विष्यान्याः स्वर्षाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषयः न्म्त्यायाः संयापाराञ्चितः हेयाः सुरत्यात्या क्षेत्रायाः हिस्याः [[८६५]]गुत्रायदयामु वेरापार्दा ५ ५ में के मुद्दापर वेषाया हे दार्या थे दा <u> র</u>ুম্নান্দ্র স্থার্থ বিষ্ট্রাল ব্রান্ত ব্রান্থ করে ব্রান্থ করে ব্রান্থ করে ব্রান্থ করে ব্রান্থ করে ব্রান্থ করে ব बेन्'यर'न्यर न्नुर'न्ब'केष् र्ष्रेय वेर'य'न्र्। कन्न स्ट्रिं रूप स्था ॐप्याञ्चित्रकृता ञ्चेताताब्रारम्याच्यात्राच्यात्राच्यात्रक्षाञ्चातात्रव्यात्रक्षात्राच्यात्रव्यात्रक्षात्रात्र इत्याच्यात्रक्षात्रात्रकृतात्रात्रकृतिकात्रकृतिकात्रकृतिकात्रकृतिकात्रकृतिकात्रकृतिकात्रकृतिकात्रकृतिकात्रकृत व्यायान्त्रे त्या हे प्रायामा अहरा है।

बाद्यरास्त्रम् स्वाप्तात्म् व्याप्तात्म् व्याप्तात्म्यम् व्याप्तात्म् व्याप्तात्म्यः व्याप्तात्म्यः व्याप्तात्म्यः व्याप्तात्म्यः व्याप्तात्मः व्याप्तात्म्यः व्याप्तात्म्यः व्याप्तात्मः व्याप्तात्मः

न्द्रियाच्द्राणुःक्षृद्रायासम्याचुद्रा त्व्रसाचुकान्द्राच्यान्

स्वास्तर्भा स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास

८६व.पवट.प्र मि.वर.वि.कुर.एविटब्र.चा ४०.२.विटब्र.चा तेल.थ. वस। हैं ना ने देना पार करा अहै । पहुंचा पर्डे मा दुंगा मा ना मा मा ना मा लक्षाचर्षुकायाप्ता देहे देव चुे प्रचेलाचा क्रका चुे चानका सम्बद्धाः महि है मित्र महुर में। नि मिले संख्वर मिले अर्घेट स्था समाया या है समा गुैका नेकारमा कुकायर वहरी है। देशे रुवा कु कु मिरामा के हि द के रु लत्। स्रवात्वात्वर्रेह्रवरञ्चवर्षा वित्रम्ग्वनवर्षेर् ८व्राक्रिंद्रें दें दें दें दें के के दिना देन का में दिन में किया के का किया के का किया के का किया के का किया মেই দুঝা ইনা থেনাঝা মেই ক্রামনা গ্রীডের ক্রামনা গ্রীজান করে ক্রামনা গ্রীকা नि. कुर्यात्रा बेरबेर्यात्रा अटलान्यानी बलावयाना है हिन्यान्या तारिद्रम्बस्यास्त्रस्यार्वेदान्यस्याम्या द्रमाण्यापाक्रमारस्यान्यस्य बाश्रवा पानेरामहत्याने मन्द्रा विक्रामहिता स्वा **७**०१के गुदादारे। यह ने प्राप्तान सम्याम स 8 मुन् चेर वेस पह रेप्याविव केर्प्य है सम्मान हिन्दी रहे हैं ॅंदर'चेर'चर्या श्रेथ'स्व'चुल'चें'ल'कर्'अ'चुव'मश्रुपर्या देव'णुर'क'**ठेव'** ५८। व्यवसामा इंगवाबेना ५वेगामहेबा ५वामहेस वर्षमा मी है। इस पर दूर सह दासह व केट में पवट में रिसेश कुट दूर र्वेद्राध्यावाराः अन्याप्ताप्ता न्वा न्वा मान्यायाः अप्याप्तायाः विष्यायाः म् शुक्षः प्राथवा क्वा देवा था श्वा वा त्रा विष्ठ है वा त्रा विषय विष्ठ मंबिकास, मूर. टे. बिस स्टार्थ वया व्या विषा है . हिंदा अया रेनास हिया प्रचीर मी स्व.पर्यातियाधेयाध्याध्यापञ्चीराह्या व्यरात्तियायद्वाराह्या ्रुवा ले मे साथ स्वासाय स्वास व्याप्त वार त्याव न्या व्याप्त द्वा विष्त विष न्तरायान्या। त्रेषम् रायातार्थम् वारायानुया। नेते नुवासु हिनानी त्वुरामबुनाबारावान्। नियास्याम्बरामङ्गान्याः नार्डना क्रामानुबानुबानु मम् २ वै क न स्राक्ष स्रावद स्राक्ष स्रावद स्राक्ष स्राक्ष स्राक्ष स्राक्ष स्राक्ष स्राक्ष स्राक्ष स्राक्ष स्राक्ष स्रावद स्रावद स्राक्ष स्रावद स् र्षम्बरमःस्त्रणुटा। र्देवःचुैरदेर्गिरवःहिद्याःवेषायम। स्रिःद्वरमायाकमामा ৡ৽য়৽য়ৢঀয়৽ঢ়ৢয়৽ৄয়৽৾য়ৼয়৻ৡ৽ঀৢ**৽ৼ৽ঀয়ৢয়৽য়ৢ**ঢ়য়ৼঢ়ৢ৾৽৽৽ঢ়৽৸**য়ঀ৽ঢ়ৢ৽** न्दः। हेर्द्रःत्रचेत्राया**क्वया**न्दः। कुलार्घाताम्न्वयायाम्के**यान्दा त्रा** मःचन्यायः प्रतेष्पद्धितः स्पार्ति क्षार्या क्षेत्राम्यया प्रतः । 🛴 हुँ ५७ र्स्ने र म्यान्यया स्ब. २व. चेत्राचा रुष्ट, श्रूपा अत्या (मूटा) वि. ता रुष्ट, श्रूपा अत्याचा स्व. **वै**। देवाणुवानु 'द्राप्तराम्यकार्वे। देखवादे 'क्रवाणी' प्रतराञ्ची प्रवासी

क्ष्यां स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य

本に「「「日本」」「「ある」「「内容」」「「内容」」「内容」」「「内容」」「「内容」」「「内容」」「

वित्रु वित्रवास्याव श्रिमा प्रमास्या म्या क्षेत्र महितास्य मानवा श्चिमाकायाया केवायाया हिमामायाया हिमामा समाया हिमामा समाया हिमामा निर्मुट कु निराधितालय भेरतेया है पित्र निष्टिया विवासी विवासी ष्टिराण्चैबाने मेनानु प्रमानु प्रस्ते । १ देश स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स **इं** इं अइंदर्म्य र्प्त्राम्य क्षेर्यम् प्रतान्त्र विष्यम् विष्यम् विष्यम् मामञ्जाम निष्या मामज्ञ व मान्य णुै'न्द्र'स' पुर्मा प्लेपर्द्र चुै'हे' केद'र्म' स्वित्र हुन्' कॅ' बेद्रान् हुट' दु ख्रु हैं कि पूर्य हुन मूर्त है। ४ मूर्त तारा तार कर पूर्व कर मूर्त हैं दर्द ८व्ना भे पर्यप्रवस्त क्षेत्र पार्टा पहारी पहारी का का माने प्रति । मान्तर पर्वा के मान्य विकाल कर मान्य प्राप्त कर मान्य क न्दा रामेरे कुर है पुर पदि रामे कुर कुर कुर विषय समार पर । मि ्महःमार्रे सागु सामञ्जूरा मुदाया ५६। गृद्धसारमा नी सामरा समारा समारा स क्षराह्मारायराम्बर्गा महाराख्यापरावहताही कुमारा**ट्रा**मित्नसा

নিৰ্মান্ত্ৰ বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র

कृत्रभूतायतवान्त्रवाता न्येवाराह्र्रहेर्टात्रवार्ययाचीवाद्वर्या न्नायर पहिन्यान्ता न्याया त्र्यायान्ता ह्या हे केवाया बुवा नम्भरायदे हें ख्रमार्थेन प्रदेशी पहिला महिना सिन् मिन देध-बन्नाम्बर्स-है। महन्न-द्याय-एचुटा महन्य-द्याय-बटा महन् न्नामानान्त्रामा न्रेयान ने नहीं न्रेयार्व के ने ने न्रेय गु.बैं-८न.नर.नेबश्या के.बर.ंटे.कं.ने.ज.घ.१३.वे.वर्बेबश्या तर. न्तः अधुवः प्रते क्षेत्राच्युः प्रवे न्ताः प्रवे कार्यवः नवः स्वान्यः क्षेत्रः विषे पश्चरःर्। **प**श्वर@८'स्र्रंपानेबर्गानावावावाक्षाक्षिता श्वापार रुप्छेषा पहर **बुदारमा'र्**राहेपाला[[क्रम्बानायाचेर्यस्यायबायराणुरादबा यहाते।5" सरायानहेवा बुह्मायाकरामह्या प्रातृ उपाप्य भे बुद्दा प्रातृ । **न्या**न्तात्र्याचा के नेयाब्नयाण्यात्याचा क्षाप्तात्याचा क्षाप्तात्याचा क्षाप्तात्याचा क्षाप्तात्याचा क्षाप्तात्याचा कृतायार्सन्यान्ता न्ववायमान्त्राम् हिन्तर्ववा ×ι

स्यारहिन्या (भेटा) त्यामा स्वाया अतार्यं रहेत कर्षा वाहर हैंदे स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्व

च्यांकरसंदर्भ स्वरं स्

देशपान्यान्ता वळवापहूरानेयारपान्नित्या हेरहा हेरहा हिन्हें समानित्यस मा वर्गवः मः न्यवः न्यं नामन्यवानाः ने द्ववकः मञ्चिरः मा विष्टः सं प्राप्तः प्राप्तः विकात्र्रवार्वेबाकुवाकुरान्तिवार्वार्टा हे हिर्मान्यास्यास्यास्यास्य रम्पाना के किटा किवाबारेटा पश्चाता प्रविद्या हो विश्व प्रतिवाचा. **६५**.ज.ब्रचनायाम् वर्षात्रेत्रम् क्षेत्राह्यः च.४८.४वैटाच्चायटा-रत्तात्रः **.** हे' ८६ मन छेर छै। इंडिंग र्णुल ७ मिर [[छैर] के म ह्या विवाय वाया हाया न्या विषया में बर्ग की में निषया ता दे अवा निष्ठें राष्ट्र मा का क्या हिना है या है या है या है या है या है या न्ता ल्राष्ट्राचा वेवा क्रिंच चिता छ्वा त्वरान्ता ल्राष्ट्राचा क्राक्टिया ल्रा ५व.४८४८८। पूर्वे.त.तर क्रेंब. व्याप्तरीय प्राप्त पार्वे ब.तपा लिखा व बाता है। ५.२.चे.चर.तेच.यपुरल्यकाल.चिरैचल.यश व्याज्ञान्ता रहूर.जू.जूज. मान्द्रान्षुवामते नृगुवाल्यान्य वुग्वानान्। ई हे इवाल्युनावते नेवावय बहरा क्रेटामान्यान्तरम् निष्यान्या व्याप्तरास्या **अ.२.त**पु.कूब.कट.तथ्र.चिवः ८८.। ट्र.ह.लच.श्रु.च्रीत.घचय.चम्.क.ल. विन्यान मुद्दा देवका कुष्ण नराष्ट्र मानविन विविद्या विविद द्र-द्राक्षानेवार्न्हे हुन्द्रन्वाववा न्नि-निव्याला है।(रटा)मा चेच्यायकूच्याच्यारचार्टा विज्ञायहरार्द्राञ्चारा विहासाप्रार्द्धाना 5८। वॅट्राग्रेप्ड्रॅब्रायाबाटावयाचा वस्त्राच वस्त्राच्या वस्त्राच्याया धन् कु के द में हे रह पहुरम् हुवा वि क्षेर कु प हे द र प कराया न सुर स ह्र ख्रवाक्षाचेवाह्र ह्वाणुटातणुरात्वाता च्याक्षा व्याक्षाचारा श्चि वेयारमामहेणयारमा वेयापहेणया गुमागुमागुमारमा विषया मुग्य

मान्दा संदूरमात्रवन्यावाळ्नामेवात्रह्याद्मायाचीत्रवेशामान्दा कुरारवित्तिव्यान्त्रमः कुर्मुतायनसारनारान्युरारी सार्वित्रार् 피미저·디'디드'ㅣ ᆼ ᆼ 중국'전'░'디'디드'리처'뛆이'처리'ố제'滿고'디픭국'폰ㅣ국' प्रार्थितः इ.ड. त्राच्या ग्रीया नेप्राप्त हित्य हित्य हित्य हित्य हित्य विकास ८वृट:८८। देहे.कालनाःअव्विःहाःअस्वारत्वासायाः सुरा सामा र्द्र'प'पर्स्र, बेंश्य, क्षित्र, ज्ञियस सेंग्येय, क्षेत्र, बें द्रे द्रे प्रतीय श्री थे स्टार्य वयः व्यापारवृतायि कुना का के का वास वास परि कुना व्यव अव त्या अट दा प्रश्तुर है। अव खुर विष्युष्ट विषय विषय कर कर कर का कि स्व पर्यट्र द्रवसः मुला वळद् गीवा गुट रिया विषा भी रियो वा पारा विस्तर स्वावा पाय सुरा दे। मुद्रेनाःश्चिदं स्टन्यः वयाः अन्निरायक्षययःग्रीः प्रार्द्धः माल्यः नेवः स्माञ्चायः स्टाः। ब्रास्त्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात् र्भा स्परायुष्यात्रीरिक्षात्रीर्भात्रीत्राचिक्षेत्राचे हेर्ग्यूर्मा विषया र्मात्रुक्षःग्रेका न्यांत्र्यान्यः व्याः द्वाः द्वाः द्वाः व्याः द्वाः व्याः व् **अतु 'म्म'**मञ्जूर। देख'ल'ञ्जुल'में र्ञू मा गुव म्मलर हें हे मल'खल दु लव न्युरुष् कुन्द्रवाद्या प्रवाद्या प्रवाद्या विश्व व पार्षाः द्वाप्तवा विति वित्या ब्रमार्थर्द्धरमासेटाने कुलार्यसम्मब्दास्य प्रमानियाम्

निया मुन्या स्वया वित्या वित्या वित्या मित्रा मित्

ल्य. २४। ८४. हु. ८ तथा की ग्याप्या मा अवार रायत की रायट हुना द अया न्ता श्रेव में देवे भारा भारा मुद्दा क्रिया में दे प्राप्त क्षाय के निष् ब्रेनसम्बद्धान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा कु.पञ्चातम्पेर.क.जच्चार्टात्वयाताला मैंटाचयरायाज्ञान्यरायाज्ञान्यराप्ता रब्रिभागान**६वा**रम्रोला खटान्याम्। स्वाप्तान्ति स्वाप्ता लक्षेत्रच प्रताहितात्। विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास ब्राक्ति क्रि. मिते प्यतः न्या प्राहिते क्रि. मिते क्रि. मिते क्रि. मिते क्रि. मिते क्रि. मिते क्रि. मिते क्रि. **क्षु.बर्.वेट.। पंजेर.**पश्चेरी ्ट्रट्य.पत्नेटा प.सं.थे.रप्र.बोर्थथाणी **इ.प.१ १. में य. ४ व. पर्ये**ट. पपु. ८ प्रेट थ. प. ४ टेश. प. ४ तथा था थिट. यी. थट्टे. की गुब-छेद-म-स-दा-ता-भूर। अध्यय-सुवाया इध्याया स्वयायाता [[छरु **पश्चा. े ज्ञानायक. ४ देवन्त. ट्रे. ज्**रूषा अ. पुत्र-८ पट. हिंची. ८ ट. ८**६५,४४। ४.**७.६,८,४८,१७,४४,८५८,१,४। श्रुथ४,र्जु,७००८, हा. (का.) प्रतिमा, प्रतिमा, प्रतिमा, प्रतिमा, व्यामिष्ट, श्रेट, स्या ब्रह्म-ब्रियानस्या द्वेयान्येयान्यानस्य व्याप्तितान्यः · 하나도, 열차, 스타어, 취, 여, 선생, 어, 다 하는 이 나는 아이는 이 देब-वुद-**ल-**वेब-प**हेनव**-ल-प्वकृता (देब-इटब-)न्यल-पहेनब-ला देश-इच-इ-र्माल-कु-रम्प्-दिवाला देश-भावत-स्-रम्प्-कु-अकूर-निवस-ेकाला देवाकानियाद्या धुनाला देवाक्या अलामी देवाक्या प्राप्त ्ने न्द्रन न्द्रिं। देश श्रवा कुता में देश श्रवा [क्रिंग के रामे प्राप्त वारा े दे हिर कुर पा**क्रवर** दिवागुपाया कराया है। प्रदायेशया विषय . संबंधा क्रियावाया क्या (छ. चुया) ग्रीया पीदा हे. ट्यर विषया स्वास

न्वन्ष्यः व्यान्यसः वृत्यः देवः याः के। वृत्यः प्रिन्तिनाः नेः देवः याः के। वृत्यः प्रिन्तिनाः नेः देवः याः के। वृत्यः व्यान्यः व्याव्यः व्यायः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्

त्रस्य न्याय निर्मे स्वाप्त प्रति प्रति स्वाप्त प्रति स्वापत स्

মছা নথ, জানত গুলা ছ্লান্ত, গুলান্ত, গুলান্ত,

म्बर्स्यायः ह्रम्बर्माया है दान्याया स्वरं विकास मिन्नाया <u> पर्क</u>ुर्'पन्ना सर'प'न्रकेलक'स्वाब'स्र'च्याव'स्। झ'न्न'र्-्रे'हे'पर्नुर ८€्षयापानकृत्राचयाञ्चात्राच्यात्राच्या व्यापराळेवराववरायाचकृत् नापाह्रश्चातियवाक्षाच्या ह्रश्चायापातात्वाचित्रक्ष्याह्रश्चाल्याया स्राधारायाः स्राचित्रा स्राध्या स्राधार्ये विषयाः स्राधित्रः स्राधित्रः स्राधित्रः स्राधित्रः स्राधित्रः स्राधि अन्यासुरम्या अन्य केव प्रमाय केप्यासुर केव विकास समित सुन्या के प्रमाय सम्माय समित समित समित समित समित समित स चकुर्यास्तरायां गुरस्तावा वा हेरमर्या महाम् भूरस्य है। मेर बातान्विकानु र्वेटकान्यान्य विषयान्य वि नवट्या सरायम्बान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्र मान्द्रा देकार्राम्बराद्यायाची मार्विक कुरायामाव्या र्राम्बराचीका सुराया न्मर केव में अधेव भे अर्थ में प्राप्त में प्राप्त कर समा प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत यत्या मुत्राप्ता म्याया स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप मास्ट्रांबा ल दोना नैटामी हार्बा दिन सहित्या सामि में छिड्डा **इं'ई। ब'७'र**'६। धुदे'कुल'र्च'रे'म'र'६। श्रृंप'र्न्च'क्'व'यब'ठे' 5। हेप्पर्अर्द्धिर्भार्वा विष्यु केर्प्यायान्त्रकामा

पृष्ठे बालान्त्युकालुन्वान्यक्षात्वकान्युक्तिकान्यक्षेत्रः सुरम्भावा नेरम् हे वालु स्थान्या त्रहे व म्बर्या परि हे हे प्रता हे रे स्वामुला परि स्वा नवा मेना स्वा नवा लिन्यामा न्याया केषा विवास मार्थे में मुना श्रु हैं व द्यार के किया मार्थे स्यो हूं बे. छे. पुंचा स्यो स्यो स्यो स्था ही दिया है वे या प्राप्त हिंदी स्था है विश्व किया है है के स्था है व रयः रेव केव प्यव कर् रयः हु चुर या भेवा दे व व ख्याव या भेव हो। र्वे <u> हूर प्रतिम्मार्थ सम्मित्र कृता क्र हूर प्रतिमार्थ क्र हूर पान क्र हूर पान क्र क्र मार्थ क्र</u> र्श्रायन् यायेन्या स्थापेन्यात्यम्। स्यान्यात्यम्। स्याप्तान्या केष रता पु 'चुटाय मुवायाव है बाया चुटा हैं। ० ४४० खटा मी श्विवाया प्रवि हूर.विट.क्च.पुरारचालाश्यायायायाराचाचुरार्चा वायटाचाचुरार् **कुं.घ्या**७.८८.। अर्ट्र.िहट.क्षेत्रकः द्विय्यः ^{क्}ष्यः क्षट्यः क्षेत्रः कष्ट व्यन्य स्वापाद्वे ता र्रापर वहराते। व्यवण्णे कृरान्यर स्वाय स्वापास्य मु.तम्बेर.त.धा १४५ श्र.तीय.ये.तवट.ता मेलाय.रचवर.सा वेत. कुव्रस्ट्यः ह्युंद्रह्म्ययः मध्रस्त्रम् स्वरः द्या कुलः स्वरः द्यायः मुख्यः लाम्बर्धा देव, बट, बच, दूव, बिट, त. त्रा, विषा, ब. हू. ह्या श्रील, विषा, मार्मा निग्राह्म नुग्राह्म निग्राह्म - **८८.म**बुबायापन्। देवास्याया हैं यादे है। दने श्वरायागुव दन्नरास्या स्टराक्चित्राम्बर्गा स्टर्मक्षराद्याताः हेरतियराम्बर्मा हिनारिन चैया युःसुना देयर्दे हे नवितःमा देयर्दे हे सहता विष्याया नदः हैं न्<u>नाता मास्त्राता में स्त्रात्ता स्त्रात्ता स</u>्त्रा स्त्रात्ता स्त्रात्ता स्त्रात्ता स्त्रात्ता स्त्रात्ता म्रामुग्ममुन्यस्।

वित्रपुर्विष्ट्रं पाक्षुनामा भेषानिष्ठं नुप्ता देव केवा महिना

पङ्क्षुरःदवा देवामुङ्ग्'रु'रेव'केव'म्बिव'बु। देव'ब्ट'कुल'प्रि'**ॲव'** 5व.रटा रराहुर्यायाची चे चे चे चाराया विष्युष्य के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप देवःब्हःमुहःक्वःत्मुहःमद्वा देवा**ः देवाः भैवः**विषावाया देवा ब्रुपयाञ्चरकेरान्या केता अता अन्याञ्चर व्या स्नार्मना चराप्री ञ्चल'बेर'क'य'रु'८८'मबि'लामन्'र्ना वि'म**वेय**'रे'हि८'ग्री'ङ्गद्र'८मट' चन्या देयाबुराधाळात्रमारत्वुतारा ष्रा प्रात्मायाचिताया अ प्रथान्तराष्ट्राचाराण्या देवा हुवाया देवाया देवाया द्वारा निट.क्यामिताभक्षा भूराविटानुबर्गरमान्नानुबा राविटानुबर्गस्या विभवा ४८. पुरारपायष्ट्रा जा. पुरारचिराया बरारा, कुट्रा ट्यूर्य. नारिटेंब्रानार्टा अट.मृ.अट्रा छिए.चक्रैराहिट्याड्री बट्याक्रेयार्थेया <u> चुन। बुन,स्,ध्र,स्नावपानान्। हे.क्टशारा.ध्र,स्नाट्रं,अण। प्री.</u> ८६ॅग'स्'धॅ्रांब्य'चे.अध्। भ्राप्तादाचे,ध्रांच्यारतादी नेट्राक्रीयास्य बर्तर'बर्द्राः र्वे स्वा यह राष्ट्रियः देवायः मृत्युव्यः मृत्यः व सः म्यायाः प्रद्वा लान्त्वता मुलासं हालेता स्यासुरिता स्वासं हैं जारे हैं निश्रेषाता देवाहे रामा देवाना माया भूग्यान्ता हार्वा के रहार्ता यहे यम माया सहिरात्रा मासुसाय हि ष्पटः सृगुः दे 'पः 'द्रा' विष्यः दे 'पः 'द्रा' विष्यः प्रत्या क्रथाञ्चर पर्ें प्राप्ता अन्वार्थाक्ष्याकुलाकुँदाप्ता **क्र**थाकु। मुदास्त्र **५**८। इसर्हे ५५.५८.चढ़े ल.चन्दर् के चिराचक्री वि

य़ॕॸॱॸॖॱॺॕॱॡॖ॔ॱय़ॱक़ॆॱय़ढ़ढ़ॱक़ॗॖऀॺॱॻॖऀॺॱक़ॱॸॕॱॺॎॺख़ॱॺॺॎॺॱय़ॱय़ढ़ॎऀॱय़ॎॱॴॄॸॖॢॖॗॖॗॽॱॱ

वसः पञ्चिरः देशः वसः इक्षः रहिः १००० दिसः द्वाः विद्याः वसः विद्याः वसः विद्याः वसः विद्याः वसः विद्याः विद्य

श्रेश्वर खुन्य खर् है है न्यु न्य यह है है न्य यह न्य है न्य यह न्

मुं प्राया बुर कुटा वेबार या मुनाया था युनाया ख्रायात प्राया रायव दी ४ बर्यः (वेदः चुः प्रमृतः प्रमाणाः स्यान् प्रमृतः विदेः श्रुः स्वाधिका विदेशः चुः न्यार,त्त्वया,चेलया.दे.क्ष्यर,त.भेषी,तबर,म्। नेपी,पंखेयाथये,स्यो, लाक्षियामिराम्पराम्पवार्षाद्वार्थास्यान्धान्यास्त्राने निर्मार्भे निर्मार्भे निर्मार्भे पकुर'दे। पक्केर'ह्यास'नासुका'(नाधुका') तालावस'या १८'र्स' कु'र्झेटे स'र्सन' 라다. 오디지 세도점. 8. 모어. 디 웨스. 점마. 라드 오디 최. 호점. 다니 A. 다시. हूर प्रचारमा पर्या चे अर्था अर्थ स्थर में अर्थ है र क्रिया श्रमा नियामायम्याचियाद्राह्या पाकूनाचिमामा निनाह्रवाचानाया हैन'हैंग। है'रॅंब'विट'क्व'न्यल'म्। यदे'निवेनवाकु'र्य'यदे ह्वांचा पान्यम्पाना प्रमुयानुग्वा अन्यक्तान्त्रमः। ह्युपार्श्वेदार्यदः 5व कुल मा त्रा हिव क्षेत्र कुल मा हिव कि स्वारमा कुल मा देर्भस्य कास्त्र भेता देर्भस्य सार्श्वे स्वापास स्वापा से सार्थे स्वापास स्वापा से सार्थे से सार्थे से सार्थे स लाञ्चिताकावनायात्वा क्रेयिक्वे स्वाविष्ट्रें वायि क्रेयिक्वे स्वाविष्ट्रें वायि क्रेयिक्वे स्वाविष्ट्रें वायि क्रेयिक्वे क्रिया क्र क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्राय क्रिया चकुर्'ल'र्स् नालायाकु'र्वाव 'वेर'वा कृत्यवा विवादि वा वानाला कृत्वा वानाला कृत्व व वानाला कृत्व वानाला कृत वानालाला कृत्व वानाला कृत्व वानालाला कृत्व वानाला क <u>बेलामनकाते। भूराराणम</u>नुमलाञ्चनकाणुग्ननेगमनेकाङ्गराहेकामनु। **돈ॱ훃디자**'힌'디리'宀'淺드'은'디贲'구'횔리'라'데지드'줟디치'줟'시진'연면도'현'라'ギ***** **ॻয়**८४.४४। अर्.ब्रुंपस्थार्श्वस्य.ब्रुंग्यःकु.पक्षेत्रार्टरायराबहरी

च्यायां के प्रश्ने के प्रिके के प्रश्ने के प्रिके के प्रश्ने के

हारतराम्प्राम्बियामसामितारु सिक्षेत्रम् अक्षामामधुन्। हेसारे स्याम लालमा भ्रान्दाकुलाचाहाला देवाहामामाधुलानु। वेरहाही वासेना ला देवालाकुन कुरी रावनार विनाम हैया । वानन कुरी त्या वान वान ला नेबर्नस्कुरम्बर्धम्रु। हिंड्रबर्दिक्टरमाला नेबर्न्दर्सर् पञ्चलामः कतः हु। यहासार मुहाराम्बर्गायम् ना मे मे मे प्राप्त मे मे मिटा पुष्प प्रेक्षे मित्रा मेर्पा सेरा मिल्या त्राम्य प्रमुखा मिल्या gri वामरावाम्या श्रीताम्या श्रीताम्या षदा शुत्राम् केमा श्रा विष्कुः मान्या विष्य कुः मान्या प्रति है। मळनायाणुःसराप्टा वाद्वारविषाक्षेत्रमाने रताया उदाता कुरायत्र म्बद्धानाम्बद्धान्या विद्युत्विष्टुत्वह्तिः विद्युत्विष्टुत्वह् म्बा मन्द्रमहे कुर् बेर्पा सुर् ग्रेष्ट्र कर्ा महेर्गी मन्द्र समस् कु.कैट.इ.ड.बावररज्ञा अ.क्ट.च.व.श्रूट.च.च.घ्ट.कु.लव.क.व्याच.च.र्ज. म्युअर्ची कुन्। विरमर दन् में में निर्मा १ अवस सेव से हुर विवासे दवा निर्मा हु हुंदान नवा प्राचित की किरा की किरा की किरा का सम्मानिक के मा निम्म करामा सुमा यमका समा भिवास का महि महि महि महि महि स्वर् कुर्यराञ्चरयराया देवारस्वां कार्यटान्यराधाया हेवानुवानवेदा [विमा] ला देवान्याकानेवावचुयानवकाला देवान्यान्यानेवाचेपनासम्

ह्र्चलाया छुवाया चन्त्राचित्रा

नुष्काकात्वा प्याप्ता द्वाराया देवकारीयामराम्युनारी

अपनिनेरानिन्दानिक्षा निक्यानिन्दानिक्षानिक रमः बूदः खुरिः दमरः खुव शुः अर्ह्णानी जो नेवा १८० नेवा रमः रमः रमः रमः मनमा करार्ट्रहे केराया करार्ट्रहे कराया करार्ट्रहे कराया **८८८-१४ - १९४ | १९४ व्यापक प्रैमणा** श्रुप्त है । विष् मर्ख्याम व्रवःहिरात्मेराम व्यवःश्रुषुःशर्मवःम। प्रमशःचुनः **बहै द्वियाना अर्दे द्विद्यान्यम् मान्यस्य म्यान्यस्य मान्यस्य स्य स्यस्य स्य स्यस्य स्यस्य स्यस्य स्यस्य स्यस ब्राम्य विश्वामा व** रताम्बर्धा देशार्या ४ छ. भावेता कितार्द्रा झाल्ला त्र्री है । नि.रच.सूच.कटा च.रट.सूच.क्या अ.च.कुच.३८.श्रा ट्या.रघात.स्या. **⊕4.**Ы.च**⊕**2.21

बूँब हो। ब्रैन नाम निवेद दी। रया या या या ब्राब्ध वा ब्रीन या प्राप्त अपी रखाता हे हि नियमा में भेव से बार या में मार हिम्म स्मार है है नियम। कुर-रखाया गुन-झूब-रखाय-र्य-प्य-वि-ह्या वियाध-इव-ट्या-द्या र्याच माले.ड्रा प्रमासकारी प्रमासेटाची की हैंब समानी राज ताम्वीयथास्या ४वे.घवं.चया.पुषा धूच.षाचीया.घूच.घ्राचमूरा चुरा मुपार्वेयामार्म् चुरा हेप्पर्वराकेवार्येते सुनामास्मा हेर्नन्यः प्रदायाकेषा श्वाया स्वाया स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः विदा रम्बरम्द्रम्थरम् भ्रम्भः श्रम्भः विदानायः सम् **६ॅ प्राप्त अंतर पुराय वे। क्षाया श्रीय वेर। हे प्राप्त श्रीय अधिवाया** (हे।) बीटाब्र्टारिश, अपना ॐशूटाॐस्वा, ता विश्वसाचा वट्यर्यारा ढ़ऄॕ॒॔॔॔ॱढ़ॖॱॻॱय़ॱॺॕॺऻॺॱय़ॎॱॺढ़ॖ॔॔ॸॱऄॣॕॸॱॿॆॸऻॱॱॐॸॖ॓ॱॺऀॱॐॖॸॺॱॻऻॱॱऻढ़ॺॱॻॗऀॱ र्झन'र्डम'य'८८। ८मे'र्श्वट'ल'लन'य'८८। ऍल'म'ळ्ब'म्खटा देहे[.] য়ৄঢ়৻য়৻য়ৢ৾ৼ৻য়ৢয়৻ড়ৢঀ৾৽ঢ়ৄ৻৾ঢ়৻য়ৣঢ়৻য়৻ঢ়য়য়৻য়ৢয়৾ঀ৾৾ঢ়৽ঢ়৻ঢ়৾ঀৼয়ৼ৻ म्भूभाभाशहर्याता हि.येवाना हि.येवायापुर,येथायाषूय्वायाया ला ह्रांचायायवराष्ट्रमायवे दे। नेसाराणी स्वराध्मासराखाना हेमस पद्रःश्वरःव्युन्द्रुर्या द्याम्बन्धःक्षुःस्वरःयुन्द्रुन्यः वस्याणीः व्यवस्यविष्याः स्वानाः स्वाना बट.रे.वैंट.ह.। ह्रेंचेब.र्व.थु.४च.सूथ.रुवी वींच.रूप.४.रट.अ.सू गुव'स्वा न्यंट'य'रल'ख्टा न्यंट्रय'हें ख्रमा हें न्यंथ्स्व न्यंट्रयाख्ट 월지 명다'중대'청회적'두다오'취조'취회'대'청미청'다'최도'전'두자'다조'최본두'주|

रे.ंच,च,च्र.ध्रा लट.ध्रुच। ध्रुच,क्र.ल.देबक,च्र.चक्र.चक्रैट. टे.चेच,च्र.ध्रुच,च्रु

बुतःस्तिःस्तिःस्तिःहेन् केन्द्रः। १वे प्याम्मक्षःकृतःप्यस्यःहेन्स् स्वा

पुरः महिनायसः हे। प्रसरं बैदार दानी 'खु या विषयः बुदारा मुब्दा हु सम विषामुकाम्बद्धायाम्बद्धार्थेता पद्गावाक्ष्याम्बद्धार्थेताम्बद्धार्थेताम्बद्धार्थेताम्बद्धार्थेताम्बद्धार्थेताम हेव.रच.लब्रु.४८४मा.रटा अ.४८४म.मि.च्र.४४मा.चेरेश ४५४मा. <u>ब्रुच-८-भुःश्चितान् १४। श्वानाम्बन्वर्मनियान्त्र</u> भुःश्चित्यन्यः क्वार्यक्रालाचाया द्वारहिंदारहिवारहेवालयाक्विताखेरा बारद्याक्वेला महैन। बैरअप्रेवर्यारे कुलर्यर्दा वर्षर वर्षे मेवका कर्रे किंदा वर्षा क्षे-द्रम्ब-५ सुवायाप्यव्यक्ष्य कर्न्ता प्रमदास्त्रीत्। स्वयः प्रम्यः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः मिलाम् चरालन्याण्या हिरान् बन्नान्य मान्य **ब्रिल, तूर,** तम्प्रेता अहे। ४६ अ. ग्रुट, ४८ व्रुप्त, ब्रिल, तूर, **अ**टा। ब्रुप्ट प्रमास अग्रुय, श्र.ह्रचयःच। लूटशःश्र.चेचशःचधःचधःच्याःचश्रमः चिट्टःक्रुरःचश्रसः ८८.ब्रॅ.वेर.चेडेंंचा चेटेंट.कैंट.घट.त्रंब.चर्येर.घ.घा वि.च.कुटा.४ट्रे. हराम्बुमार् १९६९ वस्तायार् पर्वाति कुलायाः । देवसार्विरायसा हुराकुलावदी नेप्यदाळदालायदुराकुदाबेरा वर्दरादाबराधवायापुरा पादरा रर पुष्टियामा स्वापिक विष्य भूनि देनमा प्रतास प्रतास मिन है। अन्नरुवारहिवाधीमहृहाकदावया अदामहे क्रेक्ट्राक्टरायरायमहा म्ड्मायन्कुलर्दराव्हिता स्नामिनार्दरक्षाकार् सराद्रमणानी कुलाधरायदी। देग्यदेशिकेटा दृष्ट यहाँ सालासा हिन

गुै कुल रॉर पर्स पर्से पर्दे। पुर हमस पुरु पा मुद रॉरे खूरल प्वम दे किया ब्रु'ल'द्वट'वभुर'दे'ल'वभू। कु'वन्'न्ड्न'ष्व'क्वल'व्दर्वा वेषः मुं अलाव निवास विषयः विषयः देषा विषयः व र्षुन्यः पद्धरः प्राम् केदः पद्धे भ्रेयः अप्तः रायम् स्या यसः कृष-याः मह्या चु प्यापाद्या प्रायाः न्याप्यात्या । विष्यात्या स्वा अष्टिब्रस्यायन्त्राय्याव्यायस्य स्टब्स्यस्य विवास्त्राचित्रः विवास्त्राचित्रः डुते सूर पासहर। में अर.रचना में मुल.स्य.रदील.पान्नीयश्रवा त्यन्त्रायः क्रिंग्लेष्यः म्यायहर्। क्रिंग्रायः क्रिंग्यः क्रिंग्यः व्यायः क्रिंग्यः क्रिंग्य द्रमा सुद पा सेला कु दमा महिमा लगा कुल द्रा लगा स हेका से पा हैना न्वन, बूर, कु.के.क. त्या, चे.वह. त्या, तक्षा, व्या, व्या र्मसं के हिर्देश्या है स्वरं में द्राया के ती के स्वरं के ती के स्वरं के ती के स्वरं के ती के स्वरं के ती के स कुल विस्तर दी र्यट कुर रेष (रेस) यायह पहिना कुरा वासि स्वर परु'माहैस'गुँस। श्रेस'पहें'पहुं'हु'माहैस'८८'। कुंस'स्द्'रुमा'रु'हु' चलें सम्मा निष्ठे नामरानु मिन्युराणुरा चलारानेव उवासी सुवार्या सेना सि प्तर्भुर'कुर'कुर'पर्दर'र्घ'केदा अर्दर'प्यस्य'णुट'य' ⟨व्य'⟩ दुट्'व्रा त्ते 'ता श्रुप्तामा क्षा व्यव म्या म्या व्यव विकास स्थापा विकास स्थाप वस्यायम्ब ब्रिंगमञ्ज्ञम् नार्वः स्थानः हि । कुर्ममञ्जू स्वरामः ख्रीमः कु । कु 496

मर कुल ख्र कुर पर लर्दि। दे द्रा होत पर है कि में है कि में है कि में है ्रक्टः> यः मठिमा कुर् रहे ग्या थेवा हे स्थेटः वः मिला स्थार स्थार स्थार स्थार यःषुत्रःश्च्रतःश्च्रतः। तन्यःत्रःनुःहेषाः ठदः द्वेत्रःमु। एदः यः कुत्रः वित्रः स ष्रवायाया विदायां द्वाळाच्या दे त्या कुटायाया हे कुल नहर हो पर द राये का सुर है । विश्व सार है । है से सार है । है से सार है । विष्यरामुग्याये । देर्थामुग्युयाय४ वृग्धारत्वु स्या देर्के ग्यावयामु <u>चि'पत्र'षेदा चै'मुअ'पडद'र्घरे'सुब'म्</u>युअ'या ळे'८्म'म३८' <भ•> वि'শ্ट'त्र श्रुवाया শ্ट'क्वियाययय ठट्टे व या चेया ಹ್ರ⊏' ५ना १ वि १८ में १५ वि १८ मुल १८ मुल १८ मुल १८ वि १० वि १० वि 요월도·전·8·〈영·〉周·평·전·조월미씨 [P·중미·요우·대·충두·디카드·〈충드·〉크지 ञ्चितात्वर्म्यरादेवयाचात्रा देवाचितास्य १ रामायादा लेम्बर-८८-छि.२.ज्ञाचा ४म्चेट-४४-४ प्रचाबर-धुबर-मु.८८। खे∙**सॅ**ॱ दे.हैर.वेरा क्ष.स्.जम्ब.की.कैषाःस्थाला चवर.वथ.व्य.वेर.पे.वी.त्यू. देंर्नाः हे प्तक्षे कुर्यू में 'बेरा प्तु' हे ना ठद 'द' हे 'पकु र' बेरा हे 'पकु र' पिंदे' য়য়'वे। १४२'स्टामहब्दामाधेवा देवे असम्बिमहब्दास्य वा देश ्बरा विषय कुणान्यम्य व देश बराईना हे र्वेन पर्व पेवा म् अव वितास्त्र वितास हेंदु'चु'म'भेदा देशे खुका झुना नु'मा ३द'म चेना का भेदा देशे खुका मादका देर सिंदायहर सिदा देशिस्य र्सेंदायहर समार्थ से मार्थ है देशिस्य पुरासेंदा पुरा म्बिन्यम् देशे श्रम्यम् श्रम्यम् स्वरं स्वरं स्वरं देशे स्वरं रहे स्वरं स्वरं स्वरं माडी हें अक्षिये के प्यर्थ ता विश्वित के प्रवित्य माली है दें स्याके प्राप्त स्वाप्त स त्त्रीतः'भ्राखुः रेग्नर्दार्भेग्वेदा **स्वावस्याम्यान्यस्यस्यतः सुम्बन्या छ्**टः नमारन्येयवन्यं भेवा नम् हैमा ठवावया स्यापित स्ति। यन वे मर्का भित्रास्त्र विकास के दिना स्थामा ठवा की निर्मा व व का कि हा कि निर्मा महाराजाक्ष्य मुर्माचा त्रेटाया त्राह्म प्रकामहेकाला स्वामहिता ढ़ॕॸॱॿॖऀॱॱॹॖऀख़ॱय़ॱॸऻ॔ৡऀॺऻॱॱॶॿॱॻॸॖॿॱक़ॗॸॱय़ॱॸ**ॖॹॱ**ॸ**ॸऻॱॱॕॸॱॷ**ॸॱॺॱ**ॿऀॱ** न्यत्यकर्भिन्नवत्रा नेप्पञ्चरम् हैसारहिन्सायाया केप्स्याक्केनिस्हेरहेरहेरहास वर्गता वि.[[४८.]] हुर. री. ते प्रवास वा वर्षता वर्षा है हि पर स्थान भेवा छ्ट'न्न'यम्'वैयायहेन्याप्नया नेवेष्ययाम्'वैयाय**हेन्य'** यास्यावा देशस्यम्बर्भाते देशस्यमःस्यादमःस्य

खेयान्त्राच्या अधायेन प्रतारि क्रिन्य प्रतास्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य क्रियान्य त्याचेरायाः वर्षेत्रवेशत्युर। सातान्येरान्तानेताताचन प्रवासना है लाउटा नेवा वे त्या हिन् मान बहुना हुन हुन निर्मेव ता है हिन्दरी संक्रुकारदेग्बळ्चारदिग्यास्यापार्म्ब। स्व.२व.के.व्यूचाचस्व.४व. केद अही युगल हे है अर ६र्में पा गुद ति हूँ मा सि मुक्त देव केद सम्बर्धा गुव चु चु च चकु र हव कु स अळम र न स स स स स स स र न र र न स য়য়য়৽ঢ়ৢয়৽ড়ঢ়য়৽য়৽য়ৣ৽ঢ়য়৽য়৻ঀৢঀ। য়৽ঀয়৽ৠৢ৽ঢ়৽য়ৢঀ৽ৼঀয়৽য়য়৽ पन्ता यटयानुयात्वीयायहे **सु**न्तियायानुयायहेया रेग्यास्य स्त्रा मयाद्वापरिः भुत्रपाय। कैना हेमा देवा केवा के ने ना रखेटा मारही रहा ५न द्रवायरारेदाळेदारखेटाचारेगालेदानु। कुलाख्रवारस्वायराळेवाणी **८चर, ब्रेंब**.जा ईश्वाबिंदे.चेजातपुर्टेट. टें.४कू बे.तर, सूचे ।

「「一方」」「「一」

दे प्रविद म ने नवार प्रवास राम र सिर प्रवेश प्रवास मार विद र विवास मिर पर व्यः मुः हिंद्यः ८६ द्वाः ८५ ल. ८ मि १ मुः ५ ८ मा मा स्वारं में १ मा स न्युकाकन्द्र-८: पुरुषावर्षेद्र-१ विवादाका वार्षेत्र विवाद्य विवाद विवा विम्मान्यतात्रव्या कर्णी वृताहेती म्मात्रव्या विनामी मान्या विनामित क्रापदीरभाक्षां रेशपारा पुर्वा तर्वार्ट सार्वे रहा प्राप्त रहा विषय · सम्सामुकाणुदामुः द्वाराप्राप्तकाक्षाप्ताः चुम्राकृताक्षेत्रकार्यादे द्वार्यस्यः प्यथालयाता १व.र्य्यान्टा केषा. ई वर्षा है वर्षा पर्वे अंकु व र तुः **बुन्य व**ंगी र हैं र सुरार्यमा प्ययः वी रेना पारहे व रा द्वारा है व सार्थे । प्रवादित्या मिटानिष्ठेशानिष्ठान्ते । निटायानि त्तुलाने ला ने स्वापा विषय के हुन्'खुद्'सेल'दर्में'प'दहेद्'सहर्'या सर्वद'र्यं हुद्'रस'न्हेन्सलाहुन् त्रव्याम् द्वान्यन् मुन्यत्राम् कर्षायाकेन्याम् न्यान्यम् निवान्यम् ฐมามิน.ปู.ชมี.น.ช2ีนโ พลุป.น.ฆอง.พฆ.โฏป.ห.ตินโงชุพ.ษ์โ कुलार्भव पुराकुता से समा प्रति द सायरात्री समी रहे पा श्री न समा प्रति द समा ম্প্রথম. প্রবা गुदायाच्हे प्रति प्रुग्या हे रहा प्रतृत है हिना में हिना में रहे सामि रहा विकार य**ॱ५**८। तहेन्'हेव्'अर्नेव्'यॅ'रेव्'यॅ'ळे। कुल'पते'स्रग्'यं'अशु'यं'र्कस्र के'मेबा यदायदाद्वियामायह्यायहार्दराष्ट्रकाव्या यगहामहिरामदा र्मे : है ' क्रेन : येम्य प्वीम्य द्या १८ मार्च है 'या देन है राम्य साम्य द्या ।

ँ निष्णमः कुलार्सियम् तरे व्यवः ग्रीष्णे मो तरे प्रमान वर्षे माना निष्णे व यान्या केनायमायार (न्यारा) वर्षाते हे हिरावयारा (न्यारा) वा ইব'নের্ম্বর্মান্র্মান্ত্রি'ন্ত্রন্ত্রাক্তর্বান্ত্রিমা ব্র্নাত্রের भ्रमान्वराम्याकाम्। विष्वराष्ट्री व्याप्तान्य विष्या **न्यतः ह्वाक्षाने न्या**रायात् स्वार्याया विष्यत्ते त्या के त्रेन्या कुषा में द्वाराया শ্রীঝাঝর্ল, নার্যান্ত ক্রিমান্তির, প্রান্তর বিশ্ব প্রান্তর বিল্লান্তর বিশ্ব প্রান্তর বিশ্ব প্রাণ্ড বিশ্ব প্রান্তর বিশ্ব বিশ্ব প্রান্তর বিশ্ব প্রান্তর বিশ্ব প্রান্তর বিশ্ব বিশ <u> ५२.२५४२.वर्षात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या</u> 요축도'요본'록 리자'도다' 때는'본'전'론자 다전의'따자'때문'다'전원'켰는" वसान्ता मायासद्वानिसाठवाधीसामहियायान्ता वाह्रवामहिया युवार्ष्रवान्द्रसम्युवारग्रीसम्युवारा हेरकेष्ट्रायदिनायदावान मिनायसम्य पर्ने**व**'स'न्हा, अहारलायाच्वा वि'र्विवासवायवापवान्हा। वि'रिव्या **न्दा अमिं ११ वैदाय विश्व वार्य वार** ॻॖऀॱॺॕॱॻॗॖॺ**ॱढ़ॺॺॱ**ॸ॔ॸॱऻॎॸॕॸॱॸ॔ॸॱख़ॖॻॺॱॸ॔ॸॱॺढ़ॺॱऄॗॸॱॻॗॱॺॱॻॖॺॱॺॎॱॴॻॺॱ मा**इबरागुः द्वृत 'तुः मान्यः मार्थः गान्यः मार्थः गान्यः मार्ग्यः प्रमान्यः मार्थः गान्यः मार्थः मा** क्रीलार प्रशासन्ता क्रुया सुनाया प्राप्ता क्रिनाया प्राप्ता क्रियाया क्रियाया िंचा.ता झ्चेथ.<स्व.>त.चेश्वा क्रेज.धूर.वात.ता तथ.त्.चाश्वर. न्नस्य न्याः विषयः संस्थाः विषयः स्थाः विषयः स्थाः चित्रीयम्तरकेलम् म्राम्भुग्विते प्रति प्रति प्रति प्रमान्यम् । तर्वापार्या ८ **इ**ब ८ ई बर्टी अपने प्राथय चुट पर ८ १ । दे द्वाय की विषय कर विश्व कर विष 리자·독有·미5有·대·전대 영도·제·드등대 쵤·제·디5대체 출자·디제·디5다

म् जन् । जन

त्नायात्रयुताकेनायते देखाकायदेनायम् त्रीयाक्षी त्रीयाक्षीत्र **क्षे-५८-वा** प्रताः हेना स्ताः देना रुवा थान इत्यर निवस्ता हिना कराया केंश्रम (८०) १ वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा १ वर्षा वर्षा वर्षा १ वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व **लन्याम्यान्वेन्याः स्याद्ताः इत्याम्यक्ताः स्याद्यान्यान्यः स्याद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थात्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थाद्यान्यः स्थात्यः स्थात्यः स्थात्यः स्थानः स्थात्यः स्थाय रू.र.प.श.**चीतश्राता. केशश. में ट. हे. हे.स. पश्चित्रा ८ व्याचा पार्षः ही प्राचा अश्वा ब्रिनायहे. याजा क्ष्याची क्षेत्राची विषयात्राच्याचे विषयात्राच्याच्याच्या मुलार्चा सहित्रा प्रिंद् सासु गुन्य । से नुवा वहु दारि मुला नक्ष के विषय थे। व्यव प्रवासन्य पहिन्यमा साबुकाणुमा मेन्या सुन प्रवित स्वय मेन माबेनामरामान्। गुवान्माषुवार्वेनावारमावार्ष्ट्रवार्वेनान्। निर्मवावा **रैवः घ**रः के नः **मॅन्** 'ग्रे' खुन्या अरः नवः निर्मानीयः न विर्मान में व **र्वेश्वरते प्रमान्याम् वास्यवास्यवान्याः ।** देराकारा दुवानाम्बद्धाः महत्वा क्रियास्य *ৡ*। ন৸৬.৴৴.৸৴.য়৾৴য়ৢ৾৴৻৸৴৸ঀৢ৻৻৸য়ৣ৻৾ ৸ঀ৾য়৻ঀ৸৻৴ড়ৄ৴৻৴৸৾ त्त्वात्त्रं म्या हत्। त्राहि क्ष्यायणी स्वायीतात्रेषात्रेषा स्वयायीतात्रेषात्रेषात्रेषात्रेषात्रेषात्रेषात्रेष द्देव-भुषा वेषा-केष-क्षाय-देश-वेष-क्षुका-ध्यावा वेशवारव्य-दे**व**-दु-१८**९**-**चैकानभूर**, देवका श्रीका विकामित्र, तेमानर, क्रीर, जा कटका मैका भूषी

स्यार हुँदानी स्यान्त्र का स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्

त्रिके सेया मेर् क्या मामिता

ॳज़ॺॱय़ॸॱॻॿॖॸॱॺॱऄ**ज़ॺॱय़ॸॱॸॗऀॺऻ** ऄ**ज़ॺॱय़ॸॱऄॗ॔य़ॺॱ**ॺ**ॱॺज़ॺ** तर अह्री श्रश्चें प्यायम्र द्वयातिषात श्री पविर प्रेपाय देष बार्चिम्बायाप्वेदातुर्भेदा अदारमाणुदायार्भेरादाबाम्बायासुर्भेवानुरा भैॱमे'म्ब्र'यास्ट्रेर'र्ह्च'याम्बुट'या**र्न**्। प्रैस'द्रस'र्ट्र्र'यहटसाद्र' पट्या स्ट्रिं प्राचित्र **ल.रपशः ध्रेशः** श्रेशः श्रेयः श्रेयः श्रेयः श्रेयः श्रेयः नम्र है ब भे मे द्विन सम् द्विन वा निष्य देन । या ष्ट्रा रुबाळ्याचायाची स्वाहित्याहे त्यारा स्वाहित्या ४८. तयः १८ वर्षः १८ वर्षः बेर'९६, सेर.बी अटबा केबात केबारा हुन सार्य प्राप्त कुछ। संगी श्राम स्थान रयः इस्या मुयः केवायायायायुर ग्रीयायी मुगमर खुलः पुंगायायारः लहर। देवसम्मन्सरेहेव्हर्रहरी रेमसम्बद्धाः कुलाकुलाम् वै। वेषः ५ विव द्वापासुव प्यापार देव चुवा न्न ५ पा है व ह्वापाद वर्षा चुवा पञ्चरा पर में प्राचित्र पर पर सहिता दे हेल सार प्राचित्र प्राचित् ने'वृष'हैंन'ञ्चन'म्केष'वृष'न्ना चुन'सेशष'स्व'यश'म्बय'चुष'णुन्। देर सर स्र मुन्दर प्रदेश न सम्बन्ध के बार के ने कि मुख्यायर वुर रहेर् प्या ्यर्वा नेय क्षा क्षा स्वाया वारा वारा महेराया प्रतासे के मा हैन। दे व का पर मा में व का पार में का स्वास्वर यर मृंग्र त्यायायायायाया है सेन प्रमायते प्रमायते प्रमाय है साम्यस्य

শন্ধ শৈল্প স্থা । ব্ৰীন্ধ।

038406

Accession No....

Shantarakshita Library

Tibetan Institute, Sarnath